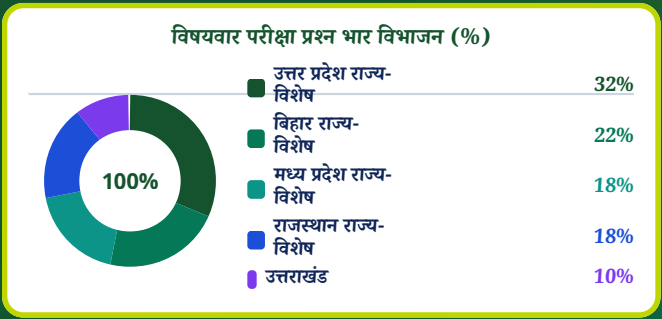
IUC ACADEMY
INCLUSIVE UNIVERSAL CAREERS ACADEMY
Learn. Prepare. Progress. • www.iucacademy.com
IUC अकादमी नोट्स

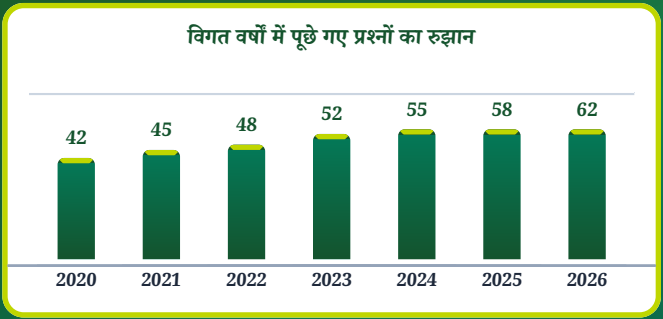
संपूर्ण
पाठ्यक्रम • विस्तृत व्याख्या • तुलनात्मक सारणियाँ • अभ्यास प्रश्न

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान

COMPLETE STATE-SPECIFIC GK: UP, BIHAR, MP, RAJASTHAN & HINDI BELT STATES

UPPSC PCS, RO/ARO, UP Police, Lekhpal, VDO, BPSC, Bihar Police/TRE, MPPSC, MP Police, RAS एवं REET के लिए उत्तर प्रदेश (75 जिले, ODOP, इतिहास, भूगोल, बजट), बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा उत्तराखंड-हरियाणा-झारखंड-छत्तीसगढ़ का संपूर्ण राज्य-विशेष ज्ञानकोश





लक्षित प्रतियोगी, प्रवेश एवं विभागीय परीक्षाएँ (Target Exams Coverage)

UPPSC PCS & RO/ARO • UP Police/Lekhpal/VDO • BPSC & Bihar TRE/Police • MPPSC & MP व्यापमं • RPSC RAS & REET • UKPSC/HPSC/JPSC/CGPSC

इस पुस्तक के प्रमुख खंड एवं परीक्षा प्रश्न भार (%)

- उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष (इतिहास, संस्कृति, भूगोल, 75 जिले, ODOP, जनगणना व योजनाएँ) (32%)
- बिहार राज्य-विशेष (मगध/मौर्य/चंपारण इतिहास, कोसी-गंगा अपवाह, जनगणना व आर्थिक सर्वेक्षण) (22%)
- मध्य प्रदेश राज्य-विशेष (राजवंश, जनजातियाँ, नदियाँ, राष्ट्रीय उद्यान, खनिज व पर्यटन) (18%)
- राजस्थान राज्य-विशेष (राजपूत इतिहास, किले, लोक देवता, थार मरुस्थल, इंदिरा नहर व खनिज) (18%)
- उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष त्वरित मास्टर कैप्सूल (10%)

संपूर्ण पाठ्यक्रम
NCERT एवं मानक स्रोत

तुलनात्मक सारणियाँ
प्रवाह आरेख व चार्ट

स्मृति सूत्र
त्वरित रिवीजन बिंदु

अभ्यास प्रश्न
व्याख्या सहित हल

आमुख, परीक्षा भार विश्लेषण एवं अध्ययन रणनीति — उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान

IUC Academy (Inclusive Universal Careers Academy | www.iucacademy.com) • आधिकारिक अध्ययन नोट्स

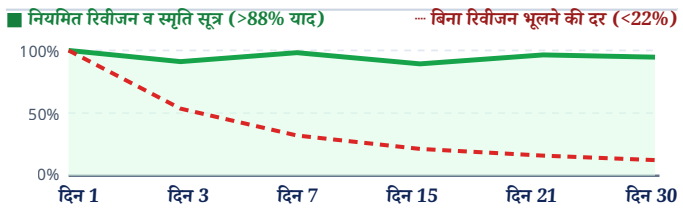
प्रिय अभ्यर्थियों,

अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं एवं विभागीय पदोन्नति परीक्षाओं के नवीनतम पैटर्न में अवधारणात्मक स्पष्टता और सटीक तथ्यों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से **IUC Academy (www.iucacademy.com)** द्वारा इन विस्तृत अध्ययन नोट्स का संकलन किया गया है। इसमें प्रत्येक अध्याय के साथ **तुलनात्मक सारणियाँ, प्रवाह आरेख, महत्वपूर्ण सूत्र, 'क्या आप जानते हैं?' बॉक्स, 'परीक्षा सतर्कता (सामान्य गलतियाँ)', स्मृति सूत्र (Memory Tricks)** और **व्याख्या सहित हल प्रश्न** दिए गए हैं ताकि आपको पढ़ने और याद रखने में पूर्ण सुगमता रहे।

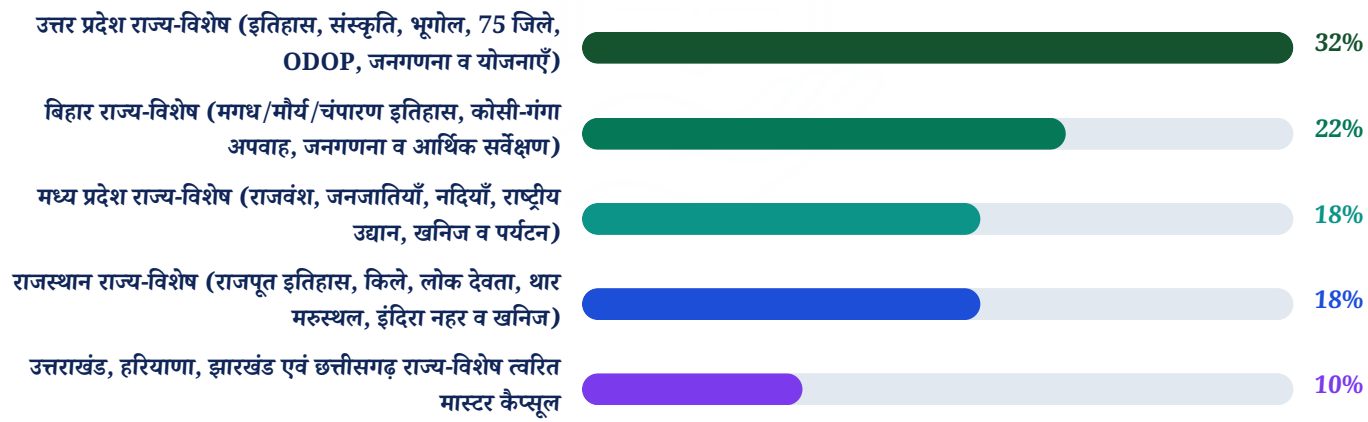
कठिनाई स्तर के अनुसार लक्ष्य सटीकता एवं कट-ऑफ (%)



नियमित रिवीजन (1-3-7-21 दिन नियम) एवं स्मृति धारण ग्राफ



अध्यायवार एवं खंडवार प्रश्न भार सूचकांक (Topic-wise Weightage %)



प्रामाणिक पाठ्यक्रम एवं आधिकारिक संदर्भ स्रोत (Verified Official Sources)

- IUC Academy UPPSC & State PCS Portal (https://uppsc.up.nic.in/)
- UP Police & State Exams Syllabus (https://uppbpb.gov.in/)
- भारत की जनगणना (राज्यों के आँकड़े) (https://censusindia.gov.in/census.website/data/census-tables)
- उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद (https://bor.up.gov.in/)

विस्तृत विषय-सूची एवं अध्याय संरचना (Table of Contents)

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान • संपूर्ण अध्याय, तुलनात्मक सारणियाँ, अभ्यास प्रश्न एवं त्वरित रिवीजन

1. पुस्तक क्रमांक 30: संपूर्ण उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान अध्ययन नोट्स

- (Complete State-Specific GK: UP GK, Bihar GK, MP GK & Rajasthan GK — UPPSC, RO/ARO, UP Police, Lekhpal, VDO, BPSC, Bihar Police/TRE, MPPSC, RAS, UKPSC, HPSC, JPSC, CGPSC)

2. अध्याय 1: उत्तर प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, मेले, उत्सव, घराने एवं पर्यटन स्थल

- 1.1 उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक विकास-क्रम (प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक काल तक)
- 1.2 शास्त्रीय नृत्य, संगीत घराने, लोक नृत्य एवं लोक नाट्य
- 1.3 अध्याय 1 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
- 1.7 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, UP Police, Lekhpal)

3. अध्याय 2: उत्तर प्रदेश का भूगोल, नदियाँ, बांध, वन्यजीव अभयारण्य, मृदा, कृषि, खनिज, उद्योग एवं 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)'

- 2.1 उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, विस्तार एवं सीमावर्ती राज्य
- 2.2 अपवाह तंत्र (नदियाँ), झीलें, बांध एवं सिंचाई परियोजनाएँ
- 2.3 वन्यजीव अभयारण्य, टाइगर रिजर्व, पक्षी विहार एवं रामसर स्थल
- 2.4 मृदा, कृषि-जलवायु क्षेत्र, खनिज एवं 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)'
- 2.5 अध्याय 2 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
- 2.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, Lekhpal, VDO)

4. अध्याय 3: उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था, प्रशासन (18 मंडल, 75 जिले), जनगणना 2011, बजट एवं प्रमुख योजनाएँ

- 3.1 उत्तर प्रदेश की संवैधानिक एवं राजनीतिक संरचना
- 3.2 उत्तर प्रदेश के 18 प्रशासनिक मंडल एवं 75 जिले
- 3.3 उत्तर प्रदेश जनगणना 2011 के संपूर्ण आधिकारिक आँकड़े
- 3.4 अध्याय 3 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
- 3.6 उत्तर प्रदेश बजट, एक्सप्रेसवे नेटवर्क एवं प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ
- 3.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, UP Police)

5. अध्याय 4: बिहार का संपूर्ण इतिहास (मगध, मौर्य, बौद्ध-जैन, चंपारण, 1857 में कुँवर सिंह, बिहार का गठन), कला एवं संस्कृति

- 4.1 प्राचीन बिहार: महाजनपद, मगध का उत्कर्ष, मौर्य एवं गुप्त साम्राज्य
- 4.2 बौद्ध एवं जैन धर्म में बिहार का केंद्रीय स्थान
- 4.3 मध्यकालीन बिहार, 1857 की क्रांति (वीर कुँवर सिंह), चंपारण सत्याग्रह एवं पृथक बिहार का गठन
- 4.4 बिहार की कला, संस्कृति, लोक चित्रकला एवं पर्व-त्योहार
- 4.5 अध्याय 4 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
- 4.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — BPSC, Bihar TRE, Bihar Police/SI)

6. अध्याय 5: बिहार का भूगोल, नदियाँ (कोसी, गंगा, सोन), वन्यजीव, खनिज, जनगणना 2011, राजव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण

- 5.1 बिहार की भौगोलिक स्थिति, भौतिक विभाजन एवं सीमावर्ती जिले
- 5.2 बिहार का अपवाह तंत्र (गंगा, कोसी, सोन, गंडक), जलप्रपात एवं गर्म जलकुंड
- 5.3 बिहार के वन्यजीव, खनिज, जनगणना 2011, राजव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण
- 5.4 अध्याय 5 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

• 5.8 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — BPSC, Bihar Police, Bihar Teacher TRE)

7. अध्याय 6: मध्य प्रदेश का इतिहास, प्रमुख राजवंश, जनजातियाँ (भील, गोंड, बैगा, सहरिया), लोक नृत्य, पर्यटन एवं यूनेस्को स्थल

• 6.1 मध्य प्रदेश का ऐतिहासिक विकास एवं प्रमुख राजवंश
• 6.2 मध्य प्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ (भारत में सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या वाला राज्य)
• 6.3 मध्य प्रदेश के लोक नृत्य, लोक नाट्य, उत्सव एवं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
• 6.4 अध्याय 6 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
• 6.8 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — MPPSC Pre, MP Police, Patwari)

8. अध्याय 7: मध्य प्रदेश का भूगोल ('नदियों का मायका', वन, राष्ट्रीय उद्यान, हीरा/तांबा खनिज), राजव्यवस्था एवं जनगणना

• 7.1 मध्य प्रदेश की भौगोलिक संरचना एवं 7 प्राकृतिक विभाग
• 7.2 'नदियों का मायका' (अपवाह तंत्र), जलप्रपात एवं प्रमुख परियोजनाएँ
• 7.3 वन, राष्ट्रीय उद्यान ('टाइगर स्टेट' एवं 'चीता स्टेट') तथा खनिज संसाधन
• 7.4 मध्य प्रदेश की राजव्यवस्था, प्रशासन एवं जनगणना 2011
• 7.5 अध्याय 7 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
• 7.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — MPPSC Pre, Forest Service, Vyapam/ESB)

9. अध्याय 8: राजस्थान का इतिहास, प्रमुख राजपूत राजवंश, किले, महल, हवेलियाँ, लोक देवता, संत एवं चित्रकला शैलियाँ

• 8.1 राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ, प्रमुख राजपूत राजवंश एवं एकीकरण के 7 चरण
• 8.2 राजस्थान के यूनेस्को पहाड़ी किले, महल, हवेलियाँ, लोक देवता, संत एवं चित्रकला शैलियाँ
• 8.3 अध्याय 8 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
• 8.7 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — RPSC RAS, PSI, REET, Patwar)

10. अध्याय 9: राजस्थान का भूगोल (थार मरुस्थल, अरावली, इंदिरा गांधी नहर, झीलें, खनिज), पंचायती राज (नागौर 1959) एवं जनगणना

• 9.1 राजस्थान का भौतिक भूगोल: थार का मरुस्थल एवं अरावली पर्वतमाला
• 9.2 नदियाँ, झीलें (खारे एवं मीठे पानी की), इंदिरा गांधी नहर एवं खनिज ('खनिजों का अजायबघर')
• 9.3 पंचायती राज का शुभारंभ (नागौर 1959), राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011
• 9.4 अध्याय 9 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
• 9.8 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — RPSC RAS, EO/RO, CET, Patwar)

11. अध्याय 10: उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष का त्वरित मास्टर कैप्सूल

• 10.1 उत्तराखंड राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('देवभूमि' — 27वाँ राज्य)
• 10.2 हरियाणा राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('गीता की जन्मस्थली एवं खेलों की भूमि' — 17वाँ राज्य)
• 10.3 झारखंड राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('वनांचल एवं भारत का रूर प्रदेश' — 28वाँ राज्य)
• 10.4 छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('धान का कटोरा' — 26वाँ राज्य)
• 10.5 अध्याय 10 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)
• 10.6 चारों राज्यों (उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़) की मास्टर तुलनात्मक सारणी

पुस्तक क्रमांक 30: संपूर्ण उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान अध्ययन नोट्स

(Complete State-Specific GK: UP GK, Bihar GK, MP GK & Rajasthan GK — UPPSC, RO/ARO, UP Police, Lekhpal, VDO, BPSC, Bihar Police/TRE, MPPSC, RAS, UKPSC, HPSC, JPSC, CGPSC)

★ **प्रस्तावना एवं अध्ययन मार्गदर्शिका:** यह अध्ययन नोट्स **आईयूसी अकादमी (Inclusive Universal Careers Academy)** द्वारा उत्तर भारत एवं मध्य भारत की समस्त राज्य सिविल सेवा तथा एकदिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के लिए 100% शुद्ध, मानक एवं परीक्षा-उन्मुख देवनागरी हिंदी में तैयार की गई है। इसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ-साथ उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के इतिहास, भूगोल, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, जनगणना 2011 (भारतीय जनगणना आधिकारिक पोर्टल), कला-संस्कृति और नवीनतम योजनाओं का गहन विश्लेषण शामिल है। प्रत्येक अध्याय में **4-नोड वैचारिक आरेख**, **जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी**, **प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण**, **स्मृति ट्रिक्स (Mnemonics)** और **विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs)** दिए गए हैं।

अध्याय 1: उत्तर प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, मेले, उत्सव, घराने एवं पर्यटन स्थल

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 1: उत्तर प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, मेले, उत्सव, घराने एवं पर्यटन स्थल

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक विकास-क्रम (प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक काल तक)	**शास्त्रीय नृत्य, संगीत घराने, लोक नृत्य एवं लोक नाट्य**	**विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, UP Police, Lekhpal)**

1.1 उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक विकास-क्रम (प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक काल तक)

उत्तर प्रदेश की भूमि भारतीय सभ्यता, वैदिक संस्कृति, बौद्ध-जैन दर्शन और स्वतंत्रता संग्राम की मुख्य कर्मभूमि रही है (उत्तर प्रदेश शासकीय पोर्टल)।

• **प्रागैतिहासिक एवं ताम्रपाषाण काल:** प्रयागराज के **बेलन घाटी** (लोहदा नाला से मातृदेवी की अस्थि निर्मित प्रतिमा), प्रतापगढ़ के **सराय नाहर राय, महदहा** (हड्डी के आभूषण व युगल शवाधान) तथा **दमदमा** (एक साथ तीन मानव कंकाल) और मिर्जापुर के **लिखनिया दरी** व **मोरहना पहाड़** से मध्यपाषाणकालीन एवं नवपाषाणकालीन साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। प्रयागराज के **कोल्डिहवा** एवं संत कबीर नगर के **लहुरादेव** से प्राचीनतम चावल (धान) की खेती के प्रमाण (8000–7000 ई.पू.) मिले हैं।

• **सिंधु घाटी सभ्यता का पूर्वी विस्तार:** मेरठ जिले में हिंडन नदी के तट पर स्थित **आलमगीरपुर** (खोजकर्ता: यज्ञदत्त शर्मा, 1958) हड़प्पा सभ्यता का सबसे पूर्वी स्थल है। इसके अतिरिक्त बागपत का **सनौली** (ताम्र-रथ एवं शाही शवाधान), सहारनपुर का **हुलास** व **बड़गाँव** तथा मुजफ्फरनगर का **मांडी** प्रमुख सिंधु-सभ्यता स्थल हैं।

• **महाजनपद काल (600 ई.पू.):** बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तर निकाय' और जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र' में वर्णित 16 महाजनपदों में से **8 महाजनपद** अकेले वर्तमान उत्तर प्रदेश में स्थित थे:

1. **काशी:** राजधानी — वाराणसी (वरुणा एवं असी नदियों के मध्य)।
2. **कोशल:** राजधानी — उत्तरी कोशल की श्रावस्ती (सहेत-महेत) एवं दक्षिणी कोशल की साकेत (अयोध्या)।
3. **वत्स:** राजधानी — कौशांबी (प्रयागराज के समीप, यमुना तट पर; शासक उदयन)।
4. **मल्ल:** राजधानी — कुशीनगर (पावा एवं कुशीनारा; महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल)।
5. **शूरसेन:** राजधानी — मथुरा (यमुना तट पर; शासक अवंतिपुत्र)।
6. **पांचाल:** उत्तरी पांचाल की राजधानी **अहिच्छत्र** (बरेली-रामनगर) और दक्षिणी पांचाल की राजधानी **कांपिल्य** (फर्रुखाबाद)।
7. **चेदि:** राजधानी — शुक्तिमती (बांदा/बुंदेलखंड क्षेत्र)।
8. **कुरु:** राजधानी — इंद्रप्रस्थ (मेरठ-दिल्ली-थानेश्वर क्षेत्र)।

• **मध्यकालीन एवं मुगल स्थापत्य:** जौनपुर की स्थापना फिरोजशाह तुगलक ने अपने चचेरे भाई जौना खाँ (मुहम्मद बिन तुगलक) की स्मृति में की। मलिक सरवर (ख्वाजा जहाँ) ने **शर्की राजवंश** की स्थापना की, जिसके शासनकाल में जौनपुर को **'भारत का शिराज' (शिराज-ए-हिंद)** कहा गया (अटाला मस्जिद, झंझरी मस्जिद, लाल दरवाजा मस्जिद)। आगरा की स्थापना **1504 ई.** में **सिकंदर लोदी** ने की और 1506 ई. में इसे अपनी राजधानी बनाया। मुगल सम्राट अकबर ने **फतेहपुर सीकरी** (बुलंद दरवाजा, पंचमहल, जोधाबाई महल, शेख सलीम चिश्ती की दरगाह) तथा आगरा के लाल किले का निर्माण कराया।

• **अवध का नवाबी शासन एवं 1857 की क्रांति:** 1722 ई. में **सआदत खाँ 'बुरहान-उल-मुल्क'** ने अवध के स्वतंत्र राज्य की नींव रखी। प्रारंभिक राजधानी फैजाबाद थी, जिसे नवाब **आसफउद्दौला** ने **1775 ई.** में लखनऊ स्थानांतरित किया और **बड़ा इमामबाड़ा** (भूलभुलैया) व रूमी दरवाजा बनवाया। अंतिम नवाब **वाजिद अली शाह** ('अख्तर पिया') के काल में 1856 ई. में लॉर्ड डलहौजी ने कुशासन का आरोप लगाकर अवध का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय कर लिया।

• **1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम:** 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति का विधिवत सूत्रपात हुआ। उत्तर प्रदेश के प्रमुख केंद्रों में लखनऊ से **बेगम हजरत महल** (पुत्र बिरजिस कादिर), कानपुर से **नाना साहब (धोंधू पंत)** एवं **तात्या टोपे** (रामचंद्र पांडुरंग), झाँसी से **रानी लक्ष्मीबाई**, प्रयागराज से **लियाकत अली**, फैजाबाद से **मौलवी अहमदुल्लाह**, बरेली (रुहेलखंड) से **खान बहादुर खान** और मथुरा से **देवी सिंह** ने नेतृत्व किया। 1 नवंबर 1858 को प्रयागराज के मिंटो पार्क में लॉर्ड कैनिंग ने महारानी विक्टोरिया का घोषणापत्र पढ़ा।

• **उत्तर प्रदेश का नामकरण एवं राजधानी परिवर्तन कालक्रम:**

• **1836 ई.:** उत्तर-पश्चिम प्रांत (मुख्यालय: आगरा)।

• **1858 ई.:** मुख्यालय आगरा से प्रयागराज (इलाहाबाद) स्थानांतरित।

• **1877 ई.:** उत्तर-पश्चिम प्रांत एवं अवध।

• **1902 ई.:** आगरा एवं अवध का संयुक्त प्रांत (United Provinces of Agra and Oudh)।

• **1921 ई.:** राजधानी प्रयागराज से **लखनऊ** (आंशिक रूप से) और **1935 ई.** में पूर्णतः लखनऊ स्थानांतरित।

• **1937 ई.:** संयुक्त प्रांत (United Provinces)।

• **24 जनवरी 1950:** 'उत्तर प्रदेश' नामकरण (प्रतिवर्ष **24 जनवरी** को **उत्तर प्रदेश दिवस** मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 2018 से हुई)।

• **9 नवंबर 2000:** 13 पर्वतीय जिलों को पृथक कर 'उत्तरांचल' (वर्तमान उत्तराखंड) राज्य का गठन।

1.2 शास्त्रीय नृत्य, संगीत घराने, लोक नृत्य एवं लोक नाट्य

• **कथक (उत्तर प्रदेश का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य):** कथक का उद्भव मंदिरों के कथावाचकों ('कथा कहे सो कथक कहावे') से हुआ। नवाब वाजिद अली शाह के दरबार में इसका स्वर्णकाल रहा। प्रमुख घराने: **लखनऊ घराना** (बिंदादीन महाराज, शंभू महाराज, लच्छू महाराज, बिरजू महाराज) और **बनारस घराना** (जानकी प्रसाद, सितारा देवी)।

• **उत्तर प्रदेश के प्रमुख संगीत घराने:**

1. **आगरा घराना (मुगलकालीन उद्भव):** संस्थापक हाजी सुजान खाँ एवं तानसेन के दामाद; प्रमुख कलाकार — **फैयाज खाँ** ('प्रेम पिया'), विलायत हुसैन खाँ।

2. **लखनऊ घराना ('पूरब घराना'):** ख्याल, ठुमरी, दादरा एवं कथक के लिए प्रसिद्ध; कोदऊ सिंह (पखावज), सादिक अली खाँ, बेगम अख्तर (ठुमरी-ग़ज़ल)।

3. **किराना घराना (मुजफ्फरनगर/शामली - कैराना):** संस्थापक **बंदे अली खाँ**; प्रमुख कलाकार — **अब्दुल करीम खाँ**, भीमसेन जोशी (भारत रत्न), गंगूबाई हंगल, हीराबाई बड़ोदकर।

4. **बनारस घराना:** ठुमरी, टप्पा, कजरी, चैती एवं वादन में अग्रणी; **गिरिजा देवी** ('ठुमरी की रानी'), **पंडित रविशंकर** (सितार), **उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ** (शहनाई, भारत रत्न), किशन महाराज एवं गुदई महाराज (तबला)।

5. **रामपुर-सहसवान घराना (बदायूँ):** इनायत हुसैन खाँ, उस्ताद निसार हुसैन खाँ, गुलाम मुस्तफा खाँ।

• **अंचलवार प्रमुख लोक नृत्य एवं लोकगीत:**

• **ब्रज क्षेत्र: चरकुला नृत्य** (सिर पर 108 जलते दीपकों का लकड़ी का पिरामिड रखकर महिलाओं द्वारा होली के बाद), **रास नृत्य**, **मयूर नृत्य**, **झूला नृत्य**, **लट्ठमार होली** (बरसाना एवं नंदगाँव); लोकगीत — **रसिया**, मल्हार।

• **बुंदेलखंड क्षेत्र: राई नृत्य** (बुंदेलखंड की महिलाओं का मयूर नृत्य, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर), **पाई डंडा नृत्य** (बुंदेलखंड का डांडिया, अहीर समाज द्वारा), **सैरा/सौरा नृत्य** (फसल कटाई पर), **दीवारी/बरेदी नृत्य**, **कार्तिक गीत**, **घोड़ा नृत्य**; लोकगीत — **आल्हा** (वीर रस, महोबा के आल्ह-ऊदल), ईसुरी फाग।

• **पूर्वांचल क्षेत्र: धोबिया नृत्य** (धोबी समुदाय द्वारा गधे व धोबी के संबंधों पर), **कठघोड़वा नृत्य**, **नटवरी नृत्य** (पूर्वांचल के अहीर समुदाय द्वारा), **चौरसिया नृत्य** (जौनपुर के कहारों द्वारा), **फरूहाई नृत्य**; लोकगीत — **कजरी** (मिर्जापुर व वाराणसी, सावन माह में), **बिरहा**, सोहर, चैती।

• **अवध क्षेत्र: कलावजी नृत्य**, **जोगिनी नृत्य** (रामनवमी पर पुरुषों द्वारा स्त्री वेश धारण कर), **ढेडिया नृत्य**; लोकनाट्य — **नौटंकी** (हाथरस एवं कानपुर शैली सर्वाधिक प्रसिद्ध)।

• **मिर्जापुर-सोनभद्र जनजातीय क्षेत्र: कर्मा नृत्य** (खरवार एवं बैगा जनजाति द्वारा), **शैला नृत्य**, **चोलर नृत्य** (अच्छी वर्षा व फसल के लिए), **ढरकहरी नृत्य**।

1.3 अध्याय 1 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत] ⟶ (बेलन घाटी, आलमगीरपुर, 8 महाजनपद: काशी, कोशल, वत्स, मल्ल, शूरसेन, पांचाल, चेदि, कुरु)
|
▼
[नोड 2: संगीत घराने एवं शास्त्रीय कला] ⟶ (कथक शास्त्रीय नृत्य; लखनऊ, बनारस, आगरा, किराना एवं रामपुर-सहसवान संगीत घराने)
|
▼
[नोड 3: आंचलिक लोक संस्कृति एवं नृत्य] ⟶ (ब्रज: चरकुला/रसिया | बुंदेलखंड: राई/पाई डंडा/आल्हा | पूर्वांचल: कजरी/बिरहा/धोबिया | सोनभद्र: कर्मा)
|
▼
[नोड 4: प्रमुख मेले, उत्सव एवं यूनेस्को धरोहर] ► (प्रयागराज महाकुंभ, बटेश्वर मेला, देवा शरीफ, ताजमहल, आगरा किला एवं फतेहपुर सीकरी)

1.4 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: प्रमुख मेले, उत्सव, घराने एवं पर्यटन स्थल

क्रम	जिला / क्षेत्र	प्रमुख मेले एवं महोत्सव	प्रमुख ऐतिहासिक/पर्यटन स्थल एवं सांस्कृतिक संस्थान	विशेष परीक्षा तथ्य एवं संदर्भ
1	**प्रयागराज**	महाकुंभ मेला (12 वर्ष), अर्धकुंभ (6 वर्ष), माघ मेला (वार्षिक), त्रिवेणी महोत्सव	संगम, अकबर का किला, अशोक स्तंभ, आनंद भवन, स्वराज भवन, खुसरो बाग, अल्फ्रेड पार्क (चंद्रशेखर आजाद पार्क)	यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (कुंभ मेला - 2017); उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (प्रयागराज प्रशासन पोर्टल)
2	**आगरा**	ताज महोत्सव (फरवरी), सुल्ह-ए-कुल उत्सव (हिंदू-मुस्लिम एकता), बटेश्वर मेला (पशु/ऊँट मेला), कैलाश मेला, राम बारात	ताजमहल (1983 यूनेस्को), आगरा का लाल किला (1983 यूनेस्को), फतेहपुर सीकरी (1986 यूनेस्को), एतमादुद्दौला का मकबरा (पित्रादुरा शैली), सिकंदरा	सुल्ह-ए-कुल उत्सव मुगल सम्राट अकबर की समन्वय नीति का प्रतीक है; बटेश्वर में यमुना तट पर 101 शिव मंदिर स्थित हैं।
3	**वाराणसी**	गंगा महोत्सव, ध्रुपद मेला (तुलसीघाट), नक्कटैया मेला (चेतगंज), रथयात्रा मेला, देव दीपावली	श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, सारनाथ (धमेख स्तूप, चौखंडी स्तूप), भारत कला भवन (BHU), भारत माता मंदिर	सारनाथ में बुद्ध ने प्रथम उपदेश ('धर्मचक्रप्रवर्तन') दिया; भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR) वाराणसी में स्थित है।
4	**लखनऊ**	लखनऊ महोत्सव, आम महोत्सव, राष्ट्रीय कथक उत्सव	बड़ा इमामबाड़ा, छोटा इमामबाड़ा, रूमी दरवाजा, रेजीडेंसी, छतर मंजिल, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय (1926)	भारतेंदु नाट्य अकादमी (1975), राज्य ललित कला अकादमी (1962), उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी (1963) लखनऊ में हैं (स्टार्टइन यूपी पोर्टल)।
5	**मथुरा-वृंदावन**	लट्ठमार होली (बरसाना), हरिदास जयंती मेला (निधिवन), मुड़िया पूनो मेला (गोवर्धन), कंस मेला, श्रावणी मेला	श्रीकृष्ण जन्मभूमि, बांके बिहारी मंदिर, प्रेम मंदिर, द्वारकाधीश मंदिर, राजकीय संग्रहालय मथुरा (कुषाण कला)	उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मेले **मथुरा (86 मेले)** में तथा सबसे कम मेले **पीलीभीत (2 मेले)** में लगते हैं।
6	**बाराबंकी**	देवा शरीफ मेला (कार्तिक माह)	सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की दरगाह ('जो रब है, वही राम है'), लोधेश्वर महादेव मंदिर, पारिजात वृक्ष	देवा शरीफ मेला कौमी एकता और सूफी-भक्ति समन्वय का प्रमुख केंद्र है।
7	**बहराइच**	सैयद सालार मसूद गाजी (गाजी मियाँ) का मेला	सैयद सालार दरगाह, कतरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य, चित्तौरा झील (महाराजा सुहेलदेव स्मारक)	1034 ई. में महाराजा सुहेलदेव ने बहराइच के चित्तौरा झील के पास सालार मसूद को पराजित किया था।
8	**अंबेडकर नगर**	गोविंद साहब मेला (अतरौलिया सीमा), किछौछा शरीफ मेला	संत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी की दरगाह (किछौछा शरीफ), गोविंद साहब मठ	गोविंद साहब मेले में खजला और गन्ने की बिक्री विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

क्रम	जिला / क्षेत्र	प्रमुख मेले एवं महोत्सव	प्रमुख ऐतिहासिक/पर्यटन स्थल एवं सांस्कृतिक संस्थान	विशेष परीक्षा तथ्य एवं संदर्भ
9	**बलिया**	ददरी मेला (कार्तिक पूर्णिमा)	भृगु मुनि का आश्रम, सुरहा ताल पक्षी विहार, चित्तू पांडेय स्मारक ('बलिया के शेर')	ददरी मेला भारत का दूसरा सबसे बड़ा पशु मेला (सोनपुर के बाद) माना जाता है; 1942 में चित्तू पांडेय ने समानांतर सरकार बनाई।
10	**मेरठ एवं हापुड़**	नौचंदी मेला (मेरठ - होली के बाद), गढ़मुक्तेश्वर गंगा मेला (हापुड़)	आलमगीरपुर (हड़प्पा स्थल), औघड़नाथ मंदिर (1857 क्रांति स्थल), हस्तिनापुर (जैन तीर्थ)	नौचंदी मेले में एक ओर चंडी देवी मंदिर और दूसरी ओर बाले मियाँ की मजार स्थित है।
11	**झाँसी एवं महोबा**	कजली मेला (महोबा), आयुर्वेद महोत्सव (झाँसी), जलविहार मेला (मऊरानीपुर)	झाँसी का किला, रानी महल, बरुआसागर किला, देवगढ़ का दशावतार मंदिर (ललितपुर - गुप्तकालीन पंचायतन शैली)	कजली मेला महोबा की राजकुमारी चंद्रावल और आल्ह-ऊदल के शौर्य की स्मृति में रक्षाबंधन के बाद मनाया जाता है।
12	**अन्य प्रमुख जिले**	शाकंभरी देवी मेला (सहारनपुर), देवीपाटन मेला (बलरामपुर), कालिंजर मेला (बांदा), सोरों मेला (कासगंज), ढाईघाट मेला (शाहजहाँपुर), कंपिल मेला (फर्रुखाबाद)	कन्नौज (इत्र नगरी/हर्षवर्धन की राजधानी), कुशीनगर (महापरिनिर्वाण मंदिर), कपिलवस्तु (सिद्धार्थनगर - पिपरहवा स्तूप), भीतरगाँव गुप्तकालीन ईंट मंदिर (कानपुर)	चौरी-चौरा (गोरखपुर - 4 फरवरी 1922), काकोरी ट्रेन एक्शन (लखनऊ - 9 अगस्त 1925)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: उत्तर प्रदेश में आयोजित वार्षिक मेलों एवं पर्यटन प्रवाह का क्षेत्रीय वितरण

- **ब्रज सांस्कृतिक अंचल (मथुरा, आगरा, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज):** **38.0%** (मथुरा में सर्वाधिक 86 मेले, आगरा एवं कासगंज सहित कुल मेलों का सर्वोच्च संकेंद्रण)
- **अवध एवं मध्य गंगा अंचल (प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी):** **26.0%** (कानपुर व हमीरपुर में 79-79 मेले, प्रयागराज कुंभ व माघ मेला, अयोध्या दीपोत्सव व रामनवमी)
- **बुंदेलखंड सांस्कृतिक अंचल (झाँसी, महोबा, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, ललितपुर):** **18.0%** (हमीरपुर, झाँसी, कालिंजर, चित्रकूट रामायण मेला एवं कजली महोत्सव)
- **पूर्वांचल सांस्कृतिक अंचल (वाराणसी, गोरखपुर, बलिया, मिर्जापुर, कुशीनगर):** **12.0%** (देव दीपावली, खिचड़ी मेला गोरखपुर, ददरी मेला बलिया, विंध्याचल नवरात्र मेला)
- **रुहेलखंड एवं पश्चिमी अंचल (मेरठ, सहारनपुर, बरेली, शाहजहाँपुर, पीलीभीत):** **6.0%** (नौचंदी मेला मेरठ, शाकंभरी मेला सहारनपुर; पीलीभीत में न्यूनतम 2 मेले)

1.6 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. उत्तर प्रदेश के 8 महाजनपद याद करने की ट्रिक:

★ **ट्रिक:** "काशी-कोशल के वत्स ने मल्ल और शूरसेन को पांचाल व चेदि में कुरु बनाया!"
• **काशी** (वाराणसी), **कोशल** (श्रावस्ती/अयोध्या), **वत्स** (कौशांबी), **मल्ल** (कुशीनगर), **शूरसेन** (मथुरा), **पांचाल** (अहिच्छत्र/कांपिल्य), **चेदि** (शुक्तिमती/बांदा), **कुरु** (इंद्रप्रस्थ/मेरठ)।

2. बुंदेलखंड के प्रमुख लोक नृत्य याद करने की ट्रिक:

★ **ट्रिक:** "बुंदेले **राई** और **सैरा** लेकर **पाई-डंडा** व **दीवारी** खेलने **घोड़े** पर **कार्तिक** में गए!"
• राई, सैरा (सौरा), पाई डंडा, दीवारी (बरेदी), घोड़ा नृत्य, कार्तिक नृत्य, धुरिया नृत्य (कुम्हारों द्वारा)।

3. उत्तर प्रदेश के प्रमुख मेले और जिले:

★ **ट्रिक:** "बटेश्वर-कैलाश **आगरा** गए, **बलिया** में ददरी नहाए; **सहारनपुर** में शाकंभरी पूजी, **बहराइच** में सालार व **बाराबंकी** में देवा शरीफ मनाए!"

1.7 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, UP Police, Lekhpal)

अभ्यास प्रश्न #1 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [UPPSC Pre 2022 / RO-ARO 2021]:** निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है? (A) बटेश्वर मेला – आगरा (B) देवा शरीफ मेला – बाराबंकी (C) ददरी मेला – बलिया (D) गोविंद साहब मेला – आजमगढ़/अंबेडकर नगर के बजाय गोरखपुर।

• **उत्तर एवं व्याख्या: (D)** गोविंद साहब मेला **अंबेडकर नगर** (आजमगढ़ सीमा पर अतरौलिया के पास) में लगता है, जबकि गोरखपुर में मकर संक्रांति पर **खिचड़ी मेला** (गोरखनाथ मंदिर) आयोजित होता है।

अभ्यास प्रश्न #2 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [UPPSC Pre 2020 / UP Police 2024]:** 'चरकुला' प्रमुख लोक नृत्य है —

• **उत्तर एवं व्याख्या: ब्रजभूमि का**। इसमें महिलाएं सिर पर रथ के पहिए के ऊपर **108 जलते हुए तेल के दीपक** रखकर होली के तीसरे दिन (दूज पर) नृत्य करती हैं।

अभ्यास प्रश्न #3 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [UPPSC RO/ARO 2017]:** 'ठुमरी' गायिका गिरिजा देवी का संबंध किस घराने से है?

• **उत्तर एवं व्याख्या: बनारस घराने से**। उन्हें 'ठुमरी की रानी' कहा जाता है और उन्हें 2016 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

अभ्यास प्रश्न #4 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

4. **प्रश्न [UP Lekhpal 2022]:** उत्तर प्रदेश में किस वर्ष सभी सरकारी कार्यों के लिए हिंदी का प्रयोग अनिवार्य किया गया तथा उर्दू को द्वितीय राजभाषा कब घोषित किया गया?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** देवनागरी लिपि में हिंदी को अक्टूबर 1947 में राजभाषा घोषित किया गया और **26 जनवरी 1968** से सभी कार्यालयों में अनिवार्य किया गया; जबकि **1989** में उर्दू को उत्तर प्रदेश की **द्वितीय राजभाषा** घोषित किया गया।

अध्याय 2: उत्तर प्रदेश का भूगोल, नदियाँ, बांध, वन्यजीव अभयारण्य, मृदा, कृषि, खनिज, उद्योग एवं 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)'

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 2: उत्तर प्रदेश का भूगोल, नदियाँ, बांध, वन्यजीव अभयारण्य, मृदा, कृषि, खनिज, उद्योग एवं 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)'

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, विस्तार एवं सीमावर्ती राज्य	अपवाह तंत्र (नदियाँ), झीलें, बांध एवं सिंचाई परियोजनाएँ	वन्यजीव अभयारण्य, टाइगर रिजर्व, पक्षी विहार एवं रामसर स्थल	मृदा, कृषि-जलवायु क्षेत्र, खनिज एवं 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)'

2.1 उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, विस्तार एवं सीमावर्ती राज्य

• **अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार:** उत्तर प्रदेश **23°52' उत्तरी अक्षांश से 30°24' उत्तरी अक्षांश** तथा **77°05' पूर्वी देशांतर से 84°38' पूर्वी देशांतर** के मध्य स्थित है।

• **कुल क्षेत्रफल: 2,40,928 वर्ग किमी** (भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32,87,263 वर्ग किमी का **7.33%**)। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के बाद भारत में **चौथा स्थान**।

• **लंबाई एवं चौड़ाई:** पूर्व से पश्चिम की लंबाई **650 किमी** तथा उत्तर से दक्षिण की चौड़ाई **240 किमी** है।

• **चारों अंतिम बिंदु (Extreme Points of UP):**

• **सबसे पूर्वी जिला:** बलिया | **सबसे पश्चिमी जिला:** शामली

• **सबसे उत्तरी जिला:** सहारनपुर | **सबसे दक्षिणी जिला:** सोनभद्र

• **सीमावर्ती राज्य, केंद्रशासित प्रदेश एवं देश (8 राज्य + 1 केंद्रशासित प्रदेश + 1 देश):**

• **अंतर्राष्ट्रीय सीमा: नेपाल** (कुल लंबाई लगभग 579 किमी; 7 जिले स्पर्श करते हैं — पश्चिम से पूर्व क्रम: **पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर एवं महाराजगंज**)।

• **8 राज्य एवं 1 केंद्रशासित प्रदेश:** उत्तराखंड (7 जिले), हिमाचल प्रदेश (सबसे छोटी सीमा — केवल **सहारनपुर**), हरियाणा (6 जिले), दिल्ली (2 जिले — गाजियाबाद व गौतमबुद्ध नगर), राजस्थान (2 जिले — आगरा व मथुरा), मध्य प्रदेश (सर्वाधिक **11 जिले** — आगरा, इटावा, जालौन, झाँसी, ललितपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र), छत्तीसगढ़ (1 जिला — सोनभद्र), झारखंड (1 जिला — सोनभद्र), बिहार (7 जिले — सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज)।

• **विशेष भौगोलिक रिकॉर्ड: सोनभद्र** भारत का एकमात्र ऐसा जिला है जो **4 राज्यों** (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार) को स्पर्श करता है। **ललितपुर** तीन ओर से मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है। **बदायूँ** जिले की सीमा सर्वाधिक 9 जिलों से लगती थी (पुनर्गठन के बाद **हरदोई** और **बदायूँ** दोनों आंतरिक सीमाओं में प्रमुख हैं)।

• **भौतिक विभाजन (3 प्रमुख प्राकृतिक प्रदेश):**

1. **भाबर एवं तराई क्षेत्र:** सहारनपुर से कुशीनगर/देवरिया तक हिमालय की तलहटी में कंकरीली-पथरीली भूमि को **'भाबर'** (जहाँ नदियाँ लुप्त हो जाती हैं) और उसके दक्षिण में दलदली व नम भूमि को **'तराई'** (गन्ना, धान व जूट की खेती हेतु उपयुक्त) कहते हैं।

2. **गंगा-यमुना का मैदानी क्षेत्र:** जलोढ़ मृदा से निर्मित, जिसे प्राचीन जलोढ़ (**'बांगर'**) एवं नवीन जलोढ़ (**'खादर'**) में बाँटा जाता है।

3. **दक्षिण का पठारी एवं पहाड़ी क्षेत्र (बुंदेलखंड व बघेलखंड पठार):** प्राचीन गोंडवाना लैंड (नीस व ग्रेनाइट चट्टानों) का भाग; इसमें विंध्यन श्रेणी और कैमूर पहाड़ियाँ शामिल हैं।

2.2 अपवाह तंत्र (नदियाँ), झीलें, बांध एवं सिंचाई परियोजनाएँ

• **नदियों का उद्गम के आधार पर वर्गीकरण:**

1. **हिमालय से निकलने वाली नदियाँ (सदावाहिनी):**

• **गंगा नदी:** उत्तर प्रदेश की सबसे लंबी नदी (उ.प्र. में लंबाई लगभग **1,450 किमी**; कुल लंबाई 2,525 किमी)। यह **बिजनौर** जिले से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है, **28 जिलों** से होकर बहती है और **बलिया** जिले से बिहार में प्रवेश करती है। कन्नौज के पास रामगंगा, प्रयागराज में यमुना व टोंस (तमसा), गाजीपुर में गोमती नदी इसमें मिलती हैं।

• **यमुना नदी:** बंदरपूँछ (यमुनोत्री हिमनद) से निकलकर **सहारनपुर (फैजाबाद गाँव)** से उ.प्र. में प्रवेश करती है और **19 जिलों** से बहते हुए प्रयागराज में गंगा से मिलती है। इसकी दाईं ओर से मिलने वाली पठारी सहायक नदियाँ (पश्चिम से पूर्व): **चंबल** (इटावा के पास मुरादगंज), **सिंध** (जालौन), **बेतवा** (हमीरपुर) और **केन** (बांदा में भोजहा के पास)।

• **रामगंगा:** दूधातोली श्रेणी (उत्तराखंड) से निकलकर बिजनौर (कालागढ़) से प्रवेश करती है और कन्नौज में गंगा से मिलती है।

• **शारदा (काली) एवं घाघरा (सरयू):** शारदा नदी पीलीभीत से प्रवेश करती है और सीतापुर के **बहरामघाट** में करनाली (घाघरा) से मिलती है। अयोध्या में इसे **सरयू** कहा जाता है; इसकी प्रमुख सहायक नदी **राप्ती** (बूढ़ी गंडक/रोहिणी सहित गोरखपुर के तट पर) है।

2. **गंगा के मैदानी भाग से निकलने वाली नदियाँ:**

• **गोमती नदी:** पीलीभीत जिले की **फुलहर झील (गोमत ताल - माधोटांडा)** से निकलती है। इसके तट पर **लखनऊ, सुल्तानपुर और जौनपुर** स्थित हैं; यह गाजीपुर के **कैथी (मार्कंडेय महादेव)** में गंगा से मिलती है। इसकी प्रमुख सहायक नदी **सई** है।

• **वरुणा, पांडो, ईसन एवं सई:** ये सभी मैदानी दलदलों व झीलों से निकलती हैं।

3. **दक्षिणी पठार से निकलने वाली नदियाँ:** चंबल, बेतवा (प्राचीन नाम: वेत्रवती), केन (कर्णावती), सोन (अमरकंटक से निकलकर सोनभद्र व मिर्जापुर में बहती है; सहायक नदियाँ: **रिहंद** और **कनहर**), टोंस (तमसा)।

• **प्रमुख बांध एवं बहुउद्देशीय परियोजनाएँ:**

• **रिहंद बांध (गोविंद वल्लभ पंत सागर):** सोनभद्र के **पिपरी** में रिहंद (रेणुका) नदी पर (भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झील); इसके पास **ओबरा ताप विद्युत एवं जल विद्युत परियोजना** है।

• **माताटीला बांध, राजघाट बांध, सुकुमा-डुकुमा बांध एवं परीक्षा बांध: बेतवा नदी** (ललितपुर एवं झाँसी) पर स्थित हैं।

• **कालागढ़ बांध (रामगंगा परियोजना):** रामगंगा नदी पर **बिजनौर** में (उत्तर प्रदेश का सबसे ऊँचा बांध — 128 मीटर)।

• **कनहर बांध:** कनहर नदी पर सोनभद्र (दुद्धी) में। **मेजा बांध:** बेलन नदी पर मिर्जापुर में। **अर्जुन बांध:** अर्जुन नदी पर महोबा में। **शारदा नहर प्रणाली (1928):** बनबसा (चंपावत/पीलीभीत सीमा) से शारदा नदी से निकाली गई **उत्तर प्रदेश की सबसे लंबी नहर प्रणाली** (कुल शाखाओं सहित लंबाई 12,368 किमी)।

2.3 वन्यजीव अभयारण्य, टाइगर रिजर्व, पक्षी विहार एवं रामसर स्थल

• **राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व (4 टाइगर रिजर्व):**

1. **दुधवा राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व (लखीमपुर खीरी एवं बहराइच):** 1977 में राष्ट्रीय उद्यान एवं 1987 में टाइगर रिजर्व घोषित (किशनपुर वन्यजीव विहार एवं कतरनियाघाट को मिलाकर); बारहसिंगा व बाघ संरक्षण हेतु प्रसिद्ध।

2. **पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीलीभीत व शाहजहाँपुर):** 2014 में घोषित; बाघों की संख्या दोगुनी करने हेतु अंतरराष्ट्रीय **TX2 पुरस्कार** विजेता।

3. **अमानगढ़ टाइगर रिजर्व (बिजनौर):** जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के बफर जोन के रूप में विकसित।

4. **रानीपुर टाइगर रिजर्व (चित्रकूट):** 2022 में उत्तर प्रदेश का **चौथा** और भारत का **53वाँ** टाइगर रिजर्व अधिसूचित (बुंदेलखंड का प्रथम टाइगर रिजर्व)।

• **प्रमुख वन्यजीव विहार (Wildlife Sanctuaries):**

• **चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (चंदौली - 1957):** उत्तर प्रदेश का **सबसे पुराना** वन्यजीव विहार।

• **हस्तिनापुर वन्यजीव विहार (मेरठ, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा, मुजफ्फरनगर - 2,073 वर्ग किमी):** उत्तर प्रदेश का **सबसे बड़ा** वन्यजीव विहार।

• **महावीर स्वामी वन्यजीव विहार (ललितपुर - 5.4 वर्ग किमी):** उत्तर प्रदेश का **सबसे छोटा** वन्यजीव विहार।

• अन्य: कैमूर वन्यजीव विहार (मिर्जापुर-सोनभद्र), सुहेलवा (बलरामपुर-श्रावस्ती-गोंडा), सोहगीबरवा (महाराजगंज), कछुआ वन्यजीव विहार (वाराणसी से प्रयागराज स्थानांतरित संरक्षण क्षेत्र), चंबल राष्ट्रीय अभयारण्य (आगरा-इटावा; घड़ियाल व डॉल्फिन संरक्षण)।

• **प्रमुख पक्षी विहार (Bird Sanctuaries) एवं 10 रामसर आर्द्रभूमि स्थल:**

• **शहीद चंद्रशेखर आजाद (नवाबगंज) पक्षी विहार (उन्नाव - 1984):** उत्तर प्रदेश का **सबसे पुराना** पक्षी विहार।

• **लाख बहोसी पक्षी विहार (कन्नौज - 80 वर्ग किमी):** उत्तर प्रदेश का **सबसे बड़ा** पक्षी विहार।

• **पटना पक्षी विहार (एटा - 1.08 वर्ग किमी):** उत्तर प्रदेश का **सबसे छोटा** पक्षी विहार।

• **अन्य प्रमुख पक्षी विहार एवं रामसर स्थल:** बखीरा पक्षी विहार (संत कबीर नगर - 10वाँ रामसर स्थल, 2022), समसपुर (रायबरेली), सांडी (हरदोई), समन (मैनपुरी), पार्वती अरगा (गोंडा), सरसई नावर झील (इटावा), सूर सरोवर/कीठम झील (आगरा), ऊपरी गंगा नदी (ब्रजघाट से नरौरा), हैदरपुर वेटलैंड (मुजफ्फरनगर-बिजनौर), ओखला पक्षी विहार (गौतमबुद्ध नगर), सुरहा ताल (बलिया), बंती (प्रतापगढ़ - डॉ. भीमराव अंबेडकर पक्षी विहार)।

2.4 मृदा, कृषि-जलवायु क्षेत्र, खनिज एवं 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)'

• **कृषि-जलवायु प्रदेश (Agro-Climatic Zones):** उत्तर प्रदेश को **9 कृषि-जलवायु प्रदेशों** और **20 पारिस्थितिक क्षेत्रों** में बाँटा गया है। राज्य में सर्वाधिक सिंचाई **नलकूपों (लगभग 74.9%)**, इसके बाद नहरों (15.2%) और कुओं/तालाबों से होती है।

• **बुंदेलखंड की विशेष मृदाएँ:** बुंदेलखंड में लाल मृदा के साथ-साथ काली मृदा (**'मार' या 'माड़'** और **'काबर'**) तथा लाल-पीली मिश्रित मृदा (**'पड़वा/परवा'** और **'राकर'**) पाई जाती है। **चंबल एवं यमुना बेसिन (इटावा, आगरा, जालौन)** अवनालिका अपरदन (Gully Erosion / बीहड़ निर्माण) से सर्वाधिक प्रभावित हैं।

• **प्रमुख खनिज संसाधन (दक्षिणी पठारी पट्टी के 12 खनिज-बहुल जिले):**

• **सोनभद्र:** चूना पत्थर (कजराहट व रोहतास क्षेत्र), कोयला (**सिंगरौली**), डोलोमाइट (बारी), सोना (हरदी व सोना पहाड़ी)।

• **ललितपुर: यूरेनियम** (उत्तर प्रदेश में एकमात्र जिला जहाँ यूरेनियम मिलता है), **तांबा** (सोनराई क्षेत्र), रॉक फॉस्फेट, लौह अयस्क, सोना (भीखमपुर)।

• **मिर्जापुर:** संगमरमर, सैंडस्टोन (इमारती पत्थर), एस्बेस्टस, हीरा (बांदा व मिर्जापुर)।

• **प्रयागराज (शंकरगढ़): काँच बालू (Silica Sand)** के उत्पादन में देश में अग्रणी। **हमीरपुर व महोबा: सेलखड़ी (Steatite)**, जिप्सम एवं पायरोफिलाइट। **बांदा:** बॉक्साइट (राजगवाँ), गेरू, हीरा।

2.5 अध्याय 2 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: भौतिक एवं अपवाह तंत्र] ⟶ (3 भौतिक प्रदेश: भाबर-तराई, गंगा-यमुना मैदान, दक्षिणी पठार | गंगा: 28 जिले, बिजनौर से बलिया)
|
▼
[नोड 2: वन्यजीव एवं रामसर आर्द्रभूमि] ⟶ (4 टाइगर रिजर्व: दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़, रानीपुर | 10 रामसर स्थल | लाख बहोसी सबसे बड़ा पक्षी विहार)
|
▼
[नोड 3: कृषि-मृदा एवं खनिज संपदा] ⟶ (9 कृषि-जलवायु क्षेत्र | नलकूप सिंचाई 74.9% | ललितपुर: यूरेनियम/तांबा | सिंगरौली: कोयला | शंकरगढ़: काँच बालू)
|
▼
[नोड 4: एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)] ⟶ (24 जनवरी 2018 से प्रारंभ | 75 जिलों के विशिष्ट शिल्प व कृषि उत्पादों की वैश्विक ब्रांडिंग व GI टैग)

2.6 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)' एवं प्रमुख उद्योग

('एक जिला-एक उत्पाद' योजना का शुभारंभ **24 जनवरी 2018** को प्रथम उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा किया गया — यूपी एमएसएमई कनेक्ट पोर्टल)

क्रम	जिला	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख उद्योग, शोध संस्थान एवं जीआई (GI) टैग विशेषता
1	**लखनऊ**	चिकनकारी एवं जरी-जरदोजी	केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (CDRI), केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (CISH), राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (NBRI), विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (IITR)।
2	**वाराणसी**	बनारसी रेशम साड़ी (Silk Saree)	डीजल रेल इंजन कारखाना (BLW - मडुआडीह), लंगड़ा आम (GI टैग), बनारसी पान (GI टैग), हथकरघा एवं कालीन क्लस्टर।
3	**भदोही एवं मिर्जापुर**	कालीन (दरी) एवं पीतल बर्तन (मिर्जापुर)	भदोही (संत रविदास नगर) को **'कालीन नगरी' (Carpet City)** कहा जाता है; हस्तनिर्मित कालीन निर्यात में भारत में प्रथम।
4	**मुरादाबाद**	धातु शिल्प (पीतल के बर्तन)	**'पीतल नगरी' (Brass City)**; विश्व स्तर पर पीतल के कलात्मक बर्तनों व हस्तशिल्प के निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र।
5	**फिरोजाबाद**	काँच के उत्पाद (चूड़ियाँ व झूमर)	**'सुहाग नगरी'** / **'काँच नगरी'**; काँच की चूड़ियों, गिलास एवं लैब ग्लासवेयर निर्माण का प्रमुख केंद्र।
6	**अलीगढ़**	ताले एवं हार्डवेयर (Locks & Hardware)	अलीगढ़ के ताले (GI टैग), शेखा झील पक्षी विहार, हरदुआगंज ताप विद्युत गृह।
7	**आगरा एवं कानपुर**	चमड़ा उत्पाद (Leather Products)	कानपुर को **'उत्तर भारत का मैनचेस्टर'** व चर्म नगरी कहा जाता है; भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR) व राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (NSI) कानपुर में हैं।

क्रम	जिला	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख उद्योग, शोध संस्थान एवं जीआई (GI) टैग विशेषता
8	**मेरठ**	खेलकूद का सामान (Sports Goods)	कैंची उद्योग, क्रांति नगरी, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय।
9	**कन्नौज**	इत्र (Perfume / Attar)	**'इत्र नगरी' (खुशबुओं का शहर)**; पारंपरिक देग-भपका विधि से गुलाब, खस और मिट्टी का इत्र निर्माण।
10	**गोरखपुर**	टेराकोटा (पकी मिट्टी के शिल्प) एवं रेडीमेड गारमेंट	गोरखपुर टेराकोटा (GI टैग), जूट कारखाना (सहजनवा), उर्वरक कारखाना (HURL)।
11	**सिद्धार्थनगर एवं चंदौली**	काला नमक चावल (सिद्धार्थनगर)	बुद्ध का प्रसाद कहे जाने वाले सुगंधित **काला नमक चावल** (GI टैग) का उत्पादन सिद्धार्थनगर व तराई जिलों में; चंदौली को **'धान का कटोरा'** कहा जाता है।
12	**अन्य प्रमुख ODOP जिले**	प्रतापगढ़ (आँवला उत्पाद), अमेठी (मूंज उत्पाद), सुल्तानपुर (मूंज उत्पाद), सहारनपुर (काष्ठ शिल्प/Wood Carving), खुर्जा-बुलंदशहर (सिरेमिक पॉटरी), बरेली (जरी-जरदोजी व बाँस-बेंत), पीलीभीत (बाँसुरी), अमरोहा (ढोलक), महोबा (गौरा पत्थर शिल्प), झाँसी (सॉफ्ट टॉयज), चित्रकूट (लकड़ी के खिलौने), आजमगढ़ (काली मिट्टी के बर्तन - निजामाबाद), हाथरस (हींग), मुजफ्फरनगर (गुड़), जालौन (हस्तनिर्मित कागज), ललितपुर (जरी सिल्क साड़ी), सोनभद्र (कालीन), गौतमबुद्ध नगर (रेडीमेड गारमेंट्स)।	ये सभी उत्पाद उत्तर प्रदेश स्टार्टअप एवं एमएसएमई नीति के अंतर्गत ई-कॉमर्स और निर्यात संवर्धन से जुड़े हैं (उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति 2026)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: उत्तर प्रदेश में सिंचाई के साधनों एवं कृषि उत्पादन में राष्ट्रीय हिस्सेदारी

- **नलकूप सिंचाई (Tube-wells):** [redacted] **74.9%** (उत्तर प्रदेश भारत में सर्वाधिक नलकूप सिंचित राज्य)
- **नहर सिंचाई (Canals):** [redacted] **15.2%** (पश्चिमी एवं मध्य उत्तर प्रदेश में शारदा, ऊपरी गंगा, निचली गंगा एवं पूर्वी यमुना नहर)
- **कुएँ, तालाब, झीलें एवं अन्य स्रोत:** [redacted] **9.9%** (बुंदेलखंड एवं दक्षिणी पठारी क्षेत्र में तालाब व चेकडैम सिंचाई प्रमुख)
- **अखिल भारतीय कृषि उत्पादन में उत्तर प्रदेश का शीर्ष योगदान (% हिस्सा):** गेहूँ उत्पादन (**~32.4% - प्रथम स्थान**), गन्ना उत्पादन (**~44.5% - प्रथम स्थान**), आलू उत्पादन (**~35.2% - प्रथम स्थान**), कुल खाद्यान्न उत्पादन (**~18.9% - प्रथम स्थान**), कुल दुग्ध उत्पादन (**~15.7% - राजस्थान के साथ शीर्ष प्रतिस्पर्धी**), आम एवं आँवला उत्पादन (**प्रथम स्थान**)।

2.8 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 7 जिले (पश्चिम से पूर्व क्रम):

★ **ट्रिक:** "पीली लखीमपुर की बहरा-श्रावस्ती को बलराम ने सिद्धार्थ और महाराज से मिलाया!"
• **पीली**भीत **लखीमपुर** खीरी **बहरा**इच **श्रावस्ती बलराम**पुर **सिद्धार्थ**नगर **महाराज**गंज।

2. उत्तर प्रदेश के प्रमुख पक्षी विहार और जिले:

★ **ट्रिक:** "उन्नाव के नवाब, कन्नौज के लाख, हरदोई की सांडी, रायबरेली के समस, गोंडा की पार्वती, मैनपुरी के समन और एटा के पटना पक्षी!"
• नवाबगंज (उन्नाव), लाख बहोसी (कन्नौज), सांडी (हरदोई), समसपुर (रायबरेली), पार्वती अरगा (गोंडा), समन (मैनपुरी), पटना (एटा), बखीरा (संत कबीर नगर), सुरहा ताल (बलिया)।

2.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, Lekhpal, VDO)

अभ्यास प्रश्न #5 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [UPPSC Pre 2023]:** उत्तर प्रदेश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: (1) राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 12.8% वन है, (2) जौनपुर, गाजीपुर और बलिया जिले को कोई वन भूमि नहीं है।

• **उत्तर एवं व्याख्या:** इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (ISFR) के अनुसार उत्तर प्रदेश का कुल वनावरण भौगोलिक क्षेत्रफल का **6.15%** (वृक्षावरण सहित कुल वन एवं वृक्षावरण **9.23%**) है। सर्वाधिक वनावरण (क्षेत्रफल व प्रतिशत दोनों में) **सोनभद्र** में है तथा न्यूनतम वनावरण **भदोही (संत रविदास नगर)** में है।

अभ्यास प्रश्न #6 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [UPPSC RO/ARO 2021]:** उत्तर प्रदेश की कौन-सी नदी 'जैविक आपदा' (पर्यावरण प्रदूषण के कारण) बन गई है तथा कौन-सी नदी मैदान से निकलती है?

• **उत्तर एवं व्याख्या: गोमती नदी** (लखनऊ से जौनपुर के मध्य प्रदूषण के कारण) तथा **यमुना नदी** (दिल्ली से आगरा के मध्य) जैविक प्रदूषण से प्रभावित रही हैं; गोमती नदी एकमात्र ऐसी प्रमुख गंगा सहायक नदी है जिसका उद्गम हिमालय या पठार से न होकर मैदानी झील (**फुलहर झील, पीलीभीत**) से होता है।

अभ्यास प्रश्न #7 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [UP Police / VDO 2023]:** 'एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)' योजना के अंतर्गत 'काला नमक चावल' और 'मूंज उत्पाद' किन जिलों से संबंधित हैं?

• **उत्तर एवं व्याख्या: काला नमक चावल** मुख्य रूप से **सिद्धार्थनगर** से संबंधित है, जबकि **मूंज उत्पाद अमेठी, सुल्तानपुर और प्रयागराज** से संबंधित हैं।

अध्याय 3: उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था, प्रशासन (18 मंडल, 75 जिले), जनगणना 2011, बजट एवं प्रमुख योजनाएँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 3: उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था, प्रशासन (18 मंडल, 75 जिले), जनगणना 2011, बजट एवं प्रमुख योजनाएँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
उत्तर प्रदेश की संवैधानिक एवं राजनीतिक संरचना	उत्तर प्रदेश के 18 प्रशासनिक मंडल एवं 75 जिले	उत्तर प्रदेश जनगणना 2011 के संपूर्ण आधिकारिक आँकड़े	उत्तर प्रदेश बजट, एक्सप्रेसवे नेटवर्क एवं प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ

3.1 उत्तर प्रदेश की संवैधानिक एवं राजनीतिक संरचना

• **द्विसदनीय विधानमंडल (Bicameral Legislature):** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 168 के तहत उत्तर प्रदेश में द्विसदनीय व्यवस्था है:

1. **विधानसभा (Vidhan Sabha):** कुल निर्वाचित सीटें **403** (104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 द्वारा आंग्ल-भारतीय मनोनयन समाप्त)। विधानसभा में **आरक्षित सीटें: 86** (अनुसूचित जाति **SC हेतु 84 सीटें** + अनुसूचित जनजाति **ST हेतु 2 सीटें** — दुद्धी एवं ओबरा, दोनों सोनभद्र में)। सर्वाधिक विधानसभा सीटों वाला जिला **प्रयागराज (12 सीटें)** है, जबकि सबसे कम सीटों वाले जिले **श्रावस्ती, महोबा और चित्रकूट (2-2 सीटें)** हैं।

2. **विधान परिषद (Vidhan Parishad):** कुल सदस्य संख्या **100** (भारत में सर्वाधिक)।

• **संसदीय प्रतिनिधित्व (देश में सर्वाधिक):**

• **लोकसभा सीटें: 80** (आरक्षित सीटें: **17 SC सीटें** — नगीना, बुलंदशहर, हाथरस, आगरा, शाहजहाँपुर, हरदोई, मिश्रिख, मोहनलालगंज, इटावा, जालौन, कौशांबी, बाराबंकी, बहराइच, बांसगाँव, लालगंज, मछलीशहर, रॉबर्ट्सगंज; ST हेतु 0 सीट)।

• **राज्यसभा सीटें: 31** (भारत में सर्वाधिक)।

• **प्रथम एवं ऐतिहासिक संवैधानिक पदाधिकारी:**

• **प्रथम राज्यपाल:** श्रीमती **सरोजिनी नायडू** (15 अगस्त 1947 से 2 मार्च 1949; भारत की किसी भी राज्य की प्रथम महिला राज्यपाल)।

• **प्रथम मुख्यमंत्री: पंडित गोविंद वल्लभ पंत** (26 जनवरी 1950 से दिसंबर 1954; इससे पूर्व 1937 व 1946 में संयुक्त प्रांत के प्रीमियर)।

• **प्रथम महिला मुख्यमंत्री:** श्रीमती **सुचेता कृपलानी** (1963–1967; भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री)।

• **सर्वाधिक बार (4 बार) मुख्यमंत्री:** सुश्री **मायावती**। **लगातार सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री: योगी आदित्यनाथ**।

• **प्रथम विधानसभा अध्यक्ष (स्वतंत्रता पश्चात):** राजर्षि **पुरुषोत्तम दास टंडन**। **प्रथम विधान परिषद सभापति:** श्री **चंद्रभाल**।

• **इलाहाबाद उच्च न्यायालय (प्रयागराज):** स्थापना **17 मार्च 1866** को आगरा में हुई, जिसे **1869** में प्रयागराज (इलाहाबाद) स्थानांतरित किया गया (खंडपीठ: **लखनऊ**)। स्वीकृत न्यायाधीशों की संख्या **160** (भारत में सर्वाधिक)। स्वतंत्रता के बाद प्रथम मुख्य न्यायाधीश: **न्यायमूर्ति विधु भूषण मलिक** (स्थापना के समय प्रथम मुख्य न्यायाधीश: सर वाल्टर मोर्गन)।

• **राजकीय प्रतीक चिह्न:**

• **राजकीय चिह्न (1938 में स्वीकृत):** एक वृत्त में ऊपर धनुष-बाण (भगवान श्रीराम का प्रतीक), बीच में दो बहती नदियाँ (गंगा-यमुना संगम) और दोनों ओर दो मछलियाँ (अवध के नवाबी शासन का प्रतीक)।

• **राजकीय पशु:** बारहसिंगा (Swamp Deer) | **राजकीय पक्षी:** सारस अथवा क्रौंच (Sarus Crane)

• **राजकीय वृक्ष:** अशोक | **राजकीय पुष्प:** पलाश या टेसू (4 जनवरी 2011 से) | **राजकीय खेल:** हॉकी | **राजकीय जलीय जीव:** गंगा डॉल्फिन (अक्टूबर 2023 में घोषित)।

• **पंचायती राज एवं नगर निकाय:** उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम **1947** में पारित हुआ। **73वें संविधान संशोधन (1992)** के अनुरूप 1994 में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था (ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत) लागू की गई। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में **17 नगर निगम** हैं (17वाँ नगर निगम: **शाहजहाँपुर**, अप्रैल 2018 में गठित)। **4 जिलों में पुलिस कमिश्नरेट के साथ कुल 7 जिलों में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू है:** लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा), कानपुर, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज।

3.2 उत्तर प्रदेश के 18 प्रशासनिक मंडल एवं 75 जिले

उत्तर प्रदेश को प्रशासनिक दृष्टि से **18 मंडलों (Divisions)** और **75 जिलों (Districts)** में विभाजित किया गया है (18वाँ नवीनतम मंडल: **अलीगढ़**, 2008 में गठित) (उत्तर प्रदेश शासकीय आरटीआई पोर्टल):

• **6-6 जिलों वाले सबसे बड़े मंडल (कुल 3 मंडल):**

1. **लखनऊ मंडल (6 जिले):** लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी।
2. **कानपुर मंडल (6 जिले):** कानपुर नगर, कानपुर देहात (मुख्यालय: अकबरपुर माती), इटावा, फर्रुखाबाद (मुख्यालय: फतेहगढ़), कन्नौज, औरैया।
3. **मेरठ मंडल (6 जिले):** मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, गौतमबुद्ध नगर (मुख्यालय: नोएडा), बागपत, हापुड़।

• **5-5 जिलों वाले मंडल (कुल 2 मंडल):**

4. **अयोध्या (फैजाबाद) मंडल (5 जिले):** अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अंबेडकर नगर (मुख्यालय: अकबरपुर), अमेठी (मुख्यालय: गौरीगंज)।
5. **मुरादाबाद मंडल (5 जिले):** मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा (ज्योतिबा फुले नगर), संभल (मुख्यालय: बहजोई)।

• **4-4 जिलों वाले मंडल (कुल 8 मंडल):**

6. **आगरा मंडल:** आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी।
7. **प्रयागराज मंडल:** प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी (मुख्यालय: मंझनपुर)।
8. **वाराणसी मंडल:** वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली।
9. **गोरखपुर मंडल:** गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर (मुख्यालय: पडरौना)।
10. **देवीपाटन मंडल (मुख्यालय: गोंडा):** गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती (मुख्यालय: भिनगा)।
11. **बरेली मंडल:** बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर, पीलीभीत।
12. **अलीगढ़ मंडल:** अलीगढ़, एटा, हाथरस (महामाया नगर), कासगंज (कांशीराम नगर)।
13. **चित्रकूट धाम मंडल (मुख्यालय: बांदा):** बांदा, चित्रकूट (मुख्यालय: कर्वी), हमीरपुर, महोबा।

• **3-3 जिलों वाले सबसे छोटे मंडल (कुल 5 मंडल):**

14. **झाँसी मंडल:** झाँसी, ललितपुर, जालौन (मुख्यालय: उरई)।
15. **बस्ती मंडल:** बस्ती, सिद्धार्थनगर (मुख्यालय: नौगढ़), संत कबीर नगर (मुख्यालय: खलीलाबाद)।
16. **आजमगढ़ मंडल:** आजमगढ़, मऊ, बलिया।
17. **विंध्याचल धाम (मिर्जापुर) मंडल:** मिर्जापुर, सोनभद्र (मुख्यालय: रॉबर्ट्सगंज), भदोही (संत रविदास नगर - मुख्यालय: ज्ञानपुर)।
18. **सहारनपुर मंडल:** सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली।

3.3 उत्तर प्रदेश जनगणना 2011 के संपूर्ण आधिकारिक आँकड़े

(भारतीय जनगणना 2011 ग्रामीण-शहरी वितरण रिपोर्ट)

- **कुल जनसंख्या: 19,98,12,341** (लगभग 19.98 करोड़ — भारत की कुल जनसंख्या का **16.51%**, देश में **प्रथम स्थान**)। विश्व के केवल 4 देश (चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया) जनसंख्या में उत्तर प्रदेश से आगे थे (ब्राजील से भी अधिक)।
- **पुरुष जनसंख्या:** 10,44,80,510 (**52.29%**) | **महिला जनसंख्या:** 9,53,31,831 (**47.71%**)
- **ग्रामीण जनसंख्या:** 15,53,17,278 (**77.73%** — देश में सर्वाधिक ग्रामीण आबादी) | **नगरीय जनसंख्या:** 4,44,95,063 (**22.27%** — नगरीय जनसंख्या में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरा स्थान)।
- **दशकीय वृद्धि दर (2001–2011): 20.23%** (राष्ट्रीय औसत 17.7% से अधिक)।
- **जनसंख्या घनत्व (Population Density): 829 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी** (राष्ट्रीय औसत 382 से 447 अधिक; राज्यों में बिहार, प. बंगाल व केरल के बाद 4था स्थान)।
- **लिंगानुपात (Sex Ratio): 912** महिलाएँ प्रति 1000 पुरुष (राष्ट्रीय औसत 943 से 31 कम)। **शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष): 902**।
- **साक्षरता दर (Literacy Rate): 67.72%** (पुरुष साक्षरता: **77.30%** | महिला साक्षरता: **57.20%**; स्त्री-पुरुष साक्षरता अंतर: **20.10%**)।
- **अनुसूचित जाति (SC) जनसंख्या:** कुल जनसंख्या का **20.69%** (देश में संख्या की दृष्टि से सर्वाधिक SC आबादी; सर्वाधिक SC% वाला जिला **कौशांबी - 34.72%**, सर्वाधिक SC संख्या वाला जिला **सीतापुर**, न्यूनतम SC संख्या व % वाला जिला **बागपत**)।
- **अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या:** कुल जनसंख्या का **0.57%** (सर्वाधिक ST संख्या व % वाला जिला **सोनभद्र - 20.67%**, न्यूनतम ST वाला जिला **बागपत**; जालौन व अयोध्या में कोई सूचीबद्ध जनजाति नहीं)।

3.4 अध्याय 3 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: संवैधानिक एवं संसदीय शक्ति] ⟶ (विधानसभा: 403 [84 SC + 2 ST] | विधान परिषद: 100 | लोकसभा: 80 | राज्यसभा: 31 | हाईकोर्ट: 160 जज)
|
▼
[नोड 2: प्रशासनिक इकाइयाँ] ⟶ (18 मंडल, 75 जिले, 17 नगर निगम [17वाँ शाहजहाँपुर], 7 पुलिस कमिश्नरेट, 351 तहसीलें, 826 विकास खंड)
|
▼
[नोड 3: जनगणना 2011 के मानक] ⟶ (जनसंख्या: 19.98 करोड़ [16.51%] | घनत्व: 829 | लिंगानुपात: 912 | साक्षरता: 67.72% | दशकीय वृद्धि: 20.23%)
|
▼
[नोड 4: बजट एवं प्रमुख विकास योजनाएँ] ⟶ (1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य, एक्सप्रेसवे प्रदेश, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, अभ्युदय एवं स्टार्टअप नीति)

3.5 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: उत्तर प्रदेश जनगणना 2011 (शीर्ष 3 एवं न्यूनतम 3 जिले)

जनगणना संकेतक (Census Indicator)	राज्य का औसत मान	शीर्ष 3 जिले (अवरोही क्रम: प्रथम द्वितीय तृतीय)	न्यूनतम 3 जिले (आरोही क्रम: न्यूनतम द्वितीय तृतीय)
कुल जनसंख्या	19,98,12,341 (16.51%)	1. **प्रयागराज** (59.54 लाख) 2. मुरादाबाद 3. गाजियाबाद	1. **महोबा** (8.75 लाख) 2. चित्रकूट 3. हमीरपुर
क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	2,40,928 वर्ग किमी	1. **लखीमपुर खीरी** (7,680 वर्ग किमी) 2. सोनभद्र 3. हरदोई	1. **हापुड़** (660 वर्ग किमी) 2. गाजियाबाद 3. भदोही
जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी)	829	1. **गाजियाबाद** (3,971) 2. वाराणसी (2,395) 3. लखनऊ (1,816)	1. **ललितपुर** (242) 2. सोनभद्र (270) 3. हमीरपुर (275)
दशकीय वृद्धि दर (2001–11)	20.23%	1. **गौतमबुद्ध नगर** (49.1%) 2. गाजियाबाद (41.3%) 3. श्रावस्ती (30.5%)	1. **कानपुर नगर** (9.9%) 2. हमीरपुर (11.1%) 3. बागपत (11.9%)
लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुष)	912	1. **जौनपुर** (1,024) 2. आजमगढ़ (1,019) 3. देवरिया (1,017)	1. **गौतमबुद्ध नगर** (851) 2. हमीरपुर/बागपत (861) 3. कानपुर नगर/बांदा/मथुरा (863)
शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष)	902	1. **बलरामपुर** (950) 2. संत कबीर नगर (942) 3. बहराइच/सिद्धार्थनगर (935)	1. **बागपत** (841) 2. गौतमबुद्ध नगर (843) 3. गाजियाबाद (850)
कुल साक्षरता दर (%)	67.72%	1. **गौतमबुद्ध नगर** (80.12%) 2. कानपुर नगर (79.65%) 3. औरैया (78.95%)	1. **श्रावस्ती** (46.74%) 2. बहराइच (49.36%) 3. बलरामपुर (49.51%)
पुरुष साक्षरता दर (%)	77.30%	1. **गौतमबुद्ध नगर** (88.06%) 2. औरैया (86.11%) 3. इटावा (86.06%)	1. **श्रावस्ती** (57.16%) 2. बहराइच (58.34%) 3. बलरामपुर (59.73%)
महिला साक्षरता दर (%)	57.20%	1. **कानपुर नगर** (75.05%) 2. लखनऊ (71.54%) 3. गौतमबुद्ध नगर (70.82%)	1. **श्रावस्ती** (34.78%) 2. बलरामपुर (38.43%) 3. बहराइच (39.18%)
नगरीय जनसंख्या प्रतिशत (%)	22.27%	1. **गाजियाबाद** (67.55%) 2. लखनऊ (66.21%) 3. कानपुर नगर (65.83%)	1. **श्रावस्ती** (3.46%) 2. कुशीनगर (4.72%) 3. महाराजगंज (5.02%)

3.6 उत्तर प्रदेश बजट, एक्सप्रेसवे नेटवर्क एवं प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ

• **एक्सप्रेसवे प्रदेश (Expressway State):**

1. **पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (340.82 किमी):** लखनऊ (चांदसराय) से गाजीपुर (हैदरिया) तक **9 जिलों** (लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर) से गुजरता है; सुल्तानपुर में कूरेभार के पास 3.2 किमी लंबी आपातकालीन एयरस्ट्रिप।

2. **बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे (296.07 किमी):** चित्रकूट (भरतकूप) से इटावा (कुदरैल, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जुड़ाव) तक **7 जिलों** (चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, इटावा) से गुजरता है।

3. **गंगा एक्सप्रेसवे (594 किमी): मेरठ (बिजौली गाँव) से प्रयागराज (जुदापुर दांडू गाँव)** तक **12 जिलों** (मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूँ, शाहजहाँपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, प्रयागराज) को जोड़ने वाला उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे; शाहजहाँपुर में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी।

4. **आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे (302 किमी):** 10 जिलों को जोड़ता है; उन्नाव में बांगरमऊ के पास एयरस्ट्रिप। **यमुना एक्सप्रेसवे (165.5 किमी):** ग्रेटर नोएडा से आगरा।

• **प्रमुख राजकीय योजनाएँ:**

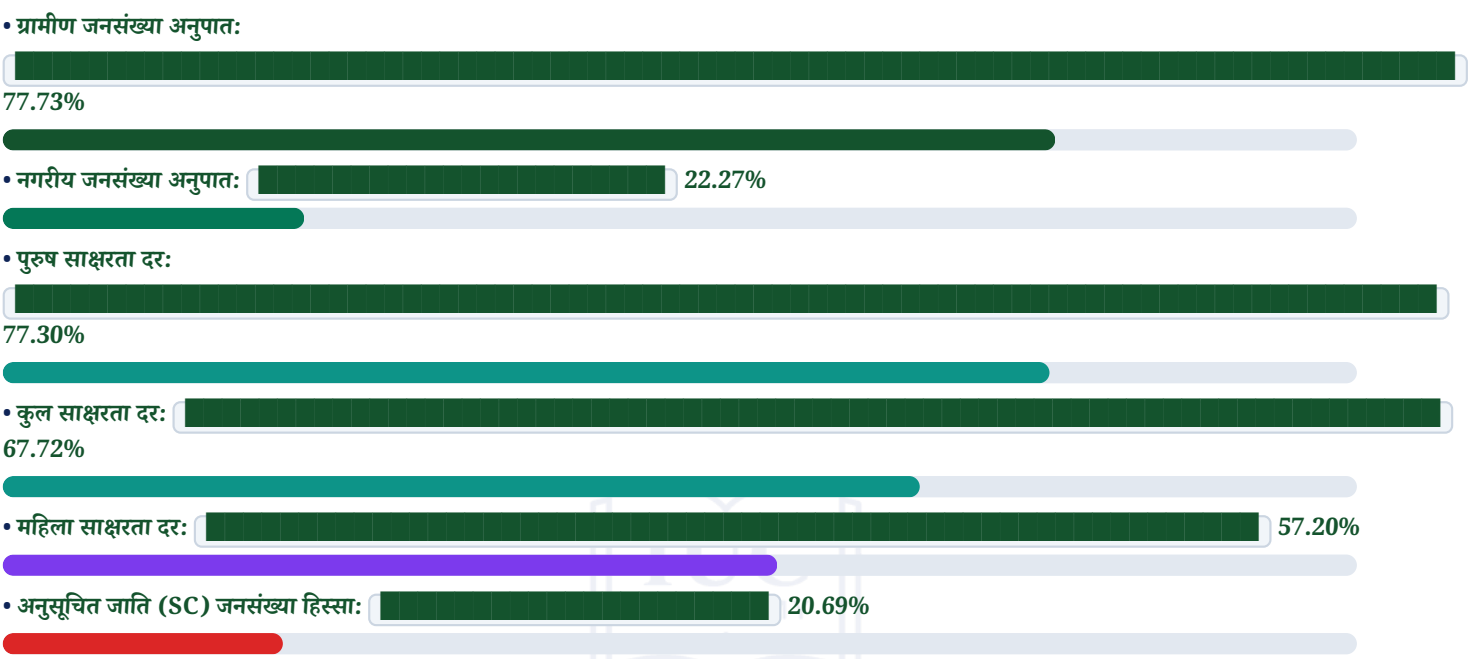
• **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (अप्रैल 2019 से प्रारंभ, 2024 से राशि में वृद्धि):** बालिका के जन्म से लेकर स्नातक/डिप्लोमा प्रवेश तक **6 चरणों में कुल ₹25,000** (पूर्व में ₹15,000) की आर्थिक सहायता।

• **मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना (फरवरी 2021):** IAS, PCS, JEE, NEET, NDA, CDS आदि प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु जिला स्तर पर निःशुल्क कोचिंग व मार्गदर्शन।

• **मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (MYUVA):** प्रतिवर्ष 1 लाख शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को ₹5 लाख तक का ब्याज-मुक्त ऋण देकर स्वरोजगार से जोड़ना (यूपी स्टार्टअप पोर्टल)।

• **उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति (संशोधित नीति 2026):** राज्य के सभी 75 जिलों में कम से कम 1 इन्क्यूबेटर और 15+ मंडलों में उत्कृष्टता केंद्र (CoE) तथा महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स के लिए 25% सीट आरक्षण (उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति 2026 पीडीएफ)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: उत्तर प्रदेश जनगणना 2011 का सामाजिक-जनसांख्यिकीय संरचना ग्राफ



3.8 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. सर्वाधिक जनसंख्या वाले 5 जिले (क्रम से):

★ **ट्रिक:** "प्रयाग के मुराद ने गाजी को आज लखनऊ बुलाया!"
• 1. **प्रयाग**राज 2. **मुराद**बाद 3. **गाजी**याबाद 4. **आजम**गढ़ 5. **लखनऊ**।

2. सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 4 जिले (1000 से अधिक लिंगानुपात वाले केवल 3 जिले हैं):

★ **ट्रिक:** "जौन आज देवरिया से प्रतापगढ़ गया!"
• 1. **जौन**पुर (1024) 2. **आजम**गढ़ (1019) 3. **देवरिया** (1017) 4. **प्रतापगढ़** (998)।

3. जिला मुख्यालय से भिन्न नाम वाले जिले याद करने का सूत्र:

★ * **सोनभद्र** रॉबर्ट्सगंज | **कौशांबी** मंझनपुर | **भदोही (संत रविदास नगर)** ज्ञानपुर | **संत कबीर नगर** खलीलाबाद | **सिद्धार्थनगर** नौगढ़ | **कुशीनगर** पडरौना | **जालौन** उरई | **कानपुर देहात** अकबरपुर माती | **अंबेडकर नगर** अकबरपुर | **अमेठी** गौरीगंज | **संभल** बहजोई | **फर्रुखाबाद** फतेहगढ़ | **गौतमबुद्ध नगर** नोएडा।

3.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UPPSC, RO/ARO, UP Police)

अभ्यास प्रश्न #8 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [UPPSC Pre 2021 / RO-ARO 2021]:** 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश के किस जिले में महिला साक्षरता दर सर्वाधिक है तथा किस जिले में कुल साक्षरता सर्वाधिक है?

• **उत्तर एवं व्याख्या: महिला साक्षरता सर्वाधिक कानपुर नगर (75.05%)** में है (दूसरे स्थान पर लखनऊ - 71.54%), जबकि **कुल साक्षरता एवं पुरुष साक्षरता सर्वाधिक गौतमबुद्ध नगर (80.12% एवं 88.06%)** में है। न्यूनतम कुल, पुरुष एवं महिला तीनों साक्षरता दर **श्रावस्ती** में है।

अभ्यास प्रश्न #9 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [UPPSC Pre 2023]:** उत्तर प्रदेश में कुल कितने कृषि-जलवायु क्षेत्र, मंडल एवं नगर निगम हैं?

• **उत्तर एवं व्याख्या: 9 कृषि-जलवायु क्षेत्र, 18 प्रशासनिक मंडल और 17 नगर निगम** (17वाँ शाहजहाँपुर)।

अभ्यास प्रश्न #10 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [UP Police 2024]:** बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे किन दो स्थानों को जोड़ता है और इसकी लंबाई कितनी है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** चित्रकूट के **भरतकूप** (गोंडा गाँव) से इटावा के **कुदरैल** तक; कुल लंबाई **296.07 किमी** (7 जिले)।

अध्याय 4: बिहार का संपूर्ण इतिहास (मगध, मौर्य, बौद्ध-जैन, चंपारण, 1857 में कुँवर सिंह, बिहार का गठन), कला एवं संस्कृति

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 4: बिहार का संपूर्ण इतिहास (मगध, मौर्य, बौद्ध-जैन, चंपारण, 1857 में कुँवर सिंह, बिहार का गठन), कला एवं संस्कृति

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
प्राचीन बिहार: महाजनपद, मगध का उत्कर्ष, मौर्य एवं गुप्त साम्राज्य	**बौद्ध एवं जैन धर्म में बिहार का केंद्रीय स्थान**	**मध्यकालीन बिहार, 1857 की क्रांति (वीर कुँवर सिंह), चंपारण सत्याग्रह एवं पृथक बिहार का गठन**	**बिहार की कला, संस्कृति, लोक चित्रकला एवं पर्व-त्योहार**

4.1 प्राचीन बिहार: महाजनपद, मगध का उत्कर्ष, मौर्य एवं गुप्त साम्राज्य

बिहार ('विहार' अर्थात् बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान) प्राचीन भारतीय राजनीतिक शक्ति, साम्राज्य निर्माण और आध्यात्मिक क्रांति का केंद्र रहा है (बिहार पर्यटन आधिकारिक पुस्तिका)।

• **बिहार के पुरातात्विक स्थल: चिरांद (सारण)** से नवपाषाणकालीन हड्डी (हिरण के सींग) के उपकरण मिले हैं (भारत में ताम्र-नवपाषाण काल का प्रमुख स्थल)। **चेचर (वैशाली)**, **मनेर (पटना)**, **ताराडीह (गया)** और **सेनुवार (रोहतास)** अन्य प्रमुख नवपाषाण-ताम्रपाषाण स्थल हैं। **पैसरा (मुंगेर)** से पुरापाषाणकालीन झोपड़ियों के साक्ष्य मिले हैं।

• **बिहार के 3 महाजनपद:**

1. **मगध (पटना, गया व नालंदा क्षेत्र):** प्रारंभिक राजधानी **गिरिव्रज/राजगृह** (5 पहाड़ियों से घिरी) और बाद में **पाटलिपुत्र**।
2. **अंग (भागलपुर एवं मुंगेर क्षेत्र):** राजधानी **चंपा** (प्राचीन नाम मालिनी); बिंबिसार ने ब्रह्मदत्त को हराकर इसे मगध में मिलाया।
3. **वज्जि संघ (वैशाली एवं मुजफ्फरपुर क्षेत्र):** 8 कुलों का संघ (विदेह, लिच्छवि, ज्ञातृक, वज्जि आदि); राजधानी **वैशाली**। **लिच्छवि गणराज्य (वैशाली)** को **विश्व का प्रथम गणतंत्र (First Republic of the World)** माना जाता है।

• **मगध साम्राज्य के प्रमुख राजवंश:**

• **हर्यक वंश (544 ई.पू. – 412 ई.पू.):** संस्थापक **बिंबिसार** ('श्रेणिक'); राजवैद्य **जीवक** को महात्मा बुद्ध और अवंति नरेश चंडप्रद्योत की चिकित्सा हेतु भेजा। उसके पुत्र **अजातशत्रु** ('कुणिक') ने वज्जि संघ को जीतने के लिए **'रथमूसल'** और **'महाशिलाकंटक'** हथियारों का प्रयोग किया तथा राजगृह में सप्तपर्णी गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति कराई। **उदायिन** ने गंगा एवं सोन के संगम पर **पाटलिपुत्र (कुसुमपुर)** नगर की स्थापना की और इसे राजधानी बनाया।

• **शिशुनाग वंश:** शिशुनाग ने वैशाली को दूसरी राजधानी बनाया; **कालाशोक ('काकवर्ण')** ने वैशाली में द्वितीय बौद्ध संगीति कराई।

• **नंद वंश:** संस्थापक **महापद्मनंद** ('एकराट्', 'सर्वक्षत्रांतक', 'द्वितीय परशुराम'); अंतिम शासक **धनानंद** (सिकंदर का समकालीन)।

• **मौर्य साम्राज्य (322 ई.पू. – 185 ई.पू.):** चाणक्य (कौटिल्य/विष्णुगुप्त) की सहायता से **चंद्रगुप्त मौर्य** ने मौर्य वंश की स्थापना की। यूनानी राजदूत **मेगस्थनीज** ने अपनी पुस्तक **'इंडिका'** में पाटलिपुत्र ('पोलिब्रोथा') के नगर प्रशासन (30 सदस्यों की 6 समितियाँ) और चंद्रगुप्त के **कुम्हरार (पटना)** स्थित 80 स्तंभों वाले काष्ठ राजप्रासाद का वर्णन किया है। **सम्राट अशोक** (269–232 ई.पू.) ने कलिंग युद्ध (261 ई.पू.) के बाद धम्म नीति अपनाई और **बराबर की पहाड़ियों (जहानाबाद)** में आजीवकों के लिए **4 गुफाएँ (कर्ण चौपड़, सुदामा, लोमश ऋषि एवं विश्व झोपड़ी)** बनवाईं, जबकि उसके पौत्र **दशरथ** ने **नागार्जुनी पहाड़ियों** में 3 गुफाएँ (गोपी, लोमश, वडथिका) बनवाईं। बिहार में अशोक के स्तंभ लेख **लौरिया अरेराज (पूर्वी चंपारण), लौरिया नंदनगढ़ (पश्चिमी चंपारण - सिंह शीर्ष)** और **रामपुरवा (पश्चिमी चंपारण - वृषभ शीर्ष)** तथा लघु शिलालेख **सहसराम (रोहतास)** में हैं।

• **गुप्त एवं पाल काल (नालंदा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय):** गुप्त शासक **कुमारगुप्त प्रथम (महेन्द्रादित्य)** ने 5वीं शताब्दी में विश्व प्रसिद्ध **नालंदा महाविहार (विश्वविद्यालय)** की स्थापना की (जिसे 1198 ई. के आसपास बख्तियार खिलजी ने नष्ट किया; जुलाई 2016 में यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित)। पाल वंश के शासक **धर्मपाल** ने भागलपुर (अंतीचक गाँव, कहलगाँव) में **विक्रमशिला विश्वविद्यालय** की स्थापना की (जो वज्रयान बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र था) (विक्रमशिला खंडहर - बिहार पर्यटन) तथा **गोपाल** ने बिहार शरीफ (नालंदा) में **ओदंतपुरी विश्वविद्यालय** की स्थापना की।

4.2 बौद्ध एवं जैन धर्म में बिहार का केंद्रीय स्थान

• **बौद्ध धर्म एवं चारों बौद्ध संगीतियाँ:** गौतम बुद्ध को 35 वर्ष की आयु में **बोधगया** में निरंजना (फल्गू) नदी के तट पर पीपल (बोधि वृक्ष) के नीचे वैशाख पूर्णिमा की रात्रि को ज्ञान की प्राप्ति हुई (बिहार पर्यटन रेडी रेकनर)। **महाबोधि मंदिर (बोधगया)** को **2002 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** घोषित किया गया।

1. **प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई.पू.):** स्थान — **राजगृह (सप्तपर्णी गुफा)** | शासक — **अजातशत्रु** | अध्यक्ष — **महाकश्यप** (सुत्त पिटक व विनय पिटक का संकलन)।

2. **द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई.पू.):** स्थान — **वैशाली (बालुकाराम विहार)** | शासक — **कालाशोक** | अध्यक्ष — **सब्बकामी (सर्वकामी)** (स्थविर एवं महासांघिक में विभाजन)।

3. **तृतीय बौद्ध संगीति (250 ई.पू.):** स्थान — **पाटलिपुत्र (अशोकराम विहार)** | शासक — **सम्राट अशोक** | अध्यक्ष — **मोग्गलिपुत्त तिस्स** (अभिधम्म पिटक की रचना)।

4. (चतुर्थ संगीति कश्मीर के कुंडलवन में कनिष्क के काल में वसुमित्र/अश्वघोष की अध्यक्षता में हुई)।

• **जैन धर्म एवं महावीर स्वामी:** जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर **भगवान महावीर** का जन्म **540 ई.पू.** में वैशाली के निकट **कुंडग्राम (बासोकुंड)** में ज्ञातृक क्षत्रिय कुल के प्रधान सिद्धार्थ एवं लिच्छवि राजकुमारी त्रिशला के यहाँ हुआ। उन्हें 42 वर्ष की आयु में जृम्भिकग्राम में ऋजुपालिका नदी के तट पर कैवल्य प्राप्त हुआ और 72 वर्ष की आयु में **468 ई.पू. में पावापुरी (नालंदा)** में राजा हस्तिपाल के महल में निर्वाण प्राप्त हुआ (पावापुरी का **जल मंदिर** अत्यंत प्रसिद्ध है)। 12वें तीर्थंकर **वासुपूज्य** का जन्म चंपापुरी (भागलपुर) में हुआ था। **प्रथम जैन संगीति (300 ई.पू.) पाटलिपुत्र** में चंद्रगुप्त मौर्य के काल में **स्थूलभद्र** की अध्यक्षता में संपन्न हुई (श्वेतांबर एवं दिगंबर विभाजन तथा 12 अंगों का संकलन)।

4.3 मध्यकालीन बिहार, 1857 की क्रांति (वीर कुँवर सिंह), चंपारण सत्याग्रह एवं पृथक बिहार का गठन

• **मध्यकालीन बिहार एवं शेरशाह सूरी:** बिहार में तुर्क सत्ता का वास्तविक संस्थापक **इख्तियारुद्दीन मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी** था, जिसने बिहार शरीफ को केंद्र बनाया। **शेरशाह सूरी (फरीद खाँ)** ने सूर राजवंश की स्थापना की, **1541 ई.** में पाटलिपुत्र को पुनः **'पटना'** नाम से प्रांतीय राजधानी बनाया और **सासाराम (रोहतास)** में झील के बीच लाल बलुआ पत्थर से अष्टकोणीय मकबरा बनवाया (जिसे कनिंघम ने ताजमहल से भी सुंदर बताया)। पटना में **1666 ई.** में सिखों के 10वें गुरु **गुरु गोबिंद सिंह जी** का जन्म हुआ (**तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब**)।

• **बिहार में यूरोपीय कंपनियाँ एवं जनजातीय विद्रोह:** बिहार में सर्वप्रथम **डचों (1632 ई.)** ने पटना कॉलेज की उत्तरी इमारत में फैक्ट्री स्थापित की; अंग्रेजों ने 1651 ई. में गुलजारबाग (पटना) में फैक्ट्री खोली। **बक्सर का युद्ध (22 अक्टूबर 1764):** हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में ईस्ट इंडिया कंपनी ने मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला और मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना को पराजित किया। प्रमुख विद्रोह: **संथाल विद्रोह (1855–56, सिद्धू-कान्हू, भागलपुर से राजमहल तक 'दामिन-ए-कोह'), मुंडा विद्रोह ('उलगुलान' 1899–1900, बिरसा मुंडा), ताना भगत आंदोलन (1914, जतरा भगत), लोटा विद्रोह (1856, मुजफ्फरपुर जेल), नोनिया विद्रोह (1770–1800, शोरा उत्पादकों द्वारा)**।

• **बिहार में 1857 की क्रांति और बाबू वीर कुँवर सिंह:**

• बिहार में 1857 की क्रांति की शुरुआत **12 जून 1857** को देवघर जिले के **रोहिणी गाँव** (32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट) से हुई।

• **3 जुलाई 1857** को पटना सिटी के पुस्तक विक्रेता **पीर अली** के नेतृत्व में विद्रोह हुआ।

• **25 जुलाई 1857** को दानापुर छावनी के सैनिकों ने विद्रोह किया और **जगदीशपुर (भोजपुर/आरा)** के 80 वर्षीय जमींदार **बाबू वीर कुँवर सिंह** ने नेतृत्व संभाला। उन्होंने आरा पर अधिकार किया, रीवा, बांदा, कानपुर (नाना साहब के साथ) और आजमगढ़ में अंग्रेजों को हराया, और **23 अप्रैल 1858** को कैप्टन ली ग्रैंड की सेना को पराजित कर जगदीशपुर में विजयी पताका फहराई (प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को बिहार में **'विजयोत्सव दिवस'** मनाया जाता है)। उनकी मृत्यु (26 अप्रैल 1858) के बाद उनके भाई **अमर सिंह** और **हरकिशन सिंह** ने छापामार युद्ध जारी रखा।

• **चंपारण सत्याग्रह (अप्रैल 1917) एवं स्वतंत्रता संग्राम:**

• चंपारण में यूरोपीय नीलहों द्वारा किसानों पर **'तिनकठिया प्रणाली'** (प्रत्येक 20 कट्ठा या 1 बीघा भूमि में से **3 कट्ठा** पर नील की खेती अनिवार्य) थोपी गई थी।

• चंपारण के किसान नेता **राजकुमार शुक्ल** ने दिसंबर **1916 के लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन** में महात्मा गांधी से मिलकर उन्हें चंपारण आने का निमंत्रण दिया।

• गांधीजी **10 अप्रैल 1917** को पटना और फिर मुजफ्फरपुर व मोतिहारी पहुँचे। उनके सहयोगियों में **डॉ. राजेंद्र प्रसाद, ब्रजकिशोर प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, धरणीधर प्रसाद, मजहरुल हक, जे.बी. कृपलानी, नरहरि पारिख और महादेव देसाई** शामिल थे। यह भारत में गांधीजी का **प्रथम सफल सविनय अवज्ञा / सत्याग्रह प्रयोग** था। सरकार ने एफ.जी. स्लाई की अध्यक्षता में **चंपारण एग्रेरियन कमेटी** गठित की (जिसके सदस्य गांधीजी भी थे) और तिनकठिया प्रथा समाप्त कर अवैध वसूली का 25% वापस कराया। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसी आंदोलन के दौरान गांधीजी को **'महात्मा'** की उपाधि दी।

• **कांग्रेस के बिहार में हुए 3 अधिवेशन:** (1) **1912 बांकीपुर (पटना)** — 27वाँ अधिवेशन, अध्यक्ष: **आर.एन. मुधोलकर**; (2) **1922 गया** — 37वाँ अधिवेशन, अध्यक्ष: **देशबंधु चितरंजन दास** (जिसके बाद 1923 में स्वराज पार्टी बनी); (3) (1940 रामगढ़ अधिवेशन — मौलाना अबुल कलाम आजाद, वर्तमान झारखंड में)।

• **स्वामी सहजानंद सरस्वती** ने 1929 में सोनपुर मेले में **बिहार प्रांतीय किसान सभा** और 1936 में लखनऊ में **अखिल भारतीय किसान सभा** की स्थापना की। **1942 के भारत छोड़ो आंदोलन** में **जयप्रकाश नारायण** ने हजारीबाग सेंट्रल जेल से दिवाली की रात फरार होकर नेपाल के राजविलास जंगल में **'आजाद दस्ता'** गठित किया, और **11 अगस्त 1942** को पटना सचिवालय गोलीकांड में 7 **छात्र शहीद** हुए (उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह, रामगोविंद सिंह)।

• **आधुनिक बिहार का गठन कालक्रम:**

• **12 दिसंबर 1911:** दिल्ली दरबार में सम्राट जॉर्ज पंचम द्वारा बंगाल से बिहार एवं उड़ीसा को पृथक प्रांत बनाने की घोषणा (प्रमुख सूत्रधार: **डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा** एवं महेश नारायण, जिन्होंने 1894 में 'द बिहार टाइम्स' निकाला)।

• **22 मार्च 1912:** बिहार (उड़ीसा सहित) के गठन की अधिसूचना जारी — प्रतिवर्ष **22 मार्च** को **'बिहार दिवस'** मनाया जाता है। **1 अप्रैल 1912** से विधिवत प्रांत कार्यरत हुआ।

• **1 अप्रैल 1936:** भारत शासन अधिनियम 1935 के तहत बिहार से **उड़ीसा (ओडिशा)** पृथक हुआ।

• **15 नवंबर 2000:** बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के द्वारा दक्षिणी बिहार के **18 जिलों** (लगभग 45.85% भू-भाग) को काटकर **झारखंड** (28वाँ राज्य) बनाया गया।

4.4 बिहार की कला, संस्कृति, लोक चित्रकला एवं पर्व-त्योहार

• **मधुबनी (मिथिला) चित्रकला (GI टैग प्राप्त):** मिथिलांचल (मधुबनी, दरभंगा, सहरसा, सीतामढ़ी) की विश्व प्रसिद्ध लोक चित्रकला, जिसमें चावल के आटे, हल्दी, नील, पलाश व प्राकृतिक रंगों और बाँस की कूची से चित्र बनाए जाते हैं। इसके 3 प्रमुख रूप हैं — **भित्ति चित्र** (कोहबर घर व बाहरी दीवारों पर), **अरिपन** (आँगन में भूमि पर ज्यामितीय चित्र) और **पट चित्र** (कपड़े/कागज पर)। प्रमुख कलाकार: **पद्मश्री सीता देवी, महासुंदरी देवी, जगदंबा देवी, बउआ देवी, दुलारी देवी एवं शशिकला देवी**।

• **पटना कलम शैली (कंपनी शैली):** मुगल साम्राज्य के पतन के बाद 18वीं–19वीं सदी में पटना में विकसित चित्रकला शैली, जो आम जनजीवन (मछली बेचने वाली, लोहार, बढ़ई, पालकी, पक्षी) के यथार्थवादी चित्रण के लिए प्रसिद्ध थी। प्रमुख चित्रकार: **सेवक राम** (प्रथम चित्रकार), **हुलास लाल**, जयराम दास, फकीरचंद लाल, **ईश्वरी प्रसाद वर्मा** (अंतिम प्रमुख चित्रकार)।

• **मंजूषा कला (भागलपुर/अंग क्षेत्र - GI टैग):** बिहुला-विषहरी की लोकगाथा पर आधारित सर्पाकार (साँपों की आकृति वाली) चित्रकला, जिसमें केवल **3 रंगों (हरा, पीला और गुलाबी/लाल)** का प्रयोग होता है। **टिकुली कला:** टूटे काँच को पिघलाकर उस पर सोने-चाँदी की पन्नी व मीनाकारी करना (प्रमुख कलाकार: उपेन्द्र महारथी, अशोक कुमार विश्वास)। **सुजनी कढ़ाई कला (मुजफ्फरपुर - GI टैग)** एवं **सिक्की घास शिल्प**।

• **लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं पर्व:**

• **लोक नाट्य: बिदेसिया** (प्रवर्तक: **भिखारी ठाकुर** — 'भोजपुरी के शेक्सपियर'), **जट-जटिन** (विवाहित दंपति के प्रेम व विरह पर, सावन से कार्तिक पूर्णिमा तक), **डोमकच** (विवाह के अवसर पर बारात जाने के बाद केवल महिलाओं द्वारा हास्य नाट्य), **सामा-चकेवा** (कार्तिक माह में भाई-बहन के प्रेम पर आधारित, मिट्टी की मूर्तियों के साथ), **भकुली-बंका**, **कीर्तनिया**।

• **लोक नृत्य: झिझिया नृत्य** (दशहरा/नवरात्रि में सिर पर छिद्रयुक्त घड़े में जलता दीपक रखकर इंद्रदेव को प्रसन्न करने हेतु), **कजरी**, **झूमर**, **लौंडा नृत्य**, **करमा नृत्य** (जनजातीय), **छऊ नृत्य**।

• **छठ महापर्व (सूर्योपासना का चार दिवसीय लोकपर्व):** कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से सप्तमी तक मनाया जाने वाला बिहार का सबसे बड़ा महापर्व — (1) नहाय-खाय, (2) खरना, (3) संध्या अर्घ्य (डूबते सूर्य को अर्घ्य एवं कोसी भरना), (4) उषा अर्घ्य (उगते सूर्य को अर्घ्य) (छठ पूजा - बिहार पर्यटन)। अन्य मेले: **हरिहर क्षेत्र सोनपुर पशु मेला** (सारण जिले में गंगा-गंडक संगम पर कार्तिक पूर्णिमा से — एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला), **पितृपक्ष मेला** (गया, फल्गू नदी तट), **मलमास मेला** (राजगीर), **सौराठ सभा मेला** (मधुबनी — मैथिल ब्राह्मणों का वैवाहिक परिचय मेला), **मंदार महोत्सव** (बांका) (बिहार पर्यटन उत्सव कैलेंडर)।

4.5 अध्याय 4 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: प्राचीन साम्राज्य एवं महाजनपद] ⟶ (3 महाजनपद: मगध, अंग, वज्जि | वैशाली: विश्व का प्रथम गणतंत्र | हर्यक, नंद, मौर्य, गुप्त एवं पाल वंश)
|
▼
[नोड 2: बौद्ध-जैन दर्शन एवं शिक्षा केंद्र] ⟶ (बोधगया: महाबोधि मंदिर | पावापुरी व कुंडग्राम: महावीर | 3 बौद्ध व 1 जैन संगीति | नालंदा व विक्रमशिला)
|
▼
[नोड 3: स्वतंत्रता संग्राम एवं बिहार गठन] ⟶ (1857: जगदीशपुर के बाबू वीर कुँवर सिंह | 1917: चंपारण सत्याग्रह | गठन: 22 मार्च 1912 -> 1936 -> 15 नवंबर 2000)
|
▼
[नोड 4: लोक कला, चित्रकला एवं महापर्व] ⟶ (मधुबनी पेंटिंग, पटना कलम, मंजूषा कला, टिकुली शिल्प | बिदेसिया, जट-जटिन, झिझिया | छठ महापर्व व सोनपुर मेला)

4.6 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: बिहार के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र

क्रम	जिला	प्रमुख ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल	प्रमुख कला, संस्कृति, मेले एवं विशेष तथ्य
1	**पटना (पाटलिपुत्र)**	कुम्हरार (मौर्य राजप्रासाद), अगमकुआँ, गोलघर (1786 में कैप्टन जॉन गार्स्टिन द्वारा निर्मित), तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब, सदाकत आश्रम (मजहरुल हक/डॉ. राजेंद्र प्रसाद)	पटना कलम चित्रकला, बिहार म्यूजियम, पटना उच्च न्यायालय (स्थापना: **3 फरवरी 1916**), शहीद स्मारक (11 अगस्त 1942 के 7 छात्र शहीद) (बिहार पर्यटन विभाग)।
2	**गया एवं बोधगया**	महाबोधि मंदिर (यूनेस्को 2002), सुजाता स्तूप (बकरौर), विष्णुपद मंदिर (रानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा पुनर्निर्मित), बराबर की गुफाएँ (जहानाबाद सीमा)	पितृपक्ष मेला (फल्गू नदी एवं अक्षयवट), बुद्ध महोत्सव, तपोवन महोत्सव; बिहार का सबसे गर्म और सबसे ठंडा जिला (बिहार पर्यटन रेडी रेकनर)।
3	**नालंदा एवं राजगीर**	नालंदा विश्वविद्यालय भग्नावशेष (यूनेस्को 2016), विश्व शांति स्तूप (रत्नागिरी पहाड़ी, राजगीर), सप्तपर्णी गुफा, वेणुवन, पावापुरी जल मंदिर, ओदंतपुरी (बिहार शरीफ)	राजगीर महोत्सव, मलमास मेला, कुंडलपुर महोत्सव, मखदूम शाह शरफुद्दीन याह्या मनेरी की दरगाह (बिहार शरीफ), ग्लास स्काईवॉक (राजगीर)।
4	**वैशाली**	अशोक का सिंह स्तंभ (कोल्हुआ), अभिषेक पुष्करिणी, विश्व शांति स्तूप, राजा विशाल का गढ़, कुंडग्राम (बासोकुंड - महावीर जन्मभूमि), चेचर (नवपाषाण स्थल)	वैशाली महोत्सव (चैत्र त्रयोदशी - महावीर जयंती पर); विश्व के प्रथम गणतंत्र 'लिच्छवि' की राजधानी; द्वितीय बौद्ध संगीति स्थल।
5	**पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण**	लौरिया नंदनगढ़ व रामपुरवा (प. चंपारण), लौरिया अरेराज व केसरिया बौद्ध स्तूप (पू. चंपारण - विश्व का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप), भितिहरवा गांधी आश्रम	1917 चंपारण सत्याग्रह की कर्मभूमि; सोमेश्वरनाथ महोत्सव व बापूधाम महोत्सव (मोतिहारी); वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (प. चंपारण)।
6	**भागलपुर एवं बांका**	विक्रमशिला विश्वविद्यालय खंडहर (अंतीचक, कहलगाँव), मंदार पर्वत (बांका - समुद्र मंथन से संबद्ध), चंपापुरी जैन मंदिर	मंजूषा चित्रकला (अंग क्षेत्र), भागलपुरी तसर सिल्क ('सिल्क सिटी'), विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभयारण्य (भारत का प्रथम डॉल्फिन अभयारण्य) (विक्रमशिला - बिहार पर्यटन)।
7	**मधुबनी, दरभंगा एवं सीतामढ़ी**	जानकी मंदिर व पुनौरा धाम (सीतामढ़ी), अहिल्या स्थान (दरभंगा), उच्चैठ भगवती स्थान (मधुबनी - कालिदास से संबद्ध), राजनगर पैलेस	मधुबनी (मिथिला) चित्रकला, सौराठ सभा मेला (मधुबनी), मिथिला लोक महोत्सव, मखाना (मिथिला मखाना - GI टैग)।

क्रम	जिला	प्रमुख ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल	प्रमुख कला, संस्कृति, मेले एवं विशेष तथ्य
8	**रोहतास एवं कैमूर**	शेरशाह सूरी का मकबरा व हसन खाँ सूर का मकबरा (सासाराम), रोहतासगढ़ किला, मुंडेश्वरी माता मंदिर (कैमूर - भारत के प्राचीनतम जीवंत मंदिरों में से एक)	गुप्ताधाम महोत्सव (रोहतास), मुंडेश्वरी महोत्सव (कैमूर), तुतला भवानी एवं तेलहर कुंड जलप्रपात।
9	**भोजपुर (आरा) एवं सारण (छपरा)**	जगदीशपुर किला (बाबू वीर कुँवर सिंह स्मारक, भोजपुर), चिरांद नवपाषाण स्थल (सारण), आमी अंबिका भवानी मंदिर	हरिहर क्षेत्र सोनपुर पशु मेला (सारण), भोजपुरी लोकगीत व भिखारी ठाकुर (कुतुबपुर, सारण) की बिदेसिया नाट्य परंपरा।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: बिहार के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन परिपथों (Circuits) में पर्यटक आगमन का हिस्सा

• **बौद्ध एवं जैन परिपथ (बोधगया, राजगीर, नालंदा, वैशाली, पावापुरी, केसरिया):** **38.0%** (विदेशी एवं घरेलू बौद्ध-जैन तीर्थयात्रियों का सर्वोच्च संकेंद्रण)

• **हिंदू एवं रामायण परिपथ (गया पितृपक्ष, सीतामढ़ी पुनौरा धाम, बक्सर, मुंडेश्वरी धाम):** **28.0%** (पितृपक्ष मेला एवं जानकी जन्मभूमि)

• **सिख एवं सूफी परिपथ (पटना साहिब, मनेर शरीफ, बिहार शरीफ, फुलवारी शरीफ):** **16.0%** (प्रकाश पर्व एवं उर्स मेले)

• **गांधी एवं आधुनिक विरासत परिपथ (भितिहरवा, मोतिहारी, सदाकत आश्रम, जगदीशपुर):** **10.0%** (चंपारण सत्याग्रह एवं स्वतंत्रता संग्राम स्मृति स्थल)

• **इको-टूरिज्म एवं वन्यजीव परिपथ (वाल्मीकि नगर, राजगीर नेचर सफारी, ककोलत, कैमूर):** **8.0%** (वाल्मीकि टाइगर रिजर्व व जलप्रपात)

4.8 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. तीनों बौद्ध संगीतियाँ (जो बिहार में हुईं) याद करने की ट्रिक:

★ **ट्रिक:** "स्थान: **रा-वै-पा** | शासक: **अ-का-अ** | अध्यक्ष: **म-स-मो**"
• **प्रथम (483 ई.पू.):** राजगृह अजातशत्रु महाकश्यप
• **द्वितीय (383 ई.पू.):** वैशाली कालाशोक सब्बकामी
• **तृतीय (250 ई.पू.):** पाटलिपुत्र अशोक मोग्गलिपुत्त तिस्स

2. बिहार के गठन की 4 स्वर्णिम तिथियाँ:

★ * **12 दिसंबर 1911** (दिल्ली दरबार घोषणा) **22 मार्च 1912** (अधिसूचना / बिहार दिवस) **1 अप्रैल 1936** (उड़ीसा पृथक) **15 नवंबर 2000** (झारखंड पृथक)।

4.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — BPSC, Bihar TRE, Bihar Police/SI)

अभ्यास प्रश्न #11 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [68th / 69th BPSC Pre]:** 1916 के लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में चंपारण के किसानों की दुर्दशा की ओर महात्मा गांधी का ध्यान किसने आकर्षित किया तथा चंपारण संबंधी प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** गांधीजी को चंपारण आने के लिए **राजकुमार शुक्ल** (मुरली भरहवा गाँव निवासी) ने राजी किया था, जबकि 1916 के लखनऊ अधिवेशन में चंपारण के नील किसानों से संबंधित प्रस्ताव **ब्रजकिशोर प्रसाद** ने प्रस्तुत किया था।

अभ्यास प्रश्न #12 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [67th BPSC / Bihar TRE 2023]:** बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व बाबू वीर कुँवर सिंह ने कहाँ से किया और उन्होंने किस अंग्रेज अधिकारी को अंतिम युद्ध में पराजित किया?

• **उत्तर एवं व्याख्या: जगदीशपुर (आरा/भोजपुर)** से; उन्होंने **23 अप्रैल 1858** को जगदीशपुर के पास **कैप्टन ली ग्रैंड** के नेतृत्व वाली ब्रिटिश सेना को करारी शिकस्त दी।

अभ्यास प्रश्न #13 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [BPSC Pre 2022]:** विक्रमशिला विश्वविद्यालय और ओदंतपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना किन पाल शासकों ने की थी?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** विक्रमशिला विश्वविद्यालय (भागलपुर) की स्थापना **धर्मपाल** ने तथा ओदंतपुरी विश्वविद्यालय (बिहार शरीफ) की स्थापना पाल वंश के संस्थापक **गोपाल** ने की थी।

अध्याय 5: बिहार का भूगोल, नदियाँ (कोसी, गंगा, सोन), वन्यजीव, खनिज, जनगणना 2011, राजव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 5: बिहार का भूगोल, नदियाँ (कोसी, गंगा, सोन), वन्यजीव, खनिज, जनगणना 2011, राजव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
बिहार की भौगोलिक स्थिति, भौतिक विभाजन एवं सीमावर्ती जिले	बिहार का अपवाह तंत्र (गंगा, कोसी, सोन, गंडक), जलप्रपात एवं गर्म जलकुंड	बिहार के वन्यजीव, खनिज, जनगणना 2011, राजव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण	विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — BPSC, Bihar Police, Bihar Teacher TRE)

5.1 बिहार की भौगोलिक स्थिति, भौतिक विभाजन एवं सीमावर्ती जिले

(बिहार सरकार हरित बजट एवं पर्यावरण अवलोकन)

• **अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार: 24°20'10" उत्तरी अक्षांश से 27°31'15" उत्तरी अक्षांश** तथा **83°19'50" पूर्वी देशांतर से 88°17'40" पूर्वी देशांतर** के मध्य। समुद्र तल से औसत ऊँचाई **173 फीट (52.73 मीटर)** है।

• **कुल क्षेत्रफल: 94,163 वर्ग किमी** (भारत के कुल क्षेत्रफल का **2.86%**; क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के राज्यों में **12वाँ स्थान** — जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद)।

• **उत्तर से दक्षिण की लंबाई: 345 किमी | पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई: 483 किमी** (आयताकार आकृति)।

• **सीमावर्ती देश एवं राज्य (1 देश + 3 राज्य):**

• **उत्तर में नेपाल (अंतर्राष्ट्रीय सीमा — 729 किमी; 7 जिले):** पश्चिम से पूर्व क्रम — **पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज**।

• **पश्चिम में उत्तर प्रदेश (8 जिले): रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण**।

• **दक्षिण में झारखंड (8 जिले): रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर और कटिहार**।

• **पूर्व में पश्चिम बंगाल (3 जिले): किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार**।

• **पटना राजधानी से सटे 9 जिले:** भोजपुर, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, नालंदा, जहानाबाद, अरवल।

• **भौतिक विभाजन (3 प्रमुख प्राकृतिक भाग):**

1. **शिवालिक का पर्वतीय एवं तराई क्षेत्र (उत्तर-पश्चिमी चंपारण - 932 वर्ग किमी):** इसमें रामनगर दून, हरहा घाटी और **सोमेश्वर श्रेणी** शामिल हैं। सोमेश्वर किला (**874 मीटर / 880 मीटर**) बिहार की **सर्वोच्च पर्वत चोटी** है।

2. **बिहार का विशाल गंगा का मैदान (90,650 वर्ग किमी — कुल क्षेत्रफल का ~96.27%):** गंगा नदी इसे दो भागों में बाँटती है — **उत्तरी बिहार का मैदान** (बाढ़ एवं चौर/मन झीलों का क्षेत्र, नवीन जलोढ़ 'खादर') और **दक्षिणी बिहार का मैदान** (टाल एवं पुरानी जलोढ़ 'बांगर/करैल-कैवाल' मृदा का क्षेत्र)।

3. **दक्षिण का संकीर्ण पठारी क्षेत्र:** पश्चिम में **कैमूर (रोहतास) का पठार** (विंध्यन क्रम की चट्टानें — चूना पत्थर व पाइराइट) और पूर्व में **गया-मुंगेर-जमुई-बांका की धारवाड़ क्रम** की पहाड़ियाँ (खड़गपुर की पहाड़ियाँ, राजगीर-गिरियक पहाड़ियाँ, मंदार पर्वत)।

5.2 बिहार का अपवाह तंत्र (गंगा, कोसी, सोन, गंडक), जलप्रपात एवं गर्म जलकुंड

• **गंगा नदी (बिहार की जीवनरेखा):** गंगा नदी **बक्सर जिले के चौसा** के पास बिहार में प्रवेश करती है, बिहार के **12 जिलों** (बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर, खगड़िया, कटिहार, लखीसराय, भागलपुर) से होकर **445 किमी** बहती है (सर्वाधिक लंबाई **पटना जिले में — 99 किमी**)।

• **उत्तरी बिहार की नदियाँ (हिमालयी नदियाँ — बाईं ओर से गंगा में मिलने वाली):**

1. **घाघरा (सरयू):** सारण (छपरा) के पास गंगा में मिलती है।

2. **गंडक ('सप्तगंडकी/नारायणी'):** भैंसलोटन (वाल्मीकिनगर, प. चंपारण) से प्रवेश कर **हाजीपुर (पटना के सामने पहलेजा घाट)** के पास गंगा में मिलती है; इसी पर **त्रिवेणी नहर** बनी है।

3. **बूढ़ी गंडक:** सोमेश्वर की पहाड़ियों (चौतरवा चौर) से निकलकर खगड़िया (मुंगेर के पास) में गंगा से मिलती है — उत्तर बिहार की सबसे तेज जलधारा वाली और बिहार के भीतर हिमालयी उद्गम वाली सबसे लंबी सहायक नदी।

4. **बागमती एवं कमला-बलान:** बागमती सीतामढ़ी से प्रवेश कर कोसी में मिलती है।

5. **कोसी नदी ('बिहार का शोक' / Sorrow of Bihar):** नेपाल में गोसाईंथान (सप्तकोसी: अरुण, तामूर, सुनकोसी) से निकलकर सुपौल (भीमनगर) से बिहार में प्रवेश करती है और **कुरसेला (कटिहार)** में गंगा से मिलती है। अपने अत्यधिक अवसाद निक्षेपण और **मार्ग परिवर्तन** के कारण यह भीषण बाढ़ लाती है।

6. **महानंदा:** दार्जिलिंग पहाड़ियों से निकलकर किशनगंज व पूर्णिया में बहती हुई बिहार की सबसे पूर्वी नदी के रूप में गंगा में मिलती है।

• **दक्षिणी बिहार की नदियाँ (पठारी नदियाँ — दाईं ओर से गंगा में मिलने वाली):**

1. **कर्मनाशा:** कैमूर पहाड़ियों से निकलकर उ.प्र. व बिहार की सीमा बनाती हुई चौसा के पास गंगा में मिलती है।

2. **सोन नदी ('हिरण्यवाह/सोनभद्र'):** अमरकंटक (म.प्र.) से निकलकर रोहतास से बिहार में प्रवेश करती है और **मनेर/दानापुर (पटना)** के पास गंगा में मिलती है। इस पर **डेहरी (इंद्रपुरी बराज, 1874 — बिहार की सबसे पुरानी आधुनिक नहर प्रणाली)** और **कोइलवर पुल (अब्दुल बारी पुल)** स्थित हैं।

3. **पुनपुन:** पलामू (झारखंड) से निकलकर **फतवा (पटना)** में गंगा से मिलती है।

4. **फल्गू (निरंजना), क्यूल, सकरी एवं अजय:** मोकामा के टाल क्षेत्र में विलीन होती हैं या गंगा में मिलती हैं।

• **प्रमुख जलप्रपात, झीलें एवं गर्म जलकुंड (Hot Springs):**

• **जलप्रपात: ककोलत जलप्रपात** (नवादा — ठंडे जल के लिए प्रसिद्ध), **तेलहर कुंड** एवं **करकटगढ़ जलप्रपात** (कैमूर — मगरमच्छ संरक्षण रिजर्व), **तुतला भवानी (तुतलाही), मंझर कुंड** एवं **धुआँ कुंड** (रोहतास — सासाराम)।

• **प्रमुख झीलें (आर्द्रभूमि): काबर ताल (कांवर झील - बेगूसराय):** एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की गोखुर (Ox-bow) झील एवं **बिहार का प्रथम रामसर स्थल (2020); नागी एवं नकटी पक्षी अभयारण्य (जमुई):** 2024 में घोषित नए रामसर स्थल; **गोगाबिल झील (कटिहार):** बिहार का प्रथम सामुदायिक रिजर्व; **कुशेश्वर स्थान (दरभंगा), सिमरी बख्तियारपुर झील (सहरसा), अनुपम झील (कैमूर)**।

• **गर्म जलकुंड: राजगीर (नालंदा)** — ब्रह्मकुंड (बिहार का **सबसे गर्म जलकुंड — 87°C**), सप्तधारा, सूर्यकुंड, मखदूम कुंड, नानक कुंड; **मुंगेर (खड़गपुर पहाड़ियाँ)** — सीताकुंड, लक्ष्मण कुंड (मुंगेर का सबसे गर्म कुंड), रामेश्वर कुंड, ऋषिकुंड, भीमबांध।

5.3 बिहार के वन्यजीव, खनिज, जनगणना 2011, राजव्यवस्था एवं आर्थिक सर्वेक्षण

• **वन एवं वन्यजीव:** बिहार का कुल वनावरण भौगोलिक क्षेत्रफल का **7.84%** (7,380.79 वर्ग किमी; वृक्षावरण सहित **10.32%**) है। सर्वाधिक वनावरण (क्षेत्रफल व प्रतिशत दोनों में) **कैमूर (भभुआ - 31.56%)** में और न्यूनतम वनावरण **शेखपुरा (0.17%)** में है। **वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व (पश्चिमी चंपारण):** बिहार का **एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व। भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य (मुंगेर), कैमूर वन्यजीव अभयारण्य (बिहार का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य), गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य (गया), पंत (राजगीर) वन्यजीव अभयारण्य (नालंदा)**।

• **खनिज संसाधन:**

• **रोहतास: पाइराइट (Pyrite)** — भारत के कुल पाइराइट भंडार का **95%** **अकेले रोहतास (अमझौर)** में है (उर्वरक व गंधक अम्ल निर्माण); चूना पत्थर (बंजारी)।

• **जमुई: स्वर्ण (Gold) अयस्क** — भारत का लगभग **44%** **स्वर्ण अयस्क भंडार जमुई (करमटिया/सोनो क्षेत्र)** में है।

• **मुंगेर:** बॉक्साइट (खड़गपुर पहाड़ियाँ), स्लेट पत्थर, क्वार्ट्ज, चीनी मिट्टी। **नवादा एवं गया: अभ्रक (Mica)**। **भागलपुर एवं बांका:** अग्नि-सह मिट्टी (Fireclay), काँच पत्थर, गैलेना (सीसा - बांका)। **पूर्णिया व कटिहार:** प्राकृतिक गैस व पेट्रोलियम के संभावित बेसिन। **सारण, सीवान, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय: शोरा (Saltpetre - पोटैशियम नाइट्रेट)**।

• **बिहार की राजव्यवस्था एवं प्रशासन:**

• **द्विसदनीय विधानमंडल: विधानसभा सीटें: 243** (आरक्षित सीटें: **38 SC + 2 ST** — कटोरिया व मनिहारी) | **विधान परिषद सीटें: 75**।

• **संसदीय सीटें: लोकसभा: 40** (आरक्षित: **6 SC सीटें** — गोपालगंज, हाजीपुर, समस्तीपुर, सासाराम, गया, जमुई) | **राज्यसभा: 16**।

• **प्रशासनिक संरचना: 9 प्रमंडल (Divisions):** पटना (6 जिले), तिरहुत (मुख्यालय: मुजफ्फरपुर - 6 जिले), सारण (मुख्यालय: छपरा - 3 जिले), दरभंगा (3 जिले), कोसी (मुख्यालय: सहरसा - 3 जिले) (सहरसा - बिहार पर्यटन), पूर्णिया (4 जिले), भागलपुर (2 जिले — सबसे छोटा प्रमंडल: भागलपुर व बांका), मुंगेर (6 जिले), मगध (मुख्यालय: गया - 5 जिले)। **कुल जिले: 38** (38वाँ जिला: **अरवल**, अगस्त 2001 में जहानाबाद से पृथक), **101 अनुमंडल**, **534 प्रखंड (Blocks)**, **19 नगर निगम** (19वाँ: सहरसा)।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **जयरामदास दौलतराम** | प्रथम मुख्यमंत्री: **डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ('बिहार केसरी')** | प्रथम महिला मुख्यमंत्री: **श्रीमती राबड़ी देवी** | प्रथम दलित मुख्यमंत्री: **भोला पासवान शास्त्री** | प्रथम विधानसभा अध्यक्ष: **रामदयालु सिंह** (स्वतंत्रता पूर्व) एवं **बिंदेश्वरी प्रसाद वर्मा** (स्वतंत्रता पश्चात)।

• **राजकीय प्रतीक:** राजकीय वृक्ष — **पीपल** | राजकीय पुष्प — **गेंदा** | राजकीय पशु — **गौर (बैल)** | राजकीय पक्षी — **गौरैया** | राजकीय मछली — **देशी मांगुर** | राजकीय चिह्न — दो स्वास्तिक के बीच **बोधि वृक्ष**।

• **बिहार पंचायती राज अधिनियम, 2006:** पंचायती राज संस्थाओं में **महिलाओं को 50% आरक्षण** देने वाला बिहार **भारत का प्रथम राज्य** है।

• **बिहार जनगणना 2011 एवं आर्थिक सर्वेक्षण के मुख्य बिंदु:**

• **कुल जनसंख्या: 10,40,99,452** (देश की जनसंख्या का **8.60%**, उ.प्र. व महाराष्ट्र के बाद **तीसरा स्थान**)।

• **जनसंख्या घनत्व: 1,106 व्यक्ति/वर्ग किमी** (भारत के सभी राज्यों में **प्रथम स्थान**)।

• **दशकीय वृद्धि दर (2001–11): 25.42%** (बड़े राज्यों में सर्वाधिक)।

• **लिंगानुपात: 918** | **शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष): 935**।

• **साक्षरता दर: 61.80%** (भारत में न्यूनतम; पुरुष: **71.20%** | महिला: **51.50%**)।

• **नगरीकरण: 11.29%** (हिमाचल प्रदेश के बाद देश में दूसरा सबसे कम नगरीकृत राज्य; **88.71% ग्रामीण आबादी**)।

• **आर्थिक सर्वेक्षण एवं सात निश्चय-2 (2020–2025):** प्रति व्यक्ति आय की दृष्टि से **पटना** शीर्ष पर और **शिवहर** न्यूनतम स्थान पर है। 'सात निश्चय-2' के 7 घटक: (1) युवा शक्ति-बिहार की प्रगति, (2) सशक्त महिला-सक्षम महिला, (3) हर खेत तक सिंचाई का पानी, (4) स्वच्छ गाँव-समृद्ध गाँव, (5) स्वच्छ शहर-विकसित शहर, (6) सुलभ संपर्कता, (7) सबके लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा।

5.4 अध्याय 5 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: भौगोलिक एवं नदी तंत्र] ⟶ (94,163 वर्ग किमी | सोमेश्वर सर्वोच्च चोटी 874m | गंगा: 12 जिले, 445 किमी | कोसी: बिहार का शोक, कुरसेला संगम)
|
▼
[नोड 2: वन्यजीव, झीलें एवं खनिज] ⟶ (वाल्मीकि टाइगर रिजर्व | काबर ताल व नागी-नकटी रामसर स्थल | रोहतास: 95% पाइराइट | जमुई: 44% स्वर्ण अयस्क)
|
▼
[नोड 3: राजव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढाँचा] ⟶ (विधानसभा: 243 | विधान परिषद: 75 | लोकसभा: 40 | राज्यसभा: 16 | 9 प्रमंडल, 38 जिले [38वाँ अरवल], पंचायत में 50% महिला आरक्षण)
|
▼
[नोड 4: जनगणना 2011 एवं अर्थव्यवस्था] ⟶ (जनसंख्या: 10.41 करोड़ [3रा] | घनत्व: 1106 [1ला] | साक्षरता: 61.80% [रोहतास शीर्ष, पूर्णिया न्यूनतम] | लिंगानुपात: 918 [गोपालगंज 1021])

5.5 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: बिहार जनगणना 2011, कृषि एवं खनिज संकेतक

संकेतक / श्रेणी	राज्य मान / औसत	सर्वोच्च / शीर्ष जिले (प्रथम द्वितीय तृतीय)	न्यूनतम / अंतिम जिले (न्यूनतम द्वितीय)
कुल जनसंख्या	10,40,99,452 (8.60%)	1. **पटना** (58.38 लाख) 2. पूर्वी चंपारण 3. मुजफ्फरपुर	1. **शेखपुरा** (6.36 लाख) 2. शिवहर 3. अरवल
क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	94,163 वर्ग किमी	1. **पश्चिमी चंपारण** (5,228 वर्ग किमी) 2. गया 3. पूर्वी चंपारण	1. **शिवहर** (349/443 वर्ग किमी) 2. अरवल 3. शेखपुरा
जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी)	1,106 (देश में प्रथम)	1. **शिवहर** (1,880 — देश के जिलों में शीर्ष ग्रामीण घनत्व) 2. पटना (1,823) 3. दरभंगा (1,728)	1. **कैमूर (भभुआ)** (488) 2. जमुई (568) 3. बांका (674)
दशकीय जनसंख्या वृद्धि (2001–11)	25.42%	1. **मधेपुरा** (31.12%) 2. किशनगंज (30.40%) 3. अररिया/खगड़िया (30.25%)	1. **गोपालगंज** (19.02%) 2. दरभंगा (19.47%) 3. मुंगेर (20.21%)
लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुष)	918	1. **गोपालगंज** (1,021 — एकमात्र 1000+ जिला) 2. सीवान (988) 3. सारण (954)	1. **मुंगेर** (876) 2. भागलपुर (880) 3. खगड़िया (886)
शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष)	935	1. **किशनगंज** (971) 2. कटिहार (961) 3. गया (960)	1. **वैशाली** (904) 2. पटना (909) 3. मुजफ्फरपुर (915)
कुल साक्षरता दर (%)	61.80%	1. **रोहतास** (73.37% — पुरुष व महिला दोनों में भी शीर्ष) 2. पटना (70.68%) 3. भोजपुर (70.47%)	1. **पूर्णिया** (51.08%) 2. सीतामढ़ी (52.05%) 3. कटिहार (52.24%)
महिला साक्षरता दर (%)	51.50%	1. **रोहतास** (62.97%) 2. मुंगेर (62.08%) 3. पटना (61.96%)	1. **सहरसा** (41.68%) 2. मधेपुरा (41.74%) 3. पूर्णिया (42.34%)
नगरीकरण प्रतिशत (%)	11.29%	1. **पटना** (43.07%) 2. मुंगेर (27.79%) 3. भागलपुर (19.83%)	1. **समस्तीपुर** (3.47%) 2. बांका (3.50%) 3. मधुबनी (3.6%)

संकेतक / श्रेणी	राज्य मान / औसत	सर्वोच्च / शीर्ष जिले (प्रथम द्वितीय तृतीय)	न्यूनतम / अंतिम जिले (न्यूनतम द्वितीय)				
वनावरण एवं कृषि उत्पादन	वनावरण: 7.84%	सर्वाधिक वन: कैमूर (भभुआ) व प. चंपारण	न्यूनतम वन: शेखपुरा व अरवल	चावल व गेहूँ उत्पादन में प्रथम: रोहतास	मक्का: कटिहार	जूट व चाय: किशनगंज	लीची (GI टैग शाही लीची): मुजफ्फरपुर (सीतामढ़ी जनगणना पुस्तिका)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: बिहार के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) एवं भूमि उपयोग का क्षेत्रकवार हिस्सा

- **तृतीयक / सेवा क्षेत्र (Service Sector in Bihar GSDP):** **58.6%** (व्यापार, होटल, परिवहन एवं लोक प्रशासन का सर्वाधिक योगदान)
- **द्वितीयक / उद्योग क्षेत्र (Secondary / Industrial Sector):** **21.5%** (विनिर्माण एवं निर्माण क्षेत्र में तीव्र वृद्धि)
- **प्राथमिक / कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र (Primary / Agriculture Sector):** **19.9%** (बिहार की ~74% कार्यशील जनसंख्या कृषि पर निर्भर है)
- **बिहार का ग्रामीण बनाम शहरी जनसंख्या अनुपात (2011):** ग्रामीण आबादी **88.71%** | शहरी आबादी **11.29%**।

5.7 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. नेपाल से सटे बिहार के 7 जिले (पश्चिम से पूर्व क्रम):

★ **ट्रिक:** "पश्चिम-पूरब के चंपा ने सीता और मधु को सुपौल में अररिया और किशन से मिलाया!"
- 1. **पश्चिमी चंपारण** 2. **पूर्वी चंपारण** 3. **सीतामढ़ी** 4. **मधुबनी** 5. **सुपौल** 6. **अररिया** 7. **किशनगंज**।

2. गंगा नदी में बिहार में मिलने वाली प्रमुख सहायक नदियाँ और संगम स्थल:

★ **ट्रिक:** "छपरा में घाघरा, दानापुर-मनेर में सोन, हाजीपुर में गंडक, फतवा में पुनपुन, मुंगेर-खगड़िया में बूढ़ी गंडक और कुरसेला (कटिहार) में कोसी मिली!"

5.8 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — BPSC, Bihar Police, Bihar Teacher TRE)

अभ्यास प्रश्न #14 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [69th BPSC / 67th BPSC Re-exam]:** बिहार के किस जिले में साक्षरता दर सर्वाधिक है तथा किस जिले में महिला साक्षरता दर न्यूनतम है?

- **उत्तर एवं व्याख्या: रोहतास (73.37%)** में कुल साक्षरता, पुरुष साक्षरता (82.88%) और महिला साक्षरता (62.97%) तीनों सर्वाधिक हैं; जबकि **न्यूनतम कुल साक्षरता पूर्णिया (51.08%)** में और **न्यूनतम महिला साक्षरता सहरसा (41.68%)** में है (सहरसा जनगणना पुस्तिका)।

अभ्यास प्रश्न #15 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [68th BPSC Pre]:** जनगणना 2011 के अनुसार बिहार के किस जिले में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक (1,880 व्यक्ति/वर्ग किमी) है?

- **उत्तर एवं व्याख्या: शिवहर (1,880 व्यक्ति/वर्ग किमी)** (शिवहर जनगणना पुस्तिका)। दूसरे स्थान पर पटना (1,823) है और न्यूनतम घनत्व कैमूर (488) में है।

अभ्यास प्रश्न #16 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [BPSC TRE 2.0 / 66th BPSC]:** बिहार के किस जिले में सोने का विशालतम भंडार और किस जिले में पाइराइट का एकमात्र भंडार स्थित है?

• **उत्तर एवं व्याख्या: जमुई** (सोनो प्रखंड का करमटिया क्षेत्र) में भारत का ~44% स्वर्ण अयस्क भंडार है, जबकि **रोहतास** (अमझौर) में देश का ~95% पाइराइट भंडार स्थित है।

अध्याय 6: मध्य प्रदेश का इतिहास, प्रमुख राजवंश, जनजातियाँ (भील, गोंड, बैगा, सहरिया), लोक नृत्य, पर्यटन एवं यूनेस्को स्थल

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 6: मध्य प्रदेश का इतिहास, प्रमुख राजवंश, जनजातियाँ (भील, गोंड, बैगा, सहरिया), लोक नृत्य, पर्यटन एवं यूनेस्को स्थल

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
मध्य प्रदेश का ऐतिहासिक विकास एवं प्रमुख राजवंश	मध्य प्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ (भारत में सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या वाला राज्य)	मध्य प्रदेश के लोक नृत्य, लोक नाट्य, उत्सव एवं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल	विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — MPPSC Pre, MP Police, Patwari)

6.1 मध्य प्रदेश का ऐतिहासिक विकास एवं प्रमुख राजवंश

मध्य प्रदेश ('भारत का हृदय प्रदेश' — पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रदत्त नाम) मानव सभ्यता के प्रागैतिहासिक विकास से लेकर राजपूत, मराठा और स्वाधीनता संग्राम तक का साक्षी रहा है (मध्य प्रदेश पर्यटन आधिकारिक पुस्तक)।

• **प्रागैतिहासिक एवं पाषाण काल:**

• **हथनौरा (सीहोर जिला, नर्मदा घाटी):** डॉ. अरुण सोनकिया ने 1982 में यहाँ से भारत में **प्राचीनतम मानव खोपड़ी (जीवाश्म)** — **'नर्मदा मानव' (Homo erectus narmadensis)** की खोज की।

• **भीमबेटका की गुफाएँ (अब्दुल्लागंज, रायसेन जिला):** विंध्य पर्वत श्रेणी में स्थित 750 से अधिक शैलाश्रय (Rock Shelters), जहाँ पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण काल के **10,000+ वर्ष पुराने शैलचित्र** (आखेट, नृत्य व पशु चित्रण) मिले हैं। इसकी खोज **1957–58 में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर** ने की थी और **2003 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** घोषित किया गया (भोपाल एवं भीमबेटका पर्यटन पोर्टल)।

• **आदमगढ़ (नर्मदापुरम/होशंगाबाद):** आर.बी. जोशी द्वारा खोजा गया मध्यपाषाणकालीन स्थल, जहाँ से भारत में **पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य** मिले हैं।

• **ताम्रपाषाण स्थल: कायथा** (उज्जैन, काली सिंध नदी तट — वराहमिहिर की जन्मस्थली), **एरण** (सागर, बीना नदी तट — भानुगुप्त के 510 ई. के अभिलेख से **सती प्रथा का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य**), **नावदाटोली** (खरगोन, नर्मदा तट — एच.डी. सांकलिया द्वारा उत्खनित)।

• **महाजनपद एवं मौर्य-शुंग-गुप्त काल:**

• म.प्र. में 2 प्रमुख महाजनपद थे — **अवंति** (उत्तरी अवंति की राजधानी **उज्जयिनी** और दक्षिणी अवंति की राजधानी **महिष्मती/महेश्वर**; शासक चंडप्रद्योत) और **चेदि** (बुंदेलखंड/खजुराहो क्षेत्र)।

• **सम्राट अशोक** शासक बनने से पूर्व **उज्जयिनी (अवंति) का राज्यपाल (प्रांतपति)** था; उसने विदिशा की श्रेष्ठी पुत्री **महादेवी (श्रीदेवी)** से विवाह किया (जिनसे महेंद्र व संघमित्रा का जन्म हुआ) और रायसेन जिले में **साँची के महास्तूप** का निर्माण कराया (खोजकर्ता: जनरल टेलर, 1818; **1989 में यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित**)। शुंग वंश के शासक **पुष्यमित्र शुंग** ने साँची स्तूप की काष्ठ वेदिका के स्थान पर पाषाण रेलिंग लगवाई और सतना में **भरहुत स्तूप** का निर्माण कराया। विदिशा (बेसनगर) में यवन राजदूत **हेलियोडोरस** ने शुंग शासक भागभद्र के काल में भगवान विष्णु के सम्मान में **गरुड़ स्तंभ ('खाम बाबा')** स्थापित कराया।

• **गुप्त काल:** विदिशा में **उदयगिरि की गुफाएँ** (गुफा संख्या 5 में **वराह अवतार** की विशाल प्रतिमा) और धार जिले में बाघनी नदी के तट पर **बाघ की गुफाएँ** (बौद्ध भित्तिचित्र, खोजकर्ता: डेंजरफील्ड, 1818) गुप्तकालीन कला के अनुपम उदाहरण हैं।

• **मध्य प्रदेश के प्रमुख राजवंश:**

1. **चंदेल राजवंश (जेजाकभुक्ति / खजुराहो — छतरपुर जिला):** संस्थापक **नन्नुक (831 ई.)**। प्रतापी शासक **यशोवर्मन (लक्ष्मण मंदिर)**, **धंगदेव (विश्वनाथ एवं पार्श्वनाथ मंदिर)** और **विद्याधर (कंदरिया महादेव मंदिर — खजुराहो का सबसे बड़ा एवं भव्य मंदिर)** ने 950–1050 ई. के मध्य नागर (पंचायतन) शैली में 85 मंदिर बनवाए, जिनमें से वर्तमान में 22–25 मंदिर शेष हैं। **खजुराहो के मंदिर समूह को 1986 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** घोषित किया गया (मध्य प्रदेश का प्रथम यूनेस्को स्थल) (खजुराहो हेरिटेज रोड ट्रिप - एमपी टूरिज्म)।

2. **परमार राजवंश (मालवा — धार एवं उज्जैन):** संस्थापक **उपेंद्र (कृष्णराज)**; सर्वाधिक प्रतापी शासक **राजा भोज (1000–1055 ई.)**, जिन्होंने धार को राजधानी बनाया, वहाँ **भोजशाला (सरस्वती मंदिर)** बनवाया, भोपाल के पास **भोजपुर का विशाल शिव मंदिर** और **भोजताल (बड़ा तालाब)** का निर्माण कराया तथा 'समरांगण सूत्रधार', 'सरस्वती कंठाभरण' व 'आयुर्वेद सर्वस्व' जैसे ग्रंथ लिखे (भोपाल-पचमढ़ी यात्रा विवरण)।

3. **कलचुरि राजवंश (त्रिपुरी — जबलपुर):** संस्थापक कोक्कल प्रथम; प्रतापी शासक गांगेयदेव एवं कर्णदेव ('हिंदू नेपोलियन')।

4. **तोमर राजवंश (ग्वालियर):** संस्थापक वीरसिंह देव; **राजा मानसिंह तोमर (1486–1516 ई.)** ने ग्वालियर किले में **मान मंदिर एवं गुजरी महल** (रानी मृगनयनी के लिए) बनवाया तथा संगीत ग्रंथ **'मानकुतूहल'** की रचना की।

5. **गोंड राजवंश (गढ़ा-मंडला / गढ़ा-कटंगा):** संग्राम शाह (52 गढ़ों के विजेता); **रानी दुर्गावती** (चंदेल राजकुमारी, दलपत शाह की पत्नी) ने 1564 ई. में मुगल सेनापति आसफ खाँ से वीरतापूर्वक युद्ध करते हुए जबलपुर के बरेला (नरई नाला) में आत्मबलिदान दिया।

6. **बुंदेला राजवंश (ओरछा एवं पन्ना):** रुद्रप्रताप सिंह बुंदेला ने 1531 ई. में बेतवा नदी के तट पर **ओरछा** की स्थापना की; वीरसिंह देव बुंदेला ने जहांगीर महल बनवाया; पन्ना के **महाराजा छत्रसाल ('बुंदेलखंड केसरी')** ने औरंगजेब से संघर्ष किया।

7. **होल्कर राजवंश (इंदौर एवं महेश्वर):** संस्थापक **मल्हारराव होल्कर**। **लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर (1767–1795 ई.)** ने महेश्वर को राजधानी बनाया, माहेश्वरी साड़ी उद्योग को संरक्षण दिया और काशी विश्वनाथ, सोमनाथ व गया के विष्णुपद मंदिर सहित पूरे भारत में तीर्थों का जीर्णोद्धार कराया।

8. **सिंधिया राजवंश (उज्जैन एवं ग्वालियर):** संस्थापक **राणोजी सिंधिया; महाजी सिंधिया; दौलतराव सिंधिया** ने 1810 ई. में राजधानी उज्जैन से ग्वालियर स्थानांतरित की (जयविलास पैलेस, जीवाजीराव सिंधिया)।

9. **भोपाल रियासत (नवाब एवं बेगमों का शासन):** संस्थापक **दोस्त मोहम्मद खाँ (1723–24 ई.)**। **1819 से 1926 ई.** तक भोपाल पर चार महिला शासिकाओं (**कुदसिया बेगम [गौहर महल], सिकंदर जहाँ बेगम, शाहजहाँ बेगम [ताज-उल-मसाजिद] और सुल्तान जहाँ बेगम**) का शासन रहा (भोपाल बेगमों का इतिहास - एमपी टूरिज्म)।

• **1857 की क्रांति एवं मध्य प्रदेश में स्वतंत्रता संग्राम:** म.प्र. में क्रांति की शुरुआत **3 जून 1857 को नीमच छावनी** से हुई। प्रमुख सेनानी: मंडला (रामगढ़) की **रानी अवंतीबाई लोधी** (सहायिका: गिरधारी बाई), झाँसी-ग्वालियर की **रानी लक्ष्मीबाई** (सहायिका: झलकारी बाई; समाधि ग्वालियर के फूलबाग में), इंदौर (महू) से **सआदत खाँ**, अमझेरा (धार) से **राजा बख्तावर सिंह**, निमाड़ से **भीमा नायक** और **टंट्या भील ('इंडियन रॉबिनहुड')**, जबलपुर से गोंड राजा **शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह**। **चरण पादुका नरसंहार (14 जनवरी 1931, छतरपुर में उर्मिल नदी के तट पर):** कर्नल फिशर द्वारा निहत्थे स्वतंत्रता सेनानियों पर गोलीबारी — इसे **'मध्य प्रदेश का जलियाँवाला बाग कांड'** कहा जाता है। **झंडा सत्याग्रह (1923, जबलपुर)** और **जंगल सत्याग्रह (1930, टुरिया-सिवनी एवं घोड़ाडोंगरी-बैतूल: गंजन सिंह कोरकू)** प्रमुख आंदोलन थे।

6.2 मध्य प्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ (भारत में सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या वाला राज्य)

जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश में अनुसूचित जनजाति (ST) की जनसंख्या **1,53,16,784 (राज्य की कुल जनसंख्या का 21.09%)** है, जो **संख्या की दृष्टि से भारत में प्रथम** है (आदिवासी संग्रहालय भोपाल - एमपी टूरिज्म)।

1. **भील जनजाति (मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी जनजाति — कुल ST आबादी का ~39%):**

• **निवास क्षेत्र:** पश्चिमी मध्य प्रदेश (**झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन**)।

• **सांस्कृतिक विशेषताएँ:** 'भील' शब्द द्रविड़ के 'बील' (धनुष) से बना है। इनके मकान को **'कू'** और निवास स्थान (मोहल्ले) को **'फाल्या'** कहा जाता है। प्रमुख पर्व: **भगोरिया उत्सव** (होली के पूर्व 7 दिन: गुलालिया, गोल-गधेड़ो एवं उजाड़िया)। प्रमुख चित्रकला: **पिथौरा भित्ति चित्रकला** (जिसमें घोड़ों का चित्रण प्रमुख है; प्रमुख कलाकार: **पेमा फाल्या** एवं **पद्मश्री भूरी बाई**)। कृषि पद्धति: **'चिमाता'** (पहाड़ी ढलानों पर झूम कृषि) और **'दजिया'** (मैदानी भागों में)।

2. **गोंड जनजाति (मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे बड़ी जनजाति एवं भारत के प्रमुख जनजातीय समूहों में अग्रणी):**

• **निवास क्षेत्र:** नर्मदा घाटी के दोनों ओर विंध्य एवं सतपुड़ा क्षेत्र (मंडला, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, बैतूल, जबलपुर, बालाघाट)।

• **उपजातियाँ (व्यवसाय आधारित): अगरिया** (लोहे का काम करने वाले), **ओझा** (तांत्रिक व पंडिताई करने वाले), **प्रधान** (मंदिरों में पूजा-पाठ करने वाले), **सोहास** (बढ़ईगिरी करने वाले), **कोयलाभूतिस** (नाचने-गाने वाले)।

• **सांस्कृतिक विशेषताएँ:** विवाह प्रथाएँ — **दूध लौटावा** (ममेरे-फुफेरे भाई-बहन में विवाह), लमसेना (सेवा विवाह), चढ़ विवाह, पठौनी विवाह। प्रमुख देवता: **बूढ़ादेव** (साल वृक्ष में निवास), ठाकुरदेव, दूल्हादेव। युवागृह: **'घोटुल'** (मुरिया/गोंड)। प्रसिद्ध चित्रकार: **जनगढ़ सिंह श्याम** एवं **पद्मश्री दुर्गाबाई व्याम** (गोंड चित्रकला - GI टैग)।

3. **बैगा, भारिया एवं सहरिया (मध्य प्रदेश की 3 'विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह' — PVTGs):**

• **बैगा जनजाति (पूर्वी म.प्र.: मंडला, डिंडौरी, बालाघाट, शहडोल):** ये धरती को अपनी माँ मानते हैं और उस पर हल चलाना पाप समझते हैं; इनकी स्थानांतरित कृषि को **'बेवर' या 'पोंडू'** कहते हैं। ये विश्व की सर्वाधिक **'गोदना प्रिय' (Tattoo loving)** जनजाति हैं। प्रमुख नृत्य: **बैगानी कर्मा, परधौनी (बारात अगवानी पर हाथी बनकर), बिलमा, सजनी-दीवानी**। वैरियर एल्विन ने इन पर '*The Baiga*' पुस्तक लिखी।

• **भारिया जनजाति (छिंदवाड़ा जिले का 'पातालकोट' क्षेत्र):** पातालकोट (तामिया तहसील, छिंदवाड़ा) 12 गाँवों की घोड़े की नाल के आकार की गहरी घाटी है (पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व - EPCO)। ये जड़ी-बूटियों के विशेष जानकार हैं; इनकी झूम कृषि को **'दहिया'** और निवास को **'ढाना'** कहते हैं। प्रमुख नृत्य: **भड़म, सैतम**।

• **सहरिया जनजाति (उत्तरी-पश्चिमी म.प्र.: श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, गुना):** इनके निवास स्थान को **'सहराना'** और मुखिया को **'कोतवाल'** कहते हैं। श्योपुर में **सहरिया जनजाति संग्रहालय** स्थित है। प्रमुख नृत्य: **लहंगी, दुलदुल घोड़ी, रागिनी**।

4. **अन्य प्रमुख जनजातियाँ: कोरकू** (बैतूल, नर्मदापुरम, खंडवा; नृत्य: **चटकोरा, खंब स्वांग**; मृतक स्तंभ: **'सिडोली प्रथा'**), **कोल** (रीवा, सतना, सीधी, शहडोल — म.प्र. की तीसरी सबसे बड़ी जनजाति; पंचायत: **'गोहिया'**, नृत्य: **कोलदहका**), **भीलाला** (अलीराजपुर व बड़वानी; कंगूरा/जोबट क्षेत्र)।

6.3 मध्य प्रदेश के लोक नृत्य, लोक नाट्य, उत्सव एवं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

• **आंचलिक लोक नृत्य एवं लोक नाट्य:**

• **मालवा अंचल: मटकी नृत्य** (ढोल की थाप पर महिलाओं द्वारा एकल नृत्य — 'झोड़ा' व 'आड़ा-खड़ा' इसके रूप हैं) तथा **माच (लोक नाट्य)** — उज्जैन से उत्पन्न **मध्य प्रदेश का राजकीय लोक नाट्य** (प्रमुख कलाकार: सिद्धेश्वर सेन व ओमप्रकाश शर्मा)।

• **निमाड़ अंचल: काठी नृत्य, गणगौर नृत्य, फेफरिया, मांडल्या, आड़ा-खड़ा**; लोकनाट्य — **गम्मत**; संत सिंगाजी के भजन एवं कलगी-तुर्रा गायन।

• **बुंदेलखंड अंचल: राई नृत्य (मध्य प्रदेश का राजकीय लोक नृत्य** — मृदंग की थाप पर 'बेड़नी' नृत्यांगना और 'विदूषक' द्वारा), **बधाई नृत्य, सैरा, कानड़ा (धोबी समाज), ढिमरयाई**; लोकनाट्य — **स्वांग**।

• **बघेलखंड अंचल: बिरहा/अहिराई नृत्य, केमाली (सजनई), दादर, कलसा** (सिर पर कलश रखकर); लोकनाट्य — **मनसुखा** (रासलीला का बघेली रूप), **छहुर, हिंगोला**।

• **मध्य प्रदेश के 3 स्थायी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल एवं 3 यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व:**

• **3 यूनेस्को सांस्कृतिक विश्व धरोहर स्थल:** (1) **खजुराहो के मंदिर समूह (छतरपुर — 1986)**, (2) **साँची के बौद्ध स्तूप (रायसेन — 1989)**, (3) **भीमबेटका की गुफाएँ (रायसेन — 2003)** (भोपाल एवं यूनेस्को स्थल - एमपी टूरिज्म)। इसके अतिरिक्त **ग्वालियर और ओरछा** को 2020 में यूनेस्को की ऐतिहासिक शहरी लैंडस्केप (HUL) परियोजना में और **ग्वालियर** को 2023 में यूनेस्को **'सिटी ऑफ म्यूजिक' (संगीत नगरी)** तथा **साँची** को भारत की **प्रथम सोलर सिटी** घोषित किया गया है।

• **3 यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व (MAB नेटवर्क):** (1) **पचमढ़ी** (1999 में घोषित, **2009 में यूनेस्को शामिल**), (2) **अचानकमार-अमरकंटक** (2005 में घोषित, **2012 में यूनेस्को शामिल**), (3) **पन्ना** (2011 में घोषित, **2020 में यूनेस्को शामिल**) (ईपीसीओ म.प्र. बायोस्फीयर रिजर्व आधिकारिक पोर्टल)।

6.4 अध्याय 6 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: प्रागैतिहासिक एवं राजवंशीय इतिहास] ⟶ (हथनौरा नर्मदा मानव, भीमबेटका, आदमगढ़, एरण | चंदेल, परमार, तोमर, गोंड, बुंदेला, होल्कर व सिंधिया)
|
▼
[नोड 2: जनजातीय संस्कृति एवं PVTGs] ⟶ (कुल ST: 21.09% [देश में सर्वाधिक संख्या] | भील [सबसे बड़ी], गोंड, कोल | 3 PVTGs: बैगा, भारिया [पातालकोट], सहरिया)
|
▼
[नोड 3: राजकीय लोक कला एवं उत्सव] ⟶ (राजकीय लोक नृत्य: राई | राजकीय लोक नाट्य: माच | तानसेन समारोह [ग्वालियर], कालिदास समारोह [उज्जैन], लोकरंग [भोपाल])
|
▼
[नोड 4: यूनेस्को धरोहर एवं पर्यटन केंद्र] ⟶ (खजुराहो [1986], साँची [1989], भीमबेटका [2003] | 3 बायोस्फीयर रिजर्व: पचमढ़ी, अमरकंटक, पन्ना | मांडू, ओरछा, महेश्वर)

6.5 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: मध्य प्रदेश के प्रमुख किले, महल, पर्यटन स्थल एवं सांस्कृतिक समारोह

क्रम	जिला / स्थल	प्रमुख ऐतिहासिक किले, महल एवं मंदिर	प्रमुख समारोह, जनजातीय विशेषता एवं उपनाम
1	**ग्वालियर**	ग्वालियर का किला (**'भारत का जिब्राल्टर'** / 'किलों का रत्न' — राजा सूरजसेन द्वारा 525 ई. में निर्मित), गुजरी महल, मान मंदिर, सास-बहू (सहस्रबाहु) मंदिर, तेली का मंदिर (उत्तर भारत में एकमात्र **द्रविड़ शैली** का मंदिर), जयविलास पैलेस, तानसेन व गौस मोहम्मद का मकबरा	**तानसेन संगीत समारोह** (दिसंबर में बेहट/ग्वालियर), यूनेस्को 'सिटी ऑफ म्यूजिक' (2023), रानी लक्ष्मीबाई की समाधि (एमपी इन्वेस्ट टूरिज्म रिपोर्ट)।
2	**धार (मांडू)**	**मांडू ('सिटी ऑफ जॉय' / आनंद नगरी):** जहाज महल, हिंडोला महल, रानी रूपमती का महल, बाज बहादुर का महल, अशरफी महल, दाई का महल, होशंगशाह का मकबरा (म.प्र. में संगमरमर की प्रथम इमारत), धार का किला (मोहम्मद बिन तुगलक) एवं बाघ की गुफाएँ	**मांडू उत्सव**, भील जनजाति बाहुल्य क्षेत्र, राजा भोज की ऐतिहासिक राजधानी 'धारा नगरी', पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र ('भारत का डेट्रॉयट')।
3	**उज्जैन**	श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग (दक्षिणामुखी ज्योतिर्लिंग एवं **श्री महाकाल महालोक**), सांदीपनि आश्रम, काल भैरव मंदिर, जंतर-मंतर (सवाई जयसिंह द्वारा निर्मित वेधशाला), भर्तृहरि की गुफाएँ	**सिंहस्थ कुंभ मेला** (शिप्रा नदी के तट पर प्रति 12 वर्ष), **अखिल भारतीय कालिदास समारोह**, टेपा सम्मेलन (हास्य-व्यंग्य), मालवा उत्सव।
4	**छतरपुर (खजुराहो)**	कंदरिया महादेव मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, चौसठ योगिनी मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर (सूर्य मंदिर), मतंगेश्वर मंदिर, पार्श्वनाथ व आदिनाथ जैन मंदिर, धुबेला संग्रहालय	**खजुराहो नृत्य समारोह** (प्रतिवर्ष फरवरी में — भारत का सबसे बड़ा शास्त्रीय नृत्य महोत्सव), जलविहार मेला, रनेह जलप्रपात (केन नदी पर 'ग्रैंड कैन्यन ऑफ इंडिया') (खजुराहो पर्यटन - एमपी टूरिज्म)।
5	**भोपाल एवं रायसेन**	साँची स्तूप व भीमबेटका (रायसेन), भोजपुर शिव मंदिर (रायसेन - 'पूर्व का सोमनाथ'), ताज-उल-मसाजिद, गौहर महल, भारत भवन (चार्ल्स कोरिया द्वारा डिजाइन, 1982), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, म.प्र. जनजातीय संग्रहालय	**लोकरंग समारोह**, **ध्रुपद समारोह**, तब्लीगी इज्तिमा; भोपाल को **'झीलों की नगरी'** (राजा भोज द्वारा निर्मित बड़ा तालाब) कहा जाता है (भोपाल गंतव्य - एमपी टूरिज्म)।
6	**निवाड़ी (ओरछा) एवं चंदेरी**	ओरछा किला (बेतवा नदी तट), जहाँगीर महल, राज महल, रामराजा मंदिर (जहाँ श्रीराम को राजा के रूप में सशस्त्र सलामी दी जाती है), चतुर्भुज मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर; चंदेरी किला (अशोकनगर — जौहर कुंड, हवा महल, खूनी दरवाजा, कौशक महल)	**ओरछा उत्सव**, बुंदेला स्थापत्य कला का केंद्र, चंदेरी की विश्व प्रसिद्ध साड़ियाँ (GI टैग) (ओरछा से खजुराहो - एमपी टूरिज्म)।
7	**जबलपुर एवं मंडला**	मदन महल किला (जबलपुर - गोंड शासक मदन शाह), चौसठ योगिनी मंदिर (भेड़ाघाट), धुआँधार जलप्रपात व संगमरमर की चट्टानें (नर्मदा नदी), मोती महल व बघेलिन महल (मंडला)	**सुभद्रा कुमारी चौहान समारोह**, रानी दुर्गावती समाधि (बरेला), मध्य प्रदेश की **'संस्कारधानी'** (विनोबा भावे द्वारा नामित) एवं उच्च न्यायालय मुख्यालय।
8	**खरगोन, खंडवा एवं बुरहानपुर**	अहिल्या किला (महेश्वर), ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं **'स्टैच्यू ऑफ वननेस'** (आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊँची प्रतिमा, मान्धाता पर्वत, खंडवा), **असीरगढ़ का किला (बुरहानपुर — 'दक्षिण का प्रवेश द्वार'**, अकबर की अंतिम विजय 1601 ई.)	**निमाड़ उत्सव** (महेश्वर), संत सिंगाजी का मेला (पिपल्या, खरगोन), हनुवंतिया जल महोत्सव (इंदिरा सागर बांध पर 'म.प्र. का स्विट्जरलैंड') (एमपी यात्रा योजना)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: मध्य प्रदेश की कुल अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या में प्रमुख जनजातियों का हिस्सा

- **भील जनजाति (झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी):** **39.1%** (संख्या: ~59.9 लाख — म.प्र. की सबसे बड़ी जनजाति)
- **गोंड जनजाति (मंडला, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, बैतूल, शहडोल):** **33.3%** (संख्या: ~50.9 लाख — म.प्र. की दूसरी सबसे बड़ी जनजाति)
- **कोल जनजाति (रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली):** **7.6%** (संख्या: ~11.6 लाख — बघेलखंड-विंध्य की प्रमुख जनजाति)
- **कोरकू जनजाति (बैतूल, खंडवा, नर्मदापुरम):** **4.8%** (सतपुड़ा क्षेत्र की मुंडा/कोलेरियन परिवार की जनजाति)
- **सहरिया, बैगा, भारिया एवं अन्य जनजातियाँ (PVTGs सहित):** **15.2%** (सहरिया ~4.0%, बैगा ~2.8%, भारिया एवं अन्य)

6.7 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. मध्य प्रदेश के 3 विशेष पिछड़ी जनजातियाँ (PVTGs) और उनके क्षेत्र:

★ **ट्रिक:** "शिवपुरी में **सहरिया**, मंडला-डिंडौरी में **बैगा** और छिंदवाड़ा के पातालकोट में **भारिया**!"

2. **खजुराहो के तीन मंदिर समूह (चंदेल वंश):**

★ **ट्रिक:** "पश्चिम में **कंदरिया-लक्ष्मण-चौसठ-विश्वनाथ**, पूरब में **पार्श्वनाथ-आदिनाथ-घंटाई** (जैन मंदिर), और दक्षिण में **दूल्हादेव-चतुर्भुज**!"

6.8 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — MPPSC Pre, MP Police, Patwari)

अभ्यास प्रश्न #17 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [MPPSC Pre 2023 / 2021]:** भीमबेटका की गुफाओं की खोज किसने की थी और इसे किस वर्ष यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** भीमबेटका (अब्दुल्लागंज, रायसेन) की खोज **1957–58 में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर** ने की थी और इसे **2003** में यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित किया गया।

अभ्यास प्रश्न #18 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [MPPSC Pre 2022]:** मध्य प्रदेश की किस जनजाति में 'दूध लौटावा' विवाह प्रथा एवं 'घोटुल' प्रथा प्रचलित है तथा 'भगोरिया हाट' किस जनजाति का पर्व है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** 'दूध लौटावा' और 'घोटुल' प्रथा **गोंड (मुरिया) जनजाति** में प्रचलित है, जबकि 'भगोरिया' **भील जनजाति** का प्रमुख प्रणय एवं उत्सव पर्व है।

अभ्यास प्रश्न #19 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [MPPSC Pre 2020]:** 'चरण पादुका नरसंहार' (14 जनवरी 1931) मध्य प्रदेश के किस जिले में हुआ था?

• **उत्तर एवं व्याख्या: छतरपुर जिले** में उर्मिल नदी के तट पर सिंहपुर चरणपादुका मैदान में मकर संक्रांति के दिन अंग्रेज एजेंट **कर्नल फिशर** ने गोलियाँ चलवाई थीं; इसे 'मध्य प्रदेश का जलियाँवाला बाग' कहा जाता है।

अध्याय 7: मध्य प्रदेश का भूगोल ('नदियों का मायका', वन, राष्ट्रीय उद्यान, हीरा/तांबा खनिज), राजव्यवस्था एवं जनगणना

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 7: मध्य प्रदेश का भूगोल ('नदियों का मायका', वन, राष्ट्रीय उद्यान, हीरा/तांबा खनिज), राजव्यवस्था एवं जनगणना

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
मध्य प्रदेश की भौगोलिक संरचना एवं 7 प्राकृतिक विभाग	'नदियों का मायका' (अपवाह तंत्र), जलप्रपात एवं प्रमुख परियोजनाएँ	वन, राष्ट्रीय उद्यान ('टाइगर स्टेट' एवं 'चीता स्टेट') तथा खनिज संसाधन	मध्य प्रदेश की राजव्यवस्था, प्रशासन एवं जनगणना 2011

7.1 मध्य प्रदेश की भौगोलिक संरचना एवं 7 प्राकृतिक विभाग

• **गठन एवं पुनर्गठन:** 1 नवंबर 1956 को फजल अली राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर सेंट्रल प्रोविंस एंड बरार (CP & Berar), मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल रियासत को मिलाकर मध्य प्रदेश का गठन हुआ (राजधानी: भोपाल, जो उस समय सीहोर जिले की एक तहसील थी; 1972 में भोपाल व राजनांदगाँव दो नए जिले बने)। **1 नवंबर 2000** को 16 दक्षिणी-पूर्वी जिलों को पृथक कर **छत्तीसगढ़** बनाया गया।

• **कुल क्षेत्रफल: 3,08,252 वर्ग किमी** (अमरकंटक की किरार घाटी विवाद के कारण कई स्रोतों में 3,08,245 वर्ग किमी; भारत के कुल क्षेत्रफल का **9.38%** — राजस्थान के बाद **देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य**)।

• **सीमावर्ती 5 राज्य:** उत्तर-पूर्व में **उत्तर प्रदेश** (सर्वाधिक 13/14 जिले स्पर्श करते हैं), दक्षिण-पूर्व में **छत्तीसगढ़**, दक्षिण में **महाराष्ट्र**, पश्चिम में **गुजरात** (न्यूनतम 2 जिले — झाबुआ व अलीराजपुर) और उत्तर-पश्चिम में **राजस्थान**। **कर्क रेखा (23°30' उत्तरी अक्षांश)** मध्य प्रदेश के मध्य से **14 जिलों** (रतलाम, उज्जैन, आगर-मालवा, राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल) से होकर गुजरती है।

• **मध्य प्रदेश के 7 भौतिक प्रदेश:**

1. **मालवा का पठार (कुल क्षेत्रफल का ~28% — सबसे बड़ा भौतिक भाग):** दक्कन ट्रैप की बेसाल्ट चट्टानों से निर्मित **काली मृदा (रेगुर)** का क्षेत्र (सोयाबीन व गेहूँ की डलिया)। सर्वोच्च चोटी: **सिगार चोटी (881 मीटर, इंदौर)**, जानापाव (854 मीटर) एवं धजारी (810 मीटर)। फाह्यान ने मालवा की जलवायु को **'विश्व की सर्वश्रेष्ठ समशीतोष्ण जलवायु'** कहा था।

2. **मध्य भारत का पठार (~10.7%):** चंबल घाटी क्षेत्र (भिंड, मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर)। **गोहद (भिंड)** मध्य प्रदेश का सबसे कम वर्षा (55 सेमी) वाला स्थान है।

3. **बुंदेलखंड का पठार (~7.7%):** ग्रेनाइट एवं नीस चट्टानों से निर्मित; सर्वोच्च चोटी: **सिद्ध बाबा की चोटी (1,172 मीटर, दतिया/टीकमगढ़ क्षेत्र)**।

4. **रीवा-पन्ना का पठार (विंध्यन कगारी प्रदेश — ~10.37%):** सर्वोच्च चोटी: **सद्भावना शिखर (गुडविल पीक — 752 मीटर, दमोह जिला)**।

5. **नर्मदा-सोन घाटी (~26% — दूसरा सबसे बड़ा भाग):** भारत की सबसे बड़ी **भ्रंश घाटी (Rift Valley)**; अत्यंत उपजाऊ गहरी काली मृदा का क्षेत्र।

6. **सतपुड़ा-मैकाल पर्वत श्रेणी (~11%):** पश्चिम में राजपीपला पहाड़ियाँ (बुरहानपुर दर्रा), मध्य में महादेव श्रेणी और पूर्व में अर्धचंद्राकार **मैकाल श्रेणी**। महादेव पहाड़ी (पचमढ़ी, नर्मदापुरम) में स्थित **धूपगढ़ (1,350 मीटर)** मध्य प्रदेश एवं सतपुड़ा की **सर्वोच्च पर्वत चोटी** है (यहीं म.प्र. में सर्वाधिक वर्षा ~199–212 सेमी होती है)। मैकाल श्रेणी की सर्वोच्च चोटी **अमरकंटक (1,064 मीटर)** है।

7. **बघेलखंड का पठार (पूर्वी पठार — ~7% — सबसे छोटा भौतिक भाग):** गोंडवाना क्रम की कोयला-युक्त चट्टानों का क्षेत्र (सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर)।

7.2 'नदियों का मायका' (अपवाह तंत्र), जलप्रपात एवं प्रमुख परियोजनाएँ

मध्य प्रदेश से 200 से अधिक छोटी-बड़ी नदियों का उद्गम होता है, इसलिए इसे **'नदियों का मायका' (Maternal Home of Rivers)** कहा जाता है (डिस्कवरिंग एमपी - मध्य प्रदेश पर्यटन)।

• **नर्मदा नदी ('मध्य प्रदेश की जीवनरेखा', रेवा, नामोदास, मैकलसुता):**

• **उद्गम एवं मुहाना:** अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ तहसील में **अमरकंटक (मैकाल पर्वत)** से निकलकर पूर्व से पश्चिम की ओर भ्रंश घाटी में बहते हुए खंभात की खाड़ी (भड़ौच, गुजरात) में **ज्वारनदमुख (Estuary)** बनाती है।

• **लंबाई:** कुल लंबाई **1,312 किमी** (मध्य प्रदेश के **16 जिलों** में लंबाई **1,077 किमी** — म.प्र. की सबसे लंबी और भारत की पाँचवीं सबसे लंबी नदी तथा पश्चिम की ओर बहने वाली सबसे लंबी नदी)।

• **सहायक नदियाँ (कुल 41 सहायक नदियाँ):** बाईं ओर से — **तवा** (सबसे बड़ी सहायक नदी), शक्कर, दूधी, गंजाल, बंजर, शेर; दाईं ओर से — हिरन, तेंदोनी, बारना, कोलार, मान, हथनी।

• **नर्मदा पर स्थित प्रमुख जलप्रपात: कपिलधारा एवं दुग्धधारा** (अमरकंटक, अनूपपुर), **धुआँधार** (भेड़ाघाट, जबलपुर), **सहस्रधारा** (महेश्वर, खरगोन), **मंधार एवं दर्दी** (खंडवा/हंडिया-बड़वाह)।

• **प्रमुख बांध: बरगी बांध (रानी अवंतीबाई सागर - जबलपुर), इंदिरा सागर बांध (पुनासा, खंडवा — भारत में सर्वाधिक जल भराव क्षमता वाला जलाशय), ओंकारेश्वर बांध (खंडवा), महेश्वर बांध (खरगोन)** एवं **सरदार सरोवर बांध (नर्मदा जिला, गुजरात)**।

• **चंबल नदी (प्राचीन नाम: चर्मावती/कामधेनु):**

• **उद्गम एवं लंबाई:** इंदौर जिले की **महू तहसील के जानापाव पर्वत (वांगचू पॉइंट, 854 मीटर)** से निकलती है; कुल लंबाई **965 किमी**। यह म.प्र. और राजस्थान तथा म.प्र. और उ.प्र. की प्राकृतिक सीमा बनाती हुई इटावा के पास यमुना में मिलती है।

• **चंबल घाटी की 3 बहुउद्देशीय परियोजनाएँ:** (1) **गांधी सागर बांध (मंदसौर — म.प्र. की प्रथम जलविद्युत परियोजना, 1960, 115 मेगावाट)**, (2) **राणा प्रताप सागर बांध (चित्तौड़गढ़, राजस्थान)**, (3) **जवाहर सागर (कोटा) बांध (राजस्थान)**। जलप्रपात: **चूलिया जलप्रपात** (भैंसरोड़गढ़/कोटा), **पातालपानी, झाड़ीदाह व शीतलामाता जलप्रपात** (इंदौर)।

• **अन्य प्रमुख नदियाँ:**

• **ताप्ती (सूर्यपुत्री):** बैतूल जिले के **मुलताई (मूल तापी)** से निकलकर (724 किमी) नर्मदा के समानांतर भ्रंश घाटी में बहती हुई सूरत के पास खंभात की खाड़ी में गिरती है।

• **सोन नदी (780 किमी):** अमरकंटक से निकलकर उत्तर-पूर्व की ओर बहती है; शहडोल के देवलोद में इस पर **बाणसागर परियोजना** (म.प्र., उ.प्र. एवं बिहार की संयुक्त परियोजना) स्थित है।

• **बेतवा ('मध्य प्रदेश की गंगा' — प्रदूषण के आधार पर):** रायसेन जिले के **कुम्हड़ा गाँव** से निकलती है। **शिप्रा ('मालवा की गंगा'):** इंदौर की **काकरी बरडी पहाड़ी** से निकलती है (उज्जैन इसके तट पर है; चंबल में मिलती है)। **वैनगंगा:** सिवनी जिले के परसवाड़ा पठार से निकलती है (म.प्र. में दक्षिण की ओर बहने वाली नदी; संजय सरोवर/भीमगढ़ मिट्टी का बांध इसी पर है)। **माही नदी ('आदिवासियों की गंगा'):** धार जिले के सरदारपुर (मेहद झील) से निकलकर **कर्क रेखा को दो बार काटती है**।

• **मध्य प्रदेश के सबसे ऊँचे जलप्रपात (रीवा/मऊगंज क्षेत्र): बहुती जलप्रपात** (सेलर नदी पर, मऊगंज/रीवा — **198 मीटर**, म.प्र. का **सबसे ऊँचा** जलप्रपात), **चचाई जलप्रपात** (बीहड़ नदी पर, रीवा — 130 मीटर), **केवटी जलप्रपात** (महाना नदी पर), **पूर्वा जलप्रपात** (तमसा/टोंस नदी पर)।

7.3 वन, राष्ट्रीय उद्यान ('टाइगर स्टेट' एवं 'चीता स्टेट') तथा खनिज संसाधन

• **वन संपदा (भारत में सर्वाधिक वनावरण वाला राज्य):** भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के अनुसार मध्य प्रदेश में **77,493 वर्ग किमी** क्षेत्र पर वनावरण है (राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का **25.14%** — क्षेत्रफल की दृष्टि से **देश में प्रथम स्थान**)। सर्वाधिक वनावरण (क्षेत्रफल व प्रतिशत दोनों में) **बालाघाट (53.44%)** में और न्यूनतम वनावरण **उज्जैन (0.59%)** में है। म.प्र. के वनों में **सागौन (Teak — ~19.36%, बोरी घाटी नर्मदापुरम विश्व प्रसिद्ध)** और **साल (Sal — पूर्वी म.प्र.)** वृक्षों की प्रधानता है; **तेंदूपत्ता (बीड़ी उद्योग)** और लाख उत्पादन में भी म.प्र. देश में प्रथम है।

• **मध्य प्रदेश के 12 राष्ट्रीय उद्यान एवं 7 टाइगर रिजर्व (बाघ गणना 2022 के अनुसार 785 बाघों के साथ भारत का 'टाइगर स्टेट'):**

1. **कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान (मंडला एवं बालाघाट — 940 वर्ग किमी):** म.प्र. का **प्रथम एवं सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान** (1933 में अभयारण्य, **1955 में राष्ट्रीय उद्यान, 1974 में म.प्र. का प्रथम टाइगर रिजर्व**)। यहाँ दुर्लभ **'ब्रेडरी प्रजाति का बारहसिंगा'** (म.प्र. का राजकीय पशु) और **'हालो व बंजर घाटी'** पाई जाती है; अपना आधिकारिक शुभंकर **'भूरसिंह द बारहसिंगा'** जारी करने वाला भारत का प्रथम पार्क (एमपी इन्वेस्ट टूरिज्म रिपोर्ट)।

2. **बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (उमरिया — 1968): 32 पहाड़ियों से घिरा** तथा भारत में **सर्वाधिक बाघ घनत्व** (प्रत्येक 8 वर्ग किमी पर 1 बाघ) वाला राष्ट्रीय उद्यान; सफेद शेरों की भूमि (रीवा के महाराजा मार्तंड सिंह ने मोहन नामक सफेद बाघ पकड़ा था; मुकुंदपुर सतना में विश्व की प्रथम व्हाइट टाइगर सफारी है)।

3. **कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान (श्योपुर एवं मुरैना — 2018 में राष्ट्रीय उद्यान): 17 सितंबर 2022** को नामीबिया (8 चीते) और फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका (12 चीते) से लाकर यहाँ **'प्रोजेक्ट चीता'** के तहत अंतरमहाद्वीपीय चीता पुनर्वास किया गया — जिससे म.प्र. **'चीता स्टेट'** बना।

4. **पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (पन्ना एवं छतरपुर — 1981):** केन नदी इसके मध्य से बहती है; **रेप्टाइल पार्क** और गिद्ध संरक्षण केंद्र।

5. **पेंच (इंदिरा प्रियदर्शिनी) राष्ट्रीय उद्यान (सिवनी एवं छिंदवाड़ा — 1975):** रुडयार्ड किपलिंग की प्रसिद्ध कृति **'द जंगल बुक' (मोगली लैंड)** की कर्मभूमि।

6. **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान (नर्मदापुरम — 1981) एवं बोरी-पचमढ़ी:** कृष्णमृगों (Blackbuck) और गौर के लिए प्रसिद्ध।

7. **संजय-डुबरी राष्ट्रीय उद्यान (सीधी एवं सिंगरौली — 1981):** 6वाँ टाइगर रिजर्व।

8. **वीरांगना दुर्गावती (नौरादेही + रानी दुर्गावती) टाइगर रिजर्व (सागर, दमोह, नरसिंहपुर — 2023):** मध्य प्रदेश का **7वाँ और सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व** तथा भारत का 54वाँ टाइगर रिजर्व (इसके अतिरिक्त **रातापानी, रायसेन** को 8वें टाइगर रिजर्व के रूप में विकसित किया गया है) (भोपाल एवं रातापानी टाइगर रिजर्व - एमपी टूरिज्म)।

9. **अन्य राष्ट्रीय उद्यान: माधव राष्ट्रीय उद्यान** (शिवपुरी — जॉर्ज कैसल भवन व सांख्य सागर झील [रामसर स्थल]), **वन विहार राष्ट्रीय उद्यान** (भोपाल — ISO प्रमाणित आधुनिक चिड़ियाघर व सर्प उद्यान), **मंडला प्लांट फॉसिल (घुघवा जीवाश्म) राष्ट्रीय उद्यान** (डिंडौरी — 0.27 वर्ग किमी, **म.प्र. का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान**), **डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान** (धार - 2010), **ओंकारेश्वर राष्ट्रीय उद्यान** (खंडवा)।

• **प्रमुख खनिज संसाधन (हीरा, तांबा, मैंगनीज एवं कोयला):**

• **हीरा (Diamond — भारत में एकाधिकार, 90%+ उत्पादन): पन्ना (मझगवाँ, हिनौता खदानें),** सतना (कोटारिया) एवं छतरपुर (अंगोर, बंदर प्रोजेक्ट)।

• **तांबा (Copper — भारत में प्रथम स्थान पर उत्पादन): बालाघाट जिले की मलाजखंड खदान** (हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा संचालित — एशिया की सबसे बड़ी खुली तांबा खदान)।

• **मैंगनीज (Manganese — भारत में प्रथम भंडार व उत्पादन): बालाघाट की भारवेली खदान** (एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत मैंगनीज खदान — बालाघाट को **'मैंगनीज नगरी'** कहा जाता है) एवं छिंदवाड़ा।

• **कोयला (Coal): सिंगरौली** ('मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी' — 136 मीटर मोटी कोयला परत) और **सुहागपुर (शहडोल — म.प्र. का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र)**, पाथाखेड़ा (बैतूल), पेंच-कन्हान (छिंदवाड़ा), जोहिला (उमरिया)। **रॉक फॉस्फेट:** झाबुआ। **संगमरमर:** जबलपुर (भेड़ाघाट)। **स्लेट:** मंदसौर (भारत में एकमात्र प्रमुख उत्पादक)।

7.4 मध्य प्रदेश की राजव्यवस्था, प्रशासन एवं जनगणना 2011

• **एकसदनीय विधानमंडल एवं संसदीय सीटें:**

• **विधानसभा सीटें: 230** (आरक्षित सीटें: **35 SC + 47 ST = कुल 82 आरक्षित सीटें**; देश में सर्वाधिक ST आरक्षित विधानसभा सीटें म.प्र. में हैं)।

• **लोकसभा सीटें: 29** (आरक्षित: **4 SC** [भिंड, टीकमगढ़, उज्जैन, देवास] + **6 ST** [शहडोल, मंडला, बैतूल, धार, खरगोन, रतलाम]) | **राज्यसभा सीटें: 11**।

• **प्रशासनिक संरचना: 10 संभाग (Divisions):** चंबल (मुख्यालय: मुरैना), ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर (सबसे बड़ा संभाग - 8 जिले), भोपाल, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), सागर, जबलपुर (क्षेत्रफल में सबसे बड़ा - 8 जिले), रीवा, शहडोल। **कुल जिले: 55** (52वाँ जिला: **निवाड़ी** [2018 में टीकमगढ़ से], 53वाँ जिला: **मऊगंज** [अगस्त 2023 में रीवा से], 54वाँ जिला: **पांढुर्णा** [अक्टूबर 2023 में छिंदवाड़ा से], 55वाँ जिला: **मैहर** [अक्टूबर 2023 में सतना से])।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **डॉ. पट्टाभि सीतारमैया** | प्रथम मुख्यमंत्री: **पं. रविशंकर शुक्ल** | प्रथम महिला मुख्यमंत्री: **सुश्री उमा भारती** | प्रथम विधानसभा अध्यक्ष: **पं. कुंजीलाल दुबे** ('मध्य प्रदेश के विधि पुरुष') | प्रथम मुख्य न्यायाधीश (जबलपुर उच्च न्यायालय - 1956, खंडपीठ: इंदौर व ग्वालियर): **न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्लाह**।

• **राजकीय प्रतीक (1 नवंबर 1981 को रजत जयंती पर घोषित):** राजकीय पशु — **बारहसिंगा (ब्रेडरी प्रजाति)** | राजकीय पक्षी — **दूधराज या शाह बुलबुल (Paradise Flycatcher)** | राजकीय वृक्ष — **बरगद** | राजकीय पुष्प — **सफेद लिली** | राजकीय मछली — **महाशीर (टोर पुटिटोरा - 2011)** | राजकीय खेल — **मलखंब (2013; प्रभाष जोशी पुरस्कार)** | राजकीय फसल — **सोयाबीन**।

• **पंचायती राज:** 73वें संविधान संशोधन (1992) को लागू कर पंचायती राज अधिनियम 1993 पारित करने और चुनाव कराने वाला **मध्य प्रदेश भारत का प्रथम राज्य** है।

• **मध्य प्रदेश जनगणना 2011 के मुख्य आँकड़े:**

• **कुल जनसंख्या: 7,26,26,809** (देश की जनसंख्या का **6.00%**, **5वाँ स्थान**)।

• **जनसंख्या घनत्व: 236 व्यक्ति/वर्ग किमी** (सर्वाधिक: **भोपाल - 855**, इंदौर - 841; न्यूनतम: **डिंडौरी - 94**, श्योपुर - 104)।

• **दशकीय वृद्धि दर (2001–11): 20.35%** (सर्वाधिक: **इंदौर - 32.88%**, झाबुआ - 30.70%; न्यूनतम: **अनूपपुर - 12.30%**, बैतूल - 12.92%)।

• **लिंगानुपात: 931** (सर्वाधिक: **बालाघाट - 1,021**, अलीराजपुर - 1,011, मंडला - 1,008, डिंडौरी - 1,002; न्यूनतम: **भिंड - 837**, मुरैना - 840)। **शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष): 918** (सर्वाधिक: अलीराजपुर - 978; न्यूनतम: मुरैना - 829)।

• **साक्षरता दर: 69.32%** (पुरुष: **78.73%** | महिला: **59.24%**)। सर्वाधिक साक्षरता: **जबलपुर (81.07%)**, इंदौर (80.87%), भोपाल (80.37%); न्यूनतम साक्षरता: **अलीराजपुर (36.10% — भारत का सबसे कम साक्षर जिला)**, झाबुआ (43.30%)। पुरुष साक्षरता में जबलपुर व इंदौर (~87.3%) तथा महिला साक्षरता में **भोपाल (74.9%)** प्रथम है।

• **अनुसूचित जाति (SC): 15.62%** (सर्वाधिक संख्या: इंदौर; सर्वाधिक %: **उज्जैन - 26.37%**; न्यूनतम संख्या व %: **झाबुआ - 1.7%**)।

• **अनुसूचित जनजाति (ST): 21.09%** (सर्वाधिक संख्या: **धार - 12.22 लाख**; सर्वाधिक %: **अलीराजपुर - 89.0%**; न्यूनतम संख्या व %: **भिंड - 0.4%**)।

7.5 अध्याय 7 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: भौतिक भूगोल एवं 'नदियों का मायका'] ⟶ (3,08,252 वर्ग किमी [2रा] | 7 भौतिक प्रदेश | धूपगढ़ सर्वोच्च चोटी 1350m | नर्मदा 1312 किमी [म.प्र. में 1077 किमी], चंबल, ताप्ती, सोन)

|

▼

[नोड 2: वन, राष्ट्रीय उद्यान एवं खनिज] ⟶ (वनावरण: 77,493 वर्ग किमी [1ला] | 12 राष्ट्रीय उद्यान, 785 बाघ [टाइगर स्टेट], कूनो [चीता स्टेट] | पन्ना: हीरा, मलाजखंड: तांबा, भारवेली: मैंगनीज)

|

▼

[नोड 3: राजव्यवस्था एवं प्रशासनिक ढाँचा] ⟶ (विधानसभा: 230 [35 SC + 47 ST] | लोकसभा: 29 | राज्यसभा: 11 | 10 संभाग, 55 जिले [निवाड़ी, मऊगंज, पांढुर्णा, मैहर] | 73वाँ संशोधन लागू करने वाला 1ला राज्य)

|

▼

[नोड 4: जनगणना 2011 के जिलेवार कीर्तिमान] ⟶ (जनसंख्या: 7.26 करोड़ | घनत्व: 236 [भोपाल 855, डिंडौरी 94] | लिंगानुपात: 931 [बालाघाट 1021, भिंड 837] | साक्षरता: 69.32% [जबलपुर 81.1%, अलीराजपुर 36.1%])

7.6 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: मध्य प्रदेश जनगणना 2011, राष्ट्रीय उद्यान एवं खनिज संपदा

श्रेणी / संकेतक	राज्य का मान	सर्वोच्च / प्रमुख जिले एवं विवरण	न्यूनतम / तुलनात्मक जिले एवं विशेष तथ्य				
जनसंख्या एवं क्षेत्रफल	7.26 करोड़ / 3.08 लाख वर्ग किमी	**सर्वाधिक जनसंख्या:** 1. **इंदौर** (32.76 लाख) 2. जबलपुर 3. सागर	**क्षेत्रफल में सबसे बड़ा:** छिंदवाड़ा / शिवपुरी	**न्यूनतम जनसंख्या व क्षेत्रफल (2011):** हरदा / दतिया (वर्तमान में **निवाड़ी** सबसे छोटा जिला — 1,318 वर्ग किमी)।			
लिंगानुपात एवं घनत्व	लिंगानुपात: 931 / घनत्व: 236	**लिंगानुपात शीर्ष 4 (1000+):** 1. **बालाघाट (1,021)** 2. अलीराजपुर (1,011) 3. मंडला (1,008) 4. डिंडौरी (1,002)	**घनत्व शीर्ष:** भोपाल (855)	**न्यूनतम लिंगानुपात:** 1. **भिंड (837)** 2. मुरैना (840)	**न्यूनतम घनत्व: डिंडौरी (94)** श्योपुर (104)।		
साक्षरता दर (2011)	69.32% (पु.: 78.7%, म.: 59.2%)	**कुल साक्षरता शीर्ष:** 1. **जबलपुर (81.07%)** 2. इंदौर (80.87%) 3. भोपाल (80.37%)	**महिला साक्षरता शीर्ष: भोपाल (74.9%)**	**न्यूनतम कुल, पुरुष व महिला साक्षरता:** 1. **अलीराजपुर (36.10%)** 2. झाबुआ (43.30%) 3. बड़वानी (49.08%)।			
ST एवं SC जनसंख्या	ST: 21.09% / SC: 15.62%	**ST संख्या शीर्ष: धार**	**ST % शीर्ष: अलीराजपुर (89.0%)**	**SC संख्या शीर्ष: इंदौर**	**SC % शीर्ष: उज्जैन (26.4%)**	**ST न्यूनतम संख्या व %: भिंड (0.4%)**	**SC न्यूनतम संख्या व %: झाबुआ (1.7%)**।

श्रेणी / संकेतक	राज्य का मान	सर्वोच्च / प्रमुख जिले एवं विवरण	न्यूनतम / तुलनात्मक जिले एवं विशेष तथ्य				
राष्ट्रीय उद्यान एवं वन	12 नेशनल पार्क / 25.14% वन	**कान्हा किसली** (मंडला - सबसे बड़ा 940 वर्ग किमी), **बांधवगढ़** (उमरिया), **कूनो** (श्योपुर - चीता), **माधव** (शिवपुरी), **पन्ना**, **पेंच** (सिवनी-छिंदवाड़ा), **सतपुड़ा** (नर्मदापुरम)	**सबसे छोटा नेशनल पार्क: घुघवा जीवाश्म पार्क (डिंडौरी - 0.27 वर्ग किमी)**	**सर्वाधिक वन:** बालाघाट	**न्यूनतम वन:** उज्जैन।		
खनिज एवं ऊर्जा राजधानी	हीरा, तांबा, मैंगनीज में प्रथम	**पन्ना:** हीरा (मझगवाँ)	**बालाघाट:** तांबा (मलाजखंड) व मैंगनीज (भारवेली)	**सिंगरौली:** ऊर्जा राजधानी (विंध्याचल ताप विद्युत गृह)	**शहडोल:** सुहागपुर कोयला क्षेत्र व कोल बेड मीथेन (CBM)	**कटनी:** चूना पत्थर नगरी (Lime City)	**बैतूल:** ग्रेफाइट व पाथाखेड़ा कोयला	**नेपानगर (बुरहानपुर):** अखबारी कागज कारखाना व चाँदनी ताप विद्युत गृह (एमपी बायोस्फीयर पोर्टल)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: मध्य प्रदेश के भौगोलिक प्रदेशों का क्षेत्रफल हिस्सा एवं वनों का प्रशासनिक वर्गीकरण

- **मालवा का पठार:** **28.0%** (मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा भौगोलिक विभाग)
- **नर्मदा-सोन घाटी:** **26.0%** (दूसरा सबसे बड़ा भौतिक विभाग)
- **सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी:** **11.0%**
- **मध्य भारत का पठार एवं रीवा-पन्ना का पठार:** **21.07%** (मध्य भारत 10.7% + रीवा-पन्ना 10.37%)
- **बुंदेलखंड (7.7%) एवं बघेलखंड का पठार (7.0% - सबसे छोटा):** **14.7%**

- **मध्य प्रदेश में वनों का प्रशासनिक वर्गीकरण: आरक्षित वन (Reserved Forests): 65.36% | संरक्षित वन (Protected Forests): 32.84% | अवर्गीकृत वन (Unclassified Forests): 1.80%।**

7.8 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. मध्य प्रदेश में कर्क रेखा से गुजरने वाले 14 जिले (भोपाल संभाग के सभी 5 जिले शामिल हैं):

★ **ट्रिक:** "रउआ राशि भवरा सा, दम जब कटनी उमाशह!"
- रतलाम, उज्जैन, **आगर**-मालवा, **राजगढ़**, **सीहोर**, **भोपाल**, **विदिशा**, **रायसेन**, **सागर**, **दमह**, **जबलपुर**, **कटनी**, **उमरिया**, **शहडोल**।

2. 1000 से अधिक लिंगानुपात वाले मध्य प्रदेश के 4 जिले:

★ **ट्रिक:** "बाला ने अली के साथ मंडला में डिंडोरा पीटा!"
- 1. **बाला**घाट (1,021) 2. **अली**राजपुर (1,011) 3. **मंडला** (1,008) 4. **डिंडौरी** (1,002)।

7.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — MPPSC Pre, Forest Service, Vyapam/ESB)

अभ्यास प्रश्न #20 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [MPPSC Pre 2023]:** मध्य प्रदेश के किस जिले में 'मलाजखंड' और 'भारवेली' खदानें स्थित हैं तथा ये किन खनिजों के लिए प्रसिद्ध हैं?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** दोनों खदानें **बालाघाट जिले** में स्थित हैं — **मलाजखंड** एशिया की सबसे बड़ी खुली **तांबा (Copper)** खदान है, जबकि **भारवेली** एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत **मैंगनीज (Manganese)** खदान है।

अभ्यास प्रश्न #21 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [MPPSC Pre 2022]:** नर्मदा नदी की मध्य प्रदेश में लंबाई कितनी है और इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी कौन-सी है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** नर्मदा की कुल लंबाई 1,312 किमी है, जिसमें से **मध्य प्रदेश में इसकी लंबाई 1,077 किमी** (82.08%) है; इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी **तवा नदी** है।

अभ्यास प्रश्न #22 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [MPPSC Pre 2021]:** जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश में न्यूनतम जनसंख्या घनत्व और सर्वाधिक महिला साक्षरता किस जिले में है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** न्यूनतम जनसंख्या घनत्व **डिंडौरी (94 व्यक्ति/वर्ग किमी)** में है और सर्वाधिक महिला साक्षरता **भोपाल (74.9%)** में है।

अध्याय 8: राजस्थान का इतिहास, प्रमुख राजपूत राजवंश, किले, महल, हवेलियाँ, लोक देवता, संत एवं चित्रकला शैलियाँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 8: राजस्थान का इतिहास, प्रमुख राजपूत राजवंश, किले, महल, हवेलियाँ, लोक देवता, संत एवं चित्रकला शैलियाँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ, प्रमुख राजपूत राजवंश एवं एकीकरण के 7 चरण	राजस्थान के यूनेस्को पहाड़ी किले, महल, हवेलियाँ, लोक देवता, संत एवं चित्रकला शैलियाँ	विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — RPSC RAS, PSI, REET, Patwar)

8.1 राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ, प्रमुख राजपूत राजवंश एवं एकीकरण के 7 चरण

राजस्थान ('राजपूताना' — 1800 ई. में जॉर्ज थॉमस द्वारा प्रयुक्त शब्द; **कर्नल जेम्स टॉड** ['घोड़े वाले बाबा'] ने 1829 ई. में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक '*Annals and Antiquities of Rajasthan*' में सर्वप्रथम **'रायथान/राजस्थान'** शब्द का प्रयोग किया) (राजस्थान शासकीय पोर्टल)।

• **राजस्थान की प्रमुख पुरातात्विक सभ्यताएँ:**

1. **कालीबंगा सभ्यता (हनुमानगढ़ जिला, घग्गर/सरस्वती नदी के बाएँ तट पर):** खोजकर्ता **अमलानंद घोष (1952)**; उत्खननकर्ता **बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर (1961–69)**। यहाँ से प्राक्-हड़प्पा कालीन **विश्व के प्राचीनतम जुते हुए खेत के साक्ष्य (दोहरी फसल: चना व सरसों)**, अग्नि वेदिकाएँ (हवन कुंड), लकड़ी की नाली, अलंकृत ईंटें, बेलनाकार मुहरें और भूकंप के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं।

2. **आहड़ सभ्यता (उदयपुर, आयड़/बेड़च नदी के तट पर — ताम्रपाषाण काल):** खोजकर्ता अक्षय कीर्ति व्यास (1953), रत्नचंद्र अग्रवाल एवं एच.डी. सांकलिया। प्राचीन नाम **'ताम्रवती नगरी'** (स्थानीय नाम **'धूलकोट'** या 'आघाटपुर'); लाल-काले मृदभांड ('गोरे व कोठे' अनाज के कोठार)।

3. **गणेश्वर सभ्यता (नीम का थाना/सीकर, कांतली नदी के उद्गम पर):** 2800 ई.पू. की ताम्रयुगीन सभ्यता, जिसे **'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी'** कहा जाता है (मछली पकड़ने के तांबे के काँटे व बाणाग्र मिले हैं)।

4. **बैराठ सभ्यता (विराटनगर - कोटपूतली-बहरोड़/जयपुर, बाणगंगा नदी):** मत्स्य जनपद की राजधानी; बीजक की पहाड़ी से सम्राट अशोक का **भाब्रू शिलालेख** (कप्तान बर्ट द्वारा 1837 में खोजा गया — बुद्ध, धम्म एवं संघ का उल्लेख) तथा बौद्ध मठ के साक्ष्य।

5. **बागौर सभ्यता (भीलवाड़ा, कोठारी नदी तट):** वी.एन. मिश्र द्वारा उत्खनित मध्यपाषाणकालीन स्थल — कृषि एवं पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य तथा 'महाशक्तियों का टीला'। **बालाथल** (उदयपुर), **गिलूंड** (राजसमंद), **रैढ़** (टोंक — 'प्राचीन भारत का टाटानगर')।

• राजस्थान के प्रमुख राजपूत राजवंश एवं ऐतिहासिक युद्ध:

1. **मेवाड़ का गुहिल / सिसोदिया राजवंश (चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, उदयपुर):** संस्थापक **गुहिल (566 ई.)**; वास्तविक संस्थापक **बप्पा रावल (कालभोज — 734 ई.)**। **रावल रतन सिंह** के काल में 1303 ई. में अलाउद्दीन खिलजी का आक्रमण एवं **रानी पद्मिनी का जौहर** (चित्तौड़ का प्रथम साका)। 1326 ई. में **राणा हम्मीर** ने सिसोदिया शाखा की नींव रखी ('विषम घाटी पंचानन')। **महाराणा कुंभा (1433–1468 ई.)** ने सारंगपुर विजय (1437 ई.) के उपलक्ष्य में चित्तौड़गढ़ में **9 मंजिला 'विजय स्तंभ' (कीर्ति स्तंभ — भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोश)** बनवाया, राजस्थान के 84 में से 32 दुर्गों का निर्माण कराया (कुंभलगढ़ दुर्ग का शिल्पी **मंडन** था) और 'संगीत राज', 'संगीत मीमांसा' ग्रंथ लिखे। **महाराणा सांगा (संग्राम सिंह):** खातौली (1517), बाड़ी (1518) व गागरोन (1519) में इब्राहिम लोदी व महमूद खिलजी द्वितीय को हराया और **17 मार्च 1527 को खानवा के युद्ध** (रूपवास, भरतपुर) में बाबर से युद्ध किया ('सैनिकों का भग्नावशेष')। **महाराणा प्रताप (जन्म: 9 मई 1540, कटारगढ़-कुंभलगढ़): 18 जून 1576 को हल्दीघाटी का युद्ध** (राजसमंद — खमनोर की पहाड़ियाँ; अकबर के सेनापति मानसिंह व आसफ खाँ के विरुद्ध; घोड़ा **चेतक**, हाथी **रामप्रसाद**, भील सेनापति **राणा पूंजा** व अग्रिम दस्ता **हकीम खाँ सूर**) तथा **1582 ई. में दिवेर का युद्ध** ('मेवाड़ का मैराथन') जीतकर **चावंड** को राजधानी बनाया।

2. **मारवाड़ का राठौड़ राजवंश (जोधपुर एवं बीकानेर):** संस्थापक **राव सीहा**; **राव जोधा** ने **1459 ई.** में जोधपुर नगर बसाया और चिड़ियाटूक पहाड़ी पर **मेहरानगढ़ दुर्ग** बनवाया। उनके पुत्र **राव बीका** ने **1488 ई.** में बीकानेर की स्थापना की। **राव मालदेव ('हशमत वाला राजा' — 52 युद्धों का विजेता):** 5 जनवरी 1544 को शेरशाह सूरी के साथ **गिरी-सुमेल का युद्ध (जैतारण)** हुआ, जिसमें मालदेव के वीर सेनापति **जैता और कूंपा** वीरगति को प्राप्त हुए और शेरशाह ने कहा— "मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिंदुस्तान की बादशाहत खो बैठता!" **राव चंद्रसेन** को **'मारवाड़ का प्रताप'** (प्रताप का अग्रगामी) और **दुर्गादास राठौड़** को **'मारवाड़ का अणबिंदिया मोती'** कहा जाता है।

3. **आमेर/जयपुर का कछवाहा राजवंश (ढूँढाड़):** संस्थापक **दूल्हराय (तेजकरण)**। **मिर्जा राजा जयसिंह** (पुरंदर की संधि 1665); **सवाई जयसिंह द्वितीय (1700–1743 ई.)** ने **18 नवंबर 1727** को **जयपुर** नगर की स्थापना की (वास्तुकार: **विद्याधर भट्टाचार्य**), **5 स्थानों (दिल्ली, जयपुर, उज्जैन, वाराणसी और मथुरा)** पर खगोलीय वेधशालाएँ (**जंतर-मंतर**; जयपुर जंतर-मंतर **2010 में यूनेस्को विश्व धरोहर** घोषित) बनवाईं। **सवाई प्रताप सिंह** ने **1799 ई.** में जयपुर में 5 मंजिला **हवा महल** (953 खिड़कियाँ/झरोखे; वास्तुकार: **लालचंद उस्ता**) बनवाया।

4. **अजमेर एवं रणथंभौर के चौहान:** संस्थापक **वासुदेव चौहान (551 ई. — सांभर)**; **अजयराज** ने 1113 ई. में अजमेर बसाया; **विग्रहराज चतुर्थ ('बीसलदेव')** ने संस्कृत कंठाभरण पाठशाला (जिसे कुतुबुद्दीन ऐबक ने 'अढ़ाई दिन का झोपड़ा' बनाया) और 'हरकेलि' नाटक रचा; **पृथ्वीराज चौहान तृतीय (राय पिथौरा):** तराइन का प्रथम युद्ध (1191 — विजयी) एवं द्वितीय युद्ध (1192)। रणथंभौर के **हम्मीर देव चौहान** के समय **1301 ई.** में अलाउद्दीन खिलजी का आक्रमण हुआ (रानी रंगदेवी व पुत्री पद्मला के नेतृत्व में **राजस्थान का प्रथम साका एवं एकमात्र जल जौहर**)।

• 1857 की क्रांति, किसान-प्रजा मंडल आंदोलन एवं राजस्थान का एकीकरण (7 चरण):

• 1857 की 6 सैनिक छावनियाँ: नसीराबाद (अजमेर — **28 मई 1857 को राजस्थान में सर्वप्रथम क्रांति की शुरुआत**), **नीमच** (3 जून), **एरीनपुरा** (पाली — 21 अगस्त; 'चलो दिल्ली, मारो फिरंगी' का नारा; **आउवा के ठाकुर खुशाल सिंह चंपावत** ने बिथोड़ा व चेलावास ['काले-गोरों का युद्ध'] में अंग्रेजों को हराया और पॉलिटिकल एजेंट **मॉक मेसन** का सिर आउवा के किले पर लटका दिया), **देवली** (टोंक), **ब्यावर** (अजमेर) और **खेरवाड़ा** (उदयपुर — ब्यावर व खेरवाड़ा ने क्रांति में भाग नहीं लिया)। **कोटा में जनविद्रोह (15 अक्टूबर 1857): लाला जयदयाल और मेहराब खाँ** ने पॉलिटिकल एजेंट मेजर बर्टन की हत्या कर 6 माह तक कोटा पर शासन किया।

• प्रमुख किसान एवं जनजातीय आंदोलन: बिजौलिया किसान आंदोलन (भीलवाड़ा, 1897–1941 — 44 वर्षों तक चला विश्व का सबसे लंबा अहिंसक किसान आंदोलन): प्रथम चरण — **साधु सीताराम दास**, द्वितीय चरण (1916 से) — **विजय सिंह पथिक (भूप सिंह)** जिन्होंने 1917 में 'उपरमाल पंच बोर्ड' बनाया, तृतीय चरण — माणिक्यलाल वर्मा व जमनालाल बजाज। **बेंगू किसान आंदोलन (1921, रामनारायण चौधरी — रूपाजी व कृपाजी शहीद)**, **नीमूचना हत्याकांड (14 मई 1925, अलवर — गांधीजी ने 'यंग इंडिया' में इसे जलियाँवाला बाग से भी वीभत्स 'दोहरी डायरशाही' कहा)**, **मानगढ़ पहाड़ी हत्याकांड (17 नवंबर 1913, बांसवाड़ा — गोविंद गुरु के नेतृत्व में भगत आंदोलन व संप सभा)**, **एकी/भोराट भील आंदोलन (1921, मोतीलाल तेजावत — 'आदिवासियों के मसीहा/बावजी')**।

• राजस्थान के एकीकरण के 7 चरण (18 मार्च 1948 से 1 नवंबर 1956 — 8 वर्ष, 7 माह, 14 दिन; 19 रियासतें + 3 ठिकाने [लावा, कुशलगढ़, नीमराना] + 1 केंद्रशासित प्रदेश अजमेर-मेरवाड़ा):

1. **मत्स्य संघ (18 मार्च 1948):** अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली (राजधानी: अलवर; प्रधानमंत्री: शोभाराम कुमावत)।

2. **पूर्व राजस्थान संघ (25 मार्च 1948):** कोटा, बूंदी, झालावाड़ सहित 9 रियासतें (राजधानी: कोटा; प्रधानमंत्री: गोकुललाल असावा)।

3. **संयुक्त राजस्थान (18 अप्रैल 1948):** उदयपुर (मेवाड़) का विलय (राजधानी: उदयपुर; राजप्रमुख: महाराणा भूपाल सिंह; प्रधानमंत्री: माणिक्यलाल वर्मा)।

4. **वृहत् राजस्थान (30 मार्च 1949 — 'राजस्थान दिवस'):** जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर का विलय (राजधानी: **जयपुर**; महाराजप्रमुख: भूपाल सिंह; राजप्रमुख: सवाई मानसिंह द्वितीय; प्रधानमंत्री: **हीरालाल शास्त्री**)।

5. **संयुक्त वृहत् राजस्थान (15 मई 1949):** शंकरदेव राय समिति की सिफारिश पर मत्स्य संघ का वृहत् राजस्थान में विलय।

6. **राजस्थान संघ (26 जनवरी 1950):** सिरोही (आबू-देलवाड़ा को छोड़कर) का विलय एवं 'राजस्थान' नाम को संवैधानिक मान्यता।

7. **वर्तमान राजस्थान (1 नवंबर 1956 — 'राजस्थान स्थापना दिवस'):** आबू-देलवाड़ा (सिरोही), अजमेर-मेरवाड़ा, सुनेल टप्पा का विलय एवं राजप्रमुख पद समाप्त कर प्रथम राज्यपाल **गुरुमुख निहाल सिंह** की नियुक्ति।

8.2 राजस्थान के यूनेस्को पहाड़ी किले, महल, हवेलियाँ, लोक देवता, संत एवं चित्रकला शैलियाँ

• *राजस्थान के 6 यूनेस्को विश्व धरोहर पहाड़ी किले (21 जून 2013 को कंबोडिया के नॉम पेन्ह में घोषित — ट्रिक: 'चीकू गाजर आम'):*

1. **चित्तौड़गढ़ दुर्ग ('गढ़ तो चित्तौड़गढ़, बाकी सब गढ़ैया'):** चित्रांगद मौर्य द्वारा गंभीरी व बेड़च नदियों के संगम पर मेसा पठार पर निर्मित **राजस्थान का सबसे बड़ा आवासीय दुर्ग (Living Fort)**; इसमें 3 साके हुए (1303, 1534 [रानी कर्मावती], 1567-68 [जयमल-फत्ता])।

2. **कुंभलगढ़ दुर्ग (राजसमंद):** महाराणा कुंभा द्वारा निर्मित; इसकी **36 किमी लंबी प्राचीर को 'भारत की महान दीवार' (Great Wall of India)** कहा जाता है। इसके उच्चतम भाग **'कटारगढ़'** को **'मेवाड़ की आँख'** कहा जाता है (अबुल फजल ने कहा: "यह दुर्ग इतनी बुलंदी पर बना है कि नीचे से ऊपर देखने पर सिर से पगड़ी गिर जाती है")।

3. **गागरोन दुर्ग (झालावाड़):** आहू एवं कालीसिंध नदियों के संगम ('सामेला') पर बिना किसी नींव के सीधी चट्टान पर खड़ा **राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ जल दुर्ग (औदक दुर्ग)**; संत पीपाजी की छतरी व मीठे शाह की दरगाह।

4. **जैसलमेर दुर्ग (सोनार किला / स्वर्णगिरि):** राव जैसल द्वारा 1155 ई. में त्रिकूट पहाड़ी पर निर्मित **धान्वन दुर्ग**; इसमें चूने का प्रयोग नहीं हुआ है और **ढाई साके** के लिए प्रसिद्ध है (अर्ध साका 1550 ई. — लूणकरण के समय केसरिया हुआ किंतु जौहर नहीं हुआ)।

5. **रणथंभौर दुर्ग (सवाई माधोपुर):** अबुल फजल ने कहा — "अन्य सब दुर्ग नंगे हैं, जबकि यह दुर्ग बख्तरबंद है" (त्रिनेत्र गणेश मंदिर व जोगी महल)।

6. **आमेर दुर्ग (जयपुर):** शीश महल, दीवान-ए-आम, शिला देवी मंदिर व जगत शिरोमणि मंदिर।

• (इसके अतिरिक्त **जयपुर परकोटा/पिंक सिटी** को **2019** में यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित किया गया) (जयपुर जिला प्रोफाइल - राजस्थान सरकार)।

• **प्रमुख हवेलियाँ एवं छतरियाँ: पटवों की हवेली, सालिम सिंह की हवेली एवं नथमल की हवेली** (जैसलमेर — 'हवेलियों व झरोखों का शहर'), **बच्छावतों व रामपुरिया की हवेली** (बीकानेर), **बागोर की हवेली** (उदयपुर — विश्व की सबसे बड़ी पगड़ी), **चौरासी खंभों की छतरी** (बूंदी), **मूसी महारानी की छतरी** (80 खंभे, अलवर)।

• **राजस्थान के पंच पीर (लोक देवता) एवं संत संप्रदाय:**

• *पंच पीर (ट्रिक: 'गोपा मेहा राम' — पाबूजी, हड़बूजी, रामदेवजी, गोगाजी और मांगलिया मेहाजी):*

1. **रामदेव जी ('रामसा पीर / रुणेचा रा धणी'):** जन्म — उंडूकासमेर (बाड़मेर), समाधि व मेला — **रामदेवरा (रुणेचा, जैसलमेर)**; कामड़िया पंथ चलाया (कामड़िया महिलाओं द्वारा **तेरहताली नृत्य**); ग्रंथ: 'चौबीस बाणियाँ' (एकमात्र लोकदेवता जो कवि भी थे); पचरंगी ध्वजा को **'नेजा'** और रात्रि जागरण को **'जम्मा'** कहते हैं।

2. **पाबूजी ('ऊँटों के देवता / प्लेग रक्षक देवता'):** जन्म — कोलू मंड (फलौदी); मारवाड़ में सर्वप्रथम ऊँट लाने का श्रेय; **'पाबूजी की फड़'** (शाहपुरा, भीलवाड़ा का जोशी परिवार बनाता है) राजस्थान की सबसे लोकप्रिय फड़ है, जिसे नायक/रेबारी जाति के भोपे **'रावणहत्था'** वाद्ययंत्र के साथ बाँचते हैं।

3. **गोगाजी ('जाहरपीर / साँपों के देवता'):** जन्म — **ददरेवा (चूरू - शीर्ष मेड़ी)**, समाधि — **गोगामेड़ी (नोहर, हनुमानगढ़ - धुर मेड़ी)**; महमूद गजनवी से गायों की रक्षा हेतु युद्ध किया।

4. **तेजाजी (धौलिया वीर / काला और बाला के देवता — पंच पीरों में शामिल नहीं किंतु अत्यंत लोकप्रिय):** जन्म — **खड़नाल (नागौर)**, बलिदान — सुरसुरा (अजमेर), पशु मेला — परबतसर (नागौर/डीडवाना-कुचामन)।

5. **देवनारायण जी (गुर्जर समाज के आराध्य — विष्णु के अवतार):** आसींद (भीलवाड़ा); इनकी फड़ **राजस्थान की सबसे लंबी और सबसे छोटी (डाक टिकट जारी) फड़** है, जिसे **'जंतर'** वाद्ययंत्र के साथ बाँचा जाता है।

• **लोक देवियाँ एवं संत: करणी माता (देशनोक, बीकानेर — 'चूहों वाली देवी', सफेद चूहों को 'काबा' कहते हैं), जीण माता** (रेवासा, सीकर), **कैला देवी** (करौली — **लांगुरिया गीत व नृत्य**), **तनोट माता** (जैसलमेर — 'थार की वैष्णो देवी / सैनिकों की देवी')। **संत जांभोजी (विश्नोई संप्रदाय — 29 नियम,**

मुकाम तालवा बीकानेर; पर्यावरण वैज्ञानिक संत), संत जसनाथ जी (जसनाथी संप्रदाय — 36 नियम, कतरियासर बीकानेर, धधकते अंगारों पर 'अग्नि नृत्य'), संत दादू दयाल ('राजस्थान के कबीर' — नारायणा, जयपुर), मीराबाई ('राजस्थान की राधा' — जन्म: कुड़की, पाली)।

• राजस्थानी चित्रकला की 4 प्रमुख शैलियाँ एवं हस्तशिल्प:

1. **मेवाड़ स्कूल (उदयपुर, नाथद्वारा, चावंड, देवगढ़):** राजस्थान की सबसे प्राचीन व मूल चित्रकला शैली ('श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णी' 1260 ई.); **नाथद्वारा शैली 'पिछवाई चित्रकला'** (श्रीनाथजी की प्रतिमा के पीछे कपड़े पर कृष्ण लीला चित्रण) और महिला चित्रकार **कमला एवं इलायची** के लिए प्रसिद्ध है।

2. **मारवाड़ स्कूल (जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़, नागौर, जैसलमेर): किशनगढ़ शैली:** राजा **सावंत सिंह (नागरीदास)** के काल में चित्रकार **मोरध्वज निहालचंद** द्वारा बनाई गई **'बणी-ठणी'** (एरिक डिकिन्सन ने इसे **'भारत की मोनालिसा'** कहा) विश्व प्रसिद्ध है। **बीकानेर शैली:** ऊँट की खाल पर स्वर्ण चित्रांकन **('उस्ता कला'** — हिसामुद्दीन उस्ता) और मथेरण कला (चित्रकार अपना नाम व तिथि लिखते थे)।

3. **ढूँढाड़ स्कूल (आमेर, जयपुर, अलवर, शेखावाटी, उणियारा):** आदमकद व्यक्ति चित्र (सवाई ईश्वरी सिंह) और शेखावाटी के भित्ति चित्र (फ्रेस्को पेंटिंग)।

4. **हाड़ौती स्कूल (बूंदी एवं कोटा): बूंदी शैली पशु-पक्षियों (नाचते मोर व वर्षा)** के चित्रण के लिए और **कोटा शैली शिकार (रानियों द्वारा भी बाघ का शिकार)** के दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

• प्रमुख हस्तशिल्प (GI टैग): थेवा कला (प्रतापगढ़ — हरे/नीले काँच पर सोने की सूक्ष्म नक्काशी; राजसोनी परिवार), ब्लू पॉटरी (जयपुर — कृपाल सिंह शेखावत), अजरक प्रिंट व मलीर प्रिंट (बाड़मेर/बालोतरा), बगरू व सांगानेरी प्रिंट (जयपुर), दाबू व आजम-जाजम प्रिंट (अकोला, चित्तौड़गढ़), मोलेला टेराकोटा (राजसमंद), कोटा डोरिया साड़ी (कैथून, कोटा)।

• प्रमुख लोक नृत्य: घूमर ('राजस्थान का राज्य नृत्य / नृत्यों की आत्मा'), **कालबेलिया नृत्य** (सपेरा जनजाति; **2010 में यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची** में शामिल; प्रसिद्ध नृत्यांगना: **पद्मश्री गुलाबो सपेरा**), **गैर, गवरी (राइका), नेजा व हाथीमना** (भील जनजाति), **वालर** (गरासिया जनजाति — बिना किसी वाद्ययंत्र के किया जाने वाला नृत्य, 'गरासियों की घूमर'), **चरी नृत्य** (किशनगढ़ - गुर्जर महिलाओं द्वारा, फलकू बाई), **भवाई नृत्य, कच्छी घोड़ी व चंग/गीदड़** (शेखावाटी), **बम नृत्य** (भरतपुर-अलवर)।

8.3 अध्याय 8 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: प्राचीन सभ्यताएँ एवं राजवंश] ⟶ (कालीबंगा [जुते खेत], आहड़ [ताम्रवती], गणेश्वर, बैराठ | मेवाड़ [कुंभा, सांगा, प्रताप], मारवाड़, आमेर व चौहान)
|
▼
[नोड 2: 1857, किसान आंदोलन एवं एकीकरण] ⟶ (नसीराबाद, एरीनपुरा [आउवा], कोटा | बिजौलिया [44 वर्ष], मानगढ़ [1913] | 7 चरणों में एकीकरण: 18 मार्च 1948 से 1 नवंबर 1956)
|
▼
[नोड 3: यूनेस्को दुर्ग, लोक देवता एवं संत] ⟶ (6 पहाड़ी दुर्ग [2013: चीकू गाजर आम] | पंच पीर: पाबूजी, हड़बूजी, रामदेवजी, गोगाजी, मेहाजी | तेजाजी, देवनारायणजी, जांभोजी, दादू)
|
▼
[नोड 4: चित्रकला, हस्तशिल्प एवं लोक नृत्य] ⟶ (किशनगढ़ [बणी-ठणी], नाथद्वारा [पिछवाई], बूंदी [पशु-पक्षी], कोटा [शिकार] | थेवा कला, ब्लू पॉटरी, उस्ता कला | घूमर व कालबेलिया [यूनेस्को 2010])

8.4 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राजस्थान के प्रमुख किले, मंदिर, चित्रकला, मेले एवं हस्तशिल्प

क्रम	जिला / क्षेत्र	प्रमुख दुर्ग, महल, मंदिर एवं ऐतिहासिक स्थल	प्रमुख चित्रकला, हस्तशिल्प, मेले एवं विशेष तथ्य
1	**जयपुर ('पिंक सिटी')**	आमेर दुर्ग (यूनेस्को 2013), नाहरगढ़ (सुदर्शनगढ़), जयगढ़ दुर्ग (**'जयबाण तोप'** — एशिया की सबसे बड़ी पहियों पर खड़ी तोप), हवा महल (1799), जंतर-मंतर (यूनेस्को 2010), सिटी पैलेस, अल्बर्ट हॉल, गलताजी ('मंकी वैली')	**ब्लू पॉटरी** (कृपाल सिंह शेखावत), सांगानेरी व बगरू प्रिंट, कुंदन-मीनाकारी, तीज की सवारी व गणगौर महोत्सव, **शीतला माता मेला** (चाकसू — गधों का मेला) (जयपुर जिला प्रोफाइल)।
2	**जोधपुर ('ब्लू सिटी / सन सिटी')**	**मेहरानगढ़ दुर्ग** (मोरध्वज/मयूरध्वज गढ़ — रुडयार्ड किपलिंग ने कहा कि इसका निर्माण परियों व फरिश्तों ने किया है), उम्मेद भवन पैलेस (छीतर पैलेस), जसवंत थड़ा ('राजस्थान का ताजमहल'), मंडोर उद्यान	**खेजड़ली वृक्ष मेला** (1730 ई. में **अमृता देवी विश्नोई** व 363 लोगों ने खेजड़ी वृक्षों की रक्षा हेतु बलिदान दिया — विश्व का एकमात्र वृक्ष मेला), **बादला** (जिंक निर्मित पानी की बोतल), मारवाड़ महोत्सव।

क्रम	जिला / क्षेत्र	प्रमुख दुर्ग, महल, मंदिर एवं ऐतिहासिक स्थल	प्रमुख चित्रकला, हस्तशिल्प, मेले एवं विशेष तथ्य
3	**उदयपुर ('झीलों की नगरी / पूर्व का वेनिस')**	सिटी पैलेस (फर्ग्यूसन ने इसे 'राजस्थान के विंडसर महल' की संज्ञा दी), सज्जनगढ़ (मानसून पैलेस), एकलिंगजी मंदिर (बप्पा रावल द्वारा निर्मित), जगदीश मंदिर ('सपनों से बना मंदिर'), सहेलियों की बाड़ी, आहड़ व बालाथल सभ्यता	मेवाड़ चित्रकला शैली, कठपुतली कला (भारतीय लोक कला मंडल — देवीलाल सामर, 1952), शिल्पग्राम उत्सव, बागोर की हवेली।
4	**चित्तौड़गढ़ एवं राजसमंद**	चित्तौड़गढ़ दुर्ग (विजय स्तंभ, जैन कीर्ति स्तंभ, मीरा मंदिर, कालिका माता मंदिर), कुंभलगढ़ दुर्ग (राजसमंद), हल्दीघाटी व दिवेर (राजसमंद), श्रीनाथजी मंदिर (नाथद्वारा)	**पिछवाई कला** व तारकशी के जेवर (नाथद्वारा), **मोलेला टेराकोटा** (राजसमंद — मोहनलाल कुमार), **दाबू व आजम प्रिंट** (अकोला, चित्तौड़गढ़), सांवलिया सेठ मंदिर (मंडफिया)।
5	**जैसलमेर ('स्वर्ण नगरी')**	सोनार किला (यूनेस्को 2013), पटवों की हवेली, सालिम सिंह की हवेली, नथमल की हवेली, कुलधरा गाँव, तनोट माता मंदिर, लोद्रवा	**रामदेवरा मेला** (रुणेचा — भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से एकादशी तक, सांप्रदायिक सद्भाव का सबसे बड़ा मेला), **मरु महोत्सव (Desert Festival)**।
6	**बीकानेर**	**जूनागढ़ दुर्ग** (रायसिंह द्वारा निर्मित — 'जमीन का जेवर'), लालगढ़ पैलेस, करणी माता मंदिर (देशनोक), मुकाम (विश्नोई तीर्थ), कतरियासर	**उस्ता कला** (ऊँट की खाल पर चित्रकारी) एवं मथेरण कला, **अग्नि नृत्य** (जसनाथी सिद्धों द्वारा 'फतेह-फतेह' उद्घोष के साथ), **ऊँट महोत्सव (Camel Festival)**, कोलायत मेला (कपिल मुनि)।
7	**अजमेर एवं पुष्कर**	तारागढ़ दुर्ग ('गढ़बीठली' / राजस्थान का जिब्राल्टर), मैग्जीन दुर्ग (अकबर का किला), अढ़ाई दिन का झोपड़ा, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, सोनीजी की नसियाँ, **ब्रह्मा मंदिर व सावित्री मंदिर (पुष्कर)**	**किशनगढ़ चित्रकला शैली ('बणी-ठणी')**, **पुष्कर मेला** (कार्तिक पूर्णिमा — राजस्थान का सबसे रंगीन मेला), ख्वाजा साहब का उर्स (रजब माह में 1 से 6 तारीख तक)।
8	**डूंगरपुर, बांसवाड़ा एवं प्रतापगढ़ (वागड़-काँठल)**	**बेणेश्वर धाम** (नवाटापरा, डूंगरपुर — **सोम, माही एवं जाखम नदियों का त्रिवेणी संगम**; संत मावजी द्वारा स्थापित खंडित शिवलिंग की पूजा), मानगढ़ धाम (बांसवाड़ा), त्रिपुरा सुंदरी मंदिर	**बेणेश्वर मेला** (माघ पूर्णिमा — **'आदिवासियों का कुंभ'**), **थेवा कला** (प्रतापगढ़ — नाथूजी सोनी द्वारा प्रवर्तित काँच पर सोने की नक्काशी)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, मेलों एवं पर्यटन प्रवाह का क्षेत्रीय हिस्सा

- **ढूँढाड़ एवं पूर्वी पर्यटन परिपथ (जयपुर, आमेर, अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर):** **32.0%** (स्वर्णिम त्रिकोण — दिल्ली-आगरा-जयपुर का प्रभाव एवं सर्वाधिक पर्यटक आगमन)
- **मेवाड़ एवं वागड़ परिपथ (उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद-नाथद्वारा, कुंभलगढ़, माउंट आबू):** **26.0%** (झील, दुर्ग एवं धार्मिक पर्यटन)
- **मारवाड़ एवं मरु त्रिकोण (जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर):** **20.0%** (मरु महोत्सव, दुर्ग एवं थार सफारी)
- **मेरवाड़ा एवं शेखावाटी परिपथ (अजमेर, पुष्कर, सीकर-खाटूश्यामजी, झुंझुनू, चूरू-सालासर):** **16.0%** (धार्मिक तीर्थ एवं ओपन आर्ट गैलरी हवेलियाँ)
- **हाड़ौती परिपथ (कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़):** **6.0%** (गागरोन दुर्ग, मुकुंदरा हिल्स एवं चंबल रिवरफ्रंट)

8.6 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. राजस्थान के एकीकरण के 7 चरणों के नाम और तिथियाँ याद करने की ट्रिक:

★ **ट्रिक:** "18-25 मार्च व 18 अप्रैल 1948 (मत्स्य-पूर्व-संयुक्त), 30 मार्च व 15 मई 1949 (वृहत्-संयुक्त वृहत्), 26 जनवरी 1950 व 1 नवंबर 1956 (राजस्थान)!"
प्रधानमंत्री के नाम (प्रथम 4 चरण): "शोभा गोकुल मणि हीरा!" — 1. **शोभा**राम कुमावत (मत्स्य), 2. **गोकुल**लाल असावा (पूर्व राजस्थान), 3. **माणि**क्यलाल वर्मा (संयुक्त), 4. **हीरा**लाल शास्त्री (वृहत् राजस्थान)।

2. राजस्थान के 6 यूनेस्को विश्व धरोहर पहाड़ी किले (2013):

★ ट्रिक: "ची-कू गा-ज-र आम"
• **ची** = चित्तौड़गढ़ | **कू** = कुंभलगढ़ | **गा** = गागरोन | **ज** = जैसलमेर | **र** = रणथंभौर | **आम** = आमेर।

8.7 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — RPSC RAS, PSI, REET, Patwar)

अभ्यास प्रश्न #23 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2023 / 2021]:** राजस्थान के किस पुरातात्विक स्थल से 'जुते हुए खेत के साक्ष्य' और किस स्थल से 'अशोक का भाब्रू शिलालेख' प्राप्त हुआ है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** जुते हुए खेत और अग्नि वेदिकाओं के साक्ष्य **कालीबंगा (हनुमानगढ़, घग्गर नदी)** से मिले हैं, जबकि अशोक का भाब्रू शिलालेख **बैराठ (विराटनगर, बीजक की पहाड़ी)** से प्राप्त हुआ है।

अभ्यास प्रश्न #24 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2021]:** सुमेलित कीजिए — (1) थेवा कला, (2) उस्ता कला, (3) ब्लू पॉटरी, (4) अजरक प्रिंट।

• **उत्तर एवं व्याख्या:** (1) थेवा कला — **प्रतापगढ़**, (2) उस्ता कला — **बीकानेर**, (3) ब्लू पॉटरी — **जयपुर**, (4) अजरक प्रिंट — **बाड़मेर (बालोतरा)**।

अभ्यास प्रश्न #25 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2018 / REET 2022]:** 'बणी-ठणी' चित्रकला किस शैली से संबंधित है और इसके चित्रकार कौन थे?

• **उत्तर एवं व्याख्या: किशनगढ़ शैली** से; इसके चित्रकार **मोरध्वज निहालचंद** थे और राजा **सावंत सिंह (नागरीदास)** के काल में इसका सृजन हुआ।

अध्याय 9: राजस्थान का भूगोल (थार मरुस्थल, अरावली, इंदिरा गांधी नहर, झीलें, खनिज), पंचायती राज (नागौर 1959) एवं जनगणना

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 9: राजस्थान का भूगोल (थार मरुस्थल, अरावली, इंदिरा गांधी नहर, झीलें, खनिज), पंचायती राज (नागौर 1959) एवं जनगणना

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
राजस्थान का भौतिक भूगोल: थार का मरुस्थल एवं अरावली पर्वतमाला	नदियाँ, झीलें (खारे एवं मीठे पानी की), इंदिरा गांधी नहर एवं खनिज ('खनिजों का अजायबघर')	पंचायती राज का शुभारंभ (नागौर 1959), राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011	विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — RPSC RAS, EO/RO, CET, Patwar)

9.1 राजस्थान का भौतिक भूगोल: थार का मरुस्थल एवं अरावली पर्वतमाला

(राजस्थान शासकीय पोर्टल - राजस्थान एक नजर में)

• **भौगोलिक विस्तार एवं क्षेत्रफल:**

• **अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार: 23°03' उत्तरी अक्षांश (बोरकुंड गाँव, बांसवाड़ा) से 30°12' उत्तरी अक्षांश (कोणा गाँव, श्रीगंगानगर)** तथा **69°30' पूर्वी देशांतर (कटरा गाँव, जैसलमेर) से 78°17' पूर्वी देशांतर (सिलाना गाँव, धौलपुर)**।

• **कुल क्षेत्रफल: 3,42,239 वर्ग किमी** (1,32,139 वर्ग मील — भारत के कुल क्षेत्रफल का **10.41%**, 1 नवंबर 2000 को म.प्र. के विभाजन के बाद से **भारत का सबसे बड़ा राज्य**)।

• **लंबाई एवं चौड़ाई:** उत्तर से दक्षिण की लंबाई **826 किमी** तथा पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई **869 किमी** (विषमकोणीय चतुर्भुजाकार या **पतंगाकार** आकृति — टी.एच. हैंडले द्वारा प्रदत्त)।

• **स्थलीय सीमा (5,920 किमी):** (1) **अंतर्राष्ट्रीय सीमा (रेडक्लिफ रेखा — पाकिस्तान के साथ 1,070 किमी):** श्रीगंगानगर के हिंदूमलकोट से बाड़मेर के बाखासर (शाहगढ़) तक (परंपरागत 4 जिले: **जैसलमेर [सर्वाधिक 464 किमी], बाड़मेर [228 किमी], श्रीगंगानगर [210 किमी], बीकानेर [न्यूनतम**

168 किमी]; नवीन जिला पुनर्गठन में अनूपगढ़ व फलौदी की स्थिति परिवर्तनशील रही और राजस्थान पोर्टल पर **41 जिलों** का अद्यतन ढाँचा दर्ज है) (राजस्थान राज्य पोर्टल)। (2) **अंतर्राज्यीय सीमा (4,850 किमी — 5 राज्यों से):** पंजाब (न्यूनतम **89 किमी**), हरियाणा (1,262 किमी), उत्तर प्रदेश (877 किमी), मध्य प्रदेश (सर्वाधिक **1,600 किमी**), गुजरात (1,022 किमी)।

• राजस्थान के 4 भौतिक प्रदेश:

1. **पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार का मरुस्थल — क्षेत्रफल: 61.11% | जनसंख्या: 40%):**

• यह टेथिस सागर का अवशेष और विश्व का **सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व एवं सर्वाधिक जैव-विविधता वाला मरुस्थल** है। **25 सेमी समवर्षा रेखा** इसे दो भागों में बाँटती है — **शुष्क मरुस्थल** (बालूका स्तूप युक्त [बरखान, अनुदैर्ध्य, सीफ] एवं बालूका स्तूप मुक्त [**'हमादा'** — पोकरण-फलौदी-बालोतरा त्रिकोण]) और **अर्ध-शुष्क मरुस्थल (बांगर प्रदेश)**।

• अर्ध-शुष्क बांगर प्रदेश के 4 उप-भाग: (i) **घग्गर का मैदान** (श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़, नाली व पाट), (ii) **शेखावाटी अंतःप्रवाह प्रदेश** (चूरू, सीकर, झुंझुनू — कच्चे कुओं को **'जोहड़'** और घास के मैदानों को **'बीड़'** कहते हैं), (iii) **नागौरी उच्च भूमि** (फ्लोराइड युक्त जल की **'कूबड़ पट्टी / बांका पट्टी'** — नागौर से अजमेर), (iv) **लूनी बेसिन (गोडवाड़ प्रदेश)**।

• जैसलमेर में मीठे भूमिगत जल की पट्टी को **'लाठी सीरीज'** (मोहनगढ़ से पोकरण तक, जहाँ पौष्टिक **सेवण घास** [Lasiurus scindicus] और 'थार का घड़ा' चांदन नलकूप स्थित है) कहा जाता है।

2. **अरावली पर्वतीय प्रदेश (क्षेत्रफल: 9.0% | जनसंख्या: 10%):**

• **विश्व की प्राचीनतम वलित एवं अवशिष्ट पर्वतमाला** (प्री-कैम्ब्रियन युग, गोंडवाना लैंड का भाग)। इसकी कुल लंबाई खेड़ब्रह्मा (पालनपुर, गुजरात) से रायसीना की पहाड़ी (दिल्ली) तक **692 किमी** है, जिसमें से **राजस्थान में 550 किमी (लगभग 80%)** दक्षिण-पश्चिम (सिरोही) से उत्तर-पूर्व (खेतड़ी, झुंझुनू) तक विस्तृत है (अलवर एवं अरावली आपदा प्रबंधन योजना)। **50 सेमी समवर्षा रेखा** अरावली के समानांतर गुजरती है और राजस्थान को दो भागों में विभाजित करती है।

• अरावली की सर्वोच्च चोटियाँ (अवरोही क्रम में):

1. **गुरु शिखर (माउंट आबू, सिरोही — 1,722 मीटर / दत्तात्रेय मंदिर सहित 1,727 मीटर):** कर्नल जेम्स टॉड ने इसे **'संतों का शिखर'** कहा; हिमालय और नीलगिरि के मध्य भारत की सबसे ऊँची चोटी।

2. **सेर (सिरोही — 1,597 मीटर)** | 3. **देलवाड़ा (सिरोही — 1,442 मीटर)** | 4. **जरगा (उदयपुर — 1,431 मीटर)** | 5. **अचलगढ़ (सिरोही — 1,380 मीटर)** | 6. **कुंभलगढ़ (राजसमंद — 1,224 मीटर)** | 7. **रघुनाथगढ़ (सीकर — 1,055 मीटर — उत्तरी अरावली की सर्वोच्च चोटी)** | 8. **तारागढ़ (अजमेर — 873 मीटर)** व टोडगढ़ (933 मीटर — मध्य अरावली की सर्वोच्च चोटी)।

• प्रमुख पठार एवं दर्रे (नाल): उड़िया का पठार (सिरोही — 1,360 मीटर, **राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार**), आबू का पठार (1,200 मीटर), **भोराट का पठार** (कुंभलगढ़ से गोगुंदा के मध्य), **उपरमाल का पठार** (भैंसरोड़गढ़ से बिजौलिया तक), **मेसा का पठार** (चित्तौड़गढ़), **लसाड़िया का पठार** (जयसमंद झील के पूर्व में कटा-फटा पठार)। दर्रे: हाथीगुड़ा की नाल, देसूरी की नाल, सोमेश्वर की नाल, केवड़ा की नाल, बर दर्रा (ब्यावर)।

3. **पूर्वी मैदानी प्रदेश (क्षेत्रफल: 23.0% | जनसंख्या: 39%):** चंबल, बनास, बाणगंगा और मध्य माही (**छप्पन का मैदान** — बांसवाड़ा व प्रतापगढ़ के मध्य 56 नदी-नालों/गाँवों का समूह) द्वारा निर्मित सर्वाधिक उपजाऊ जलोढ़ मैदान एवं **सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व** वाला भौतिक प्रदेश।

4. **दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार — क्षेत्रफल: 6.89% | जनसंख्या: 11%):** कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़; मध्यम काली मृदा (कपास, सोयाबीन, धनिया व संतरा उत्पादन — झालावाड़ को **'राजस्थान का नागपुर'** कहते हैं)।

9.2 नदियाँ, झीलें (खारे एवं मीठे पानी की), इंदिरा गांधी नहर एवं खनिज ('खनिजों का अजायबघर')

• राजस्थान का 3-स्तरीय अपवाह तंत्र:

1. **आंतरिक अपवाह तंत्र (कुल अपवाह का ~60% — देश में अद्वितीय): घग्गर नदी** ('मृत नदी / नट नदी / सरस्वती' — शिवालिक की कालका पहाड़ियों से निकलकर टिब्बी [हनुमानगढ़] से प्रवेश करती है), **कांतली नदी** (खंडेला की पहाड़ियाँ, सीकर — आंतरिक प्रवाह की पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी, 100 किमी), **काकनेय/मसूरदी नदी** (जैसलमेर — आंतरिक प्रवाह की सबसे छोटी नदी, 17 किमी; बुझ झील बनाती है), साबी, रूपारेल, मेंथा, रूपनगढ़।

2. **अरब सागर अपवाह तंत्र (~17%):**

• **लूनी नदी ('लवणवती / मरुआशा / आधी मीठी-आधी खारी नदी'):** अजमेर की **नाग पहाड़** से 'सागरमती' के नाम से निकलती है और **बालोतरा** तक इसका जल मीठा रहता है तथा उसके बाद खारा हो जाता है (कच्छ के रण में विलीन)। सहायक नदियाँ: जोजड़ी (दाईं ओर से मिलने वाली एकमात्र सहायक नदी), सुकड़ी, बांडी, जवाई (सुमेरपुर पाली में **जवाई बांध — 'मारवाड़ का अमृत सरोवर'**), मीठड़ी, लीलड़ी, खारी।

• **माही नदी ('वागड़ व काँठल की गंगा / दक्षिणी राजस्थान की स्वर्ण रेखा'):** खांदू गाँव (बांसवाड़ा) से राजस्थान में प्रवेश करती है, **कर्क रेखा को दो बार काटती है (उल्टे 'U' के आकार में)** और बांसवाड़ा के बोरखेड़ा में इस पर **माही बजाज सागर बांध (राजस्थान का सबसे लंबा बांध — 3,109 मीटर)** बना है।

• **साबरमती एवं पश्चिमी बनास:** उदयपुर व सिरोही से निकलकर गुजरात में बहती हैं।

3. **बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र (~23%):**

• **चंबल नदी ('राजस्थान की कामधेनु' / सदावाहिनी):** चौरासीगढ़ (चित्तौड़गढ़) से राजस्थान में प्रवेश करती है। भैंसरोड़गढ़ में इस पर **चूलिया जलप्रपात (18 मीटर — राजस्थान का सबसे ऊँचा जलप्रपात)** और **राणा प्रताप सागर बांध (रावतभाटा — राजस्थान का सर्वाधिक भराव क्षमता वाला बांध व परमाणु विद्युत गृह)**, **जवाहर सागर बांध** व **कोटा बैराज** स्थित हैं।

• **बनास नदी ('वन की आशा / वर्णाशा'):** राजसमंद में **खमनोर की पहाड़ियों** से निकलकर सवाई माधोपुर के **रामेश्वरम धाम** में चंबल व सीप के साथ त्रिवेणी संगम बनाती है (पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी — 480/512 किमी; **बीसलपुर बांध** टोंक जिले में इसी पर स्थित है)।

• **राजस्थान की प्रमुख झीलें:**

• **खारे पानी की झीलें (टेथिस सागर के अवशेष): सांभर झील (जयपुर-नागौर-अजमेर सीमा): भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील** (देश के कुल नमक उत्पादन का **8.7%** अकेले सांभर से; रामसर स्थल 1990; बिजोलिया शिलालेख के अनुसार वासुदेव चौहान द्वारा निर्मित), **पचपदरा झील (बालोतरा/बाड़मेर):** खारवाल जाति द्वारा मोरली झाड़ी से **98% शुद्ध सोडियम क्लोराइड (NaCl)** युक्त सर्वश्रेष्ठ खाने योग्य नमक का निर्माण, **डीडवाना झील (सोडियम सल्फेट — कागज व चमड़ा उद्योग हेतु)**, लूणकरणसर (बीकानेर), फलोदी, काछोर व रेवासा (सीकर)।

• **मीठे पानी की झीलें: जयसमंद झील (ढेबर झील, उदयपुर/सलूंबर):** महाराणा जयसिंह द्वारा गोमती नदी पर निर्मित **राजस्थान की सबसे बड़ी मीठे पानी की कृत्रिम झील** (7 टापू — सबसे बड़ा **'बाबा का भांगड़ा'**, सबसे छोटा **'प्यारी'**), **पिछोला झील** (राणा लाखा के काल में चिड़ीमार बंजारे द्वारा निर्मित; जगमंदिर व जगनिवास), **फतेहसागर झील** (उदयपुर), **राजसमंद झील** (महाराणा राजसिंह द्वारा निर्मित; उत्तरी भाग को **'नौ चौकी पाल'** कहते हैं जहाँ रणछोड़ भट्ट तैलंग द्वारा रचित विश्व की सबसे बड़ी संस्कृत प्रशस्ति **'राज प्रशस्ति'** 25 काली शिलाओं पर उत्कीर्ण है), **नक्की झील (माउंट आबू — राजस्थान की सबसे ऊँची और सर्दियों में जमने वाली झील)**, **पुष्कर झील (अजमेर — सबसे बड़ी प्राकृतिक मीठे पानी की व ज्वालामुखी/काल्डेरा झील)**, **आनासागर झील** (अजमेर), **सिलीसेढ़ झील** (अलवर — 'राजस्थान का नंदकानन'), **कोलायत झील** (बीकानेर)।

• **इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP — 'राजस्थान की जीवनरेखा / मरुगंगा'):**

• **प्रणेता:** बीकानेर रियासत के मुख्य अभियंता **कंवर सेन** (1948 में 'बीकानेर राज्य को पानी की आवश्यकता' पत्र लिखा)। शिलान्यास: **31 मार्च 1958** को गोविंद वल्लभ पंत द्वारा (पूर्व नाम: **राजस्थान नहर**; 2 नवंबर 1984 को इंदिरा गांधी नहर नामकरण)।

• **उद्गम एवं लंबाई:** पंजाब में सतलज और व्यास के संगम पर स्थित **हरिके बैराज (फिरोजपुर)** से निकलती है। **राजस्थान फीडर की लंबाई 204 किमी** (पंजाब-हरियाणा में 170 किमी + राजस्थान में मसीतावाली हेड, हनुमानगढ़ तक 34 किमी) और **मुख्य नहर की लंबाई 445 किमी** (मसीतावाली से मोहनगढ़, जैसलमेर तक) — **कुल लंबाई 649 किमी** (गडरा रोड, बाड़मेर तक उपशाखा विस्तार)। इसमें 7 **लिफ्ट नहरें** और **9 शाखाएँ** हैं।

• **खनिज एवं ऊर्जा ('खनिजों का अजायबघर' — 81 प्रकार के खनिजों का भंडार):**

• **राजस्थान का एकाधिकार (90% से 100% उत्पादन वाले खनिज): सीसा-जस्ता (Lead-Zinc — जावर [उदयपुर], रामपुरा-आगूचा [भीलवाड़ा — एशिया की सर्वश्रेष्ठ खान], राजपुरा-दरीबा [राजसमंद], चौथ का बरवाड़ा [सवाई माधोपुर])** व चाँदी, **वोलेस्टोनाइट** (सिरोही — 100%), **जास्पर** (जोधपुर — 100%), **सेलेनाइट, गार्नेट (तामड़ा — टोंक व राजमहल), जिप्सम (हरसौर-नागौर, जामसर-बीकानेर — भारत में ~90%), रॉक फॉस्फेट (झामर कोटड़ा, उदयपुर — देश में प्रथम)**।

• **तांबा: खेतड़ी-सिंघाना (झुंझुनू — 'ताम्र नगरी')**, खो-दरीबा (अलवर), अंजनी-सलूंबर। **टंगस्टन: डेगाना (भाकरी पहाड़ी, नागौर)** एवं वाल्दा (सिरोही)। **संगमरमर: मकराना** (सफेद संगमरमर, जिससे ताजमहल बना), किशनगढ़ (मार्बल मंडी)। **कच्चा तेल (पेट्रोलियम — बाड़मेर-सांचौर बेसिन): मंगला** (प्रथम तेल कुआँ, 2009), भाग्यम, ऐश्वर्या, सरस्वती, रागेश्वरी; **पचपदरा (बालोतरा)** में HPCL राजस्थान रिफाइनरी (HRRL — BS-VI मानक की देश की प्रथम पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी)। **सौर ऊर्जा: भड़ला सोलर पार्क (फलौदी/जोधपुर — 2,245 मेगावाट, विश्व के सबसे बड़े सोलर पार्कों में शामिल)**।

9.3 पंचायती राज का शुभारंभ (नागौर 1959), राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011

• **पंचायती राज का ऐतिहासिक शुभारंभ (2 अक्टूबर 1959 — बगदरी गाँव, नागौर):**

• **बलवंत राय मेहता समिति (1957)** की लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण एवं त्रिस्तरीय पंचायती राज की सिफारिशों को लागू करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री **पं. जवाहरलाल नेहरू** ने **2 अक्टूबर 1959** को **राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव** से पंचायती राज व्यवस्था का विधिवत उद्घाटन किया (मुख्यमंत्री: **मोहनलाल सुखाड़िया** — आधुनिक राजस्थान के निर्माता, 17 वर्ष तक सर्वाधिक लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री)। राजस्थान त्रिस्तरीय पंचायती राज लागू करने वाला **भारत का प्रथम राज्य** बना (11 अक्टूबर 1959 को आंध्र प्रदेश दूसरा राज्य बना)।

• **राजस्थान की राजव्यवस्था एवं प्रशासनिक संरचना:**

• **एकसदनीय विधानमंडल: विधानसभा सीटें: 200** (छठी विधानसभा 1977 से 200 सीटें निर्धारित; आरक्षित सीटें: **34 SC + 25 ST = कुल 59 आरक्षित सीटें**)।

• **संसदीय सीटें: लोकसभा: 25** (आरक्षित: **4 SC** [श्रीगंगानगर, बीकानेर, भरतपुर, करौली-धौलपुर] + **3 ST** [दौसा, बांसवाड़ा, उदयपुर]) | **राज्यसभा: 10** — इस प्रकार संसद में राजस्थान से **कुल 35 सांसद** हैं।

• **उच्च न्यायालय: जोधपुर** (स्थापना: **29 अगस्त 1949**; खंडपीठ: **जयपुर**; स्वीकृत न्यायाधीश: 50; प्रथम मुख्य न्यायाधीश: **कमलकांत वर्मा**)।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **गुरुमुख निहाल सिंह** | प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री: **हीरालाल शास्त्री** | प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री: **टीकाराम पालीवाल** | प्रथम महिला मुख्यमंत्री: **श्रीमती वसुंधरा राजे** | प्रथम महिला राज्यपाल: **श्रीमती प्रतिभा पाटिल** | प्रथम विधानसभा अध्यक्ष: **नरोत्तम लाल जोशी**।

• **राजकीय प्रतीक:** राजकीय वृक्ष — **खेजड़ी (Prosopis cineraria — 'राजस्थान का कल्पवृक्ष/गौरव', 1983)** | राजकीय पुष्प — **रोहिड़ा (Tecomella undulata — 'मरुशोभा/मारवाड़ का टीक', 1983)** | राजकीय पशु — **चिंकारा (वन्यजीव श्रेणी, 1981)** एवं **ऊँट (पशुधन श्रेणी — 2014, 'रेगिस्तान का जहाज')** | राजकीय पक्षी — **गोडावण (Great Indian Bustard — सोहन चिड़िया/हुकना, 1981)** | राजकीय खेल — **बास्केटबॉल (1948)**।

• **राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व: 3 राष्ट्रीय उद्यान** — (1) **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान** (सवाई माधोपुर - 1980; राजस्थान का प्रथम टाइगर रिजर्व 1973), (2) **केवलादेव घना पक्षी राष्ट्रीय उद्यान** (भरतपुर - 1981; **1981 में रामसर स्थल एवं 1985 में यूनेस्को विश्व धरोहर**; साइबेरियन सारस की शरणस्थली व डॉ. सलीम अली की कर्मभूमि), (3) **मुकुंदरा हिल्स (दर्रा) राष्ट्रीय उद्यान** (कोटा-झालावाड़ - 2012)। **5 टाइगर रिजर्व:** रणथंभौर, सरिस्का (अलवर), मुकुंदरा हिल्स, **रामगढ़ विषधारी (बूंदी - 2021)** और **धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व (2023 — 5वाँ टाइगर रिजर्व)**। **राष्ट्रीय मरु उद्यान (जैसलमेर-बाड़मेर — 3,162 वर्ग किमी):** क्षेत्रफल में सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य (आकल वुड फॉसिल पार्क व गोडावण संरक्षण)।

• **राजस्थान जनगणना 2011 के मुख्य आँकड़े (33 जिलों के आधार पर):**

• **कुल जनसंख्या: 6,85,48,437** (देश की जनसंख्या का **5.66%**, **7वाँ/8वाँ स्थान**) (राजस्थान शासकीय पोर्टल)।

• **जनसंख्या घनत्व: 200 व्यक्ति/वर्ग किमी** (सर्वाधिक: **जयपुर - 595**, भरतपुर - 503; न्यूनतम: **जैसलमेर - 17 व्यक्ति/वर्ग किमी**, बीकानेर - 78, बाड़मेर - 92)।

• **दशकीय वृद्धि दर (2001–11): 21.31%** (सर्वाधिक: **बाड़मेर - 32.5%**, जैसलमेर - 31.8%; न्यूनतम: **श्रीगंगानगर - 10.0%**, झुंझुनू - 11.7%)।

• **लिंगानुपात: 928** (ग्रामीण: 933, शहरी: 914; सर्वाधिक: **डूंगरपुर - 994**, राजसमंद - 990, पाली - 987; न्यूनतम: **धौलपुर - 846**, जैसलमेर - 852)। **शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष): 888** (सर्वाधिक: बांसवाड़ा - 934; न्यूनतम: झुंझुनू - 837)।

• **साक्षरता दर: 66.11%** (पुरुष: **79.19%** | महिला: **52.12%** — **देश में सर्वाधिक महिला-पुरुष साक्षरता अंतर 27.07% राजस्थान में है**)। सर्वाधिक कुल एवं महिला साक्षरता: **कोटा (76.6% कुल | 65.9% महिला)**, जयपुर (75.5%); सर्वाधिक पुरुष साक्षरता: **झुंझुनू (86.9%)**; न्यूनतम कुल एवं महिला साक्षरता: **जालौर (54.9% कुल | 38.5% महिला)**; न्यूनतम पुरुष साक्षरता: **प्रतापगढ़ व बांसवाड़ा (69.5%)**।

• **अनुसूचित जाति (SC): 17.83%** (सर्वाधिक संख्या: जयपुर; सर्वाधिक %: **श्रीगंगानगर - 36.6%**; न्यूनतम %: डूंगरपुर - 3.8%)।

• **अनुसूचित जनजाति (ST): 13.48%** (सर्वाधिक संख्या: उदयपुर; सर्वाधिक %: **बांसवाड़ा - 76.4%** व डूंगरपुर - 70.8%; न्यूनतम संख्या व %: **बीकानेर व नागौर - 0.3%**; प्रमुख जनजातियाँ: **मीणा [सबसे बड़ी व सर्वाधिक शिक्षित], भील [सबसे प्राचीन], गरासिया, सहरिया [एकमात्र PVTG — किशनगंज व शाहबाद तहसील, बारां], डामोर [सीमलवाड़ा, डूंगरपुर], कथौड़ी, कंजर, सांसी**)।

9.4 अध्याय 9 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: भौतिक भूगोल: थार एवं अरावली] ⟶ (3,42,239 वर्ग किमी [10.41%, देश में 1ला] | थार मरुस्थल 61.11% | अरावली 9% [गुरु शिखर 1722m] | रेडक्लिफ रेखा 1070 किमी)

|

▼

[नोड 2: अपवाह तंत्र, झीलें एवं IGNP नहर] ⟶ (आंतरिक प्रवाह 60% [घग्गर, कांतली] | लूनी, माही, चंबल, बनास | सांभर [8.7% नमक], पचपदरा, जयसमंद | IGNP 649 किमी [कंवर सेन])

|

▼

[नोड 3: खनिज, ऊर्जा एवं पंचायती राज] ⟶ (सीसा-जस्ता, चाँदी, वोलेस्टोनाइट, जिप्सम, रॉक फॉस्फेट में प्रथम | मंगला तेल व भड़ला सोलर | 2 अक्टूबर 1959: बगदरी, नागौर से पंचायती राज)

|

▼

[नोड 4: राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011] ⟶ (विधानसभा: 200 | लोकसभा: 25 | राज्यसभा: 10 | जनसंख्या: 6.85 करोड़ | घनत्व: 200 [जयपुर 595, जैसलमेर 17] | साक्षरता: 66.11% [कोटा 76.6%, जालौर 54.9%])

9.5 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राजस्थान जनगणना 2011, झीलें एवं खनिज संसाधन

संकेतक / श्रेणी	राज्य का मान	सर्वोच्च / शीर्ष जिले (2011 जनगणना व संसाधन)	न्यूनतम / तुलनात्मक जिले एवं विशेष तथ्य			
कुल जनसंख्या एवं क्षेत्रफल	6,85,48,437 / 3,42,239 वर्ग किमी	**जनसंख्या शीर्ष:** 1. **जयपुर** (66.26 लाख) 2. जोधपुर 3. अलवर	**क्षेत्रफल शीर्ष:** 1. **जैसलमेर** (38,401 वर्ग किमी) 2. बाड़मेर 3. बीकानेर	**न्यूनतम जनसंख्या:** 1. **जैसलमेर** (6.69 लाख) 2. प्रतापगढ़ 3. सिरोही	**न्यूनतम क्षेत्रफल (2011): धौलपुर** (3,034 वर्ग किमी)।	
जनसंख्या घनत्व एवं वृद्धि	घनत्व: 200 / वृद्धि: 21.31%	**घनत्व शीर्ष:** 1. **जयपुर (595)** 2. भरतपुर (503) 3. दौसा (476)	**वृद्धि शीर्ष:** 1. **बाड़मेर (32.5%)** 2. जैसलमेर (31.8%)	**न्यूनतम घनत्व:** 1. **जैसलमेर (17)** 2. बीकानेर (78) 3. बाड़मेर (92)	**न्यूनतम वृद्धि:** 1. **श्रीगंगानगर (10.0%)** 2. झुंझुनू (11.7%)।	
लिंगानुपात एवं शिशु लिंगानुपात	लिंगानुपात: 928 / शिशु: 888	**लिंगानुपात शीर्ष:** 1. **डूंगरपुर (994)** 2. राजसमंद (990) 3. पाली (987)	**शिशु लिंगानुपात शीर्ष: बांसवाड़ा (934)**	**न्यूनतम लिंगानुपात:** 1. **धौलपुर (846)** 2. जैसलमेर (852)	**न्यूनतम शिशु लिंगानुपात: झुंझुनू (837)** सीकर (848)।	
साक्षरता दर (कुल, पुरुष, महिला)	कुल: 66.11% (पु.: 79.19%, म.: 52.12%)	**कुल व महिला साक्षरता शीर्ष:** 1. **कोटा (76.6% व 65.9%)** 2. जयपुर (75.5%)	**पुरुष साक्षरता शीर्ष: झुंझुनू (86.9%)**	**न्यूनतम कुल व महिला साक्षरता:** 1. **जालौर (54.9% व 38.5%)** 2. सिरोही (55.3%)	**न्यूनतम पुरुष साक्षरता: प्रतापगढ़/बांसवाड़ा (69.5%)**।	
प्रमुख खनिज क्षेत्र	देश के खनिज उत्पादन मूल्य में अग्रणी	**उदयपुर:** जावर (सीसा-जस्ता व चाँदी), झामर कोटड़ा (रॉक फॉस्फेट)	**भीलवाड़ा:** रामपुरा-आगूचा (सीसा-जस्ता) व अभ्रक नगरी	**झुंझुनू:** खेतड़ी-सिंघाना (तांबा)	**नागौर:** डेगाना (टंगस्टन), मकराना (संगमरमर), हरसौर/गोठ-मांगलोद (जिप्सम)	**बाड़मेर:** मंगला-भाग्यम-ऐश्वर्या (क्रूड ऑयल) व कपूरड़ी-जालीपा (लिग्नाइट कोयला)।

संकेतक / श्रेणी	राज्य का मान	सर्वोच्च / शीर्ष जिले (2011 जनगणना व संसाधन)	न्यूनतम / तुलनात्मक जिले एवं विशेष तथ्य			
प्रमुख पशु नस्लें (पशुधन)	पशुधन में उ.प्र. के बाद देश में 2रा	**गाय की नस्लें:** राठी ('राजस्थान की कामधेनु' - बीकानेर/गंगानगर), थारपारकर (बाड़मेर-जैसलमेर), कांकरेज, गिर, नागौरी	**भैंस:** मुर्रा, सूरती	**भेड़: चोकला** ('भारतीय मेरिनो' - शेखावाटी), नाली, मारवाड़ी, जैसलमेरी	**बकरी:** जखराना (अलवर - सर्वाधिक दूध), बरबरी, मारवाड़ी	**ऊँट:** नाचना (जैसलमेर - सर्वश्रेष्ठ दौड़ने वाला), गोमट (फलौदी)।

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: राजस्थान के 4 भौतिक प्रदेशों में क्षेत्रफल बनाम जनसंख्या का तुलनात्मक वितरण

- **पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार मरुस्थल):** क्षेत्रफल: **61.11%** | जनसंख्या हिस्सा: **40.0%**
- **पूर्वी मैदानी प्रदेश (चंबल-बनास-माही बेसिन):** क्षेत्रफल: **23.00%** | जनसंख्या हिस्सा: **39.0%** (सर्वाधिक जनघनत्व)
- **अरावली पर्वतीय प्रदेश:** क्षेत्रफल: **9.00%** | जनसंख्या हिस्सा: **10.0%**
- **दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार):** क्षेत्रफल: **6.89%** | जनसंख्या हिस्सा: **11.0%**

9.7 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. अरावली की सर्वोच्च चोटियों का सही अवरोही क्रम (ऊपर से नीचे):

★ **ट्रिक:** "गुरु से दिल जरा अचल कुंभा रघुनाथ रखे!"
• 1. **गुरु** शिखर (1722 m) 2. **से**र (1597 m) 3. **दे**लवाड़ा (1442 m) 4. **ज**रगा (1431 m) 5. **अचल**गढ़ (1380 m) 6. **कुंभा** (कुंभलगढ़ - 1224 m) 7. **रघुनाथ**गढ़ (1055 m)।

2. राजस्थान की खारे पानी की झीलें याद करने की ट्रिक:

★ **ट्रिक:** "साड़ी का पल्लू कुत्ता फाड़े रे बाप!"
• **सा** = सांभर (जयपुर) | **ड़ी** = डीडवाना | **का** = कावोद (जैसलमेर) | **प** = पचपदरा (बालोतरा/बाड़मेर) | **लू** = लूणकरणसर (बीकानेर) | **कु** = कुचामन | **ता** = तालछापर (चूरू) | **फा** = फलोदी | **ड़े** = डेगाना | **रे** = रेवासा (सीकर) | **बाप** = बाप झील (फलौदी)।

9.8 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — RPSC RAS, EO/RO, CET, Patwar)

अभ्यास प्रश्न #26 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2023]:** राजस्थान में कौन-सी समवर्षा रेखा अरावली के समानांतर गुजरते हुए राज्य को दो भागों में बाँटती है तथा कौन-सी समवर्षा रेखा शुष्क और अर्ध-शुष्क मरुस्थल को विभाजित करती है?

• **उत्तर एवं व्याख्या: 50 सेमी समवर्षा रेखा** अरावली के सहारे राजस्थान को पूर्वी और पश्चिमी दो भागों में बाँटती है, जबकि **25 सेमी समवर्षा रेखा** पश्चिमी मरुस्थल को शुष्क मरुस्थल और अर्ध-शुष्क बांगर प्रदेश में विभाजित करती है।

अभ्यास प्रश्न #27 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2021 / PSI 2021]:** इंदिरा गांधी नहर की कुल लंबाई कितनी है और इसमें लिफ्ट नहरों की संख्या कितनी है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** इंदिरा गांधी नहर की कुल लंबाई **649 किमी** (204 किमी राजस्थान फीडर + 445 किमी मुख्य नहर) है और इसमें 7 **लिफ्ट नहरें** हैं (जिनमें **चौधरी कुंभाराम आर्य [नोहर-साहवा]** और **कंवर सेन [बीकानेर-लूणकरणसर — सबसे लंबी लिफ्ट नहर]** प्रमुख हैं)।

अभ्यास प्रश्न #28 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2018]:** जनगणना 2011 के अनुसार राजस्थान में महिला साक्षरता दर न्यूनतम किस जिले में है और सर्वाधिक पुरुष साक्षरता किस जिले में है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** न्यूनतम महिला साक्षरता **जालौर (38.5%)** में है और सर्वाधिक पुरुष साक्षरता **झुंझुनू (86.9%)** में है (सर्वाधिक कुल व महिला साक्षरता **कोटा** में है)।

अध्याय 10: उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष का त्वरित मास्टर कैप्सूल

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अध्याय 10: उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष का त्वरित मास्टर कैप्सूल

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
उत्तराखंड राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('देवभूमि' — 27वाँ राज्य)	**हरियाणा राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('गीता की जन्मस्थली एवं खेलों की भूमि' — 17वाँ राज्य)**	**झारखंड राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('वनांचल एवं भारत का रूर प्रदेश' — 28वाँ राज्य)**	**छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('धान का कटोरा' — 26वाँ राज्य)**

10.1 उत्तराखंड राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('देवभूमि' — 27वाँ राज्य)

(उत्तराखंड राज्य बागवानी एवं कृषि प्रोफाइल)

• **गठन एवं राजधानी: 9 नवंबर 2000** को उत्तर प्रदेश के 13 हिमालयी जिलों को पृथक कर **'उत्तरांचल'** के रूप में भारत के **27वें राज्य** का गठन हुआ; **1 जनवरी 2007** से इसका नाम **'उत्तराखंड'** कर दिया गया। **शीतकालीन/अस्थायी राजधानी: देहरादून | ग्रीष्मकालीन राजधानी: गैरसैंण (भराड़ीसैंण, चमोली जिला — मार्च/जून 2020 में घोषित)**।

• **भौगोलिक विस्तार एवं प्रशासनिक संरचना:**

• **कुल क्षेत्रफल: 53,483 वर्ग किमी** (भारत का 1.63%; पर्वतीय क्षेत्र: **86.07%**, मैदानी क्षेत्र: **13.93%**; वनावरण: कुल क्षेत्रफल का लगभग **45.44% से 61.1% रिकॉर्डेड वन क्षेत्र**)।

• **अंतर्राष्ट्रीय सीमा:** उत्तर में **चीन (तिब्बत)** और पूर्व में **नेपाल** (काली/शारदा नदी सीमा बनाती है); चमोली, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ चीन से तथा पिथौरागढ़, चंपावत और ऊधमसिंह नगर नेपाल से लगते हैं (**पिथौरागढ़** चीन और नेपाल दोनों को स्पर्श करता है)।

• **2 मंडल एवं 13 जिले:** (1) **गढ़वाल मंडल (मुख्यालय: पौड़ी — 7 जिले):** देहरादून, हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग। (2) **कुमाऊँ मंडल (मुख्यालय: नैनीताल — 6 जिले):** नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत, ऊधमसिंह नगर।

• **राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011:**

• **विधानसभा सीटें: 70** (आरक्षित: **13 SC + 2 ST** [चकराता-देहरादून एवं नानकमत्ता-ऊधमसिंह नगर]) | **लोकसभा सीटें: 5** (टिहरी, गढ़वाल/पौड़ी, अल्मोड़ा [SC], नैनीताल-ऊधमसिंह नगर, हरिद्वार) | **राज्यसभा सीटें: 3**। **उच्च न्यायालय: नैनीताल** (हल्द्वानी स्थानांतरण प्रक्रियाधीन)।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **सुरजीत सिंह बरनाला** | प्रथम मुख्यमंत्री: **नित्यानंद स्वामी** (अंतरिम) एवं **नारायण दत्त तिवारी** (प्रथम निर्वाचित)।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु — **कस्तूरी मृग** | पक्षी — **मोनाल** | वृक्ष — **बुराँश** | पुष्प — **ब्रह्मकमल** | वाद्ययंत्र — **ढोल** | खेल — **फुटबॉल** | तितली — **कॉमन पीकॉक** | राजभाषा — हिंदी (प्रथम) एवं **संस्कृत (द्वितीय राजभाषा — 2010 से)**।

• **जनगणना 2011:** कुल जनसंख्या: **1,00,86,292** (देश का 0.83%) | घनत्व: **189 व्यक्ति/वर्ग किमी** (सर्वाधिक: हरिद्वार - 801; न्यूनतम: उत्तरकाशी - 41) | लिंगानुपात: **963** (सर्वाधिक: **अल्मोड़ा - 1,139**, रुद्रप्रयाग - 1,114; न्यूनतम: हरिद्वार - 880) | साक्षरता दर: **78.82%** (पुरुष: 87.40%, महिला: 70.01%; सर्वाधिक: देहरादून - 84.25%; न्यूनतम: ऊधमसिंह नगर - 73.10%)। **अल्मोड़ा और पौड़ी गढ़वाल** में 2001–11 के दौरान **ऋणात्मक दशकीय जनसंख्या वृद्धि** दर्ज की गई।

• **पर्वत चोटियाँ, पंच प्रयाग, राष्ट्रीय उद्यान एवं जनजातियाँ:**

• **सर्वोच्च पर्वत चोटियाँ: नंदा देवी पश्चिमी (7,817 मीटर — चमोली जिला, उत्तराखंड की सर्वोच्च एवं भारत के भीतर पूर्णतः स्थित कंचनजंगा के बाद प्रमुख चोटी), कामेट (7,756 मीटर),** नंदा देवी पूर्वी (7,434 मीटर), माणा (7,272 मीटर), बद्रीनाथ (7,140 मीटर), त्रिशूल (7,120 मीटर), पंचाचूली (6,904 मीटर, पिथौरागढ़)।

• **पंच प्रयाग (अलकनंदा नदी के साथ संगम — उत्तर से दक्षिण क्रम):**

1. **विष्णुप्रयाग (चमोली):** अलकनंदा + **धौलीगंगा (विष्णुगंगा)**।

2. **नंदप्रयाग (चमोली):** अलकनंदा + **नंदाकिनी**।

3. **कर्णप्रयाग (चमोली):** अलकनंदा + **पिंडर नदी**।

4. **रुद्रप्रयाग (रुद्रप्रयाग जिला):** अलकनंदा + **मंदाकिनी** (केदारनाथ/चौराबाड़ी ग्लेशियर से निकलने वाली)।

5. **देवप्रयाग (टिहरी गढ़वाल):** अलकनंदा (**'बहू'**) + **भागीरथी (**'सास' — **गंगोत्री के गोमुख से निकलने वाली)** यहीं से नदी का नाम **'गंगा'** पड़ता है। (भागीरथी और भिलंगना के संगम 'गणेश प्रयाग' पर टिहरी में भारत का सबसे ऊँचा **टिहरी बांध — 260.5 मीटर** स्थित है)।

• **6 राष्ट्रीय उद्यान: जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान (नैनीताल व पौड़ी — 1936 में 'हेली नेशनल पार्क' के रूप में स्थापित भारत एवं एशिया का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान; रामगंगा नदी इसके मध्य से बहती है; 1 नवंबर 1973 को यहीं से प्रोजेक्ट टाइगर शुरू हुआ), नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान** (चमोली - 1982, यूनेस्को 1988), **फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान** (चमोली - 1982, फ्रैंक स्माइथ द्वारा 1931 में खोजा गया, यूनेस्को 2005), **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान** (देहरादून-हरिद्वार-पौड़ी, 1983), **गोविंद राष्ट्रीय उद्यान** (उत्तरकाशी - 1980), **गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान** (उत्तरकाशी - 1989 — क्षेत्रफल में उत्तराखंड का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान: 2,390 वर्ग किमी)।

• **5 प्रमुख जनजातियाँ (1967 में अधिसूचित): थारू** (उत्तराखंड की सबसे बड़ी जनजाति — ऊधमसिंह नगर/खटीमा; 'बजहर' पर्व), **जौनसारी** (गढ़वाल की सबसे बड़ी जनजाति — देहरादून का चकराता-कालसी क्षेत्र; 'महासू देवता' व 'बिस्सू' पर्व), **भोटिया** (चमोली, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी — ऋतु प्रवास करने वाली जनजाति), **बोक्सा (बुक्सा), राजी** ('वनरौत' — सबसे छोटी जनजाति, पिथौरागढ़; झूम कृषि एवं काष्ठ शिल्प)। **चिपको आंदोलन (1973–74):** चमोली के **रैणी गाँव** से **गौरा देवी**, चंडी प्रसाद भट्ट और सुंदरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में।

10.2 हरियाणा राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('गीता की जन्मस्थली एवं खेलों की भूमि' — 17वाँ राज्य)

(हरियाणा शासकीय पोर्टल - जिले एवं राज्य प्रोफाइल)

• **गठन एवं राजधानी: 1 नवंबर 1966** को सरदार हुकम सिंह संसदीय समिति एवं **न्यायमूर्ति जे.सी. शाह आयोग** की सिफारिश पर पंजाब से हिंदी भाषी क्षेत्र को पृथक कर **17वें राज्य** के रूप में गठन हुआ (हरियाणा राज्य पोर्टल)। **राजधानी एवं उच्च न्यायालय: चंडीगढ़** (पंजाब व हरियाणा की संयुक्त राजधानी; वास्तुकार: ली कार्बूजिए व पियरे जीनरेट) (लोक भवन हरियाणा पोर्टल)।

• **भौगोलिक विस्तार एवं प्रशासनिक संरचना:**

• **कुल क्षेत्रफल: 44,212 वर्ग किमी** (भारत के कुल क्षेत्रफल का **1.34%**)। उत्तर-पूर्व में शिवालिक पहाड़ियाँ **(करोह चोटी, मोरनी हिल्स, पंचकूला — 1,467 मीटर, हरियाणा की सर्वोच्च चोटी)** और दक्षिण-पश्चिम में अरावली की ढोसी पहाड़ियाँ **(कुलताजपुर, महेंद्रगढ़ — 652 मीटर)**। पूर्व में **यमुना नदी** हरियाणा और उत्तर प्रदेश की 320 किमी लंबी सीमा बनाती है, जबकि उत्तर-पश्चिम में **घग्गर नदी** बहती है।

• **6 प्रशासनिक मंडल एवं 22 जिले:** अंबाला, करनाल, रोहतक (सर्वाधिक 5 जिले), हिसार, गुरुग्राम और फरीदाबाद। **22वाँ नवीनतम जिला: चरखी दादरी** (दिसंबर 2016 में भिवानी से पृथक)। **क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला: सिरसा** (4,277 वर्ग किमी) | **सबसे छोटा जिला: फरीदाबाद** (741 वर्ग किमी)।

• **राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011:**

• **विधानसभा सीटें: 90** (आरक्षित: **17 SC सीटें**, ST = 0) | **लोकसभा सीटें: 10** (आरक्षित: **2 SC** — अंबाला एवं सिरसा) | **राज्यसभा सीटें: 5**।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **धर्मवीर** | प्रथम मुख्यमंत्री: **पं. भगवत दयाल शर्मा** | प्रथम महिला विधानसभा अध्यक्ष: **शन्नो देवी** (भारत की किसी भी विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष)।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु — **काला हिरण (Blackbuck)** | पक्षी — **काला तीतर (Black Francolin)** | वृक्ष — **पीपल** | पुष्प — **कमल** | खेल — **कुश्ती**।

• **जनगणना 2011:** कुल जनसंख्या: **2,53,51,462** (देश का 2.09%; सर्वाधिक: **फरीदाबाद**, न्यूनतम: **पंचकूला**) | घनत्व: **573 व्यक्ति/वर्ग किमी** (सर्वाधिक: फरीदाबाद - 2,442; न्यूनतम: सिरसा - 303) | लिंगानुपात: **879** (भारत के सभी राज्यों में न्यूनतम; सर्वाधिक: **मेवात/नूँह - 907**, न्यूनतम: गुरुग्राम - 854) | शिशु लिंगानुपात: **834** (22 जनवरी 2015 को **पानीपत** से प्रधानमंत्री द्वारा **'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'** अभियान शुरू किया गया, जिसके बाद लिंगानुपात 910+ से ऊपर पहुँचा) | साक्षरता दर: **75.55%** (पुरुष: 84.06% [रेवाड़ी शीर्ष], महिला: 65.94%; सर्वाधिक कुल व महिला साक्षरता: **गुरुग्राम - 84.70%**, न्यूनतम साक्षरता: **मेवात/नूँह - 54.08%**)।

• **ऐतिहासिक स्थल, युद्ध एवं राष्ट्रीय उद्यान:**

• **सिंधु घाटी सभ्यता स्थल: राखीगढ़ी (हिसार — भारत में सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल)**, **बनावली** (फतेहाबाद — मिट्टी का हल व जौ), **भिराना** (फतेहाबाद — सिंधु सभ्यता का प्राचीनतम स्थल), **कुणाल** (फतेहाबाद — चाँदी के दो शाही मुकुट), **मिताथल** (भिवानी), **फरमाना (दक्ष खेड़ा)** (रोहतक), **भगवानपुरा** (कुरुक्षेत्र)।

• **ऐतिहासिक युद्ध: महाभारत का युद्ध** (कुरुक्षेत्र — 18 दिन; ज्योतिसर सरोवर में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया), **तराइन के युद्ध** (1191 व 1192 — करनाल/तरावड़ी), **पानीपत के 3 युद्ध:** (1) **21 अप्रैल 1526** (बाबर बनाम इब्राहिम लोदी), (2) **5 नवंबर 1556** (अकबर/बैरम खाँ बनाम हेमू विक्रमादित्य [रेवाड़ी निवासी]), (3) **14 जनवरी 1761** (अहमद शाह अब्दाली बनाम सदाशिवराव भाऊ मराठा), **करनाल का युद्ध (1739 — नादिरशाह बनाम मुहम्मद शाह रंगीला)**।

• **2 राष्ट्रीय उद्यान एवं 2 रामसर स्थल:** (1) **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (गुरुग्राम — 1991 में नेशनल पार्क व 2021 में रामसर स्थल; डॉ. सलीम अली पक्षी विहार, साइबेरियन सारस हेतु प्रसिद्ध)**, (2) **कलेसर राष्ट्रीय उद्यान (यमुनानगर — 2003; लाल जंगली मुर्गों व साल के वनों हेतु प्रसिद्ध)**; **भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य (झज्जर — हरियाणा का सबसे बड़ा आर्द्रभूमि एवं 2021 में रामसर स्थल)**। प्रमुख उत्सव: **सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला (फरीदाबाद — प्रतिवर्ष फरवरी में)**, **अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव (कुरुक्षेत्र)**। अनुसंधान संस्थान: **राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (NDRI — करनाल, 1955)**, केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान (CIRB — हिसार, मुर्रा भैंस 'काला सोना')।

10.3 झारखंड राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('वनांचल एवं भारत का रूर प्रदेश' — 28वाँ राज्य)

(झारखंड राज्य आधिकारिक प्रोफाइल)

• **गठन एवं राजधानी: 15 नवंबर 2000** (धरती आबा **भगवान बिरसा मुंडा की जयंती** — **'जनजातीय गौरव दिवस'**) को बिहार के दक्षिणी 18 जिलों (45.85% भू-भाग) को पृथक कर **28वें राज्य** के रूप में गठन हुआ (झारखंड एक नजर में - मुख्यमंत्री पोर्टल)। **राजधानी: राँची** ('जलप्रपातों का शहर / झारखंड का शिमला') | **उप-राजधानी: दुमका** | **औद्योगिक राजधानी: जमशेदपुर**।

• **भौगोलिक विस्तार एवं प्रशासनिक संरचना:**

• **कुल क्षेत्रफल: 79,714 वर्ग किमी** (भारत का **2.42%**, 15वाँ स्थान); वनावरण: **29.76%** (23,721 वर्ग किमी; सर्वाधिक वन %: **लातेहार - 56%**, न्यूनतम: **जामताड़ा - 5.85%**)। **कर्क रेखा** राँची के **कांके** से होकर गुजरती है।

• **सर्वोच्च पर्वत शिखर: पारसनाथ पहाड़ी (सम्मेद शिखर, गिरिडीह जिला — 1,365 मीटर / 4,478 फीट)** — जैन धर्म के 24 में से **20 तीर्थंकरों (23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ सहित) की निर्वाण भूमि ('जैन धर्म का मक्का')**।

• **5 प्रमंडल एवं 24 जिले:** (1) **उत्तरी छोटानागपुर** (मुख्यालय: हजारीबाग — सर्वाधिक 7 जिले), (2) **दक्षिणी छोटानागपुर** (मुख्यालय: राँची — 5 जिले), (3) **संथाल परगना** (मुख्यालय: दुमका — 6 जिले), (4) **पलामू** (मुख्यालय: मेदिनीनगर — 3 जिले), (5) **कोल्हान** (मुख्यालय: चाईबासा — नवीनतम प्रमंडल, 3 जिले) (झारखंड राज्य पोर्टल)।

• **राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011:**

• **विधानसभा सीटें: 81** (आरक्षित: **9 SC + 28 ST = कुल 37 आरक्षित सीटें**) | **लोकसभा सीटें: 14** (आरक्षित: **1 SC** [पलामू] + **5 ST** [राजमहल, दुमका, सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा]) | **राज्यसभा सीटें: 6**। **उच्च न्यायालय: राँची** (2000 में स्थापित — भारत का 21वाँ उच्च न्यायालय; धुर्वा में देश का सबसे बड़ा नया हाईकोर्ट परिसर)।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **प्रभात कुमार** | प्रथम मुख्यमंत्री: **बाबूलाल मरांडी** | प्रथम निर्दलीय मुख्यमंत्री: **मधु कोड़ा** | प्रथम विधानसभा अध्यक्ष: **इंदर सिंह नामधारी**।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु — **भारतीय हाथी** | पक्षी — **कोयल** | वृक्ष — **साल (सखुआ)** | पुष्प — **पलाश** | नवीन प्रतीक चिह्न (15 अगस्त 2020 से): वृत्ताकार हरे घेरे में अशोक स्तंभ, 24 हाथी, 24 पलाश फूल और सौरा चित्रकारी के 48 नर्तक।

• **जनगणना 2011:** कुल जनसंख्या: **3,29,88,134** (देश का 2.72%; सर्वाधिक: **राँची**, न्यूनतम: **लोहरदगा**) | घनत्व: **414 व्यक्ति/वर्ग किमी** (सर्वाधिक: **धनबाद - 1,316**, न्यूनतम: **सिमडेगा - 159**) | लिंगानुपात: **948** (सर्वाधिक: **पश्चिमी सिंहभूम - 1,005**, न्यूनतम: धनबाद - 909) | साक्षरता दर: **66.41%** (पुरुष: 76.84%, महिला: 55.42%; सर्वाधिक: **राँची - 76.06%**, न्यूनतम: **पाकुड़ - 48.82%**)।

• **नदियाँ, जलप्रपात, खनिज ('भारत का रूर') एवं 32 जनजातियाँ:**

• **नदियाँ एवं जलप्रपात: दामोदर नदी** (लातेहार के टोरी से उद्गम — झारखंड की सबसे लंबी व सबसे प्रदूषित नदी, 'बंगाल का शोक'; भारत की प्रथम बहुउद्देशीय परियोजना **दामोदर घाटी निगम [DVC — 7 जुलाई 1948]** में तिलैया, मैथन [बराकर नदी], कोनार व पंचायत बांध शामिल हैं), **स्वर्णरेखा नदी** (राँची के नगड़ी से उद्गम — बंगाल की खाड़ी में स्वतंत्र रूप से गिरने वाली झारखंड की एकमात्र नदी; **हुंडरू जलप्रपात — 98 मीटर**, **चांडिल बांध** एवं **जमशेदपुर [TISCO — 1907]** इसी के तट पर हैं), **बूढ़ाघाघ (लोध) जलप्रपात** (लातेहार में बूढ़ा नदी पर — **143 मीटर, झारखंड का सबसे ऊँचा जलप्रपात**), दशम जलप्रपात (काँची नदी), जोन्हा/गौतमधारा (राढू नदी)।

• **खनिज संपदा (भारत के कुल खनिज संसाधनों का ~40%): कोयला** (झरिया [धनबाद — भारत का सबसे बड़ा कोकिंग कोल क्षेत्र], बोकारो, कर्णपुरा, गिरिडीह — देश का ~32% भंडार), **यूरेनियम (जादूगोड़ा, तुरामडीह व नरवापहाड़ — पूर्वी सिंहभूम; भारत की प्रथम यूरेनियम खदान)**, **अभ्रक (कोडरमा एवं झुमरीतिलैया — 'भारत की अभ्रक राजधानी', रूबी अभ्रक)**, **लौह अयस्क (नोवामुंडी व गुआ — पश्चिमी सिंहभूम)**, **तांबा (घाटशिला व मुसाबनी — पूर्वी सिंहभूम)**, बॉक्साइट (लोहरदगा)। **एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान: बेतला राष्ट्रीय उद्यान (लातेहार — 1986; पलामू टाइगर रिजर्व, जहाँ 1932 में विश्व की प्रथम बाघ गणना हुई)**।

• **32 जनजातियाँ (कुल जनसंख्या का 26.2% — 8 आदिम जनजातियाँ [PVTGs: असुर, बिरहोर, बिरजिया, कोरवा, माल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया, सबर, परहिया]): संथाल** (झारखंड की **सबसे बड़ी जनजाति ~34%**; भाषा: संथाली [92वाँ संशोधन 2003 से 8वीं अनुसूची में], लिपि: **'ओल चिकी'** [आविष्कारक: पं. रघुनाथ मुर्मू]; युवागृह: **'घोटुल/गीतिओड़ा'**, सर्वोच्च देवता: **सिंगबोंगा**, वधूमूल्य: **'पोन'**, कठोरतम सजा: **'बिटलाहा'**), **उराँव** (दूसरी सबसे बड़ी — भाषा: कुड़ुख, युवागृह: **'धुमकुरिया'**), **मुंडा** (तीसरी सबसे बड़ी — खूँटकट्टी प्रथा), **हो**। प्रमुख पर्व: **सरहुल** (चैत्र माह में साल वृक्ष के फूलों का सबसे बड़ा प्रकृति पर्व), **करमा, सोहराय** (पशु पूजा एवं सोहराय-कोहबर चित्रकला [GI टैग]), **टुसू, छऊ नृत्य** (सरायकेला शैली)। भूमि कानून: **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act — 11 नवंबर 1908, प्रारूपकार: जॉन बैम्पफील्ड हॉफमैन)** एवं **संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (SPT Act — 1949)**।

10.4 छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष मास्टर कैप्सूल ('धान का कटोरा' — 26वाँ राज्य)

• **गठन एवं राजधानी: 1 नवंबर 2000** को मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के तहत मध्य प्रदेश के 16 दक्षिणी-पूर्वी जिलों (30.47% भू-भाग) को पृथक कर **26वें राज्य** के रूप में गठन हुआ। **राजधानी: रायपुर (नवा रायपुर अटल नगर)** | **उच्च न्यायालय: बिलासपुर (बोधरी — देश का 19वाँ उच्च न्यायालय)**।

• **भौगोलिक विस्तार एवं प्रशासनिक संरचना:**

• **कुल क्षेत्रफल: 1,35,192 वर्ग किमी** (भारत का **4.11%**, 9वाँ स्थान; वनावरण: **41.21%** [55,717 वर्ग किमी] — क्षेत्रफल में म.प्र. व अरुणाचल के बाद **देश में तीसरा स्थान**)। आकृति: **समुद्री घोड़ा (Sea-horse / Hippocampus)** के समान। **7 राज्यों** (उ.प्र., झारखंड, ओडिशा [सर्वाधिक लंबी सीमा], आंध्र प्रदेश [न्यूनतम सीमा], तेलंगाना, महाराष्ट्र, म.प्र.) से सीमा लगती है। **कर्क रेखा** एवं **भारतीय मानक समय रेखा (82°30' पूर्वी देशांतर)** दोनों छत्तीसगढ़ से गुजरती हैं और **सूरजपुर/कोरिया** क्षेत्र में एक-दूसरे को काटती हैं।

• **4 भौतिक प्रदेश:** (1) पूर्वी बघेलखंड का पठार, (2) **जशपुर-सामरी पाट प्रदेश** (बलरामपुर जिले की सामरी पाट में स्थित **गौरलाटा चोटी — 1,225 मीटर, छत्तीसगढ़ की सर्वोच्च पर्वत चोटी**; मैनपाट [सरगुजा] को **'छत्तीसगढ़ का शिमला'** कहते हैं), (3) **महानदी बेसिन (छत्तीसगढ़ का मैदान — पंखाकार आकृति, 'धान का कटोरा')**, (4) **दंडकारण्य का पठार** (बस्तर संभाग — बैलाडीला की पहाड़ियों में **नंदीराज चोटी — 1,210 मीटर**)।

• **5 संभाग एवं 33 जिले:** रायपुर, बिलासपुर (सर्वाधिक 8 जिले), दुर्ग, बस्तर (मुख्यालय: जगदलपुर — क्षेत्रफल में सबसे बड़ा) और सरगुजा (मुख्यालय: अंबिकापुर)।

• **राजव्यवस्था एवं जनगणना 2011:**

• **विधानसभा सीटें: 90** (आरक्षित: **10 SC + 29 ST = कुल 39 आरक्षित सीटें**) | **लोकसभा सीटें: 11** (आरक्षित: **1 SC** [जांजगीर-चांपा] + **4 ST** [सरगुजा, रायगढ़, बस्तर, कांकेर]) | **राज्यसभा सीटें: 5**।

• **प्रथम पदाधिकारी:** प्रथम राज्यपाल: **दिनेश नंदन सहाय** | प्रथम मुख्यमंत्री: **अजीत जोगी** | प्रथम विधानसभा अध्यक्ष: **राजेंद्र प्रसाद शुक्ल**।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु — **वन भैंसा (Wild Buffalo)** | पक्षी — **पहाड़ी मैना (Hill Myna)** | वृक्ष — **साल (सरई)** | राजकीय गीत — 'अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार' (रचयिता: डॉ. नरेंद्र देव वर्मा)।

• **जनगणना 2011:** कुल जनसंख्या: **2,55,45,198** (देश का 2.11%) | घनत्व: **189 व्यक्ति/वर्ग किमी** | लिंगानुपात: **991** (देश के राज्यों में केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व मणिपुर के बाद **5वाँ स्थान**; ग्रामीण लिंगानुपात 1,001; सर्वाधिक: **कोंडागाँव - 1,033 / दंतेवाड़ा - 1,023**) | साक्षरता दर: **70.28%** (पुरुष: 80.27%, महिला: 60.24%; सर्वाधिक: **दुर्ग**, न्यूनतम: **सुकमा/बीजापुर**)।

• **नदियाँ, जलप्रपात, खनिज ('टिन पर एकाधिकार') एवं जनजातियाँ:**

• **महानदी ('छत्तीसगढ़ की जीवनरेखा / गंगा' — प्राचीन नाम: चित्रोत्पला, कनकनंदिनी, नीलोत्पला): धमतरी जिले के सिहावा पर्वत (फरसिया गाँव)** से निकलती है (कुल लंबाई 858 किमी, छत्तीसगढ़ में 286 किमी); प्रमुख सहायक नदियाँ: **शिवनाथ** (छत्तीसगढ़ में बहने वाली सबसे लंबी नदी — 290 किमी), हसदेव (कोरबा में **मिनीमाता बांगो बांध — राज्य का सबसे ऊँचा बांध, 87 मीटर**), मांड, पैरी, सोंढूर, जोंक। **इंद्रावती नदी ('बस्तर की जीवनरेखा'):** जगदलपुर (बस्तर) में इस पर **चित्रकोट जलप्रपात** स्थित है, जिसे घोड़े की नाल के समान चौड़ाई के कारण **'भारत का नियाग्रा जलप्रपात' (Niagara of India)** कहा जाता है। **तीरथगढ़ जलप्रपात** (मुनगाबहार नदी, कांगेर घाटी) एवं **अमृतधारा जलप्रपात**।

• **खनिज संपदा: टिन (Tin / कैसिटेराइट — दंतेवाड़ा, सुकमा व बस्तर; भारत में टिन के उत्पादन में छत्तीसगढ़ का 100% एकाधिकार है), लौह अयस्क (बैलाडीला की खदान, दंतेवाड़ा — विश्व की सबसे बड़ी मशीनीकृत लौह अयस्क खदान, जहाँ से विशाखापत्तनम बंदरगाह के माध्यम से जापान को हेमेटाइट लौह अयस्क निर्यात होता है; तथा रावघाट व दल्ली-राजहरा [भिलाई इस्पात संयंत्र — 1955, सोवियत संघ के सहयोग से]), कोयला (कोरबा — 'छत्तीसगढ़ की ऊर्जा राजधानी' एवं गेवरा खदान — एशिया की सबसे बड़ी खुली कोयला खदान), बॉक्साइट** (मैनपाट व फुटका पहाड़; कोरबा में BALCO — 1965), **हीरा** (गरियाबंद - पायलीखंड व मैनपुर)।

• **3 राष्ट्रीय उद्यान:** (1) **इंद्रावती (कुटरू) राष्ट्रीय उद्यान** (बीजापुर - 1978, टाइगर रिजर्व), (2) **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान** (बस्तर - 1982; सबसे छोटा, कुटुमसर की अंधी मछली वाली गुफाएँ व पहाड़ी मैना संरक्षण), (3) **गुरु घासीदास (संजय) राष्ट्रीय उद्यान** (कोरिया-मनेंद्रगढ़-सूरजपुर - 1981; क्षेत्रफल में सबसे बड़ा व नवीनतम टाइगर रिजर्व)। इसके अतिरिक्त **अचानकमार (मुंगेली)** और **उदंती-सीतानदी** टाइगर रिजर्व हैं।

• **42 जनजातियाँ (कुल जनसंख्या का 30.62% — गोंड सबसे बड़ी जनजाति; 5 केंद्र घोषित PVTGs [अबुझमाड़िया, बैगा, बिरहोर, कमार, पहाड़ी कोरवा] + 2 राज्य घोषित [भुंजिया, पंडो]): बस्तर दशहरा** (75 दिनों तक चलने वाला विश्व का सबसे लंबा पर्व — दंतेश्वरी माता की रथ यात्रा, जिसमें रावण वध नहीं होता), **मड़ई मेला** (नारायणपुर), **गोंचा पर्व** (जगदलपुर), **हरेली** (प्रथम कृषि पर्व), **छेरछेरा**। लोककला: **पंडवानी गायन** (महाभारत की कथा — **पद्मविभूषण तीजन बाई** [कापालिक शैली] एवं झाड़ूराम देवांगन [वेदमती शैली]), **सुआ नृत्य, राउत नाचा, पंथी नृत्य** (सतनामी संप्रदाय — गुरु घासीदास जी; देवदास बंजारे), **गौर नृत्य** (माड़िया जनजाति — वैरियर एल्विन ने इसे **'विश्व का सबसे सुंदर जनजातीय नृत्य'** कहा), **घड़वा धातु शिल्प (ढोकरा कला — बस्तर)**।

10.5 अध्याय 10 का 4-नोड वैचारिक आरेख (4-Node Conceptual Diagram)

[नोड 1: उत्तराखंड (9 नवंबर 2000 - 27वाँ)] ⟶ (13 जिले [देहरादून/गैरसैंण] | नंदा देवी 7817m, पंच प्रयाग, टिहरी बांध 260.5m | जिम कॉर्बेट [1936], थारू-जौनसारी-भोटिया व चिपको आंदोलन)
|
▼
[नोड 2: हरियाणा (1 नवंबर 1966 - 17वाँ)] ⟶ (22 जिले [चंडीगढ़] | राखीगढ़ी-बनावली, कुरुक्षेत्र, पानीपत व तराइन युद्ध | सुल्तानपुर व कलेसर पार्क | खेल, मुर्रा भैंस व सूरजकुंड मेला)
|
▼
[नोड 3: झारखंड (15 नवंबर 2000 - 28वाँ)] ⟶ (24 जिले [राँची/दुमका] | पारसनाथ 1365m, दामोदर व स्वर्णरेखा [हुंडरू] | झरिया कोयला, जादूगोड़ा यूरेनियम, कोडरमा अभ्रक | संथाल-मुंडा-उराँव व CNT एक्ट)
|
▼
[नोड 4: छत्तीसगढ़ (1 नवंबर 2000 - 26वाँ)] ⟶ (33 जिले [रायपुर] | गौरलाटा 1225m, महानदी व इंद्रावती [चित्रकोट नियाग्रा] | दंतेवाड़ा: 100% टिन व बैलाडीला लौह | बस्तर दशहरा, पंडवानी व पंथी नृत्य)

10.6 चारों राज्यों (उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड, छत्तीसगढ़) की मास्टर तुलनात्मक सारणी

मानक / संकेतक	उत्तराखंड (UKPSC)	हरियाणा (HPSC)	झारखंड (JPSC)	छत्तीसगढ़ (CGPSC)
गठन तिथि एवं क्रम	**9 नवंबर 2000** (27वाँ राज्य, उ.प्र. से)	**1 नवंबर 1966** (17वाँ राज्य, पंजाब से)	**15 नवंबर 2000** (28वाँ राज्य, बिहार से)	**1 नवंबर 2000** (26वाँ राज्य, म.प्र. से)
राजधानी एवं हाईकोर्ट	देहरादून (शीत) / गैरसैंण (ग्रीष्म)	हाईकोर्ट: **नैनीताल**	चंडीगढ़	हाईकोर्ट: **चंडीगढ़**
क्षेत्रफल एवं जिले/मंडल	53,483 वर्ग किमी	**2 मंडल, 13 जिले**	44,212 वर्ग किमी	**6 मंडल, 22 जिले**
विधानसभा / लो.स. / रा.स.	**70** (13 SC, 2 ST) / **5** / **3**	**90** (17 SC, 0 ST) / **10** / **5**	**81** (9 SC, 28 ST) / **14** / **6**	**90** (10 SC, 29 ST) / **11** / **5**
सर्वोच्च पर्वत चोटी	**नंदा देवी पश्चिमी** (7,817 m, चमोली)	**करोह चोटी** (1,467 m, मोरनी हिल्स, पंचकूला)	**पारसनाथ (सम्मेद शिखर)** (1,365 m, गिरिडीह)	**गौरलाटा चोटी** (1,225 m, सामरी पाट, बलरामपुर)
प्रमुख नदियाँ एवं बांध	भागीरथी (टिहरी बांध), अलकनंदा, काली, टोंस	यमुना (हथिनीकुंड), घग्गर (ओट्टू बैराज), साहिबी	दामोदर (DVC), स्वर्णरेखा (चांडिल), बराकर (मैथन)	महानदी (गंगरेल), शिवनाथ, हसदेव (बांगो), इंद्रावती
जनसंख्या एवं घनत्व (2011)	1.00 करोड़	घनत्व: **189**	2.53 करोड़	घनत्व: **573**
लिंगानुपात एवं साक्षरता (2011)	लिंगानुपात: **963**	साक्षरता: **78.82%**	लिंगानुपात: **879**	साक्षरता: **75.55%**
राष्ट्रीय उद्यान	कॉर्बेट (1936), नंदा देवी, फूलों की घाटी, राजाजी, गंगोत्री, गोविंद	सुल्तानपुर (गुरुग्राम), कलेसर (यमुनानगर)	बेतला राष्ट्रीय उद्यान (लातेहार)	इंद्रावती (बीजापुर), कांगेर घाटी (बस्तर), गुरु घासीदास
प्रमुख खनिज एवं जनजातियाँ	मैग्नेसाइट, सोपस्टोन	थारू, जौनसारी, भोटिया, बोक्सा, राजी (उत्तराखंड प्रोफाइल)	स्लेट (रेवाड़ी), चूना पत्थर (महेंद्रगढ़)	जनजाति: शून्य (0%) (हरियाणा पोर्टल)

मानक / संकेतक	राँची (उप: दुमका)	हाईकोर्ट: **राँची**	रायपुर (नवा रायपुर)	हाईकोर्ट: **बिलासपुर**
गठन तिथि एवं क्रम				
राजधानी एवं हाईकोर्ट				
क्षेत्रफल एवं जिले/मंडल	79,714 वर्ग किमी	**5 प्रमंडल, 24 जिले**	1,35,192 वर्ग किमी	**5 संभाग, 33 जिले**
विधानसभा / लो.स. / रा.स.				
सर्वोच्च पर्वत चोटी				
प्रमुख नदियाँ एवं बांध				
जनसंख्या एवं घनत्व (2011)	3.29 करोड़	घनत्व: **414**	2.55 करोड़	घनत्व: **189**
लिंगानुपात एवं साक्षरता (2011)	लिंगानुपात: **948**	साक्षरता: **66.41%**	लिंगानुपात: **991**	साक्षरता: **70.28%**
राष्ट्रीय उद्यान				
प्रमुख खनिज एवं जनजातियाँ	कोयला (झरिया), यूरेनियम (जादूगोड़ा), अभ्रक (कोडरमा)	संथाल, उराँव, मुंडा, हो (झारखंड पोर्टल)	टिन (100% दंतेवाड़ा), लौह (बैलाडीला), कोयला (कोरबा)	गोंड, अबुझमाड़िया, कमार, बैगा

प्रमुख घटकों का तुलनात्मक अनुपात (%) विश्लेषण: चारों राज्यों में वनावरण प्रतिशत (ISFR) एवं अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या प्रतिशत की तुलना

- **उत्तराखंड:** वनावरण %: **45.44%** | ST जनसंख्या %: **2.89%**
- **छत्तीसगढ़:** वनावरण %: **41.21%** | ST जनसंख्या %: **30.62%**
- **झारखंड:** वनावरण %: **29.76%** | ST जनसंख्या %: **26.21%**

• **हरियाणा:** वनावरण %: [redacted] **3.63%** (भारत में न्यूनतम वनावरण % वाला राज्य) | ST जनसंख्या %: **0.00%** (अधिसूचित ST जनसंख्या शून्य)

10.8 स्मृति ट्रिक्स (Memory Tricks / Mnemonics)

1. सन् 2000 में गठित तीन नए राज्यों का सही कालक्रम एवं क्रम संख्या:

★ **ट्रिक:** "1-9-15 नवंबर 2000 को **छ-उ-झ** (26-27-28वाँ राज्य) बने!"
• **1 नवंबर 2000:** छत्तीसगढ़ (26वाँ राज्य — म.प्र. से)
• **9 नवंबर 2000:** उत्तराखंड (27वाँ राज्य — उ.प्र. से)
• **15 नवंबर 2000:** झरखंड (28वाँ राज्य — बिहार से)

2. उत्तराखंड के पंच प्रयाग (अलकनंदा में मिलने वाली नदियाँ — उत्तर से दक्षिण):

★ **ट्रिक:** "विष्णु-धौली, नंद-नंदा, कर्ण-पिंडर, रुद्र-मंदा और देव-भागीरथी मिलकर बनी गंगा!"
• **विष्णु**प्रयाग (अलकनंदा + धौलीगंगा) **नंद**प्रयाग (+ नंदाकिनी) **कर्ण**प्रयाग (+ पिंडर) **रुद्र**प्रयाग (+ मंदाकिनी) **देव**प्रयाग (+ भागीरथी = गंगा)।

10.9 विगत वर्षों के हल प्रश्न (PYQs — UKPSC, HPSC, JPSC, CGPSC)

अभ्यास प्रश्न #29 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [UKPSC Pre 2022]:** उत्तराखंड की सबसे बड़ी अनुसूचित जनजाति कौन-सी है और चिपको आंदोलन की शुरुआत चमोली के किस गाँव से हुई थी?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** उत्तराखंड की कुल जनसंख्या के हिसाब से सबसे बड़ी जनजाति **थारू** (कुमाऊँ/ऊधमसिंह नगर) है (जबकि गढ़वाल क्षेत्र की सबसे बड़ी जनजाति **जौनसारी** है); चिपको आंदोलन की शुरुआत 1973–74 में चमोली जिले के **रैणी गाँव** से **गौरा देवी** के नेतृत्व में हुई थी।

अभ्यास प्रश्न #30 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [HPSC HCS Pre 2023]:** हरियाणा में स्थित सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल कौन-सा है तथा हरियाणा के किन दो स्थलों को 2021 में रामसर आर्द्रभूमि घोषित किया गया?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा भारतीय स्थल **राखीगढ़ी (हिसार)** है; हरियाणा के दो रामसर स्थल **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (गुरुग्राम)** और **भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य (झज्जर)** हैं।

अभ्यास प्रश्न #31 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [JPSC Pre 2021 / 2024]:** छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act) कब लागू हुआ तथा संथाल जनजाति के सर्वोच्च देवता और युवागृह को क्या कहा जाता है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** CNT Act **11 नवंबर 1908** को लागू हुआ (प्रारूपकार: फादर जॉन बैम्पफील्ड हॉफमैन); संथालों के सर्वोच्च देवता **सिंगबोंगा** हैं, युवागृह को **घोटुल (गीतिओड़ा)** और वधूमूल्य को **पोन** कहा जाता है (जबकि **उराँव** जनजाति के युवागृह को **धुमकुरिया** कहते हैं)।

अभ्यास प्रश्न #32 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

4. **प्रश्न [CGPSC Pre 2023]:** भारत में टिन (Tin) अयस्क के उत्पादन में एकाधिकार रखने वाला राज्य और जिला कौन-सा है तथा 'भारत का नियाग्रा' किस जलप्रपात को कहा जाता है?

• **उत्तर एवं व्याख्या:** भारत में **टिन (कैसिटेराइट)** के उत्पादन में **छत्तीसगढ़ (दंतेवाड़ा व सुकमा जिला)** का 100% एकाधिकार है; बस्तर (जगदलपुर) में इंद्रावती नदी पर स्थित **चित्रकोट जलप्रपात** को **'भारत का नियाग्रा'** कहा जाता है।

त्वरित अखिल राज्य तुलनात्मक पुनरीक्षण सारणी (8 राज्यों का एकदृष्टि समग्र मैट्रिक्स)

राज्य	गठन / स्थापना तिथि	क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	जिले / मंडल	विधानसभा / लो.स. / रा.स.	जनसंख्या 2011 (करोड़)	घनत्व	लिंगानुपात	साक्षरता (%)	राजकीय पशु / पक्षी / वृक्ष
उत्तर प्रदेश	24 जनवरी 1950	2,40,928 (4था)	75 / 18	403 (प. 100) / 80 / 31	19.98 (1ला)	829	912	67.72%	बारहसिंगा / सारस / अशोक
बिहार	22 मार्च 1912	94,163 (12वाँ)	38 / 9	243 (प. 75) / 40 / 16	10.41 (3रा)	1,106	918	61.80%	गौर (बैल) / गौरैया / पीपल
मध्य प्रदेश	1 नवंबर 1956	3,08,252 (2रा)	55 / 10	230 / 29 / 11	7.26 (5वाँ)	236	931	69.32%	बारहसिंगा / दूधराज / बरगद
राजस्थान	30 मार्च 1949 / 1 नव. 1956	3,42,239 (1ला)	41 (33*) / 7-10	200 / 25 / 10	6.85 (7वाँ)	200	928	66.11%	चिंकारा व ऊँट / गोडावण / खेजड़ी
उत्तराखंड	9 नवंबर 2000 (27वाँ)	53,483	13 / 2	70 / 5 / 3	1.01	189	963	78.82%	कस्तूरी मृग / मोनाल / बुराँश
हरियाणा	1 नवंबर 1966 (17वाँ)	44,212	22 / 6	90 / 10 / 5	2.54	573	879	75.55%	काला हिरण / काला तीतर / पीपल
झारखंड	15 नवंबर 2000 (28वाँ)	79,714	24 / 5	81 / 14 / 6	3.30	414	948	66.41%	हाथी / कोयल / साल
छत्तीसगढ़	1 नवंबर 2000 (26वाँ)	1,35,192 (9वाँ)	33 / 5	90 / 11 / 5	2.55	189	991	70.28%	वन भैंसा / पहाड़ी मैना / साल

परिशिष्ट क: उत्तर प्रदेश के समस्त 75 जिलों की मंडलवार मास्टर डायरेक्टरी (ODOP, मुख्यालय, नदियाँ एवं विशेष पहचान)

(यूपी एमएसएमई एवं ओडीओपी पोर्टल तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति 2026)

क्र.	जिला	मंडल	जिला मुख्यालय	प्रमुख नदी	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख परीक्षा-उपयोगी पहचान एवं ऐतिहासिक/भौगोलिक तथ्य
1	**लखनऊ**	लखनऊ	लखनऊ	गोमती	चिकनकारी एवं जरी-जरदोजी	नवाबों का शहर, बड़ा इमामबाड़ा, CDRI, NBRI, भातखंडे संस्कृति विवि, 1857 बेगम हजरत महल।
2	**उन्नाव**	लखनऊ	उन्नाव	गंगा, सई	जरी-जरदोजी एवं चर्म उत्पाद	शहीद चंद्रशेखर आजाद (नवाबगंज) पक्षी विहार (प्रथम पक्षी विहार), निराला जी की कर्मभूमि।
3	**रायबरेली**	लखनऊ	रायबरेली	गंगा, सई	काष्ठ शिल्प (Wood Craft)	समसपुर पक्षी विहार (रामसर स्थल), आधुनिक रेल कोच फैक्ट्री (लालगंज), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (फुरसतगंज)।
4	**सीतापुर**	लखनऊ	सीतापुर	गोमती, शारदा	दरी (कालीन)	नैमिषारण्य तीर्थ (88,000 ऋषियों की तपोभूमि, चक्रतीर्थ, दधीचि कुंड), सर्वाधिक SC जनसंख्या वाला जिला।
5	**हरदोई**	लखनऊ	हरदोई	रामगंगा, गर्रा	हथकरघा (Handloom)	सांडी पक्षी विहार (रामसर स्थल), भक्त प्रह्लाद व हिरण्यकशिपु से संबद्ध पौराणिक नगरी ('हरिद्रोही')।
6	**लखीमपुर खीरी**	लखनऊ	लखीमपुर	शारदा, घाघरा	जनजातीय शिल्प एवं गुड़	क्षेत्रफल में उ.प्र. का सबसे बड़ा जिला (7,680 वर्ग किमी), दुधवा नेशनल पार्क, गोला गोकर्णनाथ ('छोटी काशी')।
7	**कानपुर नगर**	कानपुर	कानपुर	गंगा, पांडो	चमड़ा उत्पाद	उत्तर भारत का मैनचेस्टर, IIT कानपुर, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR), राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (NSI), भीतरगाँव गुप्तकालीन मंदिर।

क्र.	जिला	मंडल	जिला मुख्यालय	प्रमुख नदी	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख परीक्षा-उपयोगी पहचान एवं ऐतिहासिक/भौगोलिक तथ्य
8	**कानपुर देहात**	कानपुर	अकबरपुर माती	यमुना, सेंगर	एल्युमिनियम बर्तन	बिठूर/रसूलाबाद क्षेत्र, प्लास्टिक सिटी (दिबियापुर सीमा), औद्योगिक विकास केंद्र।
9	**इटावा**	कानपुर	इटावा	यमुना, चंबल	वस्त्र उद्योग (सिलाई-कढ़ाई)	चंबल राष्ट्रीय अभयारण्य, लॉयन सफारी (बब्बर शेर प्रजनन केंद्र), सरसई नावर झील (रामसर स्थल), सर्वाधिक अवनालिका अपरदन (बीहड़)।
10	**फर्रुखाबाद**	कानपुर	फतेहगढ़	गंगा, रामगंगा	वस्त्र छपाई (Block Printing)	महादेवी वर्मा की जन्मस्थली, संकिसा (बौद्ध तीर्थ), कांपिल्य (दक्षिणी पांचाल की राजधानी, जैन तीर्थ व द्रौपदी स्वयंवर स्थल)।
11	**कन्नौज**	कानपुर	कन्नौज	गंगा, काली	इत्र (Perfume)	इत्र नगरी (महोदय श्री / कान्यकुब्ज), सम्राट हर्षवर्धन की राजधानी, लाख बहोसी पक्षी विहार (सबसे बड़ा पक्षी विहार)।
12	**औरैया**	कानपुर	औरैया	यमुना, सेंगर	देसी घी (दूध प्रसंस्करण)	दिबियापुर में NTPC गैस आधारित ताप विद्युत परियोजना व GAIL पेट्रोकेमिकल संयंत्र, उच्च साक्षरता दर।
13	**मेरठ**	मेरठ	मेरठ	हिंडन, गंगा	खेल का सामान	10 मई 1857 क्रांति की शुरुआत, आलमगीरपुर (हड़प्पा स्थल), नौचंदी मेला, कैंची नगरी, मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय (सरधना)।
14	**गाजियाबाद**	मेरठ	गाजियाबाद	हिंडन	अभियांत्रिकी सामान (Engineering)	उ.प्र. में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व (3,971) व सर्वाधिक नगरीकरण (67.55%), 'छोटा दिल्ली', हिंडन एयरबेस।
15	**गौतमबुद्ध नगर**	मेरठ	नोएडा	यमुना, हिंडन	रेडीमेड गारमेंट्स	सर्वाधिक साक्षरता (80.12%), सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर), ओखला पक्षी विहार, फिल्म सिटी।
16	**बुलंदशहर**	मेरठ	बुलंदशहर	गंगा, काली	सिरेमिक उत्पाद (खुर्जा पॉटरी)	नरौरा परमाणु विद्युत संयंत्र (1991 — उ.प्र. का एकमात्र परमाणु ऊर्जा केंद्र), खुर्जा ('सिरेमिक सिटी'), आहार पुरातात्विक स्थल।
17	**बागपत**	मेरठ	बागपत	यमुना, हिंडन	होम फर्निशिंग (हथकरघा)	सनौली पुरातात्विक स्थल (ताम्र-रथ), पुरा महादेव मंदिर, न्यूनतम SC व न्यूनतम ST जनसंख्या एवं न्यूनतम शिशु लिंगानुपात (841)।
18	**हापुड़**	मेरठ	हापुड़	गंगा	होम फर्निशिंग	क्षेत्रफल में उ.प्र. का सबसे छोटा जिला (660 वर्ग किमी), गढ़मुक्तेश्वर गंगा मेला, पिलखुवा हैंडलूम नगरी।
19	**अयोध्या**	अयोध्या	अयोध्या	सरयू (घाघरा)	गुड़ (Jaggery)	श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, कोशल महाजनपद की राजधानी साकेत, बहू बेगम का मकबरा, आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि।
20	**सुल्तानपुर**	अयोध्या	सुल्तानपुर	गोमती	मूंज उत्पाद	कुशभवनपुर (भगवान राम के पुत्र कुश द्वारा स्थापित), पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर कूरेभार एयरस्ट्रिप।
21	**बाराबंकी**	अयोध्या	बाराबंकी	घाघरा, गोमती	वस्त्र उत्पाद (स्टोल/स्कार्फ)	देवा शरीफ (सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की दरगाह), लोधेश्वर महादेव, पारिजात वृक्ष (किंतूर), अफीम/मेंथा उत्पादन।
22	**अंबेडकर नगर**	अयोध्या	अकबरपुर	घाघरा, तमसा	वस्त्र उत्पाद (टांडा टेरीकॉट)	किछौछा शरीफ (सैयद मखदूम अशरफ जहाँगीर), गोविंद साहब मेला, NTPC टांडा ताप विद्युत गृह।
23	**अमेठी**	अयोध्या	गौरीगंज	गोमती, सई	मूंज उत्पाद	कोरवा आयुध कारखाना (AK-203 राइफल निर्माण), राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान (जायस), मलिक मोहम्मद जायसी की जन्मस्थली।
24	**मुरादाबाद**	मुरादाबाद	मुरादाबाद	रामगंगा	धातु शिल्प (पीतल बर्तन)	पीतल नगरी (Brass City), डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी, हस्तशिल्प निर्यात का प्रमुख केंद्र।
25	**रामपुर**	मुरादाबाद	रामपुर	कोसी, रामगंगा	पैचवर्क के साथ एप्लिक वर्क व चाकू	चाकू नगरी, रजा लाइब्रेरी (नवाब फैजुल्लाह खाँ द्वारा 1774 में स्थापित पांडुलिपि संग्रहालय), आर्यभट्ट नक्षत्रशाला।
26	**बिजनौर**	मुरादाबाद	बिजनौर	गंगा, रामगंगा	काष्ठ कला (Wood Craft)	गंगा व रामगंगा का उ.प्र. में प्रवेश द्वार, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व, हैदरपुर वेटलैंड (रामसर स्थल), महात्मा विदुर की तपोभूमि, माहीगीर जनजाति।
27	**अमरोहा**	मुरादाबाद	अमरोहा	गंगा, बान	वाद्ययंत्र (ढोलक) एवं रेडीमेड वस्त्र	अमरोहा ढोलक (GI टैग), कमाल अमरोही व जौन एलिया की जन्मभूमि, तिगरी गंगा मेला।

क्र.	जिला	मंडल	जिला मुख्यालय	प्रमुख नदी	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख परीक्षा-उपयोगी पहचान एवं ऐतिहासिक/भौगोलिक तथ्य
28	**संभल**	मुरादाबाद	बहजोई	गंगा, सोत	हस्तशिल्प (हॉर्न एंड बोन / सींग-हड्डी)	पृथ्वीराज चौहान की ऐतिहासिक राजधानी, कल्कि धाम मंदिर (ऐंचोड़ा कंबोह), संभल हॉर्न क्राफ्ट (GI टैग)।
29	**आगरा**	आगरा	आगरा	यमुना, चंबल	चमड़ा उत्पाद एवं स्टोन मार्वल	ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी (तीनों यूनेस्को धरोहर), सूर सरोवर/कीठम झील (रामसर स्थल), बटेश्वर मेला, केंद्रीय कुष्ठ संस्थान (JALMA)।
30	**मथुरा**	आगरा	मथुरा	यमुना	स्वच्छता संबंधी उपकरण व ठाकुरजी पोशाक	सर्वाधिक 86 मेले, शूरसेन महाजनपद राजधानी, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (मखदूम), मथुरा तेल शोधक कारखाना (IOCL), हाथी अस्पताल (चुरमुरा)।
31	**फिरोजाबाद**	आगरा	फिरोजाबाद	यमुना	काँच के उत्पाद (चूड़ियाँ)	सुहाग नगरी / काँच नगरी, चंद्रवाड़ का ऐतिहासिक जैन तीर्थ।
32	**मैनपुरी**	आगरा	मैनपुरी	ईसन, काली	तारकशी कला (लकड़ी पर पीतल तार जड़ना)	समन पक्षी विहार (रामसर स्थल), मैनपुरी तारकशी (GI टैग), महाराजा तेजसिंह का किला।
33	**प्रयागराज**	प्रयागराज	प्रयागराज	गंगा, यमुना	मूंज उत्पाद	सर्वाधिक जनसंख्या (59.54 लाख) व सर्वाधिक विधानसभा सीटें (12), इलाहाबाद हाईकोर्ट, महाकुंभ, शंकरगढ़ काँच बालू, फूलपुर इफको (IFFCO)।
34	**प्रतापगढ़**	प्रयागराज	बेल्हा (प्रतापगढ़)	सई, गंगा	खाद्य प्रसंस्करण (आँवला उत्पाद)	आँवला नगरी (राष्ट्रीय उत्पादन में शीर्ष), सराय नाहर राय व महदहा (मध्यपाषाण स्थल), बेती (डॉ. अंबेडकर) पक्षी विहार, मनगढ़ भक्तिधाम।
35	**फतेहपुर**	प्रयागराज	फतेहपुर	गंगा, यमुना	बेडशीट एवं आयरन फैब्रिकेशन	बावनी इमली शहीद स्थल (1857 — जोधा सिंह अटैया), भिटौरा घाट, खजुहा।
36	**कौशांबी**	प्रयागराज	मंझनपुर	यमुना	खाद्य प्रसंस्करण (केला)	वत्स महाजनपद की राजधानी, घोषिताराम बौद्ध विहार, जैन तीर्थंकर पद्मप्रभु की जन्मस्थली (प्रभासगिरि), उ.प्र. में सर्वाधिक SC प्रतिशत (34.72%)।
37	**वाराणसी**	वाराणसी	वाराणसी	गंगा, वरुणा, असी	बनारसी रेशम साड़ी	विश्व की प्राचीनतम जीवंत नगरी, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सारनाथ, BHU (1916 — मदन मोहन मालवीय), भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR)।
38	**जौनपुर**	वाराणसी	जौनपुर	गोमती, सई	ऊनी कालीन (दरी)	उ.प्र. में सर्वाधिक लिंगानुपात (1,024), 'भारत का शिराज' (शर्की वंश — अटाला मस्जिद, शाही पुल), चौरसिया नृत्य।
39	**गाजीपुर**	वाराणसी	गाजीपुर	गंगा, गोमती	जूट वॉल हैंगिंग	भारत की एकमात्र सरकारी अफीम एवं एल्कलॉइड फैक्ट्री (1820), लॉर्ड कॉर्नवालिस का मकबरा, भीतरी गुप्तकालीन स्तंभ लेख (स्कंदगुप्त), कैथी संगम।
40	**चंदौली**	वाराणसी	चंदौली	गंगा, कर्मनाशा	जरी-जरदोजी एवं काला चावल	उत्तर प्रदेश का 'धान का कटोरा', चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (उ.प्र. का प्रथम वन्यजीव विहार — राजदरी व देवदरी जलप्रपात), पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (मुगलसराय)।
41	**गोरखपुर**	गोरखपुर	गोरखपुर	राप्ती, रोहिणी	टेराकोटा एवं रेडीमेड गारमेंट	गोरखनाथ मंदिर (खिचड़ी मेला), गीता प्रेस (1923), चौरी-चौरा स्मारक (4 फरवरी 1922), उ.प्र. में सर्वाधिक वर्षा वाला जिला (184.7 सेमी), शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणी उद्यान।
42	**महाराजगंज**	गोरखपुर	महाराजगंज	गंडक, रोहिणी	फर्नीचर (काष्ठ शिल्प)	सोहगीबरवा वन्यजीव विहार, नेपाल व बिहार दोनों से सीमा साझा करने वाला जिला, देवदह (बुद्ध का ननिहाल)।
43	**देवरिया**	गोरखपुर	देवरिया	राप्ती, छोटी गंडक	सजावटी उत्पाद	देवरहा बाबा आश्रम, 1903 में प्रतापपुर में भारत की प्रथम चीनी मिल की स्थापना।
44	**कुशीनगर**	गोरखपुर	पडरौना	गंडक, हिरण्यवती	केला फाइबर उत्पाद	मल्ल महाजनपद की राजधानी, महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल (रामाभार स्तूप व लेटी हुई बुद्ध प्रतिमा), कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, किन्नर (ट्रांसजेंडर) विश्वविद्यालय।
45	**गोंडा**	देवीपाटन	गोंडा	घाघरा, सरयू	खाद्य प्रसंस्करण (दाल)	पार्वती अरगा पक्षी विहार (रामसर स्थल), महर्षि पतंजलि की जन्मभूमि (कोंडर), देश का सबसे बड़ा एथेनॉल प्लांट।
46	**बहराइच**	देवीपाटन	बहराइच	घाघरा, सरयू	गेहूँ के डंठल (Wheat Stalk) हस्तशिल्प	कतरनियाघाट वन्यजीव विहार, महाराजा सुहेलदेव स्मारक (चित्तौरा झील), सैयद सालार मसूद गाजी दरगाह।

क्र.	जिला	मंडल	जिला मुख्यालय	प्रमुख नदी	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख परीक्षा-उपयोगी पहचान एवं ऐतिहासिक/भौगोलिक तथ्य
47	**बलरामपुर**	देवीपाटन	बलरामपुर	राप्ती	खाद्य प्रसंस्करण (दाल)	देवीपाटन शक्तिपीठ मंदिर (तुलसीपुर), सुहेलवा वन्यजीव विहार, उ.प्र. में सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात (950), थारू जनजाति संग्रहालय (इमलिया कोडर)।
48	**श्रावस्ती**	देवीपाटन	भिनगा	राप्ती	जनजातीय शिल्प	कोशल महाजनपद की राजधानी, महात्मा बुद्ध ने सर्वाधिक (25) वर्षावास यहीं बिताए (जेतवन विहार, सहेत-महेत), अंगुलिमाल स्तूप, उ.प्र. में न्यूनतम साक्षरता (46.74%)।
49	**बरेली**	बरेली	बरेली	रामगंगा	जरी-जरदोजी एवं बाँस-बेंत	सुरमा नगरी, बाँस बरेली, अहिच्छत्र (उत्तरी पांचाल की राजधानी — रामनगर), भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI — इज्जतनगर), केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (CARI)।
50	**बदायूँ**	बरेली	बदायूँ	गंगा, रामगंगा	जरी-जरदोजी	सूफी संत शेख निजामुद्दीन औलिया की जन्मस्थली, जामा मस्जिद (इल्तुतमिश द्वारा निर्मित), ककोड़ा मेला ('रुहेलखंड का मिनी कुंभ')।
51	**शाहजहाँपुर**	बरेली	शाहजहाँपुर	गर्रा, रामगंगा	जरी-जरदोजी	काकोरी क्रांति के अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ और ठाकुर रोशन सिंह की जन्मभूमि ('शहीदों की नगरी'), 17वाँ नगर निगम, गंगा एक्सप्रेसवे हवाई पट्टी।
52	**पीलीभीत**	बरेली	पीलीभीत	गोमती, शारदा	बाँसुरी (Flute)	पीलीभीत टाइगर रिजर्व (TX2 अवार्ड), फुलहर झील (गोमती नदी का उद्गम स्थल), चूका बीच, उ.प्र. में सबसे कम मेले (2)।
53	**अलीगढ़**	अलीगढ़	अलीगढ़	गंगा, यमुना	ताले एवं हार्डवेयर	ताला नगरी (GI टैग), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU — सर सैयद अहमद खाँ द्वारा 1875 में मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज, 1920 में विवि), राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विवि, शेखा झील।
54	**एटा**	अलीगढ़	एटा	काली, ईसन	घुँघरू, घंटी एवं पीतल उत्पाद (जलेसर)	पटना पक्षी विहार (उ.प्र. का सबसे छोटा पक्षी विहार), जलेसर धातु शिल्प (GI टैग — अयोध्या राम मंदिर का 2100 किग्रा का घंटा यहीं बना), अतरंजीखेड़ा (लोहे के प्राचीनतम साक्ष्य)।
55	**हाथरस**	अलीगढ़	हाथरस	करवन, सेंगर	हींग (Asafoetida)	हाथरस की हींग (GI टैग), काका हाथरसी (हास्य कवि), हाथरसी नौटंकी शैली।
56	**कासगंज**	अलीगढ़	कासगंज	गंगा, काली	जरी-जरदोजी	अमीर खुसरो ('तोता-ए-हिंद') की जन्मस्थली **पटियाली**, सोरों शूकरक्षेत्र (तुलसीदास से संबद्ध तीर्थ व मार्गशीर्ष मेला), नदरई जलसेतु (एक्वाडक्ट)।
57	**बांदा**	चित्रकूट धाम	बांदा	केन, यमुना	शजर पत्थर शिल्प (Shazar Stone Craft)	कालिंजर दुर्ग (1545 ई. में शेरशाह सूरी की मृत्यु; नीलकंठ मंदिर), केन नदी में मिलने वाला अद्वितीय प्राकृतिक आकृति वाला 'शजर पत्थर' (GI टैग), नवाब टैंक।
58	**चित्रकूट**	चित्रकूट धाम	कर्वी	मंदाकिनी (पयस्विनी)	लकड़ी के खिलौने	भगवान श्रीराम के वनवास काल की तपोभूमि (कामदगिरि, रामघाट, भरत मिलाप, गुप्त गोदावरी, स्फटिक शिला), रानीपुर टाइगर रिजर्व (उ.प्र. का चौथा टाइगर रिजर्व), जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विवि।
59	**हमीरपुर**	चित्रकूट धाम	हमीरपुर	यमुना, बेतवा	हस्तनिर्मित जूते (जूती)	यमुना और बेतवा का संगम, सेलखड़ी व जिप्सम खनिज, कल्पवृक्ष।
60	**महोबा**	चित्रकूट धाम	महोबा	धसान, उर्मिल	गौरा पत्थर शिल्प	आल्ह-ऊदल की वीरभूमि, कजली मेला, देशावरी पान (GI टैग — पान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र), उ.प्र. में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला (8.75 लाख), विजय सागर पक्षी विहार।
61	**झाँसी**	झाँसी	झाँसी	बेतवा, पहुज	सॉफ्ट टॉयज (खिलौने)	रानी लक्ष्मीबाई का किला (1613 में ओरछा नरेश वीरसिंह देव बुंदेला द्वारा निर्मित), भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI), राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र, उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम गलियारे का चौराहा।
62	**ललितपुर**	झाँसी	ललितपुर	बेतवा, धसान	जरी सिल्क साड़ी	तीन ओर से म.प्र. से घिरा जिला, उ.प्र. में एकमात्र यूरेनियम उत्पादक व तांबा भंडार, देवगढ़ का दशावतार गुप्तकालीन मंदिर, माताटीला व राजघाट बांध, महावीर स्वामी वन्यजीव विहार (सबसे छोटा), न्यूनतम जनघनत्व (242)।
63	**जालौन**	झाँसी	उरई	यमुना, बेतवा, पहूज	हस्तनिर्मित कागज (कालपी)	कालपी (यमुना तट पर महर्षि वेदव्यास व बीरबल की जन्मस्थली, 84 गुंबद), बुंदेलखंड का प्रवेश द्वार।

क्र.	जिला	मंडल	जिला मुख्यालय	प्रमुख नदी	एक जिला-एक उत्पाद (ODOP)	प्रमुख परीक्षा-उपयोगी पहचान एवं ऐतिहासिक/भौगोलिक तथ्य
64	**बस्ती**	बस्ती	बस्ती	कुआनो, घाघरा	काष्ठ शिल्प (Wood Craft)	महर्षि वशिष्ठ का आश्रम (वशिष्ठ नगर), मखौड़ा धाम (राजा दशरथ का पुत्रेष्टि यज्ञ स्थल), मुंडेरवा चीनी मिल।
65	**सिद्धार्थनगर**	बस्ती	नौगढ़	राप्ती, बूढ़ी राप्ती	काला नमक चावल	पिपरहवा (प्राचीन कपिलवस्तु — शाक्य गणराज्य की राजधानी, जहाँ से बुद्ध के अस्थि अवशेषों वाला कलश मिला), काला नमक चावल (GI टैग)।
66	**संत कबीर नगर**	बस्ती	खलीलाबाद	घाघरा, कुआनो	पीतल के बर्तन (बखिरा)	मगहर (संत कबीरदास की निर्वाण स्थली एवं मजार व समाधि एक साथ), बखीरा पक्षी विहार (रामसर स्थल), लहुरादेव (नवपाषाणकालीन प्राचीनतम चावल साक्ष्य)।
67	**आजमगढ़**	आजमगढ़	आजमगढ़	तमसा (टोंस)	काली मिट्टी के कलात्मक बर्तन (निजामाबाद)	निजामाबाद ब्लैक पॉटरी (GI टैग), राहुल सांकृत्यायन, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' व कैफी आजमी की भूमि, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय।
68	**मऊ**	आजमगढ़	मऊनाथ भंजन	तमसा (टोंस)	पावरलूम वस्त्र उत्पाद (साड़ी)	पूर्वांचल का प्रमुख हथकरघा एवं पावरलूम वस्त्र केंद्र, वनदेवी मंदिर।
69	**बलिया**	आजमगढ़	बलिया	गंगा, घाघरा	बिंदी (Bindi)	उ.प्र. का सबसे पूर्वी जिला, गंगा नदी का उ.प्र. से निकास द्वार, भृगु आश्रम, ददरी पशु मेला, सुरहा ताल (जयप्रकाश नारायण पक्षी विहार), मंगल पांडेय व चित्तू पांडेय की भूमि ('बागी बलिया')।
70	**मिर्जापुर**	विंध्याचल धाम	मिर्जापुर	गंगा, बेलन	कालीन एवं पीतल बर्तन	माँ विंध्यवासिनी धाम कॉरिडोर, कजरी लोकगीत का जन्मस्थान, चुनार का किला व बलुआ पत्थर (अशोक स्तंभों का पत्थर), विंढम, टांडा व कुसेहरा जलप्रपात, भारत का मानक समय (82.5°E) नैनी व मिर्जापुर से गुजरता है।
71	**सोनभद्र**	विंध्याचल धाम	रॉबर्ट्सगंज	सोन, रिहंद, कनहर	कालीन	उ.प्र. का सबसे दक्षिणी जिला, 4 राज्यों से घिरा देश का एकमात्र जिला, सर्वाधिक वनावरण व सर्वाधिक ST आबादी (20.67% — गोंड, खरवार, बैगा, पहरिया, पंखा, अगरिया), रिहंद बांध व ओबरा/अनपरा/सिंगरौली ('भारत की ऊर्जा राजधानी'), सलखन जीवाश्म पार्क (140 करोड़ वर्ष पुराने स्ट्रोमैटोलाइट फॉसिल)।
72	**भदोही**	विंध्याचल धाम	ज्ञानपुर	गंगा, वरुणा	कालीन (दरी)	संत रविदास नगर, कालीन नगरी (Carpet City — GI टैग), भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (IICT), उ.प्र. में न्यूनतम वनावरण वाला जिला, सीता समाहित स्थल (सीतामढ़ी)।
73	**सहारनपुर**	सहारनपुर	सहारनपुर	यमुना, हिंडन	काष्ठ नक्काशी (Wood Carving)	उ.प्र. का सबसे उत्तरी जिला, 3 राज्यों (उत्तराखंड, हिमाचल, हरियाणा) से सीमा, यमुना का प्रवेश द्वार, शाकंभरी देवी मंदिर व मेला, दारुल उलूम देवबंद (1866), केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (CPPRI), संतरा उत्पादन।
74	**मुजफ्फरनगर**	सहारनपुर	मुजफ्फरनगर	काली, गंगा	गुड़ (Jaggery)	एशिया की सबसे बड़ी गुड़ मंडी, शुक्रताल तीर्थ (शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाई), मांडी हड़प्पा स्थल।
75	**शामली**	सहारनपुर	शामली	यमुना, कृष्णा	रिम एवं धुरा (Rim & Axle)	उ.प्र. का सबसे पश्चिमी जिला, दिल्ली-एनसीआर में शामिल 8वाँ जिला (मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, बागपत, हापुड़, मुजफ्फरनगर, शामली), कैराना (प्रसिद्ध किराना संगीत घराना)।

परिशिष्ट ख: बिहार के समस्त 38 जिलों की प्रमंडलवार मास्टर डायरेक्टरी

(बिहार पर्यटन विभाग एवं भारतीय जनगणना बिहार हैंडबुक)

क्र.	प्रमंडल (मुख्यालय)	जिले (कुल 38)	प्रमुख जिलेवार परीक्षा तथ्य, नदियाँ, उद्योग एवं ऐतिहासिक पहचान
1	**पटना प्रमंडल** (मुख्यालय: पटना — 6 जिले)	**1. पटना, 2. नालंदा (बिहार शरीफ), 3. भोजपुर (आरा), 4. बक्सर, 5. रोहतास (सासाराम), 6. कैमूर (भभुआ)**	**पटना:** सर्वाधिक जनसंख्या (58.38 लाख), सर्वाधिक नगरीकरण (43.07%), कुम्हरार, गोलघर, पटना साहिब। **नालंदा:** कुमारगुप्त द्वारा स्थापित नालंदा विवि, राजगीर (सप्तपर्णी गुफा, गर्म कुंड, ग्लास ब्रिज), पावापुरी जल मंदिर। **भोजपुर:** जगदीशपुर (बाबू वीर कुँवर सिंह), कोइलवर पुल। **बक्सर:** चौसा (गंगा का बिहार में प्रवेश व 1539 का युद्ध), 1764 बक्सर युद्ध। **रोहतास:** सर्वाधिक साक्षरता (73.37%), शेरशाह का मकबरा, 95% पाइराइट (अमझौर), चावल-गेहूँ में प्रथम। **कैमूर:** सर्वाधिक वनावरण (31.56%), न्यूनतम जनघनत्व (488), मुंडेश्वरी मंदिर, तेलहर व करकटगढ़ जलप्रपात।

क्र.	प्रमंडल (मुख्यालय)	जिले (कुल 38)	प्रमुख जिलेवार परीक्षा तथ्य, नदियाँ, उद्योग एवं ऐतिहासिक पहचान
2	**तिरहुत प्रमंडल** (मुख्यालय: मुजफ्फरपुर — 6 जिले)	**7. प. चंपारण (बेतिया), 8. पू. चंपारण (मोतिहारी), 9. मुजफ्फरपुर, 10. सीतामढ़ी, 11. शिवहर, 12. वैशाली (हाजीपुर)**	**प. चंपारण:** क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला (5,228 वर्ग किमी), सोमेश्वर श्रेणी (874m), वाल्मीकि टाइगर रिजर्व, लौरिया नंदनगढ़ व रामपुरवा, भितिहरवा आश्रम। **पू. चंपारण:** 1917 चंपारण सत्याग्रह (मोतिहारी), केसरिया बौद्ध स्तूप, लौरिया अरेराज। **मुजफ्फरपुर:** शाही लीची (GI टैग — राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र), सुजनी कढ़ाई, खुदीराम बोस व प्रफुल्ल चाकी क्रांति स्थल (1908)। **सीतामढ़ी:** पुनौरा धाम (माता सीता जन्मस्थली)। **शिवहर:** सर्वाधिक जनघनत्व (1,880), क्षेत्रफल में सबसे छोटा जिला। **वैशाली:** लिच्छवि गणतंत्र, महावीर जन्मभूमि (कुंडग्राम), केला अनुसंधान।
3	**सारण प्रमंडल** (मुख्यालय: छपरा — 3 जिले)	**13. सारण (छपरा), 14. सीवान, 15. गोपालगंज**	**सारण:** चिरांद (नवपाषाण हड्डी उपकरण), सोनपुर पशु मेला (गंगा-गंडक संगम), भिखारी ठाकुर (कुतुबपुर), जयप्रकाश नारायण की जन्मभूमि (सिताबदियारा), मढ़ौरा रेल इंजन कारखाना। **सीवान:** देश के प्रथम राष्ट्रपति **डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जन्मभूमि (जीरादेई)**, लिंगानुपात में दूसरा (988)। **गोपालगंज:** बिहार में **सर्वाधिक लिंगानुपात (1,021)** एवं न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (19.02%), थावे भवानी मंदिर (बिहार पर्यटन उत्सव)।
4	**दरभंगा प्रमंडल** (मुख्यालय: दरभंगा — 3 जिले)	**16. दरभंगा, 17. मधुबनी, 18. समस्तीपुर**	**दरभंगा:** कुशेश्वर स्थान पक्षी अभयारण्य, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार का दूसरा एम्स (AIIMS), मखाना अनुसंधान केंद्र। **मधुबनी:** विश्व प्रसिद्ध मिथिला/मधुबनी चित्रकला (जितवारपुर व रांटी गाँव), सौराठ सभा, मैथिली कवि विद्यापति। **समस्तीपुर:** राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (**पूसा** — 1905 में भारत का प्रथम कृषि अनुसंधान संस्थान), बिहार में न्यूनतम नगरीकरण (3.47%)।
5	**कोसी प्रमंडल** (मुख्यालय: सहरसा — 3 जिले)	**19. सहरसा, 20. सुपौल, 21. मधेपुरा**	**सहरसा:** कोसी प्रमंडल मुख्यालय, उग्रतारा स्थान (महिषी — मंडन मिश्र व शंकराचार्य शास्त्रार्थ स्थल), न्यूनतम महिला साक्षरता (41.68%), 19वाँ नगर निगम (सहरसा - बिहार पर्यटन)। **सुपौल:** भीमनगर कोसी बराज, कोसी महासेतु। **मधेपुरा:** बिहार में सर्वाधिक दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (31.12%), सिंहेश्वर स्थान मंदिर, मधेपुरा विद्युत रेल इंजन कारखाना (Alstom के सहयोग से 12,000 HP का इंजन निर्माण)।
6	**पूर्णिया प्रमंडल** (मुख्यालय: पूर्णिया — 4 जिले)	**22. पूर्णिया, 23. किशनगंज, 24. अररिया, 25. कटिहार**	**पूर्णिया:** बिहार का सबसे पुराना जिला (1770), न्यूनतम साक्षरता दर (51.08%), जूट उत्पादन। **किशनगंज:** बिहार में **सर्वाधिक वर्षा वाला जिला (~180-200 सेमी)**, बिहार का **एकमात्र चाय उत्पादक जिला**, सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात (971), महानंदा नदी। **अररिया:** फणीश्वरनाथ 'रेणु' की जन्मभूमि (औराही हिंगना — 'मैला आँचल'), रानीगंज डॉल्फिन व वृक्ष वाटिका (बिहार का दूसरा चिड़ियाघर प्रस्तावित)। **कटिहार:** कुरसेला (कोसी-गंगा संगम), गोगाबिल झील (प्रथम सामुदायिक रिजर्व), मक्का उत्पादन में अग्रणी।
7	**भागलपुर प्रमंडल** (मुख्यालय: भागलपुर — 2 जिले)	**26. भागलपुर, 27. बांका**	**भागलपुर:** सबसे छोटा प्रमंडल (2 जिले), प्राचीन अंग महाजनपद की राजधानी चंपा, विक्रमशिला विश्वविद्यालय (अंतीचक), विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभयारण्य, सिल्क सिटी (तसर सिल्क), कतरनी चावल व जर्दालू आम (GI टैग), मंजूषा कला, कहलगाँव ताप विद्युत केंद्र (NTPC)। **बांका:** मंदार पर्वत (बौंसी मेला व रोपवे), ओढ़नी डैम।
8	**मुंगेर प्रमंडल** (मुख्यालय: मुंगेर — 6 जिले)	**28. मुंगेर, 29. जमुई, 30. लखीसराय, 31. शेखपुरा, 32. बेगूसराय, 33. खगड़िया**	**मुंगेर:** मीर कासिम की राजधानी, बंदूक कारखाना व सिगरेट कारखाना (ITC), बिहार योग विद्यालय (स्वामी सत्यानंद सरस्वती, 1964 — विश्व का प्रथम योग विवि), भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य व गर्म कुंड, न्यूनतम लिंगानुपात (876)। **जमुई:** भारत का 44% स्वर्ण अयस्क भंडार (करमटिया), नागी-नकटी पक्षी विहार (रामसर स्थल 2024), सिमुलतला आवासीय विद्यालय। **लखीसराय:** अशोक धाम मंदिर, श्रृंगी ऋषि कुंड, लाल पहाड़ी बौद्ध मठ। **शेखपुरा:** बिहार में **न्यूनतम जनसंख्या (6.36 लाख)** एवं न्यूनतम वनावरण (0.17%)। **बेगूसराय:** राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जन्मभूमि (सिमरिया), कावर ताल झील (प्रथम रामसर स्थल), बरौनी तेल शोधक कारखाना (1964 — सोवियत संघ के सहयोग से), बरौनी उर्वरक व थर्मल पावर। **खगड़िया:** सात नदियों से घिरा क्षेत्र।
9	**मगध प्रमंडल** (मुख्यालय: गया — 5 जिले)	**34. गया, 35. जहानाबाद, 36. अरवल, 37. नवादा, 38. औरंगाबाद**	**गया:** बोधगया (महाबोधि मंदिर), विष्णुपद मंदिर, बिहार का सबसे गर्म और सबसे ठंडा जिला, सर्वाधिक अनुसूचित जाति (SC) संख्या व प्रतिशत (30.39%), गौतम बुद्ध वन्यजीव विहार। **जहानाबाद:** बराबर व नागार्जुनी की गुफाएँ (आजीवक संप्रदाय), बाणावर पहाड़ी। **अरवल:** बिहार का **38वाँ नवीनतम जिला** (अगस्त 2001 में जहानाबाद से पृथक), न्यूनतम वर्षा वाला क्षेत्र (औरंगाबाद-अरवल पट्टी)। **नवादा:** ककोलत जलप्रपात, अभ्रक भंडार, अपसढ़ (उत्तर गुप्तकालीन मंदिर)। **औरंगाबाद: देव का प्रसिद्ध सूर्य मंदिर** (छठ पूजा का प्रमुख केंद्र), नवीनगर सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट।

परिशिष्ट ग: मध्य प्रदेश के समस्त 55 जिलों एवं राजस्थान के संभागों की त्वरित संदर्भ सारणी

(मध्य प्रदेश पर्यटन पोर्टल एवं राजस्थान शासकीय पोर्टल)

संभाग / राज्य	शामिल जिले	प्रमुख जिलेवार परीक्षा तथ्य (नदियाँ, खनिज, उद्योग, पर्यटन एवं विशेष रिकॉर्ड)
1. चंबल संभाग (म.प्र.) (3 जिले — मुरैना)	**1. मुरैना, 2. भिंड, 3. श्योपुर**	**मुरैना:** शहद व सरसों उत्पादन में प्रथम, चौसठ योगिनी मंदिर (मितावली — पुराने संसद भवन की प्रेरणा), ककनमठ मंदिर, न्यूनतम शिशु लिंगानुपात (829)। **भिंड:** न्यूनतम लिंगानुपात (837), न्यूनतम ST (0.4%), गोहद (न्यूनतम वर्षा 55 सेमी), मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र। **श्योपुर:** कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान ('प्रोजेक्ट चीता' — 17 सितंबर 2022), सहरिया जनजाति संग्रहालय।

संभाग / राज्य	शामिल जिले	प्रमुख जिलेवार परीक्षा तथ्य (नदियाँ, खनिज, उद्योग, पर्यटन एवं विशेष रिकॉर्ड)
2. ग्वालियर संभाग (म.प्र.) (5 जिले — ग्वालियर)	**4. ग्वालियर, 5. शिवपुरी, 6. गुना, 7. अशोकनगर, 8. दतिया**	**ग्वालियर:** 'भारत का जिब्राल्टर' दुर्ग, तानसेन समारोह, यूनेस्को 'सिटी ऑफ म्यूजिक', महालेखाकार कार्यालय, CRPF प्रशिक्षण। **शिवपुरी:** म.प्र. की प्रथम पर्यटन नगरी, माधव नेशनल पार्क, तात्या टोपे को फाँसी (18 अप्रैल 1859), करेरा अभयारण्य। **गुना:** विजयपुर में NFL उर्वरक कारखाना व हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (HVJ) गैस पाइपलाइन। **अशोकनगर:** चंदेरी का किला व चंदेरी साड़ियाँ (GI टैग)। **दतिया:** पीतांबरा शक्तिपीठ, सोनागिरि के 108 जैन मंदिर, गुप्तकालीन गुर्जरा शिलालेख (अशोक का नाम उल्लेख)।
3. उज्जैन संभाग (म.प्र.) (7 जिले — उज्जैन)	**9. उज्जैन, 10. देवास, 11. रतलाम, 12. शाजापुर, 13. आगर-मालवा, 14. मंदसौर, 15. नीमच**	**उज्जैन:** महाकालेश्वर, सिंहस्थ कुंभ (शिप्रा तट), सर्वाधिक SC% (26.37%), न्यूनतम वन (0.59%), सोयाबीन अनुसंधान। **देवास:** बैंक नोट प्रेस (1974), चामुंडा माता टेकरी, कुमार गंधर्व की कर्मभूमि। **रतलाम:** रतलामी सेव (GI टैग), सैलाना अभयारण्य (खरमोर पक्षी)। **आगर-मालवा:** म.प्र. का 51वाँ जिला (2013), कामधेनु गौ-अभयारण्य (सालरिया — भारत का प्रथम गौ-अभयारण्य)। **मंदसौर:** प्राचीन दशपुर (यशोधर्मन का स्तंभ लेख), पशुपतिनाथ मंदिर (शिवना नदी तट), गांधी सागर बांध, अफीम व स्लेट उत्पादन में प्रथम। **नीमच:** 3 जून 1857 क्रांति शुरुआत, एल्कलॉइड फैक्ट्री, CRPF की जन्मस्थली।
4. इंदौर संभाग (म.प्र.) (8 जिले — इंदौर)	**16. इंदौर, 17. धार, 18. झाबुआ, 19. अलीराजपुर, 20. खरगोन, 21. बड़वानी, 22. खंडवा, 23. बुरहानपुर**	**इंदौर:** सर्वाधिक जनसंख्या (32.76 लाख), भारत का लगातार सबसे स्वच्छ शहर, मिनी मुंबई, राजवाड़ा, IIT व IIM दोनों वाला देश का एकमात्र शहर, डॉ. अंबेडकर जन्मभूमि **महू**, RRCAT (लेजर अनुसंधान)। **धार:** मांडू, बाघ की गुफाएँ, पीथमपुर (ऑटोमोबाइल हब), सर्वाधिक ST जनसंख्या। **झाबुआ:** कड़कनाथ मुर्गा (GI टैग), भील-भगोरिया हाट, रॉक फॉस्फेट। **अलीराजपुर:** सर्वाधिक ST% (89%), न्यूनतम साक्षरता (36.1%), चंद्रशेखर आजाद जन्मभूमि (भाभरा)। **खरगोन (प. निमाड़):** महेश्वर, कपास अनुसंधान, संत सिंगाजी। **बड़वानी:** धान अनुसंधान केंद्र, बावनगजा (भगवान आदिनाथ की 72 फीट ऊँची जैन प्रतिमा)। **खंडवा (पू. निमाड़):** ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, इंदिरा सागर बांध (हनुवंतिया), किशोर कुमार व माखनलाल चतुर्वेदी कर्मभूमि। **बुरहानपुर:** असीरगढ़ किला ('दक्षिण की कुंजी'), नेपानगर अखबारी कागज कारखाना, मुमताज महल की प्रारंभिक कब्र।
5. भोपाल संभाग (म.प्र.) (5 जिले — भोपाल)	**24. भोपाल, 25. सीहोर, 26. रायसेन, 27. राजगढ़, 28. विदिशा**	**भोपाल:** राजधानी, सर्वाधिक जनघनत्व (855) व सर्वाधिक महिला साक्षरता (74.9%), BHEL (1964 — ब्रिटेन के सहयोग से), भारत भवन, वन विहार, राजा भोज बड़ा तालाब (रामसर स्थल), यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी (2–3 दिसंबर 1984 — मिथाइल आइसोसाइनेट [MIC])। **सीहोर:** हथनौरा (नर्मदा मानव), बुधनी (रेलवे स्लीपर व खिलौना क्लस्टर), शरबती गेहूँ। **रायसेन:** साँची स्तूप व भीमबेटका (दोनों यूनेस्को स्थल), भोजपुर शिव मंदिर, मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र (ऑप्टिकल फाइबर कारखाना), रातापानी टाइगर रिजर्व। **राजगढ़:** ब्यावरा (राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा), नरसिंहगढ़ ('कश्मीर-ए-मालवा')। **विदिशा:** बेसनगर (हेलियोडोरस का गरुड़ स्तंभ), उदयगिरि की गुफाएँ, कैलाश सत्यार्थी (नोबेल शांति पुरस्कार विजेता) की जन्मभूमि।
6. नर्मदापुरम संभाग (3 जिले — नर्मदापुरम)	**29. नर्मदापुरम (होशंगाबाद), 30. बैतूल, 31. हरदा**	**नर्मदापुरम:** पचमढ़ी (म.प्र. का एकमात्र हिल स्टेशन, धूपगढ़ 1350m, पांडव गुफाएँ), सतपुड़ा नेशनल पार्क, तवा बांध (सबसे लंबा बांध), सिक्योरिटी पेपर मिल (1967-68), आदमगढ़, गेहूँ अनुसंधान केंद्र (पवारखेड़ा)। **बैतूल:** मुलताई (ताप्ती नदी उद्गम), पाथाखेड़ा कोयला, ग्रेफाइट व टिन, बाचा गाँव (देश का प्रथम सौर रसोई गाँव), घड़ी कारखाना। **हरदा:** 2011 जनगणना में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला, सर्वाधिक औसत जोत आकार व सिंचित कृषि।
7. सागर संभाग (म.प्र.) (6 जिले — सागर)	**32. सागर, 33. दमोह, 34. पन्ना, 35. छतरपुर, 36. टीकमगढ़, 37. निवाड़ी**	**सागर:** डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय (1946 — म.प्र. का सबसे पुराना विवि), एरण (सती प्रथा साक्ष्य), आगासौद (बीना तेल रिफाइनरी — ओमान के सहयोग से), नौरादेही (वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व), जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी। **दमोह:** सद्भावना शिखर (752m), कुंडलपुर जैन तीर्थ, रानी दमयंती किला। **पन्ना:** हीरा नगरी (मझगवाँ खान), पन्ना नेशनल पार्क व बायोस्फीयर रिजर्व, अजयगढ़ किला। **छतरपुर:** खजुराहो मंदिर (चंदेल वंश), चरण पादुका, भीमकुंड, धुबेला संग्रहालय। **टीकमगढ़:** कुंडेश्वर, पीतल मूर्ति शिल्प (GI टैग)। **निवाड़ी (52वाँ जिला - 2018):** क्षेत्रफल व जनसंख्या में म.प्र. का सबसे छोटा जिला, ओरछा (रामराजा मंदिर व जहाँगीर महल)।
8. जबलपुर संभाग (म.प्र.) (9 जिले — जबलपुर)	**38. जबलपुर, 39. कटनी, 40. नरसिंहपुर, 41. छिंदवाड़ा, 42. पांढुर्णा, 43. सिवनी, 44. मंडला, 45. बालाघाट, 46. डिंडौरी**	**जबलपुर:** सर्वाधिक साक्षरता (81.07%), म.प्र. उच्च न्यायालय, पश्चिम मध्य रेलवे (WCR) मुख्यालय, भेड़ाघाट (धुआँधार व संगमरमर), गन कैरिज फैक्ट्री व व्हीकल फैक्ट्री। **कटनी:** चूना पत्थर नगरी, रूपनाथ (अशोक का शिलालेख), करौंदी (भारत का भौगोलिक केंद्र बिंदु)। **नरसिंहपुर:** गन्ना व तुअर (अरहर) उत्पादन में अग्रणी, गाडरवारा NTPC। **छिंदवाड़ा:** क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला, पातालकोट (भारिया जनजाति), पेंच पार्क, गोटमार मेला (पांढुर्णा — **54वाँ जिला, अक्टूबर 2023**)। **सिवनी:** 'मध्य प्रदेश का लखनऊ', वैनगंगा नदी उद्गम, पेंच नेशनल पार्क। **मंडला:** कान्हा किसली नेशनल पार्क, रानी दुर्गावती का गोंडवाना साम्राज्य, चुटका परमाणु विद्युत परियोजना। **बालाघाट:** सर्वाधिक लिंगानुपात (1,021), सर्वाधिक वनावरण (53.44%), मलाजखंड (तांबा) व भारवेली (मैंगनीज), चिन्नौर चावल (GI टैग)। **डिंडौरी:** न्यूनतम जनघनत्व (94), घुघवा जीवाश्म नेशनल पार्क, बैगा चक क्षेत्र।
9. रीवा संभाग (म.प्र.) (6 जिले — रीवा)	**47. रीवा, 48. मऊगंज, 49. सतना, 50. मैहर, 51. सीधी, 52. सिंगरौली**	**रीवा:** सफेद शेरों की भूमि, चचाई व केवटी जलप्रपात, गुढ़ सोलर प्लांट (750 MW), महामृत्युंजय का मेला, आम अनुसंधान केंद्र (गोविंदगढ़)। **मऊगंज (53वाँ जिला - अगस्त 2023):** रीवा से पृथक (मऊगंज, हनुमना व नईगढ़ी तहसीलें), बहुती जलप्रपात (198m — म.प्र. का सबसे ऊँचा जलप्रपात)। **सतना:** चित्रकूट (मंदाकिनी तट, महात्मा गांधी ग्रामोद्योग विवि), भरहुत स्तूप, मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी, सीमेंट उद्योग। **मैहर (55वाँ जिला - अक्टूबर 2023):** त्रिकूट पर्वत पर माँ शारदा देवी मंदिर, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की संगीत नगरी। **सीधी:** संजय-डुबरी नेशनल पार्क, बीरबल की जन्मभूमि (घोघरा)। **सिंगरौली (50वाँ जिला - 2008):** म.प्र. का सबसे पूर्वी जिला व ऊर्जा राजधानी (विंध्याचल थर्मल पावर), माड़ा की गुफाएँ।
10. शहडोल संभाग (3 जिले — शहडोल)	**53. शहडोल, 54. उमरिया, 55. अनूपपुर**	**शहडोल:** सुहागपुर (म.प्र. का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र व कोल बेड मीथेन), बाणसागर बांध (देवलोद), ओरिएंट पेपर मिल (अमलाई), विराटेश्वर मंदिर। **उमरिया:** बांधवगढ़ नेशनल पार्क (32 पहाड़ियाँ व सर्वाधिक बाघ घनत्व), लाख बनाने का सरकारी कारखाना। **अनूपपुर:** अमरकंटक (नर्मदा, सोन व जोहिला का उद्गम स्थल), कपिलधारा व दुग्धधारा जलप्रपात, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (अमरकंटक - 2008)।

संभाग / राज्य	शामिल जिले	प्रमुख जिलेवार परीक्षा तथ्य (नदियाँ, खनिज, उद्योग, पर्यटन एवं विशेष रिकॉर्ड)
राजस्थान के प्रमुख संभाग (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर)	**41 जिले (2011 जनगणना के 33 मूल जिलों सहित)** (राजस्थान राज्य पोर्टल)	**जयपुर संभाग:** जयपुर, अलवर (सरिस्का व भानगढ़), दौसा (मेहंदीपुर बालाजी व आभानेरी चाँद बावड़ी), सीकर (खाटूश्यामजी व जीणमाता), झुंझुनू (खेतड़ी तांबा व रानी सती)। **जोधपुर संभाग:** जोधपुर, जैसलमेर (सोनार किला, तनोट, रामदेवरा, सम के टीबे), बाड़मेर (किराडू के मंदिर — 'राजस्थान का खजुराहो', मंगला तेल, पचपदरा रिफाइनरी), जालौर (सुंधा माता — प्रथम रोपवे, ग्रेनाइट सिटी), सिरोही (माउंट आबू, गुरु शिखर, देलवाड़ा जैन मंदिर), पाली (रणकपुर के 1,444 खंभों वाले जैन मंदिर — मथाई नदी तट, जवाई बांध)। **उदयपुर संभाग:** उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़। **कोटा (हाड़ौती) संभाग:** कोटा (शैक्षणिक नगरी), बूंदी (बावड़ियों का शहर — रानीजी की बावड़ी), बारां (शेरगढ़ व सहरिया जनजाति), झालावाड़ (गागरोन दुर्ग व कोलवी की बौद्ध गुफाएँ)। **बीकानेर संभाग:** बीकानेर, श्रीगंगानगर ('राजस्थान का अन्न का कटोरा', सूरतगढ़ यांत्रिक कृषि फार्म व सुपर थर्मल), हनुमानगढ़ (कालीबंगा, भटनेर दुर्ग — सबसे प्राचीन दुर्ग 285 ई., गोगामेड़ी), चूरू (तालछापर अभयारण्य — काले हिरण, सालासर बालाजी; **बीकानेर और चूरू** में कोई नदी नहीं बहती)। **अजमेर संभाग:** अजमेर, भीलवाड़ा (वस्त्र नगरी / राजस्थान का मैनचेस्टर, बिजौलिया), नागौर (पंचायती राज 1959, सर्वाधिक पशु मेले), टोंक (नवाबों की नगरी, बीसलपुर बांध, सुनहरी कोठी)। **भरतपुर संभाग:** भरतपुर (लोहागढ़ दुर्ग — अजेय दुर्ग, केवलादेव घना, डीग के जलमहल), धौलपुर (रेड डायमंड सिटी, मचकुंड तीर्थ), करौली (कैला देवी व मदनमोहन मंदिर), सवाई माधोपुर (रणथंभौर दुर्ग व नेशनल पार्क)।

परिशिष्ट घ: विगत वर्षों के हल प्रश्नों का महा-बैंक (Mega PYQ Booster — *60+* High-Yield Questions across All *10* Chapters)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — परिशिष्ट घ: विगत वर्षों के हल प्रश्नों का महा-बैंक (Mega PYQ Booster — 60+ High-Yield Questions across All 10 Chapters)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
खंड 1: उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष PYQs (UPPSC Pre, RO/ARO, UP Police, Lekhpal, VDO)	**खंड 2: बिहार राज्य-विशेष PYQs (BPSC Pre, Bihar Teacher TRE, Bihar SI/Police)**	**खंड 3: मध्य प्रदेश राज्य-विशेष PYQs (MPPSC Pre, Forest Service, MP Police/ESB)**	**खंड 4: राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष PYQs**

खंड 1: उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष PYQs (UPPSC Pre, RO/ARO, UP Police, Lekhpal, VDO)

अभ्यास प्रश्न #33 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

1. **प्रश्न [UPPSC Pre 2023]:** उत्तर प्रदेश के किस जिले से हड़प्पा सभ्यता के 'सोने के छल्ले व आभूषणों का विशाल भंडार' (मांडी) तथा किस जिले से 'शाही रथ एवं शवाधान' (सनौली) प्राप्त हुए हैं?

• **उत्तर: मांडी — मुजफ्फरनगर** जिले में है, जबकि **सनौली — बागपत** जिले में स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #34 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

2. **प्रश्न [UPPSC RO/ARO 2021]:** जौनपुर के शर्की राजवंश का अंतिम शासक कौन था और 'अटाला मस्जिद' का निर्माण किसने पूर्ण कराया था?

• **उत्तर:** अंतिम शासक **हुसैन शाह शर्की** था (जिसे बहलोल लोदी ने हराकर जौनपुर को दिल्ली सल्तनत में मिलाया); अटाला मस्जिद का निर्माण **इब्राहिम शाह शर्की (1408 ई.)** ने पूर्ण कराया था।

अभ्यास प्रश्न #35 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

3. **प्रश्न [UPPSC Pre 2022]:** उत्तर प्रदेश में 'केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG)', 'भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI)' और 'भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR)' कहाँ स्थित हैं?

• **उत्तर:** CIRG — **मखदूम (मथुरा)** | IGFRI — **झाँसी** | IIPR — **कानपुर**।

अभ्यास प्रश्न #36 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

4. **प्रश्न [UPPSC Pre 2021]:** उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है और कौन-सा सबसे छोटा?

• **उत्तर:** क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला **लखीमपुर खीरी (7,680 वर्ग किमी)** है (दूसरे स्थान पर सोनभद्र) और सबसे छोटा जिला **हापुड़ (660 वर्ग किमी)** है।

अभ्यास प्रश्न #37 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

5. **प्रश्न [UPPSC RO/ARO 2016 Re-exam 2020]:** उत्तर प्रदेश की सबसे लंबी नहर प्रणाली कौन-सी है और 'हथिनीकुंड बैराज' किस नदी पर स्थित है?

• **उत्तर:** सबसे लंबी नहर प्रणाली **शारदा नहर (1928, कुल शाखाओं सहित 12,368 किमी)** है; हथिनीकुंड बैराज (ताजेवाला) **यमुना नदी** पर (सहारनपुर सीमा पर, 5 राज्यों की संयुक्त परियोजना) स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #38 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

6. **प्रश्न [UP Police 2024]:** उत्तर प्रदेश के किस जिले में 'यूरेनियम' और किस जिले में 'तांबा व रॉक फॉस्फेट' पाया जाता है?

• **उत्तर: ललितपुर** जिले में (यूरेनियम उत्तर प्रदेश में केवल ललितपुर में पाया जाता है; तांबा सोनराई क्षेत्र में)।

अभ्यास प्रश्न #39 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

7. **प्रश्न [UPPSC Pre 2020]:** उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक जनसंख्या वाली अनुसूचित जनजाति कौन-सी है तथा कौन-सी जनजाति दीपावली को शोक के रूप में मनाती थी?

• **उत्तर:** उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जनजातीय समूह **गोंड समूह** (धुरिया, नायक, ओझा, पठारी, राजगोंड — सोनभद्र, मिर्जापुर, देवरिया, महाराजगंज) है, जबकि तराई क्षेत्र (लखीमपुर, बलरामपुर, बहराइच) में निवास करने वाली **थारू जनजाति** किरात वंशीय है, जिसमें बदला विवाह प्रथा और 'बजहर' पर्व प्रचलित है (लखीमपुर खीरी में थारू जनजाति के लिए महाविद्यालय स्थापित किया गया है)। **बुक्सा (भोक्सा)** जनजाति **बिजनौर** में और **खरवार** जनजाति (कर्मा नृत्य) **सोनभद्र व मिर्जापुर** में निवास करती है।

अभ्यास प्रश्न #40 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

8. **प्रश्न [UP Lekhpal 2022]:** उत्तर प्रदेश में 'भातखंडे संगीत संस्थान' को किस वर्ष डीम्ड विश्वविद्यालय (वर्तमान में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय) बनाया गया और इसकी स्थापना कब हुई थी?

• **उत्तर:** पं. विष्णु नारायण भातखंडे के प्रयासों से **15 जुलाई 1926** को 'मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक' के रूप में स्थापना हुई; 1966 में भातखंडे नाम पड़ा और अक्टूबर **2000** में डीम्ड विश्वविद्यालय (तथा अब राज्य संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ) का दर्जा मिला।

अभ्यास प्रश्न #41 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

9. **प्रश्न [UPPSC Pre 2019]:** 'चुनारगढ़' में अनूप वैदिका है, जो संबंधित है —

• **उत्तर: भर्तृहरि से** (मिर्जापुर जिले के चुनार किले में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा अपने भाई भर्तृहरि की तपोभूमि पर निर्मित)।

अभ्यास प्रश्न #42 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

10. **प्रश्न [UPPSC RO/ARO 2021]:** उत्तर प्रदेश में 'किसान बही योजना' और 'चकबंदी योजना' किस वर्ष प्रारंभ की गई?

• **उत्तर:** चकबंदी योजना **1954** में (मुजफ्फरनगर की कैराना और सुल्तानपुर की मुसाफिरखाना तहसील से, 1958 से पूरे प्रदेश में) और किसान बही योजना **1992** में (किसान क्रेडिट कार्ड 1998-99 व किसान मित्र योजना 2001 में) शुरू हुई।

खंड 2: बिहार राज्य-विशेष PYQs (BPSC Pre, Bihar Teacher TRE, Bihar SI/Police)

अभ्यास प्रश्न #43 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

11. **प्रश्न [69th BPSC Pre 2023]:** बिहार में 1937 के प्रांतीय चुनावों के बाद गठित प्रथम अंतरिम मंत्रिमंडल का नेतृत्व किसने किया था और कांग्रेस मंत्रिमंडल का नेतृत्व किसने किया?

• **उत्तर:** कांग्रेस द्वारा राज्यपाल से आश्वासन के मुद्दे पर सरकार न बनाने पर **20 मार्च 1937** को इंडिपेंडेंट पार्टी के नेता **मोहम्मद यूनुस** ने बिहार के **प्रथम प्रधानमंत्री (प्रीमियर)** के रूप में अंतरिम मंत्रिमंडल बनाया; तत्पश्चात **20 जुलाई 1937** को **डॉ. श्रीकृष्ण सिंह** के नेतृत्व में प्रथम कांग्रेसी मंत्रिमंडल गठित हुआ।

अभ्यास प्रश्न #44 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

12. **प्रश्न [68th BPSC Pre 2023]:** 'बिरसा मुंडा' का कार्यक्षेत्र कौन-सा था और उन्होंने अपने अनुयायियों को किसकी पूजा करने का उपदेश दिया?

• **उत्तर:** कार्यक्षेत्र **राँची (छोटानागपुर — खूंटी, तमाड़, बंदगाँव)** था; उन्होंने एकेश्वरवाद के तहत **'सिंगबोंगा' (सूर्य देवता)** की पूजा का उपदेश दिया। 3 फरवरी 1900 को सोते समय उन्हें चक्रधरपुर (सिंहभूम) के जामकोपाई जंगल से गिरफ्तार किया गया और 9 जून 1900 को राँची जेल में हैजे से उनकी मृत्यु हो गई।

अभ्यास प्रश्न #45 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

13. **प्रश्न [67th BPSC Re-exam 2022]:** बिहार में 'स्वराज दल' का गठन (फरवरी 1923) किसकी अध्यक्षता में हुआ और 'बिहारी छात्र सम्मेलन' (1906) की स्थापना किसने की?

• **उत्तर:** बिहार स्वराज दल के अध्यक्ष **नारायण प्रसाद** और सचिव **अब्दुल बारी** थे; जबकि 1906 में पटना में बिहारी छात्र सम्मेलन की स्थापना **डॉ. राजेंद्र प्रसाद** ने की थी।

अभ्यास प्रश्न #46 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

14. **प्रश्न [BPSC TRE 2.0 2023]:** सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) के दौरान बिहार के किस जेल के कैदियों ने विदेशी वस्त्र पहनने से इनकार कर 'नंगी हड़ताल' की तथा चौकीदारी कर बंद करने का आंदोलन कहाँ हुआ?

• **उत्तर: छपरा (सारण) जेल** के कैदियों ने स्वदेशी वस्त्र की माँग को लेकर 'नंगी हड़ताल' की; नमक कानून भंग करने के बाद समुद्र तट न होने के कारण बिहार में (बेगूसराय, सारण, चंपारण, मुंगेर में) **चौकीदारी कर न देने का आंदोलन** चलाया गया।

अभ्यास प्रश्न #47 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

15. **प्रश्न [66th BPSC Pre]:** बिहार का प्रथम अंग्रेजी समाचार-पत्र और प्रथम हिंदी समाचार-पत्र कौन-सा था?

• **उत्तर:** प्रथम हिंदी समाचार-पत्र **'बिहार बंधु'** (1872 में कोलकाता से केशवराम भट्ट द्वारा, 1874 से पटना से प्रकाशित) और प्रथम अंग्रेजी समाचार-पत्र **'द बिहार हेराल्ड'** (1875 में **गुरुप्रसाद सेन** द्वारा प्रकाशित) था। प्रसिद्ध अंग्रेजी दैनिक **'द सर्चलाइट'** (1918, संपादक: मुरली मनोहर प्रसाद) और मजहरुल हक ने सदाकत आश्रम से **'द मदरलैंड' (1921)** प्रकाशित किया।

अभ्यास प्रश्न #48 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

16. **प्रश्न [69th BPSC Pre]:** बिहार की कौन-सी नदी उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा निर्धारित करती है?

• **उत्तर:** मुख्य रूप से **कर्मनाशा, गंडक** और **घाघरा (सरयू)** नदियाँ दोनों राज्यों के मध्य अलग-अलग हिस्सों में प्राकृतिक सीमा बनाती हैं (ट्रिक: 'क-गं-घा' — कर्मनाशा, गंडक, घाघरा)।

अभ्यास प्रश्न #49 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

17. **प्रश्न [67th BPSC Pre]:** बिहार के किस कृषि-जलवायु क्षेत्र (Agro-Climatic Zone) में सबसे अधिक जिले शामिल हैं?

• **उत्तर:** बिहार को 3 मुख्य (4 उप-जोन) कृषि-जलवायु क्षेत्रों में बाँटा गया है — **जोन-I (उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदान)** में सर्वाधिक **13 जिले** (चंपारण, सारण, तिरहुत, दरभंगा प्रमंडल के जिले) शामिल हैं; जोन-II (उत्तर-पूर्व) में 8 जिले और जोन-III (दक्षिण बिहार: III-A में 6 + III-B में 11 = कुल **17 जिले**) हैं। यदि संपूर्ण दक्षिण बिहार जोन-III एक साथ पूछा जाए तो **17 जिले**, और एकल उप-जोन पूछा जाए तो **उत्तर-पश्चिम जोन-I (13 जिले)**।

अभ्यास प्रश्न #50 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

18. **प्रश्न [BPSC TRE 1.0 2023]:** बिहार के किस जिले में 'काबर ताल' झील और किस जिले में 'गोगाबिल' झील स्थित है?

• **उत्तर:** काबर ताल (कांवर झील) — **बेगूसराय** (मंझौल अनुमंडल, बूढ़ी गंडक नदी के विसर्पण से निर्मित) | गोगाबिल झील — **कटिहार (मनिहारी)**।

अभ्यास प्रश्न #51 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

19. **प्रश्न [65th BPSC Pre]:** ककोलत जलप्रपात, तेलहर कुंड और ब्रह्मकुंड क्रमशः बिहार के किन जिलों में स्थित हैं?

• **उत्तर:** ककोलत जलप्रपात — **नवादा** | तेलहर कुंड — **कैमूर (भभुआ)** | ब्रह्मकुंड (87°C सबसे गर्म जलकुंड) — **राजगीर (नालंदा)**।

अभ्यास प्रश्न #52 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

20. **प्रश्न [68th BPSC Pre]:** जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में शहरीकरण का प्रतिशत कितना था और वर्तमान में नगर निकायों के पुनर्गठन के बाद यह लगभग कितना अनुमानित है?

• **उत्तर:** 2011 जनगणना के अनुसार बिहार का नगरीकरण **11.29%** था, जो नवीन नगर पंचायतों एवं नगर परिषदों के गठन के बाद आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार बढ़कर लगभग **15.3% से 16.2%** हो गया है।

खंड 3: मध्य प्रदेश राज्य-विशेष PYQs (MPPSC Pre, Forest Service, MP Police/ESB)

अभ्यास प्रश्न #53 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

21. **प्रश्न [MPPSC Pre 2023]:** मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग का गठन कब हुआ और इसके प्रथम आयुक्त कौन थे?

• **उत्तर:** अनुच्छेद 243-K के तहत **1 फरवरी 1994** को गठन हुआ (देश का प्रथम राज्य निर्वाचन आयोग; ध्येय वाक्य: 'हर वोट कीमती, हर निकाय महत्वपूर्ण'); प्रथम राज्य निर्वाचन आयुक्त **एन.बी. लोहानी** थे।

अभ्यास प्रश्न #54 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

22. **प्रश्न [MPPSC Pre 2022]:** 'रानी दुर्गावती' ने किस क्षेत्र पर शासन किया और उनका विवाह किस गोंड शासक से हुआ था?

• **उत्तर: गढ़ा-मंडला (गढ़ा-कटंगा / जबलपुर)** पर; उनका विवाह गोंड राजा संग्राम शाह के पुत्र **दलपत शाह** से हुआ था। अल्पवयस्क पुत्र **वीर नारायण** की संरक्षिका के रूप में उन्होंने शासन किया और 24 जून 1564 को बरेला (जबलपुर) में वीरगति प्राप्त की।

अभ्यास प्रश्न #55 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

23. **प्रश्न [MPPSC Pre 2021]:** मध्य प्रदेश में 'अखिल भारतीय कालिदास समारोह', 'तानसेन समारोह' और 'उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह' कहाँ आयोजित होते हैं?

• **उत्तर:** कालिदास समारोह — **उज्जैन** | तानसेन समारोह — **ग्वालियर (बेहट)** | अलाउद्दीन खाँ समारोह — **मैहर** | ध्रुपद समारोह व लोकरंग — **भोपाल** | कुमार गंधर्व समारोह — **देवास** | माखनलाल चतुर्वेदी समारोह — **खंडवा** | सुभद्रा कुमारी चौहान समारोह — **जबलपुर**।

अभ्यास प्रश्न #56 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

24. **प्रश्न [MPPSC Pre 2023]:** मध्य प्रदेश की किस नदी को 'सूर्य की पुत्री' कहा जाता है और यह किस जिले से निकलती है?

• **उत्तर: ताप्ती नदी** को सूर्य व छाया की पुत्री ('सूर्यपुत्री / तापी') कहा जाता है; यह **बैतूल जिले की मुलताई तहसील** (सतपुड़ा श्रेणी) से निकलती है।

अभ्यास प्रश्न #57 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

25. **प्रश्न [MPPSC Pre 2020]:** मध्य प्रदेश का कौन-सा राष्ट्रीय उद्यान 'सफेद बाघों' और '32 पहाड़ियों से घिरे होने' के लिए प्रसिद्ध है?

• **उत्तर: बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (उमरिया जिला — स्थापना 1968, टाइगर रिजर्व 1993)**। इसके मध्य से **चरणगंगा नदी** प्रवाहित होती है और यहाँ भगवान विष्णु की लेटी हुई प्रतिमा व बांधवगढ़ का किला स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #58 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

26. **प्रश्न [MPPSC Pre 2022]:** मध्य प्रदेश के किस स्थान पर 'विंध्याचल ताप विद्युत केंद्र' और किस स्थान पर 'संत सिंगाजी ताप विद्युत केंद्र' स्थित है?

• **उत्तर:** विंध्याचल ताप विद्युत केंद्र — **बैढ़न (सिंगरौली — 4,760 मेगावाट, भारत का सबसे बड़ा ताप विद्युत केंद्र)** | संत सिंगाजी ताप विद्युत केंद्र — **दोगलिया (खंडवा)** | अमरकंटक ताप विद्युत केंद्र — **चचाई (अनूपपुर)** | सतपुड़ा ताप विद्युत केंद्र — **सारणी (बैतूल)** | संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र — **बिरसिंहपुर (उमरिया)**।

अभ्यास प्रश्न #59 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

27. **प्रश्न [MPPSC Pre 2021]:** मध्य प्रदेश में 'सांख्य सागर झील', 'भोज वेटलैंड', 'सिरपुर तालाब' और 'यशवंत सागर' क्यों चर्चा में रहे हैं?

• **उत्तर:** ये चारों **मध्य प्रदेश के 4 रामसर आर्द्रभूमि स्थल (Ramsar Sites)** हैं — (1) **भोज वेटलैंड** (भोपाल - 2002), (2) **सांख्य सागर झील** (माधव नेशनल पार्क, शिवपुरी - 2022), (3) **सिरपुर तालाब** (इंदौर - 2022), (4) **यशवंत सागर** (इंदौर - 2022)।

अभ्यास प्रश्न #60 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

28. **प्रश्न [MPPSC Pre 2019]:** 'माच' किस क्षेत्र का प्रमुख लोक नाट्य है और 'काठी' व 'गणगौर' किस क्षेत्र के लोक नृत्य हैं?

• **उत्तर: माच** — **मालवा अंचल** का लोक नाट्य है (तथा मध्य प्रदेश का राजकीय लोक नाट्य है); जबकि **काठी और गणगौर** — **निमाड़ अंचल** के प्रमुख लोक नृत्य हैं।

खंड 4: राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष PYQs

अभ्यास प्रश्न #61 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

29. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2023]:** राजस्थान में 'बिजौलिया किसान आंदोलन' के प्रणेता कौन थे और 'पंछीड़ा' गीत किस स्वतंत्रता सेनानी ने लिखा था?

• **उत्तर:** बिजौलिया आंदोलन के जनक **साधु सीताराम दास** और राष्ट्रीय स्तर पर इसे पहचान दिलाने वाले **विजय सिंह पथिक** थे (जिन्होंने प्रताप समाचार-पत्र के माध्यम से इसे प्रचारित किया); आंदोलनकारियों में जोश भरने के लिए **'पंछीड़ा'** गीत **माणिक्यलाल वर्मा** ने लिखा था।

अभ्यास प्रश्न #62 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

30. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2021]:** राजस्थान में 'रूपाजी और कृपाजी धाकड़' किस किसान आंदोलन में शहीद हुए थे और 'नानक भील' व 'देवलाल गुर्जर' किस आंदोलन में शहीद हुए?

• **उत्तर:** रूपाजी और कृपाजी **बेंगू किसान आंदोलन (चित्तौड़गढ़ — 13 जुलाई 1923, गोविंदपुरा गाँव में ट्रेंच की गोलीबारी में)** शहीद हुए; जबकि नानक भील ('झंडा गीत' गाते हुए डाबी कांड, 2 अप्रैल 1923) और देवलाल गुर्जर **बूंदी (बरड़) किसान आंदोलन** में शहीद हुए।

अभ्यास प्रश्न #63 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

31. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2023]:** राजस्थान की कौन-सी नदी 'रुंडित नदी' (Beheaded River) कहलाती है और किन तीन नदियों के संगम को 'बेणेश्वर त्रिवेणी संगम' कहते हैं?

• **उत्तर: बाणगंगा नदी** (जयपुर में बैराठ की पहाड़ियों से निकलती है, जिसे 'अर्जुन की गंगा' भी कहते हैं) को रुंडित नदी का दर्जा दिया गया है; **सोम, माही और जाखम** नदियों का त्रिवेणी संगम **नवाटापरा (बेणेश्वर धाम, डूंगरपुर)** में होता है। (अन्य त्रिवेणी संगम: **बीगोद [भीलवाड़ा]** — बनास, बेड़च, मेनाल; **राजमहल [टोंक]** — बनास, डाई, खारी; **रामेश्वरम [सवाई माधोपुर]** — चंबल, बनास, सीप)।

अभ्यास प्रश्न #64 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

32. **प्रश्न [RPSC RAS Pre 2021]:** राजस्थान में महिलाओं के सिर, कान, गले और कमर में पहने जाने वाले प्रमुख पारंपरिक आभूषण कौन-से हैं?

• **उत्तर: सिर/मस्तक:** बोरला, रखड़ी, शीशफूल, मेमंद, टीका | **कान:** झुमका, कर्णफूल, पीपलपत्रा, सुरलिया, ओगनिया, टोटी | **नाक:** नथ (किशनगढ़ शैली), बारी, चूप (दाँत में सोने की कील, नाक में बारी/भँवरिया) | **गला/कंठ:** तिमणिया, आड़, मांदलिया, तुलसी, बजंटी, हाँसली, चंपाकली | **कमर:** कंदोरा (करधनी), कणकती, सटका | **पैर:** कड़ा, लंगर, पाजेब, नेवरी, आंवला, हिरणामैन, फोलरी (पैर की अंगुली)।

अभ्यास प्रश्न #65 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

33. **प्रश्न [UKPSC Pre 2021]:** उत्तराखंड में 'कुमाऊँ का खजुराहो' किसे कहा जाता है और 'कटारमल सूर्य मंदिर' किस जिले में स्थित है?

• **उत्तर: द्वाराहाट (अल्मोड़ा)** के मंदिर समूह को 'कुमाऊँ का खजुराहो' (हिमालय की द्वारिका) कहा जाता है; कत्यूरी राजा कटारमल द्वारा निर्मित प्राचीन **कटारमल सूर्य मंदिर** भी **अल्मोड़ा जिले** में कोसी नदी के समीप स्थित है (जिसमें बूटधारी सूर्य प्रतिमा है)।

अभ्यास प्रश्न #66 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

34. **प्रश्न [UKPSC Pre 2022]:** 'डोला-पालकी आंदोलन' (उत्तराखंड) के प्रणेता कौन थे और 'कुली बेगार प्रथा' का अंत कब व कहाँ हुआ?

• **उत्तर:** शिल्पकारों (दलितों) को विवाह में डोला-पालकी के प्रयोग का अधिकार दिलाने हेतु **डोला-पालकी आंदोलन** का नेतृत्व **जयानंद भारती** ने किया था; **कुली बेगार प्रथा** का अंत **13–14 जनवरी 1921** (मकर संक्रांति / उत्तरायणी मेला) को **बागेश्वर में सरयू एवं गोमती नदियों के संगम** पर **बद्रीदत्त पांडेय ('कुमाऊँ केसरी')**, हरगोविंद पंत और चिरंजीलाल के नेतृत्व में रजिस्टर बहाकर किया गया।

अभ्यास प्रश्न #67 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

35. **प्रश्न [HPSC HCS Pre 2022]:** हरियाणा में 'सूरजकुंड झील' का निर्माण किस शासक ने कराया था और 'शेख चिल्ली का मकबरा' (हरियाणा का ताजमहल) कहाँ स्थित है?

• **उत्तर:** सूरजकुंड (फरीदाबाद) का निर्माण 10वीं शताब्दी में तोमर वंश के राजा **सूरजपाल तोमर** ने कराया था; दारा शिकोह के आध्यात्मिक गुरु सूफी संत **शेख चिल्ली का मकबरा थानेसर (कुरुक्षेत्र)** में स्थित है, जिसे डेविड रॉस ने **'हरियाणा का ताजमहल'** कहा।

अभ्यास प्रश्न #68 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

36. **प्रश्न [JPSC Pre 2021]:** मुंडा जनजाति की पारंपरिक शासन व्यवस्था क्या कहलाती है और उराँव जनजाति की शासन व्यवस्था क्या कहलाती है?

• **उत्तर:** मुंडा जनजाति की शासन व्यवस्था **'मुंडा-मानकी / पड़हा पंचायत व्यवस्था'** (गाँव का प्रधान 'मुंडा', धार्मिक प्रधान 'पाहन', कई गाँवों के समूह 'पड़हा' का प्रधान 'पड़हा राजा' या 'मानकी' [हो जनजाति में 'मुंडा-मानकी' व्यवस्था — विल्किंसन रूल 1837]) कहलाती है; **उराँव** जनजाति की शासन व्यवस्था **'पड़हा पंचायत'** (ग्राम प्रधान 'महतो', सहयोगी 'माँझी', धार्मिक प्रधान 'पाहन' और उसका सहायक 'पन्भरा') तथा **संथालों** की शासन व्यवस्था **'माँझी परगना व्यवस्था'** (ग्राम प्रधान 'माँझी', उप-प्रधान 'प्राणिक/जोगमाँझी', धार्मिक प्रधान 'नायके') कहलाती है।

अभ्यास प्रश्न #69 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

37. **प्रश्न [CGPSC Pre 2023]:** छत्तीसगढ़ के प्राचीन इतिहास में 'सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर' का निर्माण किसने कराया था और यह किस सामग्री से निर्मित है?

• **उत्तर:** महासमुंद जिले में महानदी के तट पर स्थित **सिरपुर के प्रसिद्ध लक्ष्मण मंदिर** (भगवान विष्णु को समर्पित) का निर्माण 7वीं शताब्दी में पांडुवंशी शासक हर्षगुप्त की विधवा **रानी वासटा देवी** (मगध नरेश सूर्यवर्मा की पुत्री) ने अपने पुत्र **महाशिवगुप्त बालार्जुन** के शासनकाल में कराया था; यह भारत में **लाल ईंटों से निर्मित** सर्वश्रेष्ठ प्राचीन मंदिरों में से एक है।

अभ्यास प्रश्न #70 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

38. **प्रश्न [CGPSC Pre 2022]:** छत्तीसगढ़ में 'कलचुरि राजवंश' की प्रथम राजधानी कौन-सी थी और रतनपुर को राजधानी किसने बनाया?

• **उत्तर:** छत्तीसगढ़ में कलचुरि वंश के संस्थापक **कलिंगराज (1000 ई.)** ने **तुम्माण (कोरबा जिला)** को अपनी प्रथम राजधानी बनाया; उनके पौत्र **रत्नदेव प्रथम (1050 ई.)** ने **रतनपुर (बिलासपुर — 'तालाबों की नगरी' व महामाया मंदिर)** नगर बसाकर उसे राजधानी बनाया।

★ **संपूर्ण अध्ययन सार एवं परीक्षा रणनीति:** आईयूसी अकादमी (Inclusive Universal Careers Academy) की इस **पुस्तक क्रमांक 30** में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ के समस्त अध्यायों को मानक सरकारी पोर्टलों, जनगणना 2011 के मूल आँकड़ों, वन स्थिति रिपोर्ट, आर्थिक सर्वेक्षणों और विगत 15 वर्षों के लोक सेवा आयोग (PSC) प्रश्नपत्रों के साथ समन्वित किया गया है। अभ्यर्थी परीक्षा से पूर्व प्रत्येक अध्याय के **4-नोड वैचारिक आरेख**, **जिलेवार तुलनात्मक सारणियों** और **स्मृति ट्रिक्स** का त्वरित पुनरीक्षण अवश्य करें।

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान अध्ययन नोट्स

सचित्र विजुअल मॉड्यूल, 'क्या आप जानते हैं?' बॉक्स, परीक्षा जाल सतर्कता एवं त्वरित रिवीजन कैप्सूल

संस्थान: IUC अकादमी (Inclusive Universal Careers Academy | www.iucacademy.com)

पुस्तक कोड एवं शीर्षक: पुस्तक 30 — उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान अध्ययन नोट्स

आधिकारिक संदर्भ स्रोत: up.gov.in | bor.up.gov.in | state.bihar.gov.in | mp.gov.in | rajasthan.gov.in | censusindia.gov.in | www.iucacademy.com

लक्षित परीक्षाएँ: उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, बिहार लोक सेवा आयोग, मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, राजस्थान लोक सेवा आयोग, समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी, लेखपाल, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी, पुलिस उप-निरीक्षक, आरक्षी तथा राज्य स्तरीय समस्त प्रतियोगी परीक्षाएँ।

सामग्री मानक: 100 प्रतिशत कॉपीराइट-मुक्त, प्रामाणिक सरकारी पोर्टलों के आँकड़ों पर आधारित, छात्र-हितैषी एवं शुद्ध देवनागरी हिंदी अध्ययन सामग्री।

अध्ययन मार्गदर्शिका एवं विजुअल मॉड्यूल संरचना

प्रस्तुत अध्ययन नोट्स मॉड्यूल श्रृंखला को www.iucacademy.com के शैक्षणिक मानकों के अनुरूप हिंदी पट्टी के चार सबसे बड़े राज्यों — उत्तर प्रदेश (up.gov.in), बिहार (state.bihar.gov.in), मध्य प्रदेश (mp.gov.in) तथा राजस्थान (rajasthan.gov.in) — की राज्य-स्तरीय सिविल सेवा एवं एकदिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस दस्तावेज़ के प्रथम भाग में **12 पूर्ण 'IUC राज्य-विशेष प्रमुख अध्ययन इकाई'** दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक मॉड्यूल के अंतर्गत प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह, जिलेवार एवं राज्यवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी, 'क्या आप जानते हैं?' बॉक्स, 'परीक्षा जाल सतर्कता' बॉक्स और 'IUC स्मृति ट्रिक' सम्मिलित हैं। द्वितीय भाग में परीक्षा से ठीक पहले संपूर्ण पाठ्यक्रम को दोहराने हेतु **120-पॉइंट 'अंतिम समय त्वरित राज्य-विशेष वन-लाइनर रिवीजन कैप्सूल'** प्रस्तुत किया गया है।

मॉड्यूल 1: चारों राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान) का राजनीतिक-प्रशासनिक ढाँचा, पुनर्गठन एवं सीमांत भूगोल

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 1: चारों राज्यों (उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान) का राजनीतिक-प्रशासनिक ढाँचा, पुनर्गठन एवं सीमांत भूगोल

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं संवैधानिक-प्रशासनिक स्वरूप	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

1.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं संवैधानिक-प्रशासनिक स्वरूप

भारत के उत्तर एवं मध्य भाग में विस्तृत उत्तर प्रदेश (up.gov.in), बिहार (state.bihar.gov.in), मध्य प्रदेश (mp.gov.in) और राजस्थान (rajasthan.gov.in) देश की राजनीतिक, भौगोलिक एवं जनसांख्यिकीय धुरी का निर्माण करते हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का प्रथम, मध्य प्रदेश द्वितीय तथा उत्तर प्रदेश चतुर्थ सबसे बड़ा राज्य है, जबकि जनसंख्या (censusindia.gov.in) की दृष्टि से उत्तर प्रदेश प्रथम एवं बिहार तृतीय स्थान पर है। वर्ष 2000 में भारतीय संघ के अंतर्गत तीन नए राज्यों के गठन ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार की भौगोलिक सीमाओं को स्थायी रूप से पुनर्गठित किया — 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़, 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश के 13 पर्वतीय जिलों से उत्तराखंड (तत्कालीन उत्तरांचल), तथा 15 नवंबर 2000 को बिहार के दक्षिणी पठारी भाग से झारखंड राज्य का निर्माण हुआ।

1.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: राज्य पुनर्गठन से स्थानीय प्रशासनिक इकाई तक का पदानुक्रम

- **नोड 1 (ऐतिहासिक गठन एवं वर्ष 2000 का राज्य पुनर्गठन):** संयुक्त प्रांत से उत्तर प्रदेश (24 जनवरी 1950), बंगाल प्रेसीडेंसी से बिहार (22 मार्च 1912), मध्य भारत व विंध्य प्रदेश के विलय से मध्य प्रदेश (1 नवंबर 1956) तथा राजपूताना रियासतों के एकीकरण से राजस्थान (30 मार्च 1949 / 1 नवंबर 1956) का वर्तमान स्वरूप निर्मित हुआ; नवंबर 2000 में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व बिहार का विभाजन संपन्न हुआ (www.iucacademy.com)।

• **नोड 2 (प्रशासनिक संभाग एवं मंडल स्तर):** राज्य शासन के विकेंद्रीकरण हेतु उत्तर प्रदेश को 18 मंडलों (up.gov.in), बिहार को 9 प्रमंडलों (state.bihar.gov.in), मध्य प्रदेश को 10 संभागों (mp.gov.in) तथा राजस्थान को संभागीय आयुक्त प्रणाली (rajasthan.gov.in) के अंतर्गत विभाजित किया गया है।

• **नोड 3 (जनपद, अनुमंडल एवं तहसील प्रशासन):** मंडल के नीचे जिलाधिकारी (कलेक्टर) के नियंत्रण में जनपद (जिले) कार्य करते हैं, जो आगे उप-मंडल (अनुमंडल/उपखंड) तथा राजस्व तहसील (bor.up.gov.in) में बँटे होते हैं।

• **नोड 4 (विकास खंड, ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय):** 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज (जिला पंचायत, क्षेत्र/पंचायत समिति, ग्राम पंचायत) तथा नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत) अंतिम छोर तक प्रशासनिक सेवाएँ पहुँचाते हैं।

1.3 राज्यवार एवं जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राजनीतिक-प्रशासनिक एवं सीमांत संरचना

क्र.सं.	प्रशासनिक एवं भौगोलिक मानदंड	उत्तर प्रदेश (up.gov.in)	बिहार (state.bihar.gov.in)	मध्य प्रदेश (mp.gov.in)	राजस्थान (rajasthan.gov.in)
1	राज्य स्थापना / पुनर्गठन दिवस	24 जनवरी 1950 (पुनर्गठन: 1 नवंबर 1956)	22 मार्च 1912 (बिहार दिवस)	1 नवंबर 1956 (मध्य प्रदेश दिवस)	30 मार्च 1949 (राजस्थान दिवस; पूर्ण: 1 नवंबर 1956)
2	वर्ष 2000 में पृथक हुआ राज्य व तिथि	उत्तराखंड (9 नवंबर 2000)	झारखंड (15 नवंबर 2000)	छत्तीसगढ़ (1 नवंबर 2000)	कोई विभाजन नहीं हुआ
3	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल (वर्ग किमी)	2,40,928 वर्ग किमी (भारत का 7.33%)	94,163 वर्ग किमी (भारत का 2.86%)	3,08,252 वर्ग किमी (भारत का 9.38%)	3,42,239 वर्ग किमी (भारत का 10.41%, प्रथम)
4	प्रशासनिक मंडल / संभाग / प्रमंडल	18 मंडल (नवीनतम: अलीगढ़, 18वाँ)	9 प्रमंडल (पटना, तिरहुत, सारण, दरभंगा, कोसी, पूर्णिया, भागलपुर, मुंगेर, मगध)	10 संभाग (नवीनतम: शहडोल, 10वाँ)	संभागीय व्यवस्था (मूल 7; पुनर्गठित संरचना)
5	जिलों की संख्या	75 जिले (bor.up.gov.in)	38 जिले (38वाँ जिला: अरवल)	55 जिले (मऊगंज 53वाँ, पांढुर्णा 54वाँ, मैहर 55वाँ)	50 जिले (मूल 33 जिले + नवगठित जिले)
6	विधानमंडल का स्वरूप	द्विसदनीय (विधानसभा + विधान परिषद)	द्विसदनीय (विधानसभा + विधान परिषद)	एकसदनीय (केवल विधानसभा)	एकसदनीय (केवल विधानसभा)
7	विधानसभा सीटों की संख्या	403 निर्वाचित सदस्य	243 निर्वाचित सदस्य	230 निर्वाचित सदस्य	200 निर्वाचित सदस्य
8	विधान परिषद सीटों की संख्या	100 सदस्य	75 सदस्य	विधान परिषद अस्तित्व में नहीं	विधान परिषद अस्तित्व में नहीं (प्रस्तावित रहा)
9	लोकसभा सीटों की संख्या	80 सीटें (देश में सर्वाधिक)	40 सीटें	29 सीटें (अनुसूचित जाति: 4, जनजाति: 6)	25 सीटें
10	राज्यसभा सीटों की संख्या	31 सीटें (देश में सर्वाधिक)	16 सीटें	11 सीटें	10 सीटें
11	उच्च न्यायालय एवं खंडपीठ	प्रयागराज (खंडपीठ: लखनऊ)	पटना उच्च न्यायालय (स्थापना: 1916)	जबलपुर (खंडपीठ: ग्वालियर एवं इंदौर)	जोधपुर (खंडपीठ: जयपुर)
12	अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले जिले	नेपाल से 7 जिले (पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज)	नेपाल से 7 जिले (पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज)	कोई अंतर्राष्ट्रीय सीमा नहीं (भू-आवेष्ठित राज्य)	पाकिस्तान से रेडक्लिफ रेखा (1070 किमी; श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर आदि)
13	स्पर्श करने वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की संख्या	8 राज्य + 1 केंद्रशासित प्रदेश (दिल्ली) = कुल 9	3 राज्य (उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल)	5 राज्य (उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान)	5 राज्य (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात)

क्र.सं.	प्रशासनिक एवं भौगोलिक मानदंड	उत्तर प्रदेश (up.gov.in)	बिहार (state.bihar.gov.in)	मध्य प्रदेश (mp.gov.in)	राजस्थान (rajasthan.gov.in)
14	क्षेत्रफल में सबसे बड़ा एवं सबसे छोटा जिला	सबसे बड़ा: लखीमपुर खीरी; सबसे छोटा: हापुड़	सबसे बड़ा: पश्चिमी चंपारण; सबसे छोटा: शिवहर	सबसे बड़ा: छिंदवाड़ा (विभाजन पूर्व) / शिवपुरी; सबसे छोटा: निवाड़ी	सबसे बड़ा: जैसलमेर; सबसे छोटा: दूदू / धौलपुर
15	राजकीय पशु एवं राजकीय पक्षी	पशु: बारहसिंगा; पक्षी: सारस (क्रौंच)	पशु: गौर (बैल); पक्षी: गौरैया	पशु: बारहसिंगा (दलदली); पक्षी: दूधराज (शाह बुलबुल)	पशु: चिंकारा एवं ऊँट; पक्षी: गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड)
16	राजकीय वृक्ष एवं राजकीय पुष्प	वृक्ष: अशोक; पुष्प: पलाश (टेसू)	वृक्ष: पीपल; पुष्प: गेंदा	वृक्ष: बरगद; पुष्प: सफेद लिली	वृक्ष: खेजड़ी; पुष्प: रोहिड़ा

1.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **सोनभद्र का अनूठा भू-राजनीतिक गौरव:** उत्तर प्रदेश का सोनभद्र जिला भारत का एकमात्र ऐसा जिला है जो एक साथ **4 राज्यों** — मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार — के साथ अपनी सीमा साझा करता है (up.gov.in)।
2. **ललितपुर का तीन ओर से घेराव:** उत्तर प्रदेश के झांसी मंडल का ललितपुर जिला तीन ओर से मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है और केवल एक संकीर्ण गलियारे द्वारा झांसी जिले से जुड़ता है।
3. **रोहतास एवं कैमूर की पठारी सीमा:** बिहार का रोहतास जिला झारखंड और उत्तर प्रदेश दोनों को स्पर्श करता है, जबकि किशनगंज जिला नेपाल और पश्चिम बंगाल दोनों के साथ सीमा बनाता है (state.bihar.gov.in)।
4. **मध्य प्रदेश की अंतर्वर्ती स्थिति:** मध्य प्रदेश के कुल जिलों में से 17 से अधिक जिले पूर्णतः अंतर्वर्ती हैं, जो किसी अन्य राज्य की सीमा को स्पर्श नहीं करते (mp.gov.in)।
5. **उत्तर प्रदेश का नामकरण इतिहास:** 1836 में उत्तर-पश्चिम प्रांत, 1877 में आगरा एवं अवध का संयुक्त प्रांत, 1937 में केवल 'संयुक्त प्रांत' और 24 जनवरी 1950 को 'उत्तर प्रदेश' नाम अस्तित्व में आया; वर्ष 2018 से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' मनाया जाता है।

1.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

संकल्पनात्मक प्रवाह आरेख (Step-by-Step Process Flow)

चरण 1

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):* जाल 1 (उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ का भ्रम): अनेक अभ्यर्थी राज्य की राजधानी को ही उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ मान लेते हैं। स्मरण रखें—उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है किंतु उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ प्रयागराज में है; मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल है किंतु उच्च न्यायालय जबलपुर में है; राजस्थान की राजधानी जयपुर है किंतु उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में है। केवल बिहार में राजधानी और उच्च न्यायालय दोनों पटना में स्थित हैं। जाल 2 (उत्तर प्रदेश को स्पर्श करने वाले राज्यों की संख्या): यदि प्रश्न में पूछा जाए कि उत्तर प्रदेश कितने 'राज्यों' को स्पर्श करता है, तो उत्तर 8 राज्य (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार) होगा; परंतु यदि 'कुल राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों' की संख्या पूछी जाए, तो दिल्ली को जोड़कर उत्तर 9 होगा (up.gov.in)। जाल 3 (नेपाल सीमा की लंबाई व जिले): उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों के 7-7 जिले नेपाल को स्पर्श करते हैं, किंतु बिहार के साथ नेपाल की सीमा लगभग 726 किमी और उत्तर प्रदेश के साथ लगभग 579 किमी है। जाल 4 (मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश का राजकीय पशु): दोनों राज्यों का राजकीय पशु 'बारहसिंगा' है, परंतु मध्य प्रदेश ने विशेष रूप से 'ब्रैडरी प्रजाति' (दलदली बारहसिंगा, जो केवल कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में मिलता है) को राजकीय पशु घोषित किया है (mp.gov.in)। जाल 5 (वर्ष 2000 के राज्य विभाजन का कालक्रम): परीक्षा में तीनों राज्यों के गठन का सही कालानुक्रम पूछा जाता है—सही क्रम **छत्तीसगढ़ (1 नवंबर)

चरण 2

उत्तराखंड (9 नवंबर)

चरण 3

झारखंड (15 नवंबर)** है।

1.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (वर्ष 2000 में गठित तीन राज्यों का क्रम और तिथि): "छत (1) से उतर (9) कर झाड़ (15) में गिरा"**
- **छत (1 नवंबर 2000):** छत्तीसगढ़ (मध्य प्रदेश से पृथक)
- **उतर (9 नवंबर 2000):** उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश से पृथक)
- **झाड़ (15 नवंबर 2000):** झारखंड (बिहार से पृथक)
- **ट्रिक 2 (नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 7 जिले — पश्चिम से पूर्व क्रम): "पीला खीरा बहरा श्रवण बलराम सिद्ध महाराज"**
- **पीला:** पीलीभीत | **खीरा:** लखीमपुर खीरी | **बहरा:** बहराइच | **श्रवण:** श्रावस्ती | **बलराम:** बलरामपुर | **सिद्ध:** सिद्धार्थनगर | **महाराज:** महाराजगंज।
- **ट्रिक 3 (नेपाल से सटे बिहार के 7 जिले — पश्चिम से पूर्व क्रम): "पश्चिम-पूरब चंपा सीता, मधु सुपौल अररिया किशन"**
- पश्चिमी चंपारण → पूर्वी चंपारण → सीतामढ़ी → मधुबनी → सुपौल → अररिया → किशनगंज।

मॉड्यूल 2: उत्तर प्रदेश विशेष — भौतिक विभाजन, अपवाह तंत्र (गंगा-यमुना-घाघरा-चंबल), प्रमुख बांध एवं सिंचाई नहर प्रणालियाँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 2: उत्तर प्रदेश विशेष — भौतिक विभाजन, अपवाह तंत्र (गंगा-यमुना-घाघरा-चंबल), प्रमुख बांध एवं सिंचाई नहर प्रणालियाँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भू-आकृतिक संरचना	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

2.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भू-आकृतिक संरचना

उत्तर प्रदेश (up.gov.in) को भू-आकृतिक दृष्टि से तीन सुस्पष्ट भौतिक प्रदेशों में विभाजित किया जाता है: (1) उत्तर का भाबर एवं तराई क्षेत्र, (2) मध्य का विशाल गंगा-यमुना मैदानी प्रदेश (बांगर एवं खादर), तथा (3) दक्षिण का पठारी एवं पहाड़ी प्रदेश (बुंदेलखंड एवं बघेलखंड/विंध्यन पठार)। राज्य के अपवाह तंत्र में उद्गम के आधार पर तीन प्रकार की नदियाँ प्रवाहित होती हैं—(क) हिमालयी नदियाँ (गंगा, यमुना, रामगंगा, शारदा/काली, घाघरा/सरयू, राप्ती, गंडक), (ख) मैदानी झीलों व दलदलों से निकलने वाली नदियाँ (गोमती, वरुणा, सई, पांडो, ईसन), तथा (ग) दक्षिणी पठारी नदियाँ (चंबल, बेतवा, केन, सोन, रिहंद, टोंस, कनहर)। सिंचाई एवं राजस्व अभिलेखों (bor.up.gov.in) के अनुसार राज्य में शुद्ध सिंचित क्षेत्र का सर्वाधिक भाग नलकूपों (लगभग 70 प्रतिशत से अधिक) और उसके पश्चात नहरों द्वारा सींचा जाता है।

2.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: उत्तर प्रदेश का उत्तर से दक्षिण भौतिक विभाजन एवं जल-प्रवाह

- **नोड 1 (भाबर एवं तराई पट्टी — शिवालिक गिरिपाद):** सहारनपुर से कुशीनगर/देवरिया तक विस्तृत कंकड़-पत्थर युक्त 'भाबर' क्षेत्र (जहाँ छोटी नदियाँ भूमिगत हो जाती हैं) तथा उसके ठीक दक्षिण में महीन अवसादों व उच्च नमी वाला 'तराई' क्षेत्र (गन्ना, धान व जूट की सघन खेती) स्थित है (up.gov.in)।
- **नोड 2 (गंगा-यमुना का विशाल दोआब — बांगर एवं खादर):** पुरानी जलोढ़ मृदा वाले ऊँचे भू-भाग को 'बांगर' (ऊसर व रेह की समस्या संभावित) और प्रतिवर्ष बाढ़ से नवीनीकृत होने वाली नवीन जलोढ़ मृदा को 'खादर' (सर्वाधिक उपजाऊ कछारी भूमि) कहा जाता है (bor.up.gov.in)।
- **नोड 3 (गंगा नदी का राज्य में प्रवाह मार्ग — 28 जिले):** गंगा नदी बिजनौर जिले से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती है, कन्नौज में रामगंगा व प्रयागराज में यमुना को समाहित करती है, तथा गाजीपुर में गोमती से मिलकर बलिया जिले से बिहार में प्रवेश करती है।
- **नोड 4 (दक्षिण का बुंदेलखंड एवं विंध्यन पठारी क्षेत्र):** ग्रेनाइट व नीस चट्टानों से निर्मित बुंदेलखंड पठार (ललितपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट) और सोनभद्र-मिर्जापुर का विंध्यन क्षेत्र चंबल, बेतवा, केन, सोन व रिहंद नदियों तथा प्रमुख बांध परियोजनाओं का केंद्र है (www.iucacademy.com)।

2.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: उत्तर प्रदेश की प्रमुख नदियाँ, बांध एवं सिंचाई नहर प्रणालियाँ

क्र.सं.	नदी / बांध / नहर परियोजना	उद्गम स्थल / मुख्य स्रोत नदी	उत्तर प्रदेश में प्रवेश / प्रमुख संबंधित जिले (up.gov.in)	संगम स्थल / अंत बिंदु	प्रमुख विशेषता एवं परीक्षा उपयोगी तथ्य (www.iucacademy.com)
1	गंगा नदी	गंगोत्री हिमनद (भागीरथी, उत्तराखंड)	प्रवेश: बिजनौर; निकास: बलिया (कुल 28 जिलों से प्रवाह)	बंगाल की खाड़ी (बिहार व पश्चिम बंगाल होते हुए)	उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लंबाई (लगभग 1,450 किमी); कन्नौज से वाराणसी तक सर्वाधिक प्रदूषण भार
2	यमुना नदी	यमुनोत्री हिमनद (बंदरपूँछ, उत्तराखंड)	प्रवेश: सहारनपुर (फैजाबाद ग्राम के पास); 19 जिलों से प्रवाह	प्रयागराज में गंगा से संगम	वृहद चाप के आकार में प्रवाह; इटावा में चंबल, हमीरपुर में बेतवा और बांदा (भोजहा) में केन से संगम
3	रामगंगा नदी	दूधातोली श्रेणी (पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड)	प्रवेश: बिजनौर (कालागढ़ दुर्ग के पास)	कन्नौज के निकट गंगा में संगम	जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान से प्रवाहित; बिजनौर में कालागढ़ (रामगंगा) बांध निर्मित

क्र.सं.	नदी / बांध / नहर परियोजना	उद्गम स्थल / मुख्य स्रोत नदी	उत्तर प्रदेश में प्रवेश / प्रमुख संबंधित जिले (up.gov.in)	संगम स्थल / अंत बिंदु	प्रमुख विशेषता एवं परीक्षा उपयोगी तथ्य (www.iucacademy.com)
4	गोमती नदी	फुलहर झील (माधोटांडा, पीलीभीत)	पीलीभीत, शाहजहाँपुर, लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर	कैथी (गाजीपुर) के निकट गंगा में संगम	उत्तर प्रदेश की एकमात्र प्रमुख नदी जिसका उद्गम मैदानी झील से होता है (bor.up.gov.in)
5	शारदा (काली) नदी	मिलाम हिमनद (कुमाऊँ हिमालय)	प्रवेश: पीलीभीत जिला	बहरामघाट (बाराबंकी/सीतापुर सीमा) पर घाघरा (करनाली) से संगम	पीलीभीत व नेपाल की सीमा बनाती है; बनबसा से राज्य की सबसे बड़ी शारदा नहर निकाली गई है
6	घाघरा (सरयू) नदी	मापचाचुंगो हिमनद (तिब्बत पठार)	लखीमपुर खीरी, बहराइच, गोंडा, अयोध्या, बलिया	छपरा (सारण, बिहार) के निकट गंगा में संगम	अयोध्या के पास इसे 'सरयू' कहा जाता है; राप्ती नदी बरहज (देवरिया) में इससे मिलती है
7	राप्ती नदी	रुकुमकोट (धौलागिरी श्रेणी, नेपाल)	बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, गोरखपुर, देवरिया	बरहज (देवरिया) के पास घाघरा में संगम	गोरखपुर इसके तट पर स्थित है; इसकी मुख्य सहायक नदी 'रोहिणी' है; इसे 'बूढ़ी गंडक' से भिन्न समझें
8	चंबल नदी	जानापाव पहाड़ी (महू, इंदौर, मध्य प्रदेश)	आगरा एवं इटावा जिले (राजस्थान-मध्य प्रदेश सीमा बनाते हुए)	मुरादगंज (इटावा) के पास यमुना में संगम	अवनालिका अपरदन (बीहड़ या खड्ड निर्माण) के लिए प्रसिद्ध; राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य
9	बेतवा (वेत्रवती) नदी	कुम्हरा गाँव (रायसेन, मध्य प्रदेश)	ललितपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर	हमीरपुर के निकट यमुना में संगम	ललितपुर में माताटीला व राजघाट बांध तथा झांसी में परीक्षा व सुकमा-डुकमा बांध स्थित हैं
10	केन (कर्णावती) नदी	कैमूर पहाड़ियाँ (कटनी, मध्य प्रदेश)	बांदा जिला	चिल्ला / भोजहा (बांदा) के निकट यमुना में संगम	केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना (भारत की प्रथम नदी जोड़ो परियोजना) से बुंदेलखंड को सीधा लाभ
11	सोन (स्वर्ण) नदी	अमरकंटक पठार (अनूपपुर, मध्य प्रदेश)	सोनभद्र एवं मिर्जापुर का दक्षिणी भाग	पटना (मनेर/दानापुर, बिहार) के पास गंगा में संगम	उत्तर की ओर बहने वाली प्रमुख पठारी नदी; सहायक नदियाँ: रिहंद (रेणुका), कनहर एवं उत्तरी कोयल
12	रिहंद बांध (गोविंद वल्लभ पंत सागर)	रिहंद नदी (सोन की सहायक)	पिपरी (सोनभद्र जिला)	सोन नदी में जल प्रवाह	भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम झीलों में से एक; ओबरा ताप विद्युत व जल विद्युत केंद्र से संबद्ध
13	माताटीला एवं राजघाट बांध	बेतवा नदी	ललितपुर जिला	बेतवा नहर प्रणाली	राजघाट बांध (रानी लक्ष्मीबाई बांध) उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश की संयुक्त परियोजना है
14	ऊपरी गंगा नहर एवं निचली गंगा नहर	गंगा नदी	ऊपरी: हरिद्वार (1854); निचली: नरौरा, बुलंदशहर (1878)	पश्चिमी एवं मध्य उत्तर प्रदेश के जिले	ऊपरी गंगा नहर के जनक सर प्रोबी कॉटले थे; निचली गंगा नहर नरौरा परमाणु केंद्र के पास से निकलती है
15	पूर्वी यमुना नहर एवं शारदा नहर	यमुना नदी एवं शारदा नदी	पूर्वी यमुना: फैजाबाद (सहारनपुर, 1830); शारदा: बनबसा (1928)	पूर्वी यमुना: सहारनपुर-दिल्ली; शारदा: पीलीभीत से प्रयागराज तक	पूर्वी यमुना नहर राज्य की **सबसे पुरानी नहर** (1830) है; शारदा नहर राज्य की **सबसे लंबी नहर प्रणाली** है
16	सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना	घाघरा, सरयू, राप्ती, बाणगंगा व रोहिणी	बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, महाराजगंज	पूर्वांचल के 9 जिलों में सिंचाई	5 नदियों को जोड़कर निर्मित वृहद सिंचाई तंत्र; बहराइच से गोरखपुर-महाराजगंज तक विस्तार

2.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **कालागढ़ बांध की ऊँचाई:** बिजनौर जिले में रामगंगा नदी पर निर्मित 'रामगंगा काठी बांध' (कालागढ़ बांध, ऊँचाई लगभग 128 मीटर) उत्तर प्रदेश का सबसे ऊँचा बांध है (up.gov.in)।
2. **हथनीकुंड बैराज (नया ताजेवाला बैराज):** सहारनपुर जिले के पास यमुना नदी पर 1999 में निर्मित हथनीकुंड बैराज पाँच राज्यों — उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान — के मध्य जल बँटवारे का प्रमुख केंद्र है।
3. **गोविंद सागर बनाम गोविंद वल्लभ पंत सागर:** ललितपुर में शहजाद नदी पर बना बांध 'गोविंद सागर बांध' है, जबकि सोनभद्र में रिहंद नदी पर बना बांध 'गोविंद वल्लभ पंत सागर' है (bor.up.gov.in)।
4. **अर्जुन एवं मौदहा बांध:** हमीरपुर जिले के चरखारी (वर्तमान महोबा क्षेत्र) में अर्जुन नदी पर 'अर्जुन बांध' तथा बिरमा नदी पर 'मौदहा बांध' बुंदेलखंड की जीवनरेखा माने जाते हैं।
5. **मेजा जलाशय बांध:** उत्तर प्रदेश का मेजा बांध मिर्जापुर जिले में **बेलन नदी** पर निर्मित है (जबकि राजस्थान का मेजा बांध भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी पर है)।

2.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (गंगा का प्रवेश और निकास जिला):** अभ्यर्थी प्राय: सहारनपुर को गंगा और यमुना दोनों का प्रवेश द्वार मान लेते हैं। ध्यान रहे—**यमुना सहारनपुर** से प्रवेश करती है, जबकि **गंगा और रामगंगा दोनों बिजनौर** जिले से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती हैं। गंगा का निकास जिला **बलिया** है।
- **जाल 2 (चंबल, बेतवा और केन के यमुना में संगम जिले):** आयोग मिलान वाले प्रश्नों में इन तीनों के संगम जिले पूछता है—**चंबल इटावा (मुरादगंज)** में, **बेतवा हमीरपुर** में, और **केन बांदा (भोजहा/चिल्ला)** में यमुना से मिलती है।
- **जाल 3 (सबसे पुरानी नहर बनाम सबसे बड़ी नहर):** उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी नहर **पूर्वी यमुना नहर (1830)** है, जबकि सबसे बड़ी/लंबी नहर प्रणाली **शारदा नहर (1928)** है (up.gov.in)।
- **जाल 4 (मेजा बांध का राज्य भ्रम):** यदि उत्तर प्रदेश की परीक्षा में 'मेजा जलाशय' पूछा जाए तो उत्तर **बेलन नदी (मिर्जापुर)** होगा, और यदि राजस्थान की परीक्षा में 'मेजा बांध' पूछा जाए तो उत्तर **कोठारी नदी (भीलवाड़ा)** होगा (rajasthan.gov.in)।
- **जाल 5 (गोमती नदी का संगम):** गोमती नदी वाराणसी से आगे गाजीपुर जिले के **कैथी (मार्कंडेय महादेव मंदिर)** के पास गंगा में मिलती है; इसे प्रयागराज या वाराणसी के भीतर न मिलाएँ।

2.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (बेतवा नदी पर स्थित प्रमुख बांध): "बेटी माता और राजरानी ने झांसी में सुकमा की परीक्षा ली"**
- **बेटी:** बेतवा नदी | **माता:** माताटीला बांध (ललितपुर) | **राजरानी:** राजघाट / रानी लक्ष्मीबाई बांध (ललितपुर) | **सुकमा:** सुकमा-डुकमा बांध (झांसी) | **परीक्षा:** परीक्षा बांध (झांसी)।
- **ट्रिक 2 (यमुना की दक्षिणी सहायक नदियाँ एवं उनके संगम जिले — पश्चिम से पूर्व): "चमके इटावा, बेटा हमीर, केन बंधा बांदा तीर"**
- **चमके इटावा:** चंबल नदी → इटावा में यमुना से संगम
- **बेटा हमीर:** बेतवा नदी → हमीरपुर में यमुना से संगम
- **केन बंधा बांदा तीर:** केन नदी → बांदा में यमुना से संगम

मॉड्यूल 3: उत्तर प्रदेश विशेष — राजस्व प्रशासन (bor.up.gov.in), भूमि सुधार, लेखपाल/पटवारी शब्दावली एवं पंचायती राज व्यवस्था

अध्याय

के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 3: उत्तर प्रदेश विशेष — राजस्व प्रशासन (bor.up.gov.in), भूमि सुधार, लेखपाल/पटवारी शब्दावली एवं पंचायती राज व्यवस्था

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं राजस्व संहिता का विकास	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

3.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं राजस्व संहिता का विकास

उत्तर प्रदेश में भू-राजस्व प्रशासन, भूमि अभिलेखों के रख-रखाव, चकबंदी एवं कृषि भूमि के उत्तराधिकार का संचालन **उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद (bor.up.gov.in)** द्वारा किया जाता है। ब्रिटिश काल में सन् 1831 में इलाहाबाद (प्रयागराज) में राजस्व परिषद की स्थापना हुई थी। स्वतंत्रता के पश्चात 1947-48 में इसके प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों को पृथक कर दिया गया—वर्तमान में राजस्व परिषद का **प्रशासनिक मुख्यालय लखनऊ** में और **न्यायिक मुख्यालय प्रयागराज** में स्थित है। जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम, 1950 (1 जुलाई 1952 से लागू) तथा उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम, 1953 (1954 में मुसाफिरखाना, सुल्तानपुर व कैराना, मुजफ्फरनगर से प्रारंभ तथा 1958 से पूरे राज्य में लागू) के पश्चात पुरानी विधियों को एकीकृत कर **'उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006'** (11 फरवरी 2016 से पूर्णतः प्रवृत्त) लागू की गई है।

3.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: उत्तर प्रदेश राजस्व प्रशासन एवं भू-अभिलेख पदानुक्रम (bor.up.gov.in)

• **नोड 1 (शीर्ष स्तर — राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश):** अध्यक्ष एवं सदस्यों (प्रशासनिक मुख्यालय: लखनऊ; न्यायिक मुख्यालय: प्रयागराज) के अधीन भूमि बंदोबस्त, भू-अभिलेख आधुनिकीकरण ('भूलेख' पोर्टल bor.up.gov.in) तथा राजस्व अपीलों का सर्वोच्च नियंत्रण।

• **नोड 2 (मंडल एवं जनपद स्तर — मंडलायुक्त एवं कलेक्टर/जिलाधिकारी):** मंडल स्तर पर आयुक्त एवं अपर आयुक्त तथा जिला स्तर पर जिलाधिकारी/कलेक्टर और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) जिले के समस्त भूमि अभिलेखों एवं राजस्व वसूली के प्रभारी होते हैं।

• **नोड 3 (तहसील एवं परगना स्तर — उप-जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार):** उप-जिलाधिकारी (एसडीएम) उपखंड का प्रभारी होता है; तहसीलदार दाखिल-खारिज (नामांतरण) के विवादित मामलों का निस्तारण करता है तथा नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) क्षेत्रीय निरीक्षण करते हैं।

• **नोड 4 (ग्राम एवं हल्का स्तर — लेखपाल एवं अमीन):** लेखपाल (पूर्व नाम: पटवारी, जिसे चौधरी चरण सिंह के कार्यकाल में 'लेखपाल' नाम दिया गया) ग्राम स्तर पर खसरा, खतौनी, सजरा, दिनचर्या बही और सीमा द्योतक चिह्नों का संधारण करता है, जबकि अमीन भू-राजस्व की वसूली करता है (www.iucacademy.com)।

3.3 विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राजस्व अभिलेख, भूमि मापन इकाइयाँ, जोतदार श्रेणियाँ एवं पंचायती राज प्रावधान

क्र.सं.	राजस्व शब्दावली / अभिलेख / इकाई	आधिकारिक परिभाषा एवं कानूनी संदर्भ (bor.up.gov.in)	नवीनीकरण अवधि / खानों (कॉलम) की संख्या	प्रभारी अधिकारी एवं व्यावहारिक उपयोग (www.iucacademy.com)
1	सजरा (ग्राम नक्शा)	पूरे गाँव की भूमि की पट्टियों एवं खेतों (गाटा संख्या) को दर्शाने वाला कपड़े या ट्रेसिंग पेपर पर बना नक्शा	स्थायी बंदोबस्त नक्शा (संशोधन चकबंदी या सर्वेक्षण पर)	लेखपाल इसके आधार पर प्रत्येक खेत की भौतिक सीमा एवं रास्ता सत्यापित करता है
2	खसरा (अधिकार एवं फसल अभिलेख)	सजरा के प्रत्येक खेत (गाटा) का क्षेत्रफल, जोतदार का नाम, सिंचाई का साधन, बोई गई फसल (खरीफ, रबी, जायद) व वृक्षों का विवरण	प्रतिवर्ष नवीनीकृत (1 जुलाई से 30 जून — फसली वर्ष); पारंपरिक खसरे में 22 खाने, कंप्यूटरीकृत खसरे में 46 कॉलम	लेखपाल द्वारा वर्ष में तीन बार (खरीफ, रबी, जायद) 'पड़ताल' करके भरा जाता है
3	खतौनी (अधिकार अभिलेख)	किसी परिवार या व्यक्ति के सभी गाटों (खेतों) का समेकित विवरण और जोतदार की श्रेणी बताने वाला मुख्य स्वामित्व रजिस्टर	प्रत्येक **6 वर्ष** पर नवीनीकरण; इसमें **13 खाने (कॉलम)** होते हैं (कंप्यूटरीकृत रियल-टाइम खतौनी में 19 कॉलम)	भूमि के स्वामित्व, बैंक ऋण (किसान क्रेडिट कार्ड) एवं क्रय-विक्रय का प्राथमिक वैधानिक प्रमाण
4	दाखिल-खारिज (नामांतरण / म्यूटेशन)	उत्तराधिकार, विक्रय या दान के कारण खतौनी से पुराने खातेदार का नाम हटाकर नए खातेदार का नाम दर्ज करना	उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 33/34/35 के अंतर्गत समयबद्ध प्रक्रिया	अविवादित उत्तराधिकार राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) द्वारा, तथा विवादित/क्रय मामले तहसीलदार न्यायालय द्वारा
5	पड़ताल (कृषि निरीक्षण)	लेखपाल द्वारा खेत-खेत जाकर फसलों और सिंचाई का भौतिक सत्यापन करना	वर्ष में 3 बार: प्रथम (खरीफ — 10 अगस्त से), द्वितीय (रबी — 1 जनवरी से), तृतीय (जायद — 1 मई से)	पड़ताल के आँकड़े खसरे और जिंसवार (फसल सांख्यिकी) में दर्ज किए जाते हैं
6	फसली वर्ष एवं कृषि वर्ष	उत्तर प्रदेश में भू-राजस्व एवं कृषि गणना का आधिकारिक वर्ष	**1 जुलाई से 30 जून** तक	फसली संवत् निकालने हेतु प्रचलित ईस्वी सन् में से 592 या 593 घटाया जाता है
7	दिनचर्या बही (डायरी)	लेखपाल के प्रतिदिन के सरकारी कार्यों का कालानुक्रमिक विवरण	1 अगस्त से 31 जुलाई तक की अवधि हेतु	लेखपाल लैंड रिकॉर्ड्स मैनुअल के पैरा 47 के अंतर्गत अनिवार्य अभिलेख

क्र.सं.	राजस्व शब्दावली / अभिलेख / इकाई	आधिकारिक परिभाषा एवं कानूनी संदर्भ (bor.up.gov.in)	नवीनीकरण अवधि / खानों (कॉलम) की संख्या	प्रभारी अधिकारी एवं व्यावहारिक उपयोग (www.iucacademy.com)
8	खेवट	जमींदारी प्रथा के काल में जमींदारों के अधिकार का रजिस्टर	जमींदारी उन्मूलन अधिनियम 1950 के बाद कृषि भूमि हेतु समाप्त	केवल ऐतिहासिक एवं नगरीय गैर-जमींदारी उन्मूलन क्षेत्रों के संदर्भ में परीक्षोपयोगी
9	संक्रमणीय अधिकार वाला भूमिधर	उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 75 के अंतर्गत सर्वोच्च श्रेणी का भू-स्वामी	स्थायी एवं वंशानुगत अधिकार	इसे अपनी भूमि बेचने, बंधक रखने और अंतरित करने का पूर्ण अधिकार होता है
10	असंक्रमणीय अधिकार वाला भूमिधर	धारा 76 के अंतर्गत ग्राम सभा/सरकारी पट्टे से भूमि प्राप्त करने वाला जोतदार	पट्टा प्राप्ति से **5 वर्ष** पूर्ण होने पर स्वतः संक्रमणीय भूमिधर बन जाता है	5 वर्ष से पूर्व भूमि को बेचने का अधिकार नहीं होता (बैंक ऋण हेतु बंधक रख सकता है)
11	आसामी एवं सरकारी पट्टेदार	धारा 78 (आसामी) एवं धारा 80 (कृषि से भिन्न उपयोग की घोषणा)	अस्थायी एवं अहस्तांतरणीय काश्तकारी अधिकार	नदी के तल, चरागाह या अक्षम भूमिधर की भूमि पर खेती करने वाला काश्तकार
12	शाहजहानी जरीब एवं गंटरी जरीब	भूमि मापन की मानक जंजीरें (100 कड़ियों वाली)	शाहजहानी जरीब = **165 फीट (55 गज)**; गंटरी जरीब = **66 फीट (22 गज)**	1 एकड़ = 10 वर्ग गंटरी जरीब = 4840 वर्ग गज = 1.6 पक्का बीघा
13	पक्का बीघा, बिस्वा एवं विश्वांसी	उत्तर प्रदेश में प्रचलित मानक क्षेत्रीय भूमि मापन इकाई	1 पक्का बीघा = 1 वर्ग शाहजहानी जरीब = **3025 वर्ग गज (55 गज × 55 गज)** = 20 बिस्वा	1 हेक्टेयर = 10,000 वर्ग मीटर = 3.95 पक्का बीघा = 2.471 एकड़
14	उत्तर प्रदेश पंचायती राज अधिनियम	1947 में पारित (7 दिसंबर 1947 को गवर्नर जनरल की स्वीकृति)	73वें संविधान संशोधन (1992) के अनुरूप 1994 में संशोधित (up.gov.in)	त्रिस्तरीय व्यवस्था: ग्राम पंचायत (ग्राम स्तर), क्षेत्र पंचायत (ब्लॉक स्तर), जिला पंचायत (जिला स्तर)
15	ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत की बैठकें	200 या अधिक जनसंख्या पर ग्राम पंचायत का गठन; 18 वर्ष+ मतदाता ग्राम सभा के सदस्य	ग्राम सभा की वर्ष में कम से कम **2 बैठकें** (खरीफ और रबी की फसल के बाद) अनिवार्य	ग्राम पंचायत की बैठक माह में कम से कम 1 बार; कोरम (गणपूर्ति): कुल सदस्यों का 1/3 भाग

3.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **यूनिक गाटा कोड (16 अंकों का भू-आधार):** उत्तर प्रदेश सरकार (bor.up.gov.in) ने भूमि धोखाधड़ी रोकने के लिए राज्य के प्रत्येक गाटे (खेत) को **16 अंकों का यूनिक आईडी नंबर** आवंटित किया है—इसमें प्रथम 6 अंक गाँव के जनगणना कोड, अगले 4 अंक भूखंड संख्या, अगले 4 अंक उप-विभाजन और अंतिम 2 अंक भूमि की श्रेणी (कृषि, आवासीय या व्यावसायिक) दर्शाते हैं।
2. **पटवारी से लेखपाल नामकरण:** वर्ष 1952 में तत्कालीन राजस्व मंत्री चौधरी चरण सिंह ने लगभग 27,000 पटवारियों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद 'पटवारी' पद को समाप्त कर **'लेखपाल'** पद का सृजन किया।
3. **घरौनी (स्वामित्व योजना):** ग्रामीण आबादी की भूमि (लाल डोरा / आबादी देह) का ड्रोन सर्वेक्षण कर ग्रामीणों को दिया जाने वाला ग्रामीण आवासीय अभिलेख **'घरौनी'** कहलाता है।
4. **किसान बही योजना:** उत्तर प्रदेश में वर्ष **1992** से जोतदारों को उनकी भूमि, खसरा नंबर व मालगुजारी की पासबुक के रूप में 'किसान बही' प्रदान करने की व्यवस्था शुरू की गई।
5. **बलवंत राय मेहता समिति व त्रिस्तरीय पंचायत:** उत्तर प्रदेश में बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर क्षेत्र पंचायत एवं जिला परिषद अधिनियम **1961** में पारित किया गया।

3.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (खसरा बनाम खतौनी के खानों की संख्या):** लेखपाल व ग्राम विकास अधिकारी परीक्षाओं में यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है। याद रखें—पारंपरिक **खसरे में 22 खाने** (कंप्यूटरीकृत में 46) और **खतौनी में 13 खाने** (कंप्यूटरीकृत रियल-टाइम खतौनी में 19) होते हैं। खसरा प्रतिवर्ष बनता है, जबकि खतौनी प्रत्येक **6 वर्ष** पर नवीनीकृत होती है (bor.up.gov.in)।
- **जाल 2 (अधिकार अभिलेख कौन सा है?):** यदि प्रश्न पूछे कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 के अनुसार 'अधिकार अभिलेख' (Record of Rights) किसे कहा जाता है, तो उत्तर **खतौनी** होगा (खसरा केवल क्षेत्रीय पंजी/फसल अभिलेख है, अधिकार अभिलेख नहीं)।
- **जाल 3 (ग्राम सभा बनाम ग्राम पंचायत):** 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके तथा ग्राम की मतदाता सूची में पंजीकृत **सभी वयस्क व्यक्ति 'ग्राम सभा'** के सदस्य होते हैं, जबकि उनके द्वारा निर्वाचित प्रधान और वार्ड सदस्यों की कार्यकारिणी को **'ग्राम पंचायत'** कहते हैं।
- **जाल 4 (ग्राम प्रधान को हटाने की प्रक्रिया):** ग्राम प्रधान के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव उसके निर्वाचन के **प्रथम 1 वर्ष (संशोधित प्रावधानों में 2 वर्ष)** तक नहीं लाया जा सकता, और एक बार प्रस्ताव गिर जाने पर अगले 1 वर्ष तक पुनः नहीं लाया जा सकता।
- **जाल 5 (कच्चा बीघा बनाम पक्का बीघा):** 1 पक्का बीघा = 3025 वर्ग गज = 3 कच्चे बीघे होता है। अतः 1 कच्चा बीघा लगभग 1008.33 वर्ग गज (843 वर्ग मीटर) के बराबर होता है।

3.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (खसरा एवं खतौनी के खानों व वर्ष का अंतर): "खसरा बाईस (22) साल में एक (1), खतौनी तेरह (13) छह (6) साल तक नेक"**
- **खसरा:** 22 खाने → 1 वर्ष की वैधता (3 पड़ताल: खरीफ, रबी, जायद)
- **खतौनी:** 13 खाने → 6 वर्ष की वैधता (वास्तविक अधिकार अभिलेख)
- **ट्रिक 2 (भूमि मापन इकाइयों का आरोही क्रम): "विश्वांसी → बिस्वा → कच्चा बीघा → पक्का बीघा → एकड़ → हेक्टेयर"**
- 20 कचवांसी = 1 विश्वांसी | 20 विश्वांसी = 1 बिस्वा | 20 बिस्वा = 1 पक्का बीघा (3025 वर्ग गज) | 1.6 पक्का बीघा = 1 एकड़ (4840 वर्ग गज) | 2.471 एकड़ = 1 हेक्टेयर (10,000 वर्ग मीटर)।

मॉड्यूल 4: उत्तर प्रदेश विशेष — एक जनपद एक उत्पाद (ODOP), प्रमुख संगीत घराने, लोकनृत्य, मेले एवं ऐतिहासिक स्थापत्य विरासत

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 4: उत्तर प्रदेश विशेष — एक जनपद एक उत्पाद (ODOP), प्रमुख संगीत घराने, लोकनृत्य, मेले एवं ऐतिहासिक स्थापत्य विरासत

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक-आर्थिक विरासत	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

4.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक-आर्थिक विरासत

उत्तर प्रदेश (up.gov.in) भारतीय संस्कृति, शास्त्रीय संगीत (ध्रुपद, ख्याल, ठुमरी एवं कथक नृत्य), मुगल-अवध-शर्की स्थापत्य कला और पारंपरिक हस्तशिल्प का हृदय स्थल है। राज्य के पारंपरिक कुटीर उद्योगों, कारीगरों और भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा स्थानीय रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से **24 जनवरी 2018** (प्रथम उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस) को **'एक जनपद एक उत्पाद' (One District One Product — ODOP)** योजना का शुभारंभ किया गया। सांस्कृतिक दृष्टि से राज्य को ब्रज, अवध, भोजपुरी, बुंदेलखंड और रुहेलखंड के पाँच प्रमुख सांस्कृतिक अंचलों में विभाजित किया जाता है (www.iucacademy.com)।

4.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं शिल्प विरासत का क्षेत्रीय मानचित्रण

- **नोड 1 (ब्रज एवं पश्चिमी अंचल):** आगरा घराना (फैयाज खाँ), किराना घराना (शामली — अब्दुल करीम खाँ व भीमसेन जोशी), खुर्जा की पॉटरी, फिरोजाबाद की काँच की चूड़ियाँ, अलीगढ़ के ताले तथा मथुरा-वृंदावन का चरकुला, रास और मयूर नृत्य (up.gov.in)।

• **नोड 2 (अवध एवं मध्य अंचल):** लखनऊ घराना (वाजिद अली शाह का स्वर्णकाल, बिंदादीन महाराज — कथक व ठुमरी, बिरजू महाराज), लखनऊ की चिकनकारी एवं जरदोजी, कन्नौज का इत्र तथा बाराबंकी का देवा शरीफ मेला।

• **नोड 3 (बुंदेलखंड एवं विंध्य अंचल):** झांसी-ललितपुर-महोबा क्षेत्र के वीर रस के आल्हा गीत, राई नृत्य (बुंदेलखंड का मयूर नृत्य), पाई डंडा, शैरा व कार्तिक नृत्य, महोबा का गौर पत्थर शिल्प और बांदा का सजर पत्थर शिल्प।

• **नोड 4 (पूर्वांचल एवं भोजपुरी अंचल):** बनारस घराना (ठुमरी — गिरिजा देवी, शहनाई — बिस्मिल्लाह खाँ, तबला — किशन महाराज), भदोही के कालीन, वाराणसी की रेशमी साड़ी, गोरखपुर का टेराकोटा, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी (निजामाबाद) तथा धोबिया, नटवरी व कजरी लोक कलाएँ (www.iucacademy.com)।

4.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: एक जनपद एक उत्पाद (ODOP), लोकनृत्य, घराने एवं प्रमुख मेले (up.gov.in)

क्र.सं.	जनपद / क्षेत्र	'एक जनपद एक उत्पाद' (ODOP) शिल्प / उत्पाद	प्रमुख लोकनृत्य / लोकगीत एवं संगीत घराना	प्रमुख मेला / महोत्सव एवं ऐतिहासिक स्थापत्य
1	लखनऊ	चिकनकारी एवं जरी-जरदोजी	लखनऊ घराना (कथक: बिरजू महाराज, लच्छू महाराज; तबला: मोदू खाँ-बख्शू खाँ)	लखनऊ महोत्सव; बड़ा इमामबाड़ा (आसफुद्दौला, 1784) एवं रूमी दरवाजा
2	वाराणसी	बनारसी रेशम साड़ी (सिल्क उत्पाद)	बनारस घराना (गिरिजा देवी, सिद्धेश्वरी देवी, बिस्मिल्लाह खाँ, राजन-साजन मिश्र); नटवरी व धोबिया नृत्य	ध्रुपद मेला, नक्कटैया मेला (चेतगंज), रथयात्रा मेला; काशी विश्वनाथ धाम एवं सारनाथ स्तूप
3	प्रयागराज	मूँज उत्पाद	कजरी, बिरहा एवं संस्कार गीत	महाकुंभ (12 वर्ष), अर्धकुंभ (6 वर्ष) एवं वार्षिक माघ मेला; अकबर का किला, आनंद भवन
4	आगरा	चमड़ा उत्पाद एवं पत्थर/संगमरमर निर्मित हस्तशिल्प	आगरा घराना (अलखदास-मलूकदास, सुजान खाँ, फैयाज खाँ — 'रंगीला घराना')	सुलहकुल उत्सव (हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक), बटेश्वर पशु मेला, कैलाश मेला; ताजमहल, फतेहपुर सीकरी
5	मथुरा	स्वच्छता संबंधी उपकरण (सैनिटरी फिटिंग्स) एवं ठाकुरजी की पोशाक	**चरकुला नृत्य** (सिर पर 108 दीपों का रथ रखकर), रास नृत्य, झूला, होरी एवं लठमार होली (बरसाना)	कंस मेला, श्रावणी मेला, हरिदास जयंती (निधिवन, वृंदावन) — उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 86 मेले मथुरा में
6	गोरखपुर	टेराकोटा (पकी मिट्टी की कलाकृतियाँ)	फगुआ, बिरहा, जोगीरा	मकर संक्रांति का प्रसिद्ध **खिचड़ी मेला** (गोरखनाथ मंदिर), सैयद सालार मेला (बहराइच से संबद्ध परंपरा)
7	आजमगढ़	ब्लैक पॉटरी (काली मिट्टी के कलात्मक बर्तन — निजामाबाद)	हरिहरपुर संगीत घराना; कजरी व बिरहा	दुर्वासा ऋषि मेला, दत्तात्रेय मेला
8	भदोही (संत रविदास नगर)	कालीन (दरी एवं हस्तनिर्मित गलीचे — 'कालीन नगरी')	कजरी एवं भोजपुरी लोकगीत	अंतर्राष्ट्रीय कालीन मेला
9	मिर्जापुर एवं सोनभद्र	मिर्जापुर: कालीन एवं पीतल उद्योग; सोनभद्र: कालीन	मिर्जापुर: **कजरी** का मूल केंद्र; सोनभद्र: **कर्मा, शैला, ठडिया, चोलर एवं ढरकहरी** (जनजातीय नृत्य)	विंध्याचल नवरात्र मेला, कजरी महोत्सव (मिर्जापुर); विजयगढ़ एवं अगोरी किला (सोनभद्र)
10	झांसी, ललितपुर एवं महोबा (बुंदेलखंड)	झांसी: सॉफ्ट टॉयज (खिलौने); ललितपुर: जरी-सिल्क साड़ी; महोबा: गौर पत्थर शिल्प	**राई नृत्य, पाई डंडा** (बुंदेलखंड का डांडिया), **शैरा नृत्य, दीवारी नृत्य, घोड़ा नृत्य, कार्तिक गीत** एवं **आल्हा**	झांसी: आयुर्वेद महोत्सव, झांसी का किला; ललितपुर: **देवगढ़ का दशावतार मंदिर** (गुप्तकालीन); महोबा: कजली मेला
11	कन्नौज एवं फर्रुखाबाद	कन्नौज: इत्र (सुगंधित तेल); फर्रुखाबाद: वस्त्र छपाई (ब्लॉक प्रिंटिंग)	आल्हा (कन्नौज क्षेत्र में भी अत्यंत लोकप्रिय)	कन्नौज: मकनपुर मेला (बिल्हौर सीमा); फर्रुखाबाद: कामपिल्य मेला, रामनगरिया मेला (श्रृंगीरामपुर)
12	अलीगढ़, मुरादाबाद एवं फिरोजाबाद	अलीगढ़: ताले एवं हार्डवेयर; मुरादाबाद: धातु शिल्प (पीतल नगरी); फिरोजाबाद: काँच के उत्पाद	अतरौली घराना (अलीगढ़ — काले खाँ व चाँद खाँ); मुरादाबाद घराना	अलीगढ़: हरिदास संगीत सम्मेलन व नुमाइश मेला
13	मेरठ, सहारनपुर एवं शामली	मेरठ: खेल का सामान; सहारनपुर: लकड़ी पर नक्काशी; शामली: लौह कला (रिम-धुरा)	**किराना घराना** (कैराना, शामली — बंदे अली खाँ, अब्दुल करीम खाँ, गंगूबाई हंगल, भीमसेन जोशी); रागिनी	मेरठ: **नौचंदी मेला** (होली के बाद), गढ़मुक्तेश्वर मेला (हापुड़); सहारनपुर: **शाकंभरी देवी मेला**

क्र.सं.	जनपद / क्षेत्र	'एक जनपद एक उत्पाद' (ODOP) शिल्प / उत्पाद	प्रमुख लोकनृत्य / लोकगीत एवं संगीत घराना	प्रमुख मेला / महोत्सव एवं ऐतिहासिक स्थापत्य
14	बाराबंकी, बहराइच एवं अंबेडकरनगर	बाराबंकी: वस्त्र उत्पाद (स्टोल); बहराइच: गेहूँ के डंठल का शिल्प; अंबेडकरनगर: वस्त्र उत्पाद	अवधी सोहर, नकटा एवं बिरहा	बाराबंकी: **देवा शरीफ मेला** (हाजी वारिस अली शाह); बहराइच: **सैयद सालार मसूद गाजी मेला**; अंबेडकरनगर: **गोविंद साहब मेला**
15	जौनपुर, सिद्धार्थनगर एवं काला नमक क्षेत्र	जौनपुर: ऊनी दरी (माधोपट्टी); सिद्धार्थनगर: **काला नमक चावल**	चौरसिया नृत्य (जौनपुर के कहारों द्वारा)	जौनपुर: **अटाला मस्जिद, झंझरी मस्जिद, लाल दरवाजा मस्जिद** (शर्की स्थापत्य — 'पूर्व का सिराज'); सिद्धार्थनगर: कपिलवस्तु स्तूप
16	बुलंदशहर, प्रतापगढ़ एवं अमेठी	बुलंदशहर: सिरेमिक उत्पाद (खुर्जा पॉटरी); प्रतापगढ़: **आँवला उत्पाद**; अमेठी: मूँज उत्पाद	अवधी लोकगीत, आल्हा एवं बिरहा	प्रतापगढ़: बेल्हा देवी धाम एवं मनगढ़; बुलंदशहर: अनूपशहर कार्तिक मेला

4.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय:** लखनऊ में वर्ष **1926** में पंडित विष्णु नारायण भातखंडे के प्रयासों से 'मैरिस कॉलेज ऑफ म्यूजिक' की स्थापना हुई, जिसका नाम 1960 में 'भातखंडे हिंदुस्तानी संगीत महाविद्यालय' और वर्तमान में 'भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय' है (up.gov.in)।
2. **उत्तर प्रदेश में मेलों का वितरण:** राज्य में प्रतिवर्ष लगभग 2,250 से अधिक मेले लगते हैं, जिनमें **सर्वाधिक मेले मथुरा (86 मेले)** में, उसके बाद कानपुर व हमीरपुर में तथा **सबसे कम मेले पीलीभीत** जिले में आयोजित होते हैं।
3. **शर्की स्थापत्य का गौरव जौनपुर:** फिरोजशाह तुगलक ने अपने चचेरे भाई मुहम्मद बिन तुगलक (जौना खाँ) की स्मृति में जौनपुर बसाया था; इब्राहिम शाह शर्की ने 1408 ईस्वी में प्रसिद्ध **अटाला मस्जिद** का निर्माण पूर्ण कराया, जिसमें मीनारों का अभाव शर्की शैली की प्रमुख विशेषता है।
4. **गुप्तकालीन ईंट मंदिर (भीतरगाँव) बनाम पत्थर मंदिर (देवगढ़):** कानपुर देहात के **भीतरगाँव का मंदिर** गुप्तकाल का विशुद्ध पकी ईंटों से बना शिखरयुक्त मंदिर है, जबकि ललितपुर के **देवगढ़ का दशावतार मंदिर** पंचायतन शैली का पाषाण मंदिर है।
5. **अमीर खुसरो का जन्मस्थान:** तबला, सितार और खड़ी बोली के आविष्कारक अमीर खुसरो ('तूती-ए-हिंद') का जन्म 1253 ईस्वी में **पटियाली (वर्तमान कासगंज जिला, पूर्व में एटा)** में हुआ था।

4.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (चरकुला नृत्य का अंचल):** परीक्षा में बार-बार पूछा जाता है कि 'चरकुला' किस क्षेत्र का लोकनृत्य है—अभ्यर्थी अक्सर इसे बुंदेलखंड या पूर्वांचल लगा देते हैं। याद रखें: **चरकुला ब्रज क्षेत्र (मथुरा)** का घड़ा/रथ नृत्य है, जबकि **राई, पाई डंडा, शैरा और कार्तिक** बुंदेलखंड के नृत्य हैं (up.gov.in)।
- **जाल 2 (किराना घराना का वर्तमान जिला):** किराना घराना 'कैराना' नामक स्थान से संबंधित है। पूर्व में कैराना मुजफ्फरनगर जिले में था, परंतु अब यह नवगठित **शामली जिले** में आता है। यदि विकल्प में शामली हो तो शामली चुनें, अन्यथा मुजफ्फरनगर।
- **जाल 3 (देवा शरीफ बनाम सैयद सालार मेला): देवा शरीफ मेला बाराबंकी** में (हाजी वारिस अली शाह की दरगाह पर) लगता है, जबकि **सैयद सालार मेला बहराइच** में लगता है। दोनों में कभी भ्रमित न हों।
- **जाल 4 (खुर्जा पॉटरी बनाम निजामाबाद ब्लैक पॉटरी बनाम गोरखपुर टेराकोटा):** चीनी मिट्टी के सफेद-नीले बर्तन (सिरेमिक) = **खुर्जा (बुलंदशहर)**; काली मिट्टी के चमकीले बर्तन (ब्लैक पॉटरी) = **निजामाबाद (आजमगढ़)**; पकी लाल मिट्टी के खिलौने व घोड़े (टेराकोटा) = **गोरखपुर (औरंगाबाद क्षेत्र)**।
- **जाल 5 (बांदा बनाम महोबा का पत्थर शिल्प):** बांदा का एक जनपद एक उत्पाद **'सजर पत्थर शिल्प'** (केन नदी में मिलने वाला वृक्ष की आकृति वाला पत्थर) है, जबकि महोबा का उत्पाद **'गौर पत्थर शिल्प'** है।

4.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (क्षेत्रवार उत्तर प्रदेश के लोकनृत्य):**
- **ब्रज के नृत्य: "ब्रज में चरकुला रास करे, मयूर झूला घड़ा धरे"** → चरकुला, रास, मयूर, झूला, घड़ा नृत्य (ब्रज क्षेत्र)।
- **बुंदेलखंड के नृत्य: "बुंदेले राई-शैरा खाकर पाई डंडा से कार्तिक में घोड़ा दौड़ाएँ"** → राई, शैरा, पाई डंडा, कार्तिक, घोड़ा, दीवारी, देवी नृत्य (बुंदेलखंड)।
- **पूर्वांचल के नृत्य: "पूर्वांचल का धोबिया, कहार, नटवरी और चौरसिया"** → धोबिया, कटघोड़वा, नटवरी (अहीर समाज), चौरसिया (जौनपुर), धीवर।
- **सोनभद्र-मिर्जापुर जनजातीय नृत्य: "सोन का कर्मा-शैला, ठडिया-चोलर-ढरकहरी"** → कर्मा (खरवार जनजाति), शैला, ठडिया, चोलर, ढरकहरी।

• ट्रिक 2 (प्रमुख मेले और उनके जिले): "बटेश्वर आगरा, नौचंदी मेरठ, देवा बाराबंकी, सालार बहराइच, ददरी बलिया, शाकंभरी सहारनपुर"।

मॉड्यूल 5: बिहार विशेष — भौतिक संरचना, उत्तर एवं दक्षिण बिहार की नदियाँ, जलप्रपात, गर्म जलकुंड एवं कृषि-जलवायु क्षेत्र

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 5: बिहार विशेष — भौतिक संरचना, उत्तर एवं दक्षिण बिहार की नदियाँ, जलप्रपात, गर्म जलकुंड एवं कृषि-जलवायु क्षेत्र

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भू-आकृतिक विभाजन	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

5.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भू-आकृतिक विभाजन

बिहार (state.bihar.gov.in) भौगोलिक रूप से 24°20'10" से 27°31'15" उत्तरी अक्षांश तथा 83°19'50" से 88°17'40" पूर्वी देशांतर के मध्य विस्तृत एक आयताकार राज्य है। भू-आकृतिक दृष्टि से बिहार को तीन मुख्य इकाइयों में बाँटा जाता है: (1) **शिवालिक का पर्वतीय एवं तराई क्षेत्र** (पश्चिमी चंपारण के उत्तरी भाग में सोमेश्वर श्रेणी, रामनगर दून और हरहा घाटी — क्षेत्रफल लगभग 932 वर्ग किमी), (2) **बिहार का विशाल गंगा मैदान** (क्षेत्रफल 90,650 वर्ग किमी, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 96.27 प्रतिशत है; गंगा नदी इसे उत्तरी बिहार के मैदान और दक्षिणी बिहार के मैदान में विभाजित करती है), तथा (3) **दक्षिण का संकीर्ण पठारी सीमांत क्षेत्र** (पश्चिम में कैमूर-रोहतास का विंध्यन पठार और पूर्व में गया, नवादा, जमुई, मुंगेर व बांका की धारवाड़/आर्कियन चट्टानें)। कृषि-जलवायु की दृष्टि से बिहार को **3 प्रमुख जोन (4 उप-जोन: जोन-1, जोन-2, जोन-3ए, जोन-3बी)** में विभाजित किया गया है (www.iucacademy.com)।

5.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: बिहार का अपवाह तंत्र एवं कृषि-जलवायु विन्यास

• **नोड 1 (शिवालिक श्रेणी एवं उत्तर बिहार की हिमालयी नदियाँ):** पश्चिम से पूर्व की ओर **घाघरा (सरयू), गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कमला-बलान, कोसी और महानंदा** नदियाँ हिमालय व नेपाल से निकलकर उत्तरी बिहार के मैदान में प्रवेश करती हैं तथा विसर्पण व बाढ़ के लिए जानी जाती हैं (state.bihar.gov.in)।

• **नोड 2 (मध्यवर्ती गंगा नदी अक्ष — 12 जिलों से प्रवाह):** गंगा नदी चौसा (बक्सर) के पास बिहार में प्रवेश करती है, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर, खगड़िया, कटिहार व भागलपुर सहित **12 जिलों** से होते हुए साहिबगंज (झारखंड) एवं पश्चिम बंगाल की ओर निकल जाती है।

• **नोड 3 (दक्षिण बिहार की पठारी नदियाँ, जलप्रपात एवं टाल क्षेत्र):** दक्षिण के पठार से उत्तर-पूर्व की ओर बहने वाली **कर्मनाशा, सोन, पुनपुन, फल्गु (निरंजना), सकरी, किऊल, अजय और चानन** नदियाँ गंगा में मिलती हैं; पटना से मोकामा-लखीसराय के बीच गंगा के दक्षिण में जलमग्न रहने वाला निम्न भू-भाग **'टाल क्षेत्र'** कहलाता है।

• **नोड 4 (बिहार के 3 कृषि-जलवायु क्षेत्र एवं गर्म जलकुंड):** उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदान (जोन-1: 13 जिले), उत्तर-पूर्व जलोढ़ मैदान (जोन-2: 8 जिले) और दक्षिण बिहार जलोढ़ मैदान (जोन-3: 17 जिले) में वर्गीकृत बिहार में राजगीर और मुंगेर की भंश घाटियों में अनेक औषधीय गर्म जलकुंड स्थित हैं (www.iucacademy.com)।

5.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: बिहार की प्रमुख नदियाँ, जलप्रपात, झीलें, गर्म जलकुंड एवं नहर प्रणालियाँ (state.bihar.gov.in)

क्र.सं.	नदी / जलप्रपात / जलकुंड / झील	उद्गम स्थल / भौगोलिक स्रोत	बिहार में प्रवेश / संबंधित जिला (state.bihar.gov.in)	संगम स्थल / मुख्य नहर प्रणाली	परीक्षा उपयोगी विशिष्ट तथ्य (www.iucacademy.com)
1	गंगा नदी	गंगोत्री हिमनद (भागीरथी-अलकनंदा संगम)	प्रवेश: चौसा (बक्सर); निकास: कटिहार-भागलपुर सीमा (कुल 12 जिले)	बंगाल की खाड़ी	बिहार में लंबाई **445 किमी**; सर्वाधिक लंबाई **पटना जिले (99 किमी)** में तथा दूसरे स्थान पर भागलपुर (97 किमी) में
2	गंडक (नारायणी / सदानीरा) नदी	अन्नपूर्णा व धौलागिरी श्रेणी के मध्य (सप्तगंडकी, नेपाल)	प्रवेश: भैंसलोटन / वाल्मीकिनगर (पश्चिमी चंपारण)	पहलेजा घाट / हाजीपुर (वैशाली) के पास गंगा में संगम	वाल्मीकिनगर बैराज से **त्रिवेणी नहर, तिरहुत नहर और सारण नहर** निकाली गई हैं

क्र.सं.	नदी / जलप्रपात / जलकुंड / झील	उद्गम स्थल / भौगोलिक स्रोत	बिहार में प्रवेश / संबंधित जिला (state.bihar.gov.in)	संगम स्थल / मुख्य नहर प्रणाली	परीक्षा उपयोगी विशिष्ट तथ्य (www.iucacademy.com)
3	बूढ़ी गंडक नदी	सोमेश्वर पहाड़ी (बिशम्भरपुर के पास, पश्चिमी चंपारण)	पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया	खगड़िया (मुंगेर के सामने) के पास गंगा में संगम	हिमालय से न निकलकर बिहार के भीतर सोमेश्वर श्रेणी से निकलती है; उत्तर बिहार की **सबसे तेज़ जलधारा** एवं सबसे लंबी नदी (320 किमी)
4	बागमती एवं कमला नदी	बागमती: शिवपुरी श्रेणी (नेपाल); कमला: महाभारत श्रेणी (नेपाल)	बागमती: ढेंग (सीतामढ़ी); कमला: जयनगर (मधुबनी)	बागमती व कमला-बलान अंतत: कोसी/बूढ़ी गंडक तंत्र में मिलती हैं	काठमांडू का पशुपतिनाथ मंदिर बागमती के तट पर है; दोनों नदियाँ मिथिलांचल में प्रवाहित होती हैं
5	कोसी (सप्तकोसी) नदी	गोसाईनाथ चोटी (तिब्बत/नेपाल हिमालय)	प्रवेश: भीमनगर (सुपौल जिला); सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार	कुर्सेला (कटिहार) के निकट गंगा में संगम	मार्ग परिवर्तन एवं भयंकर बाढ़ के कारण **'बिहार का शोक'**; हनुमाननगर बैराज से पूर्वी कोसी व राजपुर नहर निकाली गई है
6	महानंदा नदी	महालदिरम पहाड़ी (दार्जिलिंग हिमालय)	किशनगंज, पूर्णिया एवं कटिहार जिले	गोदागरी (नवाबगंज, बांग्लादेश) में गंगा (पद्मा) से संगम	उत्तर बिहार की **सबसे पूर्वी नदी**; किशनगंज व पूर्णिया के जूट उत्पादक क्षेत्र को सींचती है
7	कर्मनाशा नदी	विंध्य/कैमूर पहाड़ी (रोहतास पठार के पास)	कैमूर एवं बक्सर (उत्तर प्रदेश और बिहार की पश्चिमी सीमा बनाती है)	चौसा (बक्सर) के पास गंगा में संगम	पौराणिक मान्यता में इसे 'अशुभ/अपवित्र नदी' माना गया है; चौसा का युद्ध (1539: शेरशाह व हुमायूँ) इसी के तट पर हुआ
8	सोन नदी एवं सोन नहर प्रणाली	अमरकंटक पठार (मध्य प्रदेश)	रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, भोजपुर एवं पटना	मनेर / हरदी छपरा (पटना) के पास गंगा में संगम	डेहरी (रोहतास) से 1874 में बिहार की **सबसे पुरानी 'सोन नहर'** निकाली गई; 1968 में इंद्रपुरी बैराज निर्मित
9	पुनपुन एवं फल्गु (निरंजना) नदी	छोटानागपुर पठार (पलामू/हजारीबाग, झारखंड)	पुनपुन: औरंगाबाद, अरवल, पटना; फल्गु: गया, जहानाबाद, नालंदा	पुनपुन: फतुहा (पटना) के पास गंगा में; फल्गु: टाल क्षेत्र में विलीन	गया में फल्गु नदी के तट पर विष्णुपद मंदिर और देश का सबसे बड़ा **'गयाजी रबर डैम'** स्थित है
10	ककोलत जलप्रपात	कोडरमा पठार से उतरने वाली सात धाराएँ	**नवादा जिला** (नवादा से लगभग 33 किमी दूर ककोलत पहाड़ी)	लोकायन नदी की सहायक धारा	ऊँचाई लगभग 160 फीट (47-49 मीटर); शीतल जल के लिए प्रसिद्ध; इसे 'बिहार का नियाग्रा' भी कहा जाता है
11	तेलहर कुंड एवं करकटगढ़ जलप्रपात	कैमूर पठार (सुवरा एवं कर्मनाशा नदी तंत्र)	**कैमूर (भभुआ) जिला**	दुर्गावती जलाशय एवं कर्मनाशा बेसिन	तेलहर कुंड के निकट ही प्रसिद्ध मुंडेश्वरी भवानी मंदिर है; करकटगढ़ में मगरमच्छ संरक्षण केंद्र विकसित किया गया है
12	दुर्गावती, धुआँकुंड एवं मंझरकुंड जलप्रपात	रोहतास पठार (दुर्गावती एवं काव नदी)	**रोहतास (सासाराम) जिला**	दुर्गावती जलाशय परियोजना	दुर्गावती जलप्रपात की ऊँचाई लगभग 80-90 मीटर है; ताराचंडी धाम के पास धुआँकुंड एवं मंझरकुंड स्थित हैं
13	राजगीर के गर्म जलकुंड	राजगीर की वैभारगिरि व विपुलगिरि पहाड़ियाँ	**नालंदा जिला (राजगीर)**	सप्तधारा एवं खनिज जलस्रोत	प्रमुख कुंड: **ब्रह्मकुंड (सर्वाधिक गर्म — 87°C तापमान)**, सप्तधारा, सूर्यकुंड, मखदूम कुंड एवं नानक कुंड
14	मुंगेर के गर्म जलकुंड	खड़गपुर की पहाड़ियाँ (धारवाड़ क्रम की चट्टानें)	**मुंगेर जिला**	स्थानीय पहाड़ी जलस्रोत	प्रमुख कुंड: **सीताकुंड, रामेश्वर कुंड, लक्ष्मण कुंड (मुंगेर में सर्वाधिक गर्म — 62°C), ऋषिकुंड, भीमबांध एवं भरारी कुंड**
15	कावर झील (काबर ताल) एवं कुशेश्वर स्थान	बूढ़ी गंडक व कमला-बागमती की गोखुर झीलें	कावर झील: **बेगूसराय (मंझौल)**; कुशेश्वर स्थान: **दरभंगा**	आर्द्रभूमि एवं पक्षी विहार	कावर झील बिहार का **प्रथम रामसर स्थल** (2020 में घोषित) और एशिया की सबसे बड़ी शुद्ध जल की गोखुर झीलों में से एक है
16	अनुपम झील, गोगाबिल झील एवं नागी-नकटी बांध	कैमूर, कटिहार एवं जमुई	अनुपम झील: **कैमूर**; गोगाबिल: **कटिहार (मनिहारी)**; नागी-नकटी: **जमुई**	गोगाबिल बिहार का प्रथम सामुदायिक रिजर्व है	जमुई के **नागी एवं नकटी पक्षी अभयारण्य** को वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय रामसर स्थल घोषित किया गया है

5.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **सोमेश्वर श्रेणी और बिहार की सर्वोच्च चोटी:** पश्चिमी चंपारण में स्थित सोमेश्वर पहाड़ी की **'सोमेश्वर फोर्ट' चोटी (ऊँचाई 874 मीटर / लगभग 880 मीटर)** बिहार राज्य का सर्वोच्च भौगोलिक बिंदु है (state.bihar.gov.in)।
2. **बिहार की भूगर्भिक चट्टानों का कालक्रम:** दक्षिण-पूर्वी बिहार (मुंगेर, जमुई, नवादा, गया, बांका) में प्राचीनतम **धारवाड़ क्रम** की धात्विक चट्टानें मिलती हैं, दक्षिण-पश्चिमी बिहार (कैमूर और रोहतास) में चूना पत्थर व पायराइट युक्त **विंध्यन क्रम** की चट्टानें मिलती हैं, उत्तर-पश्चिम (पश्चिमी चंपारण) में **टर्शियरी (शिवालिक)** चट्टानें और शेष विशाल मैदान में **क्वाटर्नरी (चतुर्थक जलोढ़)** चट्टानें पाई जाती हैं।
3. **बिहार के 3 कृषि-जलवायु क्षेत्रों का विभाजन:** जोन-1 (उत्तर-पश्चिम: सारण और तिरहुत प्रमंडल के 13 जिले — गन्ना व धान प्रमुख), जोन-2 (उत्तर-पूर्व: पूर्णिया और कोसी प्रमंडल के 8 जिले — जूट, मक्का व मखाना प्रमुख; सर्वाधिक वर्षा किशनगंज में), और जोन-3 (दक्षिण बिहार: पटना, मगध, मुंगेर व भागलपुर प्रमंडल के 17 जिले; इसे 3ए-पूर्वी 6 जिले और 3बी-पश्चिमी 11 जिलों में बाँटा जाता है)।
4. **मोकामा टाल बनाम दियारा भूमि:** बाढ़ के दौरान गंगा के मध्य उभरे रेतीले टापुओं को **'दियारा'** कहते हैं, जबकि दक्षिण बिहार की नदियों का जल गंगा के ऊँचे कगार के कारण रुकने से फतुहा से बड़हिया-लखीसराय तक बनने वाले तश्तरीनुमा जलमग्न क्षेत्र को **'टाल'** (दलहन उत्पादन का गढ़) कहते हैं।
5. **अग्निकुंड का स्थान:** गया जिले में 'अग्निकुंड' नामक गर्म जलकुंड स्थित है, जो राजगीर और मुंगेर से बाहर एक महत्वपूर्ण भू-तापीय स्रोत है।

5.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (धारवाड़ बनाम विंध्यन चट्टानें):** बिहार लोक सेवा आयोग का सबसे पसंदीदा प्रश्न! याद रखें—**कैमूर और रोहतास** में **विंध्यन क्रम** की चट्टानें (चूना पत्थर, बलुआ पत्थर, पायराइट) हैं, जबकि **जमुई, मुंगेर, नवादा और गया** में **धारवाड़ क्रम** की चट्टानें (अभ्रक, सोना, क्वार्ट्ज) पाई जाती हैं (state.bihar.gov.in)।
- **जाल 2 (ब्रह्मकुंड बनाम सीताकुंड/लक्ष्मणकुंड):** राजगीर (नालंदा) के जलकुंडों के नाम धार्मिक/ऐतिहासिक हैं (ब्रह्मकुंड, सप्तधारा, सूर्यकुंड, मखदूम कुंड, नानक कुंड), जबकि **रामायण पात्रों (रामेश्वर, लक्ष्मण, सीता, भरत) और ऋषि/भीमबांध** के नाम वाले सभी गर्म जलकुंड **मुंगेर** जिले में हैं! पूरे बिहार का सबसे गर्म जलकुंड **ब्रह्मकुंड (राजगीर, 87°C)** है।
- **जाल 3 (गंडक बनाम बूढ़ी गंडक का उद्गम):** गंडक नदी नेपाल हिमालय से निकलती है, परंतु **बूढ़ी गंडक** बिहार के भीतर पश्चिमी चंपारण की **सोमेश्वर पहाड़ी** से निकलती है।
- **जाल 4 (त्रिवेणी नहर की नदी):** त्रिवेणी नहर पश्चिमी चंपारण के भैंसलोटन (वाल्मीकिनगर) में **गंडक नदी** से निकाली गई है (सोन या कोसी नदी से नहीं)।
- **जाल 5 (गंगा नदी के किनारे स्थित जिलों की संख्या):** बिहार के कुल 38 जिलों में से ठीक **12 जिले** गंगा नदी के तट पर स्थित हैं, और गंगा की सर्वाधिक लंबाई **पटना (99 किमी)** में है, भागलपुर (97 किमी) दूसरे स्थान पर है।

5.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (मुंगेर बनाम राजगीर के गर्म जलकुंड पहचानने का अचूक सूत्र):**
- **मुंगेर के कुंड: "मुंगेर के वन (भीमबांध) में राम-लक्ष्मण-सीता और ऋषि मिले"** → रामेश्वर कुंड, लक्ष्मण कुंड, सीता कुंड, ऋषि कुंड, भीमबांध, पंचतर (सभी मुंगेर में)।
- **राजगीर के कुंड: "राजगीर में ब्रह्मा, सूर्य, नानक और मखदूम की सप्तधारा"** → ब्रह्मकुंड (सबसे गर्म 87°C), सूर्यकुंड, नानक कुंड, मखदूम कुंड, सप्तधारा, गोमुख कुंड (सभी राजगीर, नालंदा में)।
- **ट्रिक 2 (उत्तर बिहार की नदियाँ — पश्चिम से पूर्व का सटीक क्रम): "घाघरा और गंडक बूढ़ी हुईं, तो बागमती कमला ने कोसी में महानंदा को बुलाया"**
- 1. घाघरा → 2. गंडक → 3. बूढ़ी गंडक → 4. बागमती → 5. कमला-बलान → 6. कोसी → 7. महानंदा।

मॉड्यूल 6: बिहार विशेष — प्राचीन साम्राज्य (मगध, मौर्य, गुप्त, पाल), बौद्ध-जैन तीर्थ, आधुनिक स्वतंत्रता संग्राम एवं प्रशासनिक व्यवस्था

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 6: बिहार विशेष — प्राचीन साम्राज्य (मगध, मौर्य, गुप्त, पाल), बौद्ध-जैन तीर्थ, आधुनिक स्वतंत्रता संग्राम एवं प्रशासनिक व्यवस्था

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक गौरव	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

6.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक गौरव

बिहार (state.bihar.gov.in) का इतिहास वस्तुतः संपूर्ण प्राचीन भारत के राजनीतिक एवं आध्यात्मिक उत्कर्ष का इतिहास है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व के 16 महाजनपदों में से **3 महाजनपद — मगध (राजधानी: गिरिव्रज/राजगृह, बाद में पाटलिपुत्र), वज्जि संघ (राजधानी: वैशाली — विश्व का प्रथम गणतंत्र) और अंग (राजधानी: चंपा — भागलपुर व मुंगेर)** बिहार की धरती पर स्थित थे। महात्मा बुद्ध को बोधगया में निरंजना नदी के तट पर ज्ञान प्राप्त हुआ तथा 24वें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कुंडग्राम (वैशाली) में और निर्वाण पावापुरी (नालंदा) में हुआ। आधुनिक काल में 1857 के विद्रोह के नायक बाबू वीर कुँवर सिंह (जगदीशपुर, आरा), 1917 के चंपारण सत्याग्रह (राजकुमार शुक्ल के आमंत्रण पर महात्मा गांधी का प्रथम सत्याग्रह), 1922 के गया कांग्रेस अधिवेशन (अध्यक्ष: चितरंजन दास), 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में 'आजाद दस्ता' (जयप्रकाश नारायण, बकरो का टापू, नेपाल) तथा पटना सचिवालय गोलीकांड (11 अगस्त 1942) ने बिहार को स्वतंत्रता संग्राम के अग्रिम मोर्चे पर स्थापित किया (www.iucacademy.com)।

6.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: बिहार का ऐतिहासिक विकासक्रम — प्राचीन महाजनपद से आधुनिक राज्य निर्माण तक

- **नोड 1 (प्राचीन साम्राज्य एवं बौद्ध संगीतियाँ):** हर्यक वंश (बिम्बिसार, अजातशत्रु — प्रथम बौद्ध संगीति, राजगृह 483 ई.पू.; उदायिन — पाटलिपुत्र की स्थापना), शिशुनाग वंश (कालाशोक — द्वितीय बौद्ध संगीति, वैशाली 383 ई.पू.), नंद वंश और मौर्य साम्राज्य (चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक — तृतीय बौद्ध संगीति, पाटलिपुत्र 250 ई.पू.) (state.bihar.gov.in)।
- **नोड 2 (गुप्त एवं पाल काल — विश्व के प्राचीनतम विश्वविद्यालय):** कुमारगुप्त प्रथम द्वारा **नालंदा महाविहार** की स्थापना तथा पाल शासक धर्मपाल द्वारा **विक्रमशिला विश्वविद्यालय** (अंतीचक, भागलपुर) एवं गोपाल द्वारा ओदंतपुरी महाविहार (बिहारशरीफ) की स्थापना।
- **नोड 3 (मध्यकाल — कर्नाट वंश, तुगलक-अफगान काल एवं शेरशाह सूरी):** मिथिला में नान्यदेव द्वारा कर्नाट वंश (1097 ई.) की स्थापना, बख्तियार खिलजी का आक्रमण, तथा सासाराम के अफगान शासक **शेरशाह सूरी** (सूरजगढ़ा युद्ध 1534, चौसा 1539, कन्नौज 1540) द्वारा पाटलिपुत्र का 'पटना' के रूप में पुनरुद्धार।
- **नोड 4 (आधुनिक बिहार आंदोलन एवं स्वतंत्रता संग्राम):** सच्चिदानंद सिन्हा व महेश नारायण के प्रयासों से 1912 में बंगाल से पृथक बिहार प्रांत, 1917 चंपारण सत्याग्रह, 1929 स्वामी सहजानंद सरस्वती की बिहार प्रांतीय किसान सभा, 1936 उड़ीसा का पृथक्करण और 1942 में जयप्रकाश नारायण का क्रांतिकारी नेतृत्व (www.iucacademy.com)।

6.3 कालानुक्रमिक एवं जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: बिहार के ऐतिहासिक राजवंश, बौद्ध संगीतियाँ, अधिवेशन एवं आंदोलन (state.bihar.gov.in)

क्र.सं.	ऐतिहासिक घटना / राजवंश / संस्था	कालखंड / तिथि	प्रमुख स्थान / वर्तमान जिला (state.bihar.gov.in)	संस्थापक / अध्यक्ष / मुख्य नेतृत्वकर्ता	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
1	चिरांद एवं चेचर (नवपाषाणकालीन स्थल)	2500 ई.पू. – 1500 ई.पू.	चिरांद: **सारण (छपरा)**; चेचर (श्वेतपुर): **वैशाली**	प्रागैतिहासिक कृषक समुदाय	चिरांद गंगा-घाघरा संगम के पास है; यहाँ से हड्डियों (हिरण के सींग) के प्रचुर उपकरण मिले हैं
2	प्रथम बौद्ध संगीति	483 ईसा पूर्व	**सप्तपर्णी गुफा, राजगृह** (नालंदा)	शासक: अजातशत्रु (हर्यक वंश); अध्यक्ष: **महाकश्यप**	बुद्ध की शिक्षाओं का 'सुत्त पिटक' (आनंद) और 'विनय पिटक' (उपालि) में संकलन किया गया
3	द्वितीय बौद्ध संगीति	383 ईसा पूर्व	**बालुकाराम विहार, वैशाली**	शासक: कालाशोक (शिशुनाग वंश); अध्यक्ष: **सब्बकामी (सर्वकामी)**	बौद्ध संघ प्रथम बार 'स्थविर' और 'महासांघिक' में विभाजित हुआ
4	तृतीय बौद्ध संगीति	250 ईसा पूर्व (या 247 ई.पू.)	**अशोकराम विहार, पाटलिपुत्र** (पटना)	शासक: सम्राट अशोक (मौर्य वंश); अध्यक्ष: **मोग्गलिपुत्त तिस्स**	तीसरे पिटक 'अभिधम्म पिटक' का संकलन तथा विदेशों में धर्म प्रचारक भेजे गए
5	प्रथम जैन महासभा (वाचना)	300 ईसा पूर्व	**पाटलिपुत्र** (पटना)	शासक: चंद्रगुप्त मौर्य; अध्यक्ष: **स्थूलभद्र**	जैन धर्म 'श्वेतांबर' (स्थूलभद्र) और 'दिगंबर' (भद्रबाहु) में विभाजित; 12 अंगों का संकलन

क्र.सं.	ऐतिहासिक घटना / राजवंश / संस्था	कालखंड / तिथि	प्रमुख स्थान / वर्तमान जिला (state.bihar.gov.in)	संस्थापक / अध्यक्ष / मुख्य नेतृत्वकर्ता	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
6	नालंदा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय	नालंदा: 5वीं शताब्दी; विक्रमशिला: 8वीं शताब्दी के अंत में	नालंदा: राजगीर के पास; विक्रमशिला: **अंतीचक गाँव, कहलगाँव (भागलपुर)**	नालंदा: **कुमारगुप्त प्रथम**; विक्रमशिला: **धर्मपाल** (पाल वंश)	दोनों विश्वविद्यालयों को 1198-1203 ई. के मध्य बख्तियार खिलजी ने ध्वस्त किया; विक्रमशिला वज्रयान शाखा का केंद्र था
7	मिथिला का कर्नाट वंश	1097 ई. – 1378 ई.	सिमराँवगढ़ / दरभंगा-मधुबनी (मिथिला क्षेत्र)	संस्थापक: **नान्यदेव**; अंतिम शासक: **हरिसिंह देव**	इस काल को 'मिथिला का स्वर्णयुग' कहा जाता है; हरिसिंह देव ने सामाजिक 'पंजी प्रबंध' प्रारंभ किया
8	शेरशाह सूरी का मकबरा एवं रोहतासगढ़	1540 ई. – 1545 ई.	**सासाराम (रोहतास जिला)**	अफगान शासक शेरशाह सूरी (बचपन का नाम: फरीद खाँ)	सासाराम का अष्टभुजाकार मकबरा कृत्रिम झील के मध्य इंडो-इस्लामिक स्थापत्य का सर्वोच्च नमूना है
9	1857 का विद्रोह (बिहार में प्रसार)	12 जून 1857 से 1858 तक	रोहिणी (देवघर), पटना (3 जुलाई 1857), दानापुर (25 जुलाई) एवं **जगदीशपुर (भोजपुर/आरा)**	पटना: **पीर अली** (पुस्तक विक्रेता); जगदीशपुर: **बाबू वीर कुँवर सिंह** व अमर सिंह	80 वर्षीय कुँवर सिंह ने दानापुर की टुकड़ियों का नेतृत्व कर आजमगढ़ व आरा में अंग्रेजों को पराजित किया
10	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वाँ एवं 38वाँ अधिवेशन	27वाँ: 1912; 38वाँ: दिसंबर 1922	1912: **बांकीपुर (पटना)**; 1922: **गया**	1912 अध्यक्ष: **आर.एन. मुधोलकर**; 1922 अध्यक्ष: **चितरंजन दास**	1912 बिहार में प्रथम कांग्रेस अधिवेशन था; 1922 गया अधिवेशन के बाद जनवरी 1923 में 'स्वराज पार्टी' बनी
11	चंपारण सत्याग्रह एवं चंपारण कृषि समिति	अप्रैल 1917	मोतिहारी एवं बेतिया (चंपारण)	महात्मा गांधी; आमंत्रणकर्ता: **राजकुमार शुक्ल** (मुरली भरहवा गाँव)	**तिनकठिया प्रथा (3/20 भू-भाग पर नील की खेती)** समाप्त; एफ.जी. सलाई की अध्यक्षता में चंपारण एग्रेरियन कमेटी बनी
12	बिहार प्रांतीय किसान सभा एवं अखिल भारतीय किसान सभा	प्रांतीय: नवंबर 1929; अखिल भारतीय: अप्रैल 1936	1929: **सोनपुर मेला (सारण)**; 1936: लखनऊ	संस्थापक अध्यक्ष: **स्वामी सहजानंद सरस्वती**; महासचिव: श्रीकृष्ण सिंह (1929) / एन.जी. रंगा (1936)	बड़हिया टाल (मुंगेर) में 'बकाश्त भूमि आंदोलन' कार्यानंद शर्मा के नेतृत्व में चला
13	बिहार सोशलिस्ट पार्टी का गठन	1931 (प्राथमिक) एवं **1934 (औपचारिक स्थापना)**	अंजुमन इस्लामिया हॉल, **पटना**	1931: गंगाशरण सिंह, रामवृक्ष बेनीपुरी, फूलन प्रसाद वर्मा; 1934 अध्यक्ष: **आचार्य नरेंद्र देव**, सचिव: **जयप्रकाश नारायण**	जयप्रकाश नारायण ने 1942 में हजारीबाग जेल से दिवाली की रात फरार होकर नेपाल के राजविलास जंगल में 'आजाद दस्ता' बनाया
14	1937 का प्रांतीय चुनाव एवं प्रथम मंत्रिमंडल	जुलाई 1937	पटना (बिहार प्रांत)	अंतरिम प्रधानमंत्री (मुख्यमंत्री): **मोहम्मद यूनुस** (इंडिपेंडेंट पार्टी); प्रथम कांग्रेसी मुख्यमंत्री: **डॉ. श्रीकृष्ण सिंह**	राज्यपाल के हस्तक्षेप के विरोध में कांग्रेस ने प्रारंभ में पद ग्रहण से मना किया था, तब मोहम्मद यूनुस ने 1 अप्रैल 1937 को पहली सरकार बनाई
15	पटना सचिवालय गोलीकांड	**11 अगस्त 1942**	पटना सचिवालय (पूर्वी गेट)	पटना के तत्कालीन जिलाधिकारी डब्ल्यू.जी. आर्चर के आदेश पर गोलीबारी	सचिवालय पर तिरंगा फहराते हुए 7 **छात्र शहीद** हुए (उमाकांत सिन्हा, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह, रामगोविंद सिंह)
16	बिहार में पंचायती राज एवं महिला आरक्षण	बिहार पंचायती राज अधिनियम 2006	संपूर्ण बिहार के 38 जिले (**state.bihar.gov.in**)	बिहार सरकार	बिहार देश का **प्रथम राज्य** है जिसने वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को **50 प्रतिशत आरक्षण** प्रदान किया

6.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **पटना में डच, अंग्रेज और डेनिश फैक्ट्रियाँ:** बिहार में सर्वप्रथम **डचों (हॉलैंड) ने 1632 ईस्वी** में पटना कॉलेज की उत्तरी इमारत में अपनी फैक्ट्री स्थापित की थी (जो बीपीएससी परीक्षा में बहुधा पूछा जाता है), इसके बाद 1651 में अंग्रेजों ने गुलजारबाग (पटना) में और 1774 में डेनिशों ने अपनी फैक्ट्री स्थापित की।
2. **बिहार का प्रथम अंग्रेजी एवं हिंदी समाचार पत्र:** बिहार का प्रथम अंग्रेजी अखबार **'द बिहार हेराल्ड' (1875, गुरु प्रसाद सेन द्वारा)** तथा प्रथम हिंदी समाचार पत्र **'बिहार बंधु' (1872/1874, केशवराम भट्ट द्वारा)** था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मजहरुल हक ने सदाकत आश्रम से **'द मदरलैंड'** (1921) अखबार निकाला।
3. **चंपारण सत्याग्रह में गांधीजी के सहयोगी:** 1917 में चंपारण में गांधीजी के साथ डॉ. राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, ब्रजकिशोर प्रसाद, आचार्य जे.बी. कृपलानी, महादेव देसाई, नरहरि पारिख और मजहरुल हक शामिल थे; **एन.जी. रंगा** ने चंपारण सत्याग्रह का विरोध किया था जबकि रवींद्रनाथ टैगोर ने इसी के बाद गांधीजी को 'महात्मा' की उपाधि दी।
4. **बिहार में चौकीदारी कर बंदी आंदोलन:** 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान समुद्र तट न होने के कारण बिहार में नमक बनाने के साथ-साथ सारण, चंपारण व मुंगेर में **'चौकीदारी कर न देने का आंदोलन'** तथा छपरा जेल में कैदियों द्वारा विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार हेतु **'नंगी हड़ताल'** की गई।
5. **मुजफ्फरपुर बम कांड (30 अप्रैल 1908):** खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर के बदनाम जज किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम फेंका था, परंतु गलती से पिंगले कैनेडी की पत्नी व पुत्री मारी गईं; प्रफुल्ल चाकी ने मोकामा घाट पर आत्महत्या कर ली और 18 वर्षीय खुदीराम बोस को 11 अगस्त 1908 को मुजफ्फरपुर जेल में फाँसी दी गई।

6.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (1937 में बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री):** यदि प्रश्न पूछे कि 1937 के अधिनियम के तहत बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री (मुख्यमंत्री) कौन बने, तो उत्तर **मोहम्मद यूनुस** (1 अप्रैल 1937) होगा; और यदि प्रथम कांग्रेसी मुख्यमंत्री या स्वतंत्र बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री पूछा जाए, तो उत्तर **डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ('बिहार केसरी')** होगा (state.bihar.gov.in)।
- **जाल 2 (1857 के विद्रोह की बिहार में शुरुआत):** बिहार (तत्कालीन अविभाजित) में 1857 के विद्रोह की सबसे पहली चिंगारी **12 जून 1857 को रोहिणी गाँव (देवघर, वर्तमान झारखंड)** में 32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट से भड़की थी, पटना में 3 जुलाई को पीर अली ने और दानापुर छावनी में 25 जुलाई 1857 को सैनिकों ने विद्रोह किया।
- **जाल 3 (बांकीपुर 1912 बनाम गया 1922 बनाम रामगढ़ 1940 कांग्रेस अधिवेशन):** बिहार में कुल 3 कांग्रेस अधिवेशन हुए—1912 बांकीपुर (पटना, अध्यक्ष: आर.एन. मुधोलकर), 1922 गया (अध्यक्ष: सी.आर. दास), और 1940 रामगढ़ (तत्कालीन बिहार, वर्तमान झारखंड; अध्यक्ष: मौलाना अबुल कलाम आजाद)।
- **जाल 4 (बिहार का पृथक्करण वर्ष 1912 बनाम 1936):** 12 दिसंबर 1911 को दिल्ली दरबार में घोषणा हुई, **22 मार्च 1912** को अधिसूचना जारी हुई (अतः 22 मार्च 'बिहार दिवस' है), 1 अप्रैल 1912 से बिहार एवं उड़ीसा प्रांत विधिवत कार्य करने लगा, और **1 अप्रैल 1936** को उड़ीसा को बिहार से अलग किया गया।
- **जाल 5 (विक्रमशिला बनाम नालंदा के संस्थापक):** नालंदा महाविहार की स्थापना गुप्त शासक **कुमारगुप्त प्रथम** ने की थी, जबकि विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना पाल शासक **धर्मपाल** ने और ओदंतपुरी महाविहार की स्थापना **गोपाल** ने की थी।

6.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (चारों बौद्ध संगीतियों के स्थान, शासक और अध्यक्ष):**
- **स्थान: "राजा (राजगृह) ने वैशाली में पाटलि (पाटलिपुत्र) के कुंडल (कुंडलवन, कश्मीर) देखे"**
- **शासक: "अजा (अजातशत्रु) ने काला (कालाशोक) अशोक और कनिष्क को बुलाया"**
- **अध्यक्ष: "महाकश्यप ने सब्बकामी और तिस्स को वसुमित्र-अश्वघोष से मिलाया"**
- **ट्रिक 2 (पटना सचिवालय गोलीकांड के 7 अमर शहीद — 11 अगस्त 1942): "उमा-रामा-सतीश ने जग-देवी-राजेंद्र-रामगोविंद संग तिरंगा फहराया"**
- 1. उमाकांत प्रसाद सिन्हा (सारण) | 2. रामानंद सिंह (पटना) | 3. सतीश प्रसाद झा (भागलपुर) | 4. जगपति कुमार (औरंगाबाद) | 5. देवीपद चौधरी (सिलहट) | 6. राजेंद्र सिंह (सारण) | 7. रामगोविंद सिंह (पटना)।

मॉड्यूल 7: बिहार विशेष — लोक कलाएँ (मधुबनी, मंजूषा, टिकुली), प्रमुख पर्व-त्योहार, खनिज संसाधन एवं औद्योगिक गलियारे

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 7: बिहार विशेष — लोक कलाएँ (मधुबनी, मंजूषा, टिकुली), प्रमुख पर्व-त्योहार, खनिज संसाधन एवं औद्योगिक गलियारे

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक-आर्थिक परिदृश्य	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

7.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक-आर्थिक परिदृश्य

बिहार (state.bihar.gov.in) की लोक संस्कृति मिथिला, मगध, भोजपुर और अंगिका अंचलों की कलात्मक विविधता से समृद्ध है। मिथिला की विश्वप्रसिद्ध **मधुबनी चित्रकला (मिथिला पेंटिंग)**, भागलपुर (अंग प्रदेश) की **मंजूषा कला**, पटना की **पटना कलम शैली** एवं **टिकुली कला**, तथा चंपारण-मुजफ्फरपुर की **सुजनी कढ़ाई कला** को भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त है। आर्थिक दृष्टि से 15 नवंबर 2000 को झारखंड के पृथक होने के बाद बिहार के अधिकांश धात्विक व कोयला खनिज झारखंड में चले गए, फिर भी रोहतास में **पायराइट (भारत में बिहार का एकाधिकार — लगभग 95%)** एवं चूना पत्थर, जमुई में **स्वर्ण भंडार (देश के कुल स्वर्ण अयस्क भंडार का लगभग 44%)**, मुंगेर में बॉक्साइट व स्लेट तथा गया-नवादा में अभ्रक के महत्वपूर्ण भंडार मौजूद हैं (www.iucacademy.com)।

7.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: बिहार की लोक कला, जीआई टैग उत्पाद एवं खनिज-औद्योगिक अर्थव्यवस्था

- **नोड 1 (बिहार की 4 स्तंभ चित्रकला एवं शिल्प शैलियाँ):** मधुबनी पेंटिंग (भित्ति चित्र, अरिपन/भूमि चित्र एवं पट चित्र; प्राकृतिक रंग व चावल का घोल), मंजूषा कला (बिहुला-विषहरी लोककथा पर आधारित सर्प आकृतियाँ व 3 रंग: गुलाबी, हरा, पीला), पटना कलम (कंपनी शैली — आम जनजीवन का चित्रण, सेवक राम व हुलास लाल; अंतिम कलाकार: ईश्वरी प्रसाद वर्मा) तथा टिकुली और सुजनी कला (state.bihar.gov.in)।
- **नोड 2 (बिहार के प्रमुख जीआई टैग प्राप्त कृषि एवं खाद्य उत्पाद):** मिथिला मखाना (दरभंगा-मधुबनी), शाही लीची (मुजफ्फरपुर), जर्दालु आम एवं कतरनी चावल (भागलपुर), मगही पान (नवादा, गया, औरंगाबाद, नालंदा), सिलाव खाजा (नालंदा) तथा मर्चा चावल (पश्चिमी चंपारण)।
- **नोड 3 (दक्षिण बिहार की खनिज पट्टी — रोहतास से जमुई-बांका तक):** रोहतास (अमझोर) में पायराइट व चूना पत्थर, जमुई (करमटिया/सोनो) में स्वर्ण अयस्क, गया-नवादा में अभ्रक (माइका), मुंगेर में क्वार्टजाइट व चीनी मिट्टी तथा पूर्णिया-किशनगंज में अग्नि-सह मिट्टी व बालू।
- **नोड 4 (प्रमुख औद्योगिक केंद्र एवं आधुनिक इथेनॉल-खाद्य प्रसंस्करण नीति):** बरौनी (बेगूसराय — तेल शोधक कारखाना, उर्वरक व ताप विद्युत), डालमियानगर (रोहतास), मढ़ौरा व हरनौत (रेल इंजन व कोच कारखाना), हाजीपुर, बिहटा व मुजफ्फरपुर के औद्योगिक क्षेत्र तथा पूर्णिया में भारत का प्रथम ग्रीनफील्ड अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्र (www.iucacademy.com)।

7.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: बिहार की लोक कलाएँ, जीआई टैग, लोकनृत्य, खनिज एवं उद्योग (state.bihar.gov.in)

क्र.सं.	जिला / अंचल	लोक कला / जीआई टैग उत्पाद	लोकनृत्य एवं लोकनाट्य	प्रमुख खनिज संसाधन	प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक संस्थान (www.iucacademy.com)
1	मधुबनी एवं दरभंगा (मिथिलांचल)	**मधुबनी चित्रकला** (जितवारपुर व रांटी गाँव; पद्मश्री जगदंबा देवी, सीता देवी, महासुंदरी देवी, बउआ देवी, दुलारी देवी) एवं **मिथिला मखाना**	**जट-जटिन** (विवाहित दंपति के विरह-प्रेम का लोकनाट्य), **सामा-चकेवा** (भाई-बहन के प्रेम का पर्व), झिझिया व डोमकच	जलोढ़ मृदा एवं शोरा (साल्टपीटर)	मखाना प्रसंस्करण, खादी एवं रेशम वस्त्र उद्योग; दरभंगा में राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र
2	भागलपुर एवं बांका (अंग प्रदेश)	**मंजूषा चित्रकला** (चक्रवर्ती देवी, निर्मला देवी), **भागलपुरी तसर सिल्क, जर्दालु आम** एवं **कतरनी चावल**	बिहुला-विषहरी गाथा गायन, झिझिया नृत्य	चीनी मिट्टी (कहलगाँव), काँच पत्थर एवं फायर क्ले	भागलपुर ('सिल्क सिटी') रेशम बुनाई उद्योग एवं कहलगाँव सुपर थर्मल पावर स्टेशन (एनटीपीसी)

क्र.सं.	जिला / अंचल	लोक कला / जीआई टैग उत्पाद	लोकनृत्य एवं लोकनाट्य	प्रमुख खनिज संसाधन	प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक संस्थान (www.iucacademy.com)
3	पटना एवं नालंदा	पटना: **पटना कलम चित्रकला** व **टिकुली कला** (उपेंद्र महारथी शिल्प संस्थान); नालंदा: **सिलाव का खाजा** व बावनबूटी साड़ी	**बिदेसिया** (भिखारी ठाकुर द्वारा प्रवर्तित), **लौंडा नाच**, डोमकच एवं सोहर	शोरा एवं भवन निर्माण बालू	बिहटा आईटी पार्क व औद्योगिक क्षेत्र, मोकामा भारत वैगन एवं हरनौत (नालंदा) रेल कोच मरम्मत कारखाना
4	मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं समस्तीपुर	मुजफ्फरपुर: **शाही लीची** एवं **सुजनी कढ़ाई कला**; हाजीपुर (वैशाली): चिनिया केला	सामा-चकेवा, जट-जटिन एवं विदेशिया	**शोरा (पोटैशियम नाइट्रेट)** — मुजफ्फरपुर, सारण व समस्तीपुर प्रसिद्ध	काँटी ताप विद्युत केंद्र (मुजफ्फरपुर), बेला औद्योगिक क्षेत्र, हाजीपुर फार्मा व प्लास्टिक पार्क
5	पश्चिमी एवं पूर्वी चंपारण	पश्चिमी चंपारण: **मर्चा चावल** (काली मिर्च के आकार का सुगंधित चावल — जीआई टैग 2023); सिकरहना: बाँस व बेंत शिल्प	थारू एवं उराँव जनजातीय कर्मा व झूमर नृत्य	**चूना पत्थर एवं कंकड़** (सोमेश्वर पहाड़ी क्षेत्र) व शोरा	चीनी मिलें (लौरिया, बगहा, नरकटियागंज, मझौलिया, हरिनगर) एवं लौरिया में जैव-ईंधन/इथेनॉल संयंत्र
6	रोहतास एवं कैमूर	पाषाण शिल्प एवं रोहतास का चावल ('बिहार का धान का कटोरा')	कजरी, चैता, बिरहा एवं झूमर	**पायराइट (अमझोर — देश का 95% भंडार)**, **चूना पत्थर** एवं गंधक	डालमियानगर उद्योग समूह (सीमेंट व कागज), बंजारी सीमेंट कारखाना एवं डेहरी-ऑन-सोन औद्योगिक केंद्र
7	गया, नवादा एवं औरंगाबाद	**मगही पान** (गया, नवादा, औरंगाबाद, नालंदा), गया का तिलकुट एवं पत्थर कट्टी की पाषाण मूर्तियाँ	करमा, झूमर एवं मगही लोकगीत	**अभ्रक (माइका — नवादा का रजौली व गया)**, यूरेनियम, लिथियम एवं ग्रेनाइट	गया (मानपुर) का सूती वस्त्र उद्योग (पटवा टोली — 'बिहार का मैनचेस्टर') एवं नवीनगर (औरंगाबाद) ताप विद्युत केंद्र
8	जमुई, मुंगेर एवं लखीसराय	मुंगेर: बंदूक एवं सिगरेट निर्माण की ऐतिहासिक परंपरा, योग आश्रम (बिहार स्कूल ऑफ योगा)	सोहराय एवं संथाली लोकनृत्य	जमुई: **सोना (स्वर्ण अयस्क — देश का 44% भंडार, सोनो/करमटिया क्षेत्र)**, मैग्नेटाइट लौह अयस्क; मुंगेर: **बॉक्साइट (खड़गपुर पहाड़ी), स्लेट एवं क्वार्टजाइट**	मुंगेर: आईटीसी सिगरेट कारखाना व गन फैक्ट्री; जमालपुर (मुंगेर): एशिया का सबसे पुराना व विशाल रेलवे कार्यशाला (1862)
9	बेगूसराय एवं खगड़िया	लाख की चूड़ियाँ एवं मक्का उत्पाद	सामा-चकेवा, झिझिया	जलोढ़ मृदा व शोरा	**बरौनी (बेगूसराय):** बिहार का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र — बरौनी रिफाइनरी (1964, सोवियत संघ के सहयोग से), बरौनी उर्वरक व थर्मल पावर
10	सारण (छपरा), सीवान एवं गोपालगंज	सारण: मढ़ौरा की मिठाई व खुरमा; सीवान: पीतल-ताँबे के बर्तन	**बिदेसिया** एवं भैखारी ठाकुर की लोकनाट्य परंपरा (जन्म: कुतुबपुर दियारा, सारण)	शोरा (साल्टपीटर) — ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से प्रसिद्ध	**मढ़ौरा (सारण):** डीजल रेल इंजन कारखाना; **बेला (दरियापुर, सारण):** रेल पहिया (व्हील) कारखाना
11	पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज	कटिहार-पूर्णिया: **जूट (पटसन) शिल्प**; किशनगंज: **चाय उत्पादन** (बिहार का एकमात्र चाय उत्पादक जिला — पोठिया/ठाकुरगंज)	**झिझिया नृत्य**, करमा एवं राजबंशी लोकगीत	काँच बालू व अग्निसह मिट्टी	**पूर्णिया (परोरा):** भारत का प्रथम अनाज आधारित ग्रीनफील्ड इथेनॉल संयंत्र; कटिहार में जूट मिलें
12	भोजपुर (आरा) एवं बक्सर	भोजपुरी खुरमा (उदवंतनगर) एवं पारंपरिक कढ़ाई	**धोबिया नृत्य, जोगीरा, चैता, सोहर एवं पँवरिया नृत्य**	जलोढ़ कछारी मृदा	चौसा (बक्सर) ताप विद्युत परियोजना एवं कोईलवर (भोजपुर) मानसिक आरोग्यशाला व सोन पुल

7.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **भिखारी ठाकुर — 'भोजपुरी का शेक्सपियर':** सारण जिले के कुतुबपुर गाँव में जन्मे लोककलाकार भिखारी ठाकुर ने **'बिदेसिया'** लोकनाट्य शैली का सृजन किया। उनकी प्रमुख रचनाओं में बिदेसिया, बेटी-बेचवा, गबरघिचोर, विधवा-विलाप और भाई-विरोध शामिल हैं, जो प्रवासन व सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करती हैं (state.bihar.gov.in)।
2. **मधुबनी चित्रकला की 3 शैलियाँ:** मिथिला पेंटिंग में सामाजिक-जातीय परंपरा के अनुसार तीन प्रमुख शैलियाँ विकसित हुईं—(क) **भरनी शैली** (चमकीले रंगों से भरी धार्मिक आकृतियाँ), (ख) **कचनी शैली** (केवल काले और लाल रंग की बारीक रेखाओं से चित्रण), और (ग) **गोदना एवं तांत्रिक शैली** (चानो देवी द्वारा गोदना शैली को कागज पर उतारा गया)।
3. **छठ महापर्व और सामा-चकेवा:** कार्तिक शुक्ल षष्ठी को मनाया जाने वाला चार दिवसीय **छठ पर्व** (नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य, उषा अर्घ्य) बिहार का सबसे बड़ा लोकपर्व है जिसमें अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य की उपासना होती है; छठ के पारण के साथ ही मिथिला में भाई-बहन के प्रेम का **'सामा-चकेवा'** पर्व प्रारंभ होता है।
4. **बिहार के 3 प्रमुख रेल कारखाने:** (1) **मढ़ौरा (सारण)** — उच्च क्षमता वाले डीजल/इलेक्ट्रिक रेल इंजन कारखाना, (2) **बेला, दरियापुर (सारण)** — रेल पहिया (व्हील) कारखाना, और (3) **हरनौत (नालंदा)** — रेल कोच मरम्मत कारखाना (जबकि जमालपुर, मुंगेर में 1862 से ऐतिहासिक रेलवे वर्कशॉप है)।
5. **जमुई में देश का 44% स्वर्ण अयस्क भंडार:** भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार बिहार के **जमुई जिले (सोनो, करमटिया क्षेत्र)** में लगभग 222.88 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क (प्राथमिक व द्वितीयक संसाधन सहित) का भंडार है, जो भारत के कुल स्वर्ण अयस्क संसाधन का लगभग 44 प्रतिशत है।

7.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (मंजूषा कला का क्षेत्र एवं उपनाम):** अभ्यर्थी अक्सर मंजूषा कला को भी मिथिला (मधुबनी) से जोड़ देते हैं। याद रखें—**मंजूषा कला भागलपुर (अंग प्रदेश)** की लोककला है, इसे **'अंगिका कला'** या **'सर्प चित्रकला'** भी कहते हैं, और इसमें केवल **3 रंगों (गुलाबी, हरा और पीला)** का प्रयोग होता है (state.bihar.gov.in)।
- **जाल 2 (पटना कलम बनाम मधुबनी पेंटिंग):** मधुबनी पेंटिंग लोक-धार्मिक महिलाओं की कला है, जबकि **पटना कलम** मुगल दरबार के पतन के बाद पटना में बसे पुरुष चित्रकारों द्वारा विकसित **'कंपनी शैली'** थी, जिसमें राजाओं या देवताओं के बजाय **सामान्य जनजीवन** (मछली बेचती महिला, लोहार, दर्जी, पालकी) का कागज व हाथीदाँत पर चित्रण किया जाता था।
- **जाल 3 (पायराइट बनाम अभ्रक का जिला):** बिहार में **पायराइट (गंधक का मुख्य स्रोत) केवल रोहतास जिले (अमझोर)** में मिलता है, जबकि **अभ्रक (माइका) नवादा (रजौली) और गया** जिले में पाया जाता है।
- **जाल 4 (मर्चा चावल बनाम काला नमक चावल): मर्चा (मिर्चा) चावल** को जीआई टैग **बिहार के पश्चिमी चंपारण** जिले के लिए मिला है, जबकि **काला नमक चावल** को जीआई टैग **उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर** (एवं गोरखपुर-बस्ती क्षेत्र) के लिए प्राप्त है।
- **जाल 5 (बरौनी तेल शोधक कारखाना किस देश के सहयोग से बना?):** बरौनी रिफाइनरी (बेगूसराय, 1964) की स्थापना **तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) एवं रोमानिया** के सहयोग से की गई थी।

7.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (बिहार के सभी प्रमुख जीआई टैग उत्पाद): "मिथिला मखाना पेंटिंग संग, शाही लीची सुजनी का रंग; भागलपुर में सिल्क-जर्दालु-कतरनी-मंजूषा, मगही पान खाकर सिलाव का खाजा और चंपारण का मर्चा चखा"**

- मिथिला मखाना + मधुबनी पेंटिंग (मिथिला) | शाही लीची + सुजनी कढ़ाई (मुजफ्फरपुर) | तसर सिल्क + जर्दालु आम + कतरनी चावल + मंजूषा कला (भागलपुर) | मगही पान (नवादा-गया-नालंदा-औरंगाबाद) | सिलाव खाजा (नालंदा) | मर्चा चावल (पश्चिमी चंपारण)।

- **ट्रिक 2 (दक्षिण बिहार के खनिज और जिले): "रोहतास में पायराइट-चूना, जमुई में सोना दूना, नवादा-गया में अभ्रक चमके, मुंगेर में बॉक्साइट-स्लेट दमके"।**

मॉड्यूल 8: मध्य प्रदेश विशेष — पठारी एवं पर्वतीय भूगोल (मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड, विंध्य-सतपुड़ा), नर्मदा-चंबल-सोन तंत्र एवं बहुउद्देशीय परियोजनाएँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 8: मध्य प्रदेश विशेष — पठारी एवं पर्वतीय भूगोल (मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड, विंध्य-सतपुड़ा), नर्मदा-चंबल-सोन तंत्र एवं बहुउद्देशीय परियोजनाएँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भू-आकृतिक संरचना	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

8.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भू-आकृतिक संरचना

भारत के मध्य में स्थित होने के कारण 'हृदय प्रदेश' कहलाने वाला मध्य प्रदेश (mp.gov.in) गोंडवाना लैंड के प्राचीनतम भू-भाग (प्रायद्वीपीय पठार के उत्तरी भाग) पर विस्तृत है। भू-आकृतिक दृष्टि से मध्य प्रदेश को **3 मुख्य भौतिक प्रदेशों और 7 उप-विभागों** में बाँटा जाता है:

1. **मध्य उच्च प्रदेश (Central Highlands):** इसके अंतर्गत 5 उप-विभाग आते हैं—(क) मध्य भारत का पठार (चंबल उप-आर्द्र प्रदेश), (ख) बुंदेलखंड का पठार, (ग) मालवा का पठार (राज्य का सबसे बड़ा भौतिक विभाग — लगभग 28% क्षेत्रफल), (घ) रीवा-पन्ना (विंध्यन कगारी) का पठार, और (ङ) नर्मदा-सोन भ्रंश घाटी (राज्य का सबसे निचला भू-भाग)।
2. **सतपुड़ा-मैकाल पर्वत श्रेणी:** नर्मदा और ताप्ती के मध्य राजपीपला, महादेव और मैकाल श्रेणियाँ।
3. **पूर्वी पठार (बघेलखंड का पठार):** राज्य का सबसे छोटा भौतिक विभाग (लगभग 7% क्षेत्रफल)।

सैकड़ों नदियों के उद्गम के कारण मध्य प्रदेश को **'नदियों का मायका'** भी कहा जाता है (www.iucacademy.com)।

8.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: मध्य प्रदेश के 7 भौतिक विभाग एवं प्रमुख अपवाह तंत्र

• **नोड 1 (उत्तर-पश्चिमी एवं उत्तरी पठार — मध्य भारत, बुंदेलखंड एवं रीवा-पन्ना):** मध्य भारत पठार (भिंड, मुरैना, ग्वालियर — चंबल के बीहड़ व सबसे कम वर्षा: गोहद, भिंड), बुंदेलखंड पठार (सर्वोच्च चोटी: **सिद्ध बाबा — 1,172 मीटर**, दतिया/निवाड़ी क्षेत्र) तथा रीवा-पन्ना पठार (केन, टोंस व बीहड़ नदियों पर चचाई, केवटी और बहुतही जलप्रपात) (mp.gov.in)।

• **नोड 2 (पश्चिमी हृदय स्थल — मालवा का पठार):** दक्कन ट्रैप के बेसाल्ट लावा के अपक्षय से निर्मित काली मृदा (रेगुर) वाला सबसे विशाल पठार (28% क्षेत्रफल); सर्वोच्च चोटी **सिगार (881 मीटर)** और जानापाव (854 मीटर, इंदौर); कर्क रेखा इसके मध्य से गुजरती है और चीनी यात्री फाह्यान ने इसकी जलवायु को 'विश्व की सर्वश्रेष्ठ जलवायु' कहा।

• **नोड 3 (मध्यवर्ती नर्मदा-सोन भ्रंश घाटी — पूर्व से पश्चिम व उत्तर-पूर्व प्रवाह):** अमरकंटक (अनूपपुर) से निकलकर पश्चिम की ओर भ्रंश घाटी में 1,077 किमी (कुल 1,312 किमी) बहने वाली मध्य प्रदेश की जीवनरेखा **नर्मदा नदी** तथा उत्तर-पूर्व की ओर बहने वाली **सोन और जोहिला** नदियाँ।

• **नोड 4 (दक्षिण की सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी एवं पूर्व का बघेलखंड पठार):** राजपीपला (बड़वानी से बुरहानपुर दर्रे तक), महादेव श्रेणी (पचमढ़ी के पास मध्य प्रदेश की सर्वोच्च चोटी **धूपगढ़ — 1,350 मीटर**) तथा अर्धचंद्राकार मैकाल श्रेणी (सर्वोच्च चोटी: **अमरकंटक — 1,064/1,065 मीटर**) और पूर्व में कोयला समृद्ध बघेलखंड पठार (www.iucacademy.com)।

8.3 विस्तृत तुलनात्मक सारणी: मध्य प्रदेश के भौतिक पठार, पर्वत चोटियाँ, नदियाँ, जलप्रपात एवं नदी घाटी परियोजनाएँ (mp.gov.in)

क्र.सं.	भौतिक प्रदेश / नदी / परियोजना	भौगोलिक स्थिति / उद्गम स्थल	संबंधित जिले / विस्तार क्षेत्र (mp.gov.in)	सर्वोच्च चोटी / मुख्य बांध / जलप्रपात	परीक्षा उपयोगी विशिष्ट तथ्य (www.iucacademy.com)
1	मालवा का पठार	नर्मदा के उत्तर में दक्कन ट्रैप (बेसाल्ट चट्टान) से निर्मित	इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम, मंदसौर, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, रायसेन, सागर, भोपाल (18+ जिले)	सर्वोच्च चोटी: **सिगार (881 मी.)**, जानापाव (854 मी.), धजारी (810 मी.)	मध्य प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का **28% भाग (सर्वाधिक)**; चंबल, क्षिप्रा, कालीसिंध, पार्वती व बेतवा का उद्गम; गेहूँ व सोयाबीन का भंडार
2	नर्मदा-सोन घाटी	विंध्याचल और सतपुड़ा के मध्य संकरी भ्रंश घाटी	अनूपपुर, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, हरदा, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, सीधी, सिंगरौली	राज्य का सबसे निचला भू-भाग (क्षेत्रफल का लगभग 26% भाग)	पश्चिम में नर्मदा (काली मृदा) तथा पूर्व में सोन घाटी (लाल-पीली मृदा); संगमरमर व चूना पत्थर से समृद्ध
3	सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी	नर्मदा के दक्षिण व ताप्ती के उत्तर में (3 भाग: राजपीपला, महादेव, मैकाल)	बड़वानी, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम (पचमढ़ी), सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी	महादेव श्रेणी में **धूपगढ़ (1,350 मी. — राज्य की सर्वोच्च चोटी)**; मैकाल में **अमरकंटक (1,065 मी.)**	बुरहानपुर दर्रे को 'दक्षिण का प्रवेश द्वार' कहते हैं; पचमढ़ी ('सतपुड़ा की रानी') राज्य का एकमात्र हिल स्टेशन और सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान (199 सेमी+) है

क्र.सं.	भौतिक प्रदेश / नदी / परियोजना	भौगोलिक स्थिति / उद्गम स्थल	संबंधित जिले / विस्तार क्षेत्र (mp.gov.in)	सर्वोच्च चोटी / मुख्य बांध / जलप्रपात	परीक्षा उपयोगी विशिष्ट तथ्य (www.iucacademy.com)
4	बुंदेलखंड का पठार एवं रीवा-पन्ना पठार	आर्कियन ग्रेनाइट-नीस (बुंदेलखंड) एवं विंध्यन बलुआ पत्थर (रीवा-पन्ना)	बुंदेलखंड: निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दतिया, शिवपुरी; रीवा-पन्ना: रीवा, सतना, पन्ना, दमोह	बुंदेलखंड की सर्वोच्च चोटी: **सिद्ध बाबा (1,172 मी.)**; विंध्याचल की सर्वोच्च चोटी: **सद्भावना शिखर / गुडविल पीक (752 मी., दमोह)**	पन्ना हीरा खनन के लिए और रीवा-मऊगंज राज्य के सबसे ऊँचे जलप्रपातों (**बहुतही — 198 मी., सेलर/ओड्डा नदी** एवं **चचाई — 130 मी., बीहड़ नदी**) के लिए प्रसिद्ध
5	नर्मदा नदी (रेवा / नामोदास / मैकलसुता)	अमरकंटक कुंड (पुष्पराजगढ़ तहसील, अनूपपुर जिला)	मध्य प्रदेश के **16 जिलों** से प्रवाहित (कुल लंबाई 1,312 किमी; म.प्र. में **1,077 किमी**)	खंभात की खाड़ी (भड़ौच, गुजरात के पास ज्वारनदमुख/एश्चुअरी बनाती है)	भारत की 5वीं व मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी नदी; कुल **41 प्रमुख सहायक नदियाँ** (बाएँ से 22: तवा, शक्कर, दूधी, शेर, बंजार; दाएँ से 19: हिरन, तिंदोनी, बारना, मान, हथनी)
6	नर्मदा के प्रमुख जलप्रपात	नर्मदा नदी मार्ग	अनूपपुर, जबलपुर, नरसिंहपुर, खंडवा, खरगोन	अनूपपुर: **कपिलधारा व दुग्धधारा**; जबलपुर (भेड़ाघाट): **धुआँधार**; खंडवा: **मान्धाता व दर्दी**; महेश्वर (खरगोन): **सहस्रधारा**	भेड़ाघाट में सफेद संगमरमर की चट्टानों के बीच धुआँधार जलप्रपात विश्वप्रसिद्ध है
7	नर्मदा घाटी की प्रमुख परियोजनाएँ	नर्मदा एवं उसकी सहायक नदियाँ (तवा, बारना, जोबट, मान)	जबलपुर, खंडवा, नर्मदापुरम, रायसेन, अलीराजपुर एवं नर्मदा (गुजरात)	जबलपुर (बिजौरा): **बरगी बांध (रानी अवंतीबाई सागर)**; खंडवा (पुनासा): **इंदिरा सागर (भारत की सर्वाधिक जल भंडारण क्षमता)** व **ओंकारेश्वर बांध**	नर्मदापुरम में तवा नदी पर **तवा बांध**, रायसेन में बारना नदी पर **बारना बांध**, अलीराजपुर में हथनी नदी पर **जोबट (चंद्रशेखर आजाद) परियोजना** और गुजरात में **सरदार सरोवर बांध**
8	चंबल नदी एवं चंबल घाटी परियोजना	जानापाव पहाड़ी (वांचू पॉइंट, महू, इंदौर)	इंदौर, धार, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, श्योपुर, मुरैना, भिंड (कुल लंबाई 965 किमी)	इटावा (उ.प्र.) में यमुना से संगम; मध्य प्रदेश व राजस्थान की संयुक्त परियोजना (50:50 साझेदारी)	चंबल पर **3 मुख्य बांध**: 1. **गांधी सागर बांध (मंदसौर, म.प्र. — 1960, राज्य की प्रथम जलविद्युत परियोजना: 115 मेगावाट)**, 2. **राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राज.)**, 3. **जवाहर सागर (कोटा, राज.)** + कोटा बैराज
9	क्षिप्रा, कालीसिंध, पार्वती एवं सिंध नदी	क्षिप्रा: काकरी बरड़ी पहाड़ी (इंदौर); कालीसिंध: बागली (देवास); पार्वती: आष्टा (सीहोर); सिंध: सिरोंज (विदिशा)	मालवा एवं मध्य भारत पठार	क्षिप्रा, कालीसिंध व पार्वती चंबल में मिलती हैं; सिंध नदी यमुना में मिलती है	**क्षिप्रा ('मालवा की गंगा')** के तट पर उज्जैन का महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और सिंहस्थ कुंभ लगता है; **नर्मदा-क्षिप्रा सिंहस्थ लिंक (2014)** उज्जैनी गाँव (इंदौर) में पूर्ण हुई; शिवपुरी में सिंध नदी पर **मड़ीखेड़ा (अटल सागर) बांध** है
10	ताप्ती (सूर्यपुत्री) एवं माही नदी	ताप्ती: **मुलताई (बैतूल जिला)**; माही: **मिंडा गाँव, सरदारपुर (धार जिला)**	ताप्ती: बैतूल, बुरहानपुर (महाराष्ट्र व गुजरात होते हुए सूरत के पास खंभात की खाड़ी में); माही: धार, झाबुआ, रतलाम	दोनों खंभात की खाड़ी में गिरती हैं; ताप्ती पर उकाई व काकरापार (गुजरात) परियोजनाएँ	**माही नदी ('आदिवासियों की गंगा')** विश्व की एकमात्र नदी है जो **कर्क रेखा को दो बार काटती है**
11	सोन, टोंस (तमसा), केन एवं बेतवा नदी	सोन: अमरकंटक; टोंस: कैमूर पहाड़ी (मैहर/सतना); केन: कैमूर (कटनी); बेतवा: कुम्हरा गाँव (रायसेन)	उत्तरी एवं पूर्वी मध्य प्रदेश	सोन पर **बाणसागर बांध (देवलोंद, शहडोल — म.प्र., उ.प्र. व बिहार की 2:1:1 अनुपात में संयुक्त परियोजना)**	बेतवा ('मध्य प्रदेश की गंगा' — प्रदूषण के आधार पर) की सहायक बीना नदी पर सागर में **भालकुंड (राहतगढ़) जलप्रपात** और हलाली नदी पर विदिशा में **सम्राट अशोक सागर परियोजना** स्थित है
12	वैनगंगा, पेंच एवं वर्धा नदी (दक्षिण प्रवाह)	वैनगंगा: परसवाड़ा पठार (मुंडारा गाँव, सिवनी); वर्धा: वर्धन शिखर (मुलताई, बैतूल)	सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल (गोदावरी अपवाह तंत्र का भाग)	वैनगंगा और वर्धा के संगम को महाराष्ट्र में **'प्राणहिता'** कहा जाता है	सिवनी में वैनगंगा नदी पर एशिया का सबसे बड़ा मिट्टी का बांध **'भीमगढ़ बांध' (संजय सरोवर)** निर्मित है; बालाघाट वैनगंगा के तट पर स्थित है

8.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **मध्य प्रदेश का सबसे ऊँचा जलप्रपात (बहुतही बनाम चचाई):** पूर्व में रीवा जिले में बीहड़ नदी पर स्थित चचाई जलप्रपात (130 मीटर) को सबसे ऊँचा माना जाता था, परंतु वर्तमान आधिकारिक आँकड़ों (mp.gov.in) के अनुसार मऊगंज/रीवा क्षेत्र में सेलर (ओड्डा) नदी पर स्थित **'बहुतही जलप्रपात' (ऊँचाई 198 मीटर)** मध्य प्रदेश का सबसे ऊँचा जलप्रपात है।
2. **पचमढ़ी के प्रसिद्ध जलप्रपात:** नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले के पचमढ़ी में **बी फॉल (जमुना प्रपात), डचेस फॉल, अप्सरा विहार और रजत प्रपात** स्थित हैं, जबकि सागर में बीना नदी पर **भालकुंड जलप्रपात** और इंदौर में चंबल नदी पर **पातालपानी व झाड़ीदाह जलप्रपात** स्थित हैं।
3. **कर्क रेखा और मध्य प्रदेश के 14 जिले:** कर्क रेखा (23.5° उत्तरी अक्षांश) मध्य प्रदेश के ठीक मध्य से होकर **14 जिलों** — रतलाम, उज्जैन, आगर-मालवा (पूर्व में शाजापुर), राजगढ़, सीहोर, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, उमरिया और शहडोल — से गुजरती है।
4. **भारतीय मानक समय रेखा (82.5° पूर्वी देशांतर):** भारत की मानक मध्याह्न रेखा मध्य प्रदेश के एकमात्र सीमांत जिले **सिंगरौली** से होकर गुजरती है।
5. **उर्मिल एवं बावनथड़ी परियोजनाएँ:** छतरपुर जिले में उर्मिल नदी पर 'उर्मिल परियोजना' मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश (40:60 अनुपात) की संयुक्त परियोजना है, जबकि बालाघाट में बावनथड़ी नदी पर निर्मित **'राजीव सागर परियोजना'** मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है।

8.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 ('मालवा की गंगा' बनाम 'मध्य प्रदेश की गंगा'):** परीक्षा में यह प्रश्न अत्यंत भ्रामक होता है। पवित्रता एवं सांस्कृतिक महत्व के आधार पर **'मालवा की गंगा' क्षिप्रा नदी** को और **'मध्य प्रदेश की जीवनरेखा / पवित्रता की गंगा' नर्मदा नदी** को कहते हैं, किंतु **प्रदूषण के स्तर के आधार पर 'मध्य प्रदेश की गंगा' बेतवा नदी** को कहा जाता है (mp.gov.in)।
- **जाल 2 (चंबल परियोजना के 3 बांधों की राज्यवार स्थिति):** गांधी सागर, राणा प्रताप सागर और जवाहर सागर तीनों चंबल नदी पर हैं, किंतु केवल **गांधी सागर बांध मध्य प्रदेश (भानपुरा तहसील, मंदसौर)** में है; राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़) और जवाहर सागर (कोटा) दोनों **राजस्थान** में स्थित हैं।
- **जाल 3 (अमरकंटक से निकलने वाली 3 नदियाँ):** अमरकंटक पठार (अनूपपुर) से लगभग 3 किमी के दायरे से **नर्मदा, सोन और जोहिला** तीन नदियाँ निकलती हैं। ध्यान रहे— ताप्ती (मुलताई, बैतूल) और बेतवा (कुम्हरा गाँव, रायसेन) अमरकंटक से नहीं निकलतीं!
- **जाल 4 (सर्वोच्च चोटियों का पठारवार मिलान):** पूरे मध्य प्रदेश व सतपुड़ा की सर्वोच्च चोटी = **धूपगढ़ (1,350 मी., महादेव श्रेणी)**; बुंदेलखंड पठार की सर्वोच्च चोटी = **सिद्ध बाबा (1,172 मी.)**; मैकाल श्रेणी की सर्वोच्च चोटी = **अमरकंटक (1,065 मी.)**; मालवा पठार की सर्वोच्च चोटी = **सिगार (881 मी.)**; विंध्याचल श्रेणी की सर्वोच्च चोटी = **सद्भावना शिखर / कालूमार पीक (752 मी., दमोह)**।
- **जाल 5 (तवा नदी किसकी सबसे बड़ी सहायक नदी है?):** तवा नदी महादेव पर्वत (पचमढ़ी) से निकलकर बाएँ तट से होशंगाबाद (नर्मदापुरम) के बांद्राभान में **नर्मदा नदी** से मिलती है और यह नर्मदा की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

8.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (कर्क रेखा पर स्थित मध्य प्रदेश के 14 जिले — पश्चिम से पूर्व): "रउआ राशि भविरा साद जब कटनी उमरिया शा"**

- **र:** रतलाम | **उ:** उज्जैन | **आ:** आगर-मालवा | **रा:** राजगढ़ | **शि (सी):** सीहोर | **भ:** भोपाल | **वि:** विदिशा | **रा:** रायसेन | **सा:** सागर | **द:** दमोह | **जब:** जबलपुर | **कटनी:** कटनी | **उमरिया:** उमरिया | **शा:** शहडोल।

- **ट्रिक 2 (चंबल नदी के 3 बांध — उद्गम से संगम का क्रम): "चंबल में गांधी (मंदसौर) ने राणा (चित्तौड़गढ़) और जवाहर (कोटा) को बुलाया"**

- 1. गांधी सागर (मंदसौर, मध्य प्रदेश) → 2. राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राजस्थान) → 3. जवाहर सागर एवं कोटा बैराज (कोटा, राजस्थान)।

मॉड्यूल 9: मध्य प्रदेश विशेष — टाइगर स्टेट, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, प्रमुख जनजातियाँ (भील, गोंड, बैगा, सहरिया) एवं खनिज संपदा

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 9: मध्य प्रदेश विशेष — टाइगर स्टेट, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, प्रमुख जनजातियाँ (भील, गोंड, बैगा, सहरिया) एवं खनिज संपदा

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं जैव-विविधता तथा जनजातीय-खनिज समृद्धि	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

9.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं जैव-विविधता तथा जनजातीय-खनिज समृद्धि

मध्य प्रदेश (mp.gov.in) भारत में सर्वाधिक वन क्षेत्रफल (लगभग 77,493 वर्ग किमी), सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यानों (11+ राष्ट्रीय उद्यान), सर्वाधिक बाघों (**'टाइगर स्टेट' — 785 बाघ**, अखिल भारतीय बाघ गणना 2022 के अनुसार), सर्वाधिक तेंदुओं ('तेंदुआ स्टेट'), घड़ियालों एवं गिद्धों के साथ-साथ चीता पुनर्वास (**कूनो राष्ट्रीय उद्यान, श्योपुर** — सितंबर 2022 में नामीबिया व फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से चीते लाए गए) के कारण **'चीता स्टेट'** भी कहलाता है। जनगणना (censusindia.gov.in) के अनुसार भारत में **सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या मध्य प्रदेश (1.53 करोड़ से अधिक, राज्य की जनसंख्या का 21.1%)** में निवास करती है। खनिज संपदा की दृष्टि से मध्य प्रदेश देश में **हीरा (पन्ना — एकाधिकार), ताँबा उत्पादन (मलाजखंड, बालाघाट — प्रथम)** और **मैंगनीज उत्पादन (भरवेली, बालाघाट — प्रथम)** में अग्रणी है (www.iucacademy.com)।

9.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: मध्य प्रदेश के वन्यजीव, जनजातियाँ एवं खनिज संसाधन का क्षेत्रीय वितरण

- **नोड 1 (राष्ट्रीय उद्यान एवं 7 टाइगर रिजर्व नेटवर्क):** कान्हा किसली (1933 अभयारण्य, 1955 प्रथम राष्ट्रीय उद्यान, 1973-74 प्रथम टाइगर रिजर्व), बांधवगढ़ (सर्वाधिक बाघ घनत्व), पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय-डुबरी और 7वाँ नवीनतम **वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व** (नौरादेही व रानी दुर्गावती अभयारण्य क्षेत्र) (mp.gov.in)।
- **नोड 2 (मध्य प्रदेश की प्रमुख जनजातियों का भौगोलिक मानचित्रण):** पश्चिम में **भील** (झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी — राज्य की सबसे बड़ी जनजाति), नर्मदा-सतपुड़ा अंचल में **गोंड** (दूसरी सबसे बड़ी) व **कोरकू** (बैतूल, नर्मदापुरम, खंडवा), पूर्व में **कोल** (रीवा, सतना, सीधी — तीसरी सबसे बड़ी) व **बैगा** (मंडला, डिंडोरी, बालाघाट), उत्तर में **सहरिया** (शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर) तथा छिंदवाड़ा के पातालकोट में **भारिया**।
- **नोड 3 (3 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह — PVTG):** भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश की तीन जनजातियों — **बैगा, भारिया और सहरिया** — को 'विशेष पिछड़ी जनजाति' (PVTG) घोषित किया गया है।
- **नोड 4 (मध्य प्रदेश का खनिज त्रिकोण — पन्ना, बालाघाट एवं सिंगरौली):** पन्ना-सतना-छतरपुर में **हीरा** (मझगवाँ, हिनौता व बक्सवाहा), बालाघाट में **ताँबा** (मलाजखंड — 'ताँबा नगरी') व **मैंगनीज** (भरवेली — एशिया की सबसे बड़ी खुली मैंगनीज खदान), तथा सिंगरौली (बैढ़न — 'ऊर्जा राजधानी') व सुहागपुर (शहडोल — सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र) में कोयला भंडार (www.iucacademy.com)।

9.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, जनजातियाँ एवं खनिज क्षेत्र (mp.gov.in)

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान / जनजाति / खनिज क्षेत्र	संबंधित जिला / भौगोलिक अंचल (mp.gov.in)	स्थापना वर्ष / जनसंख्या क्रम / खनिज श्रेणी	प्रमुख लोकनृत्य / पर्व / खदान का नाम	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
1	कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान	**मंडला एवं बालाघाट**	1933 (अभयारण्य), **1955 (राष्ट्रीय उद्यान)**, 1973-74 (टाइगर रिजर्व)	बंजार एवं हालोन घाटी; ब्रैडरी प्रजाति का बारहसिंगा	मध्य प्रदेश का **प्रथम एवं सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान (940 वर्ग किमी)**; 'भूरसिंह द बारहसिंगा' आधिकारिक शुभंकर जारी करने वाला भारत का प्रथम उद्यान
2	बांधवगढ़ एवं माधव राष्ट्रीय उद्यान	बांधवगढ़: **उमरिया**; माधव: **शिवपुरी**	बांधवगढ़: **1968** (टाइगर रिजर्व: 1993); माधव: **1958**	बांधवगढ़: 32 पहाड़ियों से घिरा व चरणगंगा नदी प्रवाहित; माधव: जॉर्ज कैसल भवन व सांख्य सागर झील	बांधवगढ़ भारत में **सर्वाधिक बाघ घनत्व** और सफेद बाघों के इतिहास के लिए प्रसिद्ध; शिवपुरी की सांख्य सागर झील रामसर स्थल है

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान / जनजाति / खनिज क्षेत्र	संबंधित जिला / भौगोलिक अंचल (mp.gov.in)	स्थापना वर्ष / जनसंख्या क्रम / खनिज श्रेणी	प्रमुख लोकनृत्य / पर्व / खदान का नाम	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
3	पेंच (इंदिरा प्रियदर्शिनी) एवं सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	पेंच: **सिवनी एवं छिंदवाड़ा**; सतपुड़ा: **नर्मदापुरम (होशंगाबाद)**	पेंच: **1975** (टाइगर रिजर्व: 1992); सतपुड़ा: **1981** (टाइगर रिजर्व: 1999)	पेंच: मोगली लैंड (रुडयार्ड किपलिंग की 'द जंगल बुक' की पृष्ठभूमि); सतपुड़ा: देनवा नदी व कृष्णमृग	सतपुड़ा में पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व (1999 — राज्य का प्रथम जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र) स्थित है
4	पन्ना एवं संजय (डुबरी) राष्ट्रीय उद्यान	पन्ना: **पन्ना एवं छतरपुर**; संजय: **सीधी एवं सिंगरौली**	पन्ना: **1981** (टाइगर रिजर्व: 1994); संजय: **1981** (टाइगर रिजर्व: 2008)	पन्ना: केन नदी प्रवाहित व रेप्टाइल पार्क; संजय-डुबरी: गोपद, बनास व सोन नदी तंत्र	पन्ना 2011 में देश का 18वाँ व म.प्र. का तीसरा बायोस्फीयर रिजर्व बना (अमरकंटक-अचानकमार 2005 में दूसरा बना था)
5	कूनो-पालपुर एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान	कूनो: **श्योपुर व मुरैना**; वन विहार: **भोपाल**	कूनो: **2018** (राष्ट्रीय उद्यान दर्जा); वन विहार: **1979**	कूनो नदी प्रवाहित; वन विहार में सर्प उद्यान व आधुनिक चिड़ियाघर प्रबंधन	**17 सितंबर 2022** को नामीबिया से 8 चीते कूनो में लाकर भारत में 70 वर्ष बाद चीता पुनर्वास किया गया
6	घुघवा जीवाश्म (फॉसिल) एवं डायनासोर जीवाश्म उद्यान	घुघवा: **डिंडोरी**; डायनासोर: **धार**; ओंकारेश्वर: **खंडवा**	घुघवा: **1968/1983** (क्षेत्रफल 0.27 वर्ग किमी); डायनासोर: **2010**	घुघवा में वनस्पति जीवाश्म (नीलगिरी के जीवाश्म); धार (बाग नदी) में डायनासोर के अंडों के जीवाश्म	**डिंडोरी का जीवाश्म उद्यान मध्य प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान** है; सबसे बड़ा अभयारण्य **नौरादेही (सागर/दमोह)** और सबसे छोटा अभयारण्य **रालामंडल (इंदौर)** है
7	भील जनजाति	**झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन** (पश्चिमी मध्य प्रदेश)	मध्य प्रदेश एवं भारत की **सबसे बड़ी जनजाति** (censusindia.gov.in)	पर्व: **भगोरिया उत्सव** (होली के समय 7 दिन: गुलालिया, गोल गधेड़ो, उजाड़िया); नृत्य: भगोरिया, दोहा, घूमर; चित्रकला: **पिथौरा पेंटिंग (पेमा फाल्या व भूरी बाई)**	भीलों के घरों को **'कू'** और मोहल्ले को **'फाल्या'** कहते हैं; ताड़ी इनका प्रिय पेय है; उपजातियाँ: भिलाला, बारेला, पटलिया
8	गोंड जनजाति	**मंडला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, बैतूल, जबलपुर** (नर्मदा के दोनों तट)	मध्य प्रदेश की **दूसरी सबसे बड़ी जनजाति** (द्रविड़ मूल)	नृत्य: **कर्मा, शैला, भड़ौनी, सुआ, बिरहा, सजनी, दीवानी**; विवाह: दूध लौटावा, लमसेना (सेवा विवाह), चढ़ विवाह	व्यवसाय के आधार पर उपजातियाँ: **अगरिया** (लोहे का काम), **प्रधान** (पुजारी), **ओझा** (तांत्रिक), **सोलहास** (बढ़ई), **कोयलाभूतिस** (नाचने-गाने वाले); चित्रकला: **नोहडोरा** (जनगढ़ सिंह श्याम व दुर्गा बाई व्याम)
9	बैगा जनजाति (विशेष पिछड़ी जनजाति — PVTG)	**मंडला, डिंडोरी, बालाघाट एवं शहडोल**	भारत सरकार द्वारा घोषित 3 PVTG में शामिल	नृत्य: **कर्मा, बिलमा, परधौनी (बारात की अगवानी पर हाथी बनकर), दशहरा नृत्य**; स्थानांतरित कृषि: **'बेवर' या 'पोंडू'**	वेरियर एल्विन ने प्रसिद्ध पुस्तक 'द बैगाज' लिखी; बैगा **साल वृक्ष** को पवित्र मानते हैं और धरती को माता मानकर उस पर हल चलाना पाप समझते थे
10	भारिया एवं सहरिया जनजाति (PVTG)	भारिया: **पातालकोट (तामिया तहसील, छिंदवाड़ा)**; सहरिया: **शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर, गुना, मुरैना**	दोनों विशेष पिछड़ी जनजातियाँ (PVTG) हैं	भारिया नृत्य: **भड़म, सेतम, कर्मा, शैला**; सहरिया नृत्य: **लहंगी, दुलदुल घोड़ी, रागिनी**	भारिया का शाब्दिक अर्थ 'भार ढोने वाला/ज्ञान का अभाव' है, इनकी बोली 'भरनोती' है; सहरिया के निवास को **'सहराना'** और मुखिया को **'कोतवाल'** कहते हैं; श्योपुर में सहरिया संग्रहालय है
11	कोरकू एवं कोल जनजाति	कोरकू: **बैतूल, नर्मदापुरम, खंडवा, बुरहानपुर**; कोल: **रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल**	कोल मध्य प्रदेश की **तीसरी सबसे बड़ी जनजाति** है	कोरकू नृत्य: **चटकोरा, खम्ब स्वांग (मेघनाथ पर्व), ढाढल**; कोल नृत्य: **कोल दहका**	कोरकू का अर्थ 'मनुष्यों का समूह' है; मृतक की स्मृति में लकड़ी/पत्थर का स्तंभ गाड़ने की प्रथा **'सिडोली प्रथा'** कोरकू जनजाति में प्रचलित है
12	हीरा, ताँबा एवं मैंगनीज खनन क्षेत्र	हीरा: **पन्ना, सतना, छतरपुर**; ताँबा व मैंगनीज: **बालाघाट, छिंदवाड़ा**	हीरा व ताँबा उत्पादन में म.प्र. देश में **प्रथम**	हीरा खदानें: **मझगवाँ, हिनौता, रामखेरिया, अंगोर व बक्सवाहा**; ताँबा: **मलाजखंड (बैहर तहसील, बालाघाट)**; मैंगनीज: **भरवेली (बालाघाट)**	किंबरलाइट पाइप में हीरा मिलता है; एनएमडीसी द्वारा मझगवाँ में उत्खनन किया जाता है; मलाजखंड को 'ताँबा नगरी' कहते हैं

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान / जनजाति / खनिज क्षेत्र	संबंधित जिला / भौगोलिक अंचल (mp.gov.in)	स्थापना वर्ष / जनसंख्या क्रम / खनिज श्रेणी	प्रमुख लोकनृत्य / पर्व / खदान का नाम	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
13	कोयला, बॉक्साइट, चूना पत्थर एवं रॉक फॉस्फेट	कोयला: **शहडोल, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, बैतूल**; बॉक्साइट: **अनूपपुर, कटनी**; रॉक फॉस्फेट: **झाबुआ**	मध्य प्रदेश कोयला क्षेत्र 2 भागों में: 1. मध्य भारत कोयला क्षेत्र, 2. सतपुड़ा कोयला क्षेत्र	सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र: **सुहागपुर (शहडोल — 4,142 वर्ग किमी)**; सबसे मोटी कोयला परत (136 मी.): **सिंगरौली**	**कटनी को 'चूना नगरी', पन्ना को 'हीरा नगरी', सिंगरौली को 'ऊर्जा राजधानी'** और **पीथमपुर (धार) को 'भारत का डेट्रॉयट'** कहा जाता है

9.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **प्रोजेक्ट टाइगर के जनक कैलाश सांखला और कान्हा उद्यान:** भारत में 1 अप्रैल 1973 को प्रोजेक्ट टाइगर प्रारंभ हुआ और मध्य प्रदेश का **कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान 1973-74 में प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल होने वाला राज्य का प्रथम उद्यान** बना। कान्हा में ही विश्व बैंक की सहायता से 'पार्क इंटरप्रिटेशन योजना' संचालित है (mp.gov.in)।
2. **सफेद बाघों की भूमि रीवा और मुकुंदपुर सफारी:** 1951 में रीवा के महाराजा मार्तंड सिंह ने सीधी/रीवा के जंगलों से विश्व का पहला ज्ञात जीवित सफेद बाघ **'मोहन'** पकड़ा था। वर्तमान में सतना (मैहर सीमा) के **मुकुंदपुर** में विश्व की पहली **'महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी'** स्थापित की गई है।
3. **सोन चिरैया (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) एवं खरमोर संरक्षण:** मध्य प्रदेश में लुप्तप्राय सोन चिरैया के संरक्षण हेतु **घाटीगाँव (ग्वालियर) और करेरा (शिवपुरी — अब डिनोटिफाइड)** तथा **खरमोर पक्षी** के संरक्षण हेतु **सरदारपुर (धार) और सैलाना (रतलाम)** अभयारण्य प्रसिद्ध हैं।
4. **घड़ियाल संरक्षण के 3 अभयारण्य:** मध्य प्रदेश में घड़ियालों के संरक्षण हेतु तीन प्रमुख नदी अभयारण्य हैं—(1) **चंबल अभयारण्य (मुरैना)**, (2) **केन अभयारण्य (छतरपुर-पन्ना)**, और (3) **सोन अभयारण्य (सीधी-शहडोल)**।
5. **बादल भोई राज्य जनजातीय संग्रहालय:** स्वतंत्रता सेनानी बादल भोई के नाम पर **छिंदवाड़ा** में (1954 में स्थापित, 1997 में नामकरण) जनजातीय संग्रहालय है, जबकि राज्य स्तरीय भव्य **'मध्य प्रदेश जनजातीय संग्रहालय' और 'इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय' भोपाल** में स्थित हैं।

9.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (भारत की सबसे बड़ी जनजाति बनाम गोंड):** 2011 की जनगणना (censusindia.gov.in) के अद्यतन आँकड़ों के अनुसार **मध्य प्रदेश और संपूर्ण भारत दोनों की सबसे बड़ी जनजाति 'भील'** है, और **'गोंड' दूसरे स्थान** पर है। (पुरानी पुस्तकों में दिए गए गोंड को प्रथम न मानें)।
- **जाल 2 (मध्य प्रदेश की 3 विशेष पिछड़ी जनजातियाँ — PVTG):** आयोग प्रश्न पूछता है कि निम्नलिखित में से कौन-सी मध्य प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति (PVTG) नहीं है—विकल्प में प्रायः 'कोल' या 'कोरकू' दिया जाता है। याद रखें: केवल **बैगा, भारिया और सहरिया** ही 3 PVTG हैं!
- **जाल 3 (सबसे बड़ा और सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान बनाम अभयारण्य):**
- सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान = **कान्हा किसली (मंडला-बालाघाट)** | सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान = **फॉसिल/जीवाश्म उद्यान (डिंडोरी)**।
- सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य = **नौरादेही (सागर-दमोह)** | सबसे छोटा वन्यजीव अभयारण्य = **रालामंडल (इंदौर)**।
- **जाल 4 (सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र बनाम सबसे मोटी कोयला परत):** क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र **सुहागपुर (शहडोल)** है, जबकि एशिया की सबसे मोटी कोयला परत (136 मीटर) और 'ऊर्जा राजधानी' **सिंगरौली** में है (mp.gov.in)।
- **जाल 5 (दूध लौटावा प्रथा एवं गोल गधेड़ो पर्व):** 'दूध लौटावा' (ममेरे-फुफेरे भाई-बहन में विवाह) **गोंड जनजाति** की प्रथा है, जबकि 'गोल गधेड़ो' (भगोरिया हाट के दौरान शक्ति व कौशल प्रदर्शन द्वारा विवाह) **भील जनजाति** का उत्सव है।

9.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (मध्य प्रदेश की 3 विशेष पिछड़ी जनजातियाँ — PVTG और उनके क्षेत्र): "भारिया पाताल में, बैगा मंडला के साल में, सहरिया शिवपुरी-श्योपुर के हाल में"**
- **भारिया:** पातालकोट (छिंदवाड़ा) | **बैगा:** मंडला-डिंडोरी-बालाघाट | **सहरिया:** शिवपुरी-श्योपुर-ग्वालियर।
- **ट्रिक 2 (मध्य प्रदेश के पक्षी व जलीय संरक्षण अभयारण्य):**
- **सोन चिरैया: "घाटी (घाटीगाँव, ग्वालियर) में सोन चिरैया"**
- **खरमोर पक्षी: "सरदार (सरदारपुर, धार) का सैलानी (सैलाना, रतलाम) खरमोर"**
- **घड़ियाल: "चंबल (मुरैना), केन (छतरपुर) और सोन (सीधी) में घड़ियाल"**।

मॉड्यूल 10: राजस्थान विशेष — अरावली पर्वतमाला, थार मरुस्थल, आंतरिक एवं बाह्य अपवाह तंत्र, प्रमुख झीलें एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 10: राजस्थान विशेष — अरावली पर्वतमाला, थार मरुस्थल, आंतरिक एवं बाह्य अपवाह तंत्र, प्रमुख झीलें एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भौगोलिक संरचना	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

10.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं भौगोलिक संरचना

क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान (rajasthan.gov.in — 3,42,239 वर्ग किमी, देश का 10.41%) भू-आकृतिक दृष्टि से 4 सुस्पष्ट भौतिक प्रदेशों में विभाजित है:

1. **उत्तर-पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार का मरुस्थल):** राज्य के कुल क्षेत्रफल के **61.11% भाग** पर विस्तृत और लगभग **40% जनसंख्या** का निवास स्थल (टेथिस सागर का अवशेष); 50 सेमी समवर्षा रेखा इसे अरावली से और 25 सेमी समवर्षा रेखा इसे 'शुष्क मरुस्थल' (मरुस्थली — बालूका स्तूप युक्त व मुक्त/हमादा क्षेत्र) तथा 'अर्ध-शुष्क मरुस्थल' (बांगर — घग्गर, शेखावाटी, नागौरी उच्च भूमि व लूनी/गोडवाड़ बेसिन) में बाँटती है।
2. **अरावली पर्वतीय प्रदेश:** विश्व की प्राचीनतम वलित अवशिष्ट पर्वतमाला (प्री-कैम्ब्रियन युग, गोंडवाना लैंड का भाग — **9% क्षेत्रफल, 10% जनसंख्या**), जो दक्षिण-पश्चिम (खेड़ब्रह्मा, गुजरात/सिरोही) से उत्तर-पूर्व (खेतड़ी/रायसीना हिल्स, दिल्ली) तक कुल 692 किमी (राजस्थान में **550 किमी — लगभग 80%**) विस्तृत है।
3. **पूर्वी मैदानी प्रदेश:** चंबल, बनास, बाणगंगा व माही नदियों द्वारा निर्मित उपजाऊ मैदान (**23% क्षेत्रफल, 39% जनसंख्या** — सर्वाधिक जनघनत्व)।
4. **दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार):** कोटा, बूँदी, बाराँ व झालावाड़ क्षेत्र (**6.89% क्षेत्रफल, 11% जनसंख्या** — मालवा पठार का उत्तरी विस्तार, काली मृदा)।

10.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: राजस्थान का त्रिसूत्रीय अपवाह तंत्र एवं नहर-झील जल प्रबंधन

• **नोड 1 (आंतरिक अपवाह तंत्र — राज्य के अपवाह का 60.2% भाग):** वे नदियाँ जो किसी समुद्र में न गिरकर मरुस्थल या झीलों में ही विलुप्त हो जाती हैं —**घग्गर (प्राचीन सरस्वती / मृत नदी — सबसे लंबी आंतरिक नदी), कांतली (सीकर-झुंझुनू, गणेश्वर सभ्यता), काकनी/मसूरदी (जैसलमेर — सबसे छोटी नदी, बुझ झील), साबी, रूपारेल, मेंथा और रूपनगढ़** (rajasthan.gov.in)।

• **नोड 2 (अरब सागर अपवाह तंत्र — 17% भाग):** अरावली के पश्चिम व दक्षिण में बहकर कच्छ के रण या खंभात की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ—**लूनी नदी** (नाग पहाड़, अजमेर से उद्गम; बालोतरा तक मीठा और उसके बाद खारा जल), **माही नदी** (डूंगरपुर-बाँसवाड़ा — 'वागड़ व कांठल की गंगा'), **साबरमती** और **पश्चिमी बनास**।

• **नोड 3 (बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र — 22.8% भाग):** अरावली के पूर्व में बहकर यमुना-गंगा के माध्यम से बंगाल की खाड़ी में जाने वाली नदियाँ—**चंबल नदी** ('राजस्थान की कामधेनु' / नित्यवाही नदी), **बनास नदी** ('वन की आशा' — पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी), **बेड़च (आयड़), कोठारी, खारी, कालीसिंध, पार्वती और बाणगंगा ('अर्जुन की गंगा')**।

• **नोड 4 (इंदिरा गांधी नहर परियोजना एवं खारे-मीठे पानी की झीलें):** सतलज-व्यास संगम पर **हरिके बैराज (पंजाब)** से निकाली गई विश्व की सबसे बड़ी नहर प्रणालियों में से एक **इंदिरा गांधी नहर ('मरुगंगा')** तथा राजस्थान की प्रसिद्ध खारे पानी की झीलें (सांभर, पचपदरा, डीडवाना) और मीठे पानी की झीलें (जयसमंद, राजसमंद, पिछोला, फतेहसागर, नक्की, आनासागर, पुष्कर) (www.iucacademy.com)।

10.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राजस्थान की पर्वत चोटियाँ, नदियाँ, झीलें एवं सिंचाई परियोजनाएँ (rajasthan.gov.in)

क्र.सं.	पर्वत चोटी / नदी / झील / नहर	जिला / भौगोलिक अंचल (rajasthan.gov.in)	ऊँचाई / लंबाई / मुख्य स्रोत	प्रमुख बांध / सहायक नदियाँ / लिफ्ट नहरें	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
1	दक्षिणी अरावली की सर्वोच्च चोटियाँ	**सिरोही, उदयपुर एवं राजसमंद**	1. **गुरु शिखर (1,722 मी., माउंट आबू, सिरोही)**; 2. सेर (1,597 मी., सिरोही); 3. दिलवाड़ा (1,442 मी., सिरोही); 4. **जरगा (1,431 मी., उदयपुर)**; 5. अचलगढ़ (1,380 मी., सिरोही); 6. कुंभलगढ़ (1,224 मी., राजसमंद)	कर्नल जेम्स टॉड ने गुरु शिखर को **'संतों का शिखर'** कहा	गुरु शिखर हिमालय और नीलगिरि के मध्य भारत की सर्वोच्च चोटी है; माउंट आबू में राजस्थान का सबसे ऊँचा पठार **'उड़िया का पठार' (1,360 मी.)** तथा उदयपुर-राजसमंद के बीच **'भोराट का पठार'** है
2	मध्य एवं उत्तरी अरावली की सर्वोच्च चोटियाँ	मध्य: **अजमेर-ब्यावर**; उत्तरी: **सीकर, झुंझुनू, अलवर, जयपुर**	मध्य अरावली: **गौरमजी/ टोडगढ़ (934 मी.)**, तारागढ़ (873 मी.), नाग पहाड़ (795 मी.); उत्तरी अरावली: **रघुनाथगढ़ (1,055 मी., सीकर)**, खोह (920 मी., जयपुर), भैराच (792 मी., अलवर)	मध्य अरावली में ब्यावर-अजमेर के पास प्रमुख दर्रे (नाल): बर, परवेरिया, शिवपुर घाट, सुराघाट व पीपली नाल	दक्षिणी अरावली के प्रमुख दर्रे: देसूरी की नाल, सोमेश्वर नाल (पाली), हाथीगुड़ा नाल व केवड़ा की नाल (उदयपुर)
3	लूनी नदी (लवणवती / मरुआशा)	उद्गम: **नाग पहाड़ (अजमेर)** — आरंभिक नाम 'सागरमती'	प्रवाह: अजमेर, नागौर, पाली, जोधपुर, बालोतरा, बाड़मेर, सांचौर/जालोर (कच्छ के रण में विलीन)	सहायक नदियाँ: **जोजड़ी (एकमात्र दाएँ तट से मिलने वाली व अरावली से न निकलने वाली नदी)**, बांडी, सुकड़ी, मीठड़ी, जवाई, खारी, सागी	बालोतरा तक जल मीठा और उसके बाद खारा हो जाता है; सुमेरपुर (पाली) में जवाई नदी पर **'जवाई बांध' (मारवाड़ का अमृत सरोवर)** और जोधपुर में लूनी पर **जसवंत सागर (पिचियाक) बांध** है
4	माही नदी एवं माही बजाज सागर	उद्गम: मिंडा गाँव (धार, म.प्र.); राजस्थान में प्रवेश: **खांदू गाँव (बाँसवाड़ा)**	प्रवाह: बाँसवाड़ा एवं डूंगरपुर (उल्टे 'U' आकार में बहकर कर्क रेखा को दो बार काटती है)	सहायक नदियाँ: **सोम, जाखम**, अनास, चाप, मोरेन; बांध: **माही बजाज सागर (बोरखेड़ा, बाँसवाड़ा — राज्य का सबसे लंबा बांध: 3,109 मी.)**, कडाणा बांध (गुजरात) एवं **जाखम बांध (प्रतापगढ़ — राज्य का सबसे ऊँचा बांध: 81 मी.)**	डूंगरपुर के **बेणेश्वर धाम (नवाटापरा गाँव)** में माही, सोम और जाखम का पवित्र त्रिवेणी संगम होता है, जहाँ माघ पूर्णिमा को 'आदिवासियों का कुंभ' लगता है
5	चंबल नदी एवं इसके 4 बांध	उद्गम: जानापाव (म.प्र.); राजस्थान में प्रवेश: **चौरासीगढ़ (भैंसरोड़गढ़, चित्तौड़गढ़)**	प्रवाह: चित्तौड़गढ़, कोटा, बूँदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर	भैंसरोड़गढ़ में चंबल व बामनी के संगम पर **'चूलिया जलप्रपात' (18 मी. — राज्य का सबसे ऊँचा जलप्रपात)**; सहायक: बनास, कालीसिंध, पार्वती, मेज, कुराल	**राणा प्रताप सागर बांध (रावतभाटा, चित्तौड़गढ़)** भराव क्षमता में राज्य का सबसे बड़ा बांध है; सवाई माधोपुर के **रामेश्वरम घाट (खंडार)** में चंबल, बनास और सीप का त्रिवेणी संगम होता है
6	बनास नदी एवं बीसलपुर बांध	उद्गम: **खमनोर की पहाड़ियाँ (कुंभलगढ़ के पास, राजसमंद)**	प्रवाह: राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, शाहपुरा, अजमेर/ केकड़ी, टोंक, सवाई माधोपुर	सहायक नदियाँ: बेड़च, मेनाल, कोठारी, खारी, डाई, मासी, मोरेल; **टोडारायसिंह (टोंक/ केकड़ी) में बीसलपुर बांध** (राज्य की सबसे बड़ी पेयजल परियोजना)	बनास पर 3 त्रिवेणी संगम: 1. **बीगोद (भीलवाड़ा):** बनास + बेड़च + मेनाल; 2. **राजमहल (टोंक):** बनास + खारी + डाई; 3. **रामेश्वरम (सवाई माधोपुर):** बनास + चंबल + सीप

क्र.सं.	पर्वत चोटी / नदी / झील / नहर	जिला / भौगोलिक अंचल (rajasthan.gov.in)	ऊँचाई / लंबाई / मुख्य स्रोत	प्रमुख बांध / सहायक नदियाँ / लिफ्ट नहरें	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
7	इंदिरा गांधी नहर परियोजना (पूर्व नाम: राजस्थान नहर)	उद्गम: **हरिके बैराज** (सतलज व व्यास संगम, फिरोजपुर, पंजाब); जनक: **कँवर सेन** (1948 में 'बीकानेर राज्य को पानी की आवश्यकता' पत्र लिखा)	राजस्थान में प्रवेश: **मसीतावली हेड (हनुमानगढ़)**; मुख्य नहर अंतिम बिंदु: मोहनगढ़ (जैसलमेर); उप-शाखा अंतिम बिंदु: **गडरा रोड (बाड़मेर)**	कुल लंबाई **649 किमी** (राजस्थान फीडर: 204 किमी + मुख्य नहर: 445 किमी); 7 **संचालित लिफ्ट नहरें** और 9 शाखाएँ (एकमात्र दाईं ओर की शाखा: रावतसर)	प्रमुख लिफ्ट नहरों के नए नाम: चौधरी कुंभाराम (नोहर-साहवा), कँवर सेन (बीकानेर-लूणकरणसर — सबसे लंबी), पन्नालाल बारूपाल (गजनेर), वीर तेजाजी (बांगड़सर — सबसे छोटी), डॉ. करणी सिंह (कोलायत), गुरु जम्भेश्वर (फलौदी), जयनारायण व्यास (पोकरण)
8	सांभर, पचपदरा एवं डीडवाना (खारे पानी की झीलें)	सांभर: **जयपुर (फुलेरा), नागौर व अजमेर**; पचपदरा: **बालोतरा (बाड़मेर)**; डीडवाना: **डीडवाना-कुचामन**	टेथिस सागर के अवशेष एवं वातगर्त (पलाया) झीलें	सांभर में गिरने वाली 4 नदियाँ: **मेंथा (उत्तर से — सर्वाधिक लवण लाती है), रूपनगढ़ (दक्षिण से), खारी और खंडेला**	**सांभर भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील** है (देश का 8.7% नमक उत्पादन; 1990 से रामसर स्थल); **पचपदरा** में खारवाल जाति मोरली झाड़ी से **सर्वश्रेष्ठ खाने योग्य नमक (98% NaCl)** बनाती है; डीडवाना का नमक खाने योग्य नहीं (सोडियम सल्फेट युक्त) है
9	जयसमंद, राजसमंद एवं पिछोला (मीठे पानी की झीलें)	जयसमंद व पिछोला: **उदयपुर / सलूम्बर**; राजसमंद: **राजसमंद (कांकरोली)**	जयसमंद: महाराणा जयसिंह द्वारा 1685-91 में गोमती नदी पर; राजसमंद: महाराणा राजसिंह द्वारा 1662 में गोमती नदी पर	जयसमंद ('ढेबर झील') में 7 टापू हैं (सबसे बड़ा: **बाबा का भांगड़ा**, सबसे छोटा: **प्यारी**); पिछोला में जगमंदिर व जगनिवास महल	**जयसमंद राजस्थान की सबसे बड़ी मीठे पानी की कृत्रिम झील** है; **राजसमंद झील** की उत्तरी पाल को **'नौ चौकी पाल'** कहते हैं, जहाँ 25 काले संगमरमर के शिलालेखों पर रणछोड़ भट्ट द्वारा संस्कृत में विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति **'राजप्रशस्ति'** उत्कीर्ण है
10	नक्की, पुष्कर, आनासागर एवं कोलायत झील	नक्की: **माउंट आबू (सिरोही)**; पुष्कर व आनासागर: **अजमेर**; कोलायत: **बीकानेर**	नक्की: राजस्थान की **सबसे ऊँची झील** (1,200 मी., सर्दियों में जम जाती है); पुष्कर: ज्वालामुखी / काल्डेरा झील (52 घाट)	आनासागर का निर्माण 1137 ई. में अर्णोराज (आनाजी) ने चंद्रा/बांडी नदी को रोककर कराया (जहाँगीर ने दौलतबाग / सुभाष उद्यान व शाहजहाँ ने बारहदरी बनवाई)	नक्की झील के पास **टॉड रॉक और नन रॉक** हैं तथा गरासिया जनजाति इसमें अस्थि विसर्जन करती है; कोलायत झील के तट पर कपिल मुनि का आश्रम है (चारण जाति यहाँ नहीं जाती)

10.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **लाठी सीरीज एवं चाँदन नलकूप ('थार का घड़ा'):** जैसलमेर में पोकरण से मोहनगढ़ तक पाकिस्तान सीमा के सहारे 60 किमी लंबी भूगर्भिक मीठे जल की पट्टी को **'लाठी सीरीज'** कहते हैं, जहाँ अत्यंत पौष्टिक **सेवण घास (लसीउरस सिडिकस)** और राज्य पक्षी गोडावण पाए जाते हैं; इसी क्षेत्र का **चाँदन नलकूप 'थार का घड़ा'** कहलाता है (rajasthan.gov.in)।

2. **नर्मदा नहर परियोजना और फव्वारा (स्प्रिंकलर) सिंचाई:** सरदार सरोवर बांध (गुजरात) से निकाली गई नर्मदा नहर 2008 में जालोर (सीलू गाँव) से राजस्थान में प्रवेश करती है। जालोर (सांचौर) और बाड़मेर को लाभान्वित करने वाली यह **भारत की पहली ऐसी बड़ी परियोजना है जिसमें 100 प्रतिशत सिंचाई केवल फव्वारा (स्प्रिंकलर) पद्धति से करना अनिवार्य** है।

3. **गंग नहर — राजस्थान की प्रथम पक्की नहर:** बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह द्वारा 1927 में सतलज नदी (हुसैनीवाला, पंजाब) से श्रीगंगानगर के लिए निकाली गई **गंग नहर** राजस्थान की पहली आधुनिक सिंचाई नहर थी, जिसके कारण महाराजा गंगा सिंह को 'राजस्थान का भगीरथ' कहा जाता है।

4. **अरावली के स्थानीय नाम और पठार:** सिरोही में अरावली की तीव्र ढाल वाली कटी-फटी पहाड़ियों को **'भाकर'**, उदयपुर के चारों ओर तश्तरीनुमा पहाड़ियों को **'गिरवा'**, जरगा और रागा पहाड़ियों के बीच सदैव हरे-भरे क्षेत्र को **'देशहरो'** तथा बाड़मेर (सिवाना) की गोलाकार पहाड़ियों को **'छप्पन की पहाड़ियाँ' (और नाकोड़ा पर्वत)** कहा जाता है।

5. **पाँचना बांध (करौली):** करौली जिले के गुड़ला गाँव के पास पाँच नदियों — **भद्रावती, अटा, माची, बरखेड़ा और भैंसावट** — के संगम पर अमेरिका के आर्थिक सहयोग से निर्मित **'पाँचना बांध'** राजस्थान का सबसे बड़ा मिट्टी से बना बांध है।

10.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

• **जाल 1 ('छप्पन का मैदान' बनाम 'छप्पन की पहाड़ियाँ'):** राजस्थान की परीक्षाओं का सबसे प्रसिद्ध जाल! **'छप्पन का मैदान'** माही नदी बेसिन में **बाँसवाड़ा और प्रतापगढ़** के बीच 56 नदी-नालों/गाँवों का समूह है, जबकि **'छप्पन की पहाड़ियाँ' बाड़मेर (बालोतरा/सिवाना क्षेत्र)** में स्थित गोलाकार ग्रेनाइट पहाड़ियाँ हैं (rajasthan.gov.in)।

• **जाल 2 (राजस्थान की सबसे लंबी नदी बनाम पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी):** यदि सामान्य प्रश्न हो कि 'राजस्थान की सबसे लंबी नदी कौन-सी है', तो उत्तर **चंबल नदी** होगा; परंतु यदि प्रश्न में **'पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी'** पूछा जाए, तो उत्तर **बनास नदी** होगा।

• **जाल 3 (राज्य का सबसे ऊँचा बांध, सबसे लंबा बांध और भराव क्षमता में सबसे बड़ा बांध):**

• सबसे ऊँचा बांध = **जाखम बांध (81 मीटर, प्रतापगढ़)**।

• सबसे लंबा बांध = **माही बजाज सागर बांध (3,109 मीटर, बोरखेड़ा, बाँसवाड़ा)**।

• भराव क्षमता में सबसे बड़ा बांध = **राणा प्रताप सागर बांध (रावतभाटा, चित्तौड़गढ़)**।

• पेयजल की सबसे बड़ी परियोजना = **बीसलपुर बांध (बनास नदी, टोंक/केकड़ी)**।

• **जाल 4 (पचपदरा बनाम डीडवाना का नमक):** पचपदरा (बालोतरा/बाड़मेर) का नमक 98% सोडियम क्लोराइड युक्त होने के कारण **सर्वश्रेष्ठ खाने योग्य** है, जबकि डीडवाना झील के नमक में सोडियम क्लोराइड के स्थान पर **सोडियम सल्फेट** अधिक होने के कारण यह **खाने योग्य नहीं** है (कागजी व चमड़ा उद्योग में प्रयुक्त होता है)।

• **जाल 5 (जोजड़ी नदी की अपवाद विशेषता):** लूनी की अन्य सभी सहायक नदियाँ (बांडी, सुकड़ी, जवाई, खारी, सागी) अरावली से निकलकर उसके बाएँ तट पर मिलती हैं; केवल **जोजड़ी नदी** नागौर (पोंडलू गाँव) की पहाड़ियों से निकलकर लूनी के **दाएँ तट** पर मिलती है।

10.6 IUC स्मृति ट्रिक

• **ट्रिक 1 (अरावली की सर्वोच्च चोटियों का अवरोही क्रम — ऊँचाई के अनुसार): "गुरु से दिल से जरा आस कुंभा रघुनाथ ऋषि का"**

• 1. **गुरु:** गुरु शिखर (1,722 मी., सिरोही) → 2. **से:** सेर (1,597 मी., सिरोही) → 3. **दिल:** दिलवाड़ा (1,442 मी., सिरोही) → 4. **जरा:** जरगा (1,431 मी., उदयपुर) → 5. **आस:** अचलगढ़ (1,380 मी., सिरोही) → 6. **कुंभा:** कुंभलगढ़ (1,224 मी., राजसमंद) → 7. **रघुनाथ:** रघुनाथगढ़ (1,055 मी., सीकर) → 8. **ऋषि:** ऋषिकेश (1,017 मी., सिरोही)।

• **ट्रिक 2 (राजस्थान की खारे पानी की झीलें): "साड़ी का पल्लू कुत्ता फाड़े रे बाप"**

• **सा:** सांभर (जयपुर) | **ड़ी:** डीडवाना | **का:** कावोद (जैसलमेर) | **प:** पचपदरा (बालोतरा/बाड़मेर) | **लू:** लूणकरणसर (बीकानेर) | **कु:** कुचामन | **ता:** तालछापर (चूरू) | **फा:** फलोदी | **ड़े:** डेगाना (नागौर) | **रे:** रेवासा (सीकर) | **बाप:** बाप (फलौदी/जोधपुर)।

मॉड्यूल 11: राजस्थान विशेष — राजपूत स्थापत्य (यूनेस्को पहाड़ी दुर्ग), लोक देवता-देवियाँ, चित्रकला शैलियाँ, हस्तशिल्प एवं खनिज एकाधिकार

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 11: राजस्थान विशेष — राजपूत स्थापत्य (यूनेस्को पहाड़ी दुर्ग), लोक देवता-देवियाँ, चित्रकला शैलियाँ, हस्तशिल्प एवं खनिज एकाधिकार

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक-खनिज वैभव	क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)	परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

11.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक-खनिज वैभव

राजस्थान (rajasthan.gov.in) अपने अभेद्य दुर्गों, शौर्य गाथाओं, पंच पीरों (लोक देवता), संत संप्रदायों, 4 प्रमुख चित्रकला स्कूलों (मेवाड़, मारवाड़, ढूँढाड़, हाड़ौती) और विश्वप्रसिद्ध हस्तशिल्प के लिए जाना जाता है। वर्ष **2013 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में राजस्थान के 6 पहाड़ी दुर्गों** — चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, गागरोन, आमेर (जयपुर) और सोनारगढ़ (जैसलमेर) — को सम्मिलित किया गया (जबकि 2010 में जंतर-मंतर, जयपुर और 2019 में जयपुर परकोटा शहर को विश्व धरोहर घोषित किया गया)। खनिजों की विविधता के कारण राजस्थान को **'खनिजों का अजायबघर'** कहा जाता है; देश में **सीसा-जस्ता (जावर, रामपुरा-आगूचा), चाँदी, वोलेस्टोनाइट, जास्पर, गार्नेट (तामड़ा), जिप्सम, संगमरमर और रॉक फॉस्फेट (झामरकोटड़ा)** के उत्पादन में राजस्थान का एकाधिकार या प्रथम स्थान है (www.iucacademy.com)।

11.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था एवं खनिज साम्राज्य

• **नोड 1 (यूनेस्को के 6 पहाड़ी दुर्ग एवं राजपूत स्थापत्य):** चित्तौड़गढ़ (चित्रांगद मौर्य निर्मित, गंभीरी-बेड़च संगम, विजय स्तंभ), कुंभलगढ़ (महाराणा कुंभा व शिल्पी मंडन, 36 किमी लंबी दीवार व कटारगढ़), रणथंभौर (हम्मीर देव चौहान), गागरोन (झालावाड़ — आहू व कालीसिंध संगम पर सर्वश्रेष्ठ जल दुर्ग), आमेर (मानसिंह प्रथम, शीशमहल) और जैसलमेर का सोनारगढ़ (भाटी शासक राव जैसल, बिना चूने के पीले पत्थरों से निर्मित धान्वन दुर्ग) (rajasthan.gov.in)।

• **नोड 2 (मारवाड़ के पंच पीर एवं लोक देवियाँ):** पंच पीर — **पाबूजी, हड़बूजी, रामदेवजी, गोगाजी और मेहाजी मांगलिया** (तेजाजी अत्यंत लोकप्रिय लोक देवता हैं किंतु पंच पीरों में नहीं गिने जाते); प्रमुख लोक देवियाँ — **करणी माता** (देशनोक, बीकानेर — सफेद चूहों/काबा वाली देवी), **जीण माता** (रेवासा, सीकर), **कैला देवी** (करौली — लांगुरिया गीत) और **तनोट माता** (जैसलमेर — 'थार की वैष्णो देवी' व बीएसएफ की देवी)।

• **नोड 3 (राजस्थान की 4 चित्रकला शैलियाँ एवं हस्तशिल्प):** 1. **मेवाड़ स्कूल** (चावंड, उदयपुर, नाथद्वारा — पिछवाई कला, देवगढ़), 2. **मारवाड़ स्कूल** (जोधपुर, बीकानेर — उस्ता व मथेरणा कला, किशनगढ़ — **'बणी-ठणी'**, निहालचंद), 3. **ढूँढाड़ स्कूल** (आमेर, जयपुर, अलवर, उनियारा, शेखावाटी भित्ति चित्र) और 4. **हाड़ौती स्कूल** (बूँदी — पशु-पक्षियों की चित्रशैली, कोटा — शिकार दृश्य); प्रमुख शिल्प: थेवा कला (प्रतापगढ़), ब्लू पॉटरी (जयपुर), अजरक व मलीर प्रिंट (बाड़मेर)।

• **नोड 4 ('खनिजों का अजायबघर' एवं ऊर्जा संसाधन):** खेतड़ी-सिंघाना (ताँबा), जावर व रामपुरा-आगूचा (सीसा-जस्ता व चाँदी), डेगाना (टंगस्टन), झामरकोटड़ा (रॉक फॉस्फेट), मंगला-भाग्यम-ऐश्वर्या (बाड़मेर-सांचौर खनिज तेल बेसिन) और पचपदरा रिफाइनरी (एचपीसीएल व राजस्थान सरकार — 74:26 अनुपात) (www.iucacademy.com)।

11.3 जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: राजस्थान के दुर्ग, लोक देवता, चित्रकला, हस्तशिल्प, लोकनृत्य एवं खनिज (rajasthan.gov.in)

क्र.सं.	दुर्ग / लोक देवता / कला / खनिज	संबंधित जिला / स्थान (rajasthan.gov.in)	संस्थापक / प्रवर्तक / मुख्य कलाकार	प्रमुख विशेषता एवं सांस्कृतिक संदर्भ	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
1	चित्तौड़गढ़ दुर्ग एवं कुंभलगढ़ दुर्ग	चित्तौड़गढ़: **चित्तौड़गढ़ (मेसा का पठार)**; कुंभलगढ़: **राजसमंद (सादड़ी के पास)**	चित्तौड़: चित्रांगद मौर्य (आधुनिक निर्माता: महाराणा कुंभा); कुंभलगढ़: **महाराणा कुंभा** (शिल्पी: **मंडन**)	चित्तौड़गढ़ में 3 साके (1303 रतनसिंह-पद्मिनी, 1534-35 कर्मावती, 1567-68 जयमल-फत्ता) व 9 मंजिला **विजय स्तंभ (1440-48)**; कुंभलगढ़ की दीवार **36 किमी लंबी** है	चित्तौड़गढ़ राज्य का सबसे बड़ा लिविंग फोर्ट है ('गढ़ तो चित्तौड़गढ़ बाकी सब गढ़ैया'); कुंभलगढ़ के उच्चतम भाग **'कटारगढ़' ('मेवाड़ की आँख')** में महाराणा प्रताप का जन्म (9 मई 1540) हुआ और अबुल फजल ने इसके लिए कहा कि 'नीचे से ऊपर देखने पर सिर की पगड़ी गिर जाती है'
2	गागरोन, रणथंभौर एवं सोनारगढ़ दुर्ग	गागरोन: **झालावाड़**; रणथंभौर: **सवाई माधोपुर**; सोनारगढ़: **जैसलमेर (त्रिकूट पहाड़ी)**	गागरोन: डोड/परमार राजपूत (बीजलदेव); रणथंभौर: रणथंभन देव; सोनारगढ़: **राव जैसल भाटी (1155 ई.)**	गागरोन **आहू और कालीसिंध नदियों के संगम** पर बिना नींव के खड़ा सर्वश्रेष्ठ **जल दुर्ग (औदक दुर्ग)** है; सोनारगढ़ में 99 बुर्ज और ढाई साके प्रसिद्ध हैं	रणथंभौर में 1301 ई. में हम्मीर देव चौहान व रंगदेवी के नेतृत्व में राजस्थान का **प्रथम साका (जल जौहर)** हुआ; अबुल फजल ने रणथंभौर को **'बख्तरबंद दुर्ग'** कहा; गागरोन में संत पीपा की छतरी व मीठे शाह की दरगाह है
3	मेहरानगढ़ (जोधपुर) एवं जूनागढ़ (बीकानेर)	मेहरानगढ़: **जोधपुर (चिड़ियाटूक पहाड़ी)**; जूनागढ़: **बीकानेर**	मेहरानगढ़: **राव जोधा (1459 ई.)**; जूनागढ़: **महाराजा रायसिंह (1589-94 ई.)**	मेहरानगढ़ को 'मयूरध्वजगढ़' व 'गढ़ चिंतामणि' कहते हैं (चामुंडा माता मंदिर व किलकिला, शंभुबाण, गजनी खाँ तोपें); जूनागढ़ को **'जमीन का जेवर'** कहते हैं	रुडयार्ड किपलिंग ने मेहरानगढ़ का निर्माण 'परियों व फरिश्तों द्वारा' बताया; बीकानेर के जूनागढ़ में राजस्थान में पहली बार लिफ्ट लगाई गई थी और इसके सूरजपोल पर जयमल-फत्ता की गजारूढ़ मूर्तियाँ हैं
4	रामदेवजी, पाबूजी एवं गोगाजी (पंच पीर)	रामदेवजी: **रुणिचा / रामदेवरा (जैसलमेर)**; पाबूजी: **कोलू मंड (फलौदी)**; गोगाजी: **ददरेवा (चूरू — शीर्ष मेड़ी) व गोगामेड़ी (हनुमानगढ़ — धुर मेड़ी)**	रामदेवजी: तँवर वंशीय, गुरु बालीनाथ; पाबूजी: राठौड़ वंशीय; गोगाजी: चौहान वंशीय, गुरु गोरखनाथ	रामदेवजी ने **'कामड़िया पंथ'** चलाया, कामड़िया महिलाएं उनके मेले में **'तेरहताली नृत्य'** करती हैं; पाबूजी **'ऊँटों के देवता'** व प्लेग रक्षक हैं; गोगाजी **'साँपों के देवता' (जाहरपीर)** हैं	रामदेवजी एकमात्र लोक देवता हैं जो **कवि** भी थे (रचना: **'चौबीस बाणियाँ'**); पाबूजी की पड़ राजस्थान की **सबसे लोकप्रिय पड़** है (वाचन: नायक/भोपा जाति द्वारा **रावणहत्था** वाद्ययंत्र के साथ), जबकि देवनारायण जी की पड़ **सबसे लंबी व सबसे छोटी (डाक टिकट जारी) पड़** है (वाचन: **जंतर** वाद्ययंत्र से)

क्र.सं.	दुर्ग / लोक देवता / कला / खनिज	संबंधित जिला / स्थान (rajasthan.gov.in)	संस्थापक / प्रवर्तक / मुख्य कलाकार	प्रमुख विशेषता एवं सांस्कृतिक संदर्भ	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
5	तेजाजी, देवनारायण जी एवं मल्लीनाथ जी	तेजाजी: **खड़नाल (नागौर — जन्म)**, सुरसुरा (अजमेर — निर्वाण), **परबतसर (डीडवाना — पशु मेला)**; देवनारायण जी: **आसींद (भीलवाड़ा)**; मल्लीनाथ जी: **तिलवाड़ा (बालोतरा, लूनी नदी तट)**	तेजाजी: नागवंशीय जाट (धौलिया गोत्र); देवनारायण जी: बगड़ावत गुर्जर (विष्णु के अवतार)	तेजाजी ने लाछा गुजरी की गायों की रक्षा की (काला व बाला के देवता, घोड़ी: **लीलण/सिंगारी**); तिलवाड़ा (बालोतरा) का मल्लीनाथ पशु मेला राजस्थान का **सबसे प्राचीन पशु मेला** है	राजस्थान में सर्वाधिक पशु मेले नागौर/डीडवाना क्षेत्र (परबतसर तेजाजी, मेड़ता बलदेव, नागौर रामदेव पशु मेला) में लगते हैं
6	किशनगढ़, नाथद्वारा एवं बूँदी चित्रशैली	किशनगढ़: **अजमेर**; नाथद्वारा: **राजसमंद**; बूँदी: **बूँदी (हाड़ौती)**	किशनगढ़: राजा **सावंत सिंह (नागरीदास)** व चित्रकार **मोरध्वज निहालचंद**; नाथद्वारा: श्रीनाथजी मंदिर परंपरा	किशनगढ़ की **'बणी-ठणी'** को एरिक डिकिंसन ने **'भारत की मोनालिसा'** कहा; नाथद्वारा शैली **'पिछवाई पेंटिंग'** (श्रीनाथजी की मूर्ति के पीछे लगने वाले कपड़े के पर्दे) व महिला चित्रकार कमला-इलायची के लिए प्रसिद्ध	**बूँदी शैली** को **'पशु-पक्षियों की चित्रशैली'** और **कोटा शैली** को **'शिकार (आखेट) की चित्रशैली'** (जिसमें रानियों को भी शिकार करते दिखाया गया है) कहा जाता है; शेखावाटी हवेलियों के भित्ति चित्रों (फ्रेस्को/अराइश) के कारण ओपन आर्ट गैलरी कहलाता है
7	थेवा कला, ब्लू पॉटरी, उस्ता कला एवं रंगाई-छपाई	थेवा कला: **प्रतापगढ़**; ब्लू पॉटरी: **जयपुर**; उस्ता कला: **बीकानेर**; अजरक व मलीर प्रिंट: **बाड़मेर**; दाबू प्रिंट: **आकोला (चित्तौड़गढ़)**; बगरू व सांगानेरी प्रिंट: **जयपुर**	थेवा कला: **नाथूजी सोनी (राजसोनी परिवार)**; ब्लू पॉटरी: मानसिंह प्रथम लाहौर से लाए, स्वर्णकाल रामसिंह द्वितीय, जादूगर: **पद्मश्री कृपाल सिंह शेखावत**; उस्ता कला: **हिसामुद्दीन उस्ता**	**थेवा कला:** हरे/नीले बेल्जियम काँच पर सोने की सूक्ष्म नक्काशी; **ब्लू पॉटरी:** चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीले-हरे रंग की चित्रकारी; **उस्ता कला:** ऊँट की खाल पर सोने की नक्काशी; **मथेरणा कला:** बीकानेर की जैन चित्रकला	**अजरक प्रिंट (बाड़मेर)** में लाल व नीले रंग से दोनों तरफ छपाई होती है, जबकि मलीर प्रिंट में कत्थई व काले रंग का प्रयोग होता है; **मोलेला (राजसमंद)** टेराकोटा के लिए और **बस्सी (चित्तौड़गढ़)** काष्ठ व लकड़ी के खिलौनों के लिए प्रसिद्ध है
8	राजस्थान के शास्त्रीय, लोक एवं जनजातीय नृत्य	राज्य नृत्य: **घूमर**; शास्त्रीय: **कथक (जयपुर घराना — भानुजी महाराज)**; शेखावाटी: **गीदड़, चंग, डफ, कच्ची घोड़ी**; मारवाड़: **घुड़ला**; जालोर: **ढोल नृत्य**; भरतपुर-अलवर: **बम नृत्य**; बीकानेर (कतरियासर): **अग्नि नृत्य**	**कालबेलिया नृत्य:** गुलाबो सपेरा (2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल); **भवाई नृत्य:** रूपसिंह शेखावत व अस्मिता काला	**गरासिया नृत्य: वालर (बिना वाद्ययंत्र के किया जाने वाला नृत्य — गरासियों की घूमर)**, मांदल, लूर, कूद, जवारा, मोरिया; **भील नृत्य:** गवरी (राई), गैर, नेजा, द्विचकी, युद्ध व हाथीमना; **सहरिया:** शिकारी नृत्य; **कथौड़ी:** मावलिया व होली नृत्य; **मेवाड़/कंजर:** चरी (गुर्जर — किशनगढ़, फलकू बाई) व चकरी नृत्य	**गवरी नृत्य (भील)** राजस्थान का सबसे प्राचीन लोकनाट्य ('लोकनाट्यों का मेरुनाट्य') है जो भाद्रपद में 40 दिन तक दिन में शिव-भस्मासुर की कथा पर खेला जाता है; जसनाथी सिद्धों द्वारा कतरियासर (बीकानेर) में धधकते अंगारों पर **'फतेह-फतेह'** बोलते हुए अग्नि नृत्य किया जाता है
9	सीसा-जस्ता, चाँदी, ताँबा एवं टंगस्टन खनिज	सीसा-जस्ता व चाँदी: **जावर (उदयपुर), राजपुरा-दरीबा (राजसमंद), रामपुरा-आगूचा (भीलवाड़ा), चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर)**; ताँबा: **खेतड़ी-सिंघाना (झुंझुनू), खो-दरीबा (अलवर)**; टंगस्टन: **डेगाना (भाकरी पहाड़ी, नागौर)** व वाल्दा (सिरोही)	सीसा-जस्ता, चाँदी एवं वोलेस्टोनाइट में राजस्थान का देश में **100% एकाधिकार**	हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (1966) का मुख्यालय **देबारी (उदयपुर)** में है और चंदेरिया (चित्तौड़गढ़) में एशिया का सबसे बड़ा जिंक स्मेल्टर संयंत्र है; खेतड़ी में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (1967) स्थित है	सीसा और जस्ता को **'जुड़वाँ खनिज'** कहा जाता है और इन्हीं के साथ सह-उत्पाद के रूप में चाँदी निकलती है (महाराणा लाखा के काल में जावर में चाँदी की खान निकली थी)
10	रॉक फॉस्फेट, जिप्सम, संगमरमर, लिग्नाइट व पेट्रोलियम	रॉक फॉस्फेट: **झामरकोटड़ा (उदयपुर)**; जिप्सम: **जामसर (बीकानेर), नागौर (गोठ-मांगलोद)**; सफेद संगमरमर: **मकराना (डीडवाना/नागौर)**; लिग्नाइट कोयला: **कपूरड़ी, जालीपा, गिरल (बाड़मेर) व पलाना, बरसिंगसर (बीकानेर)**; पेट्रोलियम: **बाड़मेर-सांचौर बेसिन**	खनिज तेल कुएँ: **मंगला (प्रथम — 2009), भाग्यम, ऐश्वर्या, सरस्वती, राजेश्वरी, विजया, कामेश्वरी**	बाड़मेर (बालोतरा) के **पचपदरा** में एचपीसीएल (74%) और राजस्थान सरकार (26%) की साझेदारी से बीएस-6 मानक वाली देश की पहली रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स स्थापित की गई है	**वोलेस्टोनाइट और जास्पर** केवल राजस्थान (सिरोही-पाली-जोधपुर) में निकलते हैं; यूरेनियम के लिए **रोहिल (सीकर)** व उमरा (उदयपुर) तथा सोने के लिए **आनंदपुरा भुकिया व जगपुरा (बाँसवाड़ा)** प्रसिद्ध हैं

11.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **संत संप्रदाय और उनकी प्रमुख पीठें:** पर्यावरण रक्षक **विश्नोई संप्रदाय** के प्रवर्तक **संत जाम्भोजी** (जन्म: पीपासर, नागौर; समाधि व मुख्य पीठ: **मुकाम तालवा, नोखा, बीकानेर** — 29 नियम) थे; **जसनाथी संप्रदाय** के प्रवर्तक संत जसनाथजी (मुख्य पीठ: **कतरियासर, बीकानेर** — 36 नियम); **दादू पंथ** ('राजस्थान के कबीर' — संत दादू दयाल; मुख्य पीठ: **नरेना/नारायणा, जयपुर**) तथा **रामस्नेही संप्रदाय** की प्रमुख पीठ **शाहपुरा (भीलवाड़ा — संत रामचरण जी, फूलडोल महोत्सव)** में स्थित है (rajasthan.gov.in)।

2. **राजस्थान के एकीकरण के 7 चरण (18 मार्च 1948 से 1 नवंबर 1956):** 19 रियासतों, 3 ठिकानों (नीमराणा, लावा, कुशलगढ़) और 1 केंद्रशासित प्रदेश (अजमेर-मेरवाड़ा) का एकीकरण 7 चरणों में 8 वर्ष 7 माह 14 दिन में पूर्ण हुआ—प्रथम चरण: **मत्स्य संघ (18 मार्च 1948 — अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली; नामकरण: के.एम. मुंशी; राजप्रमुख: उदयभान सिंह; प्रधानमंत्री: शोभाराम कुमावत)**; चतुर्थ चरण: **वृहत् राजस्थान (30 मार्च 1949 — जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर का विलय; प्रधानमंत्री: हीरालाल शास्त्री)**; और सप्तम चरण: **1 नवंबर 1956** (आबू-देलवाड़ा, अजमेर-मेरवाड़ा व सुनेल टप्पा का विलय; प्रथम राज्यपाल: **गुरुमुख निहाल सिंह**)।

3. **बिजौलिया किसान आंदोलन (1897–1941):** भीलवाड़ा के ऊपरमाल क्षेत्र (बिजौलिया जागीर) में 84 प्रकार के लगान व 'चंवरी कर' (1903 — 5 रुपये) तथा 'तलवार बंधाई कर' (1906) के विरुद्ध धाकड़ जाति के किसानों द्वारा चलाया गया **44 वर्षों का यह आंदोलन विश्व का सबसे लंबा अहिंसक किसान आंदोलन** था—इसके 3 चरणों का नेतृत्व क्रमशः **साधु सीताराम दास (1897-1915), विजय सिंह पथिक (भूप सिंह गुर्जर — 1916-1923, 1917 में 'ऊपरमाल पंच बोर्ड' का गठन) और माणिक्यलाल वर्मा, जमनालाल बजाज व हरिभाऊ उपाध्याय (1923-1941)** ने किया।

4. **मानगढ़ धाम हत्याकांड (17 नवंबर 1913 — 'राजस्थान का जलियाँवाला बाग'):** गोविंद गुरु (बंजारा परिवार में जन्म; 1883 में सिरोही में **'संप सभा'** की स्थापना और भगत आंदोलन के प्रणेता) के नेतृत्व में बाँसवाड़ा की मानगढ़ पहाड़ी पर एकत्रित भीलों पर मेवाड़ भील कोर ने गोलियाँ चलाईं, जिसमें 1,500 से अधिक आदिवासी शहीद हुए। (जबकि 14 मई 1925 के **नीमूचना हत्याकांड, अलवर** को महात्मा गांधी ने अपने पत्र यंग इंडिया में 'जलियाँवाला बाग से भी वीभत्स' और 'दोहरी डायरशाही' कहा था)।

5. **1857 की क्रांति में राजस्थान की 6 सैनिक छावनियाँ और आऊवा का युद्ध:** 1857 के समय राजस्थान में 6 ब्रिटिश छावनियाँ थीं—**नसीराबाद (अजमेर — 28 मई 1857 को राजस्थान में सर्वप्रथम क्रांति की शुरुआत, 15वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री)**, नीमच (3 जून 1857), एरिनपुरा (पाली — 21 अगस्त 1857, 'चलो दिल्ली मारो फिरंगी' का नारा), देवली (टोंक), ब्यावर (अजमेर) और खैरवाड़ा (उदयपुर — ब्यावर और खैरवाड़ा ने विद्रोह में भाग नहीं लिया)। आऊवा के ठाकुर **कुशाल सिंह चंपावत** ने **बिठौड़ा (8 सितंबर 1857)** और **चेलावास ('गोरे-कालों का युद्ध' — 18 सितंबर 1857, जिसमें जोधपुर का पॉलिटिकल एजेंट मैकमोसन मारा गया)** के युद्धों में अंग्रेजों व जोधपुर की संयुक्त सेना को पराजित किया।

11.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (पंच पीरों में कौन शामिल नहीं है?):** आरपीएससी व अधीनस्थ बोर्ड का सदाबहार प्रश्न! याद रखें—**तेजाजी और देवनारायण जी 'पंच पीरों' में शामिल नहीं हैं।** मारवाड़ के पंच पीर केवल 5 हैं: **पाबूजी, हड़बूजी, रामदेवजी, गोगाजी और मेहाजी मांगलिया** (rajasthan.gov.in)।
- **जाल 2 (बिना वाद्ययंत्र के किया जाने वाला नृत्य):** गरासिया जनजाति का **'वालर नृत्य'** (स्त्री-पुरुष दोनों द्वारा अर्धवृत्त में) तथा **'कूद नृत्य'** बिना किसी वाद्ययंत्र के किया जाता है।
- **जाल 3 (थेवा कला बनाम उस्ता कला बनाम ब्लू पॉटरी):** काँच पर सोने की नक्काशी = **थेवा कला (प्रतापगढ़, सोनी परिवार)**; ऊँट की खाल पर सोने की नक्काशी = **उस्ता कला (बीकानेर, उस्ता परिवार)**; चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीली चित्रकारी = **ब्लू पॉटरी (जयपुर, कृपाल सिंह शेखावत)**।
- **जाल 4 (खेतड़ी-सिंघाना बनाम जावर बनाम डेगाना): खेतड़ी-सिंघाना (झुंझुनू)** और खो-दरीबा (अलवर) **ताँबे** के लिए प्रसिद्ध हैं; **जावर (उदयपुर)**, राजपुरा-दरीबा (राजसमंद) और रामपुरा-आगूचा (भीलवाड़ा) **सीसा-जस्ता और चाँदी** के लिए प्रसिद्ध हैं; तथा **डेगाना (नागौर) टंगस्टन** के लिए प्रसिद्ध है।
- **जाल 5 (तारागढ़ दुर्ग अजमेर बनाम तारागढ़ दुर्ग बूँदी):** राजस्थान में 'तारागढ़' नाम के दो प्रसिद्ध दुर्ग हैं—**अजमेर का तारागढ़ दुर्ग** (अजयराज चौहान द्वारा निर्मित, पृथ्वीराज सिसोदिया ने पत्नी ताराबाई के नाम पर 'तारागढ़' नाम रखा; इसे **'गढ़बीठली'** और विश्वशप हेबर द्वारा **'राजस्थान का जिब्राल्टर'** कहा गया), तथा **बूँदी का तारागढ़ दुर्ग** (राव बरसिंह द्वारा 1354 ई. में निर्मित, तारे की आकृति के कारण तारागढ़; इसमें प्रसिद्ध 'गर्भ गुंजन' तोप व 84 खंभों की छतरी है)।

11.6 IUC स्मृति ट्रिक

- **ट्रिक 1 (यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल राजस्थान के 6 पहाड़ी दुर्ग — 2013): "चीकू गाजर आम"**
- **ची:** चित्तौड़गढ़ | **कू:** कुंभलगढ़ (राजसमंद) | **गा:** गागरोन (झालावाड़) | **ज:** जैसलमेर (सोनारगढ़) | **र:** रणथंभौर (सवाई माधोपुर) | **आम:** आमेर (जयपुर)।
- **ट्रिक 2 (मारवाड़ के पंच पीर): "गोपा मेहरा हड़बू"**
- **गो:** गोगाजी | **पा:** पाबूजी | **मेह:** मेहाजी मांगलिया | **रा:** रामदेवजी | **हड़बू:** हड़बूजी (अर्थात तेजाजी पंच पीरों में शामिल नहीं हैं)।
- **ट्रिक 3 (1857 की क्रांति के समय 6 रियासतों के ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट): "कोटा में बटन, जोधपुर में मोशन, भरतपुर में मोर, जयपुर में ईडन, उदयपुर में शॉवर्स, सिरोही में हॉल"**

• कोटा: **मेजर बर्टन** (जिसकी हत्या कर सिर कोटा शहर में घुमाया गया) | जोधपुर (मारवाड़): **मैकमोसन** (चेलावास युद्ध में मारा गया) | भरतपुर: **मॉरिसन** | जयपुर: **कर्नल ईडन** | उदयपुर (मेवाड़): **मेजर शॉवर्स** | सिरोही: **जे.डी. हॉल** (एजीजी: **जॉर्ज पैट्रिक लॉरेंस**)।

मॉड्यूल 12: चारों राज्यों की तुलनात्मक जनगणना (censusindia.gov.in), साक्षरता, लिंगानुपात, नगरीकरण एवं प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएँ

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — मॉड्यूल 12: चारों राज्यों की तुलनात्मक जनगणना (censusindia.gov.in), साक्षरता, लिंगानुपात, नगरीकरण एवं प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएँ

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
वैचारिक पृष्ठभूमि एवं जनसांख्यिकीय विश्लेषण	**क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)**	**परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)**

12.1 वैचारिक पृष्ठभूमि एवं जनसांख्यिकीय विश्लेषण

भारत की जनगणना (**censusindia.gov.in**) के आधिकारिक आँकड़े चारों राज्यों की परीक्षाओं (प्रारंभिक एवं मुख्य दोनों) में 10 से 15 प्रतिशत प्रश्नों का आधार बनते हैं। 15वीं राष्ट्रीय जनगणना (स्वतंत्र भारत की 7वीं जनगणना — 2011) के अनुसार भारत की कुल 1.21 अरब जनसंख्या में से उत्तर प्रदेश (16.51%), बिहार (8.60%), मध्य प्रदेश (6.00%) और राजस्थान (5.66%) मिलकर देश की **लगभग 36.77 प्रतिशत जनसंख्या** का प्रतिनिधित्व करते हैं। जनघनत्व में **बिहार (1,106 व्यक्ति/वर्ग किमी) देश के सभी राज्यों में प्रथम** स्थान पर है, जबकि सबसे कम साक्षरता दर (61.80%) भी बिहार में दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 में संपादित **'बिहार जाति आधारित गणना 2022-23'** (**state.bihar.gov.in** — 2 अक्टूबर 2023 को जारी) के अनुसार बिहार की अद्यतन जनसंख्या 13,07,25,310 (13.07 करोड़) आँकी गई है (**www.iucacademy.com**)।

12.2 प्रमुख चरण एवं प्रक्रिया प्रवाह: चारों राज्यों की जनसांख्यिकीय तुलना एवं सामाजिक संकेतक (censusindia.gov.in)

• **नोड 1 (जनसंख्या आकार एवं दशकीय वृद्धि दर 2001-2011):** जनसंख्या क्रम — **उत्तर प्रदेश (19.98 करोड़ — प्रथम) > बिहार (10.41 करोड़ — तृतीय) > मध्य प्रदेश (7.26 करोड़ — पंचम) > राजस्थान (6.85 करोड़ — सप्तम/अष्टम)**; दशकीय वृद्धि दर क्रम — **बिहार (25.42%) > राजस्थान (21.31%) > मध्य प्रदेश (20.35%) > उत्तर प्रदेश (20.23%)** (**censusindia.gov.in**)।

• **नोड 2 (जनसंख्या घनत्व एवं नगरीकरण प्रतिशत):** जनघनत्व क्रम — **बिहार (1,106 — देश में प्रथम) > उत्तर प्रदेश (829) > मध्य प्रदेश (236) > राजस्थान (200)**; नगरीय जनसंख्या प्रतिशत क्रम — **मध्य प्रदेश (27.63%) > राजस्थान (24.87%) > उत्तर प्रदेश (22.27%) > बिहार (11.29% — देश में हिमाचल के बाद न्यूनतम)**।

• **नोड 3 (कुल लिंगानुपात एवं 0-6 वर्ष शिशु लिंगानुपात):** कुल लिंगानुपात क्रम — **मध्य प्रदेश (931) > राजस्थान (928) > बिहार (918) > उत्तर प्रदेश (912)**; शिशु लिंगानुपात (0-6 वर्ष) क्रम — **बिहार (935) > मध्य प्रदेश (918) > उत्तर प्रदेश (902) > राजस्थान (888)**।

• **नोड 4 (साक्षरता दर एवं अनुसूचित जाति/जनजाति वितरण):** कुल साक्षरता क्रम — **मध्य प्रदेश (69.32%) > उत्तर प्रदेश (67.72%) > राजस्थान (66.11%) > बिहार (61.80%)**; अनुसूचित जाति (SC) सर्वाधिक जनसंख्या **उत्तर प्रदेश (4.13 करोड़ — देश में प्रथम)** में तथा अनुसूचित जनजाति (ST) सर्वाधिक जनसंख्या **मध्य प्रदेश (1.53 करोड़ — देश में प्रथम)** में निवास करती है (**www.iucacademy.com**)।

12.3 राज्यवार एवं जिलेवार विस्तृत तुलनात्मक सारणी: चारों राज्यों की जनगणना 2011 के शीर्ष एवं न्यूनतम जिले (censusindia.gov.in)

क्र.सं.	जनसांख्यिकीय सूचकांक (censusindia.gov.in)	उत्तर प्रदेश (up.gov.in)	बिहार (state.bihar.gov.in)	मध्य प्रदेश (mp.gov.in)	राजस्थान (rajasthan.gov.in)
1	कुल जनसंख्या (2011) एवं भारत में हिस्सा	**19,98,12,341** (16.51% — भारत में 1ला स्थान)	**10,40,99,452** (8.60% — भारत में 3रा स्थान; जाति गणना 2023: 13.07 करोड़)	**7,26,26,809** (6.00% — भारत में 5वाँ स्थान)	**6,85,48,437** (5.66% — तेलंगाना गठन से पूर्व 8वाँ, बाद में 7वाँ स्थान)

क्र.सं.	जनसांख्यिकीय सूचकांक (censusindia.gov.in)	उत्तर प्रदेश (up.gov.in)	बिहार (state.bihar.gov.in)	मध्य प्रदेश (mp.gov.in)	राजस्थान (rajasthan.gov.in)
2	सर्वाधिक एवं न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले	सर्वाधिक: **प्रयागराज** (59.54 लाख), मुरादाबाद, गाजियाबाद; न्यूनतम: **महोबा** (8.75 लाख), चित्रकूट, हमीरपुर	सर्वाधिक: **पटना** (58.38 लाख), पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर; न्यूनतम: **शेखपुरा** (6.36 लाख), शिवहर, अरवल	सर्वाधिक: **इंदौर** (32.76 लाख), जबलपुर, सागर; न्यूनतम (2011): **हरदा** (5.70 लाख; वर्तमान में निवाड़ी)	सर्वाधिक: **जयपुर** (66.26 लाख), जोधपुर, अलवर; न्यूनतम: **जैसलमेर** (6.69 लाख), प्रतापगढ़, सिरोही
3	दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001–2011)	**20.23%** (सर्वाधिक: **गौतम बुद्ध नगर — 49.1%**, गाजियाबाद; न्यूनतम: **कानपुर नगर — 9.9%**)	**25.42%** (सर्वाधिक: **मधेपुरा — 31.12%**, किशनगंज; न्यूनतम: **गोपालगंज — 19.02%**)	**20.35%** (सर्वाधिक: **इंदौर — 32.88%**, झाबुआ; न्यूनतम: **अनूपपुर — 12.3%**)	**21.31%** (सर्वाधिक: **बाड़मेर — 32.5%**, जैसलमेर; न्यूनतम: **श्रीगंगानगर — 10.0%**)
4	जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी)	**829** (सर्वाधिक: **गाजियाबाद — 3,971**, वाराणसी; न्यूनतम: **ललितपुर — 242**, सोनभद्र)	**1,106** (देश के राज्यों में 1ला; सर्वाधिक: **शिवहर — 1,880**, पटना; न्यूनतम: **कैमूर/भभुआ — 488**, जमुई)	**236** (सर्वाधिक: **भोपाल — 855**, इंदौर; न्यूनतम: **डिंडोरी — 94**, श्योपुर)	**200** (सर्वाधिक: **जयपुर — 595**, भरतपुर; न्यूनतम: **जैसलमेर — 17**, बीकानेर — 78, बाड़मेर — 92)
5	कुल लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुष पर महिलाएँ)	**912** (सर्वाधिक: **जौनपुर — 1,024**, आजमगढ़ — 1,019, देवरिया — 1,017; न्यूनतम: **गौतम बुद्ध नगर — 851**)	**918** (सर्वाधिक: **गोपालगंज — 1,021**, सीवान — 988; न्यूनतम: **मुंगेर — 876**, भागलपुर — 880)	**931** (सर्वाधिक: **बालाघाट — 1,021**, अलीराजपुर — 1,011, मंडला — 1,008; न्यूनतम: **भिंड — 837**, मुरैना)	**928** (सर्वाधिक: **डूंगरपुर — 994**, राजसमंद — 990, पाली — 987; न्यूनतम: **धौलपुर — 846**, जैसलमेर — 852)
6	शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष आयु वर्ग)	**902** (सर्वाधिक: **बलरामपुर — 950**, संत कबीर नगर; न्यूनतम: **बागपत — 841**, गौतम बुद्ध नगर)	**935** (सर्वाधिक: **किशनगंज — 971**, कटिहार; न्यूनतम: **वैशाली — 904**, पटना)	**918** (सर्वाधिक: **अलीराजपुर — 978**, डिंडोरी/मंडला; न्यूनतम: **मुरैना — 829**, ग्वालियर)	**888** (सर्वाधिक: **बाँसवाड़ा — 934**, प्रतापगढ़ — 933; न्यूनतम: **झुंझुनू — 837**, सीकर — 848)
7	कुल साक्षरता दर (पुरुष एवं महिला साक्षरता)	कुल: **67.72%** (पुरुष: 77.30%, महिला: 57.20%; स्त्री-पुरुष अंतर: 20.10%)	कुल: **61.80%** — देश में न्यूनतम (पुरुष: 71.20%, महिला: 51.50% — देश में दोनों न्यूनतम)	कुल: **69.32%** (पुरुष: 78.73%, महिला: 59.24%)	कुल: **66.11%** (पुरुष: 79.19%, महिला: 52.12% — देश में सर्वाधिक स्त्री-पुरुष साक्षरता अंतर: 27.07%)
8	सर्वाधिक एवं न्यूनतम कुल साक्षरता वाले जिले	सर्वाधिक: **गौतम बुद्ध नगर (80.12%)**, कानपुर नगर, औरैया; न्यूनतम: **श्रावस्ती (46.74%)**, बहराइच, बलरामपुर	सर्वाधिक: **रोहतास (73.37%)**, पटना, भोजपुर; न्यूनतम: **पूर्णिया (51.08%)**, सीतामढ़ी, कटिहार	सर्वाधिक: **जबलपुर (81.07%)**, इंदौर, भोपाल; न्यूनतम: **अलीराजपुर (36.10% — देश में सबसे कम साक्षर जिला)**, झाबुआ	सर्वाधिक: **कोटा (76.6%)**, जयपुर, झुंझुनू; न्यूनतम: **जालोर (54.9%)**, सिरोही, प्रतापगढ़
9	सर्वाधिक एवं न्यूनतम महिला साक्षरता वाले जिले	सर्वाधिक: **कानपुर नगर (75.05%)**, लखनऊ, गौतम बुद्ध नगर; न्यूनतम: **श्रावस्ती (34.78%)**	सर्वाधिक: **रोहतास (62.97%)**, मुंगेर; न्यूनतम: **सहरसा (41.68%)** (न्यूनतम पुरुष साक्षरता: पूर्णिया)	सर्वाधिक: **भोपाल (74.87%)**, जबलपुर; न्यूनतम: **अलीराजपुर (30.29%)**	सर्वाधिक: **कोटा (65.9%)**, जयपुर; न्यूनतम: **जालोर (38.5%)** (सर्वाधिक पुरुष साक्षरता: झुंझुनू — 86.9%)
10	नगरीय जनसंख्या प्रतिशत एवं प्रमुख जिले	**22.27%** (सर्वाधिक नगरीय प्रतिशत: **गाजियाबाद — 67.6%**, लखनऊ; न्यूनतम प्रतिशत: **श्रावस्ती — 3.46%**)	**11.29%** (सर्वाधिक नगरीय प्रतिशत: **पटना — 43.07%**, मुंगेर; न्यूनतम प्रतिशत: **समस्तीपुर — 3.47%**)	**27.63%** (सर्वाधिक नगरीय प्रतिशत: **भोपाल — 80.9%**, इंदौर; न्यूनतम प्रतिशत: **डिंडोरी — 4.6%**)	**24.87%** (सर्वाधिक नगरीय प्रतिशत: **कोटा — 60.3%**, जयपुर; न्यूनतम प्रतिशत: **डूंगरपुर — 6.4%**)

क्र.सं.	जनसांख्यिकीय सूचकांक (censusindia.gov.in)	उत्तर प्रदेश (up.gov.in)	बिहार (state.bihar.gov.in)	मध्य प्रदेश (mp.gov.in)	राजस्थान (rajasthan.gov.in)
11	अनुसूचित जाति (SC) जनसंख्या एवं प्रतिशत	जनसंख्या में देश में **1ला (4.13 करोड़ — 20.70%)**; सर्वाधिक SC जनसंख्या: **सीतापुर**; सर्वाधिक SC %: **कौशांबी (34.72%)**; न्यूनतम: **बागपत**	राज्य जनसंख्या का **15.9%** (जाति गणना 2023 में 19.65%); सर्वाधिक SC जनसंख्या व %: **गया (30.39%)**; न्यूनतम SC जनसंख्या व %: **किशनगंज (6.69%)**	राज्य जनसंख्या का **15.6%**; सर्वाधिक SC जनसंख्या: **इंदौर**; सर्वाधिक SC %: **उज्जैन (26.4%)**; न्यूनतम SC जनसंख्या व %: **झाबुआ (1.7%)**	राज्य जनसंख्या का **17.8%**; सर्वाधिक SC जनसंख्या: **जयपुर**; सर्वाधिक SC %: **श्रीगंगानगर (36.6%)**; न्यूनतम SC %: **डूंगरपुर (3.8%)**
12	अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या एवं प्रतिशत	राज्य जनसंख्या का मात्र **0.57%** (11.34 लाख); सर्वाधिक ST जनसंख्या व %: **सोनभद्र (20.67%)**; न्यूनतम: **बागपत** (जालौन व अयोध्या में 0)	राज्य जनसंख्या का **1.3%** (जाति गणना 2023 में 1.68%); सर्वाधिक ST जनसंख्या व %: **पश्चिमी चंपारण (6.35%)**; न्यूनतम: **शिवहर/खगड़िया**	जनसंख्या में देश में **1ला (1.53 करोड़ — 21.10%)**; सर्वाधिक ST जनसंख्या: **धार**; सर्वाधिक ST %: **अलीराजपुर (89.0%)**; न्यूनतम: **भिंड (0.4%)**	राज्य जनसंख्या का **13.5%**; सर्वाधिक ST जनसंख्या: **उदयपुर**; सर्वाधिक ST %: **बाँसवाड़ा (76.4%)**; न्यूनतम ST %: **नागौर व बीकानेर (0.3%)**

12.4 क्या आप जानते हैं? (विशेष तथ्य बॉक्स)

क्या आप जानते हैं? (www.iucacademy.com विशेष अनुसंधान तथ्य)

1. **बिहार जाति आधारित गणना 2022-23 के आधिकारिक आँकड़े:** 2 अक्टूबर 2023 को जारी बिहार जाति आधारित गणना (**state.bihar.gov.in**) के अनुसार कुल जनसंख्या **13,07,25,310** में **अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) 36.01% (सर्वाधिक)**, **पिछड़ा वर्ग (BC) 27.12%** (अर्थात कुल ओबीसी 63.13%), **अनुसूचित जाति (SC) 19.65%**, **सामान्य/अनारक्षित वर्ग 15.52%** और **अनुसूचित जनजाति (ST) 1.68%** है। धार्मिक वितरण में हिंदू 81.99% और मुस्लिम 17.70% हैं।
2. **बिहार के 'सात निश्चय पार्ट-1 (2015-2020)' एवं 'सात निश्चय पार्ट-2 (2020-2025)':** सात निश्चय-2 के अंतर्गत (1) युवा शक्ति-बिहार की प्रगति, (2) सशक्त महिला-सक्षम महिला, (3) हर खेत तक सिंचाई का पानी, (4) स्वच्छ गाँव-समृद्ध गाँव, (5) स्वच्छ शहर-विकसित शहर, (6) सुलभ संपर्कता, और (7) सबके लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा शामिल हैं।
3. **1000 से अधिक लिंगानुपात वाले जिले:** 2011 की जनगणना (**censusindia.gov.in**) में उत्तर प्रदेश के **3 जिलों** (जौनपुर 1,024, आजमगढ़ 1,019, देवरिया 1,017), मध्य प्रदेश के **4 जिलों** (बालाघाट 1,021, अलीराजपुर 1,011, मंडला 1,008, डिंडोरी 1,002) और बिहार के **एकमात्र जिले गोपालगंज (1,021)** का लिंगानुपात 1,000 से अधिक है, जबकि **राजस्थान के किसी भी जिले का लिंगानुपात 1,000 से अधिक नहीं है** (सर्वाधिक डूंगरपुर: 994)!
4. **उत्तर प्रदेश की प्रमुख कल्याणकारी योजनाएँ (up.gov.in):** मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (बालिका के जन्म से स्नातक तक 6 चरणों में 25,000 रुपये की सहायता), मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना (प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क कोचिंग), एक जनपद एक उत्पाद (24 जनवरी 2018), तथा वृद्धावस्था/निराश्रित महिला/दिव्यांगजन पेंशन योजना।
5. **मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की प्रमुख योजनाएँ:** मध्य प्रदेश (**mp.gov.in**) में **लाड़ली लक्ष्मी योजना (2007)**, **लाड़ली बहना योजना (2023)**, **मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना** तथा **पेसा नियम (15 नवंबर 2022 — शहडोल से लागू)**; और राजस्थान (**rajasthan.gov.in**) में **मुख्यमंत्री राजश्री योजना**, **कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना** एवं **अन्नपूर्णा रसोई योजना** अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

12.5 परीक्षा जाल सतर्कता (भ्रम निवारण बॉक्स)

परीक्षा जाल सतर्कता (सावधान! यहाँ अभ्यर्थी अक्सर अंक गँवाते हैं):

- **जाल 1 (उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक कुल साक्षरता बनाम सर्वाधिक महिला साक्षरता):** यह उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और समीक्षा अधिकारी परीक्षा का सबसे प्रसिद्ध जाल है! उत्तर प्रदेश में **सर्वाधिक कुल साक्षरता और सर्वाधिक पुरुष साक्षरता 'गौतम बुद्ध नगर'** में है, किंतु **सर्वाधिक महिला साक्षरता 'कानपुर नगर' (75.05%)** में है (**censusindia.gov.in**)!
- **जाल 2 (बिहार में न्यूनतम कुल/पुरुष साक्षरता बनाम न्यूनतम महिला साक्षरता):** ठीक इसी प्रकार बिहार में **न्यूनतम कुल साक्षरता और न्यूनतम पुरुष साक्षरता 'पूर्णिया'** में है, परंतु **न्यूनतम महिला साक्षरता 'सहरसा' (41.68%)** जिले में है (**state.bihar.gov.in**)!
- **जाल 3 (मध्य प्रदेश में सर्वाधिक ST जनसंख्या बनाम सर्वाधिक ST प्रतिशत):** मध्य प्रदेश में संख्या की दृष्टि से **सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या 'धार' जिले** में है, जबकि प्रतिशत की दृष्टि से **सर्वाधिक ST प्रतिशत 'अलीराजपुर' (89.0%)** में है।
- **जाल 4 (उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक SC जनसंख्या बनाम सर्वाधिक SC प्रतिशत):** उत्तर प्रदेश में संख्या की दृष्टि से **सर्वाधिक अनुसूचित जाति (SC) जनसंख्या 'सीतापुर' जिले** में है, जबकि प्रतिशत की दृष्टि से **सर्वाधिक SC प्रतिशत 'कौशांबी' (34.72%)** में है।
- **जाल 5 (राजस्थान में कुल साक्षरता बनाम पुरुष साक्षरता का शीर्ष जिला):** राजस्थान में सर्वाधिक कुल साक्षरता और सर्वाधिक महिला साक्षरता **कोटा** जिले में है, परंतु **सर्वाधिक पुरुष साक्षरता 'झुंझुनू' (86.9%)** जिले में है (**rajasthan.gov.in**)।

12.6 IUC स्मृति ट्रिक

• ट्रिक 1 (उत्तर प्रदेश के जनगणना शीर्ष जिले एक ही पंक्ति में): "प्रयाग में जन, गाजियाबाद में घन; जौनपुर में लिंगानुपात, नोएडा पढ़े दिन-रात; कानपुर की नारी साक्षर, सीता-कौशांबी में एससी का घर, सोनभद्र में एसटी प्रखर"

• सर्वाधिक जनसंख्या = प्रयागराज | सर्वाधिक जनघनत्व = गाजियाबाद | सर्वाधिक लिंगानुपात = जौनपुर (1,024) | सर्वाधिक कुल साक्षरता = गौतम बुद्ध नगर (नोएडा) | सर्वाधिक महिला साक्षरता = कानपुर नगर | सर्वाधिक SC संख्या = सीतापुर व SC % = कौशांबी | सर्वाधिक ST संख्या व % = सोनभद्र।

• ट्रिक 2 (बिहार के जनगणना शीर्ष एवं न्यूनतम जिले): "पटना बड़ा शेखपुरा छोटा, शिवहर घना कैमूर में टोटा; गोपालगंज में नारी भारी, मुंगेर में घटी हिस्सेदारी; रोहतास पढ़ा-लिखा महान, पूर्णिया-सहरसा का बढ़ाओ ज्ञान"।

द्वितीय भाग: अंतिम समय त्वरित राज्य-विशेष वन-लाइनर रिवीजन कैप्सूल (120-पॉइंट मास्टर कैप्सूल)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — द्वितीय भाग: अंतिम समय त्वरित राज्य-विशेष वन-लाइनर रिवीजन कैप्सूल (120-पॉइंट मास्टर कैप्सूल)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
खंड क: उत्तर प्रदेश विशेष (पॉइंट 1 से 30)	खंड ख: बिहार विशेष (पॉइंट 31 से 60)	खंड ग: मध्य प्रदेश विशेष (पॉइंट 61 से 90)	खंड घ: राजस्थान विशेष एवं चतुर्थ-राज्य तुलनात्मक संकलन (पॉइंट 91 से 120)

परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से ठीक पहले चारों राज्यों (up.gov.in, bor.up.gov.in, state.bihar.gov.in, mp.gov.in, rajasthan.gov.in, censusindia.gov.in) के सर्वाधिक पूछे जाने वाले 120 अचूक तथ्यों का त्वरित रिवीजन (www.iucacademy.com):

खंड क: उत्तर प्रदेश विशेष (पॉइंट 1 से 30)

1. 24 जनवरी 1950 को 'संयुक्त प्रांत' का नाम बदलकर 'उत्तर प्रदेश' रखा गया तथा वर्ष 2018 से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' मनाया जाता है (up.gov.in)।

2. 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश के 13 पर्वतीय जिलों को काटकर 'उत्तरांचल' (2007 से उत्तराखंड) राज्य का गठन किया गया।

3. उत्तर प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्रफल 2,40,928 वर्ग किमी है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 7.33 प्रतिशत है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य है।

4. उत्तर प्रदेश की सीमा 8 राज्यों (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार), 1 केंद्रशासित प्रदेश (दिल्ली) और 1 देश (नेपाल — 7 जिले, 579 किमी) से लगती है।

5. उत्तर प्रदेश का सोनभद्र जिला देश का एकमात्र ऐसा जिला है जो चार राज्यों — मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार — को स्पर्श करता है।

6. उत्तर प्रदेश का सबसे पूर्वी जिला बलिया, सबसे पश्चिमी जिला शामली, सबसे उत्तरी जिला सहारनपुर और सबसे दक्षिणी जिला सोनभद्र है।

7. उत्तर प्रदेश में 18 प्रशासनिक मंडल (18वाँ नवीनतम मंडल: अलीगढ़), 75 जिले, 403 विधानसभा सीटें, 100 विधान परिषद सीटें, 80 लोकसभा सीटें और 31 राज्यसभा सीटें हैं (up.gov.in)।

8. उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद (bor.up.gov.in) की स्थापना 1831 में प्रयागराज में हुई थी; वर्तमान में इसका प्रशासनिक मुख्यालय लखनऊ में और न्यायिक मुख्यालय प्रयागराज में है।

9. उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 के अनुसार 'खतौनी' वास्तविक अधिकार अभिलेख है जिसमें 13 खाने होते हैं और इसका नवीनीकरण प्रत्येक 6 वर्ष पर किया जाता है।

10. लेखपाल द्वारा कृषि वर्ष (1 जुलाई से 30 जून) में तीन बार (खरीफ, रबी, जायद) पड़ताल करके 22 खानों वाले 'खसरा' (कंप्यूटरीकृत में 46 कॉलम) को भरा जाता है (bor.up.gov.in)।

11. उत्तर प्रदेश में 1 पक्का बीघा 1 वर्ग शाहजहानी जरीब (55 गज × 55 गज = 3,025 वर्ग गज = 20 बिस्वा) के बराबर होता है तथा 1 हेक्टेयर में 3.95 पक्का बीघा होते हैं।

12. गंगा नदी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से प्रवेश करती है और 28 जिलों से प्रवाहित होते हुए बलिया जिले से बिहार में प्रवेश करती है।

13. गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत जिले की माधोटांडा स्थित 'फुलहर झील' (गोमत ताल) से होता है और यह कैथी (गाजीपुर) में गंगा से मिलती है।

14. 1830 में निर्मित 'पूर्वी यमुना नहर' (सहारनपुर) उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी नहर है, जबकि 1928 में बनबसा से निकाली गई 'शारदा नहर' राज्य की सबसे लंबी नहर प्रणाली है।

15. सोनभद्र के पिपरी में रिहंद नदी पर निर्मित 'गोविंद वल्लभ पंत सागर' तथा ललितपुर में बेतवा नदी पर निर्मित 'माताटीला व राजघाट बांध' राज्य की प्रमुख बहुउद्देशीय परियोजनाएँ हैं।

16. 24 जनवरी 2018 को प्रारंभ 'एक जनपद एक उत्पाद' (ODOP) योजना के तहत भदोही व मिर्जापुर कालीन के लिए, आजमगढ़ (निजामाबाद) ब्लैक पॉटरी के लिए, गोरखपुर टेराकोटा के लिए और सिद्धार्थनगर काला नमक चावल के लिए चयनित हैं (up.gov.in)।

17. चरकुला नृत्य (108 दीपों का रथ सिर पर रखकर) ब्रज क्षेत्र का है, जबकि राई, पाई डंडा, शैरा, कार्तिक और दीवारी नृत्य बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख लोकनृत्य हैं।

18. उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 86 मेले मथुरा में लगते हैं; आगरा का 'सुलहकुल उत्सव' और बाराबंकी का 'देवा शरीफ मेला' हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हैं।

19. किराना घराने (कैराना, शामली) का संबंध ख्याल गायकी (भीमसेन जोशी, गंगूबाई हंगल) से तथा लखनऊ घराने (बिरजू महाराज) का संबंध कथक नृत्य व ठुमरी से है।

20. जौनपुर की 'अटाला मस्जिद' और 'लाल दरवाजा मस्जिद' का निर्माण शर्की शासकों ने कराया था; मध्यकाल में जौनपुर को 'पूर्व का सिराज' (सिराज-ए-हिंद) कहा जाता था।

21. लखीमपुर खीरी स्थित 'दुधवा राष्ट्रीय उद्यान' (1977 में राष्ट्रीय उद्यान, 1987 में टाइगर रिजर्व) उत्तर प्रदेश का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान है; राज्य के अन्य टाइगर रिजर्व पीलीभीत, अमानगढ़ और रानीपुर (चित्रकूट) हैं।

22. कन्नौज स्थित 'लाख बहोसी पक्षी विहार' उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा पक्षी विहार है, जबकि उन्नाव का 'नवाबगंज पक्षी विहार' (शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार) राज्य का सबसे पहला पक्षी विहार है।

23. उत्तर प्रदेश की एकमात्र परमाणु विद्युत परियोजना 'नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र' (बुलंदशहर जिले में गंगा तट पर, 1991-92) में कार्यरत है।

24. भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR) तथा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (NSI) कानपुर में, और केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (CDRI) व भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान लखनऊ में स्थित हैं।

25. भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान झांसी में तथा भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR) वाराणसी में स्थित है।

26. उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत और प्रथम महिला मुख्यमंत्री (तथा भारत की भी प्रथम महिला मुख्यमंत्री) सुचेता कृपलानी थीं।

27. 2011 की जनगणना (censusindia.gov.in) के अनुसार उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या 19.98 करोड़ (देश का 16.51%), जनघनत्व 829, लिंगानुपात 912 और साक्षरता दर 67.72% है।

28. उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक जनसंख्या प्रयागराज में, न्यूनतम जनसंख्या महोबा में, सर्वाधिक लिंगानुपात जौनपुर (1,024) में और न्यूनतम लिंगानुपात गौतम बुद्ध नगर (851) में है।

29. उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक कुल साक्षरता गौतम बुद्ध नगर (80.12%) में, सर्वाधिक महिला साक्षरता कानपुर नगर (75.05%) में और न्यूनतम साक्षरता श्रावस्ती (46.74%) में है।

30. उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक अनुसूचित जाति (SC) जनसंख्या सीतापुर में (सर्वाधिक SC प्रतिशत कौशांबी में) तथा सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या व प्रतिशत सोनभद्र जिले में है।

खंड ख: बिहार विशेष (पॉइंट 31 से 60)

31. 22 मार्च 1912 को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग कर बिहार (उड़ीसा सहित) प्रांत के गठन की अधिसूचना जारी हुई थी, इसलिए 22 मार्च को 'बिहार दिवस' मनाया जाता है (state.bihar.gov.in)।

32. 1 अप्रैल 1936 को बिहार से उड़ीसा को और 15 नवंबर 2000 को दक्षिणी पठारी भाग के 18 जिलों को काटकर झारखंड राज्य को पृथक किया गया।

33. बिहार का क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किमी (भारत का 2.86%, 12वाँ राज्य) है; इसमें 9 प्रमंडल, 38 जिले (38वाँ जिला अरवल), 101 अनुमंडल और 534 प्रखंड हैं।

34. बिहार विधानसभा में 243 सीटें, विधान परिषद में 75 सीटें, लोकसभा में 40 सीटें (SC के लिए 6 आरक्षित) और राज्यसभा में 16 सीटें हैं (state.bihar.gov.in)।

35. बिहार के 7 जिले (पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज) नेपाल से, 8 जिले उत्तर प्रदेश से, 8 जिले झारखंड से और 3 जिले पश्चिम बंगाल से सीमा बनाते हैं।

36. पश्चिमी चंपारण में स्थित सोमेश्वर श्रेणी की 'सोमेश्वर फोर्ट चोटी' (874 मीटर) बिहार की सर्वोच्च पर्वत चोटी है।

37. गंगा नदी बक्सर के चौसा में बिहार में प्रवेश करती है, 12 जिलों से 445 किमी प्रवाहित होती है और इसकी सर्वाधिक लंबाई पटना जिले (99 किमी) में है।

38. बूढ़ी गंडक नदी सोमेश्वर पहाड़ी से निकलती है और यह उत्तर बिहार में सबसे तेज जलधारा वाली तथा सबसे लंबी नदी है।

39. कोसी नदी को मार्ग परिवर्तन के कारण 'बिहार का शोक' कहा जाता है और यह कटिहार के कुर्सेला के पास गंगा में मिलती है।

40. 1874 में डेहरी (रोहतास) में सोन नदी से निकाली गई 'सोन नहर' बिहार की सबसे पुरानी नहर प्रणाली है, जबकि 'त्रिवेणी नहर' पश्चिमी चंपारण के वाल्मीकिनगर में गंडक नदी से निकाली गई है।

41. प्रसिद्ध 'ककोलत जलप्रपात' नवादा जिले में और 'तेलहर कुंड व करकटगढ़ जलप्रपात' कैमूर जिले में स्थित हैं (**state.bihar.gov.in**)।

42. बिहार का सबसे गर्म जलकुंड 'ब्रह्मकुंड' (87°C तापमान) राजगीर (नालंदा) में है, जबकि सीताकुंड, लक्ष्मणकुंड, रामेश्वर कुंड और ऋषिकुंड मुंगेर जिले में स्थित हैं।

43. बेगूसराय की 'कावर झील' (2020 में घोषित बिहार का प्रथम रामसर स्थल) एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की गोखुर झीलों में से एक है; 2024 में जमुई के नागी और नकटी पक्षी अभयारण्य भी रामसर स्थल घोषित किए गए हैं।

44. पश्चिमी चंपारण स्थित 'वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान' बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व है, जबकि भागलपुर के सुल्तानगंज से कहलगाँव तक गंगा में 'विक्रमशिला गंगेटिक डॉल्फिन अभयारण्य' स्थित है।

45. दक्षिण-पश्चिमी बिहार (रोहतास और कैमूर) में विंध्यन क्रम की चट्टानें (चूना पत्थर व पायराइट) तथा दक्षिण-पूर्वी बिहार (मुंगेर, जमुई, नवादा, गया) में धारवाड़ क्रम की चट्टानें (अभ्रक, सोना, बॉक्साइट) पाई जाती हैं।

46. भारत के कुल पायराइट भंडार का लगभग 95% भाग रोहतास (अमझोर) में और कुल स्वर्ण अयस्क भंडार का लगभग 44% भाग जमुई (सोनो/करमटिया) जिले में स्थित है।

47. प्रथम बौद्ध संगीति राजगृह (अजातशत्रु, महाकश्यप), द्वितीय वैशाली (कालाशोक, सब्बकामी) और तृतीय पाटलिपुत्र (अशोक, मोग्गलिपुत्त तिस्स) में संपन्न हुई थी (**www.iucacademy.com**)।

48. नालंदा महाविहार की स्थापना गुप्त शासक कुमारगुप्त प्रथम ने और विक्रमशिला विश्वविद्यालय (अंतीचक, भागलपुर) की स्थापना पाल शासक धर्मपाल ने की थी।

49. मिथिला के कर्नाट वंश का संस्थापक नान्यदेव और अंतिम शासक हरिसिंह देव था; इसी काल में 'पंजी प्रबंध' का विकास हुआ।

50. बिहार में सर्वप्रथम 1632 ईस्वी में डचों (हॉलैंड) ने पटना कॉलेज की उत्तरी इमारत में अपनी व्यापारिक फैक्ट्री स्थापित की थी।

51. 1857 के विद्रोह का नेतृत्व पटना में पुस्तक विक्रेता पीर अली ने (3 जुलाई 1857) और जगदीशपुर (आरा) में 80 वर्षीय बाबू वीर कुँवर सिंह ने किया था।

52. राजकुमार शुक्ल के आमंत्रण पर महात्मा गांधी ने अप्रैल 1917 में चंपारण के किसानों को 'तिनकठिया प्रथा' (3/20 भू-भाग पर नील की खेती) से मुक्त कराने के लिए भारत में अपना प्रथम सत्याग्रह किया।

53. बिहार में कांग्रेस का 27वाँ अधिवेशन 1912 में बांकीपुर (पटना, अध्यक्ष: आर.एन. मुधोलकर) में और 38वाँ अधिवेशन 1922 में गया (अध्यक्ष: चितरंजन दास) में हुआ था।

54. स्वामी सहजानंद सरस्वती ने 1929 में सोनपुर मेले में 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' और 1936 में लखनऊ में 'अखिल भारतीय किसान सभा' की स्थापना की।

55. 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया हॉल में 'बिहार सोशलिस्ट पार्टी' की औपचारिक स्थापना हुई, जिसके अध्यक्ष आचार्य नरेंद्र देव और सचिव जयप्रकाश नारायण थे।

56. 1937 के प्रांतीय चुनाव के बाद 1 अप्रैल 1937 को मोहम्मद यूनुस बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री (मुख्यमंत्री) बने और जुलाई 1937 में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने प्रथम कांग्रेसी मंत्रिमंडल का गठन किया (**state.bihar.gov.in**)।

57. 11 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पटना सचिवालय पर तिरंगा फहराते हुए 7 छात्र शहीद हुए तथा जयप्रकाश नारायण ने हजारीबाग जेल से भागकर नेपाल के राजविलास जंगल में 'आजाद दस्ता' गठित किया।

58. मधुबनी पेंटिंग (मिथिला), मंजूषा कला (भागलपुर — बिहुला-विषहरी कथा व 3 रंग), पटना कलम (कंपनी शैली), टिकुली कला, सुजनी कढ़ाई, मिथिला मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल, जर्दालु आम, मगही पान, सिलाव खाजा और मर्चा चावल बिहार के प्रमुख जीआई टैग उत्पाद हैं।

59. 2011 की जनगणना (**censusindia.gov.in**) के अनुसार बिहार का जनघनत्व 1,106 व्यक्ति/वर्ग किमी (देश में प्रथम, शिवहर 1,880 सर्वाधिक व कैमूर 488 न्यूनतम), लिंगानुपात 918 (गोपालगंज 1,021 सर्वाधिक व मुंगेर 876 न्यूनतम) और साक्षरता दर 61.80% (रोहतास 73.37% सर्वाधिक व पूर्णिया 51.08% न्यूनतम) है।

60. 2 अक्टूबर 2023 को जारी बिहार जाति आधारित गणना (**state.bihar.gov.in**) के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या 13.07 करोड़ है, जिसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) 36.01%, पिछड़ा वर्ग (BC) 27.12%, अनुसूचित जाति 19.65%, सामान्य वर्ग 15.52% और अनुसूचित जनजाति 1.68% है।

खंड ग: मध्य प्रदेश विशेष (पॉइंट 61 से 90)

61. 1 नवंबर 1956 को फजल अली राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर सेंट्रल प्रोविंस व बरार, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल को मिलाकर मध्य प्रदेश का गठन हुआ और 1 नवंबर 2000 को इससे छत्तीसगढ़ पृथक हुआ (**mp.gov.in**)।

62. मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल 3,08,252 वर्ग किमी (भारत का 9.38%, देश में दूसरा स्थान) है; इसमें 10 संभाग, 55 जिले (मऊगंज 53वाँ, पांढुर्णा 54वाँ, मैहर 55वाँ), 230 विधानसभा सीटें, 29 लोकसभा सीटें और 11 राज्यसभा सीटें हैं।

63. कर्क रेखा मध्य प्रदेश के 14 जिलों से और भारतीय मानक समय रेखा (82.5° पूर्वी देशांतर) एकमात्र सिंगरौली जिले से गुजरती है।

64. मालवा का पठार (28% क्षेत्रफल) मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा भौतिक विभाग है जिसकी सर्वोच्च चोटी 'सिगार' (881 मीटर) है, जबकि बघेलखंड का पठार (7%) सबसे छोटा भौतिक विभाग है।

65. सतपुड़ा की महादेव श्रेणी में पचमढ़ी के पास स्थित 'धूपगढ़' (1,350 मीटर) मध्य प्रदेश की सर्वोच्च चोटी है; बुंदेलखंड पठार की सर्वोच्च चोटी 'सिद्ध बाबा' (1,172 मीटर) और विंध्याचल की सर्वोच्च चोटी 'सद्भावना शिखर' (752 मीटर, दमोह) है।

66. मध्य प्रदेश की जीवनरेखा नर्मदा नदी अमरकंटक (अनूपपुर) से निकलकर भ्रंश घाटी में कुल 1,312 किमी (मध्य प्रदेश के 16 जिलों में 1,077 किमी) बहती है और खंभात की खाड़ी में ज्वारनदमुख (एश्चुअरी) बनाती है (**mp.gov.in**)।

67. नर्मदा नदी पर कपिलधारा, दुग्धधारा (अनूपपुर), धुआँधार (भेड़ाघाट, जबलपुर), मान्धाता, दर्दी (खंडवा) और सहस्रधारा (महेश्वर, खरगोन) जलप्रपात स्थित हैं।

68. सेलर (ओड्डा) नदी पर स्थित 'बहुतही जलप्रपात' (198 मीटर, मऊगंज/रीवा) मध्य प्रदेश का सबसे ऊँचा जलप्रपात है, जबकि बीहड़ नदी पर 'चचाई जलप्रपात' (130 मीटर) और बीना नदी पर 'भालकुंड जलप्रपात' (सागर) स्थित हैं।

69. खंडवा के पुनासा में नर्मदा नदी पर निर्मित 'इंदिरा सागर बांध' भारत की सर्वाधिक जल भंडारण क्षमता वाला जलाशय है; जबलपुर में नर्मदा पर 'बरगी बांध' (रानी अवंतीबाई सागर) स्थित है।

70. मंदसौर जिले में चंबल नदी पर 1960 में निर्मित 'गांधी सागर बांध' (115 मेगावाट) मध्य प्रदेश की पहली जलविद्युत परियोजना है।

71. शहडोल के देवलोंद में सोन नदी पर निर्मित 'बाणसागर परियोजना' मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार (2:1:1 अनुपात) की संयुक्त परियोजना है।

72. केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के मध्य 'दौधन बांध' बनाया जा रहा है, जो बुंदेलखंड के सूखाग्रस्त जिलों को सिंचित करेगा (**www.iucacademy.com**)।

73. मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वन क्षेत्रफल (77,493 वर्ग किमी) और सर्वाधिक बाघ (785 बाघ — 'टाइगर स्टेट') पाए जाते हैं; सागौन (टीक) राज्य में सर्वाधिक पाया जाने वाला वृक्ष है।

74. मंडला-बालाघाट स्थित 'कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान' (1933 अभयारण्य, 1955 राष्ट्रीय उद्यान, 1973-74 प्रोजेक्ट टाइगर) मध्य प्रदेश का प्रथम व सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान (940 वर्ग किमी) है और इसने 'भूरसिंह द बारहसिंगा' शुभंकर जारी किया है।

75. उमरिया जिले का 'बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान' सर्वाधिक बाघ घनत्व और 32 पहाड़ियों से घिरे होने के लिए प्रसिद्ध है, जबकि सतना के 'मुकुंदपुर' में विश्व की पहली व्हाइट टाइगर सफारी स्थापित है।

76. 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए चीतों को श्योपुर जिले के 'कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान' में बसाया गया है (**mp.gov.in**)।

77. डिंडोरी का 'घुघवा जीवाश्म उद्यान' (0.27 वर्ग किमी) राज्य का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान है; सबसे बड़ा अभयारण्य 'नौरादेही' और सबसे छोटा अभयारण्य 'रालामंडल' (इंदौर) है।

78. मध्य प्रदेश में 3 बायोस्फीयर रिजर्व हैं—पचमढ़ी (1999), अचानकमार-अमरकंटक (2005) और पन्ना (2011); तथा 4 रामसर आर्द्रभूमि स्थल हैं—भोज वेटलैंड (भोपाल), सांख्य सागर (शिवपुरी), सिरपुर तालाब और यशवंत सागर (इंदौर)।

79. मध्य प्रदेश (और भारत) की सबसे बड़ी जनजाति 'भील' (झाबुआ, अलीराजपुर, धार), दूसरी सबसे बड़ी 'गोंड' और तीसरी सबसे बड़ी 'कोल' है (**censusindia.gov.in**)।

80. मध्य प्रदेश की तीन जनजातियों — बैगा (मंडला-डिंडोरी), भारिया (पातालकोट, छिंदवाड़ा) और सहरिया (शिवपुरी-श्योपुर) — को केंद्र सरकार द्वारा 'विशेष पिछड़ी जनजाति' (PVTG) घोषित किया गया है।

81. होली के अवसर पर भील जनजाति द्वारा 7 दिनों तक 'भगोरिया उत्सव' मनाया जाता है और इनकी प्रसिद्ध भित्ति चित्रकला 'पिथौरा पेंटिंग' (पेमा फाल्या व पद्मश्री भूरी बाई) है।

82. बैगा जनजाति की स्थानांतरित कृषि को 'बेवर' (या पोंडू) और भील जनजाति की स्थानांतरित कृषि को 'चिमाता' कहा जाता है; कोरकू जनजाति में मृतक स्तंभ की 'सिडोली प्रथा' प्रचलित है।

83. मध्य प्रदेश को देश में हीरा उत्पादन (मझगवाँ व हिनौता, पन्ना) में एकाधिकार प्राप्त है; मलाजखंड (बालाघाट) में देश की सबसे बड़ी ताँबा खदान और भरवेली (बालाघाट) में एशिया की सबसे बड़ी खुली मैंगनीज खदान है।

84. सुहागपुर (शहडोल) मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र है, जबकि सिंगरौली (बैढ़न) में सबसे मोटी कोयला परत है और इसे मध्य प्रदेश की 'ऊर्जा राजधानी' कहा जाता है।

85. खजुराहो के मंदिर (छतरपुर — चंदेल शासकों द्वारा 950-1050 ई. में निर्मित, 1986 में यूनेस्को विश्व धरोहर, कंदरिया महादेव मंदिर सर्वश्रेष्ठ), साँची का स्तूप (रायसेन — अशोक द्वारा निर्मित, 1989 में यूनेस्को धरोहर) और भीमबेटका की गुफाएँ (रायसेन — विंध्यन श्रेणी, विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा 1957 में खोज, 2003 में यूनेस्को धरोहर) राज्य के 3 स्थायी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं (**mp.gov.in**)।

86. धार जिले के मांडू ('सिटी ऑफ जॉय' / शादियाबाद) में जहाज महल, हिंडोला महल, होशंगशाह का मकबरा (संगमरमर की प्रथम इमारत), रानी रूपमती का महल और बाज बहादुर का महल स्थित हैं।

87. मध्य प्रदेश का राजकीय नाट्य 'माच' (मालवा) और राजकीय नृत्य 'राई' (बुंदेलखंड) है; ग्वालियर में तानसेन समारोह और खजुराहो में अखिल भारतीय शास्त्रीय नृत्य समारोह आयोजित होता है।

88. नेपानगर (बुरहानपुर) में देश का पहला अखबारी कागज कारखाना (1948-56), होशंगाबाद (नर्मदापुरम) में सिक्योरिटी पेपर मिल और देवास में बैंक नोट प्रेस स्थित है।

89. मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल, प्रथम राज्यपाल डॉ. पट्टाभि सीतारमैया और प्रथम महिला मुख्यमंत्री उमा भारती थीं।

90. 2011 की जनगणना (**censusindia.gov.in**) के अनुसार मध्य प्रदेश में सर्वाधिक जनसंख्या इंदौर में, सर्वाधिक लिंगानुपात बालाघाट (1,021) में, न्यूनतम लिंगानुपात भिंड (837) में, सर्वाधिक साक्षरता जबलपुर (81.07%) में और न्यूनतम साक्षरता अलीराजपुर (36.10% — देश में न्यूनतम) में है।

खंड घ: राजस्थान विशेष एवं चतुर्थ-राज्य तुलनात्मक संकलन (पॉइंट 91 से 120)

91. राजस्थान का एकीकरण 18 मार्च 1948 (मत्स्य संघ) से प्रारंभ होकर 7 चरणों में 1 नवंबर 1956 को पूर्ण हुआ; 30 मार्च 1949 को वृहत् राजस्थान के गठन की स्मृति में 'राजस्थान दिवस' मनाया जाता है (**rajasthan.gov.in**)।

92. 3,42,239 वर्ग किमी क्षेत्रफल (भारत का 10.41%) के साथ राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है; यह पाकिस्तान के साथ 1,070 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय 'रेडक्लिफ रेखा' साझा करता है।

93. राजस्थान में एकसदनीय विधानसभा (200 सीटें), 25 लोकसभा सीटें और 10 राज्यसभा सीटें हैं; राजस्थान उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ जोधपुर में और खंडपीठ जयपुर में है।

94. थार का मरुस्थल राजस्थान के 61.11% क्षेत्रफल पर विस्तृत है और इसमें राज्य की 40% जनसंख्या निवास करती है; 50 सेमी समवर्षा रेखा राजस्थान को दो भागों में विभाजित करती है।

95. अरावली पर्वतमाला की सर्वोच्च चोटी 'गुरु शिखर' (1,722 मीटर, माउंट आबू, सिरोही) है, जिसे कर्नल जेम्स टॉड ने 'संतों का शिखर' कहा था (**rajasthan.gov.in**)।

96. उदयपुर के कुंभलगढ़ और गोगुंदा के मध्य स्थित पठार को 'भोराट का पठार' तथा भैंसरोड़गढ़ (चित्तौड़गढ़) से बिजौलिया (भीलवाड़ा) तक के पठारी भाग को 'ऊपरमाल का पठार' कहा जाता है।

97. घग्गर नदी ('मृत नदी' / प्राचीन सरस्वती) राजस्थान के आंतरिक अपवाह तंत्र की सबसे लंबी नदी है, जिसके प्रवाह क्षेत्र को हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर में 'नाली' कहा जाता है।

98. अजमेर के नाग पहाड़ से निकलने वाली लूनी नदी पश्चिमी राजस्थान की सबसे प्रमुख नदी है; बालोतरा के बाद इसका जल खारा हो जाता है और जोजड़ी इसकी एकमात्र दाएँ तट की सहायक नदी है।

99. खमनोर की पहाड़ियों (राजसमंद) से निकलने वाली 'बनास नदी' ('वन की आशा') पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी है और इस पर टोंक/केकड़ी में बीसलपुर बांध स्थित है।

100. बाँसवाड़ा के बोरखेड़ा में माही नदी पर निर्मित 'माही बजाज सागर बांध' (3,109 मीटर) राज्य का सबसे लंबा बांध है, जबकि प्रतापगढ़ का 'जाखम बांध' (81 मीटर) सबसे ऊँचा और चित्तौड़गढ़ का 'राणा प्रताप सागर बांध' भराव क्षमता में सबसे बड़ा बांध है।

101. डूंगरपुर के नवाटापरा गाँव (बेणेश्वर धाम) में माही, सोम और जाखम नदियों का त्रिवेणी संगम होता है, जहाँ माघ पूर्णिमा को 'आदिवासियों का कुंभ' लगता है (**www.iucacademy.com**)।

102. हरिके बैराज (पंजाब) से निकाली गई 649 किमी लंबी 'इंदिरा गांधी नहर' ('राजस्थान की मरुगंगा', जनक: कँवर सेन) हनुमानगढ़ के मसीतावली हेड से राजस्थान में प्रवेश करती है और इसमें 7 लिफ्ट नहरें संचालित हैं।

103. जयपुर (फुलेरा) स्थित 'सांभर झील' भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील है (देश का 8.7% नमक उत्पादन), जबकि उदयपुर/सलूम्बर की 'जयसमंद झील' (ढेबर झील) राजस्थान की सबसे बड़ी मीठे पानी की कृत्रिम झील है।

104. राजसमंद झील की 'नौ चौकी पाल' पर 25 काले संगमरमर की शिलाओं पर रणछोड़ भट्ट द्वारा संस्कृत में उत्कीर्ण 'राजप्रशस्ति' विश्व की सबसे बड़ी पाषाण प्रशस्ति है।

105. 2013 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में राजस्थान के 6 पहाड़ी दुर्ग — चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, गागरोन (जल दुर्ग), आमेर और जैसलमेर (सोनारगढ़) — शामिल किए गए (**rajasthan.gov.in**)।

106. मारवाड़ के 'पंच पीरों' में पाबूजी (ऊँटों के देवता), हड़बूजी, रामदेवजी (रुणिचा के धणी, कामड़िया पंथ व तेरहताली नृत्य), गोगाजी (जाहरपीर) और मेहाजी मांगलिया शामिल हैं।

107. किशनगढ़ चित्रशैली (राजा सावंत सिंह/नागरीदास व चित्रकार मोरध्वज निहालचंद) की 'बणी-ठणी' को 'भारत की मोनालिसा' कहा जाता है, जबकि नाथद्वारा शैली 'पिछवाई कला' और बूँदी शैली 'पशु-पक्षियों के चित्रण' के लिए प्रसिद्ध है।

108. प्रतापगढ़ की 'थेवा कला' (काँच पर सोने की नक्काशी), जयपुर की 'ब्लू पॉटरी' (कृपाल सिंह शेखावत), बीकानेर की 'उस्ता कला' (ऊँट की खाल पर स्वर्ण नक्काशी) और बाड़मेर की 'अजरक प्रिंट' राजस्थान के प्रमुख हस्तशिल्प हैं।

109. घूमर राजस्थान का राज्य नृत्य है; कालबेलिया नृत्य (गुलाबो सपेरा) को 2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल किया गया और वालर नृत्य गरासिया जनजाति द्वारा बिना वाद्ययंत्र के किया जाता है।

110. राजस्थान का सीसा-जस्ता व चाँदी (जावर, रामपुरा-आगूचा, राजपुरा-दरीबा), वोलेस्टोनाइट और जास्पर उत्पादन में देश में एकाधिकार है; खेतड़ी (झुंझुनू) ताँबे के लिए, डेगाना (नागौर) टंगस्टन के लिए और झामरकोटड़ा (उदयपुर) रॉक फॉस्फेट के लिए प्रसिद्ध है।

111. हनुमानगढ़ स्थित 'कालीबंगा' (घग्गर नदी तट, 1952 में अमलानंद घोष द्वारा खोज, बी.बी. लाल व बी.के. थापर द्वारा उत्खनन) से विश्व में जूते हुए खेत के प्राचीनतम साक्ष्य व अग्निवेदिकाएँ मिली हैं, जबकि बैराठ (विराटनगर, जयपुर) से अशोक का भाब्रू शिलालेख व मौर्यकालीन बौद्ध स्तूप प्राप्त हुए हैं।

112. 1897 से 1941 तक 44 वर्षों तक चला 'बिजौलिया किसान आंदोलन' (साधु सीताराम दास, विजय सिंह पथिक व माणिक्यलाल वर्मा) विश्व का सबसे लंबा अहिंसक किसान आंदोलन था (**rajasthan.gov.in**)।

113. 2 अक्टूबर 1959 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राजस्थान के नागौर जिले के 'बगदरी गाँव' से भारत में सर्वप्रथम त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का शुभारंभ किया था।

114. राजस्थान में रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी और धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व हैं; भरतपुर का 'केवलादेव घना पक्षी विहार' (1981 रामसर स्थल, 1985 यूनेस्को विश्व धरोहर) साइबेरियन क्रेन के लिए विश्वप्रसिद्ध है।

115. 2011 की जनगणना (**censusindia.gov.in**) के अनुसार राजस्थान की जनसंख्या 6.85 करोड़, जनघनत्व 200 (जयपुर 595 सर्वाधिक, जैसलमेर 17 न्यूनतम), लिंगानुपात 928 (डूंगरपुर 994 सर्वाधिक, धौलपुर 846 न्यूनतम) और साक्षरता 66.11% (कोटा 76.6% सर्वाधिक, जालोर 54.9% न्यूनतम) है।

116. चारों राज्यों में क्षेत्रफल का अवरोही क्रम: **राजस्थान (3,42,239 वर्ग किमी) > मध्य प्रदेश (3,08,252 वर्ग किमी) > उत्तर प्रदेश (2,40,928 वर्ग किमी) > बिहार (94,163 वर्ग किमी)** है।

117. चारों राज्यों में जनसंख्या (**censusindia.gov.in**) का अवरोही क्रम: **उत्तर प्रदेश (19.98 करोड़) > बिहार (10.41 करोड़) > मध्य प्रदेश (7.26 करोड़) > राजस्थान (6.85 करोड़)** है।

118. चारों राज्यों में जनघनत्व का अवरोही क्रम: **बिहार (1,106) > उत्तर प्रदेश (829) > मध्य प्रदेश (236) > राजस्थान (200)** है।

119. चारों राज्यों में कुल साक्षरता दर (2011) का अवरोही क्रम: **मध्य प्रदेश (69.32%) > उत्तर प्रदेश (67.72%) > राजस्थान (66.11%) > बिहार (61.80%)** है।

120. चारों राज्यों में कुल लिंगानुपात (2011) का अवरोही क्रम: **मध्य प्रदेश (931) > राजस्थान (928) > बिहार (918) > उत्तर प्रदेश (912)** है, जबकि शिशु लिंगानुपात (0-6 वर्ष) का अवरोही क्रम: **बिहार (935) > मध्य प्रदेश (918) > उत्तर प्रदेश (902) > राजस्थान (888)** है (www.iucacademy.com)।

तृतीय भाग: चारों राज्यों का मंडलवार/संभागवार मास्टर संदर्भ कोष, अनुसंधान संस्थान, अभयारण्य एवं ऐतिहासिक आंदोलन

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — तृतीय भाग: चारों राज्यों का मंडलवार/संभागवार मास्टर संदर्भ कोष, अनुसंधान संस्थान, अभयारण्य एवं ऐतिहासिक आंदोलन

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1
उत्तर प्रदेश के 18 प्रशासनिक मंडल एवं संबद्ध 75 जनपदों की आधिकारिक संरचना (up.gov.in | bor.up.gov.in)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
उत्तर प्रदेश के प्रमुख वन्यजीव विहार, पक्षी विहार एवं 10 रामसर आर्द्रभूमि स्थल (up.gov.in)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
उत्तर प्रदेश के प्रमुख शोध संस्थान, संग्रहालय एवं एक्सप्रेसवे नेटवर्क (up.gov.in)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
बिहार के 9 प्रशासनिक प्रमंडल, 38 जिले एवं प्रमुख वन्यजीव अभयारण्य (state.bihar.gov.in)

13.1 उत्तर प्रदेश के 18 प्रशासनिक मंडल एवं संबद्ध 75 जनपदों की आधिकारिक संरचना (up.gov.in | bor.up.gov.in)

क्र.सं.	मंडल का नाम	मुख्यालय	सम्मिलित जिलों की संख्या	सम्मिलित जनपदों के नाम (up.gov.in)
1	लखनऊ मंडल	लखनऊ	6 जिले	लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी
2	कानपुर मंडल	कानपुर नगर	6 जिले	कानपुर नगर, कानपुर देहात (अकबरपुर माती), इटावा, फर्रुखाबाद (फतेहगढ़), कन्नौज, औरैया
3	मेरठ मंडल	मेरठ	6 जिले	मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा), बागपत, हापुड़
4	अयोध्या (फैजाबाद) मंडल	अयोध्या	5 जिले	अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अमेठी (गौरीगंज), अंबेडकरनगर (अकबरपुर)
5	अलीगढ़ मंडल (18वाँ नवीनतम)	अलीगढ़	4 जिले	अलीगढ़, एटा, हाथरस (महामायानगर), कासगंज (कांशीरामनगर)
6	आगरा मंडल	आगरा	4 जिले	आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी
7	वाराणसी मंडल	वाराणसी	4 जिले	वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली
8	गोरखपुर मंडल	गोरखपुर	4 जिले	गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर (पडरौना)
9	देवीपाटन मंडल	गोंडा	4 जिले	गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती (भिनगा), बहराइच
10	बरेली मंडल	बरेली	4 जिले	बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर, पीलीभीत
11	मुरादाबाद मंडल	मुरादाबाद	5 जिले	मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा (ज्योतिबा फुले नगर), संभल (बहजोई)
12	प्रयागराज (इलाहाबाद) मंडल	प्रयागराज	4 जिले	प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशांबी (मंझनपुर)
13	चित्रकूट धाम मंडल	बांदा	4 जिले	चित्रकूट (कर्वी), बांदा, हमीरपुर, महोबा
14	मिर्जापुर (विंध्याचल) मंडल	मिर्जापुर	3 जिले	मिर्जापुर, सोनभद्र (रॉबर्ट्सगंज), भदोही (संत रविदास नगर — ज्ञानपुर)
15	आजमगढ़ मंडल	आजमगढ़	3 जिले	आजमगढ़, मऊ, बलिया
16	बस्ती मंडल	बस्ती	3 जिले	बस्ती, सिद्धार्थनगर (नौगढ़), संतकबीरनगर (खलीलाबाद)
17	झांसी मंडल	झांसी	3 जिले	झांसी, ललितपुर, जालौन (उरई)

क्र.सं.	मंडल का नाम	मुख्यालय	सम्मिलित जिलों की संख्या	सम्मिलित जनपदों के नाम (up.gov.in)
18	सहारनपुर मंडल	सहारनपुर	3 जिले	सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली

13.2 उत्तर प्रदेश के प्रमुख वन्यजीव विहार, पक्षी विहार एवं 10 रामसर आर्द्रभूमि स्थल (up.gov.in)

• **प्रमुख वन्यजीव विहार (उत्तर प्रदेश):**

• 1. **चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (चंदौली — 1957):** उत्तर प्रदेश का सबसे पहला (प्रथम) वन्यजीव विहार।

• 2. **हस्तिनापुर वन्यजीव विहार (1986):** मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, बिजनौर व अमरोहा में विस्तृत (2,073 वर्ग किमी) — राज्य का **सबसे बड़ा वन्यजीव विहार**।

• 3. **महावीर स्वामी वन्यजीव विहार (ललितपुर — 1977):** क्षेत्रफल 5.4 वर्ग किमी — राज्य का **सबसे छोटा वन्यजीव विहार**।

• 4. **किशनपुर वन्यजीव विहार (लखीमपुर खीरी — 1972):** दुधवा टाइगर रिजर्व का प्रमुख घटक।

• 5. **कतर्नियाघाट वन्यजीव विहार (बहराइच — 1975):** गेरुआ नदी में घड़ियाल व डॉल्फिन संरक्षण हेतु प्रसिद्ध।

• 6. **रानीपुर वन्यजीव विहार (चित्रकूट — 1977):** वर्ष 2022 में भारत का 53वाँ एवं उत्तर प्रदेश का **चौथा टाइगर रिजर्व** घोषित।

• 7. **कैमूर वन्यजीव विहार (मिर्जापुर एवं सोनभद्र — 1982):** कृष्णमृग, चिंकारा व चौसिंगा हेतु प्रसिद्ध।

• 8. **सोहागीबरवा वन्यजीव विहार (महराजगंज — 1987):** नेपाल व बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटा हुआ।

• 9. **सोहेलवा वन्यजीव विहार (बलरामपुर, गोंडा एवं श्रावस्ती — 1988):** तराई पारिस्थितिकी तंत्र का प्रमुख क्षेत्र।

• 10. **कछुआ वन्यजीव विहार (वाराणसी से प्रयागराज क्षेत्र):** मांसाहारी कछुओं एवं गंगा स्वच्छता हेतु।

• 11. **चंबल राष्ट्रीय वन्यजीव विहार (आगरा एवं इटावा — 1979):** उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान की संयुक्त घड़ियाल व डॉल्फिन संरक्षण परियोजना।

• **उत्तर प्रदेश के प्रमुख पक्षी विहार एवं 10 रामसर स्थल (www.iucacademy.com):**

• 1. **नवाबगंज पक्षी विहार (शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार, उन्नाव — 1984):** राज्य का प्रथम पक्षी विहार (रामसर स्थल)।

• 2. **लाख बहोसी पक्षी विहार (कन्नौज — 1988):** 80 वर्ग किमी — राज्य का **सबसे बड़ा पक्षी विहार**।

• 3. **पटना पक्षी विहार (एटा — 1990):** 1 वर्ग किमी — राज्य का **सबसे छोटा पक्षी विहार**।

• 4. **समसपुर पक्षी विहार (रायबरेली — 1987):** प्रमुख रामसर आर्द्रभूमि स्थल।

• 5. **सांडी पक्षी विहार (हरदोई — 1990):** गर्रा नदी के पास स्थित रामसर स्थल।

• 6. **समान पक्षी विहार (मैनपुरी — 1990):** पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रमुख रामसर स्थल।

• 7. **पार्वती अरगा पक्षी विहार (गोंडा — 1990):** गोखुर झील से निर्मित रामसर स्थल।

• 8. **सरसई नावर झील (इटावा):** सारस क्रेन संरक्षण हेतु प्रसिद्ध रामसर स्थल।

• 9. **सूर सरोवर (कीठम झील, आगरा):** भालू संरक्षण केंद्र एवं रामसर स्थल।

• 10. **हैदरपुर वेटलैंड (बिजनौर एवं मुजफ्फरनगर) तथा बखिरा पक्षी विहार (संतकबीरनगर):** नवीनतम रामसर आर्द्रभूमि स्थल (ऊपरी गंगा नदी, ब्रजघाट से नरौरा उत्तर प्रदेश का प्रथम रामसर स्थल 2005 में बना था)।

13.3 उत्तर प्रदेश के प्रमुख शोध संस्थान, संग्रहालय एवं एक्सप्रेसवे नेटवर्क (up.gov.in)

क्र.सं.	संस्थान / एक्सप्रेसवे का नाम	स्थान / विस्तार जनपद (up.gov.in)	मुख्य विशेषता एवं परीक्षा तथ्य (www.iucacademy.com)
1	केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (CDRI) एवं विष विज्ञान संस्थान (IITR)	लखनऊ	जैव-प्रौद्योगिकी, औषधि एवं विष विज्ञान का शीर्ष राष्ट्रीय केंद्र

क्र.सं.	संस्थान / एक्सप्रेसवे का नाम	स्थान / विस्तार जनपद (up.gov.in)	मुख्य विशेषता एवं परीक्षा तथ्य (www.iucacademy.com)
2	राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (NBRI) एवं बीरबल साहनी पुरावनस्पति संस्थान	लखनऊ	वनस्पति एवं जीवाश्म विज्ञान का प्रमुख केंद्र
3	भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (IISR)	लखनऊ	गन्ना कृषि शोध (जबकि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान — NSI **कानपुर** में है!)
4	भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR)	कल्याणपुर, कानपुर	दलहनी फसलों का राष्ट्रीय शोध केंद्र
5	भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI) एवं पक्षी अनुसंधान संस्थान	इज्जतनगर, बरेली	पशु चिकित्सा एवं पक्षी विज्ञान का शीर्ष संस्थान
6	केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG)	मखदूम, मथुरा	बकरी पालन एवं नस्ल सुधार शोध केंद्र
7	भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (IICT)	भदोही (संत रविदास नगर)	कालीन डिजाइन एवं तकनीकी प्रशिक्षण
8	भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान तथा राष्ट्रीय कृषिवानिकी संस्थान	झांसी	बुंदेलखंड में चारा व कृषि वानिकी का केंद्रीय संस्थान
9	भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR) एवं अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान केंद्र (दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र)	वाराणसी	सब्जी एवं धान की उन्नत किस्मों का विकास
10	राष्ट्रीय कृषि विपणन एवं केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (CISH — पूर्व में केंद्रीय आम अनुसंधान संस्थान)	रहमानखेड़ा, लखनऊ	आम एवं उपोष्ण फलों का राष्ट्रीय शोध केंद्र
11	यमुना एक्सप्रेसवे (ताज एक्सप्रेसवे)	ग्रेटर नोएडा से आगरा (165.5 किमी)	गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा व आगरा से गुजरता है
12	आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे	आगरा से लखनऊ (302 किमी)	10 जिलों से गुजरता है; उन्नाव के पास आपातकालीन वायुसेना हवाई पट्टी
13	पूर्वांचल एक्सप्रेसवे	लखनऊ (चांदसराय) से गाजीपुर (हैदरिया — 341 किमी)	9 जिलों से गुजरता है; सुल्तानपुर (कूरेभार) में आपातकालीन हवाई पट्टी
14	बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे	चित्रकूट (भरतकूप) से इटावा (कुदरैल — 296 किमी)	7 जिलों (चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, इटावा) से गुजरता है
15	गंगा एक्सप्रेसवे	मेरठ (बिजौली) से प्रयागराज (जुडापुर दांदू — 594 किमी)	12 जिलों से गुजरने वाला उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे (शाहजहाँपुर में हवाई पट्टी)

13.4 बिहार के 9 प्रशासनिक प्रमंडल, 38 जिले एवं प्रमुख वन्यजीव अभयारण्य (state.bihar.gov.in)

क्र.सं.	प्रमंडल का नाम	मुख्यालय	जिलों की संख्या	सम्मिलित जिलों के नाम (state.bihar.gov.in)
1	पटना प्रमंडल	पटना	6 जिले	पटना, नालंदा (बिहारशरीफ), भोजपुर (आरा), बक्सर, रोहतास (सासाराम), कैमूर (भभुआ)
2	तिरहुत प्रमंडल	मुजफ्फरपुर	6 जिले	मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चंपारण (बेतिया), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), सीतामढ़ी, शिवहर, वैशाली (हाजीपुर)
3	मुंगेर प्रमंडल	मुंगेर	6 जिले	मुंगेर, जमुई, लखीसराय, शेखपुरा, बेगूसराय, खगड़िया
4	मगध प्रमंडल	गया	5 जिले	गया, नवादा, औरंगाबाद, जहानाबाद, अरवल (38वाँ नवीनतम जिला — 2001 में जहानाबाद से पृथक)
5	पूर्णिया प्रमंडल	पूर्णिया	4 जिले	पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज
6	दरभंगा प्रमंडल	दरभंगा	3 जिले	दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर
7	कोसी प्रमंडल	सहरसा	3 जिले	सहरसा, सुपौल, मधेपुरा
8	सारण प्रमंडल	छपरा	3 जिले	सारण (छपरा), सीवान, गोपालगंज
9	भागलपुर प्रमंडल	भागलपुर	2 जिले	भागलपुर, बांका (सबसे कम जिलों वाला प्रमंडल)

• **बिहार के प्रमुख वन्यजीव एवं पक्षी अभयारण्य (state.bihar.gov.in):**

• 1. **कैमूर वन्यजीव अभयारण्य (कैमूर एवं रोहतास):** लगभग 1,342 वर्ग किमी — बिहार का **सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य** (भविष्य का दूसरा टाइगर रिजर्व प्रस्तावित)।

• 2. **वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य (पश्चिमी चंपारण):** गंडक नदी के तट पर बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिजर्व।

• 3. **उदयपुर वन्यजीव अभयारण्य (पश्चिमी चंपारण):** गंडक नदी की गोखुर झील के चारों ओर स्थित।

• 4. **भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य (मुंगेर):** खड़गपुर की पहाड़ियों में गर्म जलकुंडों से युक्त अभयारण्य।

• 5. **गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य (गया):** 1976 में स्थापित बिहार के सबसे पुराने अभयारण्यों में से एक।

• 6. **पंत (राजगीर) वन्यजीव अभयारण्य (नालंदा):** पाँच पहाड़ियों के मध्य स्थित; यहाँ जू सफारी व नेचर सफारी (ग्लास ब्रिज) निर्मित है।

• 7. **रजौली वन्यजीव अभयारण्य (नवादा):** दक्षिणी पठारी वन क्षेत्र।

• 8. **विक्रमशिला गंगेटिक डॉल्फिन अभयारण्य (भागलपुर):** सुल्तानगंज से कहलगाँव तक 60 किमी गंगा नदी क्षेत्र में भारत का प्रथम डॉल्फिन अभयारण्य (5 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस' मनाया जाता है तथा पटना विश्वविद्यालय परिसर में 'राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र' स्थापित है)।

• 9. **बरेला झील सलीम अली जुब्बा सहनी पक्षी अभयारण्य (वैशाली):** प्रवासी पक्षियों का प्रमुख केंद्र।

• 10. **कुशेश्वर स्थान पक्षी अभयारण्य (दरभंगा), गोगाबिल पक्षी विहार (कटिहार), कावर झील पक्षी विहार (बेगूसराय) एवं नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य (जमुई)**।

• **बिहार के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं उनके उपनाम (www.iucacademy.com):**

• 1. **डॉ. राजेंद्र प्रसाद (जीरादेई, सीवान):** 'देशरत्न' एवं 'अजातशत्रु' (संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष व भारत के प्रथम राष्ट्रपति; पुस्तक: इंडिया डिवाइडेड)।

• 2. **जयप्रकाश नारायण (सिताबदियारा, सारण):** 'लोकनायक' (संपूर्ण क्रांति के प्रणेता, 1999 में भारत रत्न; पुस्तक: व्हाई सोशलिज्म)।

• 3. **डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (बरबीघा/खानवाँ, नवादा-मुंगेर):** 'बिहार केसरी' (बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री; जमींदारी उन्मूलन के प्रणेता)।

• 4. **डॉ. अनुग्रह नारायण सिन्हा (पोइवाँ, औरंगाबाद):** 'बिहार विभूति' (बिहार के प्रथम उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री)।

• 5. **बाबू जगजीवन राम (चंदवा, आरा/भोजपुर):** 'बाबूजी' (अंतरिम सरकार 1946 में श्रम मंत्री व सर्वाधिक लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री रहने का रिकॉर्ड)।

• 6. **कर्पूरी ठाकुर (पितौझिया/कर्पूरीग्राम, समस्तीपुर):** 'जननायक' (बिहार के दो बार मुख्यमंत्री, 1978 में मुंगेरीलाल आयोग लागू किया, 2024 में मरणोपरांत **भारत रत्न** से सम्मानित)।

• 7. **रामधारी सिंह 'दिनकर' (सिमरिया, बेगूसराय):** 'राष्ट्रकवि' (उर्वशी के लिए 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार, संस्कृति के चार अध्याय के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार)।

• 8. **विद्यापति ठाकुर (बिस्फी, मधुबनी):** 'मैथिल कोकिल' (कीर्तिलता, कीर्तिपताका और पदावली के रचयिता)।

• 9. **वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' (सतलखा/तरौनी, मधुबनी-दरभंगा):** 'बाबा' / आधुनिक कबीर (मैथिली में 'यात्री' नाम से लेखन; पत्रहीन नग्न गाछ के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार)।

• 10. **फणीश्वरनाथ 'रेणु' (औराही हिंगना, अररिया/पूर्णिया):** आंचलिक उपन्यासकार (मैला आँचल और परती परिकथा के रचयिता)।

13.5 मध्य प्रदेश के 10 संभाग, 55 जिले, प्रमुख महल-मकबरे एवं सांस्कृतिक अकादमियाँ (mp.gov.in)

क्र.सं.	संभाग का नाम	मुख्यालय	जिलों की संख्या	सम्मिलित जिलों के नाम (mp.gov.in)
1	जबलपुर संभाग (क्षेत्रफल में सबसे बड़ा)	जबलपुर	9 जिले	जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, **पांढुर्णा (54वाँ जिला — छिंदवाड़ा से पृथक)**
2	इंदौर संभाग (जनसंख्या में सबसे बड़ा)	इंदौर	8 जिले	इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खरगोन (पश्चिमी निमाड़), खंडवा (पूर्वी निमाड़), बुरहानपुर, बड़वानी
3	उज्जैन संभाग	उज्जैन	7 जिले	उज्जैन, देवास, रतलाम, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच

क्र.सं.	संभाग का नाम	मुख्यालय	जिलों की संख्या	सम्मिलित जिलों के नाम (mp.gov.in)
4	रीवा संभाग	रीवा	6 जिले	रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, **मऊगंज (53वाँ जिला — रीवा से पृथक)**, **मैहर (55वाँ जिला — सतना से पृथक)**
5	सागर संभाग	सागर	6 जिले	सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी (52वाँ जिला — 1 अक्टूबर 2018)
6	भोपाल संभाग	भोपाल	5 जिले	भोपाल, सीहोर, रायसेन, राजगढ़, विदिशा
7	ग्वालियर संभाग	ग्वालियर	5 जिले	ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया
8	नर्मदापुरम (होशंगाबाद) संभाग	नर्मदापुरम	3 जिले	नर्मदापुरम (होशंगाबाद), हरदा, बैतूल
9	चंबल संभाग	मुरैना	3 जिले	मुरैना, भिंड, श्योपुर
10	शहडोल संभाग (10वाँ नवीनतम)	शहडोल	3 जिले	शहडोल, उमरिया, अनूपपुर

• मध्य प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक किले, महल, समाधियाँ एवं मकबरे (mp.gov.in):

• 1. **ग्वालियर का किला ('पूर्व का जिब्राल्टर' / 'किलों का रत्न'):** कछवाहा शासक सूरजसेन द्वारा 525 ईस्वी में निर्मित; इसमें मानसिंह तोमर द्वारा निर्मित **'मान मंदिर महल' और 'गुजरी महल'**, **'तेली का मंदिर' (उत्तर भारत में द्रविड़ शैली का एकमात्र मंदिर)** तथा **'सास-बहू (सहस्रबाहु) का मंदिर'** स्थित हैं। ग्वालियर में ही **तानसेन का मकबरा, मुहम्मद गौस का मकबरा और रानी लक्ष्मीबाई एवं झलकारी बाई की समाधि** स्थित है।

• 2. **धार एवं मांडू के स्थापत्य:** धार के किले का पुनर्निर्माण मुहम्मद बिन तुगलक ने कराया (इसमें खरबूजा महल व कालका देवी मंदिर है); मांडू (धार) में **अशर्फी महल, दाई का महल, जहाज महल (गयासुद्दीन खिलजी द्वारा मुंज व कपूर तालाब के मध्य निर्मित), हिंडोला महल, होशंगशाह का मकबरा, बाज बहादुर महल व रानी रूपमती मंडप** स्थित हैं।

• 3. **चंदेरी (अशोकनगर) एवं ओरछा (निवाड़ी) के स्थापत्य:** चंदेरी में प्रतिहार नरेश कीर्तिपाल द्वारा निर्मित किला (जिसमें जौहर कुंड, हवा महल, नौखंडा महल व कौशक महल हैं) तथा ओरछा (बेतवा नदी तट) में बुंदेला शासकों द्वारा निर्मित **जहाँगीर महल (वीरसिंह देव बुंदेला), राजमहल, राय प्रवीण महल, चतुर्भुज मंदिर, रामराजा मंदिर और लक्ष्मी नारायण मंदिर** स्थित हैं।

• 4. **रायसेन एवं असीरगढ़ का किला:** रायसेन किले में **बादल महल, राजा रोहित महल और इत्रदार महल** हैं; बुरहानपुर के **असीरगढ़ किले ('दक्षिण की कुंजी')** को अकबर ने 1601 ईस्वी में सोने की चाबियों से खोला था (यह अकबर की अंतिम विजय थी और बुरहानपुर में ही मुमताज महल की प्रारंभिक कब्र व 'काला ताजमहल' है)।

• 5. **प्रमुख समाधियाँ एवं मकबरे: रानी दुर्गावती की समाधि — बरेला (जबलपुर); रानी अवंतीबाई की समाधि — मंडला/डिंडोरी; तात्या टोपे की समाधि — शिवपुरी; पेशवा बाजीराव प्रथम की समाधि — रावेरखेड़ी (खरगोन, नर्मदा तट); बैजू बावरा की समाधि — चंदेरी (अशोकनगर); कान्हा बाबा की समाधि — सोडलपुर (हरदा); अब्दुल शाह चंगल का मकबरा — धार**; और **पीर बुधन का मकबरा — साँवरा (शिवपुरी)**।

• मध्य प्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं सांस्कृतिक संस्थान (www.iucacademy.com):

• 1. **प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यकार:** महाकवि **कालिदास** (उज्जैन — अभिज्ञानशाकुंतलम्, मेघदूतम्, रघुवंशम्), **भर्तृहरि** (शतकत्रय — नीतिशतक, श्रृंगारशतक, वैराग्यशतक), **बाणभट्ट** (हर्षचरित, कादंबरी), **भवभूति** (मालतीमाधव, उत्तररामचरितम्), **आचार्य केशवदास** (ओरछा — 'कठिन काव्य का प्रेत', रामचंद्रिका, रसिकप्रिया, कविप्रिया), **पद्माकर** (सागर — गंगालहरी, जगद्विनोद) और **भूषण** (शिवराज भूषण, छत्रसाल दशक)।

• 2. **आधुनिक साहित्यकार एवं लोककवि: माखनलाल चतुर्वेदी** (जन्म: बाबई/माखननगर, नर्मदापुरम — 'एक भारतीय आत्मा', हिमतरंगिणी के लिए 1955 में प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार, पत्रिका: कर्मवीर), **सुभद्रा कुमारी चौहान** (झाँसी की रानी, बिखरे मोती, मुकुल), **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'** (शाजापुर — उर्मिला, कुमकुम), **हरिशंकर परसाई** (जमानी, नर्मदापुरम — व्यंग्यकार, रानी नागफनी की कहानी, विकलांग श्रद्धा का दौर), **गजानन माधव मुक्तिबोध** (श्योपुर — चाँद का मुँह टेढ़ा है), **शरद जोशी** (उज्जैन — जीप पर सवार इल्लियाँ), **संत सिंगाजी** ('निमाड़ का कबीर'), **घाघ** (कृषि कहावतें) और **ईसुरी** ('बुंदेलखंड का जयदेव' — फाग गायन)।

• 3. **प्रमुख सांस्कृतिक समारोह एवं अकादमियाँ: कालिदास अकादमी (1977) व कालिदास समारोह — उज्जैन; भारत भवन (13 फरवरी 1982, वास्तुकार: चार्ल्स कोरिया), रवींद्र भवन, हिंदी ग्रंथ अकादमी (1969), उर्दू अकादमी (1976), इकबाल अकादमी, अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादमी व ध्रुपद समारोह — भोपाल; तथा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह — मैहर**।

13.6 राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ, प्रजामंडल आंदोलन एवं प्रमुख अनुसंधान संस्थान (rajasthan.gov.in)

क्र.सं.	सभ्यता / प्रजामंडल / संस्थान	जिला / नदी / स्थापना वर्ष (rajasthan.gov.in)	खोजकर्ता / संस्थापक / मुख्य नेतृत्व	परीक्षा हेतु निर्णायक तथ्य (www.iucacademy.com)
1	कालीबंगा सभ्यता (कांस्ययुगीन सिंधु सभ्यता)	**हनुमानगढ़ जिला** (घग्गर नदी के बाएँ तट पर)	खोज: **अमलानंद घोष (1952)**; उत्खनन: **बी.बी. लाल व बी.के. थापर (1961-69)**	शाब्दिक अर्थ 'काली चूड़ियाँ'; **विश्व में जूते हुए खेत के प्राचीनतम साक्ष्य**, एक साथ दो फसलें उगाने के प्रमाण, 7 **अग्निवेदिकाएँ**, लकड़ी की नाली, भूकंप के साक्ष्य व अलंकृत ईंटें; दशरथ शर्मा ने इसे सिंधु सभ्यता की 'तीसरी राजधानी' कहा
2	आहड़ सभ्यता (ताम्रवती नगरी / आघाटपुर / धूलकोट)	**उदयपुर जिला** (आयड़ / बेड़च नदी तट; बनास संस्कृति)	खोज: **अक्षय कीर्ति व्यास (1953)**; उत्खनन: रतनचंद्र अग्रवाल व **एच.डी. सांकलिया (1961)**	4,000 वर्ष पुरानी ताम्रपाषाणिक ग्रामीण सभ्यता; लाल-काले मृदभांड, अनाज रखने के बड़े मिट्टी के बर्तन **'गोरे व कोठे'**, ताँबा गलाने की भट्ठियाँ, बिना हत्थे के जलपात्र (ईरानी प्रभाव) व संयुक्त परिवार की 6 चूल्हों वाली रसोई
3	गणेश्वर एवं बैराठ सभ्यता	गणेश्वर: **नीमकाथाना/सीकर (कांतली नदी)**; बैराठ: **कोटपूतली-बहरोड़/जयपुर (बाणगंगा नदी)**	गणेश्वर: रतनचंद्र अग्रवाल व विजय कुमार (1972-77); बैराठ: दयाराम साहनी (1936), नील रत्न बनर्जी व कैलाशनाथ दीक्षित	**गणेश्वर (2800 ई.पू.) को 'ताम्रयुगीन सभ्यताओं की जननी'** कहते हैं (99% शुद्ध ताँबे के बाणाग्र व मछली पकड़ने के काँटे, पत्थर के बांध); **बैराठ (विराटनगर)** से **बीजक की पहाड़ी पर अशोक का भाब्रू शिलालेख (1837 कैप्टन बर्ट)**, गोल बौद्ध मंदिर व सूती कपड़े में बँधी पंचमार्क/यूनानी मुद्राएँ मिलीं
4	बागोर एवं बालाथल सभ्यता	बागोर: **भीलवाड़ा (कोठारी नदी तट)**; बालाथल: **उदयपुर (वल्लभनगर)**	दोनों का उत्खनन: **डॉ. वी.एन. मिश्र (वीरेंद्र नाथ मिश्र)**	**बागोर (महासतियों का टीला)** से मध्यपाषाण काल के **प्राचीनतम पशुपालन के साक्ष्य** और 14 प्रकार की कृषि के प्रमाण मिले हैं; बालाथल से 11 कमरों का विशाल भवन व बुना हुआ कपड़ा मिला है
5	जयपुर एवं बूँदी प्रजामंडल	स्थापना: **1931** (जयपुर पुनर्गठन: 1936-38)	जयपुर: **कर्पूरचंद पाटनी (1931)**, पुनर्गठन: **जमनालाल बजाज व हीरालाल शास्त्री**; बूँदी: **कांतिलाल चौथानी**	जयपुर राजस्थान का **प्रथम प्रजामंडल** था; 1942 में हीरालाल शास्त्री व मिर्जा इस्माइल के बीच **'जेंटलमैन एग्रीमेंट'** हुआ (जिसके विरोध में बाबा हरिश्चंद्र ने 'आजाद मोर्चा' बनाया)
6	मारवाड़ (जोधपुर), हाड़ौती एवं बीकानेर प्रजामंडल	मारवाड़ व हाड़ौती: **1934**; बीकानेर: **1936 (कोलकाता में स्थापित)**	मारवाड़: **जयनारायण व्यास व भँवरलाल सर्राफ**; कोटा/हाड़ौती: **पंडित नयनूराम शर्मा**; बीकानेर: **मघाराम वैद्य**	बीकानेर एकमात्र प्रजामंडल था जिसकी स्थापना राजस्थान से बाहर **कोलकाता** में हुई (सिरोही की मुंबई में और भरतपुर की रेवाड़ी में); 1942 में जोधपुर जेल में भूख हड़ताल से **बालमुकुंद बिस्सा** शहीद हुए ('राजस्थान का जतिन दास')
7	मेवाड़, अलवर, भरतपुर, शाहपुरा एवं सिरोही प्रजामंडल	मेवाड़, अलवर, भरतपुर, शाहपुरा, करौली: **1938**; सिरोही: **1939**	मेवाड़: **माणिक्यलाल वर्मा (संस्थापक) व बलवंत सिंह मेहता (अध्यक्ष)**; भरतपुर: किशन लाल जोशी; शाहपुरा: रमेशचंद्र ओझा; सिरोही: **गोकुलभाई भट्ट ('राजस्थान के गांधी')**	19 जून 1942 को डूंगरपुर के **रास्तापाल कांड** में अपने शिक्षक सेंगाभाई को बचाते हुए 13 वर्षीय भील बालिका **कालीबाई** शहीद हुई (डूंगरपुर प्रजामंडल 1944: **भोगीलाल पंड्या — 'वागड़ के गांधी'**); **झालावाड़ (1946 — मांगीलाल भव्य)** राज्य का अंतिम प्रजामंडल था
8	राजस्थान के प्रमुख कृषि एवं शुष्क अनुसंधान संस्थान	जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर एवं टोंक	1. **काजरी (CAZRI — केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, 1959) व आफरी (AFRI — शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, 1985): जोधपुर**	2. **राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान निदेशालय: सेवर (भरतपुर — 1993)**; 3. **राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र: तबीजी (अजमेर — 2000)**; 4. **केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान: अविकानगर (मालपुरा, टोंक — 1962)**; 5. **केंद्रीय ऊँट, अश्व, खजूर व बेर अनुसंधान केंद्र: जोड़बीड़ (बीकानेर)**

13.7 चतुर्थ-राज्य तुलनात्मक मास्टर चेकलिस्ट: परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पूर्व अंतिम दृष्टि (www.iucacademy.com)

• **1. राज्य मानवाधिकार आयोग एवं लोकायुक्त व्यवस्था:**

• **उत्तर प्रदेश (up.gov.in):** उत्तर प्रदेश लोकायुक्त अधिनियम 1975 के तहत **न्यायमूर्ति विशम्भर दयाल** राज्य के प्रथम लोकायुक्त (1977) बने (वर्तमान में कार्यकाल 8 वर्ष); राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन 2002 में हुआ।

• **बिहार (state.bihar.gov.in):** बिहार लोकायुक्त अधिनियम 1973 के तहत **श्रीधर वासुदेव सोहोनी** प्रथम लोकायुक्त बने; बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग 2000/2008 में पुनर्गठित हुआ।

• **मध्य प्रदेश (mp.gov.in):** मध्य प्रदेश लोकायुक्त अधिनियम 1981 के तहत **न्यायमूर्ति पी.वी. दीक्षित** प्रथम लोकायुक्त बने; राज्य मानवाधिकार आयोग 1995 में गठित हुआ।

• **राजस्थान (rajasthan.gov.in):** राजस्थान लोकायुक्त एवं उप-लोकायुक्त अधिनियम 1973 के तहत **न्यायमूर्ति आई.डी. दुआ** प्रथम लोकायुक्त बने; राज्य मानवाधिकार आयोग 1999/2000 (प्रथम अध्यक्ष: कांता भटनागर) में कार्यशील हुआ।

• **2. प्रथम राज्यपाल एवं प्रथम मुख्यमंत्री (चारों राज्य एक साथ):**

• **उत्तर प्रदेश:** प्रथम राज्यपाल — **सरोजिनी नायडू** (भारत की भी प्रथम महिला राज्यपाल); प्रथम मुख्यमंत्री — **पंडित गोविंद वल्लभ पंत**।

• **बिहार:** स्वतंत्रता के बाद प्रथम राज्यपाल — **जयरामदास दौलतराम**; प्रथम मुख्यमंत्री — **डॉ. श्रीकृष्ण सिंह** (प्रथम महिला मुख्यमंत्री: राबड़ी देवी)।

• **मध्य प्रदेश:** प्रथम राज्यपाल — **डॉ. पट्टाभि सीतारमैया** (प्रथम महिला राज्यपाल: सरला ग्रेवाल); प्रथम मुख्यमंत्री — **पंडित रविशंकर शुक्ल** (प्रथम महिला मुख्यमंत्री: उमा भारती)।

• **राजस्थान:** प्रथम राज्यपाल — **सरदार गुरुमुख निहाल सिंह** (1 नवंबर 1956 से; प्रथम महिला राज्यपाल: प्रतिभा पाटिल); प्रथम मनोनीत मुख्यमंत्री — **हीरालाल शास्त्री** एवं प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री — **टीकाराम पालीवाल** (प्रथम महिला मुख्यमंत्री: वसुंधरा राजे)।

• **3. आधिकारिक पोर्टल एवं प्रामाणिक अध्ययन स्रोत सूची:**

• उत्तर प्रदेश शासन आधिकारिक पोर्टल: **up.gov.in**

• उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद एवं भूलेख पोर्टल: **bor.up.gov.in**

• बिहार सरकार आधिकारिक पोर्टल: **state.bihar.gov.in**

• मध्य प्रदेश शासन आधिकारिक पोर्टल: **mp.gov.in**

• राजस्थान सरकार आधिकारिक पोर्टल: **rajasthan.gov.in**

• भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय: **censusindia.gov.in**

• IUC अकादमी (Inclusive Universal Careers Academy) निःशुल्क अध्ययन एवं मॉक टेस्ट मंच: **www.iucacademy.com**

13.8 चारों राज्यों के प्रमुख नगरों के भौगोलिक एवं औद्योगिक उपनाम (up.gov.in / state.bihar.gov.in / mp.gov.in / rajasthan.gov.in)

क्र.सं.	राज्य	जनपद / नगर का नाम	प्रसिद्ध भौगोलिक / सांस्कृतिक / औद्योगिक उपनाम (www.iucacademy.com)
1	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	नवाबों का शहर, बागों का नगर, नजाकत-नफासत का शहर, आमों का नगर (मलीहाबाद)
2	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	घाटों का नगर, विश्व की प्राचीनतम जीवित नगरी, मुक्ति नगर, मंदिरों एवं घंटियों का शहर
3	उत्तर प्रदेश	प्रयागराज	संगम नगरी, कुंभ नगरी, तीर्थराज, अमरूद नगरी (इलाहाबादी सफेदा), ईश्वर का निवास स्थान
4	उत्तर प्रदेश	आगरा	ताज नगरी, पेठा नगरी
5	उत्तर प्रदेश	कानपुर नगर	उत्तर भारत का मैनचेस्टर, चर्म नगरी, उद्योग नगरी
6	उत्तर प्रदेश	कन्नौज	इत्र नगरी, खुशबुओं का शहर, पूर्व का ग्रास (महोदय श्री / कान्यकुब्ज)
7	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	पीतल नगरी, बर्तनों का शहर
8	उत्तर प्रदेश	फिरोजाबाद	सुहाग नगरी, चूड़ी नगरी, काँच नगरी
9	उत्तर प्रदेश	अलीगढ़	ताला नगरी
10	उत्तर प्रदेश	मेरठ	कैंची नगरी, क्रांति नगरी (10 मई 1857), खेल के सामान का नगर
11	उत्तर प्रदेश	गाजीपुर	काशी की बहन (लॉर्ड कार्नवालिस का मकबरा एवं अफीम कारखाना स्थित)
12	उत्तर प्रदेश	जौनपुर	सिराज-ए-हिंद (पूर्व का सिराज)

क्र.सं.	राज्य	जनपद / नगर का नाम	प्रसिद्ध भौगोलिक / सांस्कृतिक / औद्योगिक उपनाम (www.iucacademy.com)
13	उत्तर प्रदेश	रामपुर	चाकू का शहर, नवाबों का शहर
14	उत्तर प्रदेश	बरेली	सुरमा नगरी, बाँस बरेली, झुमका नगरी
15	उत्तर प्रदेश	भदोही	कालीन नगरी
16	उत्तर प्रदेश	सोनभद्र	भारत की ऊर्जा राजधानी (पावर कैपिटल ऑफ इंडिया), सोनांचल
17	उत्तर प्रदेश	प्रतापगढ़	आँवला नगरी
18	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	नाथ नगरी, गीता प्रेस नगरी, टेराकोटा शहर
19	बिहार	पटना	पाटलिपुत्र, कुसुमपुर, अजीमाबाद, ज्ञान व मोक्ष की भूमि का प्रवेश द्वार
20	बिहार	भागलपुर	सिल्क सिटी (रेशम नगरी), अंग प्रदेश
21	बिहार	मुजफ्फरपुर	लीची की भूमि (शाही लीची नगरी), उत्तर बिहार की सांस्कृतिक राजधानी
22	बिहार	गया	मोक्ष भूमि, ज्ञान नगरी (बोधगया), फल्गु नगरी
23	बिहार	नालंदा (बिहारशरीफ)	ज्ञान की प्राचीन भूमि
24	बिहार	मुंगेर	योग नगरी (बिहार स्कूल ऑफ योगा), बंदूक नगरी
25	बिहार	दरभंगा	मिथिला का हृदय, मखाना नगरी
26	बिहार	बेगूसराय	बिहार की औद्योगिक राजधानी (बरौनी), दिनकर की भूमि
27	बिहार	रोहतास	बिहार का धान का कटोरा, पायराइट नगरी
28	बिहार	हाजीपुर (वैशाली)	केला नगरी (चिनिया केला), विश्व के प्रथम गणतंत्र की भूमि
29	मध्य प्रदेश	इंदौर	मिनी मुंबई, अहिल्या नगरी, मध्य प्रदेश की आर्थिक एवं खेल राजधानी, भारत का सबसे स्वच्छ शहर
30	मध्य प्रदेश	भोपाल	झीलों की नगरी (भोजपाल), नवाबों का शहर
31	मध्य प्रदेश	जबलपुर	संगमरमर नगरी (मार्बल सिटी), संस्कारधानी (विनोबा भावे द्वारा नामित), मध्य प्रदेश की न्यायिक राजधानी
32	मध्य प्रदेश	उज्जैन	महाकाल की नगरी, मंदिरों-मूर्तियों का नगर, अवंतिका, मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी
33	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	तानसेन की नगरी, पूर्व का जिब्राल्टर
34	मध्य प्रदेश	पन्ना	हीरा नगरी, आँवला जिला
35	मध्य प्रदेश	कटनी	चूना नगरी (लाइम सिटी)
36	मध्य प्रदेश	सिंगरौली (बैढ़न)	मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी, भारत का सिंगापुर (प्रस्तावित औद्योगिक विकास)
37	मध्य प्रदेश	बालाघाट	मैंगनीज नगरी एवं ताँबा नगरी (मलाजखंड)
38	मध्य प्रदेश	पीथमपुर (धार)	भारत का डेट्रॉयट (ऑटोमोबाइल हब)
39	मध्य प्रदेश	मांडू (धार)	आनंद की नगरी (सिटी ऑफ जॉय), महलों की नगरी
40	मध्य प्रदेश	पचमढ़ी (नर्मदापुरम)	सतपुड़ा की रानी, मध्य प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी व पर्यटकों का स्वर्ग
41	मध्य प्रदेश	खंडवा एवं खरगोन	सुनहरे जिले (कपास उत्पादन के कारण — गोल्डन डिस्ट्रिक्ट्स)
42	मध्य प्रदेश	सिवनी	मध्य प्रदेश का लखनऊ (लाख एवं रेशम उत्पादन के कारण)
43	राजस्थान	जयपुर	गुलाबी नगरी (पिंक सिटी — रामसिंह द्वितीय द्वारा 1876 में प्रिंस अल्बर्ट के स्वागत में), रत्न नगरी, भारत का पेरिस
44	राजस्थान	उदयपुर	झीलों की नगरी, पूर्व का वेनिस, सैलानियों का स्वर्ग, फाउंटेन व माउंटेन का शहर
45	राजस्थान	जोधपुर	सूर्य नगरी (सन सिटी), नीली नगरी (ब्लू सिटी), मरुस्थल का प्रवेश द्वार

क्र.सं.	राज्य	जनपद / नगर का नाम	प्रसिद्ध भौगोलिक / सांस्कृतिक / औद्योगिक उपनाम (www.iucacademy.com)
46	राजस्थान	जैसलमेर	स्वर्ण नगरी (गोल्डन सिटी), हवेलियों व झरोखों का शहर, पीले पत्थरों का शहर, राजस्थान का अंडमान
47	राजस्थान	अजमेर	राजस्थान का हृदय, भारत का मक्का (ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह), अंडों की टोकरी
48	राजस्थान	कोटा	राजस्थान का कानपुर (औद्योगिक नगरी), शिक्षा नगरी, राजस्थान का नालंदा, उद्यानों का नगर
49	राजस्थान	भीलवाड़ा	राजस्थान का मैनचेस्टर, वस्त्र नगरी (टेक्सटाइल सिटी), अभ्रक नगरी
50	राजस्थान	चित्तौड़गढ़	राजस्थान का गौरव, भक्ति व शक्ति की नगरी
51	राजस्थान	भरतपुर	राजस्थान का प्रवेश द्वार, पूर्वी सिंहद्वार
52	राजस्थान	जालोर	ग्रेनाइट सिटी, सुवर्णगिरि
53	राजस्थान	बाड़मेर (किराडू)	राजस्थान का खजुराहो (किराडू के मंदिर, बाड़मेर)
54	राजस्थान	झालावाड़	राजस्थान का नागपुर (संतरा उत्पादन के कारण), घंटियों का शहर (झालरापाटन — सिटी ऑफ बेल्स)
55	राजस्थान	बूँदी	बावड़ियों का शहर (सिटी ऑफ स्टेपवेल्स), छोटी काशी
56	राजस्थान	डूंगरपुर	पहाड़ों की नगरी
57	राजस्थान	बाँसवाड़ा	सौ द्वीपों का शहर (माही नदी के टापुओं के कारण)
58	राजस्थान	श्रीगंगानगर	राजस्थान का अन्न का कटोरा, बागानों की भूमि
59	राजस्थान	बीकानेर	ऊँटों का देश, रतिघाटी, ऊन का घर
60	राजस्थान	माउंट आबू (सिरोही)	राजस्थान का शिमला, राजस्थान का वर्कहोयांस्क

13.9 चारों राज्यों की प्रमुख नदियों के तट पर बसे ऐतिहासिक एवं औद्योगिक नगर (www.iucacademy.com)

- **1. गंगा नदी के तट पर स्थित प्रमुख नगर:**
- **उत्तर प्रदेश (up.gov.in):** बिजनौर, गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़), नरौरा (बुलंदशहर), फर्रुखाबाद, फतेहगढ़, कन्नौज, बिठूर, कानपुर, डलमऊ (रायबरेली), श्रृंगवेरपुर, प्रयागराज, सिरसा, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी, गाजीपुर और बलिया।
- **बिहार (state.bihar.gov.in):** बक्सर, चौसा, आरा (समीपवर्ती), छपरा (गंगा-घाघरा संगम), पटना, सोनपुर (गंडक संगम), हाजीपुर, मोकामा, बेगूसराय, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर और कहलगाँव।
- **2. यमुना नदी के तट पर स्थित प्रमुख नगर (उत्तर प्रदेश):**
- सहारनपुर (सीमा), बागपत, मथुरा, वृंदावन, गोकुल, आगरा, बटेश्वर, फिरोजाबाद, इटावा, कालपी (जालौन), हमीरपुर, कौशांबी और प्रयागराज (संगम)।
- **3. गोमती नदी के तट पर स्थित प्रमुख नगर (उत्तर प्रदेश):**
- पीलीभीत, सीतापुर (नैमिषारण्य), लखनऊ, सुल्तानपुर और जौनपुर।
- **4. घाघरा (सरयू) एवं राप्ती नदी के तट पर स्थित नगर:**
- **सरयू/घाघरा:** अयोध्या, बरहज (देवरिया), छपरा (बिहार); **राप्ती:** गोरखपुर, बस्ती (समीप), श्रावस्ती।
- **5. नर्मदा नदी के तट पर स्थित प्रमुख नगर (मध्य प्रदेश — mp.gov.in):**
- अमरकंटक (अनूपपुर), मंडला, जबलपुर (भेड़ाघाट), नरसिंहपुर, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेमावर (देवास — नर्मदा का नाभि स्थल), ओंकारेश्वर (खंडवा), मंडलेश्वर, महेश्वर (खरगोन) और बड़वानी।
- **6. चंबल, बेतवा, क्षिप्रा एवं ताप्ती के तट पर स्थित प्रमुख नगर:**
- **चंबल:** महू, रतलाम, मंदसौर, श्योपुर, मुरैना (मध्य प्रदेश); रावतभाटा, कोटा, केशोरायपाटन, धौलपुर (राजस्थान — rajasthan.gov.in)।
- **बेतवा:** साँची, विदिशा, ओरछा (मध्य प्रदेश); ललितपुर, झांसी (समीप), हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)।

• **क्षिप्रा:** उज्जैन, देवास; **ताप्ती:** मुलताई, बुरहानपुर; **शिवना नदी:** मंदसौर (पशुपतिनाथ मंदिर); **कालीसिंध:** देवास, सोनकच्छ, गागरोन (झालावाड़)।

• **लूनी नदी:** अजमेर, बालोतरा; **बनास नदी:** नाथद्वारा (राजसमंद), मातृकुंडिया (चित्तौड़गढ़), टोंक, सवाई माधोपुर।

13.10 चारों राज्यों की भूमि पर लड़े गए भारतीय इतिहास के निर्णायक युद्ध एवं संधियाँ (www.iucacademy.com)

• **1. चंदावर का युद्ध (1194 ईस्वी — फिरोजाबाद/इटावा, उत्तर प्रदेश):** मुहम्मद गोरी ने कन्नौज के गहड़वाल शासक जयचंद को पराजित किया।

• **2. रणथंभौर का युद्ध (1301 ईस्वी — सवाई माधोपुर, राजस्थान):** अलाउद्दीन खिलजी ने हम्मीर देव चौहान को पराजित किया (राजस्थान का प्रथम साका)।

• **3. चित्तौड़गढ़ का प्रथम साका (1303 ईस्वी — राजस्थान):** अलाउद्दीन खिलजी बनाम रावल रतनसिंह (रानी पद्मिनी का जौहर)।

• **4. सारंगपुर का युद्ध (1437 ईस्वी — राजगढ़, मध्य प्रदेश):** महाराणा कुंभा ने मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी प्रथम को पराजित किया और इस विजय के उपलक्ष्य में चित्तौड़गढ़ में 'विजय स्तंभ' बनवाया।

• **5. खातोली का युद्ध (1517 ईस्वी) एवं बाड़ी का युद्ध (1518 ईस्वी — राजस्थान):** महाराणा सांगा ने दिल्ली सुल्तान इब्राहिम लोदी को पराजित किया।

• **6. खानवा का युद्ध (17 मार्च 1527 — रूपवास तहसील, भरतपुर, राजस्थान):** गम्भीरी नदी के तट पर बाबर ने तोपखाने व 'तुलुगमा युद्ध पद्धति' से महाराणा सांगा को पराजित किया और युद्ध के बाद 'गाजी' की उपाधि धारण की (rajasthan.gov.in)।

• **7. चंदेरी का युद्ध (1528 ईस्वी — अशोकनगर, मध्य प्रदेश) एवं घाघरा का युद्ध (1529 ईस्वी — बिहार सीमा):** बाबर ने चंदेरी में मेदिनी राय को और घाघरा में महमूद लोदी (अफगानों) को हराया।

• **8. चौसा का युद्ध (26 जून 1539 — बक्सर, बिहार) एवं कन्नौज/बिलग्राम का युद्ध (17 मई 1540 — कन्नौज, उत्तर प्रदेश):** शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को पराजित कर दिल्ली में द्वितीय अफगान साम्राज्य स्थापित किया (state.bihar.gov.in)।

• **9. गिरी-सुमेल (जैतारण) का युद्ध (जनवरी 1544 — पाली/ब्यावर, राजस्थान):** शेरशाह सूरी ने मारवाड़ के शासक मालदेव के वीर सेनापतियों **जेता और कूँपा** को बड़ी कठिनाई से हराया और कहा—"मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिंदुस्तान की बादशाहत खो देता"।

• **10. हल्दीघाटी का युद्ध (18 जून 1576 — राजसमंद, राजस्थान):** महाराणा प्रताप (हकीम खाँ सूर व राणा पूंजा भील सहित) और अकबर के सेनापति मानसिंह व आसफ खाँ के मध्य अनिर्णीत वीरतापूर्ण युद्ध; अबुल फजल ने इसे 'खमनोर का युद्ध' और बदायूँनी ने 'गोगुंदा का युद्ध' कहा।

• **11. दिवेर का युद्ध (अक्टूबर 1582 — राजसमंद, राजस्थान):** महाराणा प्रताप और अमर सिंह प्रथम की मुगल थाने पर निर्णायक विजय; कर्नल जेम्स टॉड ने इसे **'मेवाड़ का मैराथन'** कहा।

• **12. सामूगढ़ का युद्ध (1658 ईस्वी — आगरा, उत्तर प्रदेश) एवं खजुआ का युद्ध (1659 ईस्वी — फतेहपुर, उत्तर प्रदेश):** मुगल उत्तराधिकार युद्ध में औरंगजेब ने क्रमशः दारा शिकोह और शुजा को पराजित किया (up.gov.in)।

• **13. भोपाल का युद्ध (1737 ईस्वी — मध्य प्रदेश):** पेशवा बाजीराव प्रथम ने हैदराबाद के निजाम को पराजित कर दुरई सराय की संधि के लिए विवश किया (mp.gov.in)।

• **14. बक्सर का युद्ध (22 अक्टूबर 1764 — बक्सर, बिहार):** हेक्टर मुनरो के नेतृत्व वाली ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना ने बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला और मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना को हराया; इसके बाद **12 और 16 अगस्त 1765 को 'इलाहाबाद की प्रथम एवं द्वितीय संधि'** संपन्न हुई (censusindia.gov.in | www.iucacademy.com)।

13.11 चारों राज्यों के प्रमुख हवाई अड्डे, ताप एवं परमाणु विद्युत केंद्र तथा यूनेस्को धरोहर स्थल (up.gov.in | state.bihar.gov.in | mp.gov.in | rajasthan.gov.in)

क्र.सं.	राज्य	अवसंरचना / ऊर्जा केंद्र / यूनेस्को स्थल का नाम	संबंधित जिला / स्थान	मुख्य विशेषता एवं परीक्षा उपयोगी तथ्य (www.iucacademy.com)
1	उत्तर प्रदेश	चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमौसी, लखनऊ	राजधानी का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन (up.gov.in)

क्र.सं.	राज्य	अवसंरचना / ऊर्जा केंद्र / यूनेस्को स्थल का नाम	संबंधित जिला / स्थान	मुख्य विशेषता एवं परीक्षा उपयोगी तथ्य (www.iucacademy.com)
2	उत्तर प्रदेश	लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	बाबतपुर, वाराणसी	पूर्वांचल एवं काशी क्षेत्र का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
3	उत्तर प्रदेश	कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कुशीनगर	बौद्ध परिपथ (बुद्धिस्ट सर्किट) पर्यटन हेतु विकसित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
4	उत्तर प्रदेश	महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अयोध्या धाम	श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से संबद्ध आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा
5	उत्तर प्रदेश	नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर एयरपोर्ट)	जेवर, गौतम बुद्ध नगर	एशिया के सबसे बड़े प्रस्तावित विमानपत्तनों में से एक (5 अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला भारत का प्रथम राज्य)
6	उत्तर प्रदेश	अनपरा, ओबरा, सिंगरौली एवं रिहंद ताप विद्युत केंद्र	सोनभद्र	एनटीपीसी एवं राज्य विद्युत उत्पादन निगम के प्रमुख कोयला आधारित केंद्र
7	उत्तर प्रदेश	परीक्षा (झांसी), हरदुआगंज (अलीगढ़), पनकी (कानपुर), ऊँचाहार (रायबरेली) एवं दादरी (गौतम बुद्ध नगर)	झांसी, अलीगढ़, कानपुर, रायबरेली, गौतम बुद्ध नगर	उत्तर प्रदेश के प्रमुख ताप एवं गैस आधारित विद्युत संयंत्र
8	उत्तर प्रदेश	नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र	बुलंदशहर (गंगा तट)	उत्तर प्रदेश का एकमात्र कार्यरत परमाणु ऊर्जा संयंत्र (1991-92)
9	उत्तर प्रदेश	आगरा का किला (1983), ताजमहल (1983) एवं फतेहपुर सीकरी (1986)	आगरा	उत्तर प्रदेश के 3 स्थायी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थापत्य स्थल
10	बिहार	जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पटना	बिहार की राजधानी का मुख्य विमानपत्तन (state.bihar.gov.in)
11	बिहार	गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एवं दरभंगा हवाई अड्डा	गया एवं दरभंगा	बोधगया अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन एवं मिथिलांचल क्षेत्रीय संपर्कता का प्रमुख केंद्र
12	बिहार	कहलगाँव (भागलपुर), बाढ़ (पटना), काँटी (मुजफ्फरपुर), नवीनगर (औरंगाबाद) एवं बरौनी (बेगूसराय)	भागलपुर, पटना, मुजफ्फरपुर, औरंगाबाद, बेगूसराय	बिहार के प्रमुख ताप विद्युत गृह
13	बिहार	महाबोधि मंदिर परिसर (बोधगया — 2002) एवं नालंदा महाविहार के पुरातात्विक अवशेष (2016)	गया एवं नालंदा	बिहार के 2 विश्वप्रसिद्ध यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
14	मध्य प्रदेश	देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	इंदौर	मध्य प्रदेश का सबसे व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन (mp.gov.in)
15	मध्य प्रदेश	राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	भोपाल	राजधानी भोपाल का प्रमुख विमानपत्तन (अन्य: राजमाता विजयाराजे सिंधिया — ग्वालियर, डुमना/रानी दुर्गावती — जबलपुर, खजुराहो)
16	मध्य प्रदेश	विंध्याचल (सिंगरौली), सतपुड़ा (सारणी, बैतूल), अमरकंटक (चचाई, अनूपपुर), संजय गांधी (बिरसिंहपुर, उमरिया) एवं संत सिंगाजी (खंडवा)	सिंगरौली, बैतूल, अनूपपुर, उमरिया, खंडवा	मध्य प्रदेश के प्रमुख ताप विद्युत केंद्र; रीवा (गुढ़) में 750 मेगावाट का अल्ट्रा मेगा सोलर प्लांट और ओंकारेश्वर में 600 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट
17	मध्य प्रदेश	खजुराहो स्मारक समूह (1986), साँची के बौद्ध स्तूप (1989) एवं भीमबेटका शैलाश्रय (2003)	छतरपुर एवं रायसेन	मध्य प्रदेश के 3 स्थायी यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (ग्वालियर और ओरछा यूनेस्को अर्बन लैंडस्केप सिटी में शामिल)
18	राजस्थान	सांगानेर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	जयपुर	राजस्थान का प्रथम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (rajasthan.gov.in)

क्र.सं.	राज्य	अवसंरचना / ऊर्जा केंद्र / यूनेस्को स्थल का नाम	संबंधित जिला / स्थान	मुख्य विशेषता एवं परीक्षा उपयोगी तथ्य (www.iucacademy.com)
19	राजस्थान	महाराणा प्रताप हवाई अड्डा (डबोक, उदयपुर), रातानाडा (जोधपुर), नाल (बीकानेर) एवं किशनगढ़ (अजमेर)	उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर	राजस्थान के प्रमुख नागरिक एवं सामरिक विमानपत्तन
20	राजस्थान	रावतभाटा परमाणु विद्युत गृह (RAPP)	रावतभाटा, चित्तौड़गढ़	1973 में कनाडा के सहयोग से स्थापित भारत का दूसरा व राजस्थान का प्रथम परमाणु ऊर्जा केंद्र (चंबल नदी तट)
21	राजस्थान	सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर — राज्य का प्रथम सुपर थर्मल पावर), कोटा थर्मल, छबड़ा (बाराँ) एवं कालीसिंध (झालावाड़)	श्रीगंगानगर, कोटा, बाराँ, झालावाड़	राजस्थान के प्रमुख कोयला आधारित सुपर थर्मल पावर स्टेशन
22	राजस्थान	अंता गैस विद्युत परियोजना (बाराँ) एवं रामगढ़ गैस विद्युत परियोजना (जैसलमेर)	बाराँ एवं जैसलमेर	प्राकृतिक गैस आधारित प्रमुख विद्युत संयंत्र
23	राजस्थान	भड़ला सोलर पार्क	फलौदी / जोधपुर	2,245 मेगावाट क्षमता के साथ विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा पार्कों में से एक
24	राजस्थान	केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (1985), जंतर-मंतर जयपुर (2010), 6 पहाड़ी दुर्ग (2013) एवं जयपुर परकोटा शहर (2019)	भरतपुर, जयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, झालावाड़, जैसलमेर	राजस्थान के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (censusindia.gov.in | www.iucacademy.com)

13.12 चारों राज्यों के प्रमुख कृषि उत्पाद एवं भारत में अग्रणी स्थान (www.iucacademy.com)

• **1. उत्तर प्रदेश (up.gov.in | bor.up.gov.in):**

• देश में **प्रथम स्थान:** कुल खाद्यान्न उत्पादन, **गेहूँ**, **गन्ना**, **आलू**, **दुग्ध उत्पादन**, **आम**, **आँवला** (प्रतापगढ़), **अमरूद**, **तरबूज**, **खरबूजा** और **हरी मटर** के उत्पादन में उत्तर प्रदेश भारत में प्रथम स्थान पर है।

• नकदी फसल: राज्य की सबसे प्रमुख नकदी (वाणिज्यिक) फसल **गन्ना** है।

• **2. बिहार (state.bihar.gov.in):**

• देश में **प्रथम स्थान: लीची** (मुजफ्फरपुर — देश का लगभग 40%+ उत्पादन), **मखाना** (दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया — देश का 85%+ उत्पादन) और **मशरूम** के उत्पादन में बिहार भारत में प्रथम स्थान पर है।

• अन्य प्रमुख स्थान: **जूट (पटसन)** उत्पादन में पश्चिम बंगाल के बाद बिहार का देश में **दूसरा स्थान** (पूर्णिया व कटिहार प्रमुख) है तथा मक्का व सब्जी उत्पादन में बिहार शीर्ष राज्यों में शामिल है।

• **3. मध्य प्रदेश (mp.gov.in):**

• देश में **प्रथम स्थान / प्रमुख पहचान: सोयाबीन** ('सोया स्टेट'), **चना**, **कुल दलहन**, **अलसी**, **लहसुन**, **धनिया**, **अमरूद (उत्पादकता)** और **जैविक कृषि क्षेत्रफल** में मध्य प्रदेश देश में अग्रणी है।

• कपास एवं अफीम: खंडवा और खरगोन ('सुनहरे जिले') कपास के लिए तथा **मंदसौर और नीमच** अफीम उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं।

• **4. राजस्थान (rajasthan.gov.in):**

• देश में **प्रथम स्थान: सरसों एवं राई** ('सरसों का प्रदेश'), **बाजरा**, **ग्वार**, **ईसबगोल** (जालोर व बाड़मेर), **जीरा**, **मेथी**, **मेहंदी** (सोजत, पाली — जीआई टैग प्राप्त) और **ऊन उत्पादन** में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है (censusindia.gov.in | www.iucacademy.com)।

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य-विशेष सामान्य ज्ञान अध्ययन नोट्स (उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ तुलनात्मक अध्ययन सहित)

संस्थान: IUC Academy (Inclusive Universal Careers Academy)

पुस्तक कोड: Book-30 (Polished & Upgraded Master Edition)

लक्षित परीक्षाएँ: UPPSC (PCS), RO/ARO, BEO, UP Police (SI/Constable), UPSSSC (PET/VDO/Lekhpal), BPSC (Combined CCE, TRE), BSSC, बिहार दरोगा, MPPSC (State Service/Forest Service), MPESB, RPSC (RAS/RTS), राजस्थान पुलिस/पटवार, UKPSC, HPSC, JPSC एवं CGPSC।

★ **अध्ययन संदर्शिका:** यह अध्ययन नोट्स हिंदी पट्टी के समस्त राज्य लोक सेवा आयोगों एवं अधीनस्थ चयन आयोगों के नवीनतम परीक्षा पैटर्न, आधिकारिक आर्थिक सर्वेक्षणों, बजट दस्तावेजों, जनगणना 2011 के अंतिम आँकड़ों, भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट (ISFR) तथा अद्यतन प्रशासनिक पुनर्गठनों के आधार पर तैयार की गई है।

अनुभाग 1: 6 उन्नत राज्य-विशेष गहन अध्ययन मॉड्यूल

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अनुभाग 1: 6 उन्नत राज्य-विशेष गहन अध्ययन मॉड्यूल

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
मॉड्यूल 1 (क): उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Uttar Pradesh Complete Profile)	**मॉड्यूल 2 (ख): बिहार राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Bihar Complete Profile)**	**मॉड्यूल 3 (ग): मध्य प्रदेश राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Madhya Pradesh Complete Profile)**	**मॉड्यूल 4 (घ): राजस्थान राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Rajasthan Complete Profile)**

मॉड्यूल 1 (क): उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Uttar Pradesh Complete Profile)

1.1 उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक, संवैधानिक एवं भौगोलिक परिचय

उत्तर प्रदेश राज्य प्रोफाइल (Uttar Pradesh State Guide) एवं उत्तर प्रदेश आधिकारिक विवरण (Wikipedia) के अनुसार उत्तर प्रदेश भारत का जनसंख्या की दृष्टि से प्रथम (19,98,12,341 — देश की कुल जनसंख्या का 16.51%) तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के पश्चात **चौथा सबसे बड़ा राज्य** (2,40,928 वर्ग किमी — भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 7.33%) है।

- **ऐतिहासिक नामकरण एवं राजधानी परिवर्तन का कालक्रम:**
- **1836 ई.:** उत्तर-पश्चिम प्रांत (North-Western Provinces) — मुख्यालय: आगरा।
- **1858 ई.:** राजधानी आगरा से **इलाहाबाद (प्रयागराज)** स्थानांतरित की गई।
- **1877 ई.:** उत्तर-पश्चिम प्रांत एवं अवध (North-Western Provinces and Oudh)।
- **1902 ई.:** आगरा एवं अवध का संयुक्त प्रांत (United Provinces of Agra and Oudh)।
- **1921 ई.:** राजधानी प्रयागराज से **लखनऊ** (आंशिक रूप से) और **1935 ई.** में पूर्णतः लखनऊ स्थानांतरित की गई।
- **1937 ई.:** संयुक्त प्रांत (United Provinces - UP)।
- **24 जनवरी 1950:** 'उत्तर प्रदेश' नामकरण (प्रतिवर्ष **24 जनवरी** को 'उत्तर प्रदेश दिवस' मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2018 में हुई)।
- **1 नवंबर 1956:** राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अंतर्गत पुनर्गठन।
- **9 नवंबर 2000:** उत्तर प्रदेश के 13 पर्वतीय जिलों को पृथक कर **उत्तरांचल (वर्तमान उत्तराखंड)** राज्य का गठन किया गया।
- **भौगोलिक विस्तार एवं सीमावर्ती इकाइयाँ:**

• **अक्षांशीय विस्तार:** 23°52' उत्तरी अक्षांश से 30°24' उत्तरी अक्षांश तक (कुल अक्षांशीय विस्तार 6°32')।

• **देशांतरीय विस्तार:** 77°05' पूर्वी देशांतर से 84°38' पूर्वी देशांतर तक (कुल देशांतरीय विस्तार 7°33')।

• **पूर्व से पश्चिम की लंबाई:** 650 किमी | **उत्तर से दक्षिण की चौड़ाई:** 240 किमी।

• **सबसे पूर्वी जिला:** बलिया | **सबसे पश्चिमी जिला:** शामली | **सबसे उत्तरी जिला:** सहारनपुर | **सबसे दक्षिणी जिला:** सोनभद्र।

• **सीमावर्ती राज्य (8 राज्य + 1 केंद्र शासित प्रदेश + 1 राष्ट्र):** उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश (सबसे छोटी सीमा — केवल सहारनपुर से), हरियाणा, राजस्थान (आगरा व मथुरा), मध्य प्रदेश (सर्वाधिक 11 जिलों से सीमा — आगरा, इटावा, जालौन, झाँसी, ललितपुर, महोबा, बाँदा, चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र), छत्तीसगढ़ (सोनभद्र), झारखंड (सोनभद्र), बिहार (7 जिले — सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज) तथा केंद्र शासित प्रदेश **दिल्ली** (गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर)।

• **अंतर्राष्ट्रीय सीमा (नेपाल - 579 किमी):** उत्तर प्रदेश के **7 जिले** (पश्चिम से पूर्व क्रम: पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर एवं महाराजगंज) नेपाल के साथ सीमा साझा करते हैं।

• **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में शामिल यूपी के 8 जिले:** मेरठ, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, हापुड़, बागपत, मुजफ्फरनगर एवं शामली।

• **सोनभद्र की विशिष्टता:** भारत का एकमात्र जिला जो **4 राज्यों** (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं बिहार) को स्पर्श करता है। **ललितपुर** तीन ओर से मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है।

• **राजकीय प्रतीक एवं संवैधानिक संरचना:**

• **राजकीय पशु:** बारहसिंगा (Swamp Deer - *Rucervus duvaucelii*)

• **राजकीय पक्षी:** सारस अथवा क्रौंच (Sarus Crane - *Antigone antigone*)

• **राजकीय वृक्ष:** अशोक (*Saraca asoca*)

• **राजकीय पुष्प:** पलाश / टेसू (*Butea monosperma* — 4 जनवरी 2011 से घोषित; इसे 'जंगल की आग' भी कहा जाता है)

• **राजकीय चिह्न:** एक वृत्त में दो मछलियाँ (अवध के मुस्लिम शासन का प्रतीक), एक तीर-धनुष (भगवान श्रीराम का प्रतीक) एवं तीन तरंग रेखाएँ (गंगा-यमुना संगम का प्रतीक) — 1938 में स्वीकृत।

• **राजकीय खेल:** हॉकी | **राजकीय जलीय जीव:** गंगा डॉल्फिन (सूंस) | **राजकीय भाषा:** हिंदी (1947 से प्रथम राजभाषा) एवं उर्दू (1989 से द्वितीय राजभाषा)।

• **विधायिका एवं संसदीय सीटें:** द्विसदनात्मक विधायिका — **विधानसभा: 403 सीटें** (SC हेतु 84 व ST हेतु 2 सीटें आरक्षित), **विधान परिषद: 100 सीटें**, **लोकसभा: 80 सीटें** (SC हेतु 17 आरक्षित, ST हेतु 0), **राज्यसभा: 31 सीटें**।

• **उच्च न्यायालय:** इलाहाबाद उच्च न्यायालय (स्थापना 17 मार्च 1866 को आगरा में, 1869 में प्रयागराज स्थानांतरित; खंडपीठ: लखनऊ; स्वीकृत न्यायाधीश संख्या: 160 — भारत में सर्वाधिक)।

1.2 उत्तर प्रदेश के सभी 18 मंडल (Divisions) की प्रशासनिक संरचना

उत्तर प्रदेश राज्य गाइड (IUC Academy UP Guide) के अनुसार राज्य को प्रशासनिक दृष्टि से **18 मंडलों** और **75 जिलों** में विभाजित किया गया है (18वाँ नवीनतम मंडल **अलीगढ़** है जिसका गठन वर्ष 2008 में हुआ):

क्र.सं.	मंडल (Division) का नाम	मुख्यालय	जिलों की संख्या	सम्मिलित जिले (Districts Included)
1	**लखनऊ मंडल**	लखनऊ	6	लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी
2	**कानपुर मंडल**	कानपुर नगर	6	कानपुर नगर, कानपुर देहात (अकबरपुर माती), इटावा, फर्रुखाबाद (फतेहगढ़), कन्नौज, औरैया
3	**मेरठ मंडल**	मेरठ	6	मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर, गौतम बुद्ध नगर (नोएडा), बागपत, हापुड़
4	**अयोध्या मंडल**	अयोध्या	5	अयोध्या, सुल्तानपुर, बाराबंकी, अमेठी (गौरीगंज), अंबेडकर नगर (अकबरपुर)
5	**मुरादाबाद मंडल**	मुरादाबाद	5	मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर, अमरोहा (ज्योतिबा फुले नगर), संभल (पवांसा/बहजोई)

क्र.सं.	मंडल (Division) का नाम	मुख्यालय	जिलों की संख्या	सम्मिलित जिले (Districts Included)
6	**सागर/वाराणसी मंडल**	वाराणसी	4	वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली
7	**प्रयागराज मंडल**	प्रयागराज	4	प्रयागराज, प्रतापगढ़ (बेल्हा), फतेहपुर, कौशाम्बी (मंझनपुर)
8	**गोरखपुर मंडल**	गोरखपुर	4	गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर (पडरौना)
9	**देवीपाटन मंडल**	गोंडा	4	गोंडा, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती (भिनगा)
10	**बरेली मंडल**	बरेली	4	बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर, पीलीभीत
11	**आगरा मंडल**	आगरा	4	आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी
12	**अलीगढ़ मंडल** (18वाँ)	अलीगढ़	4	अलीगढ़, एटा, हाथरस (महामाया नगर), कासगंज (कांशीराम नगर)
13	**चित्रकूट धाम मंडल**	बाँदा	4	चित्रकूट (कर्वी), बाँदा, हमीरपुर, महोबा
14	**झाँसी मंडल**	झाँसी	3	झाँसी, ललितpur, जालौन (उरई)
15	**आजमगढ़ मंडल**	आजमगढ़	3	आजमगढ़, मऊ, बलिया
16	**बस्ती मंडल**	बस्ती	3	बस्ती, सिद्धार्थनगर (नौगढ़), संत कबीर नगर (खलीलाबाद)
17	**विंध्याचल (मिर्जापुर) मंडल**	मिर्जापुर	3	मिर्जापुर, सोनभद्र (रॉबर्ट्सगंज), भदोही (संत रविदास नगर - ज्ञानपुर)
18	**सहारनपुर मंडल**	सहारनपुर	3	सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली

1.3 उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों का विस्तृत प्रोफाइल एवं ODOP (एक जिला एक उत्पाद) मास्टर सारणी

24 जनवरी 2018 को प्रारंभ की गई **एक जिला एक उत्पाद योजना (One District One Product - ODOP UP)** तथा **Invest UP ODOP Compendium** और **PIB ODOP Report 2026** के अनुसार उत्तर प्रदेश के समस्त **75 जिलों** के आधिकारिक ODOP उत्पाद, प्रशासनिक मुख्यालय एवं प्रमुख भौगोलिक/ऐतिहासिक विशेषताओं का संपूर्ण विवरण नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	जिला (District)	मुख्यालय	मंडल	आधिकारिक ODOP उत्पाद (One District One Product)	प्रमुख ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं औद्योगिक पहचान
1	**आगरा**	आगरा	आगरा	चमड़ा उत्पाद एवं स्टोन/मार्बल इनले वर्क	ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी (3 यूनेस्को स्थल), बटेश्वर पशु मेला, सुलहकुल उत्सव
2	**अलीगढ़**	अलीगढ़	अलीगढ़	ताले एवं हार्डवेयर (Locks & Hardware) तथा मेटल हैंडीक्राफ्ट	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (1875/1920), शेखा झील पक्षी विहार, हरदुआगंज ताप विद्युत गृह
3	**अंबेडकर नगर**	अकबरपुर	अयोध्या	वस्त्र उत्पाद (टांडा टेरीकॉट व हैंडलूम)	किछौछा शरीफ (सैयद मखदूम अशरफ जहाँगीर दरगाह), तमसा नदी तट
4	**अमेठी**	गौरीगंज	अयोध्या	मूंज उत्पाद (Moonj Products)	कोरवा आयुध कारखाना (AK-203 राइफल निर्माण), जायसी स्मारक (जायस)
5	**अमरोहा**	अमरोहा	मुरादाबाद	वाद्य यंत्र (ढोलक) एवं रेडीमेड गारमेंट्स	तिगरी मेला (गंगा तट), कमाल अमरोही की जन्मस्थली, काष्ठ आधारित ढोलक उद्योग
6	**औरैया**	औरैया	कानपुर	दुग्ध प्रसंस्करण (देशी घी - Desi Ghee)	एनटीपीसी दिबियापुर गैस आधारित विद्युत संयंत्र, गेल पाटा पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स
7	**अयोध्या**	अयोध्या	अयोध्या	गुड़ (Jaggery) एवं प्रसंस्कृत उत्पाद	सरयू नदी तट, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, बहू बेगम का मकबरा, गुप्तार घाट
8	**आजमगढ़**	आजमगढ़	आजमगढ़	ब्लैक पॉटरी (निजामाबाद की काली मिट्टी की कलाकृतियाँ)	तमसा नदी तट, राहुल सांकृत्यायन व हरिऔध की कर्मभूमि, मुबारकपुर रेशमी साड़ी
9	**बागपत**	बागपत	मेरठ	होम फर्निशिंग (हथकरघा घरेलू सजावटी वस्त्र)	सिनौली पुरातात्विक स्थल (ताम्र-कांस्य युगीन रथ व शवाधान), आलमगीरपुर के निकट यमुना तट

क्र.सं.	जिला (District)	मुख्यालय	मंडल	आधिकारिक ODOP उत्पाद (One District One Product)	प्रमुख ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं औद्योगिक पहचान
10	**बहराइच**	बहराइच	देवीपाटन	गेहूँ के डंठल (Wheat Stalk) की हस्तशिल्प कला एवं खाद्य प्रसंस्करण	कतरनियाघाट वन्यजीव विहार, चित्तौरा झील (महाराजा सुहेलदेव स्मारक), सैयद सालार मसूद गाजी दरगाह
11	**बलिया**	बलिया	आजमगढ़	बिंदी (Bindi)	उत्तर प्रदेश का सबसे पूर्वी जिला, गंगा-घाघरा संगम, चित्तू पांडेय (1942 समानांतर सरकार), ददरी मेला, सुरहा ताल
12	**बलरामपुर**	बलरामपुर	देवीपाटन	खाद्य प्रसंस्करण (दालें - Pulses)	देवी पाटन मंदिर (तुलसीपुर), राप्ती नदी तट, थारू जनजाति संस्कृति
13	**बाँदा**	बाँदा	चित्रकूट	शजर पत्थर शिल्प (Shazar Stone Craft - केन नदी)	कालिंजर दुर्ग (शेरशाह सूरी की मृत्यु 1545), केन नदी तट, नवाब टैंक
14	**बाराबंकी**	बाराबंकी	अयोध्या	वस्त्र उत्पाद (हथकरघा व स्टोल/स्कार्फ)	देवा शरीफ (हाजी वारिस अली शाह की मजार), पारिजात वृक्ष (किंतूर), अफीम प्रसंस्करण क्षेत्र
15	**बरेली**	बरेली	बरेली	जरी-जरदोजी एवं बाँस/बेंत के उत्पाद (सुरमा व फर्नीचर)	अहिच्छत्र (उत्तरी पांचाल की राजधानी - रामनगर), केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (CARI - इज्जतनगर), IVRI
16	**बस्ती**	बस्ती	बस्ती	काष्ठ कला (Wood Craft) एवं सिरका उत्पाद	मनोरमा नदी, मखौड़ा धाम (पुत्रेष्टि यज्ञ स्थल), भदेश्वर नाथ मंदिर
17	**भदोही (संत रविदास नगर)**	ज्ञानपुर	विंध्याचल	कालीन एवं दरी (Carpets & Dari - GI Tagged)	भारत की 'कालीन नगरी' (Carpet City), क्षेत्रफल में यूपी का दूसरा सबसे छोटा जिला (1,015 वर्ग किमी)
18	**बिजनौर**	बिजनौर	मुरादाबाद	काष्ठ शिल्प (Wood Craft / नगीना वुड कार्विंग)	गंगा नदी का उत्तर प्रदेश में प्रवेश द्वार, अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व (कार्बेट बफर), हैदरपुर वेटलैंड, माहीगीर समुदाय
19	**बदायूँ**	बदायूँ	बरेली	जरी-जरदोजी उत्पाद	निजामुद्दीन औलिया व अब्दुल कादिर बदायूनी की जन्मस्थली, जामा मस्जिद शम्सी (इल्तुतमिश द्वारा निर्मित), ककोड़ा मेला
20	**बुलंदशहर**	बुलंदशहर	मेरठ	सिरेमिक उत्पाद (खुर्जा पॉटरी - GI Tagged)	नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र (1991), खुर्जा ('सिरेमिक सिटी'), आहार पुरातात्विक स्थल
21	**चंदौली**	चंदौली	वाराणसी	जरी-जरदोजी एवं काला चावल (Black Rice - GI Tagged)	यूपी का 'धान का कटोरा', चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (1957 - यूपी का प्रथम), राजदरी व देवदरी जलप्रपात, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन
22	**चित्रकूट**	चित्रकूटधाम (कर्वी)	चित्रकूट	लकड़ी के खिलौने (Wooden Toys)	रानीपुर टाइगर रिज़र्व (53वाँ), मंदाकिनी नदी तट, कामदगिरि पर्वत, जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय
23	**देवरिया**	देवरिया	गोरखपुर	सजावटी उत्पाद (Decorative Products) व कढ़ाई	देवरहा बाबा आश्रम, बाबा राघवदास की कर्मभूमि, छोटी गंडक व राप्ती नदी बेसिन
24	**एटा**	एटा	अलीगढ़	घुंघरू, घंटी एवं पीतल उत्पाद (जलेसर धातु शिल्प - GI Tagged)	पटना पक्षी विहार (जलेसर - यूपी का सबसे छोटा पक्षी विहार व नवीनतम रामसर स्थल), अमीर खुसरो की जन्मस्थली (पटियाली - अब कासगंज)
25	**इटावा**	इटावा	कानपुर	वस्त्र उद्योग एवं सिलाई/परिधान	चंबल-यमुना संगम, लायन सफारी पार्क, सरसई नावर झील (रामसर स्थल), राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य
26	**फर्रुखाबाद**	फतेहगढ़	कानपुर	वस्त्र छपाई (Block Printing & Zari Zardozi)	महादेवी वर्मा की जन्मस्थली, संकिसा (बौद्ध तीर्थ स्थल), लाख बहोसी पक्षी विहार के निकटवर्ती क्षेत्र, रामगंगा-गंगा संगम
27	**फतेहपुर**	फतेहपुर	प्रयागराज	बेडशीट एवं आयरन फैब्रिकेशन वर्क्स	गंगा-यमुना दोआब, बावनी इमली शहीद स्मारक (1857 - जोधा सिंह अटैया), भिटौरा घाट
28	**फिरोजाबाद**	फिरोजाबाद	आगरा	काँच के उत्पाद एवं चूड़ियाँ (Glassware & Bangles)	'सुहाग नगरी' एवं काँच उद्योग का वैश्विक केंद्र, चंद्रवाड़ का ऐतिहासिक किला
29	**गौतम बुद्ध नगर**	ग्रेटर नोएडा	मेरठ	रेडीमेड गारमेंट्स (सिले-सिलाए परिधान)	नोएडा/ग्रेटर नोएडा औद्योगिक हब, जेवर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, ओखला पक्षी विहार, सर्वाधिक साक्षरता (80.12%) व प्रति व्यक्ति आय वाला जिला

क्र.सं.	जिला (District)	मुख्यालय	मंडल	आधिकारिक ODOP उत्पाद (One District One Product)	प्रमुख ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं औद्योगिक पहचान
30	**गाजियाबाद**	गाजियाबाद	मेरठ	अभियांत्रिकी सामान (Engineering Goods)	हिंडन नदी तट, आलमगीरपुर (सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे पूर्वी स्थल), सर्वाधिक जनघनत्व वाला जिला (3,971 व्यक्ति/वर्ग किमी)
31	**गाजीपुर**	गाजीपुर	वाराणसी	जूट वॉल हैंगिंग (Jute Wall Hanging)	लॉर्ड कॉर्नवालिस का मकबरा (1805), सरकारी अफीम एवं एल्कलॉइड कारखाना (1820), भीतरी स्तंभ लेख (स्कंदगुप्त - सैदपुर)
32	**गोंडा**	गोंडा	देवीपाटन	खाद्य प्रसंस्करण (दालें एवं मक्का)	पार्वती अरगा पक्षी विहार (रामसर स्थल), पतंजलि योगसूत्र के भाष्यकार महर्षि पतंजलि की जन्मस्थली (गोनर्द)
33	**गोरखपुर**	गोरखपुर	गोरखपुर	टेराकोटा (पकी मिट्टी की कलाकृतियाँ - GI Tagged) एवं रेडीमेड गारमेंट्स	राप्ती व रोहिन नदी संगम, गोरखनाथ मंदिर, गीता प्रेस (1923), चौरी-चौरा स्मारक (4 फरवरी 1922), अशफाक उल्ला खाँ प्राणी उद्यान
34	**हमीरपुर**	हमीरपुर	चित्रकूट	हस्तनिर्मित जूतियाँ (Shoes/Jutti)	यमुना व बेतवा नदी संगम, सरीला रियासत, जैविक खेती का प्रमुख मॉडल जिला
35	**हापुड़**	हापुड़	मेरठ	होम फर्निशिंग (घरेलू सजावटी वस्त्र)	क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का **सबसे छोटा जिला** (660 वर्ग किमी), गढ़मुक्तेश्वर गंगा मेला
36	**हरदोई**	हरदोई	लखनऊ	हैंडलूम (हथकरघा वस्त्र)	सांडी पक्षी विहार (गर्रा नदी तट - रामसर स्थल), पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क (हरदोई-लखनऊ सीमा)
37	**हाथरस**	हाथरस	अलीगढ़	हींग प्रसंस्करण (Asafoetida / Hing - GI Tagged)	काका हाथरसी की जन्मभूमि, स्वांग एवं रसिया लोकनाट्य परंपरा का केंद्र
38	**जालौन**	उरई	झाँसी	हस्तनिर्मित कागज कला (कालपी हैंडमेड पेपर)	कालपी (यमुना तट - बीरबल की जन्मस्थली एवं 84 गुंबद), बेतवा-यमुना प्रवाह क्षेत्र
39	**जौनपुर**	जौनपुर	वाराणसी	ऊनी कालीन (दरी) एवं माधोपट्टी/इमरती (GI Tagged)	गोमती नदी तट, शर्की सुल्तानों की राजधानी ('पूर्व का सिराज'), अटाला मस्जिद, शाही किला, सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला (1,024)
40	**झाँसी**	झाँसी	झाँसी	सॉफ्ट टॉयज (कोमल खिलौने)	रानी लक्ष्मीबाई का किला (1857 विद्रोह), भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI), राष्ट्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान केंद्र, उत्तर-दक्षिण व पूर्व-पश्चिम गलियारे का मिलन बिंदु
41	**कन्नौज**	कन्नौज	कानपुर	इत्र (Perfume / Attar - GI Tagged)	'इत्र नगरी' एवं हर्षवर्धन की राजधानी (कान्यकुब्ज/महोदय श्री), लाख बहोसी पक्षी विहार (यूपी का सबसे बड़ा पक्षी विहार - 80.24 वर्ग किमी)
42	**कानपुर देहात**	अकबरपुर माती	कानपुर	एल्युमिनियम बर्तन (Aluminium Utensils)	भीतरगाँव का गुप्तकालीन ईंटों का मंदिर (कानपुर परिक्षेत्र), यमुना-सेंगर दोआब
43	**कानपुर नगर**	कानपुर	कानपुर	चमड़ा उत्पाद (Leather Products) एवं सैडलरी	'उत्तर भारत का मैनचेस्टर', भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR), राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (NSI), IIT कानपुर, जेके मंदिर, ग्रीन पार्क स्टेडियम
44	**कासगंज**	कासगंज	अलीगढ़	जरी-जरदोजी उत्पाद	सोरों शूकर क्षेत्र (वराह मंदिर), अमीर खुसरो की जन्मस्थली (पटियाली), नदरई एक्वाडक्ट (झाल का पुल)
45	**कौशाम्बी**	मंझनपुर	प्रयागराज	खाद्य प्रसंस्करण (केला - Banana)	वत्स महाजनपद की राजधानी, बौद्ध (घोषिताराम विहार) एवं जैन दोनों धर्मों का प्रमुख तीर्थ स्थल, प्रभासगिरि
46	**कुशीनगर**	पडरौना	गोरखपुर	केला रेशा उत्पाद (Banana Fiber Products)	महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल (483 ई.पू. - मल्ल गणराज्य), रामाभार स्तूप, कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, भारत का प्रथम ट्रांसजेंडर विश्वविद्यालय
47	**लखीमपुर खीरी**	लखीमपुर	लखनऊ	जनजातीय शिल्प (Tribal Craft) एवं गुड़ उत्पाद	क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का **सबसे बड़ा जिला** (7,680 वर्ग किमी), दुधवा राष्ट्रीय उद्यान (1977) एवं किशनपुर वन्यजीव विहार, मेंढक मंदिर (ओयल)
48	**ललितपुर**	ललितपुर	झाँसी	जरी सिल्क साड़ियाँ एवं खाद्य प्रसंस्करण	देवगढ़ का दशावतार मंदिर (गुप्तकालीन पंचायत शैली), माताटीला व राजघाट बांध (बेतवा नदी), यूरेनियम व रॉक फॉस्फेट का एकमात्र उत्पादक जिला
49	**लखनऊ**	लखनऊ	लखनऊ	चिकनकारी एवं जरी-जरदोजी (GI Tagged)	उत्तर प्रदेश की राजधानी, गोमती नदी तट, बड़ा इमामबाड़ा (आसफउद्दौला - 1784), CDRI, NBRI, CIMAP, IISR, बीरबल साहनी पुरावनस्पति संस्थान

क्र.सं.	जिला (District)	मुख्यालय	मंडल	आधिकारिक ODOP उत्पाद (One District One Product)	प्रमुख ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं औद्योगिक पहचान
50	**महराजगंज**	महराजगंज	गोरखपुर	फर्नीचर (काष्ठ फर्नीचर)	सोहागीबरवा वन्यजीव विहार, जटायु (गिद्ध) संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र (फरेन्दा/कैंपियरगंज परिक्षेत्र), देवदह बौद्ध स्थल
51	**महोबा**	महोबा	चित्रकूट	गौरा पत्थर शिल्प (Gaura Stone Craft - GI Tagged)	आल्हा-ऊदल की वीरभूमि, चंदेलकालीन सूर्य मंदिर (रहेलिया), पान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (महोबा देसावरी पान - GI Tagged), विजय सागर पक्षी विहार
52	**मैनपुरी**	मैनपुरी	आगरा	तारकशी कला (Tarkashi Art - शीशम की लकड़ी पर पीतल के तारों की जड़ाई - GI Tagged)	समान पक्षी विहार (रामसर स्थल), तेजसिंह का किला, महाराजा तेजसिंह की ऐतिहासिक भूमि
53	**मथुरा**	मथुरा	आगरा	स्वच्छता संबंधी उपकरण (Sanitary Fittings) एवं ठाकुरजी की पोशाक/कंठी माला	यमुना तट, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG - मखदूम), मथुरा तेल शोधक कारखाना (IOCL), यूपी में सर्वाधिक मेले (86) व न्यूनतम वर्षा वाला जिला
54	**मऊ**	मऊनाथ भंजन	आजमगढ़	पावरलूम वस्त्र (Powerloom Textiles / साड़ी)	तमसा नदी तट, वस्त्र बुनाई का प्राचीन औद्योगिक केंद्र
55	**मेरठ**	मेरठ	मेरठ	खेलकूद का सामान (Sports Goods) एवं कैंची (GI Tagged)	10 मई 1857 की क्रांति का प्रारंभ स्थल, नौचंदी मेला, मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय (सरधना), सरधना चर्च
56	**मिर्जापुर**	मिर्जापुर	विंध्याचल	कालीन एवं दरी तथा पीतल के बर्तन	विंध्यवासिनी देवी धाम, चुनार का किला व बलुआ पत्थर, भारतीय मानक समय रेखा (82°30' E - मिर्जापुर/नैनी), कजरी लोकगीत, विंढम व टांडा जलप्रपात
57	**मुरादाबाद**	मुरादाबाद	मुरादाबाद	धातु शिल्प (Metal Craft / पीतल के बर्तन - GI Tagged)	'पीतल नगरी' (Brass City), रामगंगा नदी तट, डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी
58	**मुजफ्फरनगर**	मुजफ्फरनगर	सहारनपुर	गुड़ एवं प्रसंस्कृत उत्पाद (Jaggery)	शुक्रताल (प्राचीन तीर्थ), एशिया की प्रमुख गुड़ मंडी, हैदरपुर वेटलैंड (मुजफ्फरनगर-बिजनौर सीमा)
59	**पीलीभीत**	पीलीभीत	बरेली	बाँसुरी (Flute) एवं काष्ठ उत्पाद	पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (TX2 पुरस्कार विजेता), फुलहर झील (गोमती नदी का उद्गम स्थल - माधोटांडा), चूका बीच
60	**प्रतापगढ़**	बेल्हा	प्रयागराज	खाद्य प्रसंस्करण (आँवला - Amla)	सई नदी तट, सराय नाहर राय एवं महदहा (मध्यपाषाणकालीन स्थल), डॉ. भीमराव अंबेडकर पक्षी विहार (बेती - कुंडा), मनगढ़ धाम
61	**प्रयागराज**	प्रयागराज	प्रयागराज	मूंज उत्पाद (Moonj Products)	गंगा-यमुना-सरस्वती संगम, महाकुंभ नगरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1887), अल्फ्रेड पार्क (चंद्रशेखर आज़ाद शहीद स्थल), सर्वाधिक जनसंख्या (59.54 लाख) व सर्वाधिक विधानसभा सीटों (12) वाला जिला
62	**रायबरेली**	रायबरेली	लखनऊ	काष्ठ शिल्प (Wood Work)	समसपुर पक्षी विहार (रामसर स्थल), मॉडर्न कोच फैक्ट्री (लालगंज), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (फुरसतगंज), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (NIFT)
63	**रामपुर**	रामपुर	मुरादाबाद	पैचवर्क के साथ एप्लिक वर्क, जरी एवं रामपुरी चाकू	रजा लाइब्रेरी (1774 - नवाब फैजुल्लाह खाँ), कोसी नदी तट, आर्यभट्ट नक्षत्रशाला
64	**सहारनपुर**	सहारनपुर	सहारनपुर	काष्ठ नक्काशी (Wood Carving - GI Tagged)	उत्तर प्रदेश का सबसे उत्तरी जिला, शाकंभरी देवी मेला, केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (CPPRI), देवबंद (दारुल उलूम - 1866)
65	**संभल**	बहजोई / पवांसा	मुरादाबाद	सींग एवं हड्डी के हस्तशिल्प उत्पाद (Horn & Bone Craft - GI Tagged)	बाबर कालीन जामा मस्जिद, कल्कि धाम (ऐंचोड़ा कंबोह), पुदीना (मेंथा ऑयल) व्यापार का प्रमुख केंद्र
66	**संत कबीर नगर**	खलीलाबाद	बस्ती	पीतल के बर्तन (बखिरा ब्रासवेयर - GI Tagged) एवं होजरी	मगहर (संत कबीरदास की निर्वाण स्थली - आमी नदी तट), बखिरा पक्षी विहार (रामसर स्थल)
67	**शाहजहाँपुर**	शाहजहाँपुर	बरेली	जरी-जरदोजी उत्पाद	रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ एवं ठाकुर रोशन सिंह की जन्मभूमि ('शहीदों की नगरी'), उत्तर प्रदेश गन्ना शोध परिषद

क्र.सं.	जिला (District)	मुख्यालय	मंडल	आधिकारिक ODOP उत्पाद (One District One Product)	प्रमुख ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं औद्योगिक पहचान
68	**शामली**	शामली	सहारनपुर	रिम एवं धुरी (Rim and Axle / लोहा कला)	उत्तर प्रदेश का सबसे पश्चिमी जिला, NCR में शामिल होने वाला यूपी का 8वाँ जिला (2017)
69	**श्रावस्ती**	भिनगा	देवीपाटन	जनजातीय शिल्प एवं फर्नीचर	कोसल महाजनपद की राजधानी, महात्मा बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश (25 वर्षावास - जेतवन विहार) यहीं दिए, सहेत-महेत, न्यूनतम साक्षरता वाला जिला (46.74%)
70	**सिद्धार्थनगर**	नौगढ़	बस्ती	काला नमक चावल (Kala Namak Rice - GI Tagged, 'बुद्ध का महाप्रसाद')	पिपरहवा स्तूप (कपिलवस्तु की पहचान), शाक्य गणराज्य का ऐतिहासिक क्षेत्र
71	**सीतापुर**	सीतापुर	लखनऊ	दरी (Dari / कालीन)	नैमिषारण्य तीर्थ (88,000 ऋषियों की तपोभूमि, चक्रतीर्थ, दधीचि कुंड), राजा टोडरमल की जन्मस्थली (लहरपुर), सर्वाधिक SC जनसंख्या वाला जिला
72	**सोनभद्र**	रॉबर्ट्सगंज	विंध्याचल	कालीन (Carpets)	भारत की 'ऊर्जा राजधानी' (Singrauli-Sonbhadra belt), रिहंद बांध (गोविंद बल्लभ पंत सागर), ओबरा व अनपरा ताप विद्युत गृह, सलखान जीवाश्म पार्क, सर्वाधिक वनावरण व ST जनसंख्या वाला जिला
73	**सुल्तानपुर**	सुल्तानपुर	अयोध्या	मूंज उत्पाद (Moonj Products)	गोमती नदी तट, कुशभवनपुर (प्राचीन नाम), धोपाप धाम
74	**उन्नाव**	उन्नाव	लखनऊ	जरी-जरदोजी एवं चर्म उत्पाद	शहीद चंद्रशेखर आज़ाद (नवाबगंज) पक्षी विहार (यूपी का प्रथम पक्षी विहार - 1984), सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' व चंद्रशेखर आज़ाद की पैतृक भूमि (बदरका)
75	**वाराणसी**	वाराणसी	वाराणसी	बनारसी रेशम साड़ी (Banarasi Silk Saree - GI Tagged)	भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक राजधानी, काशी विश्वनाथ धाम, सारनाथ (धमेख स्तूप), BHU (1916), भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR), कछुआ वन्यजीव विहार, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (BLW)

1.4 उत्तर प्रदेश के वन्यजीव विहार, पक्षी विहार, टाइगर रिज़र्व एवं रामसर आर्द्रभूमियाँ

उत्तर प्रदेश वन एवं वन्यजीव प्रोफाइल (IUC Academy UP Guide) तथा **NTCA Tiger Reserves Profile** के अनुसार उत्तर प्रदेश में **1 राष्ट्रीय उद्यान** (दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, लखीमपुर खीरी — 1977 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित), **4 टाइगर रिज़र्व, 11 वन्यजीव विहार** एवं **14 पक्षी विहार** स्थापित हैं:

• उत्तर प्रदेश के 4 टाइगर रिज़र्व (Tiger Reserves of UP):

1. **दुधवा टाइगर रिज़र्व (1987):** लखीमपुर खीरी एवं बहराइच (इसमें दुधवा नेशनल पार्क + किशनपुर वन्यजीव विहार + कतरनियाघाट वन्यजीव विहार सम्मिलित हैं)।

2. **अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व (2012):** बिजनौर जिला (यह उत्तराखंड के जिम कार्बेट टाइगर रिज़र्व के बफर ज़ोन के रूप में कार्य करता है)।

3. **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (2014):** पीलीभीत एवं शाहजहाँपुर (बाघों की संख्या निर्धारित समय से पूर्व दोगुनी करने हेतु वर्ष 2020 में प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय **TX2 पुरस्कार** प्राप्त किया)।

4. **रानीपुर टाइगर रिज़र्व (2022):** चित्रकूट जिला (भारत का **53वाँ** तथा उत्तर प्रदेश का **चौथा** एवं बुंदेलखंड क्षेत्र का **प्रथम** टाइगर रिज़र्व)।

• उत्तर प्रदेश के समस्त 14 पक्षी विहार (Bird Sanctuaries) एवं 11 वन्यजीव विहार (Wildlife Sanctuaries):

क्र.सं.	पक्षी विहार / वन्यजीव विहार का नाम	श्रेणी	स्थापना वर्ष	संबंधित जिला	क्षेत्रफल (वर्ग किमी) व विशेष तथ्य
1	**शहीद चंद्रशेखर आज़ाद (नवाबगंज) पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1984	उन्नाव	2.25 वर्ग किमी — **उत्तर प्रदेश का प्रथम पक्षी विहार** एवं रामसर स्थल (2019)
2	**लाख बहोसी पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1988	कन्नौज	80.24 वर्ग किमी — **उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा पक्षी विहार**
3	**पटना पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	एटा (जलेसर)	1.09 वर्ग किमी — **उत्तर प्रदेश का सबसे छोटा पक्षी विहार**
4	**समसपुर पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1987	रायबरेली (सलोन)	7.99 वर्ग किमी — रामसर आर्द्रभूमि स्थल (2019)

क्र.सं.	पक्षी विहार / वन्यजीव विहार का नाम	श्रेणी	स्थापना वर्ष	संबंधित जिला	क्षेत्रफल (वर्ग किमी) व विशेष तथ्य
5	**सांडी पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	हरदोई	3.09 वर्ग किमी — गर्रा (दहहर) नदी के निकट, रामसर स्थल (2019)
6	**बखिरा पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	संत कबीर नगर	28.94 वर्ग किमी — प्राकृतिक बाढ़ के मैदान की झील, रामसर स्थल (2021)
7	**ओखला पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	गौतम बुद्ध नगर	4.00 वर्ग किमी — यमुना नदी पर ओखला बैराज के निकट
8	**समान पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	मैनपुरी	5.26 वर्ग किमी — सारस क्रेन का प्रमुख आवास, रामसर स्थल (2019)
9	**पार्वती अरगा पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	गोंडा	10.84 वर्ग किमी — दो गोखुर झीलों (पार्वती व अरगा) से निर्मित, रामसर स्थल (2019)
10	**विजय सागर पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1990	महोबा	2.62 वर्ग किमी — चंदेल शासक विजयपाल द्वारा निर्मित विजय सागर झील के तट पर
11	**जयप्रकाश नारायण (सुरहा ताल) पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1991	बलिया	34.32 वर्ग किमी — गंगा और घाघरा द्वारा निर्मित गोखुर झील
12	**सूर सरोवर (कीठम झील) पक्षी विहार**	पक्षी विहार	1991	आगरा	4.03 वर्ग किमी — भालू संरक्षण केंद्र हेतु प्रसिद्ध, रामसर स्थल (2020)
13	**डॉ. भीमराव अंबेडकर पक्षी विहार**	पक्षी विहार	2003	प्रतापगढ़ (बेती, कुंडा)	4.27 वर्ग किमी — बेती ताल में प्रवासी पक्षियों का प्रमुख केंद्र
14	**शेखा झील पक्षी विहार**	पक्षी विहार	2016	अलीगढ़	0.40 वर्ग किमी — अपर गंगा नहर के निकट विकसित सबसे नवीन पक्षी विहार
15	**चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1957	चंदौली	78 वर्ग किमी — **उत्तर प्रदेश का प्रथम वन्यजीव विहार**
16	**किशनपुर वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1972	लखीमपुर खीरी	227 वर्ग किमी — दुधवा टाइगर रिज़र्व का प्रमुख अंग, बारहसिंगा व बाघ संरक्षण
17	**कतरनियाघाट वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1976	बहराइच	400 वर्ग किमी — गेरुआ नदी (घड़ियाल व गांगेय डॉल्फिन प्रजनन केंद्र)
18	**रानीपुर वन्यजीव विहार (अब टाइगर रिज़र्व)**	वन्यजीव विहार	1977	चित्रकूट व बाँदा	230 वर्ग किमी — वर्ष 2022 में 53वें टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित
19	**महावीर स्वामी वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1977	ललितपुर	5.41 वर्ग किमी — **उत्तर प्रदेश का सबसे छोटा वन्यजीव विहार**
20	**राष्ट्रीय चंबल वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1979	आगरा व इटावा	635 वर्ग किमी — यूपी, एमपी व राजस्थान की संयुक्त परियोजना (घड़ियाल व डॉल्फिन)
21	**कैमूर वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1982	मिर्जापुर व सोनभद्र	501 वर्ग किमी — काले हिरण (Blackbuck), चिंकारा एवं जीवाश्मों हेतु प्रसिद्ध
22	**हस्तिनापुर वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1986	मेरठ, हापुड़, बिजनौर, अमरोहा, मुजफ्फरनगर	2,073 वर्ग किमी — **उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा वन्यजीव विहार**
23	**सोहागीबरवा वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1987	महराजगंज	428 वर्ग किमी — नेपाल की चितवन राष्ट्रीय उद्यान सीमा से संलग्न
24	**सुहेलदेव वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1988	श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा	452 वर्ग किमी — भारत-नेपाल सीमा पर विस्तृत वन क्षेत्र
25	**कछुआ वन्यजीव विहार**	वन्यजीव विहार	1989	वाराणसी (प्रयागराज-मिर्जापुर में स्थानांतरित)	7 किमी नदी खंड — माँसाहारी कछुओं द्वारा गंगा नदी की जैविक सफाई हेतु स्थापित

• **उत्तर प्रदेश के रामसर आर्द्रभूमि स्थल (Ramsar Sites in Uttar Pradesh):**

1. **ऊपरी गंगा नदी (Upper Ganga River — ब्रजघाट से नरौरा खिंचाव):** 2005 (उत्तर प्रदेश का **प्रथम रामसर स्थल**, 265.9 वर्ग किमी)।
2. **नवाबगंज पक्षी विहार (उन्नाव):** 2019
3. **पार्वती अरगा पक्षी विहार (गोंडा):** 2019
4. **समान पक्षी विहार (मैनपुरी):** 2019
5. **समसपुर पक्षी विहार (रायबरेली):** 2019
6. **सांडी पक्षी विहार (हरदोई):** 2019
7. **सरसई नावर झील (इटावा):** 2019 (सारस क्रेन के संरक्षण हेतु विख्यात)
8. **सूर सरोवर / कीठम झील (आगरा):** 2020
9. **हैदरपुर वेटलैंड (मुजफ्फरनगर - बिजनौर सीमा):** 2021 (मध्य गंगा बैराज पर स्थित मानव निर्मित आर्द्रभूमि)
10. **बखिरा वन्यजीव अभयारण्य (संत कबीर नगर):** 2021 (विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2 फरवरी 2022 को घोषित)
11. **पटना पक्षी विहार (एटा) एवं शेखा झील (अलीगढ़):** उत्तर प्रदेश राज्य गाइड (IUC Academy UP Guide) के अनुसार नवीनतम आर्द्रभूमि विस्तार सूची में सम्मिलित।

1.5 उत्तर प्रदेश का एक्सप्रेस-वे नेटवर्क ('एक्सप्रेस-वे प्रदेश')

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPEIDA) के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे नेटवर्क वाला राज्य बन गया है:

क्र.सं.	एक्सप्रेस-वे का नाम	लंबाई (किमी)	प्रारंभ एवं अंतिम बिंदु	लाभान्वित प्रमुख जिले	विशेष तथ्य (हवाई पट्टी / औद्योगिक गलियारा)
1	**यमुना एक्सप्रेस-वे**	165.5 किमी	ग्रेटर नोएडा से आगरा	गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, आगरा	6-लेन (8-लेन विस्तारणीय); भारत का पहला कंक्रीट पेवमेंट एक्सप्रेस-वे (2012)
2	**आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे**	302.2 किमी	आगरा (एत्मादपुर) से लखनऊ (सरोसा भरोसा)	आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, कन्नौज, कानपुर नगर, उन्नाव, हरदोई, लखनऊ (10 जिले)	उन्नाव के बांगरमऊ (खंभौली) के पास **3.3 किमी लंबी आपातकालीन वायुसेना लैंडिंग स्ट्रिप**
3	**पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे**	340.82 किमी	लखनऊ (चाँदसराय, गोसाईगंज) से गाजीपुर (हैदरिया)	लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर (9 जिले)	सुल्तानपुर के कूरेभार (अरवल कीरी करवत) में **3.2 किमी लंबी वायुसेना हवाई पट्टी**
4	**बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे**	296.07 किमी	चित्रकूट (भरतकूप, गोंडा गाँव) से इटावा (कुदरैल)	चित्रकूट, बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, इटावा (7 जिले)	4-लेन (6-लेन विस्तारणीय); 16 जुलाई 2022 को लोकार्पित; 450 MW सोलर एक्सप्रेस-वे के रूप में विकास
5	**गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे**	91.35 किमी	गोरखपुर (जैतपुर) से आजमगढ़ (सालारपुर - पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे)	गोरखपुर, अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर, आजमगढ़ (4 जिले)	गोरखपुर परिक्षेत्र को सीधे पूर्वांचल एवं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जोड़ता है
6	**दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे (NE-3)**	96 किमी	निजामुद्दीन ब्रिज (दिल्ली) से डासना/मेरठ	गाजियाबाद, मेरठ	भारत का पहला **14-लेन** का एक्सप्रेस-वे (प्रारंभिक खंड)
7	**गंगा एक्सप्रेस-वे**	594 किमी	मेरठ (बिजौली गाँव, NH-334) से प्रयागराज (जुदापुर दाँदू, NH-19)	मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूँ, शाहजहाँपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, प्रयागराज (12 जिले)	शाहजहाँपुर में **3.5 किमी लंबी नाइट लैंडिंग सक्षम वायुसेना हवाई पट्टी**; उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा पूर्णतः राज्य के भीतर स्थित एक्सप्रेस-वे
8	**बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे एवं चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे**	117 किमी / 15 किमी	गाजीपुर से बलिया (माँझीघाट) / चित्रकूट कनेक्टिविटी	गाजीपुर, बलिया एवं चित्रकूट	पूर्वांचल के अंतिम छोर (बिहार सीमा) तथा बुंदेलखंड पर्यटन सर्किट को जोड़ने हेतु प्रस्तावित

1.6 उत्तर प्रदेश जनगणना 2011: शीर्ष-5 एवं न्यूनतम-5 जिले (Top-5 & Bottom-5 Districts)

उत्तर प्रदेश जनसांख्यिकी (Uttar Pradesh Wikipedia) के अनुसार वर्ष 2011 की अंतिम जनगणना में उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या **19,98,12,341** (पुरुष: 10,44,80,510 [52.29%]; महिला: 9,53,31,831 [47.71%]), दशकीय वृद्धि दर **20.23%**, जनघनत्व **829 व्यक्ति/वर्ग किमी**, लिंगानुपात **912**, शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष) **902**, कुल साक्षरता दर **67.72%** (पुरुष: **77.30%**, महिला: **57.20%**), ग्रामीण जनसंख्या **77.73%**, नगरीय जनसंख्या **22.27%**, अनुसूचित जाति (SC) **20.69%** (देश में सर्वाधिक संख्या — 4,13,57,608) तथा अनुसूचित जनजाति (ST) **0.57%** (11,34,273) है।

जनसांख्यिकीय मानक (Parameter)	राज्य का औसत	शीर्ष-5 जिले (Top-5 Districts — घटते क्रम में)	न्यूनतम-5 जिले (Bottom-5 Districts — बढ़ते क्रम में)
कुल जनसंख्या (Total Population)	19.98 करोड़	1. **प्रयागराज** (59.54 लाख), 2. मुरादाबाद (47.72 लाख), 3. गाजियाबाद (46.81 लाख), 4. आजमगढ़ (46.13 लाख), 5. लखनऊ (45.89 लाख)	1. **महोबा** (8.75 लाख), 2. चित्रकूट (9.91 लाख), 3. हमीरपुर (11.04 लाख), 4. श्रावस्ती (11.17 लाख), 5. ललितपुर (12.21 लाख)
जनसंख्या घनत्व (Population Density)	829 व्यक्ति/वर्ग किमी	1. **गाजियाबाद** (3,971), 2. वाराणसी (2,395), 3. लखनऊ (1,816), 4. भदोही/संत रविदास नगर (1,555), 5. कानपुर नगर (1,452)	1. **ललितपुर** (242), 2. सोनभद्र (270), 3. हमीरपुर (275), 4. महोबा (279), 5. चित्रकूट (308)
कुल साक्षरता दर (Total Literacy Rate)	67.72%	1. **गौतम बुद्ध नगर** (80.12%), 2. कानपुर नगर (79.65%), 3. औरैया (78.95%), 4. इटावा (78.41%), 5. गाजियाबाद (78.07%)	1. **श्रावस्ती** (46.74%), 2. बहराइच (49.36%), 3. बलरामपुर (49.51%), 4. बदायूँ (51.29%), 5. रामपुर (53.34%)
पुरुष साक्षरता दर (Male Literacy)	77.30%	1. **गौतम बुद्ध नगर** (88.06%), 2. औरैया (86.11%), 3. इटावा (86.06%), 4. गाजियाबाद (85.42%), 5. झाँसी (85.38%)	1. **श्रावस्ती** (57.16%), 2. बहराइच (58.34%), 3. बलरामपुर (59.73%), 4. बदायूँ (60.98%), 5. रामपुर (61.40%)
महिला साक्षरता दर (Female Literacy)	57.20%	1. **कानपुर नगर** (75.05%), 2. लखनऊ (71.54%), 3. गौतम बुद्ध नगर (70.82%), 4. औरैया (70.61%), 5. गाजियाबाद (69.79%)	1. **श्रावस्ती** (34.78%), 2. बलरामपुर (38.43%), 3. बहराइच (39.18%), 4. बदायूँ (40.09%), 5. रामपुर (44.44%)
लिंगानुपात (Sex Ratio)	912	1. **जौनपुर** (1,024), 2. आजमगढ़ (1,019), 3. देवरिया (1,017), 4. प्रतापगढ़ (998), 5. सुल्तानपुर (983)	1. **गौतम बुद्ध नगर** (851), 2. हमीरपुर व बागपत (861), 3. कानपुर नगर, बाँदा व मथुरा (863), 4. औरैया (864), 5. जालौन (865)
शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष)	902	1. **बलरामपुर** (950), 2. संत कबीर नगर (942), 3. बहराइच व सिद्धार्थनगर (935), 4. बाराबंकी व अंबेडकर नगर (932), 5. फैजाबाद/अयोध्या (931)	1. **बागपत** (841), 2. गौतम बुद्ध नगर (843), 3. गाजियाबाद (850), 4. मेरठ (852), 5. बुलंदशहर (854)
दशकीय वृद्धि दर (2001–2011)	20.23%	1. **गौतम बुद्ध नगर** (49.10%), 2. गाजियाबाद (41.30%), 3. श्रावस्ती (30.50%), 4. बहराइच (29.30%), 5. बलरामपुर (27.72%)	1. **कानपुर नगर** (9.90%), 2. हमीरपुर (11.10%), 3. बागपत (11.90%), 4. फतेहपुर (14.10%), 5. देवरिया (14.20%)
नगरीय जनसंख्या प्रतिशत	22.27%	1. **गाजियाबाद** (67.55%), 2. लखनऊ (66.21%), 3. कानपुर नगर (65.83%), 4. गौतम बुद्ध नगर (59.12%), 5. मेरठ (51.08%)	1. **श्रावस्ती** (3.46%), 2. कुशीनगर (4.72%), 3. महराजगंज (5.02%), 4. सुल्तानपुर (5.26%), 5. प्रतापगढ़ (5.46%)

जनसांख्यिकीय मानक (Parameter)	राज्य का औसत	शीर्ष-5 जिले (Top-5 Districts — घटते क्रम में)	न्यूनतम-5 जिले (Bottom-5 Districts — बढ़ते क्रम में)	
SC जनसंख्या (संख्या व प्रतिशत)	20.69% (4.13 करोड़)	**संख्या में शीर्ष:** 1. सीतापुर, 2. प्रयागराज, 3. हरदोई, 4. आजमगढ़, 5. खीरी \	**प्रतिशत में शीर्ष:** 1. **कौशाम्बी** (34.72%), 2. सीतापुर (32.26%), 3. हरदोई (31.14%)	**संख्या व प्रतिशत में न्यूनतम:** 1. **बागपत** (11.44%), 2. बरेली (12.53%), 3. बलरामपुर (12.90%), 4. गौतम बुद्ध नगर (13.14%), 5. रामपुर (13.18%)
ST जनसंख्या (संख्या व प्रतिशत)	0.57% (11.34 लाख)	**संख्या में शीर्ष:** 1. **सोनभद्र** (3.85 लाख), 2. बलिया (1.10 लाख), 3. देवरिया, 4. कुशीनगर, 5. ललितपुर \	**प्रतिशत में शीर्ष:** 1. **सोनभद्र** (20.67%), 2. ललितपुर (5.86%), 3. देवरिया (3.54%)	**न्यूनतम ST जनसंख्या:** 1. **बागपत** (मात्र 14 व्यक्ति / 0.001%), 2. कन्नौज (15 व्यक्ति), 3. बदायूँ (58 व्यक्ति), 4. एटा (140 व्यक्ति), 5. कासगंज व औरैया

1.7 उत्तर प्रदेश बजट एवं प्रमुख योजनाएँ (UP Budget & Flagship Schemes)

• **उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को $1 ट्रिलियन (One Trillion Dollar Economy) बनाने का रोडमैप:** राज्य सरकार द्वारा बुनियादी ढाँचे, विनिर्माण, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स (नोएडा-ग्रेटर नोएडा देश के कुल मोबाइल विनिर्माण का ~60% उत्पादित करता है), रक्षा औद्योगिक गलियारा (**UP Defence Industrial Corridor के 6 नोड्स: अलीगढ़, आगरा, झाँसी, चित्रकूट, कानपुर एवं लखनऊ**) तथा पर्यटन पर विशेष बल दिया गया है।

• **प्रमुख फ्लैगशिप योजनाएँ:**

• **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (2019):** बालिका के जन्म से लेकर स्नातक/डिप्लोमा प्रवेश तक **6 चरणों में ₹25,000** (पूर्व में ₹15,000, वित्तीय वर्ष 2024-25 से बढ़ाकर ₹25,000) की आर्थिक सहायता (पात्रता: पारिवारिक वार्षिक आय अधिकतम ₹3 लाख, अधिकतम 2 बच्चों तक)।

• **मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना (15 फरवरी 2021):** UPSC, UPPSC, JEE, NEET, NDA, CDS आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सभी 75 जिलों में **निःशुल्क ऑफलाइन व ऑनलाइन कोचिंग**।

• **स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना (DigiShakti UP Portal):** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा एवं कौशल विकास के विद्यार्थियों को निःशुल्क स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण।

• **एक जिला एक उत्पाद (ODOP) एवं एक जिला एक व्यंजन (ODOC Scheme UP):** पारंपरिक शिल्प एवं स्थानीय पाक विरासत का वैश्विक ब्रांडिंग व निर्यात संवर्धन।

• **मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना:** दुर्घटना में किसान अथवा उसके परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु या पूर्ण दिव्यांगता पर **₹5 लाख** की आर्थिक सहायता (बटाईदार किसान भी सम्मिलित)।

• **नंद बाबा दुग्ध मिशन (2023):** ₹1,000 करोड़ के परिव्यय से उत्तर प्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बनाए रखने तथा स्वदेशी नस्ल की गायों (साहीवाल, गिर, थारपारकर, हरियाणवी, गंगातीरी) के पालन पर अनुदान।

• **पीएम मित्र (PM MITRA) मेगा टेक्सटाइल पार्क:** हरदोई एवं लखनऊ जिलों की सीमा पर (अटारी गाँव, मलिहाबाद/संडीला परिक्षेत्र) **1,000 एकड़** में संत कबीर पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क की स्थापना।

मॉड्यूल 2 (ख): बिहार राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Bihar Complete Profile)

2.1 बिहार के सभी 9 प्रमंडल (Divisions) एवं सभी 38 जिले (38 Districts)

बिहार प्रशासनिक प्रभाग (Administrative Divisions of Bihar) एवं बिहार के जिलों की सूची (List of Districts of Bihar) के अनुसार बिहार (स्थापना: **22 मार्च 1912** को बंगाल प्रेसीडेंसी से पृथक घोषणा/प्रभावी 1 अप्रैल 1912; 1 अप्रैल 1936 को ओडिशा पृथक; **15 नवंबर 2000** को 46% भूभाग के साथ झारखंड पृथक) का क्षेत्रफल **94,163 वर्ग किमी** (देश में 12वाँ राज्य) है। बिहार में **9 प्रमंडल**, **38 जिले** (38वाँ नवीनतम जिला **अरवल** है जो अगस्त 2001 में जहानाबाद से पृथक होकर बना), **101 अनुमंडल (Sub-divisions)** एवं **534 प्रखंड (CD Blocks)** हैं।

• **राजकीय प्रतीक एवं संवैधानिक संरचना:** राजकीय चिह्न: **बोधि वृक्ष** (दो स्वास्तिकों के मध्य), राजकीय पशु: **गौर (बैल)**, राजकीय पक्षी: **गौरैया (House Sparrow)**, राजकीय पुष्प: **गेंदा (Marigold)**, राजकीय मछली: **देसी मांगुर**, राजकीय भाषा: **हिंदी** (प्रथम) एवं **उर्दू** (द्वितीय - 1980 से)।

• **विधायिका एवं संसदीय सीटें:** द्विसदनात्मक विधायिका — **विधानसभा: 243 सीटें** (SC हेतु 38 व ST हेतु 2 [कटोरिया व मनिहारी] आरक्षित), **विधान परिषद: 75 सीटें**, **लोकसभा: 40 सीटें** (SC हेतु 6 आरक्षित: गोपालगंज, हाजीपुर, समस्तीपुर, सासाराम, गया, जमुई), **राज्यसभा: 16 सीटें**।

• **सीमावर्ती इकाइयाँ:** उत्तर में **नेपाल** (7 जिले — पश्चिम से पूर्व: पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज; कुल लंबाई ~729 किमी), पूर्व में **पश्चिम बंगाल** (3 जिले — किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार), दक्षिण में **झारखंड** (8 जिले — रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार), पश्चिम में **उत्तर प्रदेश** (8 जिले — रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज, पश्चिमी चंपारण)।

प्रमंडल (Division)	मुख्यालय	जिलों की संख्या	प्रमंडल में सम्मिलित सभी जिले एवं उनकी प्रमुख ऐतिहासिक/आर्थिक विशेषताएँ
1. पटना प्रमंडल	पटना	6	**1. पटना** (राजधानी, कुम्हरार, गोलघर 1786 जॉन गार्स्टिन, तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब, डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र), **2. नालंदा** (मुख्यालय: बिहारशरीफ; नालंदा महाविहार - कुमारगुप्त प्रथम, राजगीर - विश्व शांति स्तूप, ग्लास ब्रिज, घोड़ाकटोरा झील, पावापुरी जल मंदिर, सिलाव खाजा GI टैग), **3. भोजपुर** (मुख्यालय: आरा; बाबू कुँवर सिंह की कर्मभूमि जगदीशपुर, कोइलवर पुल - सोन नदी), **4. बक्सर** (बक्सर का युद्ध 22 अक्टूबर 1764, चौसा में गंगा का बिहार में प्रवेश, विश्वामित्र आश्रम), **5. रोहतास** (मुख्यालय: सासाराम; शेरशाह सूरी का अष्टकोणीय मकबरा, रोहतासगढ़ किला, तुतला भवानी व कशिश जलप्रपात, पाइराइट में देश में प्रथम, सर्वाधिक साक्षरता 73.37%), **6. कैमूर** (मुख्यालय: भभुआ; मुंडेश्वरी देवी मंदिर - भारत का प्राचीनतम जीवंत मंदिर, तेलहर कुंड, करकटगढ़ जलप्रपात, अनुपम झील, सर्वाधिक वनावरण प्रतिशत 31.56% व न्यूनतम जनघनत्व 488)
2. तिरहुत प्रमंडल	मुजफ्फरपुर	6	**7. मुजफ्फरपुर** (शाही लीची GI टैग, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुशहरी, खुदीराम बोस व प्रफुल्ल चाकी कांड 30 अप्रैल 1908, सुजनी कढ़ाई), **8. पश्चिमी चंपारण** (मुख्यालय: बेतिया; क्षेत्रफल में बिहार का सबसे बड़ा जिला 5,228 वर्ग किमी, वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिज़र्व, सोमेश्वर श्रेणी - सर्वोच्च चोटी 874 मीटर, भितिहरवा गांधी आश्रम, मर्चा चावल GI टैग), **9. पूर्वी चंपारण** (मुख्यालय: मोतिहारी; चंपारण सत्याग्रह 1917 का मुख्य केंद्र, केसरिया बौद्ध स्तूप - विश्व का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप, लौरिया अरेराज अशोक स्तंभ), **10. सीतामढ़ी** (माता सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम, बागमती व लखनदेई नदी), **11. शिवहर** (क्षेत्रफल में बिहार का सबसे छोटा जिला 349 वर्ग किमी एवं सर्वाधिक जनघनत्व 1,880 व्यक्ति/वर्ग किमी), **12. वैशाली** (मुख्यालय: हाजीपुर; विश्व का प्रथम गणतंत्र - लिच्छवी, भगवान महावीर का जन्मस्थान कुंडग्राम, कोल्हुआ अशोक स्तंभ, बरेला झील सलीम अली पक्षी विहार)
3. सारण प्रमंडल	छपरा	3	**13. सारण** (मुख्यालय: छपरा; चिरांद नवपाषाणकालीन हड्डी के उपकरणों वाला स्थल, सोनपुर पशु मेला - हरिहर क्षेत्र, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जन्मभूमि जीरादेई तत्कालीन सारण/वर्तमान सीवान, लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मभूमि सिताबदियारा), **14. सीवान** (जीरादेई - प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जन्मस्थली, दाहा नदी), **15. गोपालगंज** (बिहार में सर्वाधिक लिंगानुपात 1,021 एवं न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर 19.02% वाला जिला, थावे दुर्गा मंदिर)
4. दरभंगा प्रमंडल	दरभंगा	3	**16. दरभंगा** (कुशेश्वर स्थान पक्षी अभयारण्य, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, मखाना अनुसंधान केंद्र, बिहार का दूसरा एम्स), **17. मधुबनी** (मिथिला/मधुबनी चित्रकला GI टैग - पद्मश्री जगदम्बा देवी, सीता देवी, बउआ देवी, दुलारी देवी; सौराठ सभा गाछी, मिथिला मखाना GI टैग), **18. समस्तीपुर** (डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा - 1905 में स्थापित भारत का प्रथम इंपीरियल कृषि अनुसंधान संस्थान, बूढ़ी गंडक तट)
5. कोसी प्रमंडल	सहरसा	3	**19. सहरसा** (कोसी प्रमंडल मुख्यालय, उग्रतारा मंदिर महिषी - मंडन मिश्र व शंकराचार्य शास्त्रार्थ स्थल, मत्स्यगंधा झील), **20. सुपौल** (कोसी महासेतु, डगमरा जलविद्युत परियोजना क्षेत्र, कोसी नदी का प्रवेश द्वार भीमनगर बैराज), **21. मधेपुरा** (सिंहेश्वर स्थान शिव मंदिर, मधेपुरा विद्युत रेल इंजन कारखाना - Alstom के सहयोग से 12,000 HP का WAG-12B इंजन निर्माण, सर्वाधिक दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 31.12%)
6. पूर्णिया प्रमंडल	पूर्णिया	4	**22. पूर्णिया** (बिहार का सबसे पुराना गठित जिला 1770, जूट उत्पादन में अग्रणी, न्यूनतम साक्षरता 51.08%), **23. किशनगंज** (बिहार का सर्वाधिक पूर्वी व सर्वाधिक वर्षा वाला जिला ~112 सेमी, बिहार में एकमात्र **चाय उत्पादक जिला**, महानंदा व कनकई नदी, सर्वाधिक मुस्लिम जनसंख्या प्रतिशत व सर्वाधिक शिशु लिंगानुपात 971), **24. अररिया** (फणीश्वर नाथ 'रेणु' की जन्मभूमि औराही हिंगना, परमान डॉल्फिन अभयारण्य, रानीगंज वृक्ष वाटिका), **25. कटिहार** (गोगाबिल झील - बिहार का प्रथम सामुदायिक रिज़र्व/पक्षी विहार मनिहारी, कुरसेला में कोसी-गंगा संगम)
7. भागलपुर प्रमंडल	भागलपुर	2	**26. भागलपुर** ('सिल्क सिटी' - तसर रेशम, विक्रमशिला महाविहार - पाल शासक धर्मपाल द्वारा स्थापित, विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभयारण्य - 1991 में स्थापित भारत का प्रथम डॉल्फिन अभयारण्य सुल्तानगंज से कहलगाँव तक 60 किमी, कतरनी चावल, जर्दालू आम व मंजूषा कला GI टैग, जगतपुर झील), **27. बांका** (मंदार पर्वत - समुद्र मंथन से संबंधित पौराणिक पर्वत व बिहार का दूसरा रोपवे, ओढ़नी डैम, बौंसी मेला)
8. मुंगेर प्रमंडल	मुंगेर	6	**28. मुंगेर** (मीर कासिम की राजधानी, बंदूक कारखाना व सिगरेट कारखाना, बिहार स्कूल ऑफ योग - स्वामी सत्यानंद सरस्वती, भीमबांध वन्यजीव अभयारण्य, सीताकुंड, रामेश्वर कुंड व ऋषिकुंड गर्म जलस्रोत, न्यूनतम लिंगानुपात 876), **29. बेगूसराय** (कावर ताल/कांवर झील - **बिहार का प्रथम रामसर स्थल** [2020] एवं एशिया की सबसे बड़ी शुद्ध जल की गोखुर झील, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जन्मभूमि सिमरिया, बरौनी तेल शोधक कारखाना 1964 USSR के सहयोग से), **30. जमुई** (नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य - **2024 में घोषित बिहार के दूसरे व तीसरे रामसर स्थल**, बिहार में देश का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार [~44% - करमटिया/सोनो क्षेत्र]), **31. लखीसराय** (अशोकधाम मंदिर, लाली पहाड़ी पुरातात्विक स्थल - महिला बौद्ध भिक्षुणियों का विहार, श्रृंगी ऋषि कुंड), **32. शेखपुरा** (जनसंख्या की दृष्टि से बिहार का **सबसे छोटा जिला** 6.36 लाख, गिरिहिंडा पहाड़ी), **33. खगड़िया** (बूढ़ी गंडक व बागमती-कमला का प्रवाह क्षेत्र, मक्का उत्पादन का प्रमुख केंद्र)

प्रमंडल (Division)	मुख्यालय	जिलों की संख्या	प्रमंडल में सम्मिलित सभी जिले एवं उनकी प्रमुख ऐतिहासिक/आर्थिक विशेषताएँ
9. मगध प्रमंडल	गया	5	**34. गया** (फल्गु/निरंजना नदी तट, बोधगया महाबोधि मंदिर - 2002 में यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित, गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य, विष्णुपद मंदिर - अहिल्याबाई होल्कर द्वारा पुनर्निर्मित, भारत का सबसे बड़ा रबर डैम 'गयाजी डैम', बिहार का सबसे गर्म एवं सबसे ठंडा जिला, सर्वाधिक SC जनसंख्या प्रतिशत 30.39%), **35. जहानाबाद** (बराबर एवं नागार्जुनी की गुफाएँ - अशोक व दशरथ द्वारा आजीवकों हेतु निर्मित भारत की प्राचीनतम शैलकृत गुफाएँ: सुदामा, कर्ण चौपड़, लोमस ऋषि, विश्व झोपड़ी; दरधा-जमुना संगम), **36. अरवल** (अगस्त 2001 में जहानाबाद से पृथक होकर गठित बिहार का **38वाँ जिला**, सोन नदी तट, मधुश्रवा मेला), **37. नवादा** (ककोलत जलप्रपात - 'बिहार का नियाग्रा', सेखोदेवरा सर्वोदय आश्रम - जयप्रकाश नारायण द्वारा स्थापित, रजौली अभ्रक पेटी), **38. औरंगाबाद** (देव सूर्य मंदिर - पश्चिमाभिमुख छठ पूजा का ऐतिहासिक केंद्र, अमझर शरीफ, 'बिहार का चित्तौड़गढ़')

2.2 बिहार का प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास (चंपारण, 1857 एवं किसान सभा)

1. **प्राचीन बिहार एवं धार्मिक आंदोलन:**

• **16 महाजनपदों में से 3 बिहार में स्थित थे:** (1) **मगध** (पटना-गया; प्रारंभिक राजधानी गिरिव्रज/राजगृह, बाद में पाटलिपुत्र), (2) **अंग** (भागलपुर-मुंगेर; राजधानी चंपा), (3) **वज्जि संघ** (वैशाली-मुजफ्फरपुर; 8 कुलों का संघ, राजधानी वैशाली — विश्व का प्रथम गणतंत्र)।

• **बौद्ध संगीतियाँ:** प्रथम (483 ई.पू., राजगृह की सप्तपर्णी गुफा — शासक अजातशत्रु, अध्यक्ष महाकश्यप), द्वितीय (383 ई.पू., वैशाली — शासक कालाशोक, अध्यक्ष सबाकामी), तृतीय (250 ई.पू., पाटलिपुत्र — शासक अशोक, अध्यक्ष मोग्गलिपुत्त तिस्स)।

• **जैन संगीति:** प्रथम जैन संगीति (300 ई.पू., पाटलिपुत्र — शासक चंद्रगुप्त मौर्य, अध्यक्ष स्थूलभद्र)।

• **मगध के राजवंश:** हर्यक वंश (बिम्बिसार, अजातशत्रु, उदायिन — जिसने गंगा-सोन संगम पर पाटलिपुत्र की स्थापना की), शिशुनाग वंश, नंद वंश (महापद्मनंद, घनानंद), मौर्य वंश (चंद्रगुप्त मौर्य, बिंदुसार, अशोक), शुंग, कण्व, गुप्त वंश (समुद्रगुप्त, चंद्रगुप्त द्वितीय, कुमारगुप्त प्रथम — नालंदा महाविहार का संस्थापक) एवं पाल वंश (गोपाल — ओदंतपुरी महाविहार बिहारशरीफ; धर्मपाल — विक्रमशिला महाविहार भागलपुर)।

• **कर्नाट वंश (मिथिला - 1097–1378 ई.):** संस्थापक **नान्यदेव** (राजधानी: सिमराँवगढ़), अंतिम शासक **हरिसिंह देव** (पंजी प्रबंध के प्रवर्तक)। इसे 'मिथिला का स्वर्ण युग' कहा जाता है।

2. **मध्यकालीन बिहार एवं यूरोपीय आगमन:**

• बिहार पर प्रथम तुर्क आक्रमण **बख्तियार खिलजी** (1198–1203 ई.) ने किया, जिसने ओदंतपुरी, नालंदा एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालयों को ध्वस्त किया।

• **शेरशाह सूरी (फरीद खाँ):** 1534 में सूरजगढ़ के युद्ध में बंगाल को पराजित किया, 1539 में **चौसा (बक्सर)** और 1540 में **कन्नौज/बिलग्राम** के युद्ध में हुमायूँ को पराजित कर दिल्ली में द्वितीय अफगान साम्राज्य स्थापित किया; 1541 में पटना का दुर्ग बनवाया और पटना को प्रांतीय राजधानी बनाया (अब्दुल्ला की कृति तारीख-ए-दाऊदी)।

• **यूरोपीय कंपनियाँ:** बिहार में सर्वप्रथम **पुर्तगाली** आए, किंतु **1632 ई. में डचों (Dutch)** ने पटना कॉलेज की उत्तरी इमारत में अपनी प्रथम फैक्ट्री स्थापित की; अंग्रेजों ने 1651 में गुलजारबाग (पटना) में और डेनिशों ने 1774 में नेपाली कोठी (पटना) में फैक्ट्री खोली। बिहार **शोरा (Saltpetre)**, अफीम और सूती वस्त्र के व्यापार हेतु प्रसिद्ध था।

3. **बिहार में 1857 का विद्रोह:**

• बिहार (तत्कालीन) में 1857 के विद्रोह की शुरुआत **12 जून 1857** को देवघर जिले के **रोहिणी गाँव** में 32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा हुई (मेजर मैकडोनाल्ड द्वारा दमन)।

• **पटना में विद्रोह (3 जुलाई 1857):** पुस्तक विक्रेता **पीर अली** के नेतृत्व में विद्रोह हुआ, जिसमें अफीम एजेंट **डॉ. लॉयल** मारा गया। पटना के कमिश्नर **विलियम टेलर** ने कठोर दमन करते हुए पीर अली को फाँसी दे दी।

• **दानापुर छावनी विद्रोह (25 जुलाई 1857):** 7वीं, 8वीं और 40वीं रेजिमेंट के सैनिकों ने विद्रोह कर सोन नदी पार की और जगदीशपुर (आरा) के जमींदार **बाबू कुँवर सिंह** को अपना नेता चुना।

• **बाबू कुँवर सिंह का अभियान:** 80 वर्ष की आयु में उन्होंने आरा पर अधिकार किया (कैप्टन डनबर को पराजित किया), तत्पश्चात मिर्जापुर, रीवा, बाँदा, कालपी, कानपुर (नाना साहब का सहयोग) और आजमगढ़ (कर्नल मिलमैन व डैम्स को हराया) में अंग्रेजों को परास्त किया। 23 अप्रैल 1858 को जगदीशपुर में **कैप्टन ली**

ग्रैंड (Le Grand) की सेना को बुरी तरह पराजित किया, किंतु हाथ में गोली लगने के बाद **26 अप्रैल 1858** को उनका निधन हो गया। इसके बाद उनके भाई **अमर सिंह** और भतीजे **हरकिशन सिंह** ने कैमूर की पहाड़ियों से छापामार युद्ध जारी रखा।

4. **चंपारण सत्याग्रह (अप्रैल 1917) — भारत में गांधीजी का प्रथम सविनय अवज्ञा प्रयोग:**

• **पृष्ठभूमि एवं तिनकठिया प्रणाली:** चंपारण के यूरोपीय नीलहों द्वारा किसानों से अनुबंध कर भूमि के **3/20 भाग (20 कट्ठा = 1 बीघा में 3 कट्ठा)** पर नील की खेती करना अनिवार्य किया गया था, जिसे **'तिनकठिया पद्धति'** कहा जाता था। जर्मनी में कृत्रिम रासायनिक रंगों के आविष्कार के बाद नीलहों ने किसानों को इस बाध्यता से मुक्त करने के बदले **'तवान'**, **'शरहबेशी'** (लगान वृद्धि) और **'अबवाब'** (अवैध कर) वसूलना शुरू किया।

• **लखनऊ अधिवेशन (दिसंबर 1916):** चंपारण के मुरली भरहवा गाँव के किसान **राजकुमार शुक्ल** ने महात्मा गांधी से भेंट कर चंपारण आने का अनुरोध किया तथा **ब्रजकिशोर प्रसाद** ने चंपारण के किसानों पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

• **चंपारण आगमन एवं सहयोगी:** गांधीजी 10 अप्रैल 1917 को पटना तथा 15 अप्रैल 1917 को मोतिहारी पहुँचे। कमिश्नर डब्ल्यू.बी. हेकॉक के चंपारण छोड़ने के आदेश की अवज्ञा कर गांधीजी ने पहला सत्याग्रह किया। उनके प्रमुख सहयोगियों में **डॉ. राजेंद्र प्रसाद, ब्रजकिशोर प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, मजहरुल हक, जे.बी. कृपलानी, महादेव देसाई, नरहरि पारिख, धरणीधर प्रसाद, शंभूशरण वर्मा एवं रामनवमी प्रसाद** शामिल थे।

• **चंपारण एग्रेरियन समिति (जुलाई 1917):** लेफ्टिनेंट गवर्नर एडवर्ड अल्बर्ट गेट ने **एफ.जी. स्लाई (F.G. Sly)** की अध्यक्षता में जाँच समिति गठित की, जिसमें **महात्मा गांधी** भी सदस्य थे (अन्य सदस्य: एल.सी. अदामी, राजा हरिहर प्रसाद नारायण सिंह, डी.जे. रीड, जी. रैनी)। समिति की अनुशंसा पर **चंपारण कृषि अधिनियम (मार्च 1918)** पारित हुआ, तिनकठिया प्रणाली समाप्त हुई और अवैध वसूली का **25% हिस्सा** किसानों को वापस मिला।

5. **बिहार में किसान सभा आंदोलन:**

• **1922–23 (मुंगेर): शाह मुहम्मद जुबैर** (अध्यक्ष) एवं **श्रीकृष्ण सिंह** (उपाध्यक्ष) द्वारा मुंगेर में किसान सभा का गठन।

• **1928 (बिहटा, पटना): स्वामी सहजानंद सरस्वती** ने औपचारिक रूप से किसान सभा की स्थापना की।

• **नवंबर 1929 (सोनपुर मेला):** स्वामी सहजानंद सरस्वती की अध्यक्षता में **'बिहार प्रांतीय किसान सभा' (BPKS)** का गठन हुआ, जिसके प्रथम सचिव **श्रीकृष्ण सिंह** थे। (द्वितीय अधिवेशन 1934 में गया में पुरुषोत्तम दास टंडन की अध्यक्षता में तथा तृतीय अधिवेशन 1935 में हाजीपुर में स्वामी सहजानंद की अध्यक्षता में हुआ, जहाँ जमींदारी उन्मूलन का प्रस्ताव पारित हुआ)।

• **11 अप्रैल 1936 (लखनऊ):** स्वामी सहजानंद सरस्वती की अध्यक्षता एवं **एन.जी. रंगा** के महासचिव पद के साथ **'अखिल भारतीय किसान सभा' (AIKS)** का गठन हुआ। स्वामी सहजानंद की प्रमुख पत्रिका **'हुंकार'** (संपादक: राहुल सांकृत्यायन) और आत्मकथा **'मेरा जीवन संघर्ष'** थी।

• **बकाश्त एवं क्षेत्रीय किसान आंदोलन: कार्यानंद शर्मा** (बड़हिया ताल, मुंगेर — 1936-39), **यदुनंदन शर्मा** (रेवरा सत्याग्रह, गया), **राहुल सांकृत्यायन** (अंबारी सत्याग्रह, सारण), **रामानंद मिश्र** (दरभंगा)।

2.3 बिहार का अपवाह तंत्र (कोसी, गंडक, सोन, पुनपुन व गंगा नदी तंत्र)

बिहार भूगोल एवं जल संसाधन (Bihar Wikipedia) के अनुसार गंगा नदी बिहार को लगभग दो बराबर भागों (उत्तरी बिहार का मैदान एवं दक्षिणी बिहार का मैदान) में विभाजित करती है। गंगा नदी बक्सर जिले के **चौसा** के निकट बिहार में प्रवेश करती है और **12 जिलों** (बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुंगेर, खगड़िया, लखीसराय, कटिहार, भागलपुर) से होते हुए कुल **445 किमी** प्रवाहित होती है (बिहार में गंगा की सर्वाधिक लंबाई **पटना जिले में 99 किमी** और दूसरे स्थान पर **भागलपुर में 97 किमी** है)।

नदी का नाम	उद्गम स्थल (Origin)	बिहार में प्रवेश बिंदु	गंगा में संगम स्थल (Confluence)	बिहार में लंबाई / कुल लंबाई एवं प्रमुख विशेषताएँ व परियोजनाएँ
घाघरा (सरयू / करनाली)	मापचाचुंगो हिमनद (तिब्बत)	गुठनी (सीवान)	रेविलगंज (छपरा, सारण)	बिहार में 83 किमी; उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच प्राकृतिक सीमा बनाती है
गंडक (नारायणी / शालिग्रामी / सप्तगंडकी)	अन्नपूर्णा व धौलागिरि श्रेणी (नेपाल-तिब्बत सीमा)	भैंसलोटन / वाल्मीकिनगर (पश्चिमी चंपारण)	पहलेजा घाट / सोनपुर-हाजीपुर (पटना के सामने)	बिहार में 260 किमी; भैंसालोटन में **वाल्मीकिनगर बैराज** से **त्रिवेणी नहर** (1904 - पश्चिमी चंपारण), तिरहुत नहर व सारण नहर निकाली गई हैं
बूढ़ी गंडक (सिकरहना)	सोमेश्वर की पहाड़ियाँ (चौतरवा चौर, पश्चिमी चंपारण)	पश्चिमी चंपारण (बिहार से ही उद्गम)	मुंगेर के उत्तर में (खगड़िया सीमा)	320 किमी — **उत्तरी बिहार में सबसे तेज़ जलधारा वाली तथा गंगा की सबसे लंबी सहायक नदी (बिहार के भीतर)**

नदी का नाम	उद्गम स्थल (Origin)	बिहार में प्रवेश बिंदु	गंगा में संगम स्थल (Confluence)	बिहार में लंबाई / कुल लंबाई एवं प्रमुख विशेषताएँ व परियोजनाएँ
बागमती	महाभारत श्रेणी (शिवपुरी श्रेणी, काठमांडू के उत्तर, नेपाल)	ढेंग (सीतामढ़ी)	बदलाघाट (खगड़िया - कोसी/बूढ़ी गंडक के माध्यम से)	बिहार में 394 किमी; कमला इसकी प्रमुख सहायक नदी है; सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा में प्रवाह
कोसी (सप्तकोसी)	गोसाईस्थान / सप्तकोसी (पूर्वी नेपाल-तिब्बत सीमा)	भीमनगर (सुपौल)	कुरसेला (कटिहार)	बिहार में 260 किमी (कुल 729 किमी); मार्ग परिवर्तन के कारण **'बिहार का शोक' (Sorrow of Bihar)**; हनुमाननगर (नेपाल सीमा) बैराज से पूर्वी व पश्चिमी कोसी नहरें
महानंदा	महालदिरम पहाड़ी (दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल)	किशनगंज	गोदागरी घाट (मनिहारी के पूर्व / नवाबगंज, बांग्लादेश सीमा क्षेत्र)	उत्तरी बिहार के सबसे पूर्वी भाग (किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार) में प्रवाहित होने वाली नदी; मुख्य सहायक: मेची, कनकई, बालासोन
कर्मनाशा	कैमूर की पहाड़ियाँ (सरोदाग, कैमूर)	कैमूर	चौसा (बक्सर)	बिहार और उत्तर प्रदेश की पश्चिमी सीमा का निर्धारण करती है; लोकमान्यता में इसे 'अपवित्र नदी' माना गया है
सोन (सोनभद्र / हिरण्यवाह)	अमरकंटक की पहाड़ी (मैकाल श्रेणी, अनूपपुर, एमपी)	रोहतास (झारखंड के पलामू की सीमा से)	मनेर / दानापुर (पटना के पश्चिम में)	कुल 784 किमी (बिहार में 202 किमी); दक्षिणी बिहार से आकर गंगा में मिलने वाली सबसे बड़ी नदी; **डेहरी (रोहतास) में इंद्रपुरी बैराज (1874 सोन नहर प्रणाली — बिहार की सबसे पुरानी आधुनिक नहर)**; मुख्य सहायक: उत्तरी कोयल, रिहंद, कन्हार
पुनपुन (कीकट / बमागधी)	चौराहा पहाड़ी (पलामू, झारखंड)	औरंगाबाद	फतुहा (पटना के पूर्व में)	कुल 200 किमी; औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद और पटना से प्रवाहित; मुख्य सहायक: दरधा, मोरहर, मदार
फल्गु (निरंजना)	छोटानागपुर पठार (उत्तरी छोटानागपुर, झारखंड)	गया	टाल क्षेत्र (मोकामा के निकट गंगा में विलीन)	निरंजना और मोहना नदियों के संगम से फल्गु बनती है; इसी के तट पर बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ एवं गया में पिंडदान होता है; देश का सबसे बड़ा रबर डैम ('गयाजी डैम' - 411 मीटर)
किऊल एवं अजय नदी	खजुरीडांड़ (गिरिडीह, झारखंड) / बटपाड़ (जमुई)	जमुई	सूरजगढ़ा (लखीसराय - किऊल नदी) / भागीरथी (बंगाल - अजय नदी)	दक्षिणी बिहार की पठारी एवं मौसमी नदियाँ; बरनार एवं हरोहर किऊल की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं

2.4 बिहार जनगणना 2011, बिहार जाति आधारित गणना (2023) एवं आर्थिक सर्वेक्षण

1. जनगणना 2011 के मुख्य तथ्य:

• **कुल जनसंख्या: 10,40,99,452** (देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य — 8.60% अंश; पुरुष: 52.14%, महिला: 47.86%)।

• **जनसंख्या घनत्व: 1,106 व्यक्ति/वर्ग किमी** (भारत के सभी राज्यों में **प्रथम स्थान**; 2001 में 881 था)। **शीर्ष जिला:** शिवहर (1,880), पटना (1,823); **न्यूनतम जिला:** कैमूर (488), जमुई (568)।

• **दशकीय वृद्धि दर (2001–11): 25.42%** (राष्ट्रीय औसत 17.7% से अधिक; बड़े राज्यों में सर्वाधिक)। **शीर्ष जिला:** मधेपुरा (31.12%), किशनगंज (30.40%); **न्यूनतम जिला:** गोपालगंज (19.02%), दरभंगा (19.47%)।

• **साक्षरता दर: 61.80%** (पुरुष: **71.20%**, महिला: **51.50%** — तीनों श्रेणियों में देश में 28वाँ/अंतिम स्थान)। **शीर्ष साक्षरता वाला जिला:** रोहतास (73.37% — पुरुष व महिला दोनों में प्रथम), पटना (70.68%); **न्यूनतम साक्षरता वाला जिला:** पूर्णिया (51.08%), सीतामढ़ी (52.05%)। न्यूनतम महिला साक्षरता: **सहरसा (41.68%)**; न्यूनतम पुरुष साक्षरता: **पूर्णिया (59.06%)**।

• **लिंगानुपात: 918** (शिशु लिंगानुपात 0–6 वर्ष: **935**)। **शीर्ष लिंगानुपात:** गोपालगंज (1,021), सीवान (988); **न्यूनतम लिंगानुपात:** मुंगेर (876), भागलपुर (880)।

• **नगरीकरण (Urbanization): 11.29%** (ग्रामीण जनसंख्या: **88.71%** — हिमाचल प्रदेश के बाद सर्वाधिक ग्रामीण प्रतिशत)। सर्वाधिक नगरीकृत जिला: **पटना (43.07%)**; न्यूनतम नगरीकृत जिला: **समस्तीपुर (3.47%)** एवं बांका (3.50%)।

2. बिहार जाति आधारित गणना (Bihar Caste-Based Survey 2023) के आधिकारिक आँकड़े:

बिहार जाति आधारित सर्वेक्षण एवं भूमि वितरण विश्लेषण (Bihar Caste-Based Survey 2023 Data) के अनुसार 2 अक्टूबर 2023 (और 7 नवंबर 2023 को विधानसभा में प्रस्तुत आर्थिक रिपोर्ट) को जारी बिहार जाति आधारित गणना के मुख्य तथ्य निम्नलिखित हैं:

- **कुल जनसंख्या: 13,07,25,310** (लगभग 13.07 करोड़; कुल परिवारों की संख्या: 2.83 करोड़ से अधिक; लिंगानुपात बढ़कर **953** हुआ)।
- **सामाजिक वर्गवार जनसंख्या प्रतिशत:**
- **अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC): 36.0148%** (4,70,80,514 — सबसे बड़ा सामाजिक समूह)
- **पिछड़ा वर्ग (BC): 27.1286%** (3,54,63,936) — **[OBC (EBC + BC) का संयुक्त प्रतिशत: 63.14%]**
- **अनुसूचित जाति (SC): 19.6518%** (2,56,89,820)
- **अनारक्षित / सामान्य वर्ग (General/UC): 15.5224%** (2,02,91,679)
- **अनुसूचित जनजाति (ST): 1.6824%** (21,99,361)
- **प्रमुख एकल जातियों की हिस्सेदारी:** यादव (14.2666% — सर्वाधिक), दुसाध/धारी/धरही (5.31%), रविदास/चमार (5.25%), कुशवाहा/कोइरी (4.21%), ब्राह्मण (3.65%), राजपूत (3.45%), मुसहर (3.08%), कुर्मी (2.87%), भूमिहार (2.86%), तेली (2.81%), मल्लाह (2.60%)।
- **धार्मिक संरचना:** हिंदू (81.9986%), मुस्लिम (17.7088%), ईसाई (0.0576%), सिख (0.0113%), बौद्ध (0.0851%), जैन (0.0096%)।
- **आर्थिक स्थिति एवं बिहार गरीब परिवार उद्यमी योजना:** सर्वेक्षण के अनुसार राज्य के **34.13% परिवार (लगभग 94.42 लाख परिवार)** प्रति माह **₹6,000 या उससे कम** आय पर जीवनयापन करते हैं; इनके उत्थान हेतु राज्य सरकार ने **'बिहार लघु उद्यमी योजना'** के अंतर्गत प्रत्येक गरीब परिवार को स्वरोजगार हेतु **₹2 लाख** की अनुदान सहायता (3 किस्तों में: 25%, 50%, 25%) देने का प्रावधान किया है।

3. **बिहार आर्थिक सर्वेक्षण एवं हरित बजट (Green Budget):**

- बिहार हरित बजट (Bihar Green Budget Report) के अनुसार बिहार भारत का **पहला राज्य** है जिसने वित्तीय वर्ष 2020-21 से लगातार **'ग्रीन बजट' (हरित बजट)** प्रस्तुत किया है।
- **प्रति व्यक्ति आय (Per Capita GDDP) में शीर्ष-3 जिले:** 1. **पटना**, 2. **बेगूसराय**, 3. **मुंगेर**।
- **प्रति व्यक्ति आय में न्यूनतम-3 जिले:** 1. **शिवहर** (सबसे कम), 2. **अररिया**, 3. **सीतामढ़ी**।
- **सात निश्चय भाग-2 (2020–2025):** (1) युवा शक्ति - बिहार की प्रगति, (2) सशक्त महिला - सक्षम महिला, (3) हर खेत तक सिंचाई का पानी, (4) स्वच्छ गाँव - समृद्ध गाँव, (5) स्वच्छ शहर - विकसित शहर, (6) सुलभ संपर्कता, (7) सबके लिए अतिरिक्त स्वास्थ्य सुविधा।

मॉड्यूल 3 (ग): मध्य प्रदेश राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Madhya Pradesh Complete Profile)

3.1 मध्य प्रदेश के 10 संभाग (Divisions) एवं सभी 55 जिले (55 Districts)

मध्य प्रदेश राज्य प्रोफाइल (Madhya Pradesh State Guide) एवं मध्य प्रदेश आधिकारिक विवरण (Wikipedia) के अनुसार मध्य प्रदेश (स्थापना: **1 नवंबर 1956** — फजल अली आयोग की अनुशंसा पर सेंट्रल प्रोविंसेज एवं बरार, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश एवं भोपाल को मिलाकर गठन; **1 नवंबर 2000** को 16 जिले पृथक कर छत्तीसगढ़ का गठन) क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का **दूसरा सबसे बड़ा राज्य** (**3,08,252 वर्ग किमी** — देश के कुल क्षेत्रफल का **9.38%**) है। इसे 'हृदय प्रदेश', 'सोया स्टेट', 'टाइगर स्टेट', 'लेपर्ड स्टेट', 'चीता स्टेट', 'वुल्फ एवं वल्चर स्टेट', 'हीरा प्रदेश' और 'नदियों का मायका' कहा जाता है।

- **राजकीय प्रतीक एवं संवैधानिक संरचना:** राजकीय पशु: **बारहसिंगा** (*Rucervus duvaucelii* — बैटरी प्रजाति, जो केवल कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है), राजकीय पक्षी: **दूधराज / शाह बुलबुल** (Indian Paradise Flycatcher), राजकीय वृक्ष: **बरगद** (*Ficus benghalensis*), राजकीय पुष्प: **सफेद लिली** (*Lilium candidum*), राजकीय मछली: **महाशीर** (*Tor putitora* — 2011 में घोषित, नर्मदा नदी में संरक्षण), राजकीय खेल: **मलखंब** (2013 में घोषित, प्रभाष जोशी पुरस्कार इससे संबंधित है), राजकीय नृत्य: **राई** (बुंदेलखंड), राजकीय नाट्य: **माच** (मालवा)।

• **विधायिका एवं संसदीय सीटें:** एकसदनात्मक विधायिका — **विधानसभा: 230 सीटें** (SC हेतु **35** एवं ST हेतु **47** सीटें आरक्षित — भारत में सर्वाधिक ST विधानसभा सीटें), **लोकसभा: 29 सीटें** (SC हेतु **4** [भिंड, टीकमगढ़, उज्जैन, देवास] एवं ST हेतु **6** [शहडोल, मंडला, बैतूल, धार, खरगोन, रतलाम] आरक्षित), **राज्यसभा: 11 सीटें**।

• **उच्च न्यायालय:** जबलपुर (स्थापना 1 नवंबर 1956; भवन वास्तुकार: हेनरी इरविन); **2 स्थायी खंडपीठ:** इंदौर एवं ग्वालियर (तीसरी प्रस्तावित खंडपीठ: भोपाल)।

क्र.सं.	संभाग (Division)	मुख्यालय	जिलों की संख्या	संभाग में सम्मिलित सभी 55 जिले एवं नवीनतम गठित जिलों का विवरण
1	**जबलपुर संभाग** (क्षेत्रफल में सबसे बड़ा)	जबलपुर	9	**1. जबलपुर** (संस्कारधानी, भेड़ाघाट धुआँधार जलप्रपात), **2. कटनी** (चूना नगरी), **3. नरसिंहपुर** (गन्ना व तुअर दाल उत्पादन में प्रथम), **4. छिंदवाड़ा** (पातालकोट - भारिया जनजाति), **5. सिवनी** (पेंच नेशनल पार्क, मध्य प्रदेश का लखनऊ), **6. मंडला** (कान्हा नेशनल पार्क, गोंडवाना राजधानी रामनगर), **7. बालाघाट** (मलाजखंड ताँबा व भरवेली मैंगनीज खदान, सर्वाधिक लिंगानुपात 1,021 व सर्वाधिक वन क्षेत्र), **8. डिंडोरी** (घुघवा जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान, न्यूनतम जनघनत्व 94), **9. पांढुर्णा** (**54वाँ जिला** — अक्टूबर 2023 में छिंदवाड़ा से पृथक, जाम नदी पर प्रसिद्ध 'गोटमार मेला')
2	**इंदौर संभाग** (जनसंख्या में सबसे बड़ा)	इंदौर	8	**10. इंदौर** (मिनी मुंबई, लगातार स्वच्छतम शहर, IIM व IIT दोनों स्थापित होने वाला देश का एकमात्र शहर, रालामंडल अभयारण्य - सबसे छोटा), **11. धार** (राजा भोज की नगरी, मांडू - सिटी ऑफ जॉय, बाग की गुफाएँ, डायनासोर जीवाश्म पार्क, पीथमपुर - भारत का डेट्रॉइट), **12. झाबुआ** (भील जनजाति, भगोरिया हाट, कड़कनाथ मुर्गा GI टैग), **13. अलीराजपुर** (2008 में झाबुआ से पृथक, चंद्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली भाभरा, न्यूनतम साक्षरता 36.10%), **14. खरगोन (पश्चिमी निमाड़)** (महेश्वर - अहिल्याबाई होल्कर की राजधानी, कपास अनुसंधान केंद्र, नवग्रह मेला), **15. बड़वानी** (बावनगजा - ऋषभदेव की 72 फीट ऊँची प्रतिमा, धान अनुसंधान केंद्र), **16. खंडवा (पूर्वी निमाड़)** (ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, हनुवंतिया टापू - जल महोत्सव, संत सिंगाजी ताप विद्युत गृह, किशोर कुमार व माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि), **17. बुरहानपुर** (दक्षिण का प्रवेश द्वार, असीरगढ़ का किला, मुमताज महल की प्रारंभिक कब्र, नेपानगर अखबारी कागज कारखाना 1948/56, देश का प्रथम 'हर घर जल' प्रमाणित जिला)
3	**उज्जैन संभाग**	उज्जैन	7	**18. उज्जैन** (क्षिप्रा नदी तट, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग व महाकाल लोक, सिंहस्थ कुंभ, सांदीपनि आश्रम, जंतर-मंतर वेधशाला), **19. देवास** (बैंक नोट प्रेस - 1974, चामुंडा माता टेकरी, कुमार गंधर्व की कर्मभूमि), **20. रतलाम** (रतलामी सेव GI टैग, सैलाना खरमोर पक्षी अभयारण्य), **21. शाजापुर** (मक्सी औद्योगिक केंद्र), **22. आगर-मालवा** (16 अगस्त 2013 को शाजापुर से पृथक 51वाँ जिला; सालरिया में कामधेनु गौ-अभयारण्य - भारत का प्रथम), **23. मंदसौर** (शिवना नदी तट पर पशुपतिनाथ मंदिर, दशपुर, अफीम व स्लेट पेंसिल उत्पादक, गांधी सागर बांध), **24. नीमच** (3 जून 1857 को एमपी में 1857 क्रांति का प्रारंभ, CRPF की जन्मस्थली, शासकीय अफीम व एल्कलॉइड कारखाना)
4	**रीवा संभाग**	रीवा	6	**25. रीवा** (सफेद बाघों की भूमि, बिछिया नदी तट, चचाई, केवटी, बहुतही [एमपी का सबसे ऊँचा जलप्रपात - 198 मीटर] व पूर्वा जलप्रपात, सुंदरजा आम GI टैग), **26. सतना** (चित्रकूट, भरहुत बौद्ध स्तूप - अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा खोजा गया, मुकुंदपुर महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी), **27. सीधी** (संजय-डुबरी राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिज़र्व, सोन घड़ियाल अभयारण्य, बीरबल का जन्मस्थान घोगरा), **28. सिंगरौली** (24 मई 2008 को सीधी से पृथक 50वाँ जिला; बैढ़न मुख्यालय; एमपी की ऊर्जा राजधानी व सबसे पूर्वी जिला; 136.5 मीटर मोटी कोयला परत), **29. मऊगंज** (**53वाँ जिला** — 13 अगस्त 2023 को रीवा से पृथक, मऊगंज, हनुमना व नईगढ़ी तहसीलें), **30. मैहर** (**55वाँ जिला** — अक्टूबर 2023 में सतना से पृथक; त्रिकूट पर्वत पर माँ शारदा मंदिर, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की संगीत नगरी)
5	**सागर संभाग**	सागर	6	**31. सागर** (डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय 1946 - एमपी का सबसे पुराना विश्वविद्यालय, एरण अभिलेख - भानुगुप्त 510 ई. सती प्रथा का प्रथम साक्ष्य, नौरादेही/वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य - सबसे बड़ा अभयारण्य), **32. दमोह** (बांदकपुर जागेश्वरनाथ मंदिर, सिंगौरगढ़ का किला), **33. पन्ना** (हीरा उत्खनन - मझगवाँ, पन्ना राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिज़र्व, केन नदी व पांडव जलप्रपात), **34. छतरपुर** (खजुराहो मंदिर समूह - 1986 में एमपी का प्रथम यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, धुबेला संग्रहालय, केन घड़ियाल अभयारण्य), **35. टीकमगढ़** (कुंडेश्वर शिव मंदिर), **36. निवाड़ी** (**52वाँ जिला** — 1 अक्टूबर 2018 को टीकमगढ़ से पृथक; क्षेत्रफल व जनसंख्या दोनों में एमपी का सबसे छोटा जिला; ओरछा - बुंदेला राजधानी, रामराजा मंदिर, जहांगीर महल, बेतवा नदी)
6	**भोपाल संभाग**	भोपाल	5	**37. भोपाल** (राजधानी, राजा भोज द्वारा बसाया गया भोजपाल, बड़ा तालाब - रामसर स्थल 2002, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भारत भवन - 1982 चार्ल्स कोरिया, ताज-उल-मसाजिद), **38. सीहोर** (बुधनी - रेलवे स्लीपर कारखाना, सलकनपुर देवी मंदिर, कुंवर चैनसिंह की छतरी - एमपी का मंगल पांडेय), **39. रायसेन** (साँची बौद्ध स्तूप - 1989 यूनेस्को विश्व धरोहर व भारत की प्रथम सोलर सिटी, भीमबेटका शैलाश्रय - 2003 यूनेस्को विश्व धरोहर [विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा 1957 में खोज], भोजपुर शिव मंदिर, मंडीदीप औद्योगिक केंद्र, रातापानी टाइगर रिज़र्व), **40. राजगढ़** (ब्यावरा - राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा, चिड़ीखोह अभयारण्य - मालवा का कश्मीर), **41. विदिशा** (प्राचीन बेसनगर/भिलसा, हेलियोडोरस का गरुड़ स्तंभ/खाम बाबा 110 ई.पू., उदयगिरि की गुप्तकालीन गुफाएँ - गुफा संख्या 5 वराह अवतार, कैलाश सत्यार्थी की जन्मभूमि)

क्र.सं.	संभाग (Division)	मुख्यालय	जिलों की संख्या	संभाग में सम्मिलित सभी 55 जिले एवं नवीनतम गठित जिलों का विवरण
7	**ग्वालियर संभाग**	ग्वालियर	5	**42. ग्वालियर** (सूरजसेन द्वारा 525 ई. में निर्मित ग्वालियर दुर्ग - 'पूर्व का जिब्राल्टर / किलों का रत्न', मानमंदिर महल, गुजरी महल, सास-बहू मंदिर, तेली का मंदिर - उत्तर भारत में द्रविड़ शैली का एकमात्र मंदिर, तानसेन व रानी लक्ष्मीबाई की समाधि, यूनेस्को 'सिटी ऑफ म्यूजिक'), **43. शिवपुरी** (एमपी की प्रथम पर्यटन नगरी, माधव राष्ट्रीय उद्यान - जॉर्ज कैसल भवन, तात्या टोपे की समाधि, नरवर का किला - नल-दमयंती कथा), **44. गुना** (बजरंगगढ़ का किला, विजयपुर में NFL उर्वरक संयंत्र व हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर गैस पाइपलाइन), **45. अशोकनगर** (चंदेरी - चंदेरी साड़ियाँ GI टैग, बैजू बावरा की समाधि, खूनी दरवाजा, कौशक महल, जागेश्वरी देवी मेला), **46. दतिया** (वीरसिंह देव द्वारा निर्मित 7-मंजिला सतखंडा महल, पीतांबरा शक्तिपीठ, सोनागिरि के 108 जैन मंदिर, गुर्जरा अशोक शिलालेख)
8	**चंबल संभाग**	मुरैना	3	**47. मुरैना** (चंबल घड़ियाल अभयारण्य, ककनमठ मंदिर सिहोनिया, चौंसठ योगिनी मंदिर मितावली - पुराने संसद भवन की प्रेरणा, बटेश्वर मंदिर समूह, गजक GI टैग, शहद व सरसों उत्पादन में प्रथम), **48. भिंड** (अटेर का किला, गोहद का किला - एमपी में न्यूनतम वर्षा वाला स्थान 55 सेमी, मालनपुर औद्योगिक केंद्र, न्यूनतम लिंगानुपात 837), **49. श्योपुर** (कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान - 17 सितंबर 2022 को नामीबिया व बाद में दक्षिण अफ्रीका से चीता पुनर्वास, सहरिया जनजाति संग्रहालय, काष्ठ कला)
9	**नर्मदापुरम संभाग** (पूर्व नाम: होशंगाबाद)	नर्मदापुरम	3	**50. नर्मदापुरम (होशंगाबाद)** (पचमढ़ी - सतपुड़ा की रानी, एमपी का एकमात्र हिल स्टेशन व प्रथम बायोस्फीयर रिज़र्व 1999, धूपगढ़ - एमपी की सर्वोच्च चोटी 1,350 मीटर, सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, तवा बांध, सिक्योरिटी पेपर मिल 1967-68, आदमगढ़ शैलाश्रय), **51. हरदा** (टिमरनी, हंडिया - नर्मदा का नाभि कुंड व तेली की सराय, कान्हा बाबा का मेला सोडलपुर), **52. बैतूल** (मुलताई - ताप्ती नदी का उद्गम स्थल, सारणी सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, पाथाखेड़ा कोयला क्षेत्र, कुकरू खामला कॉफी उत्पादक हिल स्टेशन, बाँचा गाँव - देश का प्रथम पूर्ण सौर रसोई गाँव)
10	**शहडोल संभाग**	शहडोल	3	**53. शहडोल** (बाणसागर परियोजना - देवलोंद सोन नदी, सुहागपुर कोयला क्षेत्र - एमपी का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र, ओरिएंट पेपर मिल अमलाई, विराटेश्वर मंदिर सोहागपुर), **54. उमरिया** (बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिज़र्व - 32 पहाड़ियों से घिरा व सर्वाधिक बाघ घनत्व, लाख बनाने का सरकारी कारखाना), **55. अनूपपुर** (अमरकंटक - नर्मदा, सोन व जोहिला नदियों का उद्गम स्थल, कपिलधारा व दुग्धधारा जलप्रपात, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय 2008)

3.2 मध्य प्रदेश के प्रमुख राजवंश: चंदेल, परमार, होल्कर, सिंधिया एवं गोंडवाना

1. चंदेल राजवंश (जेजाकभुक्ति / बुंदेलखंड — 9वीं से 13वीं शताब्दी):

• **संस्थापक: नन्नुक** (831 ई., राजधानी: खजुराहो; बाद में महोबा व कालिंजर)। पौराणिक नाम जेजा या जयशक्ति के नाम पर इस क्षेत्र को **'जेजाकभुक्ति'** कहा गया।

• **यशोवर्मन (लक्ष्मणवर्मन):** खजुराहो के प्रसिद्ध **लक्ष्मण मंदिर** (वैकुंठ विष्णु प्रतिमा) का निर्माण कराया।

• **राजा धंगदेव (950–1002 ई.):** प्रतिहारों से पूर्ण स्वतंत्रता घोषित की; खजुराहो के **विश्वनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ जैन मंदिर** एवं **वैद्यनाथ मंदिर** का निर्माण कराया तथा प्रयाग संगम में जल समाधि ली।

• **राजा विद्याधर (1019–1029 ई.):** चंदेल वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक, जिसने महमूद गजनवी के आक्रमणों का सफलतापूर्वक प्रतिरोध किया और खजुराहो के भव्यतम एवं सबसे बड़े मंदिर **'कंदरिया महादेव मंदिर'** (पंचायतन शैली) का निर्माण कराया।

• **परमर्दिदेव (परमाल - 1165–1203 ई.):** अंतिम स्वतंत्र चंदेल शासक; इनके प्रसिद्ध सेनापति दो भाई **आल्हा और ऊदल** थे, जिन्होंने 1182 ई. के तुमुल (महोबा) युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की सेना से युद्ध किया (जगनिक द्वारा रचित 'परमाल रासो / आल्हा खंड')। 1202-03 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने कालिंजर पर अधिकार कर लिया।

2. परमार राजवंश (मालवा — 9वीं से 14वीं शताब्दी):

• **संस्थापक: उपेंद्र (कृष्णराज)** — प्रारंभिक राजधानी उज्जैन। **सीयक द्वितीय (हर्ष)** ने राष्ट्रकूटों से स्वतंत्रता प्राप्त की।

• **वाक्पति मुंज (972–995 ई.):** धार में **मुंज सागर झील** का निर्माण कराया; इसके दरबार में पद्मगुप्त (नवसाहसांकचरित), धनंजय (दशरूपक), धनिक एवं हलायुध रहते थे।

• **राजा भोज (1000–1055 ई.):** परमार वंश के महानतम शासक; उन्होंने राजधानी उज्जैन से **धार (धारा नगरी)** स्थानांतरित की, धार में **भोजशाला (सरस्वती मंदिर — वाग्देवी की प्रतिमा)**, भोपाल के निकट **भोजपुर शिव मंदिर** तथा **साइक्लोपियन बांध / भोजताल** का निर्माण कराया। राजा भोज ने समरांगण सूत्रधार (वास्तुकला), सरस्वती कंठाभरण, आयुर्वेद सर्वस्व, युक्तिकल्पतरु (नौका निर्माण) एवं चारुचर्या सहित 23 से अधिक ग्रंथों की रचना की

("अद्य धारा निराधारा निरालम्बा सरस्वती" — इनकी मृत्यु पर कही गई प्रसिद्ध उक्ति)। 1305 ई. में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति ऐन-उल-मुल्क मुल्तानी ने अंतिम परमार शासक **महलकदेव** को पराजित कर मालवा को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया।

3. **गोंडवाना राजवंश (गढ़ा-मंडला / गढ़ा-कटंगा):**

• **संस्थापक: यादवराय**; इस वंश के सबसे प्रतापी शासक **संग्राम शाह (अमानदास)** थे, जिन्होंने **52 गढ़ों** पर अधिकार किया और चौरागढ़ का किला (नरसिंहपुर) व मदन महल के निकट संग्राम सागर बनवाया।

• **वीरांगना रानी दुर्गावती (1548–1564 ई.):** चंदेल शासक कीर्तिसिंह की पुत्री एवं गोंड शासक दलपत शाह की पत्नी। दलपत शाह की मृत्यु के बाद उन्होंने अपने अल्पवयस्क पुत्र **वीरनारायण** की संरक्षिका के रूप में गढ़ा-मंडला का कुशल शासन चलाया, मालवा के शासक बाज बहादुर को पराजित किया और राजधानी सिंगौरगढ़ से **चौरागढ़** स्थानांतरित की। **24 जून 1564** को अकबर के सेनापति **आसफ खाँ** के विरुद्ध जबलपुर के पास **बरेला (नरई नाला)** के युद्ध में गंभीर रूप से घायल होने पर उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय अपनी कटार से आत्मबलिदान दिया।

• **1857 में गोंड शासक:** गढ़ा-मंडला के वंशज **राजा शंकर शाह** और उनके पुत्र **कुंवर रघुनाथ शाह** को 18 सितंबर 1857 को जबलपुर में अंग्रेजों ने तोप के मुँह से बाँधकर उड़ा दिया था।

4. **होल्कर राजवंश (इंदौर एवं महेश्वर):**

• **संस्थापक: मल्हारराव होल्कर (1731 ई.)** — पेशवा बाजीराव प्रथम के प्रमुख सेनापति; उनकी छतरी आलमपुर (भिंड) में स्थित है।

• **लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर (1767–1795 ई.):** मल्हारराव के पुत्र खंडेराव की पत्नी; उन्होंने अपनी राजधानी इंदौर से नर्मदा तट पर **महेश्वर** स्थानांतरित की, महेश्वर किला व घाट बनवाए, महेश्वरी साड़ी उद्योग को संरक्षण दिया तथा काशी विश्वनाथ मंदिर (1780), सोमनाथ, गया विष्णुपद मंदिर सहित संपूर्ण भारत में धर्मशालाओं, घाटों एवं मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया।

• **तुकोजीराव होल्कर** (अहिल्याबाई के सेनापति) एवं **यशवंतराव होल्कर प्रथम** ('मध्य भारत का नेपोलियन' — जिन्होंने राजपुरघाट की संधि दिसंबर 1805 तक अंग्रेजों से लोहा लिया)। **तुकोजीराव द्वितीय व तृतीय** तथा **यशवंतराव द्वितीय** के काल में इंदौर का आधुनिक औद्योगिक एवं शैक्षिक विकास हुआ (लालबाग पैलेस व राजवाड़ा इंदौर)।

5. **सिंधिया राजवंश (उज्जैन एवं ग्वालियर):**

• **संस्थापक: रानोजी सिंधिया** — प्रारंभिक राजधानी **उज्जैन**।

• **महादजी सिंधिया (1761–1794 ई.):** पानीपत के तृतीय युद्ध से जीवित लौटने के बाद उत्तर भारत की राजनीति के सबसे शक्तिशाली स्तंभ बने; मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय को दिल्ली की गद्दी पर पुनः आसीन किया और 'वकील-ए-मुतलक' की उपाधि प्राप्त की।

• **दौलतराव सिंधिया: 1810 ई.** में राजधानी उज्जैन से **ग्वालियर (लश्कर)** स्थानांतरित की।

• **जयाजीराव सिंधिया:** 1857 के विद्रोह के समय शासक; इन्होंने फ्रांसीसी वास्तुकार **माइकल फिलोज** की देखरेख में ग्वालियर में **'जय विलास पैलेस' (1874)** का निर्माण कराया।

• **माधोराव सिंधिया प्रथम** एवं **जीवाजीराव सिंधिया** (स्वतंत्रता के समय शासक और मध्य भारत राज्य के राजप्रमुख)।

3.3 मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान (National Parks) एवं टाइगर रिज़र्व (Tiger Reserves)

NTCA Tiger Reserves Report, Ratapani Tiger Reserve Profile एवं MP State CAMPA Report के अनुसार मध्य प्रदेश में देश का **सर्वाधिक वनावरण (77,073 वर्ग किमी — ISFR)** और **सर्वाधिक बाघ (785 बाघ — अखिल भारतीय बाघ गणना 2022)** पाए जाते हैं:

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान / टाइगर रिज़र्व	जिला	स्थापना (NP / Project Tiger)	क्षेत्रफल / प्रमुख नदी एवं परीक्षा-उन्मुख विशिष्ट तथ्य
1	**कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व**	मंडला व बालाघाट	1955 (NP) / **1973-74 (प्रथम TR)**	**940 वर्ग किमी (MP का सबसे बड़ा NP)**; बंजर व सुपर्ण नदी; हालो व बंजर घाटी; बैटरी प्रजाति का बारहसिंगा; विश्व बैंक की सहायता से 'पार्क इंटरप्रिटेशन योजना'; **'भूरसिंह द बारहसिंगा'** आधिकारिक शुभंकर जारी करने वाला भारत का प्रथम टाइगर रिज़र्व (डिजाइनर: रोहन चक्रवर्ती)

क्र.सं.	राष्ट्रीय उद्यान / टाइगर रिज़र्व	जिला	स्थापना (NP / Project Tiger)	क्षेत्रफल / प्रमुख नदी एवं परीक्षा-उन्मुख विशिष्ट तथ्य
2	बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व	उमरिया	1968 (NP) / 1993 (TR)	448.85 वर्ग किमी; चरणगंगा नदी; **32 पहाड़ियों से घिरा**; सर्वाधिक बाघ घनत्व; भगवान विष्णु की लेटी हुई 'शेषनाग शैया' प्रतिमा व 2,000 वर्ष पुराना बांधवगढ़ किला; कबीर चौरा; **बंगाल टाइगर व सफेद बाघ (1951 में महाराजा मार्तंड सिंह द्वारा पकड़ा गया पहला सफेद बाघ 'मोहन')** हेतु प्रसिद्ध
3	**पेंच (इंदिरा प्रियदर्शनी) राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व**	सिवनी व छिंदवाड़ा	1975 (NP) / 1992 (TR)	292.85 वर्ग किमी; पेंच व कन्हान नदी; *रुडयार्ड किपलिंग की प्रसिद्ध कृति 'द जंगल बुक' (The Jungle Book) की प्रेरणा स्थली (मोगली लैंड उत्सव)*; NH-44 इससे होकर गुजरता है
4	**पन्ना राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व**	पन्ना व छतरपुर	1981 (NP) / 1994 (TR)	542.67 वर्ग किमी; **केन नदी** इसके मध्य से प्रवाहित होती है (केन-बेतवा लिंक से इसका कुछ भाग जलमग्न); रेप्टाइल पार्क व गिद्ध संरक्षण केंद्र; **2011 में बायोस्फीयर रिज़र्व** एवं **2020 में यूनेस्को के MAB नेटवर्क** में शामिल
5	**सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व**	नर्मदापुरम (होशंगाबाद)	1981 (NP) / 1999 (TR)	528.73 वर्ग किमी; देनवा व तवा नदी; कृष्णमृगों (Blackbucks) व इंडियन बायसन (गौर) की अधिकता; इसी में एमपी की सर्वोच्च चोटी **धूपगढ़ (1,350 मीटर)** स्थित है
6	**संजय (डुबरी) राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व**	सीधी व सिंगरौली	1981 (NP) / 2008 (TR)	466.88 वर्ग किमी; पुराना नाम **'डुबरी'**; गोपद, बनास व सोन नदियाँ; इसका बड़ा भाग वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ (गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान) में चला गया
7	**माधव राष्ट्रीय उद्यान (एवं टाइगर रिज़र्व)**	शिवपुरी	1958 (NP)	375.23 वर्ग किमी; मनिहार नदी जिस पर **सांख्य सागर (रामसर स्थल - 2022)**, जाधव सागर व माधव सागर झीलें निर्मित हैं; सर्वोच्च शिखर पर **जॉर्ज कैसल भवन (1911)** स्थित है
8	**वन विहार राष्ट्रीय उद्यान**	भोपाल	1979 (NP)	4.45 वर्ग किमी; भोपाल की बड़ी झील के किनारे स्थित आधुनिक चिड़ियाघर सह राष्ट्रीय उद्यान; **सर्प उद्यान (Snake Park)** तथा वन्यजीव गोद लेने (Animal Adoption) की प्रथा प्रारंभ करने वाला पार्क
9	**फासिल (घुघवा जीवाश्म) राष्ट्रीय उद्यान**	डिंडोरी (शाहपुरा)	1983 (NP)	**0.27 वर्ग किमी — मध्य प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान**; वनस्पति जीवाश्मों (नीलगिरी व ताड़ के 4 से 6 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म) के संरक्षण हेतु स्थापित (डॉ. धर्मेंद्र प्रसाद की भूमिका)
10	**डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान**	धार (बाग क्षेत्र)	2011 (NP)	0.897 वर्ग किमी; जोबट व बाघ नदी घाटी में 6.5 करोड़ वर्ष पुराने डायनासोर के अंडों एवं कंकाल जीवाश्मों के संरक्षण हेतु स्थापित
11	**कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान**	श्योपुर व मुरैना	2018 (NP)	748.76 वर्ग किमी; कूनो नदी; **17 सितंबर 2022 को भारत में विलुप्त हो चुके अफ्रीकी चीतों के अंतरमहाद्वीपीय पुनर्वास (Project Cheetah)** का ऐतिहासिक केंद्र
12	**वीरांगना दुर्गावती (नौरादेही) एवं रातापानी टाइगर रिज़र्व**	सागर-दमोह-नरसिंहपुर / रायसेन-सीहोर	2023 / 2024 (TR)	**वीरांगना दुर्गावती TR** (नौरादेही व रानी दुर्गावती अभयारण्यों को मिलाकर गठित देश का 54वाँ/MP का 7वाँ TR) तथा **रातापानी TR** (रायसेन - भीमबेटका शैलाश्रय इसी में स्थित है, एमपी का 8वाँ TR)

3.4 मध्य प्रदेश की नदी घाटी परियोजनाएँ (नर्मदा, चंबल, सोन, ताप्ती व बेतवा)

1. नर्मदा नदी घाटी परियोजना:

• **नर्मदा नदी ('मध्य प्रदेश की जीवन रेखा' / रेवा / नामोदास / मैकलसुता):** अनूपपुर जिले की मैकाल श्रेणी के **अमरकंटक (1,057 मीटर)** से निकलकर विंध्याचल (उत्तर) और सतपुड़ा (दक्षिण) के मध्य **भ्रंश घाटी (Rift Valley)** में पश्चिम की ओर प्रवाहित होती हुई गुजरात के भड़ौच के निकट **खंभात की खाड़ी** में **ज्वारनदमुख (Estuary)** बनाती है।

• **लंबाई:** कुल **1,312 किमी** (मध्य प्रदेश के 15/16 जिलों में **1,077 किमी [89.8%]**, महाराष्ट्र में 74 किमी, गुजरात में 161 किमी)। **कुल सहायक नदियाँ: 41** (बाएँ तट से 22: बंजर, शेर, शक्कर, दूधी, तवा [सबसे बड़ी सहायक नदी], गंजाल, कुंदा, गोई; दाएँ तट से 19: हिरन, तेंदोनी, बारना, कोलार, मान, उरी, हथिनी)।

• **प्रमुख बांध:** (1) **रानी अवंतीबाई लोधी सागर / बरगी परियोजना** (बिजौरा गाँव, जबलपुर — नर्मदा पर निर्मित प्रथम बांध, 90 MW), (2) **तवा परियोजना** (नर्मदापुरम — एमपी का सबसे लंबा बांध 1,815 मीटर), (3) **इंदिरा सागर परियोजना** (पुनासा, खंडवा — भारत का सर्वाधिक जल भंडारण क्षमता वाला बांध [12.22 BCM] एवं **1,000 MW** जलविद्युत उत्पादन), (4) **ओंकारेश्वर परियोजना** (मांधाता, खंडवा — **520 MW** जलविद्युत + **600 MW फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट**), (5) **महेश्वर परियोजना** (मंडलेश्वर, खरगोन — **400 MW**), (6) **सरदार सरोवर परियोजना** (केवड़िया/एकता नगर,

नर्मदा जिला, गुजरात — एमपी, महाराष्ट्र, गुजरात व राजस्थान की संयुक्त परियोजना; **1,450 MW** विद्युत, जिसमें **मध्य प्रदेश का अंश सर्वाधिक 57%** *[महाराष्ट्र 27%, गुजरात 16%]* है)।

2. **चंबल नदी घाटी परियोजना (एमपी और राजस्थान की 50:50 संयुक्त परियोजना, कुल 386 MW):**

• **चंबल नदी (चर्मावती / कामधेनु):** इंदौर के महू (डॉ. अंबेडकर नगर) की **जानापाव पहाड़ी (वांगचू पॉइंट - 854 मीटर)** से निकलकर मंदसौर, नीमच, राजस्थान (चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर) और एमपी (श्योपुर, मुरैना, भिंड) की सीमा बनाते हुए उत्तर प्रदेश के **इटावा (मुरादगंज)** के पास यमुना नदी में मिलती है (कुल लंबाई **965–1,024 किमी**)। यह **अवनालिका अपरदन (Gully Erosion / बीहड़ निर्माण)** के लिए कुख्यात है।

• **चंबल पर निर्मित 4 बांध (उद्गम से मुहाने की ओर क्रम):**

1. **गांधी सागर बांध (1960):** भानपुरा तहसील, **मंदसौर (एमपी)** — **115 MW** जलविद्युत (चंबल की प्रथम परियोजना)।

2. **राणा प्रताप सागर बांध (1970):** रावतभाटा, **चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)** — **172 MW** जलविद्युत (चंबल पर सर्वाधिक क्षमता वाला बांध; इसके पास चूलिया जलप्रपात व रावतभाटा परमाणु बिजलीघर स्थित है)।

3. **जवाहर सागर बांध / कोटा डैम (1972):** बोरावास, **कोटा-बूंदी (राजस्थान)** — **99 MW** जलविद्युत।

4. **कोटा बैराज (1960): कोटा (राजस्थान)** — केवल सिंचाई हेतु नहरें निकाली गई हैं।

3. **सोन, ताप्ती एवं बेतवा नदी परियोजनाएँ:**

• **बाणसागर परियोजना (सोन नदी):** शहडोल जिले के **देवलोंद** नामक स्थान पर सोन नदी पर निर्मित; यह **मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं बिहार की संयुक्त परियोजना (2 : 1 : 1 के अनुपात में)** है; विद्युत उत्पादन क्षमता **425 MW**।

• **ताप्ती नदी (सूर्यपुत्री):** बैतूल जिले की **मुलताई (मूल तापी) पहाड़ी** से निकलकर सतपुड़ा के दक्षिण में भ्रंश घाटी में बहती हुई सूरत (गुजरात) के पास खंभात की खाड़ी में गिरती है (कुल लंबाई **724 किमी**)। प्रमुख परियोजनाएँ: **पारसडोह बांध (बैतूल)**, हतनूर बांध (महाराष्ट्र), **उकाई एवं काकरापार परियोजना (गुजरात)**।

• **बेतवा नदी (वेत्रवती — 'मध्य प्रदेश की गंगा' *[प्रदूषण के आधार पर]* व 'बुंदेलखंड की जीवन रेखा'):** रायसेन के **कुम्हरा गाँव** से निकलकर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। प्रमुख परियोजनाएँ: **सम्राट अशोक सागर / हलाली परियोजना (विदिशा-रायसेन)**, **रानी लक्ष्मीबाई सागर / राजघाट बांध** (ललितपुर-अशोकनगर सीमा — एमपी व यूपी की संयुक्त परियोजना, 45 MW) एवं **माताटीला बांध (ललितपुर)**।

• **केन-बेतवा लिंक परियोजना:** अमृत क्रांति के अंतर्गत भारत की **प्रथम राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना** (केन नदी का अतिरिक्त जल **दौधन बांध** के माध्यम से 221 किमी लंबी नहर द्वारा बेतवा नदी में प्रवाहित कर बुंदेलखंड के 13 जिलों *[एमपी के 10 व यूपी के 3/4 जिले]* को सिंचाई व पेयजल उपलब्ध कराना)।

3.5 मध्य प्रदेश की खनिज संपदा एवं जनजातीय संस्कृति

• **प्रमुख खनिज एवं खदानें:**

• **हीरा (Diamond — भारत में एकाधिकार ~90%+):** पन्ना जिला (**मझगवाँ, हिनौता** एवं रामखेरिया खदानें — NMDC द्वारा उत्खनन), छतरपुर (**बक्सवाहा** व अंगोर) एवं सतना (कोटारिया)।

• **ताँबा (Copper — उत्पादन में भारत में प्रथम):** बालाघाट की **मलाजखंड खदान** (बैंहर तहसील — हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा संचालित, एशिया की सबसे बड़ी खुली ताँबा खदान - Open Cast Mine)।

• **मैंगनीज (Manganese — उत्पादन में प्रथम):** बालाघाट की **भरवेली खदान** (एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत मैंगनीज खदान) एवं उकवा तथा छिंदवाड़ा।

• **कोयला (Coal):** (1) **मध्य भारत कोयला क्षेत्र: सुहागपुर (शहडोल — क्षेत्रफल में एमपी का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र — 4,142 वर्ग किमी)**, **सिंगरौली (सबसे मोटी कोयला परत — 136.5 मीटर)**, उमरिया (सबसे छोटा कोयला क्षेत्र — 15.5 वर्ग किमी), जोहिला, कोरार; (2) **सतपुड़ा कोयला क्षेत्र:** मोहपानी, शाहपुर-तवा (**पाथाखेड़ा** - बैतूल), कान्हान घाटी व पेंच घाटी (छिंदवाड़ा)।

• **रॉक फॉस्फेट:** झाबुआ, सागर व छतरपुर | **ग्रेफाइट व टंगस्टन:** बैतूल (आगरगाँव — टंगस्टन/वुल्फ्राम) | **अभ्रक:** बालाघाट | **कोरंडम:** पिपरा-परकोटा (सिंगरौली) | **चीनी मिट्टी:** जबलपुर (लम्हेटाघाट) | **संगमरमर:** भेड़ाघाट (जबलपुर — सफेद संगमरमर), ग्वालियर (रंगीन संगमरमर)।

• **मध्य प्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी सांस्कृतिक विरासत (ST जनसंख्या: 1,53,16,784 — राज्य की कुल जनसंख्या का 21.10%, देश में सर्वाधिक जनजातीय आबादी):**

1. **भील (Bhil — मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी जनजाति, कुल ST का ~37.7%):** निवास: झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन। उपजातियाँ: भिलाला (महाराणा प्रताप के वंशज मानने वाले), बारेला, पटलिया, रथियास। प्रमुख पर्व: **भगोरिया उत्सव** (फाल्गुन माह में होली से पूर्व 7 दिनों तक 3 चरणों में: **गुलालिया** [2 दिन], **गोल गधेड़ो** [3 दिन — प्रणय पर्व] एवं **उजाड़िया** [2 दिन])। कला: **पिथौरा भित्ति चित्रकला** (प्रमुख कलाकार: पद्मश्री **पेमा फाल्या** व पद्मश्री **भूरी बाई**)। कृषि पद्धति: **चिमाता** (पहाड़ी ढलानों पर झूम कृषि) व **दजिया** (मैदानी झूम कृषि)।

2. **गोंड (Gond — एमपी की दूसरी सबसे बड़ी जनजाति, भारत की प्रमुख जनजाति):** निवास: नर्मदा के दोनों किनारों पर विंध्य व सतपुड़ा अंचल (मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, शहडोल)। व्यावसायिक उपजातियाँ: **अगरिया** (लोहे का काम करने वाले — मुख्य देवता 'लोहासुर'), **प्रधान** (पुजारी कार्य), **ओझा** (तांत्रिक व पंडिताई), **सोलहास** (बढ़ईगिरी), **कोयलाभूतिस** (नाचने-गाने वाले)। विवाह प्रथाएँ: दूध लौटावा (ममेरे-फुफेरे भाई-बहन विवाह), लमसेना (सेवा विवाह), चढ़ विवाह, पठौनी विवाह। प्रमुख नृत्य: **करमा** (गिनीज बुक में दर्ज), **सैला**, भड़म, बिरहा, कहरवा, सजनी-दीवानी। प्रमुख चित्रकार: **जनगढ़ सिंह श्याम** (जनगढ़ कलम के जनक), पद्मश्री **दुर्गा बाई व्याम** (**डिगना कला**), पद्मश्री **भज्जू श्याम**।

3. **बैगा (Baiga — विशेष पिछड़ी जनजाति PVTG):** निवास: मंडला (बैगाचक क्षेत्र), डिंडोरी, बालाघाट। वेरियर एल्विन ने इन पर '*The Baiga*' (1939) पुस्तक लिखी। ये धरती को अपनी माँ मानते हैं और उस पर हल चलाना पाप समझते हैं; इनकी झूम कृषि को **'बेवर' या 'पोंडू'** कहा जाता है। **साल वृक्ष** में इनके प्रमुख देवता **'बूढ़ा देव'** निवास करते हैं। गुदना (Tattoo) प्रिय जनजाति। प्रमुख नृत्य: **बैगानी करमा, बिलमा, परधौनी (विवाह के अवसर पर हाथी की प्रतिकृति के साथ), दशहरा एवं ददरिया**। पद्मश्री **जोधइया बाई बैगा** (उमरिया) बैगा चित्रकला की सुप्रसिद्ध कलाकार रहीं।

4. **भारिया (Bharia — PVTG):** निवास: छिंदवाड़ा जिले की तामिया तहसील का **पातालकोट** (घोड़े की नाल के आकार की गहरी घाटी — 79 वर्ग किमी में बसे 12 गाँव; 1981 की जनगणना में इन्हें 'जंगलियों के भी जंगली' कहा गया)। प्रमुख नृत्य: **भड़म, सेतम, करमा, शैला**। बोली: भरनौती। झूम कृषि: **दहिया**।

5. **सहरिया (Sahariya — PVTG):** निवास: चंबल व ग्वालियर संभाग (श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, गुना)। इनके निवास स्थान को **'सहराना'** और मुखिया को **'पटेल'** कहा जाता है। जड़ी-बूटियों के विशेष जानकार। प्रमुख नृत्य: **दुलदुल घोड़ी, लहंगी एवं रागिनी**। **सहरिया संग्रहालय श्योपुर** में स्थित है।

6. **कोल एवं कोरकू जनजाति: कोल** (रीवा, सीधी, सतना, शहडोल — एमपी की तीसरी सबसे बड़ी जनजाति; पंचायत को **'गोहिया'** और मोहल्ले को **'टोला'** कहते हैं; प्रमुख नृत्य: **कोल दहका**); **कोरकू** (नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा — मुंडा/कोलेरियन कुल; प्रमुख नृत्य: **चटकोरा एवं खंब स्वांग**; मृतकों की स्मृति में लकड़ी का स्तंभ लगाने की **'सिडोली प्रथा'**)।

मॉड्यूल 4 (घ): राजस्थान राज्य-विशेष समग्र अध्ययन (Rajasthan Complete Profile)

4.1 राजस्थान का भौगोलिक, प्रशासनिक एवं संवैधानिक परिचय

राजस्थान राज्य गाइड (Rajasthan State Guide), राजस्थान आर्थिक समीक्षा (NITI for States - Rajasthan Economic Review) एवं PMKSY राजस्थान सिंचाई प्रोफाइल के अनुसार राजस्थान (**3,42,239 वर्ग किमी** — भारत के कुल क्षेत्रफल का **10.41%**) क्षेत्रफल की दृष्टि से **भारत का सबसे बड़ा राज्य** (1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के पृथक होने के पश्चात) है।

• **राजस्थान का एकीकरण (7 चरण):** 18 मार्च 1948 (मत्स्य संघ) से प्रारंभ होकर **1 नवंबर 1956** को सातवें चरण में वर्तमान स्वरूप में आया (प्रतिवर्ष **30 मार्च** को 'राजस्थान दिवस' और **1 नवंबर** को 'राजस्थान स्थापना दिवस' मनाया जाता है)।

• **भौगोलिक विभाजन (4 भौतिक प्रदेश):**

1. **पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश (थार का मरुस्थल):** क्षेत्रफल का **61.11%** एवं जनसंख्या का **40%**; वर्षा: 10–50 सेमी।

2. **अरावली पर्वतीय प्रदेश:** क्षेत्रफल का **9%** एवं जनसंख्या का **10%**; विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वतमाला (प्री-कैम्ब्रियन कल्प); राजस्थान में लंबाई 550 किमी (कुल 692 किमी); सर्वोच्च चोटी: **गुरु शिखर (1,722 मीटर, माउंट आबू, सिरोही — कर्नल जेम्स टॉड ने इसे 'संतों का शिखर' कहा)**, सेर (1,597 मी., सिरोही), दिलवाड़ा (1,442 मी., सिरोही), जरगा (1,431 मी., उदयपुर), अचलगढ़ (1,380 मी., सिरोही)।

3. **पूर्वी मैदानी प्रदेश:** क्षेत्रफल का **23%** एवं जनसंख्या का **39%** (चंबल, बनास, बाणगंगा व माही बेसिन)।

4. **दक्षिण-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार):** क्षेत्रफल का **6.89%** एवं जनसंख्या का **11%** (कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ — काली कपासी मिट्टी)।

• **अंतर्राष्ट्रीय एवं अंतर-राज्यीय सीमा:**

• **रेडक्लिफ रेखा (पाकिस्तान से सीमा — 1,070 किमी):** श्रीगंगानगर (हिंदूमलकोट) से बाड़मेर (बाखासर/शाहगढ़) तक विस्तृत (प्रमुख सीमावर्ती जिले: श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर [तथा पुनर्गठन के संदर्भ में अनूपगढ़/फलौदी])।

• **5 पड़ोसी राज्य (कुल 4,850 किमी):** पंजाब (89 किमी — सबसे कम), हरियाणा (1,262 किमी), उत्तर प्रदेश (877 किमी), मध्य प्रदेश (1,600 किमी — सर्वाधिक), गुजरात (1,022 किमी)।

• **राजकीय प्रतीक एवं संवैधानिक संरचना:** राजकीय पशु: **चिंकारा** (वन्यजीव श्रेणी - 1981) एवं **ऊँट** (पशुधन श्रेणी - 2014), राजकीय पक्षी: **गोडावण** (Great Indian Bustard - *Ardeotis nigriceps* — गंभीर रूप से संकटग्रस्त), राजकीय वृक्ष: **खेजड़ी** (*Prosopis cineraria* — 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष / शमी'), राजकीय पुष्प: **रोहिड़ा** (*Tecomella undulata* — 'मरुशोभा / रेगिस्तान का सागवान'), राजकीय नृत्य: **घूमर**, राजकीय गीत: 'केसरिया बालम पधारो नी म्हारे देश' (मांड गायन शैली — अल्लाह जिलाई बाई), राजकीय खेल: **बास्केटबॉल** (1948)।

• **विधायिका एवं संसदीय सीटें:** एकसदनात्मक विधायिका — **विधानसभा: 200 सीटें** (SC हेतु 34 व ST हेतु 25 आरक्षित), **लोकसभा: 25 सीटें** (SC हेतु 4 व ST हेतु 3 आरक्षित), **राज्यसभा: 10 सीटें**। उच्च न्यायालय: **जोधपुर** (खंडपीठ: जयपुर)।

4.2 राजस्थान के प्रमुख दुर्ग एवं महल (Forts & Palaces of Rajasthan)

शुक्रनीति में दुर्गों की 9 श्रेणियाँ (एरण, पारिख, परिध, धन्वन, जल/औदक, गिरि, सैन्य, सहाय, वन) बताई गई हैं। जून 2013 में कंबोडिया के नॉम पेन्ह में हुए यूनेस्को के 37वें सत्र में राजस्थान के **6 पहाड़ी दुर्गों (Hill Forts of Rajasthan)** को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया (ट्रिक: **चीकू गाजर आम** — चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, गागरोन, जैसलमेर, रणथंभौर, आमेर):

क्र.सं.	दुर्ग / महल का नाम	जिला / अवस्थिति	निर्माता एवं निर्माण काल	स्थापत्य विशेषताएँ, प्रमुख स्मारक एवं ऐतिहासिक तथ्य
1	**चित्तौड़गढ़ दुर्ग** (यूनेस्को - 2013)	चित्तौड़गढ़ (गंभीरी व बेड़च नदियों के संगम के पास **मेसा के पठार** पर)	**चित्रांगद मौर्य** (7वीं शताब्दी); आधुनिक निर्माता: महाराणा कुंभा	**'राजस्थान का गौरव' व 'गढ़ों का सिरमौर'** ("गढ़ तो चित्तौड़गढ़ बाकी सब गढ़ैया"); क्षेत्रफल में सबसे बड़ा लिविंग फोर्ट; **विजय स्तंभ** (राणा कुंभा द्वारा 1440-48 में मालवा विजय के उपलक्ष्य में निर्मित 9-मंजिला, 122 फीट ऊँचा स्तंभ — वास्तुकार: जैता, नापा, पूंजा, पोमा), **जैन कीर्ति स्तंभ** (7-मंजिला, आदिनाथ को समर्पित), रानी पद्मिनी महल, मीरा मंदिर, कुंभश्याम मंदिर; **3 ऐतिहासिक साके (1303 - रतनसिंह/पद्मिनी बनाम अलाउद्दीन खिलजी, 1534-35 - कर्मावती/बाघसिंह बनाम बहादुरशाह, 1567-68 - उदयसिंह/जयमल-फत्ता बनाम अकबर)**
2	**कुंभलगढ़ दुर्ग** (यूनेस्को - 2013)	राजसमंद (सादड़ी के पास जरगा पहाड़ी पर)	**महाराणा कुंभा** (1448–1458 ई., अपनी पत्नी कुंभलदेवी की स्मृति में; **शिल्पी: मंडन**)	इसकी प्राचीर **36 किमी लंबी** व 7 मीटर चौड़ी है जिसे **'भारत की महान दीवार' (Great Wall of India)** कहा जाता है; इसके सर्वोच्च भाग पर स्थित अंतःदुर्ग **'कटारगढ़'** को **'मेवाड़ की आँख'** कहा जाता है (जिसके बादल महल के जूनी कचहरी में 9 मई 1540 को **महाराणा प्रताप का जन्म** हुआ); अबुल फजल ने इसके बारे में कहा था: "यह इतनी बुलंदी पर बना है कि नीचे से ऊपर देखने पर सिर से पगड़ी गिर जाती है।"
3	**रणथंभौर दुर्ग** (यूनेस्को - 2013)	सवाई माधोपुर (अरावली व विंध्य के मिलन क्षेत्र में 7 पहाड़ियों से घिरा)	रणथंभन देव / चौहान शासक (8वीं–9वीं शताब्दी)	**एरण व गिरि दुर्ग**; अबुल फजल का कथन: "अन्य सब दुर्ग नंगे हैं, जबकि यह दुर्ग बख्तरबंद है"; **हम्मीरदेव चौहान** की वीरभूमि; **11 जुलाई 1301 को राजस्थान का प्रथम साका (रानी रंगदेवी और पुत्री देवलदे के नेतृत्व में जल जौहर)**; त्रिनेत्र गणेश मंदिर, जोगी महल, 32 खंभों की छतरी (न्याय की छतरी)
4	**गागरोन दुर्ग** (यूनेस्को - 2013)	झालावाड़ (**आहू एवं कालीसिंध नदियों के संगम 'सामेलजी'** पर)	डोड (परमार) राजपूत **बीजलदेव** (12वीं सदी); बाद में खींची चौहानों का शासन	**राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ जल दुर्ग (औदक दुर्ग)** जो बिना किसी नींव के सीधे चट्टानों पर खड़ा है; **संत पीपाजी की छतरी**, सूफी संत **मीठे शाह (हमीदुद्दीन चिश्ती) की दरगाह** (औरंगजेब द्वारा निर्मित बुलंद दरवाजा); 2 साके (1423 - अचलदास खींची बनाम होशंगशाह; 1444 - पाल्हणसी बनाम महमूद खिलजी प्रथम [किले का नाम 'मुस्तफाबाद' रखा])
5	**आमेर दुर्ग** (यूनेस्को - 2013)	जयपुर	कछवाहा शासक कोकिलदेव / आधुनिक स्वरूप: **राजा मानसिंह प्रथम, मिर्जा राजा जयसिंह एवं सवाई जयसिंह**	मुगल-राजपूत स्थापत्य का उत्कृष्ट उदाहरण; **शीश महल** (महाकवि बिहारी ने इसे 'दर्पण धाम' कहा), दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, **गणेश पोल** (फर्ग्यूसन ने इसे विश्व का सर्वश्रेष्ठ प्रवेश द्वार बताया), सुहाग मंदिर, शिला देवी मंदिर, जगत शिरोमणि मंदिर
6	**सोनारगढ़ (जैसलमेर दुर्ग)** (यूनेस्को - 2013)	जैसलमेर (**त्रिकूट पहाड़ी** पर)	भाटी शासक **राव जैसल** (12 जुलाई 1155 ई.)	**धन्वन दुर्ग**; पीले बलुआ पत्थरों से बिना चूने या सीमेंट के (जिप्सम व इंटरलॉकिंग पद्धति से) निर्मित; **99 बुर्ज (सर्वाधिक बुर्जों वाला दुर्ग)**; काष्ठ निर्मित छत; सत्यजीत रे ने इस पर 'सोनार किला' फिल्म बनाई; **ढाई साके (अर्द्ध साका 1550 ई. - राव लूणकरण के समय जिसमें केसरिया हुआ किंतु जौहर नहीं हुआ)**; जिनभद्र सूरी ज्ञान भंडार

क्र.सं.	दुर्ग / महल का नाम	जिला / अवस्थिति	निर्माता एवं निर्माण काल	स्थापत्य विशेषताएँ, प्रमुख स्मारक एवं ऐतिहासिक तथ्य
7	**मेहरानगढ़ दुर्ग (मयूरध्वजगढ़ / गढ़ चिंतामणि)**	जोधपुर (**चिड़ियाटूक पहाड़ी** पर)	**राव जोधा** (12 मई 1459 ई. — नींव करणी माता द्वारा रखी गई)	**रुडयार्ड किपलिंग** ने कहा: "इसका निर्माण परियों और फरिश्तों द्वारा किया गया है"; प्रमुख तोपें: **किलकिला, शंभूबाण, गजनी खाँ, कड़क बिजली, बिच्छूबाण, गुब्बारा, नुसरत**; चामुंडा माता मंदिर, फूल महल, मोती महल, मान प्रकाश पुस्तकालय, जसवंत थड़ा ('राजस्थान का ताजमहल' - सरदार सिंह द्वारा निर्मित)
8	**जूनागढ़ दुर्ग (जमीन का जेवर / राती घाटी का किला)**	बीकानेर	**महाराजा रायसिंह** (1589–1594 ई., मंत्री कर्मचंद की देखरेख में)	चतुष्कोणीय **धन्वन दुर्ग**; सूरजपोल पर जयमल और फत्ता की गजारूढ़ मूर्तियाँ; राजस्थान का पहला दुर्ग जिसमें लिफ्ट लगाई गई; अनूप महल (सोने की कलम से काम), बादल महल, हरमंदिर
9	**भटनेर दुर्ग** (उत्तरी सीमा का प्रहरी)	हनुमानगढ़ (घग्घर नदी तट)	भाटी शासक **भूपत** (285 ई. / तीसरी शताब्दी)	**राजस्थान का सबसे प्राचीन दुर्ग** (मिट्टी/ईंटों से निर्मित); सर्वाधिक विदेशी आक्रमण (तैमूर लंग 1398 ई. — तैमूर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-तैमूरी' में लिखा कि उसने पूरे हिंदुस्तान में इतना मजबूत और सुरक्षित किला नहीं देखा) झेलने वाला दुर्ग; 1805 में बीकानेर के सूरत सिंह ने मंगलवार को जीतने के कारण इसका नाम 'हनुमानगढ़' रखा
10	**लोहागढ़ दुर्ग (अजेय दुर्ग)**	भरतपुर	जाट शासक **महाराजा सूरजमल** (19 फरवरी 1733 ई.)	**पारिख एवं मिट्टी का दुर्ग** (मोती झील से सुजानगंगा नहर द्वारा खाई में पानी भरा जाता था); 1805 में अंग्रेज सेनापति **लॉर्ड लेक** ने 5 बार बारूद से उड़ाने का प्रयास किया किंतु मिट्टी की दोहरी प्राचीर के कारण असफल रहा; अष्टधातु दरवाजा, जवाहर बुर्ज
11	**तारागढ़ दुर्ग (अजमेर) एवं तारागढ़ दुर्ग (बूंदी)**	अजमेर (गठबीठली पहाड़ी) / बूंदी	**अजयराज चौहान** (1113 ई. - अजमेर) / **राव बरसिंह हाड़ा** (1354 ई. - बूंदी)	**अजमेर तारागढ़ (अजयमेरू):** मेवाड़ के राजकुमार पृथ्वीराज सिसोदिया ने पत्नी ताराबाई के नाम पर 'तारागढ़' नाम रखा; विशप हेबर ने इसे **'राजस्थान का जिब्राल्टर'** कहा; सर्वाधिक स्थानीय आक्रमण झेलने वाला दुर्ग; मीरान साहब की दरगाह व घोड़े की मजार। **बूंदी तारागढ़:** तारे की आकृति के कारण तारागढ़; गर्भगुंजन तोप, 84 खंभों की छतरी व चित्रशाला
12	**जयगढ़ (चिल्ह का टीला), नाहरगढ़ (सुदर्शनगढ़) एवं हवा महल**	जयपुर	मिर्जा राजा जयसिंह व सवाई जयसिंह / **सवाई प्रताप सिंह (1799 ई.)**	**जयगढ़:** विश्व की सबसे बड़ी पहियों वाली तोप **'जयबाण'** (सवाई जयसिंह द्वारा निर्मित, मारक क्षमता 22 मील)। **नाहरगढ़:** माधोसिंह द्वितीय ने अपनी पासवानों के लिए एक जैसे **9 महल** बनवाए। **हवा महल (1799):** सवाई प्रताप सिंह द्वारा निर्मित (वास्तुकार: **लालचंद उस्ता**), **5-मंजिला** (शरद, रत्न, विचित्र, प्रकाश, हवा मंदिर) एवं **953 खिड़कियाँ (365 झरोखे)**, बिना नींव की कृष्ण मुकुट आकृति की इमारत

4.3 राजस्थान की चित्रकला शैलियाँ (Schools of Rajasthani Painting)

आनंद कुमार स्वामी ने वर्ष **1916 ई.** में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक **'*Rajput Painting*'** में सर्वप्रथम राजस्थानी चित्रकला का वैज्ञानिक विभाजन किया। भौगोलिक एवं सांस्कृतिक आधार पर राजस्थानी चित्रकला को **4 प्रमुख स्कूलों** और उनकी उपशैलियों में बाँटा गया है:

चित्रकला स्कूल एवं उपशैलियाँ	स्वर्ण काल (शासक) एवं प्रमुख संरक्षक	प्रमुख चित्रकार (Painters)	प्रमुख रंग, वृक्ष, पशु-पक्षी एवं विशिष्ट चित्रण विशेषताएँ
1. मेवाड़ स्कूल: (क) **उदयपुर (मेवाड़) शैली** (सबसे प्राचीन व मूल शैली), (ख) **चावंड शैली**, (ग) **नाथद्वारा शैली**, (घ) **देवगढ़ शैली**	**महाराणा अमर सिंह प्रथम** (चावंड) एवं **महाराणा जगत सिंह प्रथम** (मेवाड़ का स्वर्ण काल — जिन्होंने राजमहल में **'चितेरों की ओवरी / तस्वीरों रो कारखानो'** स्थापित किया)	**कमलचंद** (श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णि - 1260 ई., आहड़, तेजसिंह के समय प्रथम चित्रित ग्रंथ), **साहिबदीन** (रागमाला व महाराणाओं के व्यक्ति चित्र), **मनोहर, निसारदीन** (चावंड रागमाला 1605), कृपाराम, जगन्नाथ; **नाथद्वारा महिला चित्रकार: कमला एवं इलायची**; देवगढ़ (डॉ. श्रीधर अंधारे द्वारा प्रकाश में लाई गई): बगता, चौखा, बैजनाथ	**उदयपुर/मेवाड़:** लाल एवं पीला रंग, कदंब वृक्ष, हाथी व चकोर पक्षी, गीतगोविंद, रसिकप्रिया, कलीला-दमना (दो गीदड़ों की कथा)। **नाथद्वारा शैली:** मेवाड़ और ब्रज शैली का समन्वय; श्रीनाथजी के विग्रह के पीछे कपड़े पर बनाए जाने वाले चित्र **'पिछवाई कला' (Pichhwai Art)** कहलाते हैं; हरा व पीला रंग, केले का वृक्ष, गाय व मोर की प्रधानता
2. मारवाड़ स्कूल: (क) **जोधपुर शैली**, (ख) **बीकानेर शैली**, (ग) **किशनगढ़ शैली**, (घ) अजमेर, नागौर व जैसलमेर शैली	**महाराजा जसवंत सिंह एवं मानसिंह** (जोधपुर - नाथ संप्रदाय का प्रभाव); **महाराजा अनूप सिंह** (बीकानेर का स्वर्ण काल); **राजा सावंत सिंह (नागरीदास)** (**किशनगढ़ शैली का स्वर्ण काल**)	**जोधपुर:** वीरजी, भाटी शिवदास, अमरदास, दाना भाटी, छज्जू। **बीकानेर:** अली रजा, रुकनुद्दीन, हिसामुद्दीन उस्ता (**उस्ता कला** - ऊँट की खाल पर स्वर्ण नक्काशी), रामलाल, मुन्नालाल (**मथेरणा कला**)। **किशनगढ़: मोरध्वज निहालचंद**, अमीरचंद, धन्ना, भंवरलाल, सूरध्वज। **अजमेर महिला चित्रकार:** साहिबा	**जोधपुर:** पीला रंग, आम का वृक्ष, ऊँट-घोड़ा व कौआ/चील, बादाम सी आँखें, ढोला-मारू प्रेम आख्यान। **किशनगढ़ शैली:** गुलाबी व सफेद रंग, केले का वृक्ष, नौका विहार व भ्रमर; **मोरध्वज निहालचंद द्वारा चित्रित 'बनी-ठनी' (रसिक बिहारी) को एरिक डिकिन्सन ने 'भारत की मोनालिसा' कहा** (5 मई 1973 को 20 पैसे का डाक टिकट जारी; किशनगढ़ शैली को प्रकाश में लाने का श्रेय **एरिक डिकिन्सन एवं फैयाज अली** को है); सरोवर में हंस व कमल से परिपूर्ण **'चाँदनी रात की संगोष्ठी'** (अमीरचंद द्वारा चित्रित)। **जैसलमेर:** मूमल का चित्रण (किसी बाहरी शैली का प्रभाव नहीं)

चित्रकला स्कूल एवं उपशैलियाँ	स्वर्ण काल (शासक) एवं प्रमुख संरक्षक	प्रमुख चित्रकार (Painters)	प्रमुख रंग, वृक्ष, पशु-पक्षी एवं विशिष्ट चित्रण विशेषताएँ
3. हाड़ौती स्कूल: (क) **बूंदी शैली**, (ख) **कोटा शैली**, (ग) झालावाड़ शैली	**महाराव उम्मेद सिंह** (बूंदी — तारागढ़ में **'चित्रशाला'** का निर्माण कराया जिसे 'भित्ति चित्रों का स्वर्ग' कहते हैं); **महाराव उम्मेद सिंह प्रथम व रामसिंह द्वितीय** (कोटा शैली का स्वर्ण काल)	**बूंदी:** सुरजन, अहमद अली, रामलाल, श्रीकिशन, साधुराम। **कोटा:** डालू (**1768 में प्रसिद्ध 'रागमाला सेट' चित्रित किया**), लच्छीराम, नूर मोहम्मद, रघुनाथ, गोविंदराम	**बूंदी शैली ('पशु-पक्षियों की चित्र शैली'):** हरा रंग, खजूर का वृक्ष, नाचता हुआ मोर, वर्षा में क्रीड़ा करते पक्षी, मेवाड़ व मुगल प्रभाव। **कोटा शैली ('शिकार की चित्र शैली'):** हल्का हरा, नीला व पीला रंग, घने जंगलों में **रानियों एवं महिलाओं को भी शेर का शिकार (आखेट) करते हुए** दर्शाया गया है
4. ढूँढाड़ स्कूल: (क) **आमेर शैली**, (ख) **जयपुर शैली**, (ग) **अलवर शैली**, (घ) **उनियारा शैली**, (ङ) **शेखावाटी शैली**	**सवाई प्रताप सिंह** (जयपुर शैली का स्वर्ण काल — 'सूरतखाना' को आमेर से जयपुर लाए); **महाराजा विनय सिंह** (अलवर शैली का स्वर्ण काल)	**जयपुर: साहिबराम (जिन्होंने सवाई ईश्वरी सिंह का राजस्थान का प्रथम आदमकद पोर्ट्रेट बनाया)**, लालचंद (पशुओं की लड़ाई के चित्रकार), मोहम्मद शाह, शालिग्राम, गंगाबख्श। **अलवर:** डालचंद, बलदेव, गुलाम अली (गुलिस्तां का सोने-चाँदी की स्याही से चित्रण), मूलचंद (**हाथीदाँत पर चित्रण में निपुण**)। **उनियारा (टोंक):** धीमा, मीर बख्श, काशी, रामलखन	**जयपुर:** लाल, पीला व केसरिया रंग, पीपल व बरगद वृक्ष, मोर व घोड़ा, **आदमकद व्यक्ति चित्र (Life-size Portraits)** एवं भित्ति चित्रण **(आलागीला / अराइश पद्धति)**। **अलवर:** ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रभाव, वेश्याओं (गणिकाओं) के चित्र, योगासन व कामसूत्र चित्रण। **शेखावाटी:** हवेलियों के भित्ति चित्रण हेतु **'ओपन आर्ट गैलरी'** के रूप में विख्यात

4.4 राजस्थान के लोक देवता (पंच पीर व अन्य) एवं संत-संप्रदाय

• *राजस्थान के 'पंच पीर' (वे 5 लोक देवता जिनकी पूजा हिंदू और मुस्लिम दोनों संप्रदायों द्वारा की जाती है — ट्रिक: पाबू, हड़बू, रामदे, मांगलिया मेहा, पाँचों पीर पधारज्यो, गोगाजी जेहा):*

1. **पाबूजी राठौड़ (ऊँटों के देवता, लक्ष्मण के अवतार एवं प्लेग रक्षक देवता):** जन्म: **कोलू मंड (फलौदी)**; पिता: धांधलजी राठौड़, माता: कमलादे, घोड़ी: **'केसर कालमी'**। देवल चारणी की गायों को अपने बहनोई जिंदराव खींची से छुड़ाते हुए देचू गाँव में वीरगति को प्राप्त हुए। राजस्थान में सर्वप्रथम **ऊँट (सांडे)** लाने का श्रेय पाबूजी को है, इसलिए ऊँट के बीमार होने पर **रायका / रेबारी (देवासी)** जाति द्वारा **रावणहत्था** वाद्य यंत्र के साथ **'पाबूजी की फड़'** (राजस्थान की सबसे लोकप्रिय फड़ — भोपों द्वारा) बाँची जाती है। आशिया मोड़जी ने पाबूजी के जीवन पर **'पाबू प्रकाश'** ग्रंथ लिखा।

2. **गोगाजी चौहान (जाहरपीर एवं साँपों के देवता):** जन्म: **ददरेवा (चूरू)** (इसे **'शीर्ष मेड़ी'** कहा जाता है); पिता: जेवरजी चौहान, माता: बाछलदे, गुरु: गोरखनाथ, घोड़ी: **नीली घोड़ी (गोगा बाप्पा)**। महमूद गजनवी से गायों की रक्षा हेतु युद्ध किया; गजनवी ने इन्हें **'जाहरपीर' (साक्षात् देवता)** कहा। इनका धड़ **नोहर (हनुमानगढ़)** में गिरा जिसे **'गोगामेड़ी / धुरमेड़ी'** कहते हैं (यहाँ भाद्रपद कृष्ण नवमी - 'गोगानवमी' को विशाल मेला लगता है; मकबरेनुमा मंदिर का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने कराया जिस पर 'बिस्मिल्लाह' अंकित है और आधुनिक स्वरूप महाराजा गंगासिंह ने दिया)। साँचौर (जालोर) में **'गोगाजी की ओल्डी'** स्थित है।

3. **रामदेवजी तँवर (रुणीचा रा धणी, पीरों के पीर, कृष्ण के अवतार एवं सांप्रदायिक सद्भाव के देवता):** जन्म: **उण्डूकासमेर (शिव तहसील, बाड़मेर)**; पिता: अजमलजी तँवर, माता: मैणादे, पत्नी: नेतलदे, गुरु: बालीनाथजी, घोड़ा: **लीला घोड़ा**, ध्वजा: **5 रंगों की 'नेजा'**, रात्रि जागरण: **'जम्मा'**। इन्होंने **रामदेवरा (रुणीचा, जैसलमेर)** में अछूतोद्धार हेतु **'कामड़िया पंथ'** चलाया; कामड़िया पंथ की महिलाओं द्वारा इनके मेले (भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से एकादशी — 'मारवाड़ का कुंभ') में शरीर पर **13 मंजीरे बाँधकर प्रसिद्ध 'तेरहताली नृत्य'** किया जाता है। ये एकमात्र लोक देवता थे जो **कवि** भी थे (इनकी रचना: **'चौबीस वाणियाँ'**)। इनकी धर्मबहन **डाली बाई** ने इनसे एक दिन पूर्व समाधि ली थी।

4. **हड़बूजी सांखला (शकुन शास्त्र के ज्ञाता):** जन्म: **भुण्डेल (नागौर)**, मुख्य मंदिर: **बेंगटी गाँव (फलौदी)**। रामदेवजी के मौसेरे भाई एवं गुरु बालीनाथजी के शिष्य। राव जोधा को मंडोर विजय का आशीर्वाद व कटार भेंट की। इनका वाहन **सियार** है तथा मंदिर में इनकी उस **बैलगाड़ी की पूजा** की जाती है जिससे वे अपंग गायों के लिए चारा लाते थे।

5. **मेहाजी मांगलिया:** मुख्य मंदिर: **बापिणी (जोधपुर/फलौदी)**; घोड़ा: **'किरड़ काबरा'**। जैसलमेर के राणंगदेव भाटी से गायों की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए (इनके भोपे की वंश वृद्धि नहीं होती, वे गोद लेकर वंश चलाते हैं)।

• **अन्य प्रमुख लोक देवता (पंच पीरों में शामिल नहीं, किंतु अत्यंत पूजनीय):**

• **वीर तेजाजी (धौलिया वीर, काला और बाला के देवता एवं कृषि कार्यों के उपकारक देवता):** जन्म: **खड़नाल (नागौर)** (जाट परिवार — पिता ताहड़जी, माता राजकुँवर, पत्नी पेमलदे, घोड़ी: **'लीलण / सिणगारी'**)। लाछा गुजरी की गायों को मेर के मीणाओं से छुड़ाते हुए सुरसुरा (अजमेर) में सर्पदंश से वीरगति को प्राप्त हुए। मुख्य मेला: **परबतसर (नागौर/डीडवाना-कुचामन)** में भाद्रपद शुक्ल दशमी ('तेजा दशमी') को लगता है।

• **देवनारायणजी (विष्णु के अवतार एवं औषधि के देवता):** जन्म: **आसींद (भीलवाड़ा)** (बगड़ावत नागवंशीय गुर्जर परिवार — पिता सवाई भोज, माता सेडू खटाणी, घोड़ा: **'लीलागर'**)। इनके मंदिर में मूर्ति के स्थान पर **बड़ी ईंटों की पूजा** नीम की पत्तियों से की जाती है। **'देवनारायणजी की फड़'** (जंतर वाद्य यंत्र के साथ गुर्जर भोपों द्वारा बाँची जाने वाली) राजस्थान की **सबसे लंबी एवं सबसे छोटी (2 सितंबर 1992 को ₹5 का डाक टिकट जारी) फड़** है।

• **मल्लीनाथजी** (तिलवाड़ा, बालोतरा — लूनी नदी तट पर राजस्थान का सबसे प्राचीन पशु मेला; इन्होंने 'कुंडा पंथ' चलाया), **तल्लीनाथजी** (गांगदेव राठौड़ — पाँचोटा, जालोर; प्रकृति प्रेमी लोक देवता), **कल्लाजी राठौड़** ('चार हाथों वाले लोक देवता' — चित्तौड़ के तीसरे साके 1568 में जयमल को कंधों पर बैठाकर युद्ध किया)।

• **राजस्थान के प्रमुख संत एवं संप्रदाय:**

• **संत जांभोजी (1451–1536 ई. — 'पर्यावरण वैज्ञानिक संत'):** जन्म: **पीपासर (नागौर)**; **1485 ई.** में **समराथल धोरा (बीकानेर)** में **'बिश्नोई संप्रदाय' (20+9 = 29 नियम)** की स्थापना की; समाधि: **मुकाम तालवा (नोखा, बीकानेर)**। प्रमुख ग्रंथ: जम्भसागर, जम्भसंहिता, बिश्नोई धर्म प्रकाश। (इसी संप्रदाय की **अमृता देवी बिश्नोई** के नेतृत्व में 1730 ई. में जोधपुर के महाराजा अभयसिंह के समय **खेजड़ली गाँव** में खेजड़ी वृक्षों की रक्षा हेतु **363 लोगों ने बलिदान** दिया)।

• **संत जसनाथजी (1482–1506 ई.):** जन्म व प्रधान पीठ: **कतरियासर (बीकानेर)**; **'जसनाथी संप्रदाय' (36 नियम)** के प्रवर्तक; इनके अनुयायी धधकते अंगारों पर 'फतेह-फतेह' का उद्घोष करते हुए **'अग्नि नृत्य'** करते हैं। ग्रंथ: सिंभूदड़ा एवं कोंडा।

• **संत दादू दयाल (1544–1603 ई. — 'राजस्थान का कबीर'):** जन्म: अहमदाबाद; **1574 ई.** में सांभर में **'दादूपंथी संप्रदाय'** की स्थापना की; प्रधान पीठ: **नरेना / नारायणा (जयपुर)**; समाधि: भैराणा पहाड़ी (दादू खोल)। 1585 ई. में फतेहपुर सीकरी में अकबर से भेंट की। इनके सत्संग स्थल को **'अलख दरीबा'** कहते हैं। इनके **52 प्रमुख शिष्य ('52 स्तंभ')** थे जिनमें **रज्जबजी** (जो जीवन भर दूल्हे के वेश में रहे), **सुंदरदासजी**, गरीबदासजी और मिस्किनदासजी प्रमुख थे।

• **संत मीरा बाई (1498–1547 ई. — 'राजस्थान की राधा'):** जन्म: **कुड़की (पाली/ब्यावर)**; पिता: रतनसिंह राठौड़, दादा: राव दूदा, पति: भोजराज (राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र), गुरु: **संत रैदास (रविदास)**। कृष्ण भक्ति की **सगुण माधुर्य भाव** की कवयित्री; इन्होंने **'दासी संप्रदाय'** चलाया और अंत में द्वारका के रणछोड़ मंदिर में कृष्ण मूर्ति में विलीन हुईं।

• **संत पीपाजी (प्रताप सिंह खींची):** गागरोन के शासक जो रामानंद के शिष्य बने; राजस्थान में भक्ति आंदोलन की अलख जगाने वाले प्रथम संत; दर्जी समुदाय के आराध्य देव (मंदिर: समदड़ी, बालोतरा; गुफा: टोडारायसिंह)।

• **अन्य संप्रदाय: रामस्नेही संप्रदाय (निर्गुण भक्ति):** (1) **शाहपुरा पीठ (भीलवाड़ा)** — संस्थापक: **संत रामचरणजी** ('फूलडोल महोत्सव'), (2) **रेण पीठ (नागौर)** — संत दरियावजी, (3) **सिंहथल पीठ (बीकानेर)** — संत हरिरामदासजी, (4) **खेड़ापा पीठ (जोधपुर)** — संत रामदासजी। **निम्बार्क संप्रदाय (हंस/सनकादिक संप्रदाय):** प्रधान पीठ **सलेमाबाद (अजमेर)** — आचार्य परशुराम देवाचार्य (राधा को कृष्ण की परिणीता मानकर युगल उपासना)। **वल्लभ संप्रदाय (पुष्टिमार्ग):** प्रधान पीठ **नाथद्वारा (राजसमंद)** एवं कोटा (मथुरेशजी) व कांकरोली (द्वारिकाधीश)। **गौड़ीय संप्रदाय:** गोविंददेवजी मंदिर (जयपुर)। **प्रणामी संप्रदाय:** आदर्श नगर (जयपुर)। **लालदासी संप्रदाय:** नगला जहाज (भरतपुर) / धोलीदूब (अलवर) — संत लालदासजी। **चरणदासी संप्रदाय (42 नियम):** डेहरा (अलवर) से दिल्ली — संत चरणदासजी (जिनकी प्रमुख शिष्याएँ **दयाबाई** [दयाबोध, विनय मलिका] एवं **सहजोबाई** [सहज प्रकाश] थीं)।

4.5 इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) एवं उसकी सभी 7 लिफ्ट नहरें

राजस्थान सिंचाई एवं जल संसाधन प्रोफाइल (IUC Academy Rajasthan Guide) के अनुसार **इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP — पूर्व नाम: 'राजस्थान नहर')** को **'राजस्थान की जीवन रेखा' (Lifeline of Rajasthan)** या **'मरुगंगा'** कहा जाता है।

• **परिकल्पना एवं इतिहास:** बीकानेर रियासत के मुख्य अभियंता **कंवर सेन** ने वर्ष **1948** में भारत सरकार को **'बीकानेर राज्य को पानी की आवश्यकता' (*Water Requirements of Bikaner State*)** शीर्षक से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। **31 मार्च 1958** को तत्कालीन गृह मंत्री **गोविंद बल्लभ पंत** ने इसका शिलान्यास किया; **11 अक्टूबर 1961** को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने नौरंगदेसर वितरिका से जल प्रवाहित कर उद्घाटन किया; **2 नवंबर 1984** को इसका नाम 'इंदिरा गांधी नहर परियोजना' कर दिया गया।

• **उद्गम एवं संरचना:** पंजाब में **सतलज और व्यास नदियों के संगम** पर स्थित **हरिके बैराज (फिरोजपुर)** से निकलती है। इसकी कुल मुख्य लंबाई **649 किमी** है:

1. **राजस्थान फीडर (204 किमी):** हरिके बैराज से **मसीतांवाली हेड (हनुमानगढ़)** तक (पंजाब में 150 किमी, हरियाणा में 19 किमी, राजस्थान में 35 किमी)।

2. **मुख्य नहर (445 किमी):** मसीतांवाली हेड (हनुमानगढ़) से **मोहनगढ़ (जैसलमेर)** तक (अंतिम बिंदु/जीरो पॉइंट को बाड़मेर के **गडरा रोड** तक विस्तारित किया गया है, जिससे उप-शाखा सहित कुल लंबाई ~837 किमी तक पहुँचती है)।

• **IGNP की सभी 7 लिफ्ट नहरें (उत्तर से दक्षिण क्रम, पुराने व नए नाम तथा लाभान्वित जिले):** (चूँकि नहर के पश्चिमी भाग की तुलना में पूर्वी भाग ऊँचा है, इसलिए पूर्वी भाग में जल पहुँचाने हेतु 7 **लिफ्ट नहरें** तथा पश्चिमी भाग में ढाल के अनुरूप **9 शाखाएँ** [जिनमें केवल 1 शाखा 'रावतसर' बाईं/पूर्वी ओर है और शेष 8 दाईं/पश्चिमी ओर हैं] बनाई गई हैं):

क्र.सं.	लिफ्ट नहर का नया नाम	लिफ्ट नहर का पुराना नाम	लाभान्वित जिले (Benefited Districts)	विशेष तथ्य
1	**चौधरी कुंभाराम आर्य लिफ्ट नहर**	नोहर-साहवा लिफ्ट नहर	हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं	सर्वाधिक जिलों (4 जिलों) को लाभान्वित करने वाली उत्तरी लिफ्ट नहर
2	**कंवर सेन लिफ्ट नहर**	बीकानेर-लूणकरणसर लिफ्ट नहर	बीकानेर, श्रीगंगानगर	**IGNP की सबसे लंबी लिफ्ट नहर (151.64 किमी)** एवं बीकानेर शहर की जीवन रेखा
3	**पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर**	गजनेर लिफ्ट नहर	बीकानेर, नागौर	नागौर जिले में फ्लोराइड समस्याग्रस्त क्षेत्रों को पेयजल आपूर्ति (जायल शाखा)
4	**वीर तेजाजी लिफ्ट नहर**	बांगड़सर लिफ्ट नहर	बीकानेर	**IGNP की सबसे छोटी लिफ्ट नहर** (केवल बीकानेर जिले को लाभान्वित करती है)
5	**डॉ. करणी सिंह लिफ्ट नहर**	कोलायत लिफ्ट नहर	बीकानेर, जोधपुर	बीकानेर के कोलायत व जोधपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में जलापूर्ति
6	**गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर**	फलौदी लिफ्ट नहर	जोधपुर (फलौदी), बीकानेर, जैसलमेर	मरुस्थलीय त्रिकोण के मध्यवर्ती भाग में सिंचाई व पेयजल
7	**जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर**	पोकरण लिफ्ट नहर	जैसलमेर, जोधपुर	सबसे दक्षिणी लिफ्ट नहर; पोकरण और जोधपुर क्षेत्र को जलापूर्ति

4.6 राजस्थान की खारे व मीठे पानी की झीलें तथा खनिज संपदा

1. *खारे पानी की झीलें (टेथिस सागर के अवशेष — ट्रिक: साड़ी का पल्लू कुत्ता फाड़े रे):*

• **सांभर झील (जयपुर, नागौर/डीडवाना-कुचामन एवं अजमेर की सीमा पर — मुख्य प्रशासनिक नियंत्रण जयपुर):** भारत की **सबसे बड़ी अंतःस्थलीय खारे पानी की झील** (क्षेत्रफल के अनुसार चिल्का के बाद दूसरी, किंतु सर्वाधिक खारी व अंतःस्थलीय प्रथम); इसमें **मेंथा (मेंढा), रूपनगढ़, खारी और खंडेला** नदियाँ गिरती हैं (मेंथा नदी सर्वाधिक लवण लाती है)। यह भारत के कुल नमक उत्पादन का **~8.7% नमक** उत्पादित करती है (हिंदुस्तान साल्ट्स लि. - 1964)। **23 मार्च 1990 को रामसर आर्द्रभूमि स्थल** घोषित; कुरजां पक्षी व राजहंस (Flamingo) का प्रवास स्थल। बिजौलिया शिलालेख के अनुसार इसका निर्माण चौहान शासक **वासुदेव चौहान** ने कराया था।

• **पचपदरा झील (बालोतरा / बाड़मेर):** भारत की सर्वाधिक उत्तम कोटि के खाने योग्य नमक वाली झील (जिसमें **98% सोडियम क्लोराइड NaCl** पाया जाता है)। यहाँ **खारवाल जाति** के लोग **'मोरली झाड़ी'** की टहनियों का उपयोग करके स्फटिक नमक (**'कोसिया' पद्धति**) तैयार करते हैं।

• **डीडवाना झील (डीडवाना-कुचामन / नागौर):** इसके नमक में सोडियम क्लोराइड के स्थान पर **सोडियम सल्फेट (Na_2SO_4)** अधिक होने के कारण यह **खाने योग्य नहीं** है; इसका उपयोग कागज व चमड़ा उद्योग में होता है (यहाँ राज्य सरकार का 'राजस्थान स्टेट केमिकल वर्क्स' स्थापित है और निजी संस्थाओं को **'देवल'** कहते हैं)।

• **लूणकरणसर झील (बीकानेर):** उत्तरी राजस्थान की एकमात्र प्रमुख खारे पानी की झील।

• **अन्य खारे पानी की झीलें:** फलोदी, कावोद (जैसलमेर), पोकरण (जैसलमेर), कुचामन, डेगाना, तालछापर (चूरू), रेवासा व कोछोर (सीकर)।

2. **मीठे पानी की झीलें:**

• **जयसमंद झील / ढेबर झील (सलूम्बर / उदयपुर):** महाराणा **जयसिंह** द्वारा 1685–91 ई. में **गोमती नदी** पर बांध बनाकर निर्मित; **राजस्थान की सबसे बड़ी एवं भारत की दूसरी सबसे बड़ी (गोविंद बल्लभ पंत सागर के बाद) कृत्रिम मीठे पानी की झील**। इसमें 7 **टापू** हैं (सबसे बड़ा टापू: **'बाबा का भांगड़ा'** और सबसे छोटा टापू: **'प्यारी'**; जिन पर भील व मीणा जनजाति निवास करती है); इससे **श्यामपुरा और भाट** दो नहरें निकाली गई हैं।

• **पिछोला झील (उदयपुर):** राणा **लाखा** के काल में (14वीं सदी के अंत में) एक चिड़ीमार बंजारे द्वारा सीसारमा व बुझड़ा नदियों पर निर्मित। इसमें स्थित दो टापुओं पर **'जग मंदिर'** (जहाँ 1623 में शहजादे खुर्रम/शाहजहाँ ने और 1857 की क्रांति में नीमच से भागे 40 अंग्रेज परिवारों ने शरण ली) और **'जग निवास'** (जगत सिंह द्वितीय द्वारा निर्मित) स्थित हैं। इसके किनारे **नटनी का चबूतरा** बना है।

• **फतहसागर झील (उदयपुर):** महाराणा जयसिंह द्वारा निर्मित (देवाली तालाब) एवं महाराणा **फतहसिंह** द्वारा 1888 ई. में पुनर्निर्मित (आधारशिला **ड्यूक ऑफ कनॉट** ने रखी, इसलिए इसके बांध को 'कनॉट बांध' कहते हैं); पिछोला व फतहसागर को जोड़ने वाली तंग झील **'स्वरूप सागर'** कहलाती है। फतहसागर के टापू पर नेहरू उद्यान और **सौर वेधशाला** स्थित है।

• **राजसमंद झील (राजसमंद):** महाराणा **राजसिंह** द्वारा 1662 ई. में गोमती नदी को रोककर अकाल राहत कार्य के अंतर्गत निर्मित; इसके उत्तरी भाग को **'नौ चौकी पाल'** कहते हैं जहाँ **25 काले संगमरमर के शिलालेखों** पर **रणछोड़ भट्ट तैलंग** द्वारा संस्कृत में रचित **विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति 'राजप्रशस्ति' (1,917 श्लोक)** उत्कीर्ण है। इसके किनारे **घेवर माता का मंदिर** है।

• **पुष्कर झील (अजमेर):** ज्वालामुखी (काल्डेरा) से निर्मित **राजस्थान की सबसे बड़ी प्राकृतिक एवं सबसे पवित्र मीठे पानी की झील**; इसके चारों ओर **52 घाट** बने हैं (मैडम मेरी द्वारा बनवाया गया जनाना/गांधी घाट और सबसे बड़ा गौ घाट); कार्तिक पूर्णिमा को विशाल मेला लगता है।

• **आनासागर झील (अजमेर):** चौहान शासक **अर्णोराज (आनाजी)** द्वारा 1137 ई. में चंद्रा/बांडी नदी को रोककर निर्मित; जहाँगीर ने इसके किनारे **'दौलत बाग' (सुभाष उद्यान)** लगवाया और शाहजहाँ ने संगमरमर की **5 बारहदरी** बनवाईं (यहीं नूरजहाँ की माँ अस्मत बेगम ने गुलाब से इत्र निकालने की विधि खोजी थी)।

• **नक्की झील (माउंट आबू, सिरोही): राजस्थान की सबसे ऊँची (1,200 मीटर) और सबसे गहरी झील** जो सर्दियों में जम जाती है; इसके किनारे **टॉड रॉक** (मेंढक के आकार की चट्टान) और **नन रॉक** (घूँघट निकाले स्त्री के समान चट्टान) स्थित हैं; **गरासिया जनजाति** इसमें अपने पूर्वजों की अस्थियों का विसर्जन करती है।

• **अन्य मीठे पानी की झीलें:** कोलायत झील (बीकानेर — कपिल मुनि का आश्रम, कार्तिक पूर्णिमा मेला; चारण जाति यहाँ नहीं जाती), सिलीसेढ़ झील (अलवर — 'राजस्थान का नंदकानन', रामसर सूची में शामिल), कायलाना झील (जोधपुर), बालसमंद झील (जोधपुर), फॉय सागर / वरुण सागर (अजमेर), गजनेर झील (बीकानेर — 'पानी का शुद्ध दर्पण'), नवलखा झील (बूंदी), गेपसागर झील (डूंगरपुर)।

3. **राजस्थान की खनिज संपदा ('खनिजों का अजायबघर' — 81 प्रकार के खनिजों के भंडार, जिनमें से 58 का खनन होता है):**

• **राजस्थान का एकाधिकार (लगभग 90% से 100% उत्पादन वाले खनिज): जास्पर (100%), वोलेस्टोनाइट (100% - सिरोही/पाली), गार्नेट/तामड़ा (100% - टोंक की राजमहल व सरवाड़ खान), सीसा-जस्ता (Lead-Zinc ~99%), सेलेनाइट, चाँदी (~95%), जिप्सम (~90%+ - नागौर की गोठ मांगलोद व भदवासी, बीकानेर की जामसर), रॉक फॉस्फेट (उदयपुर की झामरकोटड़ा — देश की सबसे बड़ी खान, जैसलमेर की बिरमानिया), कैल्साइट, संगमरमर (मकराना - सफेद, भैंसलाना - काला, बाबरमाल - हरा, पीथला - पीला), पन्ना (राजसमंद - कालागुमान व टिक्की)।**

• **सीसा-जस्ता एवं चाँदी की प्रमुख खदानें (हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड - 1966 देबारी, उदयपुर):** (1) **जावर माला (उदयपुर)** — राणा लाखा के काल में खोजी गई चाँदी व सीसा-जस्ता की प्रसिद्ध खान (मोचिया मगरा, बलारिया), (2) **रामपुरा-आगूचा (भीलवाड़ा)** — एशिया की सबसे बड़ी और सर्वश्रेष्ठ किस्म की सीसा-जस्ता खुली खदान, (3) **राजपुरा-दरीबा व सिंदेशर कलां (राजसमंद)**, (4) **चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर)**, (5) **गुढ़ा किशोरीदास (अलवर)**।

• **ताँबा (Copper): खेतड़ी-सिंघाना, मदान-कुदान, कोलिहान एवं चाँदमारी (झुंझुनूं/नीमकाथाना), खो-दरीबा (अलवर)**, अंजनी-सलूम्बर (उदयपुर) एवं बीदासर (चूरू)।

• **टंगस्टन: डेगाना (भाकरी पहाड़ी, नागौर)** एवं वाल्दा (सिरोही) | **यूरेनियम:** उमरा (उदयपुर) एवं **रोहिल (सीकर)** | **पोटाश:** बीकानेर-नागौर-श्रीगंगानगर बेसिन | **लिग्नाइट कोयला: पलाना, बरसिंगसर (बीकानेर), कपूरड़ी, जालीपा, गिरल (बाड़मेर)** एवं मेड़ता रोड-कसनाऊ (नागौर)।

• **पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस (4 पेट्रोलियम बेसिन — 14 जिले):** सबसे महत्वपूर्ण **बाड़मेर-साँचौर बेसिन** (केयर्न एनर्जी द्वारा खोजे गए तेल कुएँ: **मंगला [प्रथम व्यावसायिक कुआँ - 29 अगस्त 2009], भाग्यम, ऐश्वर्या, सरस्वती, राजेश्वरी, कामेश्वरी, रागेश्वरी, शक्ति, विजया व वंदना**; पचपदरा [बालोतरा] में HPCL और राजस्थान सरकार [74:26] के सहयोग से **BS-VI मानक की देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी व पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स** स्थापित)। **जैसलमेर बेसिन (प्राकृतिक गैस):** घोटारू, मनिहारी टिब्बा, तनोट, डांडेवाला, सादेवाला।

मॉड्यूल 5 (ङ): उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष का विस्तृत तुलनात्मक अध्ययन

5.1 उत्तराखंड राज्य-विशेष (Uttarakhand State Specifics)

उत्तराखंड आधिकारिक विवरण (Wikipedia) एवं जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान प्रोफाइल के अनुसार:

• **गठन एवं प्रशासनिक संरचना: 9 नवंबर 2000** को उत्तर प्रदेश के 13 हिमालयी जिलों को पृथक कर देश के **27वें राज्य** ('उत्तरांचल' नाम से; **1 जनवरी 2007** से नाम बदलकर **'उत्तराखंड'**) के रूप में गठन। **क्षेत्रफल:** 53,483 वर्ग किमी (86% पर्वतीय व 14% मैदानी)। **राजधानी:** देहरादून (शीतकालीन/अस्थायी) एवं **भराड़ीसैंण (गैरसैंण, चमोली — ग्रीष्मकालीन राजधानी, जून 2020 में घोषित)**। **उच्च न्यायालय:** नैनीताल (हल्द्वानी में स्थानांतरण प्रक्रियाधीन)। **सीटें:** विधानसभा: **70** (SC-13, ST-2 [चकराता व नानकमत्ता]), लोकसभा: **5** (टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, अल्मोड़ा [SC], नैनीताल-उधमसिंह नगर, हरिद्वार), राज्यसभा: **3**।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु: **कस्तूरी मृग** (*Moschus chrysogaster*), पक्षी: **मोनाल** (*Lophophorus impejanus*), वृक्ष: **बुराँश** (*Rhododendron arboreum*), पुष्प: **ब्रह्मकमल** (*Saussurea obvallata*), वाद्य यंत्र: ढोल, खेल: फुटबॉल, तितली: कॉमन पीकॉक, राजभाषा: हिंदी (प्रथम) एवं **संस्कृत** (द्वितीय - जनवरी 2010 से)।

• **2 मंडल एवं 13 जिले:**

1. **गढ़वाल मंडल (मुख्यालय: पौड़ी — 7 जिले):** चमोली (गोपेश्वर), देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल (नई टिहरी), उत्तरकाशी। (चमोली क्षेत्रफल में उत्तराखंड का सबसे बड़ा जिला है — 8,030 वर्ग किमी)।

2. **कुमाऊँ मंडल (मुख्यालय: नैनीताल — 6 जिले):** अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत (क्षेत्रफल में सबसे छोटा जिला — 1,766 वर्ग किमी), नैनीताल, पिथौरागढ़ ('छोटा कश्मीर'), उधमसिंह नगर (रुद्रपुर)।

• **पंच प्रयाग (उत्तर से दक्षिण / ऊँचाई के अनुसार क्रम):**

1. **विष्णुप्रयाग:** अलकनंदा + धौलीगंगा (पश्चिमी) — चमोली जिला।
2. **नंदप्रयाग:** अलकनंदा + नंदाकिनी — चमोली जिला।
3. **कर्णप्रयाग:** अलकनंदा + पिंडर नदी (कर्णगंगा) — चमोली जिला।
4. **रुद्रप्रयाग:** अलकनंदा + मंदाकिनी (केदारनाथ से आने वाली) — रुद्रप्रयाग जिला।
5. **देवप्रयाग: अलकनंदा (बहू) + भागीरथी (सास)** — टिहरी गढ़वाल जिला (यहीं से संयुक्त धारा **'गंगा'** कहलाती है)।

• **प्रमुख पर्वत शिखर, हिमनद, बांध एवं 6 राष्ट्रीय उद्यान:**

• **सर्वोच्च पर्वत शिखर: नंदा देवी पश्चिमी (7,817 मीटर — उत्तराखंड की सर्वोच्च चोटी, चमोली)**, कामेट (7,756 मी.), नंदा देवी पूर्वी (7,434 मी.), माणा (7,272 मी.), बद्रीनाथ (7,140 मी.), चौखंबा (7,138 मी.), त्रिशूल (7,120 मी.), पंचाचूली (6,904 मी.)।

• **प्रमुख हिमनद: गंगोत्री हिमनद (उत्तरकाशी — सबसे बड़ा हिमनद, 30 किमी लंबा)**, मिलम (पिथौरागढ़ — कुमाऊँ का सबसे बड़ा), पिंडारी (बागेश्वर-चमोली), सतोपंथ व भागीरथी खड़क (चमोली), चौराबाड़ी (रुद्रप्रयाग)।

• **टिहरी बांध:** टिहरी गढ़वाल में **भागीरथी और भिलंगना नदियों के संगम (गणेश प्रयाग)** पर निर्मित **भारत का सबसे ऊँचा बांध (260.5 मीटर)**, विद्युत क्षमता **2,400 MW** (स्वामी रामतीर्थ सागर)।

• **उत्तराखंड के सभी 6 राष्ट्रीय उद्यान (स्थापना क्रम):** (1) **जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (1936, नैनीताल-पौड़ी)** — भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान (पूर्व नाम: हैली नेशनल पार्क / रामगंगा नेशनल पार्क; मध्य से रामगंगा नदी बहती है; 1 नवंबर 1973 को भारत का प्रथम टाइगर रिज़र्व बना), (2) **गोविंद पशु विहार राष्ट्रीय उद्यान (1980, उत्तरकाशी)**, (3) **नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान (1982, चमोली — 1988 में यूनेस्को विश्व धरोहर)**, (4) **फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान (1982, चमोली — फ्रैंक स्माइथ द्वारा 1931 में खोजा गया, भ्यूंडार गंगा नदी, 2005 में यूनेस्को सूची में शामिल)**, (5) **राजाजी राष्ट्रीय उद्यान (1983, देहरादून-हरिद्वार-पौड़ी — उत्तराखंड का दूसरा टाइगर रिज़र्व 2015)**, (6) **गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान (1989, उत्तरकाशी — 2,390 वर्ग किमी, उत्तराखंड का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान)**। **प्रथम रामसर स्थल: आसन कंजर्वेशन रिज़र्व (देहरादून - 2020)**।

• **चिपको आंदोलन (1973–74):** चमोली जिले के **रैणी गाँव** से **गौरा देवी** (चिपको वुमन), **चंडी प्रसाद भट्ट** (दशोली ग्राम स्वराज मंडल - 1964) एवं **सुंदरलाल बहुगुणा** के नेतृत्व में वनों की कटाई के विरुद्ध चलाया गया ऐतिहासिक पर्यावरण आंदोलन। **मैती आंदोलन (1995):** कल्याण सिंह रावत द्वारा प्रारंभ (विवाह पर वृक्षारोपण)।

• **प्रमुख जनजातियाँ (5 अनुसूचित जनजातियाँ - 1967):** **थारू** (उत्तराखंड की सबसे बड़ी जनजाति — उधमसिंह नगर), **जौनसारी** (देहरादून का जौनसार-बावर — गढ़वाल की सबसे बड़ी जनजाति, महासू देवता व 'बिस्सू' उत्सव), **भोटिया** (महान हिमालय की ऋतु प्रवास करने वाली जनजाति), **बोक्सा** एवं **राजी (वनरौत — सबसे छोटी जनजाति, पिथौरागढ़)**।

5.2 हरियाणा राज्य-विशेष (Haryana State Specifics)

• **गठन एवं प्रशासनिक संरचना: 1 नवंबर 1966** को **17वें संविधान संशोधन एवं सरदार हुकम सिंह समिति / जे.सी. शाह आयोग** की अनुशंसा पर पंजाब से हिंदी भाषी क्षेत्र को पृथक कर देश के **17वें राज्य** के रूप में गठन। **क्षेत्रफल:** 44,212 वर्ग किमी (देश के क्षेत्रफल का 1.34%)। **राजधानी एवं उच्च न्यायालय:** चंडीगढ़। **सीटें:** विधानसभा: **90** (SC हेतु 17 आरक्षित, ST-0 — हरियाणा में कोई अधिसूचित अनुसूचित जनजाति ST नहीं है), लोकसभा: **10** (अंबाला और सिरसा SC हेतु आरक्षित), राज्यसभा: **5**।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु: **काला हिरण (Blackbuck)**, पक्षी: **काला तीतर (Black Francolin)**, वृक्ष: **पीपल**, पुष्प: **कमल**, खेल: **कुश्ती**।

• **6 प्रशासनिक मंडल एवं सभी 22 जिले:**

1. **अंबाला मंडल (4 जिले):** अंबाला, कुरुक्षेत्र (धर्मनगरी), पंचकूला (मोरनी पहाड़ियाँ — सर्वोच्च चोटी **'करोह पीक' [1,467 मीटर]**), यमुनानगर (हथनीकुंड बैराज व कलेसर)।

2. **करनाल मंडल (3 जिले):** करनाल ('धान का कटोरा', राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान NDRI - 1955), पानीपत ('बुनकरों का शहर', पेट्रोकेमिकल हब), कैथल (रजिया सुल्तान का मकबरा)।

3. **रोहतक मंडल (5 जिले — सर्वाधिक जिलों वाला मंडल):** रोहतक, झज्जर (भिंडावास), सोनीपत, भिवानी, चरखी दादरी (दिसंबर 2016 में भिवानी से पृथक होकर बना हरियाणा का **22वाँ जिला**)।

4. **हिसार मंडल (4 जिले):** हिसार ('स्टील सिटी', केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान CIRB व अश्व अनुसंधान केंद्र), फतेहाबाद (गोरखपुर परमाणु विद्युत केंद्र, बनावली), सिरसा (क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला — 4,277 वर्ग किमी), जींद ('हरियाणा का हृदय')।

5. **गुरुग्राम मंडल (3 जिले):** गुरुग्राम (साइबर सिटी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन ISA का मुख्यालय, सुल्तानपुर पक्षी विहार), रेवाड़ी (पीतल नगरी), महेंद्रगढ़ (मुख्यालय: नारनौल — हरियाणा का खनिज भंडार)।

6. **फरीदाबाद मंडल (3 जिले):** फरीदाबाद (सर्वाधिक जनसंख्या व सर्वाधिक जनघनत्व 2,442, सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला), पलवल, नूंह (मेवात — सर्वाधिक लिंगानुपात 907 व न्यूनतम साक्षरता 54.08%)।

• **सिंधु घाटी सभ्यता स्थल एवं ऐतिहासिक युद्ध:**

• **सैंधव स्थल: राखीगढ़ी (हिसार — भारत में सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल), बनावली (फतेहाबाद — मिट्टी का हल, रवींद्र सिंह बिष्ट), कुणाल (फतेहाबाद — चाँदी के दो मुकुट, प्राचीनतम पूर्व-हड़प्पा स्थल)**, मिताथल (भिवानी), फरमाना (रोहतक), भगवानपुरा (कुरुक्षेत्र)।

• **प्रमुख ऐतिहासिक युद्ध: महाभारत का युद्ध** (कुरुक्षेत्र - 900 ई.पू.), **तराइन का प्रथम (1191) व द्वितीय युद्ध (1192)** (पृथ्वीराज चौहान तृतीय बनाम मुहम्मद गोरी — तरावड़ी, करनाल), **पानीपत के तीन युद्ध (प्रथम:** 21 अप्रैल 1526 [बाबर बनाम इब्राहिम लोदी], **द्वितीय:** 5 नवंबर 1556 [अकबर/बैरम खाँ बनाम हेमू विक्रमादित्य], **तृतीय:** 14 जनवरी 1761 [अहमद शाह अब्दाली बनाम सदाशिवराव भाऊ/मराठा]), **करनाल का युद्ध** (24 फरवरी 1739 — नादिर शाह बनाम मुहम्मद शाह रंगीला)।

• **राष्ट्रीय उद्यान एवं रामसर स्थल: 2 राष्ट्रीय उद्यान:** (1) **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (गुरुग्राम — 1991 NP, 2021 में रामसर स्थल)** एवं (2) **कलेसर राष्ट्रीय उद्यान (यमुनानगर — 2003 NP, लाल जंगली मुर्गों व साल वृक्षों हेतु प्रसिद्ध)**। **दूसरा रामसर स्थल: भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य (झज्जर — 2021, हरियाणा की सबसे बड़ी आर्द्रभूमि)**।

• **जनगणना 2011:** कुल जनसंख्या: 2,53,51,462; जनघनत्व: 573; साक्षरता: 75.55% (शीर्ष: गुरुग्राम 84.70%, न्यूनतम: नूंह 54.08%); **लिंगानुपात: 879 (शिशु लिंगानुपात: 834 — देश के राज्यों में न्यूनतम)**। इसी को सुधारने हेतु **22 जनवरी 2015 को पानीपत से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना** प्रारंभ की गई।

5.3 झारखंड राज्य-विशेष (Jharkhand State Specifics)

• **गठन एवं प्रशासनिक संरचना: 15 नवंबर 2000** (भगवान **बिरसा मुंडा की जयंती — 'जनजातीय गौरव दिवस'**) को बिहार के दक्षिणी पठारी भाग (18 जिलों) को पृथक कर देश के **28वें राज्य** के रूप में गठन। **क्षेत्रफल:** 79,716 वर्ग किमी (देश का 15वाँ राज्य, 2.42% क्षेत्रफल)। **राजधानी:** राँची

('जलप्रपातों का शहर'); **उप-राजधानी:** दुमका। **उच्च न्यायालय:** राँची (देश का 21वाँ उच्च न्यायालय)। **सीटें:** विधानसभा: **81** (ST हेतु **28**, SC हेतु **9** व सामान्य 44), लोकसभा: **14** (ST हेतु **5** [राजमहल, दुमका, सिंहभूम, खूँटी, लोहरदगा], SC हेतु **1** [पलामू]), राज्यसभा: **6**।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु: **भारतीय हाथी**, पक्षी: **एशियाई कोयल**, वृक्ष: **साल (सखुआ)**, पुष्प: **पलाश**।

• **5 प्रमंडल एवं सभी 24 जिले (स्थापना के समय 18 जिले थे, बाद में 6 नए जिले: लातेहार, जामताड़ा, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावाँ, खूँटी व रामगढ़ बने):**

1. **उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल (मुख्यालय: हजारीबाग — 7 जिले, सबसे बड़ा प्रमंडल):** हजारीबाग, चतरा, कोडरमा ('भारत की अभ्रक राजधानी' — रूबी अभ्रक), गिरिडीह (**पारसनाथ पहाड़ी / सम्मेद शिखर — झारखंड की सर्वोच्च चोटी [1,365 मीटर / 4,478 फीट]**, जहाँ 24 में से 20 जैन तीर्थंकरों ने निर्वाण प्राप्त किया), धनबाद ('कोयला राजधानी', IIT-ISM), बोकारो (1964 USSR के सहयोग से स्टील प्लांट), रामगढ़ (2007 में गठित 24वाँ जिला, रजरप्पा छिन्नमस्तिका मंदिर - दामोदर व भैरवी नदी संगम)।

2. **दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल (मुख्यालय: राँची — 5 जिले):** राँची (हुंडरू [स्वर्णरेखा नदी], दशम [काँची नदी] व जोन्हा/गौतमधारा [रारू नदी] जलप्रपात, HEC हटिया), लोहरदगा (बॉक्साइट नगरी), गुमला, सिमडेगा ('हॉकी की नर्सरी'), खूँटी (2007 में गठित 23वाँ जिला — बिरसा मुंडा की जन्मस्थली **उलीहातू**)।

3. **संथाल परगना प्रमंडल (मुख्यालय: दुमका — 6 जिले):** दुमका (मसानजोर/कनाडा बांध - मयूराक्षी नदी), देवघर (बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग, त्रिकूट पहाड़ी), गोड्डा, साहिबगंज (झारखंड का एकमात्र जिला जिससे **गंगा नदी** प्रवाहित होती है, उधवा झील पक्षी विहार), पाकुड़ (न्यूनतम साक्षरता 48.82%), जामताड़ा।

4. **पलामू प्रमंडल (मुख्यालय: मेदिनीनगर/डाल्टनगंज — 3 जिले):** पलामू, गढ़वा (उत्तर प्रदेश, बिहार व छत्तीसगढ़ तीनों से सीमा साझा करने वाला जिला), लातेहार (**बेतला राष्ट्रीय उद्यान [1986] एवं पलामू टाइगर रिज़र्व [1973-74]** — झारखंड का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान; **बूढ़ाघाघ / लोध जलप्रपात [बूढ़ा नदी पर 143 मीटर — झारखंड का सबसे ऊँचा जलप्रपात]**, नेतरहाट - 'छोटानागपुर की रानी')।

5. **कोल्हान प्रमंडल (मुख्यालय: चाईबासा — 3 जिले):** पश्चिमी सिंहभूम (मुख्यालय: चाईबासा — क्षेत्रफल में सबसे बड़ा जिला, सारंडा वन ['700 पहाड़ियों का घर'], नोआमुंडी व चिड़िया लौह अयस्क खदान), पूर्वी सिंहभूम (मुख्यालय: जमशेदपुर — साकची में 1907 में स्वर्णरेखा व खरकई संगम पर TISCO की स्थापना, **जादूगोड़ा, नरवापहाड़ व तुरामडीह यूरेनियम खदान**), सरायकेला-खरसावाँ (**छऊ नृत्य** की जन्मस्थली)।

• **प्रमुख जनजातीय विद्रोह एवं काश्तकारी कानून (CNT एवं SPT Act):**

• **संथाल विद्रोह / 'हूल' (1855–56):** भोगनाडीह गाँव के चार सगे भाइयों **सिदो, कान्हू, चाँद और भैरव मुर्मू** के नेतृत्व में जमींदारों, महाजनों ('दू') और ब्रिटिश शासन के विरुद्ध किया गया महान विद्रोह (30 जून को प्रतिवर्ष 'हूल दिवस' मनाया जाता है; इसी के परिणामस्वरूप 1855 के अधिनियम 37 द्वारा 'संथाल परगना' जिले का गठन हुआ और कार्ल मार्क्स ने इसे 'भारत की प्रथम जनक्रांति' कहा)।

• **बिरसा मुंडा आंदोलन / 'उलगुलान' (1895–1900): 'धरती आबा' (जगत पिता) बिरसा मुंडा** (जन्म: 15 नवंबर 1875, उलीहातू, खूँटी; गुरु: आनंद पांडेय; बिरसाइत पंथ एवं 'अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडू जाना' का नारा; मुख्य केंद्र: **डोंबारी बुरु पहाड़ी**; 9 जून 1900 को राँची जेल में हैजे से शहीद) ने मुंडाओं की पारंपरिक सामूहिक भूमि व्यवस्था **'खूँटकट्टी प्रथा'** की समाप्ति एवं बैठ-बेगारी के विरुद्ध महान हलचल ('उलगुलान') का नेतृत्व किया।

• **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act - 11 नवंबर 1908):** बिरसा आंदोलन के परिणामस्वरूप **जॉन हॉफमैन** द्वारा तैयार ब्लूप्रिंट के आधार पर लागू किया गया, जिसमें **अध्याय 19 और 271 धाराएँ** हैं (धारा 46 जनजातीय भूमि के गैर-आदिवासियों को हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाती है)।

• **संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (SPT Act - 1949):** इसमें **9 अध्याय और 72 धाराएँ** हैं (धारा 20 भूमि के अवैध हस्तांतरण को रोकती है)।

• **अन्य विद्रोह एवं पर्व:** तिलका माँझी विद्रोह (1784-85 — भागलपुर में बरगद पेड़ पर फाँसी), कोल विद्रोह (1831-32 — बुद्धू भगत), भूमिज विद्रोह (1832-33 — गंगा नारायण सिंह), **ताना भगत आंदोलन (अप्रैल 1914 — जतरा भगत, अहिंसक गांधीवादी जनजातीय आंदोलन)**। प्रमुख पर्व: **सरहुल** (चैत्र शुक्ल तृतीया — साल वृक्ष के फूलों का वसंतोत्सव, झारखंड का सबसे बड़ा जनजातीय पर्व), **करमा**, सोहराय (कोहबर व सोहराय पेंटिंग को GI टैग), टुसू, भगत परब, मंडा। **32 जनजातियाँ** (संथाल [सबसे बड़ी], उराँव [युवागृह: 'धुमकुड़िया'], मुंडा [युवागृह: 'गीतिओड़ा'], हो; 8 आदिम जनजातियाँ PVTG: असुर, बिरहोर, बिरजिया, कोरवा, माल पहाड़िया, सौरिया पहाड़िया, सबर, परहिया)।

5.4 छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष (Chhattisgarh State Specifics)

• **गठन एवं प्रशासनिक संरचना: 1 नवंबर 2000** को मध्य प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी 16 जिलों (30.47% भूभाग) को पृथक कर देश के **26वें राज्य** के रूप में गठन। **क्षेत्रफल:** 1,35,192 वर्ग किमी (देश का 9वाँ सबसे बड़ा राज्य)। **राजधानी:** रायपुर (नया रायपुर / अटल नगर)। **उच्च न्यायालय:** बिलासपुर (बोदरी —

देश का 19वाँ उच्च न्यायालय)। **सीटें:** विधानसभा: **90** (ST हेतु **29** व SC हेतु **10** आरक्षित), लोकसभा: **11** (ST हेतु **4** [सरगुजा, रायगढ़, बस्तर, कांकेर] व SC हेतु **1** [जांजगीर-चांपा] आरक्षित), राज्यसभा: **5**।

• **राजकीय प्रतीक:** पशु: **वन भैंसा** (*Bubalus arnee*), पक्षी: **पहाड़ी मैना** (*Gracula religiosa peninsularis*), वृक्ष: **साल (सरई)**, राजकीय गीत: 'अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार' (रचयिता: डॉ. नरेंद्र देव वर्मा)। छत्तीसगढ़ को **'धान का कटोरा' (Rice Bowl of India)** कहा जाता है।

• **5 संभाग एवं 33 जिले (स्थापना के समय 16 जिले थे; नवीनतम 5 जिले 2022 में गठित: मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सक्ती):**

1. **सरगुजा संभाग (मुख्यालय: अंबिकापुर — 6 जिले):** सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज (**गौरलाटा चोटी [सामरी पाट, 1,225 मीटर] — छत्तीसगढ़ की सर्वोच्च चोटी**; तातापानी भूतापीय संयंत्र), कोरिया, जशपुर (चाय व काजू उत्पादक पाट प्रदेश), मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर।

2. **बिलासपुर संभाग (मुख्यालय: बिलासपुर — 8 जिले, सबसे बड़ा संभाग):** बिलासपुर (अरपा नदी तट, रतनपुर महामाया मंदिर), कोरबा ('छत्तीसगढ़ की ऊर्जा राजधानी' — हसदेव बांगो/मिनीमाता बांध [छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचा बांध 87 मीटर] व गेवरा एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान), रायगढ़ (सिंघनपुर की प्रागैतिहासिक गुफाएँ), जांजगीर-चांपा (कोसा सिल्क), मुंगेली (अचानकमार टाइगर रिज़र्व), गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती।

3. **दुर्ग संभाग (मुख्यालय: दुर्ग — 7 जिले):** दुर्ग (**भिलाई इस्पात संयंत्र — 1955 में USSR के सहयोग से द्वितीय पंचवर्षीय योजना में स्थापित**), राजनांदगाँव (डोंगरगढ़ बम्लेश्वरी मंदिर), बालोद (तांदुला बांध), बेमेतरा, कबीरधाम/कवर्धा (भोरमदेव मंदिर — 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो', 11वीं सदी में फणिनागवंशी शासक गोपालदेव द्वारा निर्मित), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ — 1956, एशिया का प्रथम संगीत विश्वविद्यालय)।

4. **रायपुर संभाग (मुख्यालय: रायपुर — 5 जिले):** रायपुर (चंदखुरी — माता कौशल्या का विश्व का एकमात्र मंदिर), बलौदाबाजार-भाटापारा (गिरौदपुरी धाम — बाबा गुरु घासीदास की जन्मभूमि व कुतुबमीनार से भी ऊँचा 77 मीटर का 'जैतखाम'), महासमुंद (**सिरपुर** — महानदी तट पर पांडुवंशी रानी वासटा द्वारा निर्मित गुप्तोत्तर कालीन प्रसिद्ध लाल ईंटों का **लक्ष्मण मंदिर**), धमतरी (**सिहावा पर्वत — महानदी का उद्गम स्थल** एवं गंगरेल/रविशंकर सागर बांध), गरियाबंद (देवभोग व पायलीखंड हीरा क्षेत्र, उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व)।

5. **बस्तर संभाग (मुख्यालय: जगदलपुर — 7 जिले):** बस्तर (इंद्रावती नदी पर **चित्रकोट जलप्रपात — 'भारत का नियाग्रा'** [चौड़ाई 300 फीट, ऊँचाई 90 फीट], कांगेर घाटी में मुनगाबहार नदी पर **तीरथगढ़ जलप्रपात**, कुटुमसर गुफा [अंधी मछली 'शंकरा' - प्रो. शंकर तिवारी द्वारा खोजी गई], विश्व का सबसे लंबा **75-दिवसीय बस्तर दशहरा** [जिसमें रावण वध नहीं होता बल्कि दंतेश्वरी माता की रथ यात्रा निकलती है]), दंतेवाड़ा (**बैलाडीला लौह अयस्क खदान** — नंदीराज चोटी 1,210 मी., विशाखापत्तनम बंदरगाह से जापान को निर्यात; दंतेश्वरी शक्तिपीठ), कांकेर, कोंडागाँव (बेल मेटल व घड़वा शिल्प), नारायणपुर (**अबूझमाड़** — अबूझमाड़िया PVTG जनजाति), बीजापुर (**इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिज़र्व**), सुकमा (छत्तीसगढ़ का एकमात्र **टिन उत्पादक** जिला — देश में टिन उत्पादन में छत्तीसगढ़ का **100% एकाधिकार**)।

• **छत्तीसगढ़ के राजवंश, राष्ट्रीय उद्यान एवं जनजातीय संस्कृति:**

• **प्रमुख राजवंश:** शरभपुरीय वंश (प्रसन्नमात्र), पांडुवंश / सोमवंश (महाशिवगुप्त बालार्जुन — सिरपुर का स्वर्ण काल), **रतनपुर का कल्चुरि वंश** (संस्थापक: **कलिंगराज** [1000 ई., प्रारंभिक राजधानी तुम्माण], **रत्नदेव प्रथम** [1050 ई. में रतनपुर बसाया], जाजल्लदेव प्रथम [पाली के शिव मंदिर का जीर्णोद्धार व सोने के सिक्के], कल्याण साय), **बस्तर का काकतीय वंश** (**अन्नमदेव** [1324 ई. में संस्थापक], **प्रवीरचंद्र भंजदेव**; **1910 ई. का 'भूमकाल विद्रोह'** — नेता: **गुण्डाधूर**, प्रतीक: लाल मिर्च और आम की टहनी, दीवान बैजनाथ पंडा व अंग्रेजों के विरुद्ध)।

• **3 राष्ट्रीय उद्यान:** (1) **इंद्रावती (कुटरू) राष्ट्रीय उद्यान (1978 NP, 1983 प्रथम TR — बीजापुर)**, (2) **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (1982 — बस्तर, सबसे छोटा NP 200 वर्ग किमी, पहाड़ी मैना का संरक्षण)**, (3) **गुरु घासीदास (संजय) राष्ट्रीय उद्यान (1981/2001 — कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर व सूरजपुर, सबसे बड़ा NP 1,440.71 वर्ग किमी — गुरु घासीदास-तमोर पिंगला देश का 56वाँ/छत्तीसगढ़ का 4था टाइगर रिज़र्व)**। अन्य टाइगर रिज़र्व: **अचानकमार (मुंगेली - 2009)** एवं **उदंती-सीतानदी (गरियाबंद-धमतरी - 2009)**।

• **लोक नृत्य, गायन एवं जनजातियाँ: पंडवानी गायन** (महाभारत की कथा — **तीजन बाई** [कापालिक शैली, पद्म विभूषण] व ऋतु वर्मा [वेदमती शैली]), **सुआ नृत्य**, **राउत नाचा** (यादव समुदाय), **पंथी नृत्य** (सतनामी समुदाय — देवदास बंजारे), **गौर नृत्य** (माड़िया जनजाति — वेरियर एल्विन ने इसे 'विश्व का सबसे सुंदर नृत्य' कहा), **ककसार नृत्य** (अबूझमाड़िया), **सरहुल** (उराँव), **परब नृत्य** (धुरवा जनजाति), **गेड़ी नृत्य** (मुरिया जनजाति — युवागृह **'घोटुल'**, जिसके पुरुष सदस्य 'चेलिक' और महिला सदस्य 'मोटियारिन' कहलाती हैं)।

मॉड्यूल 6 (च): अंतर-राज्यीय समग्र विश्लेषण एवं परीक्षा-उन्मुख उच्च-उपज संश्लेषण

6.1 हिंदी पट्टी के राज्यों के प्रमुख यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Sites)

• **उत्तर प्रदेश (3 स्थल):** (1) **आगरा का किला (1983)**, (2) **ताजमहल (1983)**, (3) **फतेहपुर सीकरी (1986)**। (अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर: **रामलीला [2008]**, **कुंभ मेला [2017 - प्रयागराज व हरिद्वार]**; क्रिएटिव सिटी नेटवर्क: **वाराणसी [संगीत - 2015]** एवं **लखनऊ [पाक कला/ Gastronomy]**)।

• **बिहार (2 स्थल):** (1) **महाबोधि मंदिर परिसर, बोधगया (2002)**, (2) **नालंदा महाविहार का पुरातात्विक स्थल (2016)**।

• **मध्य प्रदेश (3 स्थल):** (1) **खजुराहो के स्मारक समूह (1986)**, (2) **साँची के बौद्ध स्मारक (1989)**, (3) **भीमबेटका के शैलाश्रय (2003)**। (यूनेस्को 'हिस्टोरिक अर्बन लैंडस्केप' व 'सिटी ऑफ म्यूजिक': **ग्वालियर** एवं अस्थायी सूची में: ओरछा, मांडू, भेड़ाघाट-लम्हेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व)।

• **राजस्थान (9 स्थल — 3 श्रेणीगत प्रविष्टियाँ):** (1) **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर (1985 — प्राकृतिक धरोहर)**, (2) **जंतर-मंतर, जयपुर (2010 — सवाई जयसिंह द्वारा निर्मित 5 वेधशालाओं में सबसे बड़ी)**, (3) **राजस्थान के 6 पहाड़ी दुर्ग (2013 — चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, गागरोन, आमेर, जैसलमेर)**, (4) **जयपुर परकोटा शहर (Walled City of Jaipur - 2019)**। (अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर: **कालबेलिया लोक नृत्य एवं गीत [2010 — गुलाबो सपेरा]**)।

• **उत्तराखंड (2 प्राकृतिक स्थल): नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान (1988)** एवं **फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान (2005)** (संयुक्त रूप से एक विश्व धरोहर इकाई)। (अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर: **'रम्माण' — गढ़वाल हिमालय का धार्मिक उत्सव एवं मुखौटा नृत्य, सलूड़-डुंग्रा गाँव, चमोली [2009]**)।

6.2 प्रमुख शास्त्रीय व लोक नृत्य, लोकनाट्य एवं संगीत घराने

राज्य	शास्त्रीय / प्रमुख लोक नृत्य (Folk Dances)	प्रमुख लोकनाट्य (Folk Theatre) एवं लोकगीत	प्रमुख संगीत घराने एवं सांस्कृतिक व्यक्तित्व
उत्तर प्रदेश	**कथक** (उत्तर प्रदेश का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य), चरकुला (ब्रज - 108 दीपकों का घड़ा), रासलीला, मयूर, पाई डंडा, राई, सैरा, दिवारी, कार्तिक (बुंदेलखंड), धोबिया, नटवरी, कटघोड़वा, जोगिनी, छपेली, कर्मा व शैला (सोनभद्र-मिर्जापुर)	**नौटंकी** (कानपुर व हाथरस शैली), रामलीला, रासलीला; **लोकगीत:** कजरी (मिर्जापुर), बिरहा (पूर्वांचल), सोहर, आल्हा (महोबा), रसिया (ब्रज), ढोला, पूरन भगत	**लखनऊ घराना** (बिंदादीन महाराज, बिरजू महाराज, लच्छू महाराज, बेगम अख्तर), **बनारस घराना** (गिरिजा देवी - ठुमरी, पं. रविशंकर, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ - शहनाई, किशन महाराज - तबला, छन्नूलाल मिश्र), **आगरा घराना** (फैयाज खाँ), **किराना घराना** (कैराना, शामली — अब्दुल करीम खाँ, भीमसेन जोशी, गंगूबाई हंगल), **रामपुर-सहसवान घराना**
बिहार	झिझिया, जुमरी (मिथिला), कजरी, झरनी (मुहर्रम), करमा, पाइका, लौंडा नाच (**रामचंद्र मांझी** - पद्मश्री), कठघोड़वा, धोबिया	**बिदेसिया** (**भिखारी ठाकुर** — 'भोजपुरी का शेक्सपियर'), **जट-जटिन** (मिथिला), **डोमकच** (विवाह के अवसर पर केवल महिलाओं द्वारा), **सामा-चकेवा** (भाई-बहन के प्रेम का पर्व), कीर्तनिया, भकुली-बंका; **लोकगीत:** सोहर, समदाउन, बिरहा, चैता, पूर्वी (महेंद्र मिश्र)	**दरभंगा घराना** (ध्रुपद गायकी — मल्लिक बंधु: रामचतुर मल्लिक, अभय नारायण मल्लिक), **बेतिया घराना** (ध्रुपद — नवलकिशोर गोस्वामी), **डुमराँव घराना** (शहनाई रत्न उस्ताद **बिस्मिल्लाह खाँ** की जन्मभूमि — 1916, डुमराँव, बक्सर), **गया घराना** (ठुमरी); शारदा सिन्हा ('बिहार कोकिला')
मध्य प्रदेश	**राई** (राजकीय नृत्य - बुंदेलखंड, बेड़नी समुदाय), बधाई, सेहरा, कानड़ा (बुंदेलखंड); मटकी, आड़ा-खड़ा (मालवा); गणगौर, काठी, फेफरिया, मांदल्या, डंडा नाच (निमाड़); बिरहा, अहिराई, केमाली, दादर, कलसा (बघेलखंड)	**माच** (राजकीय नाट्य - मालवा, उज्जैन से उद्भव, गोपालजी गुरु व सिद्धेश्वर सेन), **काठी एवं गम्मत** (निमाड़), **स्वांग एवं नौटंकी** (बुंदेलखंड), **मनसुखा व हिंगोला** (बघेलखंड), **खंब स्वांग** (कोरकू जनजाति); **लोकगीत:** संजा गीत, भरथरी, हीड़ गायन (मालवा), कलगी-तुर्रा, संत सिंगाजी भजन (निमाड़), फाग व आल्हा (बुंदेलखंड), बसदेवा, बिरहा व विदेशिया (बघेलखंड)	**ग्वालियर घराना** (ख्याल गायकी का सबसे प्राचीन घराना — नाथन पीर बख्श, हद्दू खाँ, हस्सू खाँ, राजा भैया पूछवाले, कृष्णराव पंडित), **मैहर घराना (उस्ताद अलाउद्दीन खाँ** — सरोद सम्राट), **इंदौर घराना (उस्ताद अमीर खाँ** — ख्याल व तराना), **देवास (पं. कुमार गंधर्व** — कबीर भजन व मालवी लोकधुन)

राज्य	शास्त्रीय / प्रमुख लोक नृत्य (Folk Dances)	प्रमुख लोकनाट्य (Folk Theatre) एवं लोकगीत	प्रमुख संगीत घराने एवं सांस्कृतिक व्यक्तित्व
राजस्थान	**घूमर** ('नृत्यों की आत्मा / सिरमौर'), **कालबेलिया** (इंड़ोणी, पणिहारी, बागड़िया, शंकरिया), **भवई** (उदयपुर - रूपसिंह शेखावत व अस्मिता काला), **तेरहताली** (रामदेवरा - मांगी बाई), **अग्नि नृत्य** (कतरियासर), **कच्छी घोड़ी**, चंग, गीदड़ (शेखावाटी), **चरी नृत्य** (किशनगढ़ - गुर्जर महिलाएँ, **फलकू बाई**), **गैर, गवरी/राई, नेजा, द्विचकी** (भील), **वालर** (बिना वाद्य यंत्र के गरासिया जनजाति), मांदल, लूर, कूद	**ख्याल** (कुचामनी ख्याल - लच्छीराम, शेखावाटी ख्याल - नानूराम व दुलिया राणा, जयपुरी ख्याल, हेला ख्याल - दौसा/सवाई माधोपुर), **तमाशा** (जयपुर - बंशीधर भट्ट), **रम्मत** (बीकानेर व जैसलमेर - तेजकवि), **गवरी नाट्य** (मेवाड़ के भीलों का 40-दिवसीय प्राचीनतम लोकनाट्य - 'लोकनाट्यों का मेरुनाट्य'), **नौटंकी** (भरतपुर-धौलपुर), **चारबैत** (टोंक); **लोकगीत:** केसरिया बालम (मांड), कुरजां, मूमल, गोरबंद (ऊँट का श्रृंगार गीत), पणिहारी, बिछुड़ो, लांगुरिया (कैला देवी करौली)	**जयपुर कथक घराना** (भानुजी महाराज — कथक का सबसे प्राचीन घराना), **पटियाला/अतरौली-जयपुर घराना** (अल्लादिया खाँ, किशोरी अमोनकर), **डागर घराना** (ध्रुपद — बहराम खाँ डागर), **मेवाती घराना** (घग्घे नजीर खाँ, **पं. जसराज**), **अल्लाह जिलाई बाई** (बीकानेर - मांड गायिका, पद्मश्री व राजस्थान रत्न), **गवरी देवी** (पाली/बीकानेर), **मांगणियार एवं लंगा गायन शैली (सद्दीक खाँ मांगणियार** - खड़ताल के जादूगर, **साकर खाँ** - कमायचा के जादूगर)

अनुभाग 2: 80 वास्तविक परीक्षा-स्तरीय 4-विकल्पीय प्रश्न (80 Authentic Exam-Level 4-Option MCQs with Detailed Explanations)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अनुभाग 2: 80 वास्तविक परीक्षा-स्तरीय 4-विकल्पीय प्रश्न (80 Authentic Exam-Level 4-Option MCQs with Detailed Explanations)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1
भाग (क): उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष (UPPSC PCS, RO/ARO, BEO, UP Police एवं UPSSSC स्तरीय — प्रश्न 1 से 22)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 2
भाग (ख): बिहार राज्य-विशेष (BPSC Combined CCE, TRE, BSSC एवं बिहार दरोगा स्तरीय — प्रश्न 23 से 40)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 3
भाग (ग): मध्य प्रदेश राज्य-विशेष (MPPSC State Service, Forest Service एवं MPESB स्तरीय — प्रश्न 41 से 56)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
भाग (घ): राजस्थान राज्य-विशेष (RPSC RAS, RTS एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा स्तरीय — प्रश्न 57 से 72)

भाग (क): उत्तर प्रदेश राज्य-विशेष (UPPSC PCS, RO/ARO, BEO, UP Police एवं UPSSSC स्तरीय — प्रश्न 1 से 22)

अभ्यास प्रश्न #1 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 1. [UPPSC Pre / RO-ARO] उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित जिलों का उत्तर से दक्षिण (North to South) की ओर सही भौगोलिक अनुक्रम कौन-सा है?

(A) सिद्धार्थनगर – संत कबीर नगर – अंबेडकर नगर – संत रविदास नगर (भदोही)

(B) संत कबीर नगर – सिद्धार्थनगर – अंबेडकर नगर – संत रविदास नगर (भदोही)

(C) सिद्धार्थनगर – अंबेडकर नगर – संत कबीर नगर – संत रविदास नगर (भदोही)

(D) अंबेडकर नगर – सिद्धार्थनगर – संत रविदास नगर (भदोही) – संत कबीर नगर

- **सही उत्तर: (A)**
- **व्याख्या:** उत्तर प्रदेश के मानचित्र में नेपाल सीमा से सटा हुआ जिला **सिद्धार्थनगर** सबसे उत्तर में स्थित है; उसके ठीक दक्षिण में **संत कबीर नगर** (खलीलाबाद), फिर घाघरा नदी के दक्षिण में **अंबेडकर नगर** (अकबरपुर) और सबसे दक्षिण में गंगा बेसिन में **संत रविदास नगर (भदोही)** स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #2 — परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 2. [UPPSC RO/ARO] उत्तर प्रदेश की 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) योजना के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(A) बाँदा — शजर पत्थर शिल्प (Shazar Stone Craft)

(B) मैनपुरी — तारकशी कला (Tarkashi Art)

(C) बलरामपुर — केला रेशा उत्पाद (Banana Fiber Products)

(D) संभल — सींग एवं हड्डी के उत्पाद (Horn & Bone Craft)

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** एक जिला एक उत्पाद (ODOP UP) के अंतर्गत **बलरामपुर** का ODOP उत्पाद **'खाद्य प्रसंस्करण (दालें - Pulses)'** है, जबकि **'केला रेशा उत्पाद' (Banana Fiber Products) कुशीनगर** जिले का और **'केला प्रसंस्करण' कौशाम्बी** का ODOP उत्पाद है। बाँदा (शजर पत्थर शिल्प - केन नदी), मैनपुरी (शीशम की लकड़ी पर पीतल के तारों की जड़ाई - तारकशी कला) और संभल (सींग एवं हड्डी शिल्प) पूर्णतः सही सुमेलित हैं।

अभ्यास प्रश्न #3 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 3. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश के पक्षी विहारों और उनके संबंधित जिलों के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लाख बहोसी पक्षी विहार (कन्नौज) क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा पक्षी विहार है।
2. पटना पक्षी विहार (एटा) उत्तर प्रदेश का सबसे छोटा पक्षी विहार है।
3. पार्वती अरगा पक्षी विहार रायबरेली जिले में स्थित है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 3

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** कथन 1 और 2 सही हैं: **लाख बहोसी पक्षी विहार (कन्नौज - 80.24 वर्ग किमी)** उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा पक्षी विहार है, जबकि **पटना पक्षी विहार (जलेसर, एटा - 1.09 वर्ग किमी)** सबसे छोटा स्थापित पक्षी विहार है। कथन 3 गलत है क्योंकि **पार्वती अरगा पक्षी विहार गोंडा जिले** में स्थित है, जबकि रायबरेली जिले में **समसपुर पक्षी विहार** स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #4 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 4. [UPPSC Pre / BEO] जनगणना 2011 के अंतिम आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(A) उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति (ST) जनसंख्या प्रतिशत वाला जिला सोनभद्र (20.67%) है।

(B) उत्तर प्रदेश में न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला श्रावस्ती (46.74%) है, किंतु महिला साक्षरता दर में बलरामपुर सबसे निचले पायदान पर है।

(C) जौनपुर (1,024), आजमगढ़ (1,019) और देवरिया (1,017) उत्तर प्रदेश के शीर्ष तीन लिंगानुपात वाले जिले हैं।

(D) गौतम बुद्ध नगर (49.10%) में वर्ष 2001–2011 के दौरान सर्वाधिक दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गई।

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** जनगणना 2011 के अनुसार **श्रावस्ती** जिला **कुल साक्षरता (46.74%), पुरुष साक्षरता (57.16%)** तथा **महिला साक्षरता (34.78%)** — तीनों ही मानकों में उत्तर प्रदेश में सबसे निचले (न्यूनतम) स्थान पर है (बलरामपुर महिला साक्षरता में 38.43% के साथ नीचे से दूसरे स्थान पर है)। अतः विकल्प (B) असत्य है।

अभ्यास प्रश्न #5 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 5. [UP Police SI / UPSSSC] उत्तर प्रदेश का कौन-सा जिला हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा — तीन राज्यों के साथ अपनी सीमा साझा करता है?

(A) मुजफ्फरनगर

(B) बिजनौर

(C) शामली

(D) सहारनपुर

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** उत्तर प्रदेश का सबसे उत्तरी जिला **सहारनपुर** तीन राज्यों — **हिमाचल प्रदेश** (सिरमौर जिला - यूपी की सबसे छोटी अंतर-राज्यीय सीमा), **उत्तराखंड** (देहरादून व हरिद्वार) और **हरियाणा** (यमुनानगर) के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

अभ्यास प्रश्न #6 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 6. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (UP Defence Industrial Corridor) के अंतर्गत चिह्नित 6 नोड्स (Nodes) में निम्नलिखित में से कौन-सा शहर सम्मिलित नहीं है?

(A) अलीगढ़

(B) चित्रकूट

(C) प्रयागराज

(D) झाँसी

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत कुल **6 नोड्स** निर्धारित किए गए हैं: **1. अलीगढ़, 2. आगरा, 3. झाँसी, 4. चित्रकूट, 5. कानपुर एवं 6. लखनऊ**। इसमें **प्रयागराज** या वाराणसी सम्मिलित नहीं हैं।

अभ्यास प्रश्न #7 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 7. [UPPSC RO/ARO] निम्नलिखित में से किस एक्सप्रेस-वे पर सुल्तानपुर जिले के कूरेभार (अरवल कीरी करवत) के निकट भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की आपातकालीन लैंडिंग के लिए 3.2 किमी लंबी हवाई पट्टी निर्मित की गई है?

(A) आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे

(B) बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

(C) गंगा एक्सप्रेस-वे

(D) पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** लखनऊ के चाँदसराय से गाजीपुर के हैदरिया तक बने **340.82 किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे** पर **सुल्तानपुर जिले के कूरेभार** में 3.2 किमी लंबी वायुसेना हवाई पट्टी बनाई गई है। (आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर उन्नाव के बांगरमऊ में और गंगा एक्सप्रेस-वे पर शाहजहाँपुर में हवाई पट्टी स्थित है)।

अभ्यास प्रश्न #8 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 8. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश में स्थित प्रमुख राष्ट्रीय शोध संस्थानों और उनके मुख्यालयों का कौन-सा मिलान गलत है?

(A) भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान (IGFRI) — झाँसी

(B) केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (CIRG) — मखदूम (मथुरा)

(C) भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR) — वाराणसी

(D) केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (CISH) — रहमानखेड़ा (लखनऊ)

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या: भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (IIPR - Indian Institute of Pulses Research)** वाराणसी में नहीं बल्कि **कानपुर** में स्थित है, जबकि **भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (IIVR - Indian Institute of Vegetable Research)** एवं **अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान का दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (ISARC) वाराणसी** में स्थित हैं।

अभ्यास प्रश्न #9 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 9. [UPPSC Pre / RO-ARO] गोमती नदी के उद्गम एवं अपवाह तंत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत जिले के माधोटांडा के निकट 'फुलहर झील' (गोमत ताल) से होता है।
2. यह उत्तर प्रदेश की एकमात्र ऐसी प्रमुख नदी है जिसका उद्गम हिमालय या पठार से न होकर मैदानी क्षेत्र (तराई) से होता है।
3. गोमती नदी गाजीपुर जिले के सैदपुर (कैथी) के निकट गंगा नदी में मिल जाती है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं। गोमती नदी पीलीभीत की **फुलहर झील** से निकलती है, पीलीभीत, शाहजहाँपुर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, लखनऊ, सुल्तानपुर और जौनपुर से बहते हुए **गाजीपुर के कैथी (सैदपुर)** में मारकंडेय महादेव मंदिर के पास गंगा में मिल जाती है। सई नदी इसकी सबसे प्रमुख सहायक नदी है (जो जौनपुर के राजेपुर में गोमती से मिलती है)।

अभ्यास प्रश्न #10 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 10. [UP Police / UPSSSC] बुंदेलखंड क्षेत्र के ललितपुर जिले के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा तथ्य सही है?

(A) यह उत्तर प्रदेश में यूरेनियम एवं रॉक फॉस्फेट के भंडार वाला प्रमुख जिला है तथा यहाँ देवगढ़ का गुप्तकालीन दशावतार मंदिर स्थित है।

(B) यह चार राज्यों की सीमाओं को स्पर्श करने वाला उत्तर प्रदेश का एकमात्र जिला है।

(C) यहाँ रिहंद नदी पर गोविंद बल्लभ पंत सागर बांध निर्मित है।

(D) यह जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सबसे सघन जिला है।

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या: ललितपुर** उत्तर प्रदेश का एकमात्र **यूरेनियम उत्पादक** जिला है (ताँबा व रॉक फॉस्फेट भी यहाँ मिलता है); यहीं बेतवा नदी के तट पर गुप्तकालीन **देवगढ़ का दशावतार मंदिर** और **महावीर स्वामी वन्यजीव विहार** (सबसे छोटा वन्यजीव विहार) स्थित है। यह तीन ओर से मध्य प्रदेश से घिरा है और उत्तर प्रदेश में **न्यूनतम जनघनत्व (242 व्यक्ति/वर्ग किमी)** वाला जिला है।

अभ्यास प्रश्न #11 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 11. [UPPSC RO/ARO] उत्तर प्रदेश की प्रमुख जनजातियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(A) थारू जनजाति के लोग दीपावली को शोक पर्व के रूप में मनाते थे तथा इनमें 'बजहर' नामक पर्व मनाया जाता है।

(B) खरवार जनजाति का पारंपरिक लोक नृत्य 'चरकुला' है।

(C) माहीगीर जनजाति मुख्य रूप से सोनभद्र जिले में निवास करती है और बौद्ध धर्म की अनुयायी है।

(D) उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजाति (ST) की सर्वाधिक जनसंख्या बागपत जिले में निवास करती है।

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** तराई क्षेत्र (महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी) में निवास करने वाली **थारू जनजाति** उत्तर प्रदेश के पुराने जनजातीय समूहों में सबसे बड़ी है; इनमें **'बजहर'** पर्व मनाया जाता है और लखीमपुर खीरी में थारू जनजाति के लिए एक महाविद्यालय भी स्थापित है। (माहीगीर समुदाय

बिजनौर के नजीबाबाद क्षेत्र में निवास करता है और इस्लाम धर्म का अनुयायी है; खरवार जनजाति का प्रमुख नृत्य **'कर्मा'** है; ST जनसंख्या सर्वाधिक **सोनभद्र** में और न्यूनतम **बागपत** में है)।

अभ्यास प्रश्न #12 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 12. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश का प्रथम वन्यजीव विहार (Wildlife Sanctuary) कौन-सा है जिसकी स्थापना वर्ष 1957 में की गई थी?

(A) किशनपुर वन्यजीव विहार (लखीमपुर खीरी)

(B) हस्तिनापुर वन्यजीव विहार (मेरठ)

(C) चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (चंदौली)

(D) कतरनियाघाट वन्यजीव विहार (बहराइच)

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** उत्तर प्रदेश वन्यजीव गाइड के अनुसार **चंद्रप्रभा वन्यजीव विहार (चंदौली)** की स्थापना वर्ष **1957** में की गई थी और यह उत्तर प्रदेश का **प्रथम वन्यजीव विहार** है (यहाँ राजदरी और देवदरी जलप्रपात स्थित हैं)।

अभ्यास प्रश्न #13 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 13. [UPPSC Pre] 'काला नमक चावल' (जिसे 'बुद्ध का महाप्रसाद' भी कहा जाता है और जिसे GI टैग प्राप्त है) मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के किस जिले का ODOP उत्पाद है?

(A) चंदौली

(B) सिद्धार्थनगर

(C) बस्ती

(D) मिर्जापुर

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** सुगंधित एवं पोषक तत्वों से भरपूर **'काला नमक चावल' (Kala Namak Rice) सिद्धार्थनगर** जिले का आधिकारिक ODOP उत्पाद है (तथा गोरखपुर, महराजगंज, संत कबीर नगर, बस्ती सहित तराई के 11 जिलों को इसका GI टैग क्षेत्र प्राप्त है)।

अभ्यास प्रश्न #14 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 14. [UPPSC RO/ARO] उत्तर प्रदेश में सिंचाई के साधनों का घटते क्रम (अधिकतम से न्यूनतम हिस्सेदारी) में सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) नहरें > नलकूप (Tube-wells) > कुएँ व तालाब > अन्य

(B) नलकूप (Tube-wells) > नहरें > कुएँ व तालाब > अन्य

(C) नलकूप (Tube-wells) > कुएँ व तालाब > नहरें > अन्य

(D) नहरें > कुएँ व तालाब > नलकूप > अन्य

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** उत्तर प्रदेश में कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का सर्वाधिक **~74.9% भाग नलकूपों (Tube-wells)** द्वारा सिंचित होता है, इसके पश्चात दूसरे स्थान पर **नहरें (~15.2%)**, तीसरे स्थान पर **कुएँ (~8.7%)** और फिर तालाब/झील/पोखर आते हैं।

अभ्यास प्रश्न #15 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 15. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश की सबसे लंबी नहर प्रणाली 'शारदा नहर' का उद्गम किस जिले के बनबसा नामक स्थान पर शारदा (काली) नदी से होता है?

(A) लखीमपुर खीरी

(B) बहराइच

(C) चंपावत / पीलीभीत सीमा

(D) बिजनौर

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या:** वर्ष 1920–1928 के मध्य निर्मित **शारदा नहर प्रणाली** उत्तर प्रदेश की **सबसे बड़ी नहर प्रणाली** (शाखाओं सहित कुल लंबाई ~12,368 किमी) है, जो उत्तराखंड के चंपावत और उत्तर प्रदेश के **पीलीभीत** जिले की सीमा पर स्थित **बनबसा** से शारदा (काली/महाकाली) नदी से निकाली गई है।

अभ्यास प्रश्न #16 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 16. [UPPSC Pre / UP Police] 'सुलहकुल उत्सव' जो हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है, उत्तर प्रदेश के किस शहर में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है?

(A) लखनऊ

(B) बाराबंकी

(C) आगरा

(D) अलीगढ़

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या:** मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्रतिपादित 'सुलह-ए-कुल' (सार्वभौमिक शांति एवं भाईचारा) के सिद्धांत की स्मृति में प्रतिवर्ष **आगरा** में **'सुलहकुल उत्सव'** का आयोजन किया जाता है। (आगरा में ही कैलाश मेला, राम बारात और बटेश्वर पशु मेला भी आयोजित होता है)।

अभ्यास प्रश्न #17 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 17. [UPPSC RO/ARO] 'रानीपुर टाइगर रिज़र्व' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(A) यह उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में स्थित है।

(B) यह भारत का 53वाँ तथा उत्तर प्रदेश का चौथा (और बुंदेलखंड क्षेत्र का प्रथम) टाइगर रिज़र्व है।

(C) इसके मध्य से शारदा नदी प्रवाहित होती है।

(D) इसे वर्ष 2014 में टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया था।

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** **चित्रकूट** जिले में स्थित **रानीपुर टाइगर रिज़र्व** को वर्ष **2022** में भारत के **53वें** और उत्तर प्रदेश के **चौथे** (दुधवा, अमानगढ़ और पीलीभीत के बाद) तथा **बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रथम टाइगर रिज़र्व** के रूप में अधिसूचित किया गया। यह मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिज़र्व के बाघों के लिए एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक गलियारा (Corridor) बनाता है।

अभ्यास प्रश्न #18 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 18. [UPPSC Pre] निम्नलिखित में से कौन-सा उत्तर प्रदेश का रामसर आर्द्रभूमि स्थल (Ramsar Site) सही सुमेलित नहीं है?

(A) सरसई नावर झील — इटावा

(B) सांडी पक्षी विहार — हरदोई

(C) बखिरा वन्यजीव विहार — बलिया

(D) हैदरपुर वेटलैंड — मुजफ्फरनगर एवं बिजनौर

- **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** **बखिरा वन्यजीव/पक्षी विहार** बलिया में नहीं बल्कि **संत कबीर नगर** जिले में स्थित है, जबकि बलिया में **जयप्रकाश नारायण (सुरहा ताल) पक्षी विहार** स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #19 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 19. [UPSSSC / UP Police] उत्तर प्रदेश के किस जिले में 'चुनार का किला' तथा भारतीय मानक समय रेखा (82°30' पूर्वी देशांतर) का प्रमुख संदर्भ बिंदु स्थित है?

(A) चंदौली

(B) गाजीपुर

(C) मिर्जापुर

(D) सोनभद्र

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** **मिर्जापुर** (एवं प्रयागराज का नैनी) भारतीय मानक समय रेखा (82°30' E — जो उत्तर प्रदेश के 5 जिलों: प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही व कौशाम्बी/चित्रकूट परिक्षेत्र से गुजरती है) का मानक संदर्भ बिंदु है। मिर्जापुर में ही गंगा तट पर ऐतिहासिक **चुनार का किला**, विंध्यवासिनी धाम, कजरी लोकगीत और विंढम जलप्रपात स्थित हैं।

अभ्यास प्रश्न #20 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 20. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश की 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के अंतर्गत लाभार्थी बालिका को जन्म से लेकर स्नातक/डिप्लोमा प्रवेश तक कुल कितनी श्रेणियों (चरणों) में कितनी धनराशि प्रदान की जाती है?

(A) 5 चरणों में ₹15,000

(B) 6 चरणों में ₹25,000

(C) 4 चरणों में ₹20,000

(D) 6 चरणों में ₹50,000

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 से **मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना** की कुल सहायता राशि को ₹15,000 से बढ़ाकर **6 चरणों में ₹25,000** (1. जन्म पर ₹5,000; 2. एक वर्ष के टीकाकरण पर ₹2,000; 3. कक्षा 1 में प्रवेश पर ₹3,000; 4. कक्षा 6 में प्रवेश पर ₹3,000; 5. कक्षा 9 में प्रवेश पर ₹5,000; 6. 10वीं/12वीं के बाद स्नातक या 2-वर्षीय डिप्लोमा में प्रवेश पर ₹7,000) कर दिया है।

अभ्यास प्रश्न #21 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 21. [UPPSC RO/ARO] प्रसिद्ध ठुमरी गायिका गिरिजा देवी (पद्म विभूषण) का संबंध उत्तर प्रदेश के किस संगीत घराने से था?

(A) किराना घराना

(B) बनारस घराना

(C) आगरा घराना

(D) सहसवान घराना

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** 'ठुमरी की रानी' के नाम से विख्यात **गिरिजा देवी** का संबंध **बनारस घराने** (और सेनिया घराने) से था। बनारस घराने के अन्य प्रमुख कलाकारों में सिद्धेश्वरी देवी, बड़ी मोती बाई, रसूलन बाई, पं. छन्नूलाल मिश्र और पं. राजन-साजन मिश्र शामिल हैं।

अभ्यास प्रश्न #22 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 22. [UPPSC Pre] उत्तर प्रदेश में 'केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान' (Central Pulp & Paper Research Institute - CPPRI) कहाँ स्थित है?

(A) मेरठ

(B) सहारनपुर

(C) बरेली

(D) मुरादाबाद

- **सही उत्तर: (B)**
- **व्याख्या: केंद्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान (CPPRI) सहारनपुर** में स्थित है (सहारनपुर में ही 'स्कूल ऑफ पेपर टेक्नोलॉजी' भी स्थित है)।

भाग (ख): बिहार राज्य-विशेष (BPSC Combined CCE, TRE, BSSC एवं बिहार दरोगा स्तरीय — प्रश्न 23 से 40)

अभ्यास प्रश्न #23 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 23. [BPSC Combined Pre] वर्ष 1917 के चंपारण सत्याग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(A) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिसंबर 1916 के लखनऊ अधिवेशन में राजकुमार शुक्ल ने महात्मा गांधी को चंपारण आने के लिए आमंत्रित किया था।

(B) तिनकठिया पद्धति के अंतर्गत चंपारण के किसानों को अपनी कुल भूमि के 3/20 भाग पर नील की खेती करना अनिवार्य था।

(C) चंपारण के किसानों की स्थिति की जाँच हेतु गठित 'चंपारण एग्रेरियन समिति' के अध्यक्ष महात्मा गांधी थे।

(D) चंपारण सत्याग्रह में डॉ. राजेंद्र प्रसाद, ब्रजकिशोर प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा और जे.बी. कृपलानी महात्मा गांधी के प्रमुख सहयोगी थे।

- **सही उत्तर: (C)**
- **व्याख्या:** जुलाई 1917 में गठित **'चंपारण एग्रेरियन समिति' (चंपारण कृषि जाँच समिति)** के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के आयुक्त **एफ.जी. स्लाई (F.G. Sly)** थे, न कि महात्मा गांधी। **महात्मा गांधी इस समिति के एक सदस्य** थे (अन्य सदस्य: एल.सी. अदामी, राजा हरिहर प्रसाद नारायण सिंह, डी.जे. रीड और जी. रैनी)।

अभ्यास प्रश्न #24 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 24. [BPSC Pre] बिहार जाति आधारित गणना (2023) के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या में विभिन्न सामाजिक वर्गों की प्रतिशत हिस्सेदारी का घटते क्रम (अधिकतम से न्यूनतम) में सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) > पिछड़ा वर्ग (BC) > अनुसूचित जाति (SC) > अनारक्षित (General) > अनुसूचित जनजाति (ST)

(B) पिछड़ा वर्ग (BC) > अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) > अनुसूचित जाति (SC) > अनारक्षित (General) > अनुसूचित जनजाति (ST)

(C) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) > अनुसूचित जाति (SC) > पिछड़ा वर्ग (BC) > अनारक्षित (General) > अनुसूचित जनजाति (ST)

(D) अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) > पिछड़ा वर्ग (BC) > अनारक्षित (General) > अनुसूचित जाति (SC) > अनुसूचित जनजाति (ST)

- **सही उत्तर: (A)**
- **व्याख्या:** बिहार जाति आधारित गणना (2023) के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या (13,07,25,310) में सामाजिक वर्गों का घटता क्रम है:

1. **अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC): 36.0148%**
2. **पिछड़ा वर्ग (BC): 27.1286%** (कुल OBC = 63.14%)
3. **अनुसूचित जाति (SC): 19.6518%**
4. **अनारक्षित / सामान्य वर्ग (General): 15.5224%**

5. **अनुसूचित जनजाति (ST): 1.6824%**

अभ्यास प्रश्न #25 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 25. [BPSC Pre] बिहार में प्रवाहित होने वाली नदियों को पश्चिम से पूर्व (West to East) की ओर व्यवस्थित करने पर उत्तरी बिहार की नदियों का सही क्रम क्या होगा?

(A) घाघरा – गंडक – बूढ़ी गंडक – बागमती – कमला – कोसी – महानंदा

(B) गंडक – घाघरा – बागमती – बूढ़ी गंडक – कोसी – कमला – महानंदा

(C) घाघरा – बूढ़ी गंडक – गंडक – कमला – बागमती – कोसी – महानंदा

(D) गंडक – बूढ़ी गंडक – घाघरा – बागमती – कोसी – महानंदा – कमला

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** उत्तरी बिहार में गंगा के बाएँ तट से मिलने वाली नदियों का पश्चिम (उत्तर प्रदेश सीमा) से पूर्व (पश्चिम बंगाल सीमा) की ओर सटीक भौगोलिक क्रम है: **घाघरा (सरयू) → गंडक → बूढ़ी गंडक → बागमती → कमला-बलान → कोसी → महानंदा**। इसी प्रकार दक्षिणी बिहार की नदियों का पश्चिम से पूर्व क्रम है: **कर्मनाशा → सोन → पुनपुन → फल्गु → पंचाने → किऊल → अजय/चंदन**।

अभ्यास प्रश्न #26 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 26. [BPSC Pre / TRE] नवंबर 1929 में सोनपुर मेले के अवसर पर गठित 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' के प्रथम अध्यक्ष और प्रथम सचिव क्रमशः कौन थे?

(A) कार्यानंद शर्मा और राहुल सांकृत्यायन

(B) स्वामी सहजानंद सरस्वती और श्रीकृष्ण सिंह

(C) स्वामी सहजानंद सरस्वती और एन.जी. रंगा

(D) शाह मुहम्मद जुबैर और श्रीकृष्ण सिंह

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** नवंबर 1929 में सोनपुर मेले में **स्वामी सहजानंद सरस्वती** (प्रथम अध्यक्ष) और **श्रीकृष्ण सिंह** (प्रथम सचिव) के नेतृत्व में **'बिहार प्रांतीय किसान सभा'** की स्थापना हुई थी। (अप्रैल 1936 में लखनऊ में स्थापित 'अखिल भारतीय किसान सभा' के अध्यक्ष स्वामी सहजानंद सरस्वती और महासचिव एन.जी. रंगा थे, जबकि 1922-23 की मुंगेर किसान सभा के अध्यक्ष शाह मुहम्मद जुबैर थे)।

अभ्यास प्रश्न #27 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 27. [BPSC Pre] 1857 की क्रांति के दौरान पटना में 3 जुलाई 1857 को हुए विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था तथा उस समय पटना का कमिश्नर कौन था?

(A) बाबू कुँवर सिंह; कमिश्नर डब्ल्यू.बी. हेकॉक

(B) पीर अली (पुस्तक विक्रेता); कमिश्नर विलियम टेलर

(C) विलायत अली; कमिश्नर सैमुअल

(D) अमर सिंह; कमिश्नर ली ग्रैंड

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** पटना के गुरहट्टा मोहल्ले के पुस्तक विक्रेता **पीर अली** ने **3 जुलाई 1857** को पटना में सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसमें अफीम एजेंट डॉ. लॉयल मारा गया। तत्कालीन पटना कमिश्नर **विलियम टेलर** ने इस विद्रोह का दमन किया और 7 जुलाई 1857 को पीर अली को फाँसी दे दी गई।

अभ्यास प्रश्न #28 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 28. [BPSC Pre] जनगणना 2011 के अनुसार बिहार के निम्नलिखित जिलों के संबंध में कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(A) सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला — शिवहर (1,880 व्यक्ति/वर्ग किमी)

(B) सर्वाधिक साक्षरता दर (कुल, पुरुष एवं महिला तीनों में) वाला जिला — रोहतास (73.37%)

(C) सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला — गोपालगंज (1,021)

(D) न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला — पूर्णिया

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में **न्यूनतम कुल साक्षरता (51.08%)** तथा **न्यूनतम पुरुष साक्षरता (59.06%)** वाला जिला **पूर्णिया** है, किंतु **न्यूनतम महिला साक्षरता दर वाला जिला 'सहरसा' (41.68%)** है (जबकि मधेपुरा 41.74% के साथ नीचे से दूसरे और पूर्णिया 42.34% के साथ तीसरे स्थान पर है)।

अभ्यास प्रश्न #29 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 29. [BPSC TRE / BSSC] बिहार के किस जिले में 'कावर ताल' (काबर झील) स्थित है, जिसे वर्ष 2020 में बिहार के प्रथम रामसर आर्द्रभूमि स्थल (Ramsar Site) के रूप में घोषित किया गया था?

(A) कटिहार

(B) दरभंगा

(C) बेगूसराय

(D) जमुई

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या: बेगूसराय** जिले के मंझौल अनुमंडल में स्थित **कावर ताल (Kanwar Lake)** एशिया की सबसे बड़ी शुद्ध जल की गोखुर झील (Oxbow Lake — बूढ़ी गंडक नदी द्वारा निर्मित) है, जिसे वर्ष **2020** में बिहार का **प्रथम रामसर स्थल** घोषित किया गया। (वर्ष **2024** में **जमुई** जिले के **नागी** और **नकटी** पक्षी अभयारण्यों को बिहार के दूसरे व तीसरे रामसर स्थल के रूप में घोषित किया गया है)।

अभ्यास प्रश्न #30 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 30. [BPSC Pre] विक्रमशिला महाविहार की स्थापना किस वंश के किस शासक द्वारा की गई थी तथा यह वर्तमान में बिहार के किस जिले में स्थित है?

(A) गुप्त वंश के शासक कुमारगुप्त प्रथम द्वारा — नालंदा जिला

(B) पाल वंश के शासक गोपाल द्वारा — पटना जिला

(C) पाल वंश के शासक धर्मपाल द्वारा — भागलपुर जिला (अंतीचक गाँव, कहलगाँव)

(D) कर्नाट वंश के शासक नान्यदेव द्वारा — मधुबनी जिला

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या: पाल वंश** के महान शासक **धर्मपाल (770–810 ई.)** ने 8वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान **भागलपुर** जिले के कहलगाँव अनुमंडल के **अंतीचक गाँव** में **विक्रमशिला महाविहार** की स्थापना की थी। यह वज्रयान बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र था और तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रचार करने वाले आचार्य **अतीश दीपंकर श्रीज्ञान** इसके प्रसिद्ध कुलपति थे।

अभ्यास प्रश्न #31 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 31. [BPSC Pre] बिहार में गंगा नदी की कुल लंबाई कितनी है और यह बिहार के किस जिले में सर्वाधिक लंबाई में प्रवाहित होती है?

(A) 350 किमी; भागलपुर जिले में (97 किमी)

(B) 445 किमी; पटना जिले में (99 किमी)

(C) 525 किमी; मुंगेर जिले में (92 किमी)

(D) 405 किमी; बक्सर जिले में (88 किमी)

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** बिहार में गंगा नदी की कुल लंबाई **445 किमी** है। यह बिहार के कुल **12 जिलों** से प्रवाहित होती है, जिसमें सर्वाधिक लंबाई **पटना जिले में (99 किमी)** और दूसरे स्थान पर **भागलपुर जिले में (97 किमी)** है।

अभ्यास प्रश्न #32 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 32. [BPSC Pre / दरोगा] 11 अगस्त 1942 को 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान पटना सचिवालय भवन पर तिरंगा फहराने के प्रयास में किस अंग्रेज जिलाधिकारी के आदेश पर पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें 7 छात्र शहीद हो गए?

(A) डब्ल्यू.जी. आर्चर (W.G. Archer)

(B) विलियम टेलर (William Taylor)

(C) जेम्स जी. टेलर

(D) एडवर्ड गेट

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या: 11 अगस्त 1942** को पटना के तत्कालीन जिलाधिकारी **डब्ल्यू.जी. आर्चर (W.G. Archer)** के आदेश पर पटना सचिवालय (पूर्वी गेट) पर तिरंगा फहराने का प्रयास कर रहे छात्रों पर गोलियाँ चलाई गईं, जिसमें 7 **छात्र शहीद** हुए: **1. उमाकांत प्रसाद सिन्हा (रमनजी - सारण), 2. रामानंद सिंह (पटना), 3. सतीश प्रसाद झा (भागलपुर), 4. जगपति कुमार (औरंगाबाद), 5. देवीपद चौधरी (सिलहट), 6. राजेंद्र सिंह (सारण) एवं 7. रामगोविंद सिंह (पटना)**।

अभ्यास प्रश्न #33 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 33. [BPSC Pre] बिहार के किस जिले में पश्चिमी चंपारण की 'सोमेश्वर श्रेणी' स्थित है, जिसकी सर्वोच्च चोटी 'सोमेश्वर किला' (874 मीटर) बिहार का सर्वोच्च शिखर है?

(A) रोहतास

(B) कैमूर

(C) पश्चिमी चंपारण

(D) गया

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** शिवालिक हिमालय का विस्तार **सोमेश्वर की पहाड़ी, रामनगर दून और हरहा घाटी** बिहार के उत्तरी-पश्चिमी कोने में स्थित **पश्चिमी चंपारण** जिले में फैले हैं। इसकी सर्वोच्च चोटी **सोमेश्वर फोर्ट (874 मीटर)** बिहार की सर्वोच्च भौगोलिक चोटी है। यहाँ सोमेश्वर, भिखनाठोरी और मारवात प्रमुख दर्रे हैं।

अभ्यास प्रश्न #34 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 34. [BPSC Pre] बिहार के जलप्रपातों (Waterfalls) और उनके संबंधित जिलों का कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

(A) ककोलत जलप्रपात — रोहतास

(B) तेलहर कुंड एवं करकटगढ़ जलप्रपात — कैमूर

(C) तुतला भवानी एवं धुआँ कुंड जलप्रपात — नवादा

(D) मंझर कुंड जलप्रपात — मुंगेर

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या: तेलहर कुंड** (दुर्गावती नदी के उद्गम क्षेत्र में) और **करकटगढ़ जलप्रपात** (कर्मनाशा नदी पर - मगरमच्छ संरक्षण रिजर्व) दोनों **कैमूर** जिले में स्थित हैं। जबकि **ककोलत जलप्रपात** (कोडरमा पठार से उतरने वाली धारा पर) **नवादा** जिले में है, और **तुतला भवानी, धुआँ कुंड तथा मंझर कुंड** (काव नदी पर) **रोहतास (सासाराम)** जिले में स्थित हैं।

अभ्यास प्रश्न #35 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 35. [BPSC Pre] 'त्रिवेणी नहर' में किस नदी से पानी आता है और यह बिहार के किस स्थान से निकाली गई है?

(A) कोसी नदी — हनुमाननगर (सुपौल)

(B) सोन नदी — डेहरी (रोहतास)

(C) गंडक नदी — भैंसालोटन / वाल्मीकिनगर (पश्चिमी चंपारण)

(D) कमला नदी — जयनगर (मधुबनी)

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या: त्रिवेणी नहर** बिहार के **पश्चिमी चंपारण** जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित **भैंसालोटन (वाल्मीकिनगर)** नामक स्थान पर **गंडक नदी** से निकाली गई है (इसका प्रारंभिक निर्माण 1904 ई. में हुआ था)।

अभ्यास प्रश्न #36 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 36. [BPSC Pre / BSSC] बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार प्रति व्यक्ति सकल जिला घरेलू उत्पाद (Per Capita GDDP) के मामले में बिहार के शीर्ष तीन (सबसे समृद्ध) और न्यूनतम (सबसे गरीब) जिले क्रमशः कौन-से हैं?

(A) शीर्ष: पटना, बेगूसराय, मुंगेर | न्यूनतम: शिवहर

(B) शीर्ष: पटना, गया, मुजफ्फरपुर | न्यूनतम: किशनगंज

(C) शीर्ष: पटना, नालंदा, रोहतास | न्यूनतम: अररिया

(D) शीर्ष: पटना, भागलपुर, पूर्णिया | न्यूनतम: मधेपुरा

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** बिहार आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार प्रति व्यक्ति आय (Per Capita GDDP) में बिहार के **शीर्ष तीन जिले क्रमशः 1. पटना, 2. बेगूसराय और 3. मुंगेर** हैं, जबकि सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाला जिला **शिवहर** (उसके बाद अररिया और सीतामढ़ी) है।

अभ्यास प्रश्न #37 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 37. [BPSC Pre] खनिज संसाधनों की दृष्टि से बिहार का 'रोहतास' जिला देश में किस खनिज के उत्पादन एवं भंडार में प्रथम स्थान रखता है तथा 'जमुई' जिला किस खनिज के विशाल भंडार (देश का ~44%) के लिए चर्चा में रहा है?

(A) अभ्रक (रोहतास) और बॉक्साइट (जमुई)

(B) पाइराइट (रोहतास - अमझौर) और स्वर्ण अयस्क (जमुई - करमटिया/सोनो)

(C) चूना पत्थर (रोहतास) और यूरेनियम (जमुई)

(D) शोरा (रोहतास) और मैंगनीज (जमुई)

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या: रोहतास जिले का अमझौर** क्षेत्र **पाइराइट (Pyrite — 'मूर्खों का सोना', जिससे गंधक/सल्फ्यूरिक अम्ल और उर्वरक बनता है)** के उत्पादन व भंडार में भारत में **प्रथम स्थान (~95%)** रखता है। वहीं भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के अनुसार **जमुई जिले (सोनो प्रखंड के करमटिया क्षेत्र)** में भारत के कुल प्राथमिक **स्वर्ण अयस्क (Gold Ore) भंडार का लगभग 44% (22.28 करोड़ टन)** मौजूद है।

अभ्यास प्रश्न #38 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 38. [BPSC Pre] वर्ष 1934 में पटना के अंजुमन इस्लामिया हॉल में गठित 'बिहार सोशलिस्ट पार्टी' के अध्यक्ष और सचिव क्रमशः कौन थे?

(A) आचार्य नरेंद्र देव (अध्यक्ष) और जयप्रकाश नारायण (सचिव)

(B) फूलन प्रसाद वर्मा (अध्यक्ष) और गंगाशरण सिंह (सचिव)

(C) स्वामी सहजानंद (अध्यक्ष) और रामवृक्ष बेनीपुरी (सचिव)

(D) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (अध्यक्ष) और अनुग्रह नारायण सिन्हा (सचिव)

- **सही उत्तर: (A)**
- **व्याख्या:** वर्ष 1931 में गंगाशरण सिंह, फूलन प्रसाद वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी और रामानंद मिश्र ने बिहार सोशलिस्ट पार्टी की अनौपचारिक नींव रखी थी, किंतु **मई 1934** में पटना के **अंजुमन इस्लामिया हॉल** में इसकी औपचारिक स्थापना हुई, जिसके अध्यक्ष **आचार्य नरेंद्र देव** और महासचिव **जयप्रकाश नारायण** बनाए गए।

अभ्यास प्रश्न #39 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 39. [BPSC Pre] बिहार के किस उत्पाद को हाल ही में भौगोलिक संकेतक (GI Tag) प्रदान किया गया है जिसे 'बुद्ध चावल' के नाम से भी जाना जाता है और जिसकी आकृति काली मिर्च के दानों जैसी होती है?

(A) कतरनी चावल (भागलपुर)

(B) मर्चा चावल / मिर्चा धान (पश्चिमी चंपारण)

(C) सोनम चावल (रोहतास)

(D) गोविंदभोग चावल (कैमूर)

- **सही उत्तर: (B)**
- **व्याख्या: पश्चिमी चंपारण** जिले में उत्पादित होने वाले सुगंधित **'मर्चा चावल' (Marcha Rice)** को काली मिर्च जैसी आकृति और सुगंधित चूड़ा (पोहा) बनाने के गुण के कारण GI टैग प्रदान किया गया है। (जबकि **कतरनी चावल** और **जर्दालू आम** भागलपुर के GI टैग उत्पाद हैं)।

अभ्यास प्रश्न #40 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 40. [BPSC Pre] बिहार में कुल कितने प्रशासनिक प्रमंडल (Divisions), जिले (Districts) और अनुमंडल (Sub-divisions) हैं?

(A) 9 प्रमंडल, 38 जिले, 101 अनुमंडल

(B) 10 प्रमंडल, 38 जिले, 105 अनुमंडल

(C) 9 प्रमंडल, 39 जिले, 101 अनुमंडल

(D) 8 प्रमंडल, 38 जिले, 98 अनुमंडल

- **सही उत्तर: (A)**
- **व्याख्या:** बिहार प्रशासनिक संरचना के अनुसार बिहार में **9 प्रमंडल**, **38 जिले** (38वाँ जिला अरवल), **101 अनुमंडल** और **534 सामुदायिक विकास प्रखंड (CD Blocks)** हैं।

भाग (ग): मध्य प्रदेश राज्य-विशेष (MPPSC State Service, Forest Service एवं MPESB स्तरीय — प्रश्न 41 से 56)

अभ्यास प्रश्न #41 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 41. [MPPSC Pre] वर्ष 2023 में गठित मध्य प्रदेश के तीन नवीनतम जिलों (53वाँ, 54वाँ एवं 55वाँ जिला) और उनके मातृ जिलों (Parent Districts) का कौन-सा मिलान पूर्णतः सही है?

(A) 53वाँ मऊगंज (सतना से), 54वाँ पांढुर्णा (बैतूल से), 55वाँ मैहर (रीवा से)

(B) 53वाँ मऊगंज (रीवा से), 54वाँ पांढुर्णा (छिंदवाड़ा से), 55वाँ मैहर (सतना से)

(C) 53वाँ निवाड़ी (टीकमगढ़ से), 54वाँ मऊगंज (रीवा से), 55वाँ पांढुर्णा (छिंदवाड़ा से)

(D) 53वाँ आगर-मालवा (शाजापुर से), 54वाँ निवाड़ी (टीकमगढ़ से), 55वाँ मऊगंज (रीवा से)

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** मध्य प्रदेश राज्य प्रोफाइल के अनुसार मध्य प्रदेश में वर्तमान में **10 संभाग और 55 जिले** हैं: 51वाँ जिला **आगर-मालवा** (2013, शाजापुर से), 52वाँ जिला **निवाड़ी** (2018, टीकमगढ़ से), **53वाँ जिला मऊगंज** (अगस्त 2023, **रीवा** से पृथक), **54वाँ जिला पांढुर्णा** (अक्टूबर 2023, **छिंदवाड़ा** से पृथक) और **55वाँ जिला मैहर** (अक्टूबर 2023, **सतना** से पृथक)।

अभ्यास प्रश्न #42 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 42. [MPPSC Pre] खजुराहो के भव्यतम एवं सबसे विशाल मंदिर 'कंदरिया महादेव मंदिर' का निर्माण किस चंदेल शासक द्वारा कराया गया था?

(A) राजा यशोवर्मन

(B) राजा धंगदेव

(C) राजा विद्याधर

(D) राजा परमर्दिदेव

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** चंदेल वंश के सर्वाधिक शक्तिशाली शासक **राजा विद्याधर (1019–1029 ई.)** ने महमूद गजनवी के आक्रमणों का सफलतापूर्वक प्रतिरोध करने के उपलक्ष्य में लगभग 1025–1050 ई. के मध्य खजुराहो में पंचायतन शैली के सर्वोत्कृष्ट **'कंदरिया महादेव मंदिर'** का निर्माण कराया था। (जबकि लक्ष्मण मंदिर का निर्माण यशोवर्मन ने और विश्वनाथ व पार्श्वनाथ मंदिर का निर्माण धंगदेव ने कराया था)।

अभ्यास प्रश्न #43 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 43. [MPPSC Pre] परमार वंश के महान शासक राजा भोज (1000–1055 ई.) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने अपनी राजधानी उज्जैन से स्थानांतरित कर 'धार' (धारा नगरी) को बनाया और वहाँ संस्कृत अध्ययन केंद्र 'भोजशाला' (वाग्देवी मंदिर) की स्थापना की।

2. उन्होंने वास्तुकला एवं शिल्पशास्त्र पर प्रसिद्ध ग्रंथ 'समरांगण सूत्रधार' तथा नौका निर्माण पर 'युक्तिकल्पतरु' की रचना की।

3. ग्वालियर के किले में स्थित 'मानमंदिर महल' और 'गुजरी महल' का निर्माण राजा भोज ने कराया था।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** कथन 1 और 2 पूर्णतः सत्य हैं। कथन 3 गलत है क्योंकि ग्वालियर दुर्ग में स्थित **'मानमंदिर महल'** और **'गुजरी महल'** (मृगनयनी के लिए) का निर्माण तोमर वंश के प्रतापी शासक **राजा मानसिंह तोमर (1486–1516 ई.)** ने कराया था, न कि राजा भोज ने।

अभ्यास प्रश्न #44 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 44. [MPPSC Pre] मध्य प्रदेश के किस राष्ट्रीय उद्यान ने वर्ष 2017 में 'भूरसिंह द बारहसिंगा' (Bhoorsingh the Barasingha) नाम से अपना आधिकारिक शुभंकर (Mascot) जारी किया और ऐसा करने वाला भारत का पहला टाइगर रिज़र्व बना?

(A) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (उमरिया)

(B) कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान (मंडला-बालाघाट)

(C) पेंच राष्ट्रीय उद्यान (सिवनी-छिंदवाड़ा)

(D) सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान (नर्मदापुरम)

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** मध्य प्रदेश के सबसे बड़े एवं प्रथम राष्ट्रीय उद्यान **कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिज़र्व** ने कार्टूनिस्ट **रोहन चक्रवर्ती** द्वारा डिजाइन किए गए दुर्लभ बैटरी प्रजाति के बारहसिंगा **'भूरसिंह द बारहसिंगा'** को अपना आधिकारिक शुभंकर घोषित किया और ऐसा करने वाला देश का प्रथम टाइगर रिज़र्व बना।

अभ्यास प्रश्न #45 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 45. [MPPSC Pre / Forest] चंबल नदी पर निर्मित चार प्रमुख बांधों का नदी के उद्गम (जानापाव पहाड़ी, मऊ) से मुहाने (इटावा में यमुना संगम) की ओर सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) गांधी सागर – राणा प्रताप सागर – जवाहर सागर – कोटा बैराज

(B) राणा प्रताप सागर – गांधी सागर – जवाहर सागर – कोटा बैराज

(C) गांधी सागर – जवाहर सागर – राणा प्रताप सागर – कोटा बैराज

(D) कोटा बैराज – जवाहर सागर – राणा प्रताप सागर – गांधी सागर

- **सही उत्तर: (A)**

- **व्याख्या:** चंबल नदी तंत्र पर उद्गम से मुहाने (दक्षिण से उत्तर) की ओर बांधों का सही क्रम है: **1. गांधी सागर बांध (मंदसौर, मध्य प्रदेश — प्रथम बांध) → 2. राणा प्रताप सागर बांध (रावतभाटा, चित्तौड़गढ़, राजस्थान) → 3. जवाहर सागर बांध (कोटा-बूंदी, राजस्थान) → 4. कोटा बैराज (कोटा, राजस्थान)**।

अभ्यास प्रश्न #46 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 46. [MPPSC Pre] मध्य प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति (PVTG) 'भारिया' का मुख्य निवास स्थान 'पातालकोट' किस जिले की किस तहसील में स्थित है?

(A) मंडला जिले की निवास तहसील

(B) डिंडोरी जिले की शहपुरा तहसील

(C) छिंदवाड़ा जिले की तामिया तहसील

(D) श्योपुर जिले की कराहल तहसील

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या:** केंद्र सरकार द्वारा मध्य प्रदेश की **3 जनजातियों** को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (**PVTG**) घोषित किया गया है: **1. बैगा** (मंडला-डिंडोरी का बैगाचक), **2. भारिया (छिंदवाड़ा जिले की तामिया तहसील का 'पातालकोट' घाटी क्षेत्र)** एवं **3. सहरिया** (श्योपुर-शिवपुरी-ग्वालियर अंचल)।

अभ्यास प्रश्न #47 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 47. [MPPSC Pre] बालाघाट जिले में स्थित 'मलाजखंड' और 'भरवेली' की खदानें क्रमशः किन दो खनिजों के उत्पादन के लिए संपूर्ण एशिया में प्रसिद्ध हैं?

(A) हीरा (मलाजखंड) और बॉक्साइट (भरवेली)

(B) ताँबा अयस्क (मलाजखंड) और मैंगनीज अयस्क (भरवेली)

(C) कोयला (मलाजखंड) और लौह अयस्क (भरवेली)

(D) टंगस्टन (मलाजखंड) और अभ्रक (भरवेली)

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** बालाघाट की **मलाजखंड खदान** (बैंहर तहसील) एशिया की सबसे बड़ी खुली **ताँबा (Copper)** खदान है, जबकि बालाघाट की ही **भरवेली खदान** एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत **मैंगनीज (Manganese)** खदान है।

अभ्यास प्रश्न #48 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 48. [MPPSC Pre] गोंडवाना की वीरांगना रानी दुर्गावती ने वर्ष 1564 में किस मुगल सेनापति के आक्रमण का सामना करते हुए जबलपुर के पास बरेला (नरई नाला) के युद्ध में आत्मबलिदान दिया था?

(A) बैरम खाँ

(B) मानसिंह तोमर

(C) आसफ खाँ

(D) अधम खाँ

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या:** अकबर के कड़ा-मानिकपुर के सूबेदार **आसफ खाँ** ने 1564 ई. में गढ़ा-मंडला (गोंडवाना) पर आक्रमण किया। रानी दुर्गावती ने जबलपुर के पास **नरई नाला (बरेला)** के युद्ध में मुगल सेना से वीरतापूर्वक युद्ध किया और **24 जून 1564** को तीर लगने से गंभीर रूप से घायल होने पर अपनी कटार से आत्मबलिदान दिया। (जबकि मालवा के शासक बाज बहादुर और रानी रूपमती पर **अधम खाँ** और पीर मुहम्मद ने 1561 में आक्रमण किया था)।

अभ्यास प्रश्न #49 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 49. [MPPSC Pre] सोन नदी पर शहडोल जिले के 'देवलोंद' नामक स्थान पर निर्मित 'बाणसागर बहुउद्देशीय परियोजना' किन तीन राज्यों की संयुक्त परियोजना है तथा इसमें जल/लागत का अनुपात क्या है?

(A) मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश (2 : 1 : 1)

(B) मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार (2 : 1 : 1)

(C) मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात (2 : 1 : 1)

(D) मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश (1 : 1 : 1)

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** संस्कृत महाकवि बाणभट्ट के नाम पर नामित **बाणसागर परियोजना** (देवलोंद, शहडोल — सोन नदी) **मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार** की संयुक्त अंतर-राज्यीय परियोजना है, जिसमें तीनों राज्यों के मध्य जल एवं व्यय का बंटवारा क्रमशः **2 : 1 : 1 (50% : 25% : 25%)** के अनुपात में है।

अभ्यास प्रश्न #50 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 50. [MPPSC Pre] मध्य प्रदेश के प्रमुख जलप्रपातों और उनकी संबंधित नदियों का कौन-सा युग्म गलत सुमेलित है?

(A) धुआँधार, कपिलधारा एवं सहस्रधारा जलप्रपात — नर्मदा नदी

(B) चचाई जलप्रपात — बीहड़ नदी (रीवा)

(C) बहुतही जलप्रपात — सेलर नदी (रीवा/मऊगंज — एमपी का सबसे ऊँचा जलप्रपात, 198 मीटर)

(D) पांडव जलप्रपात एवं गाथा जलप्रपात — बेतवा नदी

- **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या: पांडव जलप्रपात** और **गाथा जलप्रपात** पन्ना जिले में **केन नदी** (एवं उसकी सहायक धाराओं) पर स्थित हैं, न कि बेतवा नदी पर। (बेतवा की सहायक बीना नदी पर सागर जिले में **'भालकुंड / राहतगढ़ जलप्रपात'** स्थित है)।

अभ्यास प्रश्न #51 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 51. [MPPSC Pre] भील जनजाति के प्रसिद्ध 'भगोरिया उत्सव' और 'पिथौरा भित्ति चित्रकला' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

(A) पिथौरा चित्रकला में मुख्य रूप से घोड़ों का चित्रण किया जाता है और पद्मश्री पेमा फाल्या तथा भूरी बाई इसके प्रमुख कलाकार हैं।

(B) भगोरिया उत्सव दीपावली के बाद कार्तिक माह में बघेलखंड अंचल में मनाया जाता है।

(C) पिथौरा चित्रकला का संबंध केवल सहरिया जनजाति से है।

(D) भगोरिया उत्सव के तीन चरणों के नाम सुआ, करमा और ददरिया हैं।

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** भील जनजाति की पारंपरिक अनुष्ठानिक भित्ति चित्रकला **'पिथौरा'** में **बाबा पिथौरा के घोड़ों** का चित्रण कर ध्वनि श्रवण किया जाता है (इसके चित्रकार को **'लखेंद्र'** कहते हैं); दिवंगत **पेमा फाल्या** और पद्मश्री **भूरी बाई** इसके विश्वविख्यात कलाकार हैं। भगोरिया उत्सव फाल्गुन माह में होली से 7 दिन पूर्व झाबुआ-अलीराजपुर-धार अंचल में तीन चरणों (**गुलालिया, गोल गधेड़ो, उजाड़िया**) में मनाया जाता है।

अभ्यास प्रश्न #52 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 52. [MPPSC Pre] वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में सर्वाधिक साक्षरता दर (81.07%) और न्यूनतम साक्षरता दर (36.10%) वाले जिले क्रमशः कौन-से हैं?

(A) इंदौर और झाबुआ

(B) भोपाल और बड़वानी

(C) जबलपुर और अलीराजपुर

(D) जबलपुर और श्योपुर

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** जनगणना 2011 के अनुसार मध्य प्रदेश की कुल साक्षरता दर **69.32%** है। राज्य में **सर्वाधिक साक्षरता दर वाला जिला जबलपुर (81.07%)** है (जबकि सर्वाधिक पुरुष साक्षरता जबलपुर एवं इंदौर [87.25%] और सर्वाधिक महिला साक्षरता **भोपाल [74.87%]** में है), तथा **न्यूनतम साक्षरता दर (कुल, पुरुष व महिला तीनों में) वाला जिला अलीराजपुर (36.10%)** है (यह भारत का भी न्यूनतम साक्षरता वाला जिला रहा है)।

अभ्यास प्रश्न #53 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 53. [MPPSC Pre] मध्य प्रदेश के किस राष्ट्रीय उद्यान से होकर 'चरणगंगा नदी' प्रवाहित होती है तथा जहाँ वर्ष 1951 में रीवा के महाराजा मार्तंड सिंह ने विश्व का पहला ज्ञात सफेद बाघ 'मोहन' पकड़ा था?

(A) पन्ना राष्ट्रीय उद्यान

(B) संजय-डुबरी राष्ट्रीय उद्यान

(C) बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान

(D) माधव राष्ट्रीय उद्यान

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** **बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (उमरिया)** 32 पहाड़ियों से घिरा है और इसके मध्य से **चरणगंगा नदी** प्रवाहित होती है। यहीं **1951** में महाराजा मार्तंड सिंह ने पहले सफेद बाघ शावक **'मोहन'** को पकड़ा था, जिसके वंशज आज दुनिया भर के समस्त सफेद बाघ हैं।

अभ्यास प्रश्न #54 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 54. [MPPSC Pre] मध्य प्रदेश के प्रमुख लोकनाट्यों और उनके अंचलों का कौन-सा मिलान सही है?

(A) माच — मालवा अंचल; काठी व गम्मत — निमाड़ अंचल; स्वांग — बुंदेलखंड अंचल; मनसुखा — बघेलखंड अंचल

(B) माच — बुंदेलखंड अंचल; गम्मत — बघेलखंड अंचल; स्वांग — मालवा अंचल; मनसुखा — निमाड़ अंचल

(C) माच — निमाड़ अंचल; काठी — मालवा अंचल; स्वांग — बघेलखंड अंचल; मनसुखा — बुंदेलखंड अंचल

(D) माच — बघेलखंड अंचल; काठी — बुंदेलखंड अंचल; स्वांग — निमाड़ अंचल; मनसुखा — मालवा अंचल

- **सही उत्तर: (A)**

- **व्याख्या:** मध्य प्रदेश का राजकीय लोकनाट्य **'माच' मालवा अंचल** (उज्जैन) का है; **'काठी'** और **'गम्मत' निमाड़ अंचल** के हैं; **'स्वांग'** (राई नृत्य के बीच में) और **'नौटंकी' बुंदेलखंड अंचल** के हैं; तथा **'मनसुखा' (रास का रूप), 'हिंगोला' और 'छाहुर' बघेलखंड अंचल** के प्रमुख लोकनाट्य हैं।

अभ्यास प्रश्न #55 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 55. [MPPSC Pre] उज्जैन के प्राचीन नाम 'विदिशा (बेसनगर)' में किस यूनानी राजदूत ने शुंग शासक भागभद्र के शासनकाल में (लगभग 110 ई.पू.) भगवान वासुदेव (विष्णु) के सम्मान में 'गरुड़ स्तंभ' (खाम बाबा) स्थापित कराया था?

(A) मेगस्थनीज

(B) डायमेकस

(C) हेलियोडोरस

(D) डायोनिसियस

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या:** तक्षशिला के यवन (इंडो-ग्रीक) शासक **एंटियालकीड्स (Antialcidas)** के राजदूत **हेलियोडोरस (Heliodorus)** ने शुंग वंश के शासक **भागभद्र** के शासनकाल के 14वें वर्ष में **विदिशा (बेसनगर)** में भगवान वासुदेव को समर्पित **गरुड़ स्तंभ (स्थानीय नाम: 'खाम बाबा')** स्थापित कराया था। यह भारत में भागवत (वैष्णव) धर्म का प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है।

अभ्यास प्रश्न #56 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 56. [MPPSC Pre] सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी की सर्वोच्च चोटी 'धूपगढ़' (1,350 मीटर) किस पहाड़ी पर स्थित है?

(A) राजपीपला पहाड़ी

(B) महादेव पहाड़ी (पचमढ़ी, नर्मदापुरम)

(C) मैकाल पहाड़ी (अमरकंटक)

(D) ग्वालियरगढ़ पहाड़ी

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** सतपुड़ा पर्वतमाला के मध्य भाग में स्थित **महादेव पहाड़ी** (पचमढ़ी, जिला नर्मदापुरम) पर मध्य प्रदेश और सतपुड़ा श्रेणी की सर्वोच्च चोटी **धूपगढ़ (1,350 मीटर)** स्थित है। (जबकि मैकाल श्रेणी की सर्वोच्च चोटी अमरकंटक [1,057 मी.] और विंध्याचल श्रेणी की सर्वोच्च चोटी **सद्भावना शिखर / गुडविल पीक** [752 मी., संग्रामपुर, दमोह] है)।

भाग (घ): राजस्थान राज्य-विशेष (RPSC RAS, RTS एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा स्तरीय — प्रश्न 57 से 72)

अभ्यास प्रश्न #57 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 57. [RPSC RAS Pre] जून 2013 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची (UNESCO World Heritage List) में राजस्थान के किन 6 पहाड़ी दुर्गों को एक साथ सम्मिलित किया गया था?

(A) चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, मेहरानगढ़, आमेर, जूनागढ़

(B) चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, गागरोन, आमेर, सोनारगढ़ (जैसलमेर)

(C) चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, तारागढ़, गागरोन, मेहरानगढ़, सोनारगढ़ (जैसलमेर)

(D) कुंभलगढ़, रणथंभौर, मेहरानगढ़, जयगढ़, नाहरगढ़, सोनारगढ़ (जैसलमेर)

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** जून 2013 में यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति ने राजस्थान के **6 दुर्गों — 1. चित्तौड़गढ़, 2. कुंभलगढ़ (राजसमंद), 3. रणथंभौर (सवाई माधोपुर), 4. गागरोन (झालावाड़), 5. आमेर (जयपुर) एवं 6. सोनारगढ़ (जैसलमेर)** को 'Hill Forts of Rajasthan' के रूप में विश्व धरोहर घोषित किया (मेहरानगढ़ और जूनागढ़ इसमें शामिल नहीं हैं)।

अभ्यास प्रश्न #58 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 58. [RPSC RAS Pre] राजस्थानी चित्रकला की 'किशनगढ़ शैली' और विश्वप्रसिद्ध चित्र 'बनी-ठनी' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(A) किशनगढ़ शैली का स्वर्ण काल महाराजा अनूप सिंह का शासनकाल था और 'बनी-ठनी' का चित्रण साहिबदीन ने किया था।

(B) किशनगढ़ शैली का स्वर्ण काल राजा सावंत सिंह (नागरीदास) का काल था और चित्रकार मोरध्वज निहालचंद द्वारा चित्रित 'बनी-ठनी' को एरिक डिकिन्सन ने 'भारत की मोनालिसा' कहा।

(C) किशनगढ़ शैली हाड़ौती स्कूल की उपशैली है और यह बाघों के शिकार के चित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

(D) 'बनी-ठनी' भित्ति चित्रकला का उदाहरण है जिसे नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर की दीवारों पर उकेरा गया है।

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** मारवाड़ स्कूल की उपशैली **किशनगढ़ शैली** का स्वर्ण काल **राजा सावंत सिंह (भक्त कवि 'नागरीदास' - 1748–1764 ई.)** का काल था। उनके दरबारी चित्रकार **मोरध्वज निहालचंद** ने सावंत सिंह की प्रेयसी रसिक बिहारी को राधा के रूप में **'बनी-ठनी'** चित्र में अंकित किया, जिसे **एरिक डिकिन्सन** ने **'भारत की मोनालिसा'** की संज्ञा दी।

अभ्यास प्रश्न #59 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 59. [RPSC RAS Pre] इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) की लिफ्ट नहरों के पुराने नाम और नए नामों के मिलान में कौन-सा युग्म गलत सुमेलित है?

(A) बीकानेर-लूणकरणसर लिफ्ट नहर — कंवर सेन लिफ्ट नहर (सबसे लंबी लिफ्ट नहर)

(B) गजनेर लिफ्ट नहर — पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर

(C) कोलायत लिफ्ट नहर — डॉ. करणी सिंह लिफ्ट नहर

(D) पोकरण लिफ्ट नहर — चौधरी कुंभाराम आर्य लिफ्ट नहर

- **सही उत्तर: (D)**

- **व्याख्या: पोकरण लिफ्ट नहर** (जैसलमेर-जोधपुर) का नया नाम **'जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर'** है, जबकि **'चौधरी कुंभाराम आर्य लिफ्ट नहर' नोहर-साहवा लिफ्ट नहर** (हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं) का नया नाम है। (इसी प्रकार बांगड़सर का नया नाम 'वीर तेजाजी लिफ्ट नहर' और फलौदी का नया नाम 'गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर' है)।

अभ्यास प्रश्न #60 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 60. [RPSC RAS Pre] राजस्थान के 'पंच पीरों' (पाँच लोक देवताओं) के समूह में निम्नलिखित में से कौन-से लोक देवता सम्मिलित नहीं हैं?

(A) पाबूजी राठौड़

(B) वीर तेजाजी

(C) हड़बूजी सांखला

(D) मेहाजी मांगलिया

- **सही उत्तर: (B)**

- **व्याख्या:** राजस्थान के **पंच पीरों** में **1. पाबूजी, 2. हड़बूजी, 3. रामदेवजी, 4. गोगाजी और 5. मेहाजी मांगलिया** सम्मिलित हैं। **वीर तेजाजी** और **देवनारायणजी** राजस्थान के अत्यंत पूजनीय लोक देवता हैं, किंतु वे पारंपरिक 'पंच पीरों' की सूची में शामिल नहीं हैं।

अभ्यास प्रश्न #61 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 61. [RPSC RAS Pre] राजस्थान की झीलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पचपदरा झील (बालोतरा/बाड़मेर) में खारवाल जाति के लोग 'मोरली झाड़ी' की टहनियों से 98% सोडियम क्लोराइड युक्त उच्च कोटि का खाने योग्य नमक तैयार करते हैं।

2. डीडवाना झील का नमक सोडियम सल्फेट (Na_2SO_4) की अधिकता के कारण खाने योग्य नहीं है।

3. राजसमंद झील के उत्तरी किनारे 'नौ चौकी पाल' पर रणछोड़ भट्ट तैलंग द्वारा संस्कृत में रचित 25 शिलालेखों की 'राजप्रशस्ति' उत्कीर्ण है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

- **सही उत्तर: (D)**

- **व्याख्या:** तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं। पचपदरा का नमक सर्वोत्तम खाद्य नमक (98% NaCl) है, डीडवाना का नमक औद्योगिक (कागज व चर्म उद्योग) उपयोग का है, और महाराणा राजसिंह द्वारा गोमती नदी पर निर्मित राजसमंद झील की नौ चौकी पाल पर विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति **'राजप्रशस्ति' (25 काले संगमरमर की शिलाओं पर 1,917 श्लोक)** उत्कीर्ण है।

अभ्यास प्रश्न #62 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 62. [RPSC RAS / Patwar] राजस्थान के किस संत ने वर्ष 1485 ई. में समराथल धोरा (बीकानेर) में 29 नियमों वाले 'बिश्नोई संप्रदाय' की स्थापना की तथा जिनका जन्म पीपासर (नागौर) में हुआ था?

(A) संत जसनाथजी

(B) संत जांभोजी

(C) संत दादू दयाल

(D) संत लालदासजी

- **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** पर्यावरण वैज्ञानिक संत **जांभोजी (1451–1536 ई.)** का जन्म **पीपासर (नागौर)** में पवार राजपूत परिवार (लोहटजी व हंसा देवी के घर) में हुआ था। उन्होंने **1485 ई.** में **समराथल धोरा (बीकानेर)** में **29 नियमों (20 + 9 = बिश्नोई)** वाले **बिश्नोई संप्रदाय** की स्थापना की, जो हरे वृक्षों (विशेषकर खेजड़ी) की कटाई न करने और वन्यजीवों (विशेषकर चिंकारा/काले हिरण) की रक्षा करने के लिए समर्पित है।

अभ्यास प्रश्न #63 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 63. [RPSC RAS Pre] राजस्थान में सीसा-जस्ता (Lead-Zinc), ताँबा (Copper) और रॉक फॉस्फेट (Rock Phosphate) की प्रमुख खदानों का कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

(A) सीसा-जस्ता: जावर व रामपुरा-आगूचा | ताँबा: खेतड़ी-सिंघाना व खो-दरीबा | रॉक फॉस्फेट: झामरकोटड़ा (उदयपुर)

(B) सीसा-जस्ता: मकराना व डेगाना | ताँबा: जामसर व गोठ मांगलोद | रॉक फॉस्फेट: पलाना (बीकानेर)

(C) सीसा-जस्ता: झामरकोटड़ा | ताँबा: रामपुरा-आगूचा | रॉक फॉस्फेट: खेतड़ी-सिंघाना

(D) सीसा-जस्ता: खो-दरीबा | ताँबा: जावर माला | रॉक फॉस्फेट: मंगला व भाग्यम

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** राजस्थान में **सीसा-जस्ता (एवं सह-उत्पाद चाँदी)** की प्रमुख खदानें **जावर (उदयपुर)**, **रामपुरा-आगूचा (भीलवाड़ा)** और **राजपुरा-दरीबा (राजसमंद)** हैं; **ताँबा** की प्रमुख खदानें **खेतड़ी-सिंघाना (झुंझुनूं/नीमकाथाना)** और **खो-दरीबा (अलवर)** हैं; तथा **रॉक फॉस्फेट** की देश की सबसे बड़ी खदान **झामरकोटड़ा (उदयपुर)** एवं बिरमानिया (जैसलमेर) है। (डेगाना टंगस्टन के लिए, जामसर व गोठ मांगलोद जिप्सम के लिए, पलाना लिग्नाइट कोयले के लिए और मंगला व भाग्यम बाड़मेर पेट्रोलियम के लिए प्रसिद्ध हैं)।

अभ्यास प्रश्न #64 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 64. [RPSC RAS Pre] अबुल फजल ने राजस्थान के किस दुर्ग के विषय में कहा था कि "यह इतनी बुलंदी पर बना हुआ है कि नीचे से ऊपर की ओर देखने पर सिर से पगड़ी गिर जाती है"?

(A) रणथंभौर दुर्ग

(B) चित्तौड़गढ़ दुर्ग

(C) मेहरानगढ़ दुर्ग

(D) कुंभलगढ़ दुर्ग (कटारगढ़)

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** राजसमंद जिले में जरगा पहाड़ी पर महाराणा कुंभा द्वारा शिल्पी **मंडन** की देखरेख में निर्मित **कुंभलगढ़ दुर्ग** के अंत:दुर्ग **'कटारगढ़'** ('मेवाड़ की आँख') की ऊँचाई के बारे में **अबुल फजल** ने यह प्रसिद्ध कथन कहा था। (जबकि रणथंभौर दुर्ग के बारे में अबुल फजल ने कहा था: "अन्य सब दुर्ग नंगे हैं, जबकि यह दुर्ग बख्तरबंद है")।

अभ्यास प्रश्न #65 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 65. [RPSC RAS Pre] कामड़िया पंथ की महिलाओं द्वारा बाबा रामदेवजी के मेले में शरीर पर 13 मंजीरे (9 दाएँ पाँव पर, 2 हाथों की कोहनियों पर और 2 हाथों में) बाँधकर बैठकर किया जाने वाला प्रसिद्ध व्यावसायिक लोक नृत्य कौन-सा है?

(A) घूमर नृत्य

(B) कालबेलिया नृत्य

(C) तेरहताली नृत्य

(D) चरी नृत्य

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या: तेरहताली नृत्य** का उद्गम पाली जिले के **पादरला गाँव** से माना जाता है और इसकी प्रमुख नृत्यांगना **मांगी बाई** थीं। यह कामड़िया पंथ की महिलाओं द्वारा **रामदेवजी** की आराधना में 13 मंजीरे बाँधकर किया जाने वाला एकमात्र ऐसा लोक नृत्य है जो **बैठकर** किया जाता है।

अभ्यास प्रश्न #66 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 66. [RPSC RAS Pre] अरावली पर्वतमाला के सर्वोच्च शिखरों का ऊँचाई के अनुसार घटते क्रम (अधिकतम से न्यूनतम ऊँचाई) में सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) गुरु शिखर (1,722 मी.) – सेर (1,597 मी.) – दिलवाड़ा (1,442 मी.) – जरगा (1,431 मी.) – अचलगढ़ (1,380 मी.)

(B) गुरु शिखर – जरगा – सेर – अचलगढ़ – दिलवाड़ा

(C) गुरु शिखर – दिलवाड़ा – सेर – अचलगढ़ – जरगा

(D) गुरु शिखर – अचलगढ़ – जरगा – सेर – दिलवाड़ा

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** अरावली की शीर्ष 5 चोटियों का घटता क्रम है (ट्रिक: **गुरु से दिल से जरा आस रख**): **1. गुरु शिखर (1,722 मी., सिरोही) → 2. सेर (1,597 मी., सिरोही) → 3. दिलवाड़ा (1,442 मी., सिरोही) → 4. जरगा (1,431 मी., उदयपुर) → 5. अचलगढ़ (1,380 मी., सिरोही)** → 6. कुंभलगढ़ (1,224 मी., राजसमंद) → 7. रघुनाथगढ़ (1,055 मी., सीकर - उत्तरी अरावली की सर्वोच्च चोटी)।

अभ्यास प्रश्न #67 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 67. [RPSC RAS Pre] राजस्थानी चित्रकला की किस शैली में 'पशु-पक्षियों का सर्वाधिक चित्रण' हुआ है और किस शैली में 'रानियों एवं महिलाओं को भी घने जंगलों में शेर का शिकार (आखेट) करते हुए' दर्शाया गया है?

(A) पशु-पक्षी: बूंदी शैली | शिकार (आखेट): कोटा शैली

(B) पशु-पक्षी: जयपुर शैली | शिकार (आखेट): अलवर शैली

(C) पशु-पक्षी: नाथद्वारा शैली | शिकार (आखेट): चावंड शैली

(D) पशु-पक्षी: बीकानेर शैली | शिकार (आखेट): जोधपुर शैली

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** हाड़ौती स्कूल की **बूंदी शैली** को **'पशु-पक्षियों की चित्र शैली'** (विशेषकर वर्षा में नाचता हुआ मोर) कहा जाता है, जबकि इसकी जुड़वाँ **कोटा शैली** (महाराव उम्मेद सिंह प्रथम व चित्रकार डालू) को **'शिकार (आखेट) की चित्र शैली'** कहा जाता है, जिसमें महिलाओं और रानियों को भी शिकार करते हुए चित्रित किया गया है।

अभ्यास प्रश्न #68 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 68. [RPSC RAS Pre] निम्नलिखित में से कौन-सी नदी कर्क रेखा (Tropic of Cancer - 23°30' उत्तरी अक्षांश) को दो बार पार करती है और दक्षिणी राजस्थान के बांसवाड़ा व डूंगरपुर जिलों में 'छप्पन का मैदान' बनाती है?

(A) लूनी नदी

(B) बनास नदी

(C) चंबल नदी

(D) माही नदी

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या: माही नदी** ('वागड़ व कांठल की गंगा' / 'आदिवासियों की गंगा') मध्य प्रदेश के धार जिले की **मेहद झील (अमझेरा)** से निकलकर राजस्थान के बांसवाड़ा (खांदू गाँव) में प्रवेश करती है, उल्टे 'U' के आकार में बहती हुई **कर्क रेखा को दो बार काटती है** और खंभात की खाड़ी में गिरती है। डूंगरपुर के **बेणेश्वर धाम (नवाटापरा)** में **सोम, माही और जाखम** नदियों का त्रिवेणी संगम ('आदिवासियों का कुंभ') होता है तथा बांसवाड़ा के बोरखेड़ा में **माही बजाज सागर बांध** (राजस्थान का सबसे लंबा बांध — 3,109 मीटर) बना है।

अभ्यास प्रश्न #69 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 69. [RPSC RAS Pre] बीकानेर की विश्वप्रसिद्ध 'उस्ता कला' (Usta Art) क्या है और इसके प्रमुख पद्मश्री विजेता कलाकार कौन थे?

(A) कपड़े पर श्रीनाथजी के चित्र बनाना — नरोत्तम नारायण शर्मा

(B) काँच पर सोने की सूक्ष्म चित्रकारी (थेवा कला) — नाथूजी सोनी

(C) ऊँट की खाल (कूपड़ी) पर सोने-चाँदी की सूक्ष्म मीनाकारी एवं नक्काशी — हिसामुद्दीन उस्ता

(D) चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीले रंग की चित्रकारी (ब्लू पॉटरी) — कृपाल सिंह शेखावत

• **सही उत्तर: (C)**

• **व्याख्या:** बीकानेर के महाराजा अनूप सिंह द्वारा लाहौर से लाए गए कलाकारों द्वारा विकसित **'उस्ता कला'** में **ऊँट की खाल से बने पात्रों (कूपड़ी) पर सोने की नक्काशी व मुनव्वती कार्य** किया जाता है; इसके सर्वोच्च कलाकार पद्मश्री **हिसामुद्दीन उस्ता** थे। (जबकि **थेवा कला** प्रतापगढ़ के सोनी परिवार [नाथूजी सोनी] की काँच पर सोने की कला है, और **ब्लू पॉटरी** जयपुर [पद्मश्री कृपाल सिंह शेखावत] की प्रसिद्ध कला है)।

अभ्यास प्रश्न #70 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 70. [RPSC RAS Pre] राजस्थान के किस दुर्ग को 'जमीन का जेवर' (Jewel of the Land) और 'राती घाटी का किला' कहा जाता है, जिसका निर्माण महाराजा रायसिंह ने 1589–1594 ई. में कराया था?

(A) जूनागढ़ दुर्ग (बीकानेर)

(B) भटनेर दुर्ग (हनुमानगढ़)

(C) लोहागढ़ दुर्ग (भरतपुर)

(D) तारागढ़ दुर्ग (अजमेर)

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** बीकानेर में राव बीका की पुरानी टेकरी के पास **महाराजा रायसिंह** ने अपने प्रधानमंत्री **कर्मचंद** की देखरेख में चतुष्कोणीय धान्वन दुर्ग **'जूनागढ़'** का निर्माण कराया, जिसे **'जमीन का जेवर'** और **'राती घाटी का किला'** कहा जाता है।

अभ्यास प्रश्न #71 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 71. [RPSC RAS Pre] भारतीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा राजस्थान में अधिसूचित 5वें टाइगर रिज़र्व (2023) का नाम क्या है?

(A) रणथंभौर टाइगर रिज़र्व

(B) सरिस्का टाइगर रिज़र्व

(C) रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व (बूंदी)

(D) धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** राजस्थान वन्यजीव गाइड के अनुसार राजस्थान में 5 अधिसूचित टाइगर रिज़र्व हैं: **1. रणथंभौर** (सवाई माधोपुर - 1973), **2. सरिस्का** (अलवर - 1978), **3. मुकुंदरा हिल्स** (कोटा-झालावाड़ - 2013), **4. रामगढ़ विषधारी** (बूंदी - 2021/2022, राजस्थान का चौथा व देश का 52वाँ) और **5. धौलपुर-करौली टाइगर रिज़र्व** (2023, राजस्थान का **5वाँ** व देश का 54वाँ/55वाँ टाइगर रिज़र्व)।

अभ्यास प्रश्न #72 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 72. [RPSC RAS Pre] बाड़मेर-साँचौर पेट्रोलियम बेसिन में वर्ष 2009 में व्यावसायिक तेल उत्पादन प्रारंभ करने वाला राजस्थान का प्रथम तेल कुआँ (Oil Field) कौन-सा था?

(A) ऐश्वर्या

(B) भाग्यम

(C) मंगला

(D) रागेश्वरी

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या:** बाड़मेर जिले के नगाणा गाँव में स्थित **'मंगला' (Mangala)** तेल क्षेत्र की खोज जनवरी 2004 में केयर्न एनर्जी द्वारा की गई थी और **29 अगस्त 2009** को यहाँ से व्यावसायिक कच्चे तेल का उत्पादन प्रारंभ हुआ। यह राजस्थान का पहला और सबसे बड़ा तेल क्षेत्र है।

भाग (ङ): उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड एवं छत्तीसगढ़ राज्य-विशेष (UKPSC, HPSC, JPSC एवं CGPSC स्तरीय — प्रश्न 73 से 80)

अभ्यास प्रश्न #73 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 73. [UKPSC Pre] उत्तराखंड के 'पंच प्रयागों' और उनमें मिलने वाली नदियों का निम्नलिखित में से कौन-सा मिलान सही नहीं है?

(A) विष्णुप्रयाग — अलकनंदा + पश्चिमी धौलीगंगा

(B) कर्णप्रयाग — अलकनंदा + पिंडर नदी (कर्णगंगा)

(C) रुद्रप्रयाग — अलकनंदा + भिलंगना नदी

(D) देवप्रयाग — अलकनंदा + भागीरथी नदी

- **सही उत्तर: (C)**

- **व्याख्या: रुद्रप्रयाग** में अलकनंदा नदी से केदारनाथ (चौराबाड़ी हिमनद) से आने वाली **मंदाकिनी नदी** मिलती है, न कि भिलंगना। **भिलंगना नदी** (खतलिंग हिमनद से उद्गम) टिहरी गढ़वाल के **गणेश प्रयाग (पुरानी टिहरी)** में **भागीरथी नदी** से मिलती है, जहाँ भारत का सबसे ऊँचा **टिहरी बांध (260.5 मीटर)** निर्मित है।

अभ्यास प्रश्न #74 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 74. [UKPSC Pre] उत्तराखंड का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है तथा भारत का प्रथम राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है?

(A) सबसे बड़ा: गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान (उत्तरकाशी - 2,390 वर्ग किमी) | प्रथम: जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (1936)

(B) सबसे बड़ा: राजाजी राष्ट्रीय उद्यान | प्रथम: नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान

(C) सबसे बड़ा: जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान | प्रथम: फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान

(D) सबसे बड़ा: गोविंद राष्ट्रीय उद्यान | प्रथम: राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

- **सही उत्तर: (A)**

- **व्याख्या:** उत्तरकाशी जिले में स्थित **गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान (1989 — 2,390 वर्ग किमी)** क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तराखंड का **सबसे बड़ा** राष्ट्रीय उद्यान है (और फूलों की घाटी [87.5 वर्ग किमी] सबसे छोटा है), जबकि नैनीताल-पौड़ी में स्थित **जिम कार्बेट राष्ट्रीय उद्यान (1936 — पूर्व नाम हैली नेशनल पार्क)** भारत और एशिया का **प्रथम राष्ट्रीय उद्यान** है।

अभ्यास प्रश्न #75 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 75. [HPSC HCS Pre] हरियाणा में स्थित सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों और उनकी पुरातात्विक विशेषताओं के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

(A) हिसार जिले में स्थित 'राखीगढ़ी' भारत में सिंधु घाटी सभ्यता का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा स्थल है।

(B) फतेहाबाद जिले के 'बनावली' से पकी मिट्टी का बना हुआ खिलौना हल (Terracotta Plough) प्राप्त हुआ है।

(C) फतेहाबाद जिले के 'कुणाल' से पूर्व-हड़प्पा कालीन चाँदी के दो मुकुट (Two Silver Crowns) प्राप्त हुए हैं।

(D) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

• **सही उत्तर: (D)**

• **व्याख्या:** तीनों कथन पूर्णतः सत्य हैं। घग्घर-हकरा नदी घाटी में स्थित **राखीगढ़ी (हिसार)** भारत का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है, **बनावली (फतेहाबाद)** से मिट्टी का हल व उत्तम किस्म के जौ मिले हैं, और **कुणाल (फतेहाबाद)** से शाही चाँदी के दो मुकुट प्राप्त हुए हैं।

अभ्यास प्रश्न #76 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 76. [HPSC HCS Pre] हरियाणा के एकमात्र दो राष्ट्रीय उद्यान और दो रामसर आर्द्रभूमि स्थल कौन-से हैं?

(A) राष्ट्रीय उद्यान: सुल्तानपुर (गुरुग्राम) व कलेसर (यमुनानगर) | रामसर स्थल: सुल्तानपुर (गुरुग्राम) व भिंडावास (झज्जर)

(B) राष्ट्रीय उद्यान: भिंडावास व खापरवास | रामसर स्थल: दमदमा झील व बड़खल झील

(C) राष्ट्रीय उद्यान: मोरनी हिल्स व सुल्तानपुर | रामसर स्थल: ब्रह्मसरोवर व सन्निहित सरोवर

(D) राष्ट्रीय उद्यान: कलेसर व अबूबशहर | रामसर स्थल: सुल्तानपुर व सूरजकुंड

• **सही उत्तर: (A)**

• **व्याख्या:** हरियाणा में कुल **2 राष्ट्रीय उद्यान** हैं: **1. सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (गुरुग्राम)** और **2. कलेसर राष्ट्रीय उद्यान (यमुनानगर)**। वर्ष **2021** में हरियाणा के दो स्थलों — **सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (गुरुग्राम)** और **भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य (झज्जर)** को रामसर आर्द्रभूमि सूची में शामिल किया गया।

अभ्यास प्रश्न #77 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 77. [JPSC Pre] झारखंड में वर्ष 1895–1900 के मध्य हुए मुंडा 'उलगुलान' (महान हलचल) और उसके परिणामस्वरूप बने 'छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम' (CNT Act) के विषय में कौन-सा कथन सही है?

(A) बिरसा मुंडा का जन्म पलामू में हुआ था और CNT Act वर्ष 1856 में लागू हुआ था।

(B) मुंडा उलगुलान पारंपरिक सामूहिक भूमि व्यवस्था 'खूँटकट्टी प्रथा' की समाप्ति के विरुद्ध था तथा इसके परिणामस्वरूप 11 नवंबर 1908 को फादर जॉन हॉफमैन द्वारा प्रारूपित CNT Act लागू किया गया।

(C) उलगुलान का नेतृत्व सिदो और कान्हू मुर्मू ने किया था।

(D) CNT Act केवल संथाल परगना के 6 जिलों में लागू होता है।

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** 'धरती आबा' **बिरसा मुंडा** (जन्म: 15 नवंबर 1875, उलीहातू, खूँटी) के नेतृत्व में हुए **'उलगुलान' (1895–1900)** का मुख्य कारण मुंडाओं की सामूहिक भूमि प्रणाली **'खूँटकट्टी'** को जमींदारी प्रथा में बदलना था। इसी आंदोलन के बाद फादर **जॉन हॉफमैन** द्वारा तैयार ब्लूप्रिंट के आधार पर **11 नवंबर 1908 को छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (CNT Act — 19 अध्याय, 271 धाराएँ)** लागू हुआ, जो संथाल परगना को छोड़कर शेष झारखंड (उत्तरी व दक्षिणी छोटानागपुर, पलामू और कोल्हान) में लागू है।

अभ्यास प्रश्न #78 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 78. [JPSC Pre] झारखंड की सर्वोच्च पर्वत चोटी 'पारसनाथ पहाड़ी' (सम्मेद शिखर - 1,365 मीटर) किस जिले में स्थित है तथा झारखंड का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान 'बेतला राष्ट्रीय उद्यान' किस जिले में स्थित है?

(A) पारसनाथ: कोडरमा | बेतला: पलामू

(B) पारसनाथ: गिरिडीह | बेतला: लातेहार

(C) पारसनाथ: हजारीबाग | बेतला: पश्चिमी सिंहभूम

(D) पारसनाथ: राँची | बेतला: गुमला

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** 24 में से 20 जैन तीर्थंकरों (23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ सहित) की निर्वाण भूमि एवं झारखंड की सर्वोच्च चोटी **पारसनाथ पहाड़ी (सम्मेद शिखर — 1,365 मीटर / 4,478 फीट) गिरिडीह** जिले में स्थित है, जबकि झारखंड का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान **बेतला राष्ट्रीय उद्यान (1986)** पलामू प्रमंडल के **लातेहार** जिले में स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #79 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 79. [CGPSC Pre] छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में वर्ष 1910 ई. में हुए प्रसिद्ध जनजातीय विद्रोह 'भूमकाल विद्रोह' के मुख्य नायक कौन थे तथा इस विद्रोह का प्रतीक चिह्न क्या था?

(A) शहीद वीर नारायण सिंह — कमल और रोटी

(B) गुण्डाधूर (नेतानार गाँव, धुरवा जनजाति) — लाल मिर्च और आम की टहनी

(C) गेंदसिंह (परलकोट) — धावड़ा वृक्ष की टहनी

(D) झाड़ा सिरहा — साल वृक्ष और तीर-धनुष

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** फरवरी **1910 ई.** में बस्तर के राजा रुद्रप्रताप देव के शासनकाल में दीवान बैजनाथ पंडा की वन नीतियों व शोषण के विरुद्ध हुए **'भूमकाल विद्रोह'** के सर्वोच्च नेता नेतानार गाँव के धुरवा जनजातीय वीर **गुण्डाधूर** थे। इस आंदोलन में गाँव-गाँव तक संदेश पहुँचाने का प्रतीक **'लाल मिर्च और आम की टहनी'** (डारा-मिरी) था। (जबकि सोनाखान के जमींदार **शहीद वीर नारायण सिंह** छत्तीसगढ़ में 1857 की क्रांति के प्रथम शहीद थे)।

अभ्यास प्रश्न #80 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 80. [CGPSC Pre] भारत के नियाग्रा के रूप में विख्यात 'चित्रकोट जलप्रपात' किस नदी पर स्थित है तथा छत्तीसगढ़ भारत के किस खनिज के उत्पादन में 100% एकाधिकार रखता है?

(A) महानदी; हीरा उत्पादन में 100% एकाधिकार

(B) इंद्रावती नदी (बस्तर); टिन अयस्क (कैसेटेराइट - दंतेवाड़ा/सुकमा) उत्पादन में 100% एकाधिकार

(C) हसदेव नदी (कोरबा); बॉक्साइट उत्पादन में 100% एकाधिकार

(D) सबरी नदी (सुकमा); डोलोमाइट उत्पादन में 100% एकाधिकार

• **सही उत्तर: (B)**

• **व्याख्या:** बस्तर जिले में जगदलपुर के निकट **इंद्रावती नदी** पर घोड़े की नाल के आकार का चौड़ा **चित्रकोट जलप्रपात** स्थित है, जिसे **'भारत का नियाग्रा जलप्रपात'** कहा जाता है। खनिज उत्पादन में **छत्तीसगढ़ (दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बस्तर जिला)** भारत का **एकमात्र (100% एकाधिकार वाला) टिन अयस्क (Tin / Cassiterite)** उत्पादक राज्य है।

अनुभाग 3: अंतर-राज्यीय मास्टर तुलनात्मक सारणियाँ (Inter-State Master Comparative Tables)

अध्याय के प्रमुख अध्ययन स्तंभ — अनुभाग 3: अंतर-राज्यीय मास्टर तुलनात्मक सारणियाँ (Inter-State Master Comparative Tables)

प्रमुख अध्ययन बिंदु 1	प्रमुख अध्ययन बिंदु 2	प्रमुख अध्ययन बिंदु 3	प्रमुख अध्ययन बिंदु 4
सारणी 3.1: 8 राज्यों का संवैधानिक, प्रशासनिक एवं जनसांख्यिकीय (जनगणना 2011) मास्टर तुलनात्मक मैट्रिक्स	सारणी 3.2: 8 राज्यों के राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिज़र्व, बायोस्फीयर रिज़र्व एवं रामसर आर्द्रभूमियाँ	सारणी 3.3: अंतर-राज्यीय संयुक्त नदी घाटी एवं बहुउद्देशीय परियोजनाओं की मास्टर सारणी	सारणी 3.4: 80 परीक्षा-स्तरीय प्रश्नों की मास्टर उत्तर-कुंजी (Master Answer Key Matrix: Q1 to Q80)

सारणी 3.1: 8 राज्यों का संवैधानिक, प्रशासनिक एवं जनसांख्यिकीय (जनगणना 2011) मास्टर तुलनात्मक मैट्रिक्स

भारत के राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश (Wikipedia) तथा जनगणना 2011 के अंतिम आँकड़ों के आधार पर सभी 8 राज्यों की तुलनात्मक स्थिति नीचे दी गई है:

राज्य का नाम	स्थापना / पुनर्गठन तिथि	क्षेत्रफल (वर्ग किमी) व देश में क्रम	मंडल / संभाग	कुल जिले	विधानसभा / विधान परिषद सीटें	लोकसभा / राज्यसभा सीटें	जनसंख्या (2011) व देश में क्रम	जनघनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी)	साक्षरता दर (2011)	लिंगानुपात / शिशु लिंगानुपात	SC % / ST % (2011)	
उत्तर प्रदेश	24 जन. 1950 (1 नव. 1956)	2,40,928 (4था)	18 मंडल	75 जिले	403 / 100 (द्विसदनीय)	80 / 31	19,98,12,341 (1ला — 16.51%)	829 (4था राज्य)	67.72% (M: 77.3%, F: 57.2%)	912 / 902	SC: 20.69% \	ST: 0.57%
बिहार	22 मार्च 1912 (15 नव. 2000)	94,163 (12वाँ)	9 प्रमंडल	38 जिले	243 / 75 (द्विसदनीय)	40 / 16	10,40,99,452 (3रा — 8.60%) [2023 सर्वे: 13.07 करोड़]	**1,106 (देश में 1ला)**	**61.80%** (M: 71.2%, F: 51.5%)	918 / 935 [2023 सर्वे: 953]	SC: 15.9% \	ST: 1.3% [2023 SC 19.65% ST 1.68%
मध्य प्रदेश	1 नवंबर 1956 (1 नव. 2000)	3,08,252 (2रा)	10 संभाग	55 जिले	230 / — (एकसदनीय)	29 / 11	7,26,26,809 (5वाँ — 6.00%)	236	69.32% (M: 78.7%, F: 59.2%)	931 / 918	SC: 15.6% \	**ST: 21.1% (सर्वाधि संख्या)**
राजस्थान	30 मार्च 1949 (1 नव. 1956)	**3,42,239 (देश में 1ला)**	7 / 10 संभाग	41 / 50 (पुनर्गठित)	200 / — (एकसदनीय)	25 / 10	6,85,48,437 (7वाँ — 5.66%)	200	66.11% (M: 79.2%, F: 52.1%)	928 / 888	SC: 17.8% \	ST: 13.5%
उत्तराखंड	9 नवंबर 2000 (27वाँ राज्य)	53,483 (19वाँ)	2 मंडल (गढ़वाल, कुमाऊँ)	13 जिले	70 / — (एकसदनीय)	5 / 3	1,00,86,292 (20वाँ — 0.83%)	189	**78.82%** (M: 87.4%, F: 70.0%)	963 / 890	SC: 18.8% \	ST: 2.9%
हरियाणा	1 नवंबर 1966 (17वाँ राज्य)	44,212 (21वाँ)	6 मंडल	22 जिले	90 / — (एकसदनीय)	10 / 5	2,53,51,462 (18वाँ — 2.09%)	573	75.55% (M: 84.1%, F: 65.9%)	**879 / 834 (न्यूनतम)**	SC: 20.2% \	**ST: 0.0%**
झारखंड	15 नवंबर 2000 (28वाँ राज्य)	79,716 (15वाँ)	5 प्रमंडल	24 जिले	81 / — (एकसदनीय)	14 / 6	3,29,88,134 (14वाँ — 2.72%)	414	66.41% (M: 76.8%, F: 55.4%)	948 / 948	SC: 12.1% \	**ST: 26.2%**
छत्तीसगढ़	1 नवंबर 2000 (26वाँ राज्य)	1,35,192 (9वाँ)	5 संभाग	33 जिले	90 / — (एकसदनीय)	11 / 5	2,55,45,198 (16वाँ — 2.11%)	189	70.28% (M: 80.3%, F: 60.2%)	**991 / 969 (8 राज्यों में सर्वोच्च)**	SC: 12.8% \	**ST: 30.6% (8 राज्य में सर्वोच %)**

सारणी 3.2: 8 राज्यों के राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिज़र्व, बायोस्फीयर रिज़र्व एवं रामसर आर्द्रभूमियाँ

भारत के राष्ट्रीय उद्यान (Wikipedia) एवं NTCA Tiger Reserves Report के आधार पर तुलनात्मक सारणी:

राज्य	प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान (National Parks)	अधिसूचित टाइगर रिज़र्व (Tiger Reserves)	बायोस्फीयर रिज़र्व (Biosphere Reserves)	रामसर आर्द्रभूमि स्थल (Ramsar Wetlands)
उत्तर प्रदेश	**1 राष्ट्रीय उद्यान:** दुधवा राष्ट्रीय उद्यान (लखीमपुर खीरी - 1977)	**4 टाइगर रिज़र्व:** 1. दुधवा, 2. अमानगढ़ (कार्बेट बफर - बिजनौर), 3. पीलीभीत, 4. रानीपुर (चित्रकूट - 53वाँ)	कोई नहीं (0)	**10+ स्थल:** ऊपरी गंगा नदी (प्रथम - 2005), नवाबगंज, पार्वती अरगा, समान, समसपुर, सांडी, सरसई नावर, सूर सरोवर, हैदरपुर, बखिरा (+ पटना व शेखा झील)
बिहार	**1 राष्ट्रीय उद्यान:** वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान (पश्चिमी चंपारण - 1989)	**1 टाइगर रिज़र्व:** वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व (पश्चिमी चंपारण - 1994; कैमूर द्वितीय प्रस्तावित)	कोई नहीं (0)	**3 स्थल:** 1. कावर ताल (बेगूसराय - 2020), 2. नागी पक्षी अभयारण्य (जमुई - 2024), 3. नकटी पक्षी अभयारण्य (जमुई - 2024)
मध्य प्रदेश	**11 राष्ट्रीय उद्यान:** कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय-डुबरी, माधव, वन विहार, घुघवा जीवाश्म, डायनासोर जीवाश्म, कूनो-पालपुर	**8+ टाइगर रिज़र्व:** 1. कान्हा, 2. बांधवगढ़, 3. पेंच, 4. पन्ना, 5. सतपुड़ा, 6. संजय-डुबरी, 7. वीरांगना दुर्गावती (नौरादेही), 8. रातापानी (+ माधव)	**3 बायोस्फीयर रिज़र्व (तीनों यूनेस्को MAB में):** 1. पचमढ़ी (1999), 2. अचानकमार-अमरकंटक (2005 - MP+CG), 3. पन्ना (2011)	**5 स्थल:** 1. भोज वेटलैंड (भोपाल - 2002), 2. सांख्य सागर (शिवपुरी - 2022), 3. सिरपुर तालाब (इंदौर - 2022), 4. यशवंत सागर (इंदौर - 2022), 5. तवा जलाशय (नर्मदापुरम - 2024)
राजस्थान	**5 राष्ट्रीय उद्यान:** रणथंभौर (1980), केवलादेव घाना (1981), मुकुंदरा हिल्स (2012), सरिस्का, मरु राष्ट्रीय उद्यान (जैसलमेर-बाड़मेर — क्षेत्रफल में सबसे बड़ा 3,162 वर्ग किमी)	**5 टाइगर रिज़र्व:** 1. रणथंभौर, 2. सरिस्का, 3. मुकुंदरा हिल्स, 4. रामगढ़ विषधारी (बूंदी), 5. धौलपुर-करौली	प्रस्तावित (थार मरुस्थल)	**2 प्रमुख + नवीन स्थल:** 1. केवलादेव घाना (भरतपुर - 1981, मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल), 2. सांभर झील (जयपुर - 1990) (+ खीचन, मेनार, सिलीसेढ़)
उत्तराखंड	**6 राष्ट्रीय उद्यान:** जिम कार्बेट (1936), गोविंद (1980), नंदा देवी (1982), फूलों की घाटी (1982), राजाजी (1983), गंगोत्री (1989)	**2 टाइगर रिज़र्व:** 1. जिम कार्बेट (1973 - भारत का प्रथम), 2. राजाजी (2015)	**1 बायोस्फीयर रिज़र्व:** नंदा देवी बायोस्फीयर रिज़र्व (1988, यूनेस्को MAB में 2004 से)	**1 स्थल:** आसन कंजर्वेशन रिज़र्व (देहरादून - 2020)
हरियाणा	**2 राष्ट्रीय उद्यान:** सुल्तानपुर (गुरुग्राम - 1991), कलेसर (यमुनानगर - 2003)	कोई नहीं (0)	कोई नहीं (0)	**2 स्थल:** 1. सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (गुरुग्राम - 2021), 2. भिंडावास वन्यजीव अभयारण्य (झज्जर - 2021)
झारखंड	**1 राष्ट्रीय उद्यान:** बेतला राष्ट्रीय उद्यान (लातेहार - 1986)	**1 टाइगर रिज़र्व:** पलामू टाइगर रिज़र्व (लातेहार - 1973-74)	कोई नहीं (0)	**1 स्थल:** उधवा झील पक्षी अभयारण्य (साहिबगंज)
छत्तीसगढ़	**3 राष्ट्रीय उद्यान:** इंद्रावती (बीजापुर - 1978), कांगेर घाटी (बस्तर - 1982), गुरु घासीदास (कोरिया/MCB - 1981/2001)	**4 टाइगर रिज़र्व:** 1. इंद्रावती (1983), 2. उदंती-सीतानदी (2009), 3. अचानकमार (2009), 4. गुरु घासीदास-तमोर पिंगला (56वाँ)	**1 बायोस्फीयर रिज़र्व:** अचानकमार-अमरकंटक (2005 — छत्तीसगढ़ व एमपी में विस्तृत)	कोई अधिसूचित रामसर स्थल नहीं (कोपरा जलाशय प्रस्तावित)

सारणी 3.3: अंतर-राज्यीय संयुक्त नदी घाटी एवं बहुउद्देशीय परियोजनाओं की मास्टर सारणी

बहुउद्देशीय परियोजना का नाम	संबंधित नदी	भागीदार राज्य / राष्ट्र	लागत / जल / विद्युत हिस्सेदारी एवं प्रमुख बांध
1. चंबल नदी घाटी परियोजना	चंबल नदी	**मध्य प्रदेश एवं राजस्थान**	**50 : 50** की बराबर हिस्सेदारी (कुल 386 MW: गांधी सागर [115 MW - MP], राणा प्रताप सागर [172 MW - Raj], जवाहर सागर [99 MW - Raj], कोटा बैराज)
2. बाणसागर परियोजना	सोन नदी (देवलोंद, शहडोल)	**मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं बिहार**	**2 : 1 : 1** (MP 50%, UP 25%, Bihar 25%); कुल विद्युत क्षमता 425 MW

बहुउद्देशीय परियोजना का नाम	संबंधित नदी	भागीदार राज्य / राष्ट्र	लागत / जल / विद्युत हिस्सेदारी एवं प्रमुख बांध
3. सरदार सरोवर परियोजना	नर्मदा नदी (एकता नगर, गुजरात)	**मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान**	**1,450 MW विद्युत में हिस्सेदारी: मध्य प्रदेश (57% - सर्वाधिक)**, महाराष्ट्र (27%), गुजरात (16%); राजस्थान को केवल नर्मदा नहर (जालोर व बाड़मेर में स्प्रिंकलर सिंचाई) से जल प्राप्त होता है
4. राजघाट (रानी लक्ष्मीबाई सागर) एवं माताटीला परियोजना	बेतवा नदी (ललितपुर-अशोकनगर सीमा)	**उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश**	दोनों राज्यों की संयुक्त परियोजना (राजघाट: 45 MW, माताटीला: 30.6 MW)
5. केन-बेतवा लिंक परियोजना	केन एवं बेतवा नदी	**मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश**	भारत की प्रथम राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना (दौधन बांध, पन्ना; 221 किमी लिंक नहर; बुंदेलखंड के 13 जिले लाभान्वित)
6. गंडक परियोजना	गंडक नदी (वाल्मीकिनगर बैराज)	**बिहार, उत्तर प्रदेश एवं नेपाल**	1959 का भारत-नेपाल समझौता; पश्चिमी नहर (सारण नहर - यूपी के गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर व बिहार को लाभ) एवं पूर्वी नहर (तिरहुत/त्रिवेणी नहर)
7. कोसी परियोजना	कोसी नदी (हनुमाननगर बैराज)	**बिहार एवं नेपाल**	1954 का भारत-नेपाल समझौता (1966 में संशोधित); पूर्वी कोसी नहर, पश्चिमी कोसी नहर एवं राजपुर नहर
8. दामोदर घाटी निगम (DVC - 7 जुलाई 1948)	दामोदर एवं बराकर नदी	**झारखंड एवं पश्चिम बंगाल**	स्वतंत्र भारत की **प्रथम बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना** (अमेरिका की टेनेसी वैली अथॉरिटी TVA पर आधारित); **8 बांध:** तिलैया व मैथन (बराकर नदी), कोनार (कोनार नदी), पंचायत पहाड़ी, अय्यर, बेरमो व बालपहाड़ी (दामोदर), बोकारो + दुर्गापुर बैराज
9. स्वर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना	स्वर्णरेखा एवं खरकई नदी	**झारखंड, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल**	चांडिल बांध (सरायकेला - स्वर्णरेखा नदी) एवं ईचा बांध (खरकई नदी); विश्व बैंक की सहायता से संचालित
10. भाखड़ा-नांगल एवं व्यास परियोजना	सतलज एवं व्यास नदी	**पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान**	भाखड़ा-नांगल में राजस्थान की हिस्सेदारी **15.2%** है; व्यास परियोजना के **पोंग बांध** से शीतकाल में **इंदिरा गांधी नहर (IGNP)** को नियमित जलापूर्ति होती है
11. माही बजाज सागर परियोजना	माही नदी (बोरखेड़ा, बांसवाड़ा)	**राजस्थान एवं गुजरात**	लागत में **राजस्थान (45%) : गुजरात (55%)**, किंतु **140 MW विद्युत उत्पादन पर 100% अधिकार राजस्थान का** है (कड़ाना बांध गुजरात में स्थित है)
12. बावनथड़ी (राजीव सागर) एवं पेंच परियोजना	बावनथड़ी एवं पेंच नदी	**मध्य प्रदेश (बालाघाट/छिंदवाड़ा) एवं महाराष्ट्र**	दोनों राज्यों की संयुक्त अंतर-राज्यीय सिंचाई परियोजनाएँ (उर्मिल और सिंहपुर बैराज MP व UP की संयुक्त परियोजनाएँ हैं)

सारणी 3.4: 80 परीक्षा-स्तरीय प्रश्नों की मास्टर उत्तर-कुंजी (Master Answer Key Matrix: Q1 to Q80)

प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर	प्रश्न क्र.	उत्तर
प्रश्न 1	(A)	प्रश्न 11	(A)	प्रश्न 21	(B)	प्रश्न 31	(B)	प्रश्न 41	(B)	प्रश्न 51	(A)	प्रश्न 61	(D)	प्रश्न 71	(D)
प्रश्न 2	(C)	प्रश्न 12	(C)	प्रश्न 22	(B)	प्रश्न 32	(A)	प्रश्न 42	(C)	प्रश्न 52	(C)	प्रश्न 62	(B)	प्रश्न 72	(C)
प्रश्न 3	(B)	प्रश्न 13	(B)	प्रश्न 23	(C)	प्रश्न 33	(C)	प्रश्न 43	(A)	प्रश्न 53	(C)	प्रश्न 63	(A)	प्रश्न 73	(C)
प्रश्न 4	(B)	प्रश्न 14	(B)	प्रश्न 24	(A)	प्रश्न 34	(B)	प्रश्न 44	(B)	प्रश्न 54	(A)	प्रश्न 64	(D)	प्रश्न 74	(A)
प्रश्न 5	(D)	प्रश्न 15	(C)	प्रश्न 25	(A)	प्रश्न 35	(C)	प्रश्न 45	(A)	प्रश्न 55	(C)	प्रश्न 65	(C)	प्रश्न 75	(D)
प्रश्न 6	(C)	प्रश्न 16	(C)	प्रश्न 26	(B)	प्रश्न 36	(A)	प्रश्न 46	(C)	प्रश्न 56	(B)	प्रश्न 66	(A)	प्रश्न 76	(A)
प्रश्न 7	(D)	प्रश्न 17	(B)	प्रश्न 27	(B)	प्रश्न 37	(B)	प्रश्न 47	(B)	प्रश्न 57	(B)	प्रश्न 67	(A)	प्रश्न 77	(B)
प्रश्न 8	(C)	प्रश्न 18	(C)	प्रश्न 28	(D)	प्रश्न 38	(A)	प्रश्न 48	(C)	प्रश्न 58	(B)	प्रश्न 69	(C)	प्रश्न 79	(B)
प्रश्न 9	(D)	प्रश्न 19	(C)	प्रश्न 29	(C)	प्रश्न 39	(B)	प्रश्न 49	(B)	प्रश्न 59	(D)	प्रश्न 68	(D)	प्रश्न 78	(B)
प्रश्न 10	(A)	प्रश्न 20	(B)	प्रश्न 30	(C)	प्रश्न 40	(A)	प्रश्न 50	(D)	प्रश्न 60	(B)	प्रश्न 70	(A)	प्रश्न 80	(B)

यह खंड उत्तर भारत एवं मध्य भारत के चार प्रमुख राज्यों—उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान—की प्रशासनिक संरचना, भौगोलिक विशेषताओं, जनगणना सूचकांकों, नदी तंत्रों, जनजातीय संस्कृति, औद्योगिक गलियारों तथा संवैधानिक प्रावधानों का गहन तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। राज्य लोक सेवा आयोग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आधिकारिक राज्य पोर्टल (up.gov.in) तथा अकादमिक अध्ययन मंच (www.iucacademy.com) के मानकों के अनुरूप यह सामग्री संकलित की गई है।

सारणी 30.1: चारों राज्यों की प्रशासनिक, संवैधानिक एवं जनसांख्यिकीय तुलना

क्र.सं.	मानदंड / सूचकांक	उत्तर प्रदेश	बिहार	मध्य प्रदेश	राजस्थान	आधिकारिक संदर्भ
1	राज्य पुनर्गठन / स्थापना दिवस	24 जनवरी 1950 (स्थापना दिवस)	22 मार्च 1912 (बिहार दिवस)	1 नवंबर 1956 (पुनर्गठन)	30 मार्च 1949 (राजस्थान दिवस)	up.gov.in
2	प्रशासनिक मंडल एवं कुल जिले	18 मंडल, 75 जिले	9 प्रमंडल, 38 जिले	10 संभाग, 55 जिले	10 संभाग, 50 जिले	up.gov.in
3	विधानमंडल की संरचना	द्विसदनीय (विधानसभा 403, विधानपरिषद 100)	द्विसदनीय (विधानसभा 243, विधानपरिषद 75)	एकसदनीय (विधानसभा 230 सीटें)	एकसदनीय (विधानसभा 200 सीटें)	up.gov.in
4	संसदीय प्रतिनिधित्व (लोकसभा / राज्यसभा)	लोकसभा: 80, राज्यसभा: 31	लोकसभा: 40, राज्यसभा: 16	लोकसभा: 29, राज्यसभा: 11	लोकसभा: 25, राज्यसभा: 10	upsc.gov.in
5	उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ एवं खंडपीठ	प्रयागराज (खंडपीठ: लखनऊ)	पटना (कोई खंडपीठ नहीं)	जबलपुर (खंडपीठ: इंदौर, ग्वालियर)	जोधपुर (खंडपीठ: जयपुर)	up.gov.in
6	जनसंख्या घनत्व (जनगणना 2011)	829 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी	1,106 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी	236 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी	200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी	www.iucacademy.com
7	लिंगानुपात एवं बाल लिंगानुपात (2011)	912 (बाल लिंगानुपात: 902)	918 (बाल लिंगानुपात: 935)	931 (बाल लिंगानुपात: 918)	928 (बाल लिंगानुपात: 888)	www.iucacademy.com
8	साक्षरता दर (कुल / पुरुष / महिला - 2011)	67.72% (पु. 77.3%, म. 57.2%)	61.80% (पु. 71.2%, म. 51.5%)	69.32% (पु. 78.7%, म. 59.2%)	66.11% (पु. 79.2%, म. 52.1%)	up.gov.in
9	राजकीय पशु एवं राजकीय पक्षी	बारहसिंगा / सारस (क्रौंच)	गौर (मिथुन) / घरेलू गौरैया	बारहसिंगा / दूधराज (शाह बुलबुल)	चिंकारा एवं ऊँट / गोडावण	up.gov.in
10	राजकीय वृक्ष एवं राजकीय पुष्प	अशोक / पलाश (टेसू)	पीपल / गेंदा	बरगद / सफेद लिली	खेजड़ी / रोहिड़ा	up.gov.in

सारणी 30.2: प्रमुख नदी घाटी परियोजनाएं, बांध, आर्द्रभूमियां एवं टाइगर रिजर्व

क्र.सं.	राज्य का नाम	प्रमुख नदी तंत्र एवं बांध परियोजनाएं	प्रमुख टाइगर रिजर्व एवं राष्ट्रीय उद्यान	रामसर आर्द्रभूमि स्थल (प्रमुख उदाहरण)	कृषि-जलवायु क्षेत्र एवं वनावरण विशेषताएं	आधिकारिक संदर्भ
1	उत्तर प्रदेश	रिहंद बांध (गोविंद बल्लभ पंत सागर), माताटीला बांध (बेतवा), राजघाट बांध, बाणसागर नहर तंत्र	दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़, रानीपुर (चित्रकूट) टाइगर रिजर्व	नवाबगंज, पार्वती अर्गा, समन, समसपुर, सांडी, सरसई नावर, सूर सरोवर, हैदरपुर, बखिरा	9 कृषि-जलवायु क्षेत्र; तराई, भाबर, गंगा-यमुना दोआब एवं बुंदेलखंड पठारी वन	up.gov.in
2	बिहार	कोसी बैराज, गंडक परियोजना (त्रिवेणी नहर), सोन नहर प्रणाली (इंद्रपुरी बैराज), दुर्गावती जलाशय	वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (पश्चिमी चंपारण), कैमूर वन्यजीव अभयारण्य	काबरताल (बेगूसराय), नागी एवं नकटी पक्षी अभयारण्य (जमुई)	3 मुख्य कृषि-जलवायु जोन (उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व, दक्षिण बिहार जलोढ़ मैदान)	www.iucacademy.com

क्र.सं.	राज्य का नाम	प्रमुख नदी तंत्र एवं बांध परियोजनाएं	प्रमुख टाइगर रिजर्व एवं राष्ट्रीय उद्यान	रामसर आर्द्रभूमि स्थल (प्रमुख उदाहरण)	कृषि-जलवायु क्षेत्र एवं वनावरण विशेषताएं	आधिकारिक संदर्भ
3	मध्य प्रदेश	इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, बरगी बांध (नर्मदा); गांधी सागर (चंबल); तवा एवं बाणसागर परियोजना	कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, संजय-दुबरी, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व	भोज वेटलैंड (भोपाल), साख्य सागर (शिवपुरी), सिरपुर एवं यशवंत सागर (इंदौर)	11 कृषि-जलवायु क्षेत्र; देश में सर्वाधिक वनावरण (क्षेत्रफल की दृष्टि से) एवं सागौन वन	www.iucacademy.com
4	राजस्थान	राणा प्रताप सागर एवं जवाहर सागर (चंबल), माही बजाज सागर (बांसवाड़ा), बीसलपुर बांध (बनास), इंदिरा गांधी नहर	रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी, धौलपुर-करौली टाइगर रिजर्व	केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर), सांभर झील (जयपुर/नागौर)	10 कृषि-जलवायु खंड; अरावली पर्वत श्रृंखला, थार मरुस्थलीय कंटीले वन एवं शुष्क पारिस्थितिकी	www.iucacademy.com

सारणी 30.3: खनिज संपदा, एक जिला-एक उत्पाद (ODOP), जनजातियां एवं सांस्कृतिक विरासत

क्र.सं.	राज्य का नाम	प्रमुख खनिज संसाधन एवं खनन क्षेत्र	प्रमुख जनजातियां (अनुसूचित जनजाति समुदाय)	यूनेस्को विश्व धरोहर एवं ऐतिहासिक स्थल	पारंपरिक हस्तशिल्प, लोकनृत्य एवं जीआई (GI) टैग उत्पाद	आधिकारिक संदर्भ
1	उत्तर प्रदेश	चूना पत्थर (सोनभद्र), कोयला (सिंगरौली), बॉक्साइट (बांदा), सिलिका सैंड (प्रयागराज), डायस्पोर (ललितपुर/महोबा)	थारू, बुक्सा (भोक्सा), खरवार, गोंड, सहरिया, बैगा, पहरिया, चेरो	आगरा का किला, ताजमहल, फतेहपुर सीकरी; सारनाथ एवं कुशीनगर बौद्ध परिपथ	चिकनकारी (लखनऊ), बनारसी साड़ी, भदोही कालीन, मुरादाबाद पीतल शिल्प, कथक शास्त्रीय नृत्य, चरकुला	up.gov.in
2	बिहार	पाइराइट्स (रोहतास - देश में अग्रणी), चूना पत्थर (कैमूर/मुंगेर), अभ्रक (नवादा/गया), क्वार्ट्ज एवं सोना (जमुई)	संथाल, उरांव, मुंडा, खरवार, गोंड, थारू (पश्चिमी चंपारण), कोरवा	महाबोधि मंदिर परिसर (बोधगया), नालंदा महाविहार के पुरातात्विक अवशेष	मधुबनी (मिथिला) पेंटिंग, सुजनी कढ़ाई, सिक्की घास शिल्प, भागलपुरी सिल्क, विदेशिया एवं जट-जटिन लोकनृत्य	www.iucacademy.com
3	मध्य प्रदेश	हीरा (पन्ना/मझगवां), मैंगनीज (बालाघाट - भारवेली), तांबा (मलाजखंड), कोयला (सुहागपुर), बॉक्साइट (अमरकंटक)	भील (सर्वाधिक जनसंख्या), गोंड, बैगा, भारिया (पातालकोट), सहरिया, कोल, कोरकू	खजुराहो स्मारक समूह, सांची के बौद्ध स्तूप, भीमबेटका के शैलचित्र	चंदेरी एवं महेश्वरी साड़ियां, गोंड व पिथौरा चित्रकला, बाघ प्रिंट (धार), राई एवं मटकी लोकनृत्य	www.iucacademy.com
4	राजस्थान	सीसा-जस्ता (जावर/रामपुरा आगूचा), तांबा (खेतड़ी), संगमरमर (मकराना), जिप्सम, टंगस्टन (डेगाना), चांदी	मीणा, भील, गरासिया, सहरिया (बारां), डामोर (डूंगरपुर), कथौड़ी	चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, गागरोन, आमेर, जैसलमेर दुर्ग; जयपुर परकोटा एवं जंतर-मंतर	ब्लू पॉटरी (जयपुर), थेवा कला (प्रतापगढ़), उस्ता कला (बीकानेर), घूमर एवं कालबेलिया नृत्य	www.iucacademy.com

उच्च-स्तरीय बहुविकल्पीय प्रश्न एवं विस्तृत व्याख्या (खंड 30: प्रश्न 1 से 20)

अभ्यास प्रश्न #1 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 1. उत्तर प्रदेश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उत्तर प्रदेश का सबसे दक्षिणी जिला सोनभद्र है, जो चार राज्यों—मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार—के साथ सीमा साझा करता है।

2. सहारनपुर जिला हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा तीन राज्यों के साथ सीमा बनाता है।

3. ललितपुर जिला तीन ओर से मध्य प्रदेश से घिरा हुआ है और उत्तर प्रदेश के केवल झांसी जिले से स्पर्श करता है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

- (क) केवल 1 और 2
- (ख) केवल 2 और 3

- (ग) केवल 1 और 3
- (घ) 1, 2 और 3 तीनों
- **सही उत्तर:** (घ) 1, 2 और 3 तीनों
- **विस्तृत व्याख्या:** उत्तर प्रदेश के आधिकारिक भू-प्रशासनिक मानचित्र (up.gov.in) के अनुसार सोनभद्र भारत का एकमात्र ऐसा जिला है जो चार राज्यों (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं बिहार) को स्पर्श करता है। उत्तरी सीमा पर स्थित सहारनपुर जिला हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड से जुड़ता है, जबकि बुंदेलखंड क्षेत्र का ललितपुर जिला तीन तरफ से मध्य प्रदेश से घिरा है तथा केवल झांसी जिले के माध्यम से उत्तर प्रदेश की मुख्य भूमि से जुड़ा है।

अभ्यास प्रश्न #2 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 2. उत्तर प्रदेश में स्थापित 'एक जिला एक उत्पाद' (ODOP) योजना के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

- (क) सिद्धार्थनगर — काला नमक चावल
- (ख) कौशांबी — केला प्रसंस्करण
- (ग) अमरोहा — ढोलक (संगीत वाद्ययंत्र)
- (घ) सहारनपुर — टेराकोटा (मिट्टी के कलात्मक बर्तन)
- **सही उत्तर:** (घ) सहारनपुर — टेराकोटा (मिट्टी के कलात्मक बर्तन)
- **विस्तृत व्याख्या:** उत्तर प्रदेश सरकार के आधिकारिक पोर्टल (up.gov.in) के अनुसार सहारनपुर का चयन 'लकड़ी पर नक्काशी' (Wood Crafting) के लिए किया गया है, जबकि 'टेराकोटा' गोरखपुर जिले का एक जिला एक उत्पाद है। सिद्धार्थनगर (काला नमक चावल), कौशांबी (केला) और अमरोहा (ढोलक) पूर्णतः सही सुमेलित हैं।

अभ्यास प्रश्न #3 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 3. उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड और बघेलखंड पठारी क्षेत्र में पाई जाने वाली मृदाओं के संदर्भ में 'परवा' (Parwa), 'मार' (Mar), 'काबर' (Kabar) और 'राकर' (Rakar) का सही विवरण क्या है?

- (क) मार और काबर काली मृदा के रूप हैं, जबकि परवा और राकर लाल-पीली एवं बलुई दोमट मृदा के रूप हैं
- (ख) ये चारों तराई क्षेत्र की दलदली मृदाओं के स्थानीय नाम हैं
- (ग) मार और परवा लवणीय मृदाएं हैं, जबकि काबर और राकर जलोढ़ मृदाएं हैं
- (घ) ये चारों विंध्य क्षेत्र की चूना-प्रधान पथरीली चट्टानों की श्रेणियां हैं
- **सही उत्तर:** (क) मार और काबर काली मृदा के रूप हैं, जबकि परवा और राकर लाल-पीली एवं बलुई दोमट मृदा के रूप हैं
- **विस्तृत व्याख्या:** बुंदेलखंड पठारी क्षेत्र (up.gov.in) में मृदा को मुख्यतः दो वर्गों में बांटा जाता है—काली मृदा वर्ग (जिसमें 'मार' तथा 'काबर' आती हैं, जो जल धारण क्षमता में उच्च और रेगुर के समान होती हैं) तथा लाल-पीली मृदा वर्ग (जिसमें 'परवा' हल्की बलुई दोमट मृदा है और 'राकर' ढालू क्षेत्रों की कंकरीली लाल-भूरे रंग की मृदा है)।

अभ्यास प्रश्न #4 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 4. बिहार के भौगोलिक विभाजन के संदर्भ में 'सोमेश्वर श्रेणी', 'रामनगर दून' और 'हरहा घाटी' किस जिले में अवस्थित हैं?

- (क) कैमूर
- (ख) रोहतास
- (ग) पश्चिमी चंपारण
- (घ) गया
- **सही उत्तर:** (ग) पश्चिमी चंपारण

• **विस्तृत व्याख्या:** बिहार के उत्तर-पश्चिमी कोने में स्थित पश्चिमी चंपारण जिले (www.iucacademy.com) में शिवालिक हिमालय का बाह्य विस्तार पाया जाता है, जिसे तीन उप-भागों—सोमेश्वर की पहाड़ी (सर्वोच्च चोटी फोर्ट सोमेश्वर, लगभग 874 मीटर), हरहा (दून) घाटी और रामनगर दून—में विभाजित किया जाता है।

अभ्यास प्रश्न #5 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 5. बिहार में प्रवाहित होने वाली नदियों को उत्तर से दक्षिण तथा पश्चिम से पूर्व के सही अनुक्रम में व्यवस्थित करने पर उत्तर बिहार की नदियों (पश्चिम से पूर्व) का सही क्रम कौन-सा है?

• (क) घाघरा — गंडक — बूढ़ी गंडक — बागमती — कमला — कोसी — महानंदा

• (ख) गंडक — घाघरा — बागमती — बूढ़ी गंडक — कोसी — कमला — महानंदा

• (ग) घाघरा — बूढ़ी गंडक — गंडक — कमला — बागमती — महानंदा — कोसी

• (घ) सोन — पुनपुन — फल्गु — किऊल — अजय — कोसी — महानंदा

• **सही उत्तर:** (क) घाघरा — गंडक — बूढ़ी गंडक — बागमती — कमला — कोसी — महानंदा

• **विस्तृत व्याख्या:** उत्तर बिहार के मैदानी भाग में हिमालय से निकलकर गंगा के बाएं तट पर मिलने वाली नदियों का पश्चिम से पूर्व की ओर भौगोलिक क्रम (www.iucacademy.com) क्रमशः घाघरा (सरयू), गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कमला-बलान, कोसी और सबसे पूर्व में महानंदा नदी है।

अभ्यास प्रश्न #6 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 6. 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा तथ्य सही है?

• (क) सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला शिवहर (1,880 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी) और न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला जिला कैमूर (488 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी) है

• (ख) सर्वाधिक साक्षरता दर वाला जिला पटना और न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला किशनगंज है

• (ग) सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला सिवान और न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला भागलपुर है

• (घ) सर्वाधिक नगरीकरण प्रतिशत वाला जिला मुजफ्फरपुर है

• **सही उत्तर:** (क) सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला शिवहर (1,880 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी) और न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला जिला कैमूर (488 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी) है

• **विस्तृत व्याख्या:** जनगणना 2011 (www.iucacademy.com) के आंकड़ों के अनुसार बिहार में शिवहर जिले का जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक (1,880) तथा कैमूर (भभुआ) का न्यूनतम (488) है। सर्वाधिक साक्षरता रोहतास (73.37%) में, न्यूनतम साक्षरता पूर्णिया (51.08%) में, सर्वाधिक लिंगानुपात गोपालगंज (1,021) में और सर्वाधिक नगरीकरण पटना जिले में है।

अभ्यास प्रश्न #7 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 7. मध्य प्रदेश के भौतिक प्रदेशों के अंतर्गत 'नर्मदा-सोन घाटी' और 'सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी' के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है?

• (क) सतपुड़ा श्रेणी की सर्वोच्च चोटी धूपगढ़ (1,350 मीटर) महादेव पहाड़ियों में स्थित है, जबकि अमरकंटक मैकाल श्रेणी में स्थित है

• (ख) धूपगढ़ चोटी राजपीपला पहाड़ियों में स्थित है और नर्मदा नदी मुलताई से निकलती है

• (ग) सोन नदी सतपुड़ा के दक्षिणी ढाल से निकलकर अरब सागर में गिरती है

• (घ) मालवा का पठार विंध्यन कगार भूमि के पूर्व में स्थित है

• **सही उत्तर:** (क) सतपुड़ा श्रेणी की सर्वोच्च चोटी धूपगढ़ (1,350 मीटर) महादेव पहाड़ियों में स्थित है, जबकि अमरकंटक मैकाल श्रेणी में स्थित है

• **विस्तृत व्याख्या:** मध्य प्रदेश के भौतिक भूगोल (www.iucacademy.com) में सतपुड़ा-मैकाल श्रेणी को तीन भागों—पश्चिम में राजपीपला, मध्य में महादेव पहाड़ियां (जहां पचमढ़ी के पास 1,350 मीटर ऊंची सर्वोच्च चोटी 'धूपगढ़' स्थित है) और पूर्व में मैकाल श्रेणी (जहां अमरकंटक से नर्मदा, सोन और जोहिला नदियां निकलती हैं)—में बांटा गया है। ताप्ती नदी बैतूल जिले के मुलताई से निकलती है।

अभ्यास प्रश्न #8 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 8. मध्य प्रदेश में स्थित 'मलाजखंड' और 'भारवेली' खदानें क्रमशः किन खनिजों के उत्खनन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं?

- (क) तांबा और मैंगनीज
- (ख) हीरा और बॉक्साइट
- (ग) कोयला और चूना पत्थर
- (घ) संगमरमर और रॉक फॉस्फेट

- **सही उत्तर:** (क) तांबा और मैंगनीज

- **विस्तृत व्याख्या:** मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले (www.iucacademy.com) में स्थित मलाजखंड देश की सबसे बड़ी खुली तांबा खदान (Open-cast Copper Mine) है, जबकि इसी जिले में स्थित भारवेली एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत मैंगनीज खदानों में से एक है।

अभ्यास प्रश्न #9 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 9. मध्य प्रदेश की विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) में शामिल कौन-सी तीन जनजातियां केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित हैं?

- (क) बैगा, भारिया और सहरिया
- (ख) भील, गोंड और कोरकू
- (ग) कोल, पनिका और अगरिया
- (घ) पारधी, हलबा और कमार

- **सही उत्तर:** (क) बैगा, भारिया और सहरिया

- **विस्तृत व्याख्या:** मध्य प्रदेश में निवास करने वाली तीन जनजातियों—पूर्वी मध्य प्रदेश (मंडला, डिंडोरी, बालाघाट) की 'बैगा', छिंदवाड़ा के पातालकोट घाटी की 'भारिया' तथा उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश (ग्वालियर-चंबल संभाग) की 'सहरिया' जनजाति—को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) का दर्जा प्राप्त है (upsc.gov.in)।

अभ्यास प्रश्न #10 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 10. राजस्थान में अरावली पर्वतमाला के शिखरों को उनकी ऊंचाई के अवरोही क्रम (अधिक से कम) में व्यवस्थित करने पर सही विकल्प कौन-सा है?

- (क) गुरु शिखर — सेर — दिलवाड़ा — जरगा — अचलगढ़
- (ख) गुरु शिखर — जरगा — सेर — अचलगढ़ — दिलवाड़ा
- (ग) सेर — गुरु शिखर — कुंभलगढ़ — रघुनाथगढ़ — खो
- (घ) गुरु शिखर — तारागढ़ — बैराठ — जरगा — सेर

- **सही उत्तर:** (क) गुरु शिखर — सेर — दिलवाड़ा — जरगा — अचलगढ़

- **विस्तृत व्याख्या:** राजस्थान की अरावली पर्वत श्रृंखला (www.iucacademy.com) के प्रमुख शिखरों की ऊंचाई क्रमशः गुरु शिखर (सिरोही - 1,722 मीटर), सेर (सिरोही - 1,597 मीटर), दिलवाड़ा (सिरोही - 1,442 मीटर), जरगा (उदयपुर - 1,431 मीटर) तथा अचलगढ़ (सिरोही - 1,380 मीटर) है।

अभ्यास प्रश्न #11 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 11. राजस्थान की अंतःप्रवाही (Inland Drainage) नदियों का वह समूह कौन-सा है जो किसी समुद्र या बड़ी नदी में न मिलकर मरुस्थल या झीलों में विलुप्त हो जाती हैं?

- (क) कांतली, काकनी (मसूरदी), साबी, घग्गर और रूपारेल
- (ख) चंबल, बनास, बेड़च, कोठारी और खारी
- (ग) माही, सोम, जाखम, अनास और मोरेन
- (घ) लूनी, जवाई, सुकड़ी, बांडी और मीठड़ी

• **सही उत्तर:** (क) कांतली, काकनी (मसूरदी), साबी, घग्गर और रूपारेल

• **विस्तृत व्याख्या:** राजस्थान के कुल अपवाह तंत्र का लगभग 60% भाग अंत:प्रवाही प्रणाली (www.iucacademy.com) के अंतर्गत आता है। इसमें घग्गर (हनुमानगढ़/श्रीगंगानगर), कांतली (सीकर/झुंझुनूं, जिसके किनारे गणेश्वर सभ्यता विकसित हुई), काकनी या मसूरदी (जैसलमेर में बुझ झील बनाती है), साबी, रूपारेल, मेंथा और रूपनगढ़ नदियां प्रमुख हैं।

अभ्यास प्रश्न #12 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 12. राजस्थान की प्रसिद्ध 'इंदिरा गांधी नहर परियोजना' (IGNP) के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

• (क) यह नहर पंजाब में सतलज और व्यास नदियों के संगम पर स्थित हरिके बैराज से निकलती है तथा इसमें 7 लिफ्ट नहरें हैं

• (ख) यह नहर भाखड़ा नांगल बांध से निकलती है और केवल बीकानेर जिले को जल प्रदान करती है

• (ग) इसके योजनाकार मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया थे और इसकी कुल लंबाई 204 किमी है

• (घ) इसकी सभी लिफ्ट नहरें मुख्य नहर के दाएं किनारे से निकाली गई हैं

• **सही उत्तर:** (क) यह नहर पंजाब में सतलज और व्यास नदियों के संगम पर स्थित हरिके बैराज से निकलती है तथा इसमें 7 लिफ्ट नहरें हैं

• **विस्तृत व्याख्या:** इंदिरा गांधी नहर (पूर्व नाम राजस्थान नहर) के प्रणेता इंजीनियर कंवर सेन थे (www.iucacademy.com)। यह सतलज-व्यास संगम पर हरिके बैराज से निकलती है; इसमें 204 किमी लंबी राजस्थान फीडर और 445 किमी लंबी मुख्य नहर (कुल 649 किमी) शामिल है। पश्चिमी मरुस्थलीय ढाल ऊंचा होने के कारण बाएं किनारे से 7 प्रमुख लिफ्ट नहरें (जैसे चौधरी कुंभाराम आर्य, कंवर सेन, पन्नालाल बारूपाल, वीर तेजाजी, डॉ. करणी सिंह, गुरु जम्भेश्वर एवं जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर) निकाली गई हैं।

अभ्यास प्रश्न #13 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 13. उत्तर प्रदेश में संचालित 'डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' (रक्षा औद्योगिक गलियारा) के अंतर्गत निर्धारित 6 नोड्स (केंद्रों) का सही समूह कौन-सा है?

• (क) अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर और लखनऊ

• (ख) नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली और शाहजहांपुर

• (ग) वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, आजमगढ़, मिर्जापुर और सोनभद्र

• (घ) सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मथुरा, इटावा, कन्नौज और अयोध्या

• **सही उत्तर:** (क) अलीगढ़, आगरा, झांसी, चित्रकूट, कानपुर और लखनऊ

• **विस्तृत व्याख्या:** रक्षा मंत्रालय (mod.gov.in) एवं उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (up.gov.in) के तहत उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में 6 नोड्स—लखनऊ, कानपुर, झांसी, चित्रकूट, आगरा और अलीगढ़—विकसित किए गए हैं, जहां ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई (लखनऊ) सहित स्वदेशी रक्षा उत्पादन इकाइयां स्थापित हैं।

अभ्यास प्रश्न #14 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 14. मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की संयुक्त 'केन-बेतवा लिंक परियोजना' के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?

• (क) इसमें अधिशेष जल वाली केन नदी से बेतवा नदी में जल स्थानांतरित किया जाएगा तथा पन्ना टाइगर रिजर्व में 'दौधन बांध' का निर्माण प्रस्तावित है

• (ख) इसमें बेतवा नदी से केन नदी में जल भेजा जाएगा और यह कान्हा टाइगर रिजर्व से होकर गुजरती है

• (ग) यह परियोजना केवल मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी

• (घ) केन और बेतवा दोनों नदियां सीधे गंगा नदी में बाएं तट से मिलती हैं

• **सही उत्तर:** (क) इसमें अधिशेष जल वाली केन नदी से बेतवा नदी में जल स्थानांतरित किया जाएगा तथा पन्ना टाइगर रिजर्व में 'दौधन बांध' का निर्माण प्रस्तावित है

• **विस्तृत व्याख्या:** राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना (up.gov.in) के अंतर्गत केन-बेतवा लिंक परियोजना भारत की पहली बड़ी अंतर-राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना है। इसमें केन नदी पर पन्ना जिले में दौधन बांध बनाकर 221 किमी लंबी लिंक नहर द्वारा बेतवा नदी (बरुआसागर/झांसी के निकट) में जल पहुंचाया

जाएगा, जिससे बुंदेलखंड क्षेत्र (उत्तर प्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर और मध्य प्रदेश के पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर आदि) को पेयजल व सिंचाई का लाभ मिलेगा।

अभ्यास प्रश्न #15 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 15. बिहार के ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. चिरांद (सारण) — नवपाषाणकालीन हड्डी के उपकरण

2. बराबर और नागार्जुनी पहाड़ियां (जहानाबाद) — मौर्यकालीन आजीवक संप्रदाय की गुफाएं

3. विक्रमशिला महाविहार (भागलपुर) — पाल शासक धर्मपाल द्वारा स्थापित

उपर्युक्त में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?

- (क) केवल 1 और 2
- (ख) केवल 2 और 3
- (ग) केवल 1 और 3
- (घ) 1, 2 और 3 तीनों
- **सही उत्तर:** (घ) 1, 2 और 3 तीनों
- **विस्तृत व्याख्या:** सारण (छपरा) जिले में गंगा-घाघरा संगम के पास स्थित 'चिरांद' से नवपाषाणकालीन हड्डी और सींग के प्रचुर उपकरण मिले हैं (upsc.gov.in)। जहानाबाद जिले की बराबर व नागार्जुनी पहाड़ियों में सम्राट अशोक और उनके पौत्र दशरथ द्वारा आजीवकों के लिए निर्मित गुफाएं (सुदामा, कर्ण चौपड़, लोमस ऋषि, गोपी गुफा) हैं, तथा भागलपुर के अंतीचक में पाल नरेश धर्मपाल द्वारा स्थापित विक्रमशिला विश्वविद्यालय स्थित है।

अभ्यास प्रश्न #16 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 16. राजस्थान के किलों और मंदिर स्थापत्य के संदर्भ में 'कुंभलगढ़ दुर्ग' की प्रमुख विशेषता क्या है?

- (क) इसका निर्माण महाराणा कुंभा ने शिल्पी मंडन की देखरेख में करवाया था तथा इसके भीतर 'कटारगढ़' नामक अंत:दुर्ग स्थित है
- (ख) यह ढाई साके के लिए प्रसिद्ध है और पीले पत्थरों से बिना चूने के बनाया गया है
- (ग) यह कालीसिंध और आहू नदियों के संगम पर स्थित एक जल दुर्ग (औदक दुर्ग) है
- (घ) इसका निर्माण सवाई जयसिंह द्वितीय ने खगोलीय गणनाओं के लिए करवाया था
- **सही उत्तर:** (क) इसका निर्माण महाराणा कुंभा ने शिल्पी मंडन की देखरेख में करवाया था तथा इसके भीतर 'कटारगढ़' नामक अंत:दुर्ग स्थित है
- **विस्तृत व्याख्या:** राजसमंद जिले में सादड़ी के पास जरगा पहाड़ी पर स्थित कुंभलगढ़ दुर्ग (www.iucacademy.com) का निर्माण महाराणा कुंभा ने वास्तुकार मंडन के निर्देशन में कराया था। इसकी प्राचीर लगभग 36 किमी लंबी है और इसके शीर्ष भाग में स्थित 'कटारगढ़' को 'मेवाड़ की आंख' कहा जाता है, जहां महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था। (विकल्प ख जैसलमेर दुर्ग और विकल्प ग गागरोन दुर्ग से संबंधित है)।

अभ्यास प्रश्न #17 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 17. उत्तर प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था और स्थानीय स्वशासन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा तथ्य सही है?

- (क) उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम 1961 में पारित हुआ, जिसके तहत त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू है
- (ख) उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, मंडल परिषद और जिला परिषद की चार-स्तरीय व्यवस्था लागू है
- (ग) पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 25 वर्ष निर्धारित है
- (घ) राज्य निर्वाचन आयोग की नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है
- **सही उत्तर:** (क) उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम 1961 में पारित हुआ, जिसके तहत त्रिस्तरीय व्यवस्था लागू है

• **विस्तृत व्याख्या:** उत्तर प्रदेश में बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के अनुरूप 'उत्तर प्रदेश क्षेत्र समिति एवं जिला परिषद अधिनियम, 1961' (up.gov.in) के माध्यम से त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली (ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, विकासखंड स्तर पर क्षेत्र पंचायत और जिला स्तर पर जिला पंचायत) स्थापित की गई तथा 73वें संविधान संशोधन (1992) के अनुरूप इसे संवैधानिक दर्जा दिया गया। पंचायत चुनाव के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।

अभ्यास प्रश्न #18 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 18. मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाले प्रमुख सांस्कृतिक समारोहों और उनके आयोजन स्थलों का कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

• (क) तानसेन समारोह — ग्वालियर, कालिदास समारोह — उज्जैन, ध्रुपद समारोह — भोपाल, खजुराहो नृत्य समारोह — छतरपुर

• (ख) तानसेन समारोह — इंदौर, कालिदास समारोह — जबलपुर, मालवा उत्सव — रीवा

• (ग) उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत समारोह — भोपाल, निमाड़ उत्सव — ग्वालियर

• (घ) लोकरंजन उत्सव — उज्जैन, कुमार गंधर्व समारोह — सतना

• **सही उत्तर:** (क) तानसेन समारोह — ग्वालियर, कालिदास समारोह — उज्जैन, ध्रुपद समारोह — भोपाल, खजुराहो नृत्य समारोह — छतरपुर

• **विस्तृत व्याख्या:** मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग (www.iucacademy.com) द्वारा तानसेन संगीत समारोह ग्वालियर (बेहट) में, कालिदास समारोह एवं टेपा सम्मेलन उज्जैन में, ध्रुपद समारोह भोपाल में, उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह मैहर में, कुमार गंधर्व समारोह देवास में और खजुराहो शास्त्रीय नृत्य समारोह छतरपुर जिले के खजुराहो में आयोजित किया जाता है।

अभ्यास प्रश्न #19 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 19. राजस्थान में 'मावठ' (Mawath) शब्द का प्रयोग किस मौसमी घटना के लिए किया जाता है?

• (क) शीतकाल में पश्चिमी विक्षोभ (भूमध्यसागरीय चक्रवातों) से होने वाली वर्षा, जो रबी की फसल (विशेषकर गेहूं व चना) के लिए अत्यंत लाभकारी होती है

• (ख) ग्रीष्मकाल में थार मरुस्थल में चलने वाली तीव्र धूल भरी एवं शुष्क गर्म हवाएं

• (ग) दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा से झालावाड़ में होने वाली प्रथम वर्षा

• (घ) अरावली की ढलानों पर जनजातियों द्वारा की जाने वाली स्थानांतरित कृषि

• **सही उत्तर:** (क) शीतकाल में पश्चिमी विक्षोभ (भूमध्यसागरीय चक्रवातों) से होने वाली वर्षा, जो रबी की फसल (विशेषकर गेहूं व चना) के लिए अत्यंत लाभकारी होती है

• **विस्तृत व्याख्या:** राजस्थान और उत्तर भारत में दिसंबर-जनवरी माह के दौरान भूमध्य सागर से आने वाले पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbances) के कारण होने वाली शीतकालीन वर्षा को स्थानीय भाषा में 'मावठ' (www.iucacademy.com) कहा जाता है। गेहूं और सरसों की रबी फसलों के लिए इसे 'गोल्डन ड्रॉप्स' (सुनहरी बूंदें) माना जाता है।

अभ्यास प्रश्न #20 परीक्षा उपयोगी प्रश्न

प्रश्न 20. उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमाओं से संबंधित निम्नलिखित में से कौन-सा भौगोलिक तथ्य पूर्णतः सत्य है?

• (क) मध्य प्रदेश की सीमा उत्तर प्रदेश (उत्तर-पूर्व में) और राजस्थान (उत्तर-पश्चिम में) दोनों से लगती है, किंतु बिहार से स्पर्श नहीं करती

• (ख) राजस्थान की सीमा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार तीनों राज्यों से लगती है

• (ग) उत्तर प्रदेश की सीमा राजस्थान और बिहार से लगती है, किंतु मध्य प्रदेश से नहीं लगती

• (घ) बिहार की सीमा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों से लगती है

• **सही उत्तर:** (क) मध्य प्रदेश की सीमा उत्तर प्रदेश (उत्तर-पूर्व में) और राजस्थान (उत्तर-पश्चिम में) दोनों से लगती है, किंतु बिहार से स्पर्श नहीं करती

• **विस्तृत व्याख्या:** वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ और झारखंड के गठन के पश्चात मध्य प्रदेश की सीमा 5 राज्यों (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़) से लगती है (up.gov.in)। उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक लंबी सीमा मध्य प्रदेश (11 जिलों के साथ) से लगती है तथा राजस्थान के केवल 2 जिले (भरतपुर व धौलपुर) उत्तर प्रदेश के आगरा व मथुरा से स्पर्श करते हैं। बिहार और मध्य प्रदेश के बीच कोई सीधी सीमा नहीं है।

क्वालिटी ऑडिट, त्रुटि-निवारण एवं 2024–2026 राज्य-विशेष (UP, Bihar, MP, Rajasthan) बूस्टर

1. चारों प्रमुख हिंदी-भाषी राज्यों (UP, बिहार, MP, राजस्थान) की मास्टर तुलनात्मक सारणी

मानदंड / संकेतक	उत्तर प्रदेश (UP)	बिहार (Bihar)	मध्य प्रदेश (MP)	राजस्थान (Rajasthan)
स्थापना / पुनर्गठन दिवस	24 जनवरी (1950 नामकरण)	22 मार्च (1912 बंगाल से पृथक)	1 नवंबर (1956 गठन)	30 मार्च (1949 वृहत् राजस्थान)
कुल जिले एवं संभाग/मंडल	75 जिले, 18 मंडल (UP Revenue)	38 जिले, 9 प्रमंडल	55 जिले (मैहर, पांढुर्ना, मऊगंज सहित), 10 संभाग	नवीन पुनर्गठित जिले व 10 संभाग
विधानमंडल सीटें (वि.स. / वि.प. / लो.स. / रा.स.)	403 / 100 / 80 / 31 (द्विसदनीय)	243 / 75 / 40 / 16 (द्विसदनीय)	230 / — / 29 / 11 (एकसदनीय)	200 / — / 25 / 10 (एकसदनीय)
जनसंख्या एवं घनत्व (जनगणना 2011)	19.98 करोड़ (प्रथम)	घनत्व: 829	10.41 करोड़ (तृतीय)	घनत्व: **1106 (सर्वाधिक)**	7.26 करोड़	घनत्व: 236	6.85 करोड़ (क्षेत्रफल में **प्रथम: 3,42,239 km²**)	घनत्व: 200
साक्षरता दर एवं लिंगानुपात (2011)	साक्षरता: 67.72%	लिंगानुपात: 912	साक्षरता: 61.80%	लिंगानुपात: 918	साक्षरता: 69.32%	लिंगानुपात: 931	साक्षरता: 66.11%	लिंगानुपात: 928 (Census)
राजकीय पशु, पक्षी एवं वृक्ष	बारहसिंगा, सारस (क्रौंच), अशोक	गौर (बैल), गौरैया, पीपल	बारहसिंगा, दूधराज (शाह बुलबुल), बरगद	चिंकारा व ऊँट, गोडावण, खेजड़ी
प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान / टाइगर रिज़र्व	दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़, रानीपुर (53वाँ)	वाल्मीकि (पश्चिमी चंपारण), कैमूर	कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना, पेंच, सतपुड़ा, कूनो (चीता), वीरांगना दुर्गावती	रणथंभौर, सरिस्का, मुकुंदरा हिल्स, रामगढ़ विषधारी, धौलपुर-करौली